रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73 REGISTERED No. D.(D.N.)-73

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 19, 1983/माघ 30, 1904
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1983/MAGHA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
## PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)**

### गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

आदेश

(नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1983)

**का० आ० 1078.**—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से, एतद्द्वारा 4/5 जनवरी, 1983 की रात में काशी विश्वनाथ मन्दिर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश की स्वर्ण तथा चांदी की फिटिंग, आभूषणों, तथा अन्य वस्तुओं की चोरी के संबंध में पुलिस स्टेशन चौक, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में दिनांक 5 जनवरी, 1983 को रजिस्टर्ड अपराध संख्या 6/83 के संबंध में भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 457 तथा 380 के अधीन दण्डनीय अपराधों तथा उक्त अपराधों के सम्बन्ध में अथवा उनसे सम्बन्धित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणाओं और षड्यंत्रों तथा उसी संव्यवहार के दौरान किए गए किन्हीं अन्य अपराधों का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों को शक्तियों एवं अधिकारिता का समस्त उत्तर प्रदेश राज्य में विस्तार करती है।

[संख्या 228/1/83—ए०वी०डी-II]

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1983

**S.O. 1078.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act, 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the Government of Uttar Pradesh, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for the investigation of offences punishable under section 457 and section 380 of the Indian Panel Code, 1860 (45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction in regard to the theft of gold and silver fittings, ornaments and other articles of the Kashi Vishwanath Temple, Varanasi, Uttar Pradesh, in the night of 4/5 January, 1983 registered on 5th January, 1983 at Police Station Chauk Varanasi, Uttar Pradesh as Crime No. 6/83.

[No. 228/1/83-AVD. II]

**आदेश**

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1983

**का०आ० 1079.**—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से, एतद्द्वारा चिक्कडापल्ली, हैदराबाद शहर में 22-8-1982 को हुई श्रीमती विमला देवी की मृत्यु के संबंध में, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 302 तथा 306 के अधीन दण्डनीय अपराधों तथा उक्त अपराधों के संबंध में अथवा उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों तथा उसी संव्यवहार के दौरान किए गए किन्हीं अन्य अपराधों का अन्वेषण करने के लिए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों एवं अधिकारिता का समस्त आन्ध्र प्रदेश में विस्तार करती है।

[सं० 228/2/83-ए० वी० डी०-II]

एच० के० वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 7th February, 1983

ORDER

**S.O. 1079.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Andhra Pradesh hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh, for the investigation of offences punishable under sections 302 and 306 of the Indian enal Code, 1860 (Act 45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of same transaction in regard to the death of Smt. Vimla Devi on 22-8-1982 at Chikkadapalli, Hyderabad City.

[No. 228/2/83-AVD.II]

H. K. VERMA, Under Secy.

**वित्त मंत्रालय**

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1982

आय-कर

**का०आ० 1080.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक राष्ट्रीय समिति नई दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 1982-83 और 1983-84 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[संख्या 4964/फा०सं० 197/1/82-आ० क० (ए-1)]

**MINISTRY OF FINANCE**

(Department of Revenue)

New Delhi, the 9th November, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1080.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Chattrapati Shivaji Maharaj Memorial National Committee, New Delhi" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 and 1983-84.

[No. 4964/F. No. 197/1/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1982

अधिसूचना

आय-कर

**का०आ० 1081.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "ग्रेटर मद्रास लेप्रोसी ट्रीटमेंट एंड हेल्थ एजुकेशन स्कीम" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4981/फा० सं० 197/51/78 आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 23rd November, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1081.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Greater Madras Leprosy Treatment and Health Education Scheme" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4981/F. No. 197/51/78-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1082.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इंडियन मर्चेंट्स चेंबर" को निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4986/फा०सं० 197/119/82 आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 23rd November, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1082.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Merchants Chamber" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 4986/F. No. 197/119/82-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1083.**—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'इमैनुअल फुल गॉसपेलमिसल, सलेम' को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4989/फा० सं० 197/59/82-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1083.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Emmanuel Full Gospal Mission, Salem" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4989/F. No. 197/59/82-IT(AI)]

नई दिल्ली 27 नवम्बर, 1982

आय-कर

**का०आ० 1084.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "आल इंडिया पिंगलवारा सोसाइटी (रजि)" को निर्धारण वर्ष 1974-75 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4996/फा०सं० 197/171/81 आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 27th November, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1084.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "All India Pingalwara Society (Regd.)" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1974-75 to 1982-83.

[No. 4996/F. No. 197/171/81-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1085.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सेंटर फार पब्लिक सेक्टर स्टडीज" को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 5000/फा०स० 197/209/81 आ० क० (ए 1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1085.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Public Sector Studies" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

No. 5000/F. No. 197/209/81-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1086.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सरदार वल्लभभाई समाज सेवा ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4990/फा०सं० 197/93/79-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1086.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sardar Vallabhbhai Samaj Seva Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4990/F. No. 197/93/79-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1087.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इन्स्टीट्यूट आफ कोआपरेटिव मैनेजमेंट, अहमदाबाद" को निर्धारण वर्ष 1981-82 से 1982-82 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[संख्या 4999/फा०सं० 197/3/81-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1087.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Co-operative Management, Ahmedabad" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1981-82 to 1982-83.

[No. 4999/F. No. 197/3/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1982

आय-कर

**का०आ० 1088.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "विवेकानंद मिशन आश्रम" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1982-83 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[संख्या 5016/फा०सं० 197/107/81) आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 16th November, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1088.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Vivekananda Mission Ashram" for the purpose of the said section for the period covered by he assessment years 1977-78 to 1982-83.

[No. 5016/F. No. 197/107/81-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1089.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बाम्बे विजिलेंस एसोसिएशन" को निर्धारण वर्ष 1980-81 से 1983-84 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[संख्या 5019/फा०सं० 197/63/82-आ०क० (ए 1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1089.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bombay Vigilance Association" for the purpose of tht said section for the period covered by the assessment years 1980-81 to 1983-84.

[No. 5019/F. No. 197/63/82-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1090.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्रद्धानंद महिलाश्रम" को निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[संख्या 5021/फा० सं० 197/209/82-आ०क० (ए 1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1090.**—In exercise ot fhe powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shraddhanand Mahilashram" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 5021/F. No. 197/209/82-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1091.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, "हरियाणा एमलगमेटेड फंड फार दि वेलफेयर आफ एक्स-सर्विसमैन" को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 5017/फा०सं० 197/44/82-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1091.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Haryana Amalgamated Fund for the Welfare of Ex-servicemen" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 5017/F. No. 197/44/82 IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1092.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'ज्वाईंट प्लांट कमेटी" को निर्धारण वर्ष 1983-84 और 1984-85 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 5018/फा०सं० 197/200-ए/82-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1092.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Joint Plant Committee' for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 and 1984-85.

[No. 5018/F. No. 197/200-A/82-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1093.**—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "श्री गरगे महाराज मिशन" को निर्धारण वर्ष 1980-81 से 1982-83 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 5020/फा०सं० 197/76/82-आ०क० (ए-1)]

INCOME-TAX

**S.O. 1093.**—In exercise o the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Gadge Maharaj Mission" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1980-81 to 1982-83.

[No. 5020/F. No. 197/76/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1982

आय-कर

**का०आ० 1094.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1979-80

से 1982-83 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[स० 5028/फा०सं० 197/210/80-आ०क० (ए-I)]

New Delhi, the 20th December, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1094.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madras Crocodile Bank Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 5028/F. No. 197/210/80 IT(AI)]

(आय-कर)

**का०आ० 1095.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री श्री बिजोय कृष्ण आश्रम रिलीफ सोसाइटी" को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[स० 5029/फा०सं० 197/166/81-आ०क० (ए-I)]
मिलाप जैन, अवर सचिव

INCOME-TAX

**S.O. 1095.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Sri Bijoykrishna Ashram Relief Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 5029/F. No. 197/166/81-IT(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1983

**का० आ० 1096**—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

I. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, अहमदाबाद

| | |
|---|---|
| (क) मुख्यालय | अहमदाबाद |
| (ख) सीमा शुल्क प्रभाग | वलसर |
| (ग) सीमा शुल्क प्रभाग | पोरबन्दर |
| (घ) सीमा शुल्क प्रभाग | कांडला |
| (ङ) सीमा शुल्क प्रभाग | सूरत |
| (च) सीमा शुल्क प्रभाग | जामनगर |
| (छ) सीमा शुल्क प्रभाग | भावनगर |
| (ज) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | भावनगर |
| (झ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | जामनगर |
| (ञ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | भुज |
| (ट) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | उत्तरी गुजरात, अहमदाबाद |

II. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, चण्डीगढ़

| | |
|---|---|
| (क) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क | चण्डीगढ़ |
| (ख) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क | पटियाला |
| (ग) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क | लुधियाना |
| (घ) सीमा शुल्क प्रभाग | अमृतसर |
| (ङ) मुख्यालय | चण्डीगढ़ |

III. नारकोटिक्स विभागों के अन्तर्गत अधीनस्थ कार्यालय

| | |
|---|---|
| (क) | मध्य प्रदेश एकक |
| (ख) | राजस्थान एकक |
| (ग) | उत्तर प्रदेश एकक |

IV केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क समाहर्तालय, जयपुर

| | |
|---|---|
| (क) मुख्यालय | जयपुर |
| (ख) बीकानेर | |
| (ग) अजमेर प्रभाग | |
| (घ) जोधपुर प्रभाग | |
| (ङ) जयपुर प्रभाग | |
| (च) उदयपुर प्रभाग | |
| (छ) कोटा प्रभाग | |

V. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना।

| | |
|---|---|
| क्षेत्रीय कार्यालय | जमशेदपुर |

VI. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ

| | |
|---|---|
| (क) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-I | मेरठ |
| (ख) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-II | मेरठ |
| (ग) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-I | सहारनपुर |
| (घ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-I | गाजियाबाद |
| (ङ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-II | गाजियाबाद |
| (च) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग-III | गाजियाबाद |
| (छ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | |
| उत्तरी उत्तर प्रदेश प्रभाग | मेरठ |

VII. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इन्दौर।

| | |
|---|---|
| केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | सतना |
| केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग | भिलाई |

VIII. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, बम्बई ।।

(क) मुख्यालय बम्बई
(ख) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग I, दादर बम्बई
(ग) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग II, बरली बम्बई
(घ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग IV माटुंगा बम्बई
(ङ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग V, दादर (पश्चिम) बम्बई
(च) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग VII, दादर (पश्चिम) बम्बई
(छ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग VIII, थाना बम्बई
(ज) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग IX, माटुंगा बम्बई
(झ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग X, कल्याण बम्बई
(ञ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग XI, कल्याण बम्बई
(ट) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग XII, थाना बम्बई
(ठ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग XIII, कल्याण बम्बई

IX. निरीक्षण और लेखा परीक्षा (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) निदेशालय, नई दिल्ली ।

X. सांख्यिकी और आसूचना निदेशालय, नई दिल्ली ।
मुख्यालय नई दिल्ली

XI. आंकड़ा मूल्यांकन सेन्ट्रल एक्सचेंज केन्द्रीय कार्यालय, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

XII. राजस्व आसूचना निदेशालय, नई दिल्ली ।

| | |
|---|---|
| मुख्यालय | नई दिल्ली |
| क्षेत्रीय कार्यालय | बम्बई |
| क्षेत्रीय कार्यालय | कानपुर |
| क्षेत्रीय कार्यालय | अमृतसर |
| क्षेत्रीय कार्यालय | लखनऊ |
| क्षेत्रीय कार्यालय | पटना |
| क्षेत्रीय कार्यालय | मोरादाबाद |
| क्षेत्रीय कार्यालय | मुजफ्फरपुर |
| क्षेत्रीय कार्यालय | वाराणसी |
| क्षेत्रीय कार्यालय | गोरखपुर |

XIII उप समाहर्ता का कार्यालय, स्वर्ण नियंत्रण कोर्ट, बम्बई

XIV अतिरिक्त समाहर्ता का कार्यालय, समुद्री निवारक, बम्बई ।

XV—सहायक समाहर्ता का कार्यालय, सीमा शुल्क निवारक, रायगढ़ ।

XVI—कार्यालय मुख्य नियंत्रक, शासकीय अफीम एवं अल्कालायड कारखाने ग्वालियर ।

(क) कार्यालय मुख्य नियंत्रक, ग्वालियर ।
(ख) कार्यालय महा प्रबन्धक, नीमच ।
(ग) कार्यालय महा प्रबन्धक, गाजीपुर ।

[फा० सं० ई० 11017/28/80 ए०डी०IVए]
राम फल, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd February, 1983

**S.O.1096.**—In pursuance of sub-rule (4) of 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Central Board of Excise and Customs, the staff thereof have acquired a working knowledge of Hindi :—

I. Collectorate of Central Excise and Customs, Ahmedabad

| | |
|---|---|
| (a) Headquarters | Allahabad |
| (b) Customs Division | Bulsar |
| (c) Customs Division, | Porbandar |
| (d) Customs Division, | Kandla |
| (e) Customs Division, | Surat |
| (f) Customs Division, | Jam Nagar. |
| (g) Customs Division, | Bhavnagar. |
| (h) Central Excite Division, | Bhavnagar. |
| (i) Central Excise Division, | Jamnagar. |
| (j) Central Excise Division, | Bhuj. |
| (k) Central Excise North Gujarat | Ahmedabad. |

II. Collectorate of Central Excise and Customs, Chandigarh.

| | |
|---|---|
| (a) Central Excise, | Chandigarh. |
| (b) Central Excise, | Patiala. |
| (c) Central Excise, | Ludhiana. |
| (d) Customs Division, | Amritsar. |
| (e) Headquarters, | Chandigarh. |

III. Subordinate Offices under Narcotics Departments

| | |
|---|---|
| (a) | Madhya Pradesh Unit. |
| (b) | RajasthanUnit. |
| (c) | Uttar Pradesh Unit. |

V. Collectorate of Central Excise and Customs, Jaipur

| | |
|---|---|
| (a) Headquarters, | Jaipur |
| (b) Bikaner Division. | |
| (c) Ajmer Division. | |
| (d) Jodhpur Division. | |
| (e) Jaipur Division | |
| (f) Udaypur Division. | |
| (g) Kota Division | |

V. Collectorate of Central Excise and Customs, Patna.
(a) Divisional Office, Jamshedpur

VI. Collectorate of Central Excise, Meerut.

(a) Central Excise Division, Meerut
(b) Central Excise, Division. II, Meerut
(c) Central Excise Division, Saharanpur
(d) Central Excise Division. I Ghaziabad.
(e) Central Excise Division. II Ghaziabad.
(f) Central Excise Division. III Ghaziabad.
(g) Central Excise, North U.P. Division, Meerut.

VII. Collectorate of Central Excise, Indore.

(a) Cental Excise Division, Satna.
(b) Central Excise Division, Bhilai.

VIII. Collectorate of Central Exise, Bombay-II.

(a) Headquarters, Bombay.
(b) Central Excise Division, I Dadar, Bombay.
(c) Central Excise Division, II, Worli, Bombay.
(d) Central Excise Division, III, Matoonga Bombay
(e) Central Excise Division, V, Dadar (West), Bombay
(f) Central Excise Division, VII, Dadar (West), Bombay.
(g) Central Excise Division, VIII, Thane, Bombay.
(h) Central Excise Division, IX, Mantoonga, Bombay.
(i) Central Excise Division, X, Kalyan, Bombay.
(j) Central Exoise Dvision, XI, Kalyan, Bombay.
(k) Central Excise Division, XII Thane, Bombay.
(l) Central Excise Division, XIII, Kalyan, Bombay.

IX, Directorate of Inspection and Audit (C & CE) New Delhi.

X. Directorate of Statistical and Intelligerce, New Delhi, Headquarters, New Delhi.

XI. Office of the Central Exchange Assessment Data, Central, Office, Greater Kailash, New Delhi.

XII. Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi.
Headquarters, New Delhi.
Zonal Office, Bombay
Zonal Office, Kanpur
Zonal Office, Amritsar
Zonal Office, Lucknow.
Zonal Office, Patna
Zonal Offie, Moradabad
Zonal Office, Muzaffarpur
Zonal Office, Varanasi.
Zonal Office, Gorakhpur.

XIII. Office of Deputy Collector, Gold Control, Fort, Bombay.

XIV. Office of Additional Collector, Marine and Preventive, Bombay.

XV. Office of Assistant Collector, Customs Preventive, Raigarh.

XVI. Office of Chief Controller, Government Opium & Alkaloid Factories, Gwalior.

(a) Office of Chief Controller, Gwalior
(b) Office of General Manager, Neemuch.
(c) Office of General Manager, Ghazipur.

[F. No. F.11017/28/80-Ad. IV. A]

RAM PHAL, Under Secy

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर 1982

**आय-कर**

**का० आ० 1097.**—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35ग की उपधारा (1) के खण्ड (क) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया है।

**संस्था**

केरल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, त्रिचूर विस्तार शिक्षा प्रभाग।

यह अधिसूचना 1-4-1982 से प्रभावी है और तीन वर्ष के लिए विधिमान्य है।

[सं० 5006/फा०सं० 203/149/82-आई टीए II]

एम० जी० सी० गोयल, अवर सचिव

New Delhi, the 10th December, 1982

INCOME-TAX

**S.O. 1097.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Agriculture Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi, the prescribed authority for purposes of clause (a) of sub-section (1) of Section 35C of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

Kerala Agricultural University, Trichur. Extension Education Division.

This notification is effective from 1-4-1982 and is valid for three years.

[No. 5006/F. No. 203/149/82-ITA. II]

M. G. C. GOYAL, Under Secy.

**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड**

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1983

**सं. 22/83-सीमाशुल्क**

**का. आ. 1098.**—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आंध्र प्रदेश राज्य में जिला पूर्वी गोदावरी में जयगुरुपादु ग्राम को भाण्डागार स्टेशन के रूप में घोषित करता है।

[फा. सं. 473/39/83-सीमाशुल्क-7]

एन. के. कपूर, अवर सचिव

**CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS**

New Delhi, the 19th February, 1983

No. 22/83-CUSTOMS

**S.O. 1098**—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Jegurpadu village in East Godavary District, in the State of Andhra Pradesh to be a warehousing station.

[F. No. 473/39/83-CUS. VII]

N. K. KAPUR, Under Secy.

## केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1982

### आयकर

**का० आ० 1099.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इसके साथ उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आय-कर आयुक्त, जिनके मुख्यालय स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट है, ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलो या मामलों के वर्गों की बाबत, जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में निर्दिष्ट आयकर आयुक्त की अधिकारिता में समाविष्ट है, कृत्य करेगा ।

परन्तु आय-कर आयुक्त, ऐसे व्यक्तियों या मामलों की बाबत भी कृत्य करेगा जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा उसके अधीनस्थ किसी आय-कर प्राधिकारी को समनुदेशित किए गए हों या किए जाएं। परन्तु यह और कि आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या मामलों की बाबत कृत्य नही करेगा जो उसकी अधिकारिता के बाहर किसी आयकर प्राधिकारी को समनुदेशित किए गए हों, या किए जाएं ।

### अनुसूची

| आरकर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| अन्वेषण मद्रास | मद्रास | तमिलनाडु-I तमिलनाडु II तमिलनाडु III तमिलनाडु IV कोयम्बटूर और मदुरै । |

यह अधिसूचना 26-12-1981 से प्रवृत्त होंगी ।

[सं० 4533/फा० सं० 187/36/81-आई टी (ए आई)]

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 23rd March, 1982

### INCOME-TAX

**S.O. 1099.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified in Column (1) of the Schedule hereto annexed with head-quarters specified in column (2) thereof shall perform his functions in respect of such areas or such persons or of such cases or classes of cases as are comprised in jurisdiction of the Commissioner of Income-tax referred in Column (3) of the said schedule.

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct taxes to any Income-tax authority subordinate to him. Provided further that the Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

### SCHEDULE

| Commissioner of Income Tax | Headquarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| Investigation Madras. | Madras. | Tamil Nadu-I, Tamil Nadu-II, Tamil Nadu-III, Tamil Nadu-IV, Coimbatore and Madurai. |

This notification shall come into effect from 26-12-1981.

[No. 4533 (F.No.187/36/81-IT(AI)]

### आयकर

**का० आ० 1100.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर आयुक्त, अन्वेषण, मद्रास को यह अधिकारिता प्रदान करता है कि जो आय-कर आयुक्त तमिलनाडु 1, तमिलनाडु 2, तमिलनाडु 3, तमिलनाडु 4 कोयम्बटूर और मदुरै की समवर्ती है और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड धारा 121 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (1) मे विनिर्दिष्ट आय-कर आयुक्त, जिसका मुख्यालय इसके स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट है, ऐसे मामलों या मामलों के वर्गों की बाबत जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट है, कृत्यों का पालन करेगा तथा आय-कर आयुक्त तमिलनाडु-1, तमिलनाडु 2, तमिलनाडु 3, तमिलनाडु 4, कोयम्बटूर और मदुरै उन मामलों या मामलों के वर्गों की बाबत, जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में निर्दिष्ट हैं, अपनी अधिकारिता का प्रयोग नही करेंगे ।

### अनुसूची

| आयकर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| अन्वेषण मद्रास | मद्रास | विशेष सर्वेक्षण सर्किल, मद्रास<br>विशेष सर्वेक्षण सर्किल, मदुरै<br>विशेष सर्वेक्षण सर्किल कोयम्बटूर<br>विशेष अन्वेषण सर्किल 1, 2, 3, मद्रास-1<br>विशेष अन्वेषण सर्किल कोयम्बटूर |

यह अधिसूचना 26 दिसम्बर, 81 से प्रवृत्त होगी ।

[सं० 4534/फा० सं०/87/36/81-आई टी (ए आई)]

### INCOME-TAX

**S.O. 1100.**—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes have conferred on Commissioner of Income-tax, Investigation, Madras, jurisdiction concurrent with those of the Commissioners of Income-tax, Tamil Nadu-I, Tamil Nadu-II, Tamil Nadu-III, Tamil Nadu-IV,

Coimbatore & Madurai, the Central Board of Direct Taxes in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 121, hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified in Column (1) of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in Column (2) thereof shall alone perform functions in respect of such cases or classes of cases as are referred to in column (3) of the said schedule and the Commissioners of Income-tax, Tamil Nadu-I, Tamil Nadu-II, Tamil Nadu-III, Tamil Nadu-IV, Coimbatore & Madurai shall not exercise functions over the cases or classes of cases as are referred to in column 3 of the said schedule.

SCHEDULE

| Commissioner of Income-Tax | Head-quarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| Investigation Madras. | Madras | Special Survey Circle, Madras.<br>Special Survey Circle, Madurai.<br>Special Survey Circle, Coimbatore.<br>Special Investigation Circles I, II, III, Madras.<br>Special Investigation Circle, Coimbatore. |

This notification shall come into force from 26th December, 1981.

[No. 4534/F.No.187/36/81-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1101.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि इसके उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (1) विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त जिनके मुख्यालय स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट हैं ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों या वर्गों के मामलों की बाबत, जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में निर्दिष्ट आयकर आयुक्त की अधिकारिता में समाविष्ट हैं, कृत्य करेगा :

परन्तु आय-कर आयुक्त, ऐसे व्यक्तियों या मामलों की बाबत भी कृत्य करेगा जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा उसके अधीनस्थ किसी आय-कर प्राधिकारी को समनुदेशित किए गए हैं या किए जाएं परन्तु यह और कि आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या मामलों की बाबत कृत्य नहीं करेगा जो उसकी अधिकारिता के बाहर किसी आय-कर प्राधिकारी को समनुदेशित किए गए हैं या किए जाएं।

अनुसूची

| आय-कर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| अन्वेषण, मुम्बई नगर | मुम्बई | आयकर आयुक्त मुम्बई नगर-I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI, और XII |

यह अधिसूचना 1-1-1982 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 4529/फा० सं०/187/2881-आई० टी० (ए० आई०)]

INCOME-TAX

**S.O. 1101.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Incometax specified in Column(1) of the Schedule hereto annexed with head-quarters specified in Column (2) thereof shall perform his functions in respect of such areas or such persons or of such cases or classes of cases as are comprised in the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax referred to in column (3) of the said schedule.

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him. Provided further that the Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

SCHEDULE

| Commissioner of Income Tax | Headquarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| Investigation, Bombay City | Bombay | CII, Bombay City-I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI and XII. |

This notification shall come into force with effect from 1-1-82.

[No. 4529/F.No. 187/28/81-IT(AI)]

आय-कर

**का०आ० 1102.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आय-कर आयुक्त, अन्वेषण मुम्बई को आय-कर आयुक्त मुम्बई नगर I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X XI, और XII की अधिकारिता के साथ समवर्ती अधिकारिता प्रदान कर दी है। अतः केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट आय कर आयुक्त हैं जिसका मुख्यालय इसके स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट है ऐसे मामलों या वर्गों के मामलों की बाबत जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट, कृत्यों का पालन करेगा और आयकर आयुक्त मुम्बई नगर I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI और XII

उन मामलों या वर्गों के मामलों की बाबत, जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में निर्दिष्ट हैं, कृत्य नहीं करेंगे।

अनुसूची

| आय कर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| आसूचना, मुम्बई,नगर | मुम्बई | सर्वेक्षण, सर्किल-1 और सर्वेक्षण सर्किल |

यह अधिसूचना 1-1-1982 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 4530/फा० सं० 187/28/81-आई० टी० (ए० आई)]

वी० बी० श्रीनिवासन, सचिव

INCOME TAX

**S. O. 1102.**—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes have conferred on Commissioner of Income-tax, Investigation Bombay, jurisdiction concurrent with those of the Commissioners of Income-tax, Bombay City-I, II, III, IV, V, VI,VII, VIII, IX, X, XI, & XII, the Central Board of Direct Taxes in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 121, hereby directs that the Commissioner of Income tax specified in column 1 of the Schedule hereto annexed with Headquarters specified in column (2) thereof shall alone perform functions in respect of such cases or classes of cases as are referred to in column (3) of the said schedule and the Commissioners of Income-tax Bombay City—I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI, & XII shall not exercise functions over the cases or classes of cases as are reffered to in column 3 of the said schedule.

SCHEDULE

| Commissioner of Income Tax | Head-quarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| Investigation Bombay City. | Bombay. | Survey Circle-I, and Survey Circle-II. |

This notification shall come into force from 1-1-82.

[No. 4530/F.No.187/28/81-IT (AI)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th August, 1981

INCOME-TAX

**S. O. 1103.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F.No. 187/2/74-IT(AI) dated 20-7-1974 as amended from time to time.

I. Against S.No. 12, Karnataka-I, under Column 3—item 2

**FOR** Circle -I (Wards XI, XII, XIII & XIV) Bangalore.

**READ** Circle-IV, Bangalore.

II Against S.No.12A, Karnataka-II under Column 3 –item 6.

**FOR** Circle-I (Wards I to X), Bangalore.

**READ** Circle-I, Bangalore.

[F.No. 4167/F.No.187/17/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर 1981

**आयकर**

**का० आ० 1104.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और समय-समय पर यथासंशोधित पूर्वतन अधिसूचना सं० 679 तारीख 20 जुलाई, 1974 का भागतः उपांतरण करते हुए, निदेश देता है कि नीचे अनुसूची के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट आय-कर आयुक्त जिनके मुख्यालय उसके स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट है ऐसे क्षेत्रों का ऐसे व्यक्तियों या ऐसे व्यक्ति-वर्गों या, ऐसे आय-वर्गों की आयों या ऐसे मामलों या ऐसे वर्ग के मामलों की बाबत जो स्तंभ (3) में निर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों या जिलों में समाविष्ट है, अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

परन्तु आय-कर आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों के सम्बन्ध में भी अपने कृत्यों का पालन करेगा, जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड द्वारा उसके अधीनस्थ किसी आयकर प्राधिकारी को समनुदिष्ट किए गए हों, किए जाएं।

परन्तु यह और कि आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों के सम्बन्ध में अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा, जो उसकी अधिकारिता से बाहर किसी आय-कर प्राधिकारी को समनुदिष्ट किए गए हो या किए जाएं।

**अनुसूची**

| आय-कर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 5 मुम्बई नगर-1 | मुम्बई | 1 कंपनी सर्किल-1<br>2. मुम्बई सर्किल<br>3. निर्धारण रेंज-1 |
| 5क मुम्बई-2 | मुम्बई | 1 कंपनी सर्किल-2<br>2 विदेशी कंपनी सर्किल I<br>3 निर्धारण रेंज-II<br>4 निर्धारण रेंज-IIक<br>5 वृत्तिक सर्किल ऐसे सभी व्यक्तियों के मामलों के संबंध में कार्रवाई करेगा, जो, बृहत्तर मुम्बई की राज्यक्षेत्रीय सीमाओं में चिकित्सीय वृत्ति और वकील, अधिवक्ता, सालिसिटर, रजिस्ट्रीकृत लेखापाल लागत लेखापाल आय-कर व्यवसायी के रूप में और इंजीनियर, प्रबंध परामर्श वास्तुविद और चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में वृत्ति चला रहे है।<br>6 आय-कर अधिनियम 1961 में यथापरिभाषित सभी कंपनियों जिनके कारबार वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान, निम्नलिखित वार्डों सर्किलों/जिलों की |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| | | राज्यक्षेत्रीय अधिकारिता में है और जिनके संबंध में मुम्बई स्थित कोई अन्य आयुक्त अधिकारिता नहीं रखता है :— |
| | | (क)-घ-1 वार्ड |
| | | (ख)-घ-2 वार्ड |
| 5ग. मुम्बई नगर-3 | मुम्बई | 1. कंपनी सर्किल-3 |
| | | 2. विदेशी कंपनी सर्किल-2 |
| | | 3. फिल्म सर्किल |
| | | 4. निर्धारण रेंज-3 |
| | | 5. निर्धारण रेंज-3क |
| | | 6 आय-कर अधिनियम, 1961 में, यथापरिभाषित सभी कंपनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान, निम्नलिखित वार्डों/सर्किलों/जिलों की राज्यक्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिनके सम्बन्ध में मुम्बई स्थित कोई अन्य आयुक्त अधिकारिता नहीं रखता है :— |
| | | (क) क-1 वार्ड |
| | | (ख) क-2 वार्ड |
| | | (ग) क-3 वार्ड |
| | | (घ) क-4 वार्ड |
| | | (ङ) क-5 वार्ड |
| 5-ग-मुम्बई नगर-4 | मुम्बई | 1. कंपनी सर्किल-4 |
| | | 2. क-1 वार्ड |
| | | 3. क-2 वार्ड |
| | | 4 बृहत्तर मुम्बई की राज्यक्षेत्रीय सीमाओं में न्यास सर्किल—ऐसे मामलों के सम्बन्ध में कार्रवाई करेगा, जिनमें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11, 12 और 13 के साथ पठित धारा 10 के खंड (20क), या खंड (21) या खंड (22) या खंड (22क) या खंड (23) या खंड (23क) या खण्ड (23ग) या खंड (24) या खंड (25) के अधीन छूट का दावा किया गया है। |
| | | 5. निर्धारण रेंज-4 |
| | | 6. निर्धारण रेंज-4क |
| | | 7. आय-कर अधिनियम, 1961 में यथापरिभाषित सभी कंपनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान, निम्नलिखित वार्डों/सर्किलों/जिलों की राज्यक्षेत्रीय अधिकारिता में है और जिनके सम्बन्ध में मुम्बई स्थित कोई अन्य आयुक्त अधिकारिता नहीं रखता है :— |
| | | (क) ग-1 वार्ड |
| | | (ख) ग-2 वार्ड |
| | | (ग) ग-3 वार्ड |
| | | (घ) ग-4 वार्ड |
| | | (ङ) ग-5 वार्ड |
| 5-घ मुम्बई नगर-5 | मुम्बई | 1. कंपनी सर्किल-5 |
| | | 2. ख-1 वार्ड |
| | | 3. निष्क्रांत सर्किल-2 |
| | | 4. ख-3 वार्ड |
| | | 5. विदेश अनुभाग |
| | | 6. निर्धारण रेंज-5 |
| | | 7. आय-कर अधिनियम, 1961 में यथापरिभाषित सभी कंपनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्डों/सर्किलों/जिलों की राज्यक्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिनके सम्बन्ध में कोई अन्य आयुक्त अधिकारिता नहीं रखता है :— |
| | | (क) ख-1 वार्ड |
| | | (ख) ख-2 वार्ड |
| | | (ग) ख-3 वार्ड |
| | | (घ) मंडी वार्ड |
| | | (च) छ-वार्ड |
| | | (छ) छक-वार्ड |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 5ङ मुम्बई नगर-6 | मुम्बई | 1. कंपनी सर्किल-6<br>2. निर्धारण रेंज-6<br>3. मंडी वार्ड<br>4. क-3 वार्ड<br>5. क-4 वार्ड<br>6. आय-कर अधिनियम, 1961 में यथापरिभाषित सभी कंपनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान, निम्नलिखित वार्डों/सर्किलों/जिलों की राज्यक्षेत्रीय अधिकारिता में है और जिनके सम्बन्ध में कोई अन्य आयुक्त अधिकारिता नहीं रखता है :—<br>(क) बी०एस०डी० (पूर्व)<br>(ख) बी०एस०डी० (दक्षिण)<br>(ग) बी० एस०डी० (पश्चिम)<br>(घ) बी०एस०डी० (उत्तर) |
| 5 च मुम्बई नगर-7 | मुम्बई | 1. घ-1 वार्ड<br>2. घ-2 वार्ड<br>3 ग-4 वार्ड<br>4. निर्धारण रेंज-7 क |
| 5छ मुम्बई नगर-6 | मुम्बई | 1. ग-1 वार्ड<br>2. ग-2 वार्ड<br>3. निष्क्रांत सर्किल-1<br>4. ग-3 वार्ड<br>5. ग-5 वार्ड<br>6. निर्धारण रेंज 7 |
| 5ज मुम्बई नगर-9 | मुम्बई | 1. घ-वार्ड<br>2. छ-वार्ड<br>3. छक-वार्ड<br>4. ख-घ-घ (दक्षिण)<br>5. निर्धारण रेंज 8 |
| 5-झ मुम्बई नगर-10 | मुम्बई | 1. बी० एस० डी० (पूर्व)<br>2. बी० एस० डी० (पश्चिम)<br>3. बी० एस०डी० (दक्षिण)<br>4. ख-2 वार्ड<br>5. निर्धारण रेंज-9 |
| 5-ञ मुम्बई नगर-11 | मुम्बई | 1. वेतन शाखा-1<br>2. वेतन शाखा-2<br>3. टी०डी० एस०<br>4. क-5 वार्ड |
| 5-ट मुम्बई नगर-12 | मुम्बई | 1. 10 वार्ड ऐसे सभी व्यक्तियों के मामलों में, जो बृहत्तर मुम्बई की राज्यक्षेत्रीय सीमाओं में सड़क परिवहन संचालकों का कारबार चला रहे हैं और ऐसे सभी मामलों के संबंध में कारवाई करेगा, जो उसे आय-कर अधिनियम 1961 के उपबंधों के अधीन आय के अधीन भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन समनुदेशित किसी अन्य आदेश या आदेशों द्वारा किए गए हों ।<br>2. मुम्बई प्रतिदाय सर्किल<br>3. अनिवासी प्रतिदाय सर्किल |
| 5-ठ (अन्वेषण) | मुम्बई, मुम्बई नगर | 1. सर्वेक्षण सर्किल-1<br>2. सर्वेक्षण सर्किल-2 |

यह अधिसूचना 19 अक्तूबर, 1981 से प्रभावी होगी।

[सं० 4264/फा०सं० 187/78/81-2 (ए आई)]

New Delhi, the 16th October, 1981

## INCOME-TAX

**S.O. 1104.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the previous Notification No. 679 dated 20th July, 1974, as amended from time to time, the Central Board of Direct Taxes, hereby direct that the Commissioners of Income-tax specified in column (1) of the Schedule hereto annexed with head quarters specified in column (2) thereof, shall perform the functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of incomes or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circles, Wards or Districts referred to in column (3) :

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may hereafter be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority sub-ordinate to him;

Provided further that a Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority out side his jurisdiction.

SCHEDULE

| Income Tax Commissioner | Head Quarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 5. Bombay City-I | Bombay. | 1. Companies Circle-I.<br>2. Bombay Circle.<br>3. Assessment Range-I. |
| 5A. Bombay City-II. | Bombay. | 1. Companies Circle-II.<br>2. Foreign Companies Circle-I.<br>3. Assessment Range-II.<br>4. Assessment Range-IIA.<br>5 Professional Circle dealing with cases of all persons engaged in carrying on of medical profession and profession as lawyers, advocates, solicitors, registered accountants, cost accountants, Income-tax practitioners and as Engineers, Management Consultants, Architects and Chartered Accountants in the territorial limits of Greater Bombay.<br>6. All the Companies as defined in I.T. Act, 1961 having their principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at Bombay holds jurisdiction at present :—<br>(a) D-I Ward,<br>(b) D-II Ward. |
| 5B. Bombay City-III | Bombay. | 1. Companies Circle-III.<br>2. Foreign Companies Circle-II.<br>3. Film Circle.<br>4. Assessment Range-III.<br>5. Assessment Range-IIIA.<br>6. All Companies as defined in Income-tax Act, 1961, having principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at Bombay holds jurisdiction at present:—<br>(a) A-I Ward.<br>(b) A-II Ward.<br>(c) A-III Ward.<br>(d) A-IV Ward.<br>(e) A-V Ward. |
| 5C. Bombay City-IV | Bombay. | 1. Companies Circle-IV.<br>2. A-I Ward.<br>3. A-II Ward.<br>4. Trust Circle dealing with cases in which exemption is claimed under clause (20A) or clause (21) or clause (22) or clause (22A) or clause (23) or clause (23A) or clause (23B) or clause (23C) clause (24) or clause 25 of Section 10 read with sections 11, 12 & 13 of the I.T. Act, 1961 in the territorial limits of Greater Bombay.<br>5. Assessment Range-IV.<br>6. Assessment Range-IVA.<br>7. All Companies as defined in the I.T. Act, 1961 having their principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at Bombay holds jurisdiction at present.<br>(a) C-I Ward.<br>(b) C-II Ward.<br>(c) C-III Ward.<br>(d) C-IV Ward.<br>(e) C-V Ward. |
| 5D. Bombay City-IV. | Bombay. | 1. Companies Circle-V.<br>2. B-I Ward<br>3. Evacuee Circle-II.<br>4. B-III Ward.<br>5. Foreign Section.<br>6. Assessment Range-V.<br>7. All Companies as defined in the I.T. Act, 1961 having their principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at present holds jurisdiction :—<br>(a) B-I Ward.<br>(b) B-II Ward.<br>(c) B-III Ward.<br>(d) E-Ward.<br>(e) Market Ward.<br>(f) G-Ward.<br>(g) GA-Ward. |
| 5E. Bombay City-VI. | Bombay. | 1. Companies Circle-VI.<br>2. Assessment Range-VI.<br>3. Market Ward.<br>4. A-III Ward.<br>5. A-IV Ward.<br>6. All Companies as defined in the I.T. Act, 1961 having the principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction in the |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| | | following Wards/Circles/Districts and over which on other Commissioner holds jurisdiction at present :—<br>(a) B.S.D. (East)<br>(b) B.S.D. (South).<br>(c) B.S.D. (West).<br>(d) B.S.D. (North). |
| 5F. Bombay City-VII. | Bombay. | 1. D-I Ward.<br>2. D-II Ward.<br>3. C-IV Ward.<br>4. Assessment Range-VIIA |
| 5G. Bombay City-VIII | Bombay. | 1. C-I Ward.<br>2. C-II Ward.<br>3. Evacuee Circle-I.<br>4. C-III Ward.<br>5. C-V Ward.<br>6. Assessment Range-VII. |
| 5H. Bombay City-IX | Bombay. | 1. E-Ward.<br>2. G-Ward.<br>3. GA-Ward.<br>4. B.S.D. (South).<br>5. Assessment Range-VIII. |
| 5-I Bombay City-X. | Bombay. | 1. B.S.D. (East).<br>2. B.S.D. (West).<br>3. B.S.D. (North).<br>4. B-II Ward.<br>5. Assessment Range-IX. |
| 5-J. Bombay City-XI. | Bombay. | 1. Salaries Branch-I.<br>2. Salaries Branch-II.<br>3. T.D.S.<br>4. A-V Ward. |
| 5-K. Bombay City-XII. | Bombay. | 1. X-Ward dealing with cases of all persons carrying on business as road transport operators in the territorial limits of Greater Bombay and all cases assigned by any other order or orders under the provisions of I.T. Act, 1961 or under the corresponding provisions of the Indian Income-tax Act, 1922.<br>2. Bombay Refund Circle.<br>3. Non-Resident Refund Circle. |
| 5-L (Investigation) Bombay City. | Bombay. | 1. Survey Circle-I.<br>2. Survey Circle-II. |

This notification shall take effect from 19th October, 1981.

[No. 4264 (F. No. 187/28/81-IT(AI)]

## शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1981

**आयकर**

**का० आ० 1105.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679, तारीख 20 जुलाई, 1974 से संलग्न अनुसूची का निम्नलिखित संशोधित करना है, अर्थात :—

निम्नलिखित प्रविष्टियां निम्नलिखित रूप में जोड़ी/प्रतिस्थापित की जाएंगी :

| आयकर आयुक्त | मुख्यालय | अधिकारिता |
|---|---|---|
| 5घ मुम्बई नगर 5 | मुम्बई 8 | निर्धारण रेंज 5क |
| 6ङ मुम्बई नगर 6 | मुम्बई 6 | निर्धारण रेंज 6क |
| 6च मुम्बई नगर 7 | मुम्बई 4 | निर्धारण रेंज 7क के स्थान पर निर्धारण रेंज 7 पढ़ें। |
| 5छ मुम्बई नगर 8 | मुम्बई 6 | निर्धारण रेंज 7 के स्थान पर निर्धारण रेंज 8 पढ़ें। |
| 5ज मुम्बई नगर 9 | मुम्बई 5 | निर्धारण रेंज 8 के स्थान पर निर्धारण रेंज 9 पढ़ें। |
| 5झ मुम्बई नगर 10 | मुम्बई 5 | निर्धारण रेंज-9 के स्थान पर निर्धारण रेंज 10 पढ़ें। |

[सं० 4271/फा० सं० 187 (28)/81-आई टी (एआई)]

वी० बी० श्रीनिवासन, सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd October, 1981

**S. O. 1105.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in its Notification No. 679 dt. 20-7-74 as amended from time to time.

The following entries shall be added/substituted as follows:

| Commissioners of Income-tax. | Headquarters | Jurisdiction |
|---|---|---|
| 5D. Bombay-V | Bombay | 8. Assessment Range-VA. |
| 5E. Bombay City-VI | Bombay | 7. Assessment Range-VIA. |
| 5F. Bombay City-VII | Bombay | 4. *For* Assessment Range-VIIA.<br>*Read*-Assessment Range-VII. |
| 5G Bombay City-VIII | Bombay | 6. *For* Assessment Range-VII *Read* Assessment Range-VIII. |
| 5H Bombay City-IX | Bombay | 5. *For* Assessment Range-VIII. *Read* Assessment Range-IX. |
| 5I Bombay City-X | Bombay | 5. *For* Assessment Range-IX. *Read* Assessment Range-X. |

[No. 4271/F.No.187/28/81-IT (AI)]

V. B, SRINIVASAN, Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1983

**आयकर**

**का० आ० 1106.**—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

NOTIFICATION NO. 18/82

Indore, the 3rd February, 1983

**S.O. 1112.**—Consequent upon his adhoc promotion as Administrative Officer/Examiner of Accounts/Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise, Group 'B' Shri M. M. Ghosh, Office Superintendent of Central Excise has assumed his charge as Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' Hqrs. Office Indore on 13-12-82 (FN).

[C. No. II(3)10-Con/82/1062]

S. K. DHAR, Collector

## वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1983

**का० आ० 1113.**—निर्यात क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अंतर्गत 1982 वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा जारी किए गए नियमों (संशोधित नियमों सहित) की तालिका ।

| | | का०आ०सं० | तारीख |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | निर्यात निरीक्षण परिषद् कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) संशोधन नियम, 1982 | 556 | 6-2-1982 (राजपत्र तारीख 13-2-1982 में प्रकाशित) |
| 2. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) संशोधन नियम, 1982 | 557 | 6-2-1982 (राजपत्र तारीख 13-2-1982 में प्रकाशित) |
| 3. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण (भर्ती) संशोधन नियम, 1982 | जी०एस०आर० सं० 402 | 24-4-1982 |
| 4. | निर्यात निरीक्षण परिषद् मृत्यु व सेवा-निवृत्ति अनुतोषिक (संशोधन) नियम, 1982 | का०आ० 2140 | 12-6-1982 |
| 5. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण, मृत्यु व सेवा-निवृत्ति आनुतोषिक (संशोधन) नियम, 1982 | का० आ० 2141 | 12-6-1982 |
| 6. | सजावट के प्रयोजन के लिए ग्रे जूट फैब्रिक (निरीक्षण) नियम, 1982 | का० आ० 2285 | 19-6-1982 (राजपत्र तारीख 26-6-1982 में प्रकाशित) |
| 7. | विद्युत मोटरों तथा जनित्रों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का०आ० 2976 | 28-8-1982 |
| 8. | पटसन मिल के पुर्जे तथा उपसाधनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | 2977 | 28-8-1982 |
| 9. | एल्यूमिनियम के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का०आ० 2978 | 28-8-1982 |
| 10. | पटसन उत्पादों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का० आ० 3440 | 25-9-1982 (राजपत्र तारीख 2-10-1982 में प्रकाशित) |
| 11. | जूट सूत और जूट सुतली का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1982 | का० आ० 3619 | 23-10-1982 |

[सं० 6(1)/83-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 19th February, 1983

**S.O.1113.**—Index of rules (Including amending rules) issued by the Central Government during the year 1982, under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

| | | S.O. No. | Date |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Export Inspection Council, Employees (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982. | 556 | 6-2-1982 (Published in the Gazetted dated 13-2-1982.) |
| 2. | Export Inspection Agency, (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982. | 557 | 6-2-1982 (Published in the Gazette dated 13-2-1982.) |
| 3. | Export Inspection Agency (Recruitment) Amendment Rules, 1982. | G.S.R. No. 402 | 24-4-1982 |
| 4. | Export Inspection Council, Death cum-Retirement Gratuity (Amendment) Rules, 1982. | S.O. No. 2140 | 12-6-1982 |
| 5. | Export Inspection Agency, Death-cum-Retirement Gratuity (Amendment) Rules, 1982. | 2141 | 12-6-1982 |

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1983

**का० आ० 1109**—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 19 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और धारा 20 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने हुए, एतद्द्वारा श्री आर० पी० गोयल, उप प्रबंध निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक को 31 जनवरी, 1983 से आरम्भ होकर और 30 नवम्बर, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है ।

[सख्या एफ० 8/1/83-बी०ओ०-1]

च० वा० मीरचन्दानी, उप सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 31st January, 1983

**S.O. 1109.**—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 19 and sub-section (1) of section 20 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri R. P. Goyal, Deputy Managing Director of the State Bank of India as the Chairman of the State Bank of India for the period commencing on 31st January, 1983 and ending with 30th November, 1983.

[No. F. 8/1/83-BO. II]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी 1983

**का० आ० 1110.**—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री जी० पापा राव को श्री अनन्त ग्रामीण बैंक, अनन्तपुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 1 नवम्बर 1982 से प्रारम्भ होकर 31-5-1983 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री जी० पापा राव अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे ।

[सं० एफ० 2-59/82 आर० आर० बी०]

राम बेहरा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1983

**S.O. 1110.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri G. Papa Rao as the Chairman of the Sree Anantha Grameena Bank, Anantapur and specifies the period commencing on the 1-11-1982 and ending with the 31-5-1983 as the period for which the said Shri G. Papa Rao shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-59/82-RRB]

RAAM BEHRA, Under Secy.

**समाहर्तालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश**

**अधिसूचना सं० 4/82**

इन्दौर, 25 अक्तूबर, 1982

**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क**

**का० आ० 1111.**—मध्य प्रदेश एवं विदर्भ समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर द्वारा जारी अधिसूचना सं० 1/76, के० उ० शु० दिनांक 18/20-3-1976 जिसके अंतर्गत वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण करने वाले निर्धारितीयों को परेषण विशेष के लिये वसूल किये जाने वाले मूल्य को गेटपास (नियम 52क में निर्धारित) पर घोषित करने तथा हटाये जाने वाले ऐसे माल पर कथित घोषित मूल्य के आधार पर शुल्क का विनिश्चय करने की अनुमति प्रदान की गई थी, जहां तक वह मध्य प्रदेश समाहर्तालय के अधिकार क्षेत्र से संबंधित है, एतद्द्वारा वापिस ली जाती है ।

[फा० सं० बी/ 12/30-3/81/सी० एक्स०]

Office of the Collector of Central Excise, Madhya Pradesh

NOTIFICATION No. 4/82

Indore, the 25th October, 1982

CENTRAL EXCISES

**S.O. 1111.**—Notification No. 1/76-EC dated 18/20-3-1976, permitting the assessees manufacturing vegetable product, to declare the price transacted by them for the particular consignment on the Gate-pass (prescribed in rule 52-A) and to determine the duty payable on such goods intended to be removed on the basis of the said declared price, issued by the erstwhile M. P. & Vidharbha Collector, Central Excise, Nagpur is hereby withdrawn so far it relates to the jurisdiction of Madhya Pradesh Collectorate.

[C. No. V(12)30-3/81-CX]

**अधिसूचना सं० 18/82**

इंदौर, 3 फरवरी, 1983

**का० आ० 1112.**—प्रशासनिक अधिकारी/परीक्षक लेखा/सहायक प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के रूप में तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप श्री एम० एम० घोष, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने परीक्षक लेखा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "ख" मुख्यालय कार्यालय, इंदौर के रूप में दिनांक 13-12-82 (पूर्वाह्न) को कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।

[प० सं० 11(3)10-गोप/82/220]

एम०के० धर, समाहर्ता

NOTIFICATION NO. 18/82

Indore, the 3rd February, 1983

S.O. 1112.—Consequent upon his adhoc promotion as Administrative Officer/Examiner of Accounts/Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise, Group 'B' Shri M. M. Ghosh, Office Superintendent of Central Excise has assumed his charge as Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' Hqrs. Office Indore on 13-12-82 (FN).

[C. No. II(3)10-Con/82/1062]

S. K. DHAR, Collector

## वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1983

**का० आ० 1113.**—निर्यात क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अंतर्गत 1982 वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा जारी किए गए नियमों (संशोधित नियमों सहित) की तालिका ।

| | | का०आ०सं० | तारीख |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | निर्यात निरीक्षण परिषद् कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) संशोधन नियम, 1982 | 556 | 6-2-1982 (राजपत्र तारीख 13-2-1982 में प्रकाशित) |
| 2. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) संशोधन नियम, 1982 | 557 | 6-2-1982 (राजपत्र तारीख 13-2-1982 में प्रकाशित) |
| 3. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण (भर्ती) संशोधन नियम, 1982 | जी०एस०आर० सं० 402 | 24-4-1982 |
| 4. | निर्यात निरीक्षण परिषद् मृत्यु व सेवा-निवृत्ति अनुतोषिक (संशोधन) नियम, 1982 | का०आ० 2140 | 12-6-1982 |
| 5. | निर्यात निरीक्षण अभिकरण, मृत्यु व सेवा-निवृत्ति अनुतोषिक (संशोधन) नियम, 1982 | का० आ० 2141 | 12-6-1982 |
| 6. | सजावट के प्रयोजन के लिए ग्रे जूट फैब्रिक (निरीक्षण) नियम, 1982 | का० आ० 2285 | 19-6-1982 (राजपत्र तारीख 26-6-1982 में प्रकाशित) |
| 7. | विद्युत मोटरों तथा जनित्रों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का०आ० 2976 | 28-8-1982 |
| 8. | पटसन मिल के पुर्जे तथा उपसाधनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | 2977 | 28-8-1982 |
| 9. | एल्यूमिनियम के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का०आ० 2978 | 28-8-1982 |
| 10. | पटसन उत्पादों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 | का० आ० 3440 | 25-9-1982 (राजपत्र तारीख 2-10-1982 में प्रकाशित) |
| 11. | जूट सूत और जूट सुतली का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1982 | का० आ० 3619 | 23-10-1982 |

[सं० 6(1)/83-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 19th February, 1983

**S.O.1113.**—Index of rules (Including amending rules) issued by the Central Government during the year 1982, under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

| | | S.O. No. | Date |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Export Inspection Council, Employees (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982. | 556 | 6-2-1982 (Published in the Gazetted dated 13-2-1982.) |
| 2. | Export Inspection Agency, (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982. | 557 | 6-2-1982 (Published in the Gazette dated 13-2-1982.) |
| 3. | Export Inspection Agency (Recruitment) Amendment Rules, 1982. | G.S.R. No. 402 | 24-4-1982 |
| 4. | Export Inspection Council, Death cum-Retirement Gratuity (Amendment) Rules, 1982. | S.O. No. 2140 | 12-6-1982 |
| 5. | Export Inspection Agency, Death-cum-Retirement Gratuity (Amendment) Rules, 1982. | 2141 | 12-6-1982 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 6. | Export of Grey Jute Fabric for Decorative purpose (Inspection) Rules, 1982. | 2285 | 19-6-1982 (Publihsed in the Gazette dated 26-6 1982.) |
| 7. | Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1982. | 2976 | 28-8-1982 |
| 8. | Export of Jute Mills Spares and Accessories (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1982. | 2977 | 28-8-1982 |
| 9. | Export of Aluminium Utensils (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1982. | 2978 | 28-8-1982 |
| 10. | Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Amendment 1982. | 3440 | 25-9-1982 (Published in the Gazetted dated 2-10-82) |
| 11. | Export of Jute Yarn and Jute Twins (Quality Control and Inspection) Rules, 1982. | 3619 | 23-10-1982 |

[No. 6(1)/83-EIEP]

**का.आ. 1114.**—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं. जे इंजिनियरिंग वर्क्स लि. जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 23 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, में स्थित है को, मैं. जे. इंजिनियरिंग वर्क्स लि. रोयानगर, बांसद-रोनी 24 परगना, पश्चिमी बंगाल में विनिर्मित नीचे दिए गए पंखों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए का. आ. 1487 तारीख 16 मई, 1981 में अधिसूचित शर्तों के अधीन 16 मई 1982 से एक और वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है :

1. मेज के पंखे
2. छत के पंखे
3. एयर सरकुलेटर

[सं. 5(6)/80 ई.आई.एंड ई. पी.]

**S.O. 1114.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16 May, 1982, M/s. Jay Engineering Works Limited having their registered office at 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001 as the Agency for inspection of Electric Fans as given below manufactured at M/s. Jay Engineering Works Limited, Roynagar, Bansdroni, 24-Parganas, West Bengal prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1487 dated 16 May 1981 :

1. Table Fans
2. Ceiling Fans
3. Air-Circulators

[No. 5(6)/80/EI & EP]

## आदेश

नई दिल्ली 19 फरवरी, 1983

**का० आ० 1115.**—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण, अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, कि सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में, और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) के आदेश सं० का० आ० 47 तारीख 3 जनवरी, 1981 द्वारा उक्त विषय पर पूर्व प्रकाशित प्रस्तावों का अधिक्रमण करते हुए, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनकी उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है तो वह उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण अभिकरण, 14/1 बी०, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल) कलकत्ता-700001 को भेज सकता है।

### प्रस्ताव

(i) यह अधिसूचित करना कि सीमेंट कंकरीट फर्श की टाईलों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाएगा।

(ii) इस आदेश के उपाबंध 1 में दिए गए सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाईलों का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1983 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को, निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो ऐसी सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाईलों के निर्यात को लागू किया जाएगा।

(iii) (क) सुसगत भारतीय मानकों या किसी भी अन्य राष्ट्रीय मानको को,

(ख) इस बात के अधीन रहते हुए कि उत्पाद इस आदेश के उपाबध में विनिर्दिष्ट न्यूनतम विशेषताओ की पूर्ति करता है सविदात्मक विनिर्देशों को,

(ग) निर्यातकर्ता द्वारा निर्यातकर्ता और विदेशी क्रेता के बीच निर्यात सविदा के स्वीकृत विनिर्देशो के रूप में घोषित विनिर्देशो को, ऐसी निर्यात सविदाओ के लिए जो इस आदेश के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से पूर्व पुष्ट हो गई है तथा जिनका उस तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर निर्यात कर दिया गया है, सीमेंट ककरीट की फर्श की टाईलों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप मे, मान्यता देना।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम मे सीमेट ककरीट की पर्श की टाइलो के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणो द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण पत्र नही है कि सीमेट ककरीट की फर्श की टाइलें पूर्वोक्त मानक विनिर्देशो के अनुरुप हैं और निर्यात योग्य है।

3 इस आदेश की कोई भी बात—

(क) भावी ऋताओ को भू मार्ग, समुद्र मार्ग या वायु मार्ग द्वारा सीमेट ककरीट की फर्श की टाइलो के वास्तविक नमूनो के निर्यात को लागू नही होगी जिनका पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 500/- रुपय से अधिक नही है,

(ख) सीमेट ककरीट की फर्श की टाइलो के उन परेषणो के निर्यात को लागू नही होगी जो अन्तिम आदेश के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से पहले ही विनिर्माता या निर्यातकर्ता के परिसर से जा चुके है।

4. इस आदेश मे "सीमेंट फंकरीट की फर्श की टाइलो" से ऐसी टाइले अभिप्रेत है जो सामान्य पोटलेड सीमेट या जल्दी कडा होने वाले पोटलेड सीमेट .

और रगीन सामग्री जहां आवश्यक हो, दाब प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित है और सीमेट बनाने के लिए तोडे हुए प्राकृतिक पत्थर इनके अंतर्गत —

(क) साधारण सीमेंट की टाइले अर्थात् जिनके विनिर्माण मे सतह पर किसी प्रकार के वर्णक और स्टोन चिप्स का प्रयोग नही किया जाता है ,

(ख) साधारण रगीन टाइले अर्थात् जिनमे साधारण सतह पर स्टोन - चिप्स रहित वर्णको का का प्रयोग किया जाता है ,

(ग) टेराजो टाइलें अर्थात् जिनकी सतह वर्णकों रहित या सहित मिश्रित पोर्टलेंड सीमेंट के मीट्रक्स मे स्टोन चिप्स बनायी गयी हैं ;

किन्तु इसके अतर्गत रग-बिरगी और पूर्व निर्मित्त टाईलें नही हैं।

उपबन्ध-I

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमो का प्रारुप ।

1. संक्षिप्त नाम —इन नियमो का सक्षिप्त नाम सीमेंट ककरीट की फर्श की टाइलों का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1983 है।

2. परिभाषाए —इन नियमो मे जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ,

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणो में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ,

(ग) "परिषद" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है ,

(घ) "सीमेट फंकरीट की फर्श की टाइलो" से ऐसी टाइलें अभिप्रेत हैं जो सामान्य पोटलेंड सीमेट या जल्दी कड़ा होने वाले पोर्टलेंड सीमेट, सीमेट बनाने के लिए. तोडे हुए प्राकृतिक पत्थर और रंगीन सामग्री, जहा अपेक्षित हो, दाब प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित है और इनके अंतर्गत.—

(i) "साधारण सीमेट की टाइलें" अर्थात् जिनके विनिर्माण में सतह पर किसी प्रकार के वर्णक स्टोन चिप्स का प्रयोग नही किया जाता है ;

(ii) साधारण रंगीन टाइलें अर्थात् जिनमें साधारण सतह पर स्टोन-चिप्स रहित वर्णको का प्रयोग किया जाता है ;

(iii) टराजों टाइलें अर्थात् जिनकी सतह वर्णको रहित या सहित मिश्रित पोर्टलैड सीमेंट के मैट्रिक्स में स्टोन-चिप्स से बनाई गयी हैं ; किन्तु इनके अंतर्गत रंग-बिरंगी और पूर्व निर्मित्त टाइलें नही हैं।

(ङ) "अनुसूची" से इन नियमों से सलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. निरीक्षण का आधार:—सीमेट फंकरीट की फर्श की टाइलो का निरीक्षण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि निर्यात के लिए आशयित सीमेंट फंकरीट की फर्श की टाइलो

का परेषण अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार है ; अर्थात्

(क) सुसंगत भारतीय मानक या अन्य कोई राष्ट्रीय मानक (ख) अनुसूची में निर्दिष्ट परीक्षण की प्रणाली या नमूना लेने के मानदंड को अपनाते हुए उत्पादों के निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर इस बात के अधीन रहते हुए कि उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन आदेश के उपाबंध-I में निर्दिष्ट न्यूनतम अपेक्षाओं की पूर्ति करता है, संविदात्मक विनिर्देश, या (ग) निर्यातकर्ता द्वारा निर्यातकर्ता और विदेशी क्रेता के बीच निर्यात संविदा के स्वीकृत विनिदेशों के रूप में घोषित विनिर्देशों को ऐसी निर्यात संविदाओं के लिए जो अन्तिम आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पूर्व पुष्ट हो गई हैं तथा जिनका उस तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर निर्यात कर दिया गया है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों को निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता अपने ऐसे करने के आशय की सूचना लिखित रुप में संबंधित निर्यात निरीक्षण अभिकरण को देगा और ऐसी सूचना के साथ निर्यात संविदा या आदेश की एक प्रति अभिकरण के निकटतम कार्यालय को देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके ।

(2) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना पोत-लदान की प्रत्याशित तारीख से कम से कम 7 दिन पहले दी जाएगी ।

(3) उप-नियम (2) के अधीन सूचना प्राप्त होने पर, अभिकरण नियम 3 और परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार निरीक्षण करेगा।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों के निर्यात किए जाने वाला परेषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो वह उपनियम (2) के अधीन सूचना प्राप्त होने के सात दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए कि परेषण निर्यात योग्य है, निर्यातकर्ता को प्रमाण-पत्र जारी करेगा :

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है वहां वह सात दिन की उक्त अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा।

5. निरीक्षण का स्थान :— इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो विनिर्माता के परिसरों पर किया जाएगा या उन परिसरों पर किया जाएगा जहां निर्यातकर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाता है, परन्तु यह तब जबकि वहां इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हैं।

6. निरीक्षण फीस :—(i) प्रत्येक परेषण के लिए कम से कम 100 रुपए के अधीन रहते हुए, ऐसे प्रत्येक परेषण के लिए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए के लिए चालीस पैसे की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में दी जाएगी सिवाय विनिर्माता/निर्यातकर्ताओं की दशा में जो संबद्ध राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्रों में लघु विनिर्माण एककों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं।

(ii) उन विनिर्माता निर्यातकर्ताओं के लिए जो संबद्ध राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्रों के पास लघु विनिर्माण एककों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, प्रति परेषण कम से कम 100/— रुपए के अधीन रहते हुए , पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रति एक सौ रुपए के लिए निरीक्षण फीस की दर 36 पैसे होगी ।

7. अपील :— (i) निरीक्षण अभिकरण द्वारा नियम 4 के उपनियम (4) के अधीन प्रमाण-पत्र जारी करने के इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्तियों से गठित विशेषज्ञों के पैनल को जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किया जाए, अपील कर सकेगा ।

(ii) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी सदस्य होंगे ।

(iii) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी ।

(iv) अपील प्राप्त होने के पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी ।

## अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

1. नमूने लेने के लिए मापमान : नमूना लेने के माप-मान के संबंध में संविदात्मक विनिर्देशों में विशिष्ट अनुबंध के न होने पर नीचे अधिकथित अनुबंध लागू होंगे :—

(1) एक परेषण में एक ही प्रकार, श्रेणी, आकार की सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों से एक लाट गठित होगा और प्रत्येक विशिष्टता के लिए एक लाट में से चुनी गई नमूना टाइलों की संख्या नीचे दी गयी सारणी के अनुसार होगी :—

**सारणी-I**

| लाट आकार | नमूना टाइलें | त्रुटिपूर्ण की अनुज्ञेय संख्या (स्वीकृत-संख्या) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| 150 तक | 3 | 0 |
| 151 से 500 तक | 5 | 0 |
| 501 से 3000 तक | 8 | 0 |
| 3001 से 10,000 तक | 10 | 0 |
| 10,001 से 35000 तक | 13 | 1 |
| 35,001 से 1,00,000 तक | 20 | 2 |
| 1,00,001 और अधिक | 32 | 3 |

टिप्पण --एक विशिष्टता के लिए, उपरोक्त सारणी के अनुसार चुनी गई टाइलें, उसके लिए अपेक्षाओं के सत्यापन के पश्चात् अगली विशिष्टता के लिए और उसके बाद फिर प्रयुक्त की जा सकेंगी । तथापि, नकारात्मक परीक्षण जैसे, गीली अनुप्रस्थ क्षमता के लिए, जल अवशोषकता आदि के लिए पृथक से नमूने लिए जाएंगे । घिसने वाली सतह की मोटाई अनेक केन्द्रों पर टाइल की उस विभंग रेखा के साथ नापी जाएगी जिसका परीक्षण गीली अनुप्रस्थ क्षमता के लिए किया गया था । कुल मोटाई के लिए, टाइल की निचले ओर पर खांचों के भाग के नाम से भिन्न केन्द्रों पर रीडिंग ली जाएगी ।

1.2 पुनः परीक्षण : यदि उपमद (1) के नीचे की सारणी के अनुसार चुना गया नमूना परीक्षण अपेक्षाओं को पूर्णतः या भागतः पूरा नहीं करता है तो यदि निर्यातकर्ता ऐसा चाहे तो नीचे दी गई सारणी के अनुसार एक नया नमूना उसी परेषण में से लिया जाएगा और उसका परीक्षण किया जाएगा :

**सारणी - II**

| लाट आकार | नमूना टाइल | त्रुटिपूर्ण की अनुज्ञेय (अनुमोदित संख्या) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| 150 तक | 6 | 0 |
| 151 से 500 तक | 10 | 1 |
| 501 से 3000 तक | 16 | 3 |
| 3001 से 10,000 तक | 20 | 3 |
| 10,001 से 35,000 तक | 26 | 4 |
| 35,001 से 1,00,000 तक | 40 | 6 |
| 1,00,001 और अधिक | 64 | 8 |

टिप्पण :--यदि निर्यातकर्ता चाहे तो, देरी से बचने के लिए प्रथम निरीक्षण के समय ही नमूनों का द्वितीय सैट भी लिया जा सकेगा ।

2. अनुरूपता का मापदंड :--यदि निर्यात संविदा में अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है तो किए गए परीक्षणों की अनुरूपता के मानदंड सुसंगत भारतीय मानक विनिर्देश के अनुसार होंगे अर्थात् समय समय पर यथा-संशोधित भा० मा० : 1237-1980 का अनुसरण किया जाएगा ।

3. परीक्षण की पद्धति :--यदि निर्यात संविदा में विनिर्दिष्ट नहीं है तो सुसंगत भारतीय मानक विनिर्देशों अर्थात् समय समय पर यथा-संशोधित भा० मा० 1237-1980 में विनिर्दिष्ट परीक्षण पद्धतियों का पालन किया जाएगा ।

## उपाबंध - II

### सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों के लिए निर्दिष्ठ विशेषताओं की न्यूनतम अपेक्षाएं

1. **संरचना** :

सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलें, पोर्टलैण्ड सीमेंट प्राकृतिक योगों और जहां आवश्यक हो रंजक सामग्री के मिश्रण से दाब प्रक्रिया द्वारा निर्मित की जाएंगी । अग्रभाग/घिसाई की परत सम्पूर्ण अच्छी क्वालिटी संगमरमर या पर्याप्त कठोरता वाले प्राकृतिक पत्थर की होगी जबकि आधारित परत के लिए पूर्ण सामग्री प्राकृतिक पदार्थों जैसे पिसी या बिना पिसी बजरी या प्राकृतिक रेत पिसे पत्थर की रेत या पिसी बजरी सहित पिसे पत्थर की होगी ।

2. फिनिश : जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो सभी टाइलों की सतह, चपटी और चिकनी, वहिर्वेशन अवनमन आकुंचन से मुक्त होगी । किनारों और फिटिंग्स की सतह चपटी और आकुंचन से मुक्त होगी । सभी किनारे तेज तथा सीधे होंगे ।

3. **विमाएं** :

टाइलों का आकार न्यूनतम 20 मिली मीटर की मोटाई के अधीन रहते हुए क्रेता और विक्रेता के बीच तय पाए करार के अनुसार होगा ।

4. सहूयताएं :

(1) टाइलों की लम्बाई या चौड़ाई पर सहयता + 1 मिली मीटर होगी इसके अतिरिक्त नमूने में सबसे लम्बे और सबसे छोटे किनारों के बीच की साइड की लम्बाई में अंतर 1 मिलीमीटर से अधिक नही होगा ।

(2) मोटाई पर सहूयता + 5 मिलीमीटर होगी । इसके अतिरिक्त नमूने में सबसे मोटी और सबसे पतली टाइल्स के बीच की मोटाई मे अन्तर 3 मिलीमीटर से अधिक नहीं होगा ।

5. घिसाई परत की मोटाई :--

सीमेंट कंकरीट की फर्श की टाइलों की विभिन्न श्रेणियों के लिए घिसाई परत की न्यूनतम मोटाई सारणी के अनुसार होगी :

**सारणी**

| क्रम संख्या | टाइल्स की श्रेणियां | छिजारे वाली परत की कम से कम मोटाई (मि० मी०) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| (i) | सामान्य प्रयोग के लिए साधारण सीमेंट और साधारण रंगीन टाइलें, | 5 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| (ii) | सामान्य प्रयोग के लिए टेराजों टाइलें चिप्स सहित जिनका, छोटी का आकार 6 मि०मी० तक हो। | 5. |
| (iii) | सामान्य प्रयोजन के लिए टेराजों टाइलें चिप्स सहित जिनका छोटी से छोटी का आकार 12 मि० मी० तक हो। | 6 |
| (iv) | सामान्य प्रयोजन के लिए टेराजों टाइलें चिप्स सहित जिनका, छोटी से छोटी का आकार 20 मि० मी० हो। | 6 |
| (v) | भारी कार्य के लिए साधारण टाइल्स और साधारण सभी रंगीन टाइलें | 6 |

टिप्पण:—टाइल की जो विभंजक रेखा गीली अनुप्रस्थ क्षमता के लिए परीक्षित की गयी थी उसके साथ घिसने वाली सतह की मोटाई विभिन्न बिंदुओ पर नापी जाएगी । दो नापों का अंक गणितीय माध्य जो निम्नतम मूल्य दर्शाता है, वह घिसने वाली सतह की न्यूनतम मोटाई होगी।

6. अग्रभाग/घिसने वाली सतह में चिप्स का रंग, डिजाइन और आकार :

टाइलों के सामने और घिसने वाली परत के रंग, डिजाइन और आकार क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार या अनुमोदित नमूनों के अनुसार होंगे ।

7. जल अवशोषकता :

जल अवशोषकता की औसत प्रतिशतता 10 से अधिक नहीं होगी ।

8. आद्र/अनुप्रस्थ क्षमता :

औसत आद्र अनुप्रस्थ क्षमता 30 किलोग्राम एफ वर्ग सेंटीमीटर 2 से कम नही होगी ।

टिप्पण:— टेराजों का निर्यात क्रेता की इच्छानुसार नीचे दी गयी तीन श्रेणियों में से किसी एक के अन्तर्गत किया जा सकता है, अर्थात् :—

(क) तलछटी (ख) अर्ध पालिश किए हुए (3) पूर्ण पालिश किए हुए (आक्जैलिक अम्ल की कोटिंग से न कि मोम की कोटिंग से पूर्ण फिनिश सहित) जबकि साधारण टाइलें (क) बिना पालिश की हुई या (ख) अर्ध पालिश की हुई या पूर्णतया पालिश करके प्रदाय की जाएंगी ।

[सं० 6(15)/80-(ई० आई० एण्ड ई० पी०)]

ORDER

**S.O. 1115.**—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that cement concrete flooring tiles should be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the proposals on the subject published earlier vide Order of the Government of India in Ministry of Commerce, Department of Commerce, No. S.O. 47, dated the 3rd January, 1981, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Agency 14/1B, Ezra Street (7th floor) Calcutta-700001.

PROPOSALS

(i) To notify that cement concrete flooring tiles shall be subject to inspection prior to export.

(ii) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Cement Concrete Flooring Tiles (Inspection) Rules, 1983, set out in Annexure I to this Order, as the type of inspection which would be applied to such cement concrete flooring tiles.

(iii) To recognise—

(a) relevant Indian Standards or any other National Standards;

(b) contractual specifications subject to the product satisfying the minimum of the characteristics specified in Annexure II to this Order;

(c) the specifications declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract between the foreign buyer and the exporter, for such export contracts as are confirmed prior to the date of publication of this order in the Official Gazette and exported within a period of sixty days from that date; as the standard specifications for cement concrete flooring tiles.

(iv) To prohibit the export in the course of International trade of the cement concrete flooring tiles ,unless the same are accompanied by a certificate, issued by any of the Export Inspection Agencies, established under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the cement concrete flooring tiles conform to any of the aforesaid standard specifications and are exportworthy.

3. Nothing in this Order shall apply to the export of—

(a) bonafide samples of cement concrete flooring tiles not exceeding Rs. 500/- only in Free-on-Board value to the prospective buyer by land, sea or air;

(b) consignments of Cement Concrete flooring tiles which might have already left the premises of the exporter or manufacturer immediately prior to the date of publication of final Order in the Official Gazette.

4. In this Order "Cement Concrete Flooring Tiles" means tiles manufactured by pressure process from a mixture of

ordinary portland cement or rapid hardening portland cement; natural aggregates and colouring material where required and includes—

(a) plain cement tiles, that is to say, tiles in the manufacture of which no pigments and stone chips are used in the wearing surface;

(b) plain coloured tiles, that is to say, tiles having a plain wearing surface wherein pigments are used but without stone chips;

(c) terrazo tiles, that is to say, tiles whose wearing surface is composed of stone chips in matrix of portland cement mixed with or without pigments, but does not include chequered tiles and precast tiles.

## ANNEXURE I

Draft rules propsed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

1. Short title.—These rules may be called the Export of Cement Concrete Flooring Tiles (Inspection) Rules, 1983.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies estabilshed under section 7 of the Act;

(c) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(d) "Cement Concrete Flooring Tiles" means tiles manufactured by pressure process from a mixture of ordinary portland cement or rapid hardening portland cement; natural aggregates and colouring material where required, and includes :—

(i) plain cement tiles, that is to say, tiles in the manufacture of which no pigments and stone chips are used in the wearing surface;

(ii) plain coloured tiles, that is to say, tiles having a plain wearing surface where in pigments are used but without stone chips ;

(iii) terrazo tiles, that is to say, tiles whose wearing surface is composed of stone chips in matrix of portland cement mixed with or without pigments; but does not include chequered tiles and precast tiles.

(e) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Cement Concrete flooring tiles shall be carried out with a view to seeing that the consignment of cement concrete flooring tiles intended for export conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, namely (a) the relevant Indian Standards or any other National Standards (b) contactual specifications subject to the product satisfying the minimum of the characteristics specified in the Annexure to the Order under section 6 of the Act, or (c) the specification declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract between the foreign buyer and the exporter, for such export contracts as are confirmed prior to the date of publication of the final Order in the Official Gazette and exported within a period of sixty days from that date, on the basis of inspection and testing of finished products by adopting the scale of sampling and method of test specified in the Schedule.

4. Procedure of inspection.—(1) The exporter intending to export cement concrete flooring tiles shall give intimation in writing of his intention so to do, to the concerned Export Inspection Agency and submit along with such intimation a copy of the export contract or Order to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than seven days before the expected date of shipment.

(3) On receipt of the intimation under sub-rule (1), the Agency shall carry out the inspection in accordance with rule 3 and instructions issued by the Council from time to time.

(4) If, after the inspection, the Agency is satisfied that the consignment of cement concrete flooring tiles to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall, within seven days of the receipt of the intimation under sub-rule (2) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as export-worthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reason therefor.

5. Place of Inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either at the premises of the manufacturer or at the premises at which the goods are offered by the exporter, provided adequate facilities, for the purpose exist therein.

6. Inspection fee.—(i) subject to a minimum of Rs. 100/- for each consignment, a fee at the rate of forty paise for every one hundred rupees of the free on board (FOB) value for each such consignment shall be paid as inspection fee except in case of manufacturer-exporters, who are registred as small scale manufcturing units with the concerned State Government or the Union territory.

(ii) Subject to a minimum of Rs. 100/- for each consignment, the inspection fee rate shall be thirty six paise for every one hundred rupees of the free on board (FOB) value for manufacturers-exporters, who are registered as small scale manufacturing units with the concerned State Government or the Union territory.

7. Appeal.—(i) Any person aggrieved by the refusal of the inspection agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(ii) At least two thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(iii) The quorum for the panel shall be three.

(iv) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

## SCHEDULE

(See rule 3)

1. Scale of sampling :—In the absence of specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling scale, the same as laid down below shall be applicable:—

(1) All the cement concrete flooring tiles in a consignment which are of same type, class shape and size shall be grouped together to constitute a single lot and for each characteristic the number of sample tiles to be selected from a lot shall be in accordance with the Table given below:

TABLE

| Lot size | Sample Tiles | No. of defective permissible (Acceptance number) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| Upto 150 | 3 | 0 |
| 151 to 500 | 5 | 0 |
| 501 to 3,000 | 8 | 0 |
| 3,001 to 10,000 | 10 | 0 |
| 10,001 to 35,000 | 13 | 1 |
| 35,001 to 1,00,000 | 20 | 2 |
| 100001 and above | 32 | 3 |

NOTE : The tiles selected as per Table above for one characteristic, may as well, after verification of the requirements

for the same, may be used for the next characteristic and so on. However, for destructive tests like wet transverse srtength water absorption, etc, separate samples shall be drawn. The thickness of the wearing layer may be measured at several points along the fracture line of the tile that was tested for wet transverse strength. For total thickness, the readings should be taken at points other than in the grooved portion on the underside of the tile.

(2) Re-testing :—In case the sample selected in accordance with Table below sub item (1) fails to meet totally or partially the test requirements, a new sample as per Table given below shall be taken from the same consignment and tested, if so desired by the exporter.

TABLE

| Lot Size | Sample tile | No of defective permissible (Acceptance number) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| Upto 150 | 6 | 0 |
| 151 to 500 | 10 | 1 |
| 501 to 3,000 | 16 | 3 |
| 3,001 to 10,000 | 20 | 3 |
| 10,001 to 35,000 | 26 | 4 |
| 35,001 to 1,00,000 | 40 | 6 |
| 1,00,001 and above | 64 | 8 |

Note : If desired by the exporter, the second set of samples may also be drawn at the time of first inspection to avoid delay.

2. Criteria of conformity.—If not otherwise specified in the export contract, the criteria of conformity of the tests carried out shall be as per relevant Indian Standard Specifications namely IS 1237-1980 as amended from time to time shall be followed.

3. Method of test.—If not specified in the Export contract, test methods as specified in the relevant Indian Standard Specifications, namely IS 1237-1980 as amended from time to time shall be followed.

## ANNEXURE II

## MINIMUM REQUIREMENTS OF THE SPECIFIED CHARACTERISTICS FOR CEMENT CONCRETE FLOORING TILES

1. Construction.—Cement concrete flooring tiles shall be manufactured from a mixture of portland cement, natural aggregates, and colouring material where required, by pressure process. In the facing/wearing layer the aggregate shall consist of good quality marble or other natural stone of similar characteristics of adequate hardness While for the base layer the aggregate shall consist of naturally occurring material such as crushed or uncrushed gravel or crushed stone, with natural sand, crushed stone sand or crushed gravel sand.

2. Finish.—Unless otherwise specified, the surface of all tiles shall be smooth and plain, free from projections, depressions and crazing, skirtings and fittings shall have smooth surfaces free from crazing. All edges shall be sharp and tone.

3. Dimensions.—The size of tiles shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to a minimum total thickness of 20 mm.

4. Tolerances.—(1) Tolerances on length or breadth of tiles shall be ±1 mm. In addition, the differences in length of side between the longest side and the shorter side in the sample shall not exceed 1 mm

(2) Tolerance on thickness shall be +5 mm. In addition the difference in thickness between the thickest and the thinnest tile in the sample shall not exceed 2 mm.

5. Thickness of wearing layer.—The minimum thickness of wearing layer for the various classes of cement concrete flooring tiles shall be as per Table.

TABLE

| Sl. No. | Class of tiles | Minimum thickness of wearing layer (mm) |
|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) |
| (i) | Plain cement & Plain coloured tiles, for general purpose | 5 |
| (ii) | Terrazo tiles with chips of size varying from the smallest upto 6 mm, for general purpose | 5 |
| (iii) | Terrazo tiles with chips of size varying from the smallest upto 12 mm, for general purpose. | 6 |
| (iv) | Terrazo tiles with chips of size varying from the smallest upto 20 mm, for general purpose. | 6 |
| (v) | Plain cement and plain coloured tiles, for heavy duty | 6 |

NOTE :—The thickness of the wearing layer shall be measured at several points along the fracture line of the tile that was tested for wet transverse strength. The arithmetic mean of the two measurements which yielded the lowest value shall be the minimum thickness of wearing layer.

6. Colour, design and size of chips in the facing/wearing layer : The colour, design and size of chips in the facing/wearing layer of the tiles shall be as agreed between the buyer and the exporter or as per approved sample(s).

7. Water absorption : The average percentage of water absorption shall not exceed 10.

8. Wet transverse strength : The average wet transverse strength shall not be less than 30 kgf/cm².

NOTE :—Terrazo tiles shall be exported under anyone of the three categories as desired by the buyer, namely (a) Grouted, (b) Semi-polished, (c) Fully-polished (with smooth finished with oxalic acid coat but not wax coated), while plain tiles shall be supplied as (a) Unpolished, or (b) Semi-polished, or (c) Fully-Polished.

[No. 6(15)/80-EI&EP]

## आदेश

**का० आ० 1116**:—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि

दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) के आदेश संख्या का० आ० 1234 तारीख 3 मई 1980 के अनुसार प्रकाशित प्रस्तावों को अधिक्रान्त करते हुए, उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, 'प्रगति टावर' 26, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली—110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाएगा।

(2) इस आदेश के उपाबंध—I में दिए गए दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस थैलों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1983 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैलों और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और दोहरे ताने वाले दोहरे पटसन कैन्वस थैलों को लागू होगा।

(3) (क) निर्यात संविदा में करार पाए संविदात्मक विनिर्देशों को मान्यता देना बशर्ते कि ऐसे विनिर्देश उपाबंध—II में दिए गए विनिर्देशों से कम न हों,

(ख) राष्ट्रीय मानकों अर्थात्:—

(i) भारतीय मानकों,

(ii) अन्य देशों के मानकों,

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं द्वारा तैयार किए गए मानकों,

(iv) निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य निकायों के मानकों, तथा

(ग) इस आदेश के उपाबंध—II में दिए गए विनिर्देशों को मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, दोहरे ताने वाला पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस थैले का निर्यात तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न लगा हो कि दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले कैनवस थैले का परीक्षण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भूमि, समुद्री या वायु मार्ग द्वारा दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस थैले के ऐसे नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी, जिनका पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 125 (एक सौ पच्चीस) से अधिक न हो।

4. परिभाषाएं :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(i) "दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस थैले" से नीचे II में निर्दिष्ट कपड़े से बना थैला अभिप्रेत होगा;

(ii) "दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े" से पूर्णतया दोहरे ताने तथा एकल ताने वाले पटसन से बना, अंतग्रंथित एक सादी बुनाई का कपड़ा अभिप्रेत है जिसका वजन 12 औंस प्रति वर्ग गज (407 ग्राम प्रति वर्गमीटर) से कम नहीं होगा जिसके ताने धागों की संख्या 30 प्रति इंच (118 प्रति डेसीमीटर) से अधिक नहीं होगी तथा ताने धागों की संख्या 14 प्रति इंच (55 प्रति डेसीमीटर) से कम नहीं होगी;

(iii) "दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले" से मद संख्या (iv) में निर्दिष्ट कपड़े से बना थैला अभिप्रेत होगा,

(iv) "दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल कपड़े" से पूर्णतया दोहरे ताने तथा एकल ताने वाले जूट से बना अंतग्रंथित, एक सादी बुनाई का कपड़ा अभिप्रेत है, जिसका वजन 18 औंस प्रति वर्ग गज (610 ग्राम प्रति वर्ग मीटर) से अधिक

नहीं होगा और जिसके ताने धागो की संख्या 30 प्रति इंच (118 प्रति डेसीमीटर) और ताने धागों की संख्या 14 प्रति इंच (55 प्रति डेसीमीटर) से अधिक नहीं होगी।

**उपाबंध –I**

[(पैरा 2 का उप-पैरा (2) देखिए)]

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1983 है।

(2) ये नियम को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं :—इन नियमों मे, जब तक कि संदर्भ मे अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है.

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) "परिषद्" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है;

(घ) "दोहरे ताने वाले जूट कैनवस थैले" से खण्ड (ङ) मे निर्दिष्ट कपडे से बना थैला अभिप्रेत है,

(ङ) "दोहरे ताने वाला जूट कैनवस कपडे" से पूर्णतया दोहरे ताने तथा एकल ताने वाले पटसन से बना अंतग्रथित, एक सादी बुनाई का कपडा अभिप्रेत है; जिसका वजन 12 औंस प्रतिवर्ग गज (407 ग्राम प्रतिवर्ग मी०) से कम नहीं होगा, जिसके ताने धागों की संख्या 30 प्रति इंच (118 प्रति डेसीमीटर) से अधिक नहीं होगी तथा बाने धागों की संख्या 14 प्रति इंच (55 प्रति डेसीमीटर) मे अधिक नही होगी;

(च) "दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल थैले" से मद संख्या (iv) में निर्दिष्ट कपड़ो से बना थैला अभिप्रेत है;

(छ) "दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल कपडे" से पूर्णतया जूट से बना दोहरे ताने तथा एकल बाने से अग्रथित एक सादी बुनाई का कपडा है जिसका वजन 18 औंस प्रति वर्गगज (610 ग्राम प्रति वर्गमीटर) है जिसके ताने धागों की संख्या 30 प्रति इंच (118 प्रति डेसीमीटर) और बाने धागो की संख्या 14 प्रति इंच (55 प्रति डेसीमीटर) से अधिक नही होगी।

3 क्वालिटी, नियंत्रण और निरीक्षण :

(i) क्वालिटी नियंत्रण —निर्यात के लिए आशयित दोहरे ताने वाले पटसन तारपालिन कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का क्वालिटी नियंत्रण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि वे अनुसूची-I में दिए गए नियंत्रणो के स्तरो सहित विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

(ii) विनिर्माण एकक द्वारा एक प्रयोगशाला और निरीक्षण विभाग बनाया जाएगा जो आवश्यक निरीक्षण और परीक्षण करने के लिए पर्याप्त रूप से उपस्कर और कर्मचारी युक्त होगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि एकक द्वारा विनिर्मित उत्पाद इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देशो के अनुरूप है।

(iii) उत्पादो का परीक्षण करने के लिए नमूना, जहां कहीं भी अपेक्षित हो, अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा।

(iv) किए गए परीक्षण के बारे मे विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित एवं व्यवस्थित रूप मे रखे जाएंगे।

(v) भण्डारकरण और अभिवहन दोनों के दौरान, उत्पाद भली भांति सुरक्षित रखा जाएगा।

(vi) उत्पादन तथा निरीक्षण और परीक्षण में प्रयुक्त मेजो और उपकरणो की कालिक जांच तथा अंशशोधन किया जाएगा और उस आशय के अभिलेख विनिर्माण एकक द्वारा वृत्त कार्ड के रूप मे रखे जाएंगे।

(vii) सभी उत्पादो का उचित पहचान चिह्न होगा ताकि जब कभी आवश्यक हो सही कार्रवाई करने के लिए उन्हे उसी विशेष नियंत्रण यूनिट से संबंधित किया जा सके जिससे उनका संबंध है।

(viii) ऐसा उत्पाद, जो उचित क्वालिटी नियंत्रण अभ्युपायो का प्रयोग किए बिना विनिर्मित किया गया है और जहां परीक्षणो मे यह मालूम होता है कि इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देशो की अपेक्षाओं का पालन नही किया गया है, तो गुणगत नियंत्रक एकक का उत्पादन निर्यात के लिए अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उक्त नियंत्रण एकक की अस्वीकृति के संबंधित सूचनाएं देते हुए पृथक अभिलेख रखे जाएंगे।

(ix) यदि, किसी समय उत्पाद की अनुरूपता को इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप बनाए रखने मे कोई कठिनाई आती है, या यदि परीक्षण उपकरण

खराब हो जाते हैं या किसी भी कारणवश अभिकरण द्वारा ऐसा करने का निर्देश किए जाते हैं, तब निर्यात के लिए दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल थैले तथा दोहरे कपड़े वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का विनिर्माण अभिकरण को सूचना देते हुए निलम्बित कर दिया जाएगा। जितनी जल्दी उत्पाद मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाएं पूरी कर देते हैं या उपकरण ठीक हो जाते हैं या अभिकरण ऐसा निदेशित कर देता है तो निर्यात के लिए उत्पादन पुनः आरम्भ कर दिया जाएगा। निर्यात के लिए उत्पादन के पुनः आरम्भ करने से संबंधित सूचना अभिकरणों को भी तुरन्त भेजी जाएगी।

(X) उपरोक्त क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग करते हुए विनिर्मित उत्पाद मानक विनिर्देशों में अधोकथित अपेक्षाओं के, यदि कोई हों, अनुसार पैक किया जाएगा और निम्नलिखित सूचनाएं चिह्नित की जाएंगी :—

(क) विनिर्माता का नाम और रजिस्टर्ड व्यापार चिह्न, यदि कोई हो ;

(ख) गांठ या रोल की संख्या;

(ग) कुल भार;

(घ) शुद्ध भार,

(ङ) उत्पाद का नाम;

(च) मात्रा;

(छ) भारत और आयात देशों में प्रवृत्त नियमों द्वारा अपेक्षित कोई अन्य सूचना।

(2) निरीक्षण :—निर्यात के लिए आशयित दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाला पटसन तारपोलिन थैले और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का निरीक्षण इससे संलग्न अनुसूची-II के अनुसार निरीक्षण और परीक्षण के लिए परेषण में से नमूनों को लेकर यह देखने के विचार से किया जाएगा कि परेषण अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण का आधार :—दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैलों और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैलों का निरीक्षण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं,

(क) ऐसा यह सुनिश्चित करके किया जाएगा कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, नियम 3 के उपनियम (1) के अधीन यथाविनिर्दिष्ट क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग किया गया है ; या

(ख) ऐसा नियम 3 के उपनियम (2) के अनुसार किए गए निरीक्षण के आधार पर ; या

(ग) दोनों द्वारा किया जाएगा।

5 निरीक्षण की प्रक्रिया :—

(1) दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का निर्यात करने का आशय रखने वाला निर्यातकर्त्ता या विनिर्माण एकक अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में किसी भी एक अभिकरण को देगा तथा ऐसी सूचना के साथ एक घोषणा भी देगा कि :—

(क) दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन तिरपाल थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले के परेषण का विनिर्माण नियम 3 के उपनियम (1) के अधीन निर्दिष्ट नियंत्रण के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग करते हुए किया गया है और परेषण मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

या

(ख) निर्यात संविदा में अनुबंधित विनिर्देशों के तकनीकी लक्षणों का ब्यौरा देगा जिससे अभिकरण नियम 3 के उपनियम (2) के अनुसार निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(2) निर्यातकर्त्ता या विनिर्माण एकक अभिकरण को परेषण पर लगाया गया पहचान चिह्न भी देगा।

(3) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम 3 दिन पूर्व अभिकरण के कार्यालय में पहुंचेगी।

(4) (क) उपनियम (1) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, अभिकरण नियम 4 के अधीन उपबंधित के अनुसार तथा इस संबंध में परिषद द्वारा जारी किए गए अनुदेश, यदि कोई है, के अनुसार किए गए निरीक्षण के आधार पर अपना यह समाधान कर लेने पर कि परेषण उसको लागू विनिर्देशों के अनुसार विनिर्मित किया गया है, यह घोषणा करते हुए कि दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपड़े दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपड़े एवं दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैले का परेषण निर्यात योग्य है, 72 घंटों के भीतर प्रमाण-पत्र जारी करेगा, परन्तु जब अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है तो वह 72 घंटों की उक्त अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना निर्यातकर्त्ता को उसके कारणों सहित देगा।

(ख) यदि निर्यातकर्त्ता परेषण का स्वयं विनिर्माता नहीं है और निरीक्षण नियम 4 के उप-खंड (क) या उप-खंड

(ग) के उपबधो के अनुसार किया गया है और अन्य सभी मामलो मे, निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात् अभिकरण इस प्रयोजन के लिए परिषद् द्वारा अनुमोदित मुहर लगाकर परेषण के पैकेजो को तुरन्त चिह्नित करेगा। तथापि, जहा निर्यातकर्त्ता स्वय परेषण का विनिर्माता है और निरीक्षण नियम 4 (क) या (ग) के अधार पर किया गया है, वहा परिषद् द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित स्टाम्प से विनिर्माण एकक द्वारा उत्पाद स्टाम्पित किया जाएगा।

(5) निर्यातकर्त्ता का विनिर्माण एकक, जहा कही भी भी आवश्यक हो, नमूना लेने और परीक्षण करने के लिए सभी अपेक्षित सुविधाए देगा।

(6) निरीक्षण का स्थान —दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैलों दोहरे ताने वाले कैनवस कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैलो का निरीक्षण —

(क) विनिर्माता के परिसर पर ;

या

(ख) उन परिसरो पर किया जाएगा जहा दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैलों तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस कपडे और दोहरे ताने वाले पटसन कैनवस थैलो को निर्यातकर्त्ता द्वारा निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है परन्तु यह तब जब कि वहा निरीक्षण और परीक्षण करने के लिए पर्याप्त सुविधाए विद्यमान हो।

7 निरीक्षण फीस —यथास्थिति निर्यातकर्त्ता या विनिर्माण एकक द्वारा फीस का सदाय—

(i) जब निरीक्षण नियम 4(क) और (ग) के आधार पर पर किया जाता है तो 11/- रुपए प्रति मीटरिक टन की दर से, तथा

(ii) जब निरीक्षण नियम 4(ख) के आधार पर किया जाता है, तो 22/-रुपए प्रति मीटरिक टन की दर से अभिकरण को किया जाएगा।

8 अपील —

(1) नियम 5 के उपनियम (4) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाणपत्र देने से इकार कर दिए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल को जिसमे कम से कम तीन व्यक्ति होगे, अपील कर सकेगा।

(2) विशेषज्ञो के पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यो से होगी।

(3) ऐसी अपील पर विशेषज्ञो के पैनल का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(4) विशेषज्ञ पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो-तिहाई सदस्य अशासकीय होगे।

(5) अपील प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

**अनुसूची—I**

[नियम 3 का उप-नियम (1) देखे]

नियत्रण के स्तर

| क्रम सख्या | परीक्षण/निरीक्षण लक्षण | अपेक्षाए | कपडो या गालो/थैलो, टुकडो या थानों का निरीक्षण या परीक्षण किए जाने वाले नमूनो की सख्या | | | लॉट आकार आवृत्ति | टिप्पण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | साधारण अपेक्षाए | प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश | सभी | सभी | सभी। | — | — |
| 2. | सिरे | — | पाच | दो | पाच | प्रति दो घटे का उत्पादन | कपडे या टुकडे तथा थैलो के लिए न्यूनतम 20 प्रति नियत्रण एकक तथा गालो या थानो के लिए 8 के अधीन रहते हुए |
| 3. | किनार | — | पाच | दो | पाच | | |
| 4. | चौडाई | — | पाच | दो | पाच | यथोक्त | यथोक्त |
| 5. | भार | — | पाच | दो | पाच | यथोक्त | यथोक्त |
| 6. | पुन प्राप्त आर्द्रता | — | पाच | दो | पाच | यथोक्त | यथोक्त |
| 7. | लम्बाई | — | पाच | — | पाच | यथोक्त | यथोक्त |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | टूटन भार (जहां कहीं लागू हो) | — | दो | एक | तीन | कपड़े या टुकड़े तथा रोल या थान के लिए प्रति दो घंटे थैलों के लिए प्रति चार घंटे | कपड़े या टुकड़े के लिए 8 रोलों या थानों के लिए 8 तथा थैलों के लिए 6 के अधीन रहते हुए |
| 9 | तैलीय अंश | प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश। | एक | एक | एक | प्रति चार घंटे का उत्पादन | न्यूनतम 2 के अधीन रहते हुए। |
| 10 | सीवन क्षमता (जहां कहीं लागू हो) | ,, | एक | एक | तीन | वही | न्यूनतम 6 के अधीन रहते हुए |

टुकड़े से अभिप्राय 82 मीटर (या 9 गज) या अधिक लम्बाई वाला लगातार बुना हुआ जूट फैब्रिक अभिप्रेत होगा।

रोल से बेलनाकार दृढ़ पैकेज अभिप्रेत होगा जिसमें एक ही प्रकार का कपड़ा उचित किनारे पर लपेटा हुआ होगा तथा उसी प्रकार सिला हुआ, बाहरी सतह सहित रोल आवरण में आवृत्त होगा।

थान से अभिप्राय 160 मीटर (175 गज) से अधिक लम्बाई वाला टुकड़ा अभिप्रेत होगा।

## अनुसूची—II

[नियम 3 का उप-नियम (2) देखिए]

1. परेषणानुसार निरीक्षण के लिए नमूना लेना और निरीक्षण प्रक्रिया

1.1 संबंधित परीक्षणों के अधीन और लाट में से गांठों या रोलों और टुकड़ों या रोलों या थैला की निम्नलिखित न्यूनतम संख्या या यादृच्छिक ली जाएगी और तत्संबंधी परीक्षण किए जाएंगे (1.4 तथा 1.5 देखें)।

1.2 सकल भार :—सकल भार के लिए, गांठों के लिए कम से कम दो गांठों के अधीन रहते हुए और रोलों के लिए कम से कम तीन रोलों के अधीन रहते हुए गांठों या रोलों का 10 प्रतिशत या यादृच्छिक लिया जाएगा।

1.3 सकल भार से भिन्न अपेक्षाएं :—

1.3.1 गांठों के लिए :—गांठों के सकल भार से भिन्न अपेक्षाओं की अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए, लाट में से चुनी जाने वाली गांठों की संख्या निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगी :—

| प्रस्तुत किए गए परेषण या लाट में गांठों की संख्या | निरीक्षण के लिए ली जाने वाली और खोली जाने वाली गांठों की संख्या |
|---|---|
| 1 से 10 तक | 1 |
| 11 से 20 तक | 2 |
| 21 से 100 तक | 3 |
| 101 से 150 तक | 4 |
| 151 से 200 तक | 5 |
| 201 से 250 तक | 6 |
| 251 से 300 तक | 7 |
| 301 से 350 तक | 8 |
| 351 से 400 तक | 9 |
| 401 से 500 तक | 10 |
| 501 और अधिक | (प्रत्येक 100 गांठों के लिए या उसके भाग के लिए 500 गांठों से अधिक) |

1.3.2 रोलों के लिए :—रोलों के सकल भार से भिन्न अपेक्षाओं की अनुरूपता निर्धारित करने के लिए, लाट में से चुने जाने वाले रोलों की संख्या निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगी :—

| परेषण में रोलों की संख्या | निरीक्षण के लिए जाने वाले तथा खोले जाने वाले रोलों की संख्या |
|---|---|
| 1 से 20 तक | 1 |
| 21 से 50 तक | 2 |
| 51 से 100 | 3 |
| 101 से 200 तक | 4 |
| 201 से ऊपर | 4 + (प्रत्येक 100 रोलों के लिए या उसके भाग के लिए 200 रोलों से अधिक) |

1.4 परीक्षण :—ऊपर 1.3.1 तथा 1.3.2 के अनुसार चुनी गयी गांठों या रोलों में से परीक्षण नमूने निम्नानुसार लिए जाएंगे :—

1.4.1 टुकड़ों और रोलों के लिए

| क्रम सं० | परीक्षण | परीक्षण नमूने | |
|---|---|---|---|
| | | गांठों में से | रोलों में से |
| (i) | आधेय भार (बेलिंग हूप या कायर और सभी पैकिंग सामग्री)। | 1.3.1 में चुनी गई सभी गांठे | 1.3.2 में चुने गए सभी रोल |
| (ii) | प्रति गांठ या रोल मे फैब्रिक* की लम्बाई | | |
| (iii) | प्रति गांठ मध्यम टुकड़ों तथा छोटे टुकड़ा को संख्या। | | |
| (iv) | पुनः प्राप्त आर्द्रता | 1.3.1 में चुनी हुई प्रति गाठ मे | 1.3.1 में चुने गए सभी रोल |
| (v) | भार ग्राम में प्रति मीटर | से 5 टुकड़े | |
| (vi) | सिरे तथा पिक | | |
| (vii) | चौड़ाई | | |
| (viii) | टूटन भार | 3 विभिन्न टुकड़ों में से कम 3 मीटर के अधीन रहते हुए 1.3.1 मे चुनी गई प्रत्येक गांठ में से एक मीटर | विभिन्न रोलों मे से कम से कम 3 मीटर के अधीन रहते हुए 1.3.2 में चुने गए प्रत्येक रोल में से एक मीटर। |
| (ix) | तैलीय अंश | | |

1.4.2 थैलों के लिए

| क्रम संख्या | परीक्षण | परीक्षण नमूने |
|---|---|---|
| (i) | आधेय भार (बेलिंग हूप और अन्य सभी सामग्री) | 1.3.1 में से चुनी गयी सभी गाठें |
| (ii) | प्रति गाठ कुल थैलों की संख्या | 1.3.1 में से चुनी गयी प्रत्येक गांठ से थैलों के दो बण्डल |
| (iii) | प्रति गांठ संयुक्त थैलो की संख्या | |
| (iv) | पुनः प्राप्त आर्द्रता प्रतिशत | 1.3.1 में से चुनी गयी प्रत्येक गांठ में से न्यूनतम 10 थैलों के |
| (v) | लम्बाई तथा चौड़ाई | अधीन रहते हुए प्रति गांठ मे से थैलों की कुल संख्या का |
| (vi) | सिरे तथा पिक | 3 प्रतिशत। |
| (vii) | भार प्रति थैला | 1.3.1 में से चुनी गयी प्रत्येक गांठ मे से थैलो का 10 प्रतिशत तथा प्रत्येक बंडल में से थैलों की लगभग समान संख्या लेना। |
| (viii) | कपडे का टूटन भार, तथा सीवन जहां कही लागू हो | न्यूनतम 5 थैलों के अधीन रहते हुए 1.3.1 मे से चुनी गयी प्रत्येक गांठ मे से दो। |
| (ix) | तैलीय अंश प्रतिशतता | तीन विभिन्न थैलों मे से तीन टुकड़े। |

टिप्पण:—जुड़े हुए थैलो को परीक्षण के लिए नही चुना जाएगा जैसा कि ऊपर क्रम संख्या (iv) से (ix) तक में उपदर्शित है।

1.5 परीक्षण तथा निरीक्षण प्रक्रिया :—परीक्षण की पद्धति वैसी ही होगी जैसी कि दोहरे ताने वाले पटसन के तारपौलिन तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपडे या रोल के लिए भा० मा० : 2818 (भाग I) तथा दोहरे ताने वाले पटसन के तारपौलिन तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस थैलों के लिए भा० मा० : 3790 मे अनुबंधित है।

## उपाबन्ध—II

दोहरे ताने वाले पटसन के तारपौलिन कपडे और थैले तथा दोहरे ताने वाले पटसन कैन्वस कपड़े और थैले की अनुरूपता के लिये विनिर्देश और मानदण्ड

1. साधारण अपेक्षाए :—

1.1 फैब्रिक पटसन क धागे के साथ दोहरे ताने और एकहरे बाने में सादा बुना जायेगा और कलैन्डर किया जायेगा। इसके किनारे सुदृढ़ और उचित रूप से सीधे होंगे। फैब्रिक में सलवटें नहीं होंगी या उसके इतनी सलवटें होंगी जितनी क्रेता और विक्रेता के बीच करार पाई जायें।

1.2 फैब्रिक साधारणतः बुनाई के मुख्य दोषों जैसे छिद्रों, कटों, कीरों आदि से मुक्त होगा।

2 अनुरूपता के लिये पैरामीटर, सह्यताएं और कसौटी

2.1 बोहरे जाने वाले पटसन के तारपोलिन कपड़े या कर्तन या रोल या थान तथा दोहरे माने वाले पटसन कैन्वस कपड़े या कर्तन या रोल या थान के लिये

**सारणी**

| क्रम सं० 1 | पैरामीटर 2 | सह्यताओं सहित विनिर्देश 3 | अनुरूपता के लिये कसौटी 4 |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रति वर्गमीटर भार | क्रेता और विक्रेता के बीच संविदा के अनुसार ग्रामों में परिवर्तित और निकटतम ग्राम में पूर्णांकित<br>(क) कर्तनों के लिये + 8% —2%<br>(ख) रोलों या थानों के लिये + 6% —4% | (क) परीक्षण के अधीन नमूनों के प्रति वर्गमीटर भार का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा।<br>सह्यताएं :—(ख) परीक्षण के अधीन रोलों या थानों (रोलों या थानों के भार के आधार पर) के प्रति वर्ग मीटर भार का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा। |
| 2 | चौड़ाई | क्रेता और विक्रेता के बीच संविदा के अनुसार सेंटीमीटर में परिवर्तित और निकटतम 0 5 सेंटीमीटर में पूर्णांकित।<br>सह्यताएं :—<br>4% कम से कम 4 सेंटीमीटर के अधीन रहते हुए,—0% | चौड़ाई रीडिंग का 70% मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा शेष में अधिक से अधिक 2 सेंटीमीटर तक चौड़ाई रीडिंग का 20% विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक हो सकता है और 10% विनिर्दिष्ट सीमा से कम हो सकता है। |
| 3. | सिरे/डेसीमीटर | संरचनाओं के अनुसार निकटतम सिरों/डेसीमीटर में संपरिवर्तित<br>सह्यताएं :—<br>± 4 प्रतिशत | परीक्षण के अधीन नमूनो/सिरे प्रति डेसीमीटर का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा। |
| 4. | प्रति डेसी मीटर पिक | संरचना के अनुसार निकटतम प्रति डेसीमीटर पिकों में संपरिवर्तित<br>सह्यताएं :—<br>± 6 | परीक्षण के अधीन नमूनों में प्रति डेसीमीटर पिकों का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा। |
| 5. | तैलीय अंश | ० प्रतिशत अधिकतम | परीक्षण के अधीन नमूनों के तैलीय अंश का औसत प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त विनिर्देश से अधिक नहीं होगा |
| 6. | पुनः प्राप्त आर्द्रता | 20 प्रतिशत अधिकतम | परीक्षण के अधीन नमूनों की पुनः प्राप्त आर्द्रता की प्रतिशतता में अधिक औसत मूल्य विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगा। |
| 7. | पुनः प्राप्त संविदा | 16 प्रतिशत | टिप्पण : यह वह मूल्य है जिस पर शुद्ध भार परिगणित किया जाता है। |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 8 | सही शुद्ध भार (क) गाठ (ख) रोल | संविदा के अनुसार सह्यताएं — संविदा भार से कम नही संविदा किये गये भार से +6 तथा —4 प्रतिशत से अधिक भिन्न नही होगा। | (क) परीक्षण के अधीन गाठो का सही शुद्ध भार का योग गाठो के संविदा भार से कम नही होगा। (ख) परीक्षण के अधीन रोलो के सही शुद्ध भार का योग संविदा किये गये भार से +6 तथा —4 प्रतिशत से अधिक भिन्न नही होगा। |
| 9 | कुल लम्बाई (क) गाठ | संविदा के अनुसार सह्यताएं — संविदा लम्बाई से कम नही | (क) परीक्षण के अधीन प्रत्येक गाठ मे टुकडो की कुल लम्बाई गाठो की संविदा की गई लम्बाई से कम नही होगी। |
| | (ख) रोल | क्रेता और विक्रेता के बीच, संविदा के अनुसार निकटतम गजो (मीटरो) मे सपरिवर्तित सह्यताएं — ±10 प्रतिशत | (ख) परीक्षण के अधीन कम से कम 80% रोलो की लम्बाई लगातार और मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओ के अनुसार होगी। शेष 20% रोलों की लम्बाई अनुबन्धित लम्बाई के +30 प्रतिशत के भीतर होगी। |
| 10 | गाठ मे मध्यम कर्तनों और छोटी कर्तनों की संख्या | (क) तीन मध्यम कर्तनो से अधिक नही अर्थात् कर्तनो का माप 37 मीटर (40 गज) या अधिक किन्तु 82 मीटर (90 गज) से कम या दो मध्यम कर्तनो और एक छोटा टुकडा अर्थात् 18 मीटर (20 गज) या अधिक किन्तु 37 मीटर (40 गज) से कम माप वाले | परीक्षण के अधीन गाठो मे मध्यम कर्तनो और छोटे टुकडो की संख्या विनिर्दिष्ट संख्या से अधिक स्वीकृत नही होगी। |
| 11. | परेषण मे संयुक्त रोलो की संख्या | कपडे के दो टुकडो से बने रोलो के 30 प्रतिशत से अनधिक जुडे रोल हो सकते है (जब तक कि क्रेताओ द्वारा अन्यथा न मांगा गया हो, जुडा हुआ नही या एक साथ मिला हुआ नही)। | परेषण मे संयुक्त रोलो की संख्या विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नही होगी सबसे छोटा टुकडा 30 मीटर से कम नही होना चाहिए। |

2.2 दोहरे ताने वाले पटसन तारपोलिन थैला और दोहरे ताने वाले पटसन केन्वस थैलो के लिये।

सारणी

| क्रम सं० | पैरामीटर | सह्यताओ सहित विनिर्देश | अनुरूपता के लिये मापदण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | थैले का भार | क्रेता और विक्रेता के बीच संविदा के अनुसार निकटतम ग्रामो मे सपरिवर्तित थैले के औसत भार के लिये सह्यताए — +8 प्रतिशत —2 प्रतिशत | परीक्षण के अधीन नमूनो के थैले का औसत भार मान्यता प्राप्त विनिर्देश की अपेक्षाओ के अनुसार होगा। |
| 2. | थैले का परिमाप (क) बाहरी लम्बाई | क्रेता और विक्रेता के बीच संविदा के अनुसार निकटतम 0 5 सेंटीमीटर मे सपरिवर्तित | परीक्षण के अधीन कम से कम 80 प्रतिशत थैलो का परिमाप मान्यता प्राप्त विनिर्देश की अपेक्षाओ के अनुसार होगा। शेष मे 10 प्रतिशत तक थैलो मे अधिक से अधिक 20 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| | (ख) बाहरी चौड़ाई | सहनताएं :—<br>कम से कम 4 से० मी० के अधीन रहते हुए<br>+ 4 प्रतिशत—0% | से०मी० के अधीन रहते हुए, विनिर्दिष्ट सीमा से कम हो सकता है। |
| 3. | मिरे/डेसीमीटर | संरचना के अनुसार निकटतम मिरो/डेसी-मीटर से संपरिवर्तित<br>सहनताएं :—<br>± 4 प्रतिशत | परीक्षण के अधीन नमूनों के प्रति डेसीमीटर मिरों का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा। |
| 4. | प्रति डेसी मीटर पिक | संरचना के अनुसार निकटतम प्रति डेसीमीटर पिकों में संपरिवर्तित<br>सहनताएं :—<br>± 6 प्रतिशत | परीक्षण के अधीन नमूनों के प्रति डेसीमीटर पिकों का औसत मूल्य मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार होगा। |
| 5. | तैलीय अंश | 6 प्रतिशत अधिकतम | परीक्षण के अधीन नमूनों के औसत तेल अंश की प्रतिशतता विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगी। |
| 6. | पुनः प्राप्त आर्द्रता | 20 प्रतिशत अधिकतम | परीक्षण के अधीन नमूनों के औसत तेल अंश की प्रतिशतता विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगी। |
| 7. | पुनः प्राप्त संविदा | 16 प्रतिशत | टिप्पण . यह वह मूल्य है जिस पर सही भार परिगणित किया जाता है । |
| 8. | पुनः प्राप्त संविदा में गांठ का शुद्ध भार | संविदा की गयी गांठ के भार से कम नहीं | परीक्षण के अधीन गांठों के सही शुद्ध भार का योग गांठो के संविदा किये गये भार से कम नहीं होगा। |
| 9. | प्रति गांठ थैलों की सं० | संविदा की गयी संख्या से कम नहीं | परीक्षण के अधीन प्रत्येक गांठ में थैलों की संख्या संविदा किये गये या विनिर्दिष्ट संख्या से कम नहीं होगी। |
| 10. | प्रति बंडल संयुक्त थैलों की संख्या | 4 प्रतिशत से कम नहीं | परीक्षण के अधीन प्रत्येक बंडल में जुड़े थैलों की संख्या प्रति बंडल कुल थैलों के 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। |
| 11. | प्रति डेसीमीटर टांके | 9 से 11 | परीक्षण के अधीन प्रत्येक थैले में प्रति डैसीमीटर टांकों की संख्या इस प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुसार होगी। |

परीक्षण और निरीक्षण प्रक्रिया :

परीक्षण की पद्धति दोहरे ताने वाले पटसन के तारपोलिन कपड़े और दोहरे ताने वाले पटसन के कैन्वस कपड़े के लिये भारतीय मानक विनिर्देश संख्या भा०मा० : 2816 (भाग-I) में और दोहरे ताने वाले पटसन के तारपोलिन थैलों और दोहरे ताने वाले पटसन के कैन्वस थैलों के लिये भारतीय मानक विनिर्देश संख्या भा०मा० : 3790 में यथाअनुबंधित।

[सं० 6(26)/79-ई०आई०एण्ड ई०पी०]

सी०बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

## ORDER

**S.O. 1116.**—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, that double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag shall be subject to Quality Control and Inspection prior to export;

And whereas, the Central Government have formulated proposals specified below for the said purpose and have forwarded the same to the Export Inspection Council as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964

Now therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the proposals published vide Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Commerce) No. S.O. 1234, dated the 3rd May, 1980, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals, may forward the same within 45 days from the date of publication of this Order in the Official Gazette, to the Export Inspection Council 'Pragati Tower' 26, Rajendra Place, New Delhi-110008

## PROPOSALS

(1) To notify that double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag shall be subject to Quality Control and Inspection prior to export.

(2) To specify the type of Quality Control and Inspection in accordance with the draft Export of double warp jute

tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag (Quality Control and Inspection) Rules, 1983, set out in Annexure I to this Order, as the type of quality control and inspection which would be applied to such double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag prior to export

(3) To recognise :—

(a) the contractual specifications as agreed upon in the Export contract provided that such specifications do not fall below the specifications as set out in Annexure-II.

(b) National Standards that is to say :—

(i) Indian Standards,

(ii) Standards of other countries,

(iii) Staudards prepared by International Standards Organisation,

(iv) Standards of other bodies recognised by Export Inspection Council, and

(c) the specifications as set out in Annexure-II to this Order as the standard specification

(4) To prohibit the export in the course of international trade of such double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag unless the same is accompanied by a certificate issued by any one of the Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag, satisfied the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

3. Nothing in this Order shall apply to export by land sea or air of samples of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag, to the prospective buyers the free on board (f.o.b.) value of which does not exceed Rs. 125 (Rupees one hundred and twenty five only).

4. Definitions —In this Order, unless the context other wise require :—

(i) "double warp jute canvas bag" shall mean bags from cloth referred to at (ii) below;

(ii) "double warp jute canvas cloth" means a plain weave cloth made wholly of jute with double warp and single weft interwoven, weighing not less than 12 ounces per square Yard (407 gms per square metre) having the number of warp threads not more than 30 per inch (118 per dm.) and weft threads not less than 14 per inch (55 per dm.);

(iii) "double warp jute tarpaulin bag" shall mean bags from cloth referred to in item (iv);

(iv) "double warp jute tarpaulin cloth" means plain weave cloth made wholly of jute with double warp and single weft, interwoven weighing not more than 18 ounces per square yard, (610 gms per square metre) having the number of warp threads not more than 30 per inch (118 per dm.) and weft threads not more than 14 per inch (55 per dm.)

## ANNEXURE I

[See sub-paragraph (2) of paragraph 2]

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

1. Short title and commencement —(1) These rules may be called the Export of Double Warp Jute Tarpaulin Cloth and Double Warp Jute Tarpaulin Bag, and Double Warp Jute Canvas Cloth and Double Warp Jute Canvas Bag (Quality Control and Inspection) Rules, 1983.

2 These rules shall come into force on —

(2) Definitions —In these rules, unless the context otherwise requires;

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act ;

(c) "Council" means Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(d) "double warp jute canvas bag" means bag made from cloth referred in clause (e);

(e) "double warp jute canvas cloth" means a plain weave cloth made wholly of jute with double wrap and single weft; interwoven, weighing not less then 12 ounces per square yard (407 gms. per square metre) having the number of warp threads not more than 30 per inch (118 per dm.) and weft threads not less than 14 per inch (50 per dm.);

(f) "double warp jute tarpaulin bag" means bag made from cloth referred to in clause (g);

(g) "double warp jute tarpaulin cloth" means plain weave cloth made wholly of jute with double warp and single weft, interwoven, weighing not more than 18 ounces per square yard, (610) gms.. per square metre having the number of warp threads not more than 30 per inch (118 per dm.) and weft threads not more than 14 per inch (55 per dm.).

3. Quality Control and Inspection.

1. Quality Control —Quality Control of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag, intended for export shall be done with a view to seeing that the same conform to the specification recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by effecting the following controls at different stage of manufacturing together with the level of controls as given under Schedule-I.

(i) A laboratory and inspection department shall be maintained by the manufacturing unit, which shall be adequately equipped and staffed to carry out the necessary test and inspection and to ensure that the products manufactured by the unit conform to the specifications recognised for the purpose

(ii) Sampling, wherever required, for testing the products shall be based on a recorded investigation.

(iii) Adequate records in respect of the tests carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturing unit

(iv) The product shall be well preserved both during storage and transit.

(v) Gauges and instruments used in the production and inspection and testing shall be periodically checked and calibrated, and records to that effect shall be maintainde in the form of a history card by the manufacturing unit

(vi) All product shall have suitable mark of identification so that they could be traced back to the particular control unit to which they belong for taking corrective action wherever necessary.

(vii) When the product is manufactured without exercising proper quality control measures and where the tests indicate non conformity to the requirements of the specifications recognised for the purpose, the production of the relevant control unit shall be rejected for export. Separate records shall be maintained giving information relating to the rejecting of the said control unit

(viii) If at any time there is any difficulty in maintaining the conformity of the produce to the specification recognised for the purpose, or if the testing equipment goes out of order or if directed to do so by the Agency for any

reason, the manufactures of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag, double warp jute canvas cloth and double warp, jute canvas bag for export shall be suspended under intimation to the agency The production for export may be resumed as soon as the product passes the requirements of the specification recognised, or the equipment is restored or the agency so direct. The information regarding resumption of production for export shall also be sent to the agencies immediately

(ix) The products manufactured by exercising the above quality control measures by the manufacturing units shall be packed according to the requirements, if any, laid down in the standard specification and shall be marked with the following information :—

(a) Name of the manufacturer and registered trade mark, if any,

(b) Bale or roll No,

(c) Gross weight;

(d) Net weight;

(e) Name of the Product;

(f) Quantity;

(g) Any other information required by the law in force in India and the importing countries;

(2) Inspection.—Inspection of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bag and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags meant for export shall be done by drawing samples as per Schedule II annexed hereto from the consignment for carring out inspection and testing of the same with a view to seeing that the consignment conforms to the standards specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Basis of Inspection.—Inspection of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bags, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags intended for export shall be carried with a view to seeing that the same conform to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act :—

(a) by ensuring that during the process of manufacturing, the quality control measures as specified under sub-rule (1) of rule 3 have been exercised, or,

(b) on the basis of inspection carried out in accordance with sub rule (2) of rule 3, or,

(c) by both.

5. Procedure of Inspection.—(1) The exporter or manufacturing unit intending to export double warp jute tarpaulin cloth, and double warp jute tarpaulin bags and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags shall give an intimation in writing to any one of the agencies of his intention so to do and submit along with such intimation, a declaration

(a) that the consignment of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bags and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags have been manufactured by exercising quality control measures as per controls referred to under sub rule (1) of rule 3 and that the consignment conforms to the standard specification.

OR

(b) of the specification stipulated in the export contract giving details of all the technical characteristics to enable the agency to carry out inspection in accordance with sub-rule (2) of rule 3

(2) The exporter or the manufacturing unit shall furnish to the agency the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub rule (1) shall reach the office of the agency not less than 3 days prior to despatch of the consignment from the premises of the exporter or the manufacturer.

(4) (a) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1) the agency on satisfying itself, on the basis of the inspection carried out as provided for under Rule 4, and the instructions, if any, issued by the Council in this regard, that the consignment has been manufactured according to the specifications applicable to it, within 72 hours shall issue a certificate declaring the consignment of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bags, and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags as export worthy, provide that when the agency is not so satisfied it shall within the said period of 72 hours refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons thereof;

(b) In case where the exporter is not himself the manufacturer of the consignment and the inspection is carried out in accordance with the provisions of sub clause (a) or sub clause (c) of rule 4 and in all other cases, after completion of the inspection, the agency shall immediately mark the packages of the consignment by affixing a stamp approved for the purpose by the Council However, where the exporter is himself the manufacturer of the consignment and the inspection is carried out on the basis of rule 4 (a) or (c), the product packed shall be stamped by the manufacturing unit with a stamp approved for the purpose by the Council.

(5) The manufacturing unit of the exporter, wherever necessary, shall provide all facilities required for sampling and testing.

(6) Place of Inspection —Inspection of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bags and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bag shall be carried out :

(a) at the premises of the manufacturer,

(b) at the premises at which the consignment of double warp jute tarpaulin cloth and double warp jute tarpaulin bags and double warp jute canvas cloth and double warp jute canvas bags is offered for inspection by the exporters, provided adequate facilities for the purpose of inspection and testing exist therein.

7. Inspection Fee —A fee at the rate of—

(i) Rs. 11/- per metric tonne, when the inspection is carried out on the basis of rule 4(a) and (c) and

(ii) Rs 22/- per metric tonne, when the inspection is carried out on the basis of rule 4(b),

shall be paid by the exporter or manufacturing unit, as the case may be, to the agency as inspection fee.

8 Appeal—(1) Any person aggrived by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 5, may, within ten days of the receipt of communication of such refusal prefer an appeal to the panel of experts consisting of not less than 3 persons as may be constituted for the purpose by the Central Government.

(2) The quorum of the panel of experts shall be three.

(3) The decision of the panel of experts on such appeal shall be final

(4) At least two thirds of the total membership of the Panel of experts shall consist of non-officials.

(5) The appeal shall be disposed of by the panel of experts within 15 days of its receipt.

SCHEDULE I

(See Sub-rule (1) of Rule 3)

LEVELS OF CONTROLS

| Sl. No. | Test/Inspection Characteristics | Requirements | No. of samples to be tested/ inspected/ for | | | Lot size Frequency | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Cloth or Cut | Rolls or Bolts | Bags | | |
| 1. | General requirements | Standard specification recognised for the purpose. | All | All | All | — | — |
| 2. | Ends | " | Five | Two | Five | Every two hour production | Subject to a minimum of 20 per control unit for cloth or cut and bags and 8 for Rolls or bolts. |
| 3. | Picks | " | Five | Two | Five | | |
| 4. | Width | " | Five | Two | Five | -do- | -do- |
| 5. | Weight | " | Five | Two | Five | -do- | -do- |
| 6. | Moisture Regain | " | Five | Two | Five | -do- | -do- |
| 7. | Length | " | -- | -- | Five | -do- | -do- |
| 8. | Breaking Load (wherever applicable) | " | Two | One | Three | Every two hours for cloth or cut, and Roll or Bolts; every four hours for bags. | Subject to a minimum of 8 for cloth or cuts 4 for Rolls or Bolts and 6 for Bags. |
| 9. | Oil Content | " | One | One | One | Every four hours production. | Subject to a minimum of 2. |
| 10. | Seam strength (wherever applicable). | " | One | One | Three | -do- | Subject to a minimum of 6. |

* Cut shall mean a length of continuously woven Jute fabric measuring 82 metres (or 90 Yds) or more.

** Roll shall mean a cylindrical rigid package containing one type of cloth wrapped on suitable core and covered with roll covering with outer layer stitched properly.

*** Bolt shall mean a cut having a length more than 160 metres (175 Yds.)

SCHEDULE II

(See sub-rule (2) of Rule 3)

1. SAMPLING AND INSPECTION PROCEDURE FOR CONSIGNMENTWISE INSPECTION.

1.1 The following minimum number of bales or rolls and cuts or rolls or bags thereof shall be taken at random from lot and subjected to corresponding tests (see 1.4 and 1.5).

1.2 Gross weight—for gross weight, 10 percent of the bales or rolls subject to the minimum of two shall be taken at random for bales and subject to the minimum of three shall be taken at random for rolls.

1.3 Requirements other than Gross weight.

1.3 For BALES : For assessing the confirmity to the reqirements other than gross weight of bales, the number of bales to be selected from the lot, shall be in accordance with the following table :

| No. of bales in the lot or consignment as offered. | No. of bales to be drawn and opended for inspection |
|---|---|
| Up to 10 | 1 |
| 11 to 20 | 2 |
| 21 to 100 | 3 |
| 101 to 150 | 4 |
| 151 to 200 | 5 |
| 201 to 250 | 6 |
| 251 to 300 | 7 |
| 301 to 350 | 8 |
| 351 to 400 | 9 |
| 401 to 500 | 10 |
| 501 and above | 10+ (1 for every 100 bales or part thereof above 500 bales). |

*1.3.2 For Rolls : For assessing the conformity to the requirements other than the Gross weight of the rolls, the number of rolls to be selected from the lot, shall be in accordance with the following table :—

| No. of rolls in the consignment | No. of rolls to be drawn & opened for inspection. |
|---|---|
| 1 to 200 | 1 |
| 21 to 50 | 2 |
| 51 to 100 | 3 |
| 101 to 200 | 4 |
| 201 and above | 4+(1 for every 100 rolls or part thereof above 200 rolls). |

1.4.1 TESTS :

From the bales or rolls selected as 1.3.1 and 1.3.2 above the test samples shall be drawn as under :

1.4.1 For Cuts and Rolls :

| Sl. No. | Tests | Test samples | |
|---|---|---|---|
| | | From Bells | From Rolls |
| (i) | Tare weight (Bailing hoops or Cores and all packing materisals | All the bales selected as in 1.3.1. | All the Rolls selected as in 1.3.2. |
| (ii) | Length of fabric per bale or rolls | | |
| (iii) | Number of medium cuts and short pieces per bale. | | |
| (iv) | Moisture Regain percent | 5 cuts from each bale selected as in 1.3.1. | All the Rolls selected as in 1.3.2. |
| (v) | Weight in gram per metre square | | |
| (vi) | Ends & Picks | | |
| (vii) | Width | | |
| (viii) | Breaking Load | One metre from each bale selected as in 1.3.1 subject to a minimum of 3 metres from 3 different cuts. | One metre from each roll selected as in 1.3.2 subject to a minimum of 3 metres from different rolls. |
| (ix) | Oil content percent | | |

1.4.2 FOR BAGS :

| Sl. No. | Tests | Test Samples |
|---|---|---|
| (i) | Tare weight (of bailing Hoops and all other packing materials) | All bales selected as in 1.3.1 |
| (ii) | Total number of bags per bale | Two bundles of bags from each bale selected as in 1.3.1 |
| (iii) | No. of joined bags per bale | |
| (iv) | Moisture of Regain percentage | 3 percent of the total number of bags per bale subject to a minimum of 10 bags from each selected as in 1.3.1 |
| (v) | Length & Width | |
| (vi) | Ends and Picks | |
| (vii) | weight per bag | 10 percent of the bags from each bale as selected in 1.3.1 and taking approximately equal number of bags from each bundle. |
| (viii) | Breaking Load of Cloth and seam, wherever applicable. | Two from each bale selected as in 1.3.1 subject to a minimum of 5 bags. |
| (ix) | Oil content percentage. | Three pieces from three different bags. |

Note.—Joint bags shall not be slected for the purpose of Test as indicated in serial no. (v) to (ix) above.

1.5 Testing and Inspection Procedure:—The method of test shall be same as stipulated in IS : 2318 (Part-I) for Double Warp Jute tarpaulin and Double warp Jute canvas cloth or Roll, and IS : 3790 for Double warp Jute tarpaulin and Double warp Jute canvas bags.

## ANNEXURE II

Specifications and Criteria for Conformity of Double Warp Jute tarpaulin cloth and bag and Double warp jute canvas cloth and bag.

1. General Requirements :

1.1 The fabric shall be woven with jute yarn in double warp and single weft, in plain weave and shall be calendared. Its selvedge shall be firm, reasonably straight. The cloth shall be without stripes or shall have stripes as agreed to between the buyer and the seller.

1.2 The fabric shall be generally free from holes, cuts, tears etc. which are major weaving faults.

2. Parameters, Tolerances and Criteria for Conformity.

2.1 For Double Warp Jute Tarpaulin Cloth or cut or roll or bolt and Double warp jute canvas cloth or cut or roll or bolt.

TABLE

| Sl. No. | Parametres | Specifications with Tolerances | Criteria for conformity |
|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 |
| 1. | Weight per Sq. Metre | As per contract between the buyer and the seller converted to gms. and rounded off to nearest gms. | (a) The average value of wt./sq. metre of the samples under test shall be in accordance with the requirements of the specifications recongnised. |
| | | Tolerances : | |
| | | a) For Cuts: +8% +2% | (b) The average value of wt./sq. metre (on rolls or bolts weight basis) of the rolls or bolts under test shall be in accordance with the requirements of the specification recognised. |
| | | b) For Rolls : or Bolts +6% −4% | |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 2. Width | As per contract between the buyer and the seller converted to Cms and rounded off to nearest 0.5 Cms.<br>Tolerances :<br>+4% subject to a minimum of 4 Cms. 0% | 70% of the width readings shall be in accordance with the requirements of the specification recognised. In the remaining upto 20% of the width readings may go above the specified limit and 10% may go below the specified limit upto a tolerance of Maximum 2 Cms. |
| 3. Ends/dm. | As per constructions converted to nearest Ends/dm.<br>Tolerances:—<br>±4 Percent<br>— | The average value of Ends/dm. of the samples under test shall be in accordance with the requirements of the specification recognised. |
| 4. Picksper dm. | As per construction converted to nearest picks per dm.<br>Tolerances:<br>±6 percent<br>— | The average value of picks per dm. of the samples under test shall be in accordance with the requirements of the specification recognised. |
| 5. Oil Content | 6 percent minimum | The average oil content percentage of the samples under test shall not exceed the specification recognised for the purpose. |
| 6. Moisture Regain | 20 percent maximum | The average value of moisture regain percentage of the samples under test shall not exceed the specified limit. |
| 7. Contract Regain | 16 percent | N.B. This is the value at which corrected weight is to be calculated. |
| 8. Corrected Nett weight of<br>(a) Bale<br>(b) Roll | As per contract<br>Tolerances:<br>Not less then the contract weight.<br>Shall not vary from the contract weignt by more than + 6 and — 4 percent | (a) The total of the corrected nett weight of the bales under test shall not be less than the contract wt. of the bales.<br>(b) The total of the corrected nett weight of the rolls under test shall not vary from the contract weight by more than +6 and —4 percent. |
| 9. Total length<br>(a) Bale<br>(b) Roll | As per contract<br>Tolerances:<br>Not less than the contract length.<br>As per contract between the buyer and the seller converted to nearest yard (mt.)<br>Tolerances:<br>±10 percent<br>— | (a) Total length of cuts in each bale under test shall not be less than the contract bale length.<br>(b) The length of at least 80% of the rolls under test shall be continuous and in accordance with the requirements of the specifications recognised.<br>The length of the remaining 20 percent roll shall be within ± 30 percent of the stipulated length. |
| 10. Number of mediumcuts and short pieces in a bale | (a) Not less than three medium cuts i.e. measuring 37 mt. (40 yds.) or more but less 82 metres (90 yds.)<br>(b) Two medium cuts and one short piece i.e. measuring 18 mts. (20 yrd.) or more but less than 37 mts. (40 yds.) | The number of medium cuts and short pieces in the bales under test shall not agreed exceed the specificed number. |
| 11. Number of joined rolls in a consigament | Not more than 30 percent of the rolls may be joined rolls made of 2 pieces of cloth (not joined of stitched together unless otherwise asked by the buyers. | Number of joined rolls in a consigament shall not exceed the specified limit (the shorter piece must not be less than 30 mts.) |

2.2 For Double warp jute tarpaulin bags and Double warp jute canvas bags.

TABLE

| Sl. No. | Parametres | Specification with Tolerances | Criteria for conformity |
|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 |
| 1. | Weight of Bag | As per contract between the buyer and the seller converted to nearest gms.<br>Tolerances for average bag weight:—<br>+ 8 Percent<br>— 2 percent | The average bag weight of the samples under test shall be in accordance with the requirements of the Specifications recognised. |

| (1) | (2) | (3) |
|---|---|---|
| 2. Dimensions of bag | As per contract between the buyer and seller converted to nearest 0.5 cms. | The dimension of at least 80 percent of the bags under test shall be in accordance with the requirements of the specifications recognised. |
| (a) Outside Length<br>(b) Outside Width | Tolerances:<br>+ 4 percent subject to a minimum of 4 Cms.<br>— 0 percent | In the remaining, upto 10 percent of the bags may be go below the specified limit upto an extent of maximum 2 Cms. |
| 3. Ends/cm. | As per constructions converted to nearest ends/dm.<br>Tolerances :<br>± 4 percent | The average value of Ends. per dm. of the sample under test shall be in accordance with the requirements of the specifications recognised. |
| 4. Picks per dm. | As per the constructions converted to nearest picks/dm.<br>Tolerances:<br>± 6 percent | The average value of picks per dm. of the samples under test shall be in accordance with the requirements of the specification recognised. |
| 5. Oil Content | 6 percent maximum | The average oil content percentage of the samples under test shall not exceed the specified limit. |
| 6. Moisture regain | 20 percent maxium | The average oil content percentage of the samples under test shall not exceed the specification limit. |
| 7. Contract regain | 16 percent | N.B. This is the value of which corrected weight is to be calculated. |
| 8. Corrected Nett weight of bales at contract regain | Not less than the contract bale weight. | The total of the corrected nett weight of the bales under test shall not be less than the contract weight wt. of the bales. |
| 9. Number of bags per bale | Not less than the contracted number. | The number of bags in each bale under test, shall not be less than the contracted or specified number. |
| 10. Number of joined bags per bundle | Not less than 4 percent | The number of joined bags in each bundle under test shall not be more than 4 percent of the total bags per bundle. |
| 11. Stitched per decimeter. | 9 to 11 | The number of stitches per decimeter of each bag under test shall be in accordance with the specifications recognised for the purpose. |

TESTING AND INSPECTION PROCEDURE :

The method of test shall be according to the same as stipulated in Indian Standard Specification number IS : 2818 (Part I) for Double Warp Jute Tarpaulin Cloth and Double Warp Jute Canvas Cloth and Indian Standard Specification number IS: 3790 for Double Warp Jute Tarpaulin Bags and Double Warp Jute Canvas Bags.

[F. No. 6 (26)/79- EI&EP]
C.B. KUKRETI, Joint Director

## मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय

### आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1983

**का० आ० 1117.**—सर्वश्री इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड कोटा-5 (राजस्थान) को 1981-82 अवधि के लिए संलग्न सूची के अनुसार प्रोसेस कन्ट्रोल इन्स्ट्रूमेन्ट्स के आयात के लिए 31,22,769 रु० मूल्य का एक आयात लाईसेंस सं० आई/सी जी/2083197/एक्स एक्स/81 / एच/81 सी जी-1 दिनांक 13-11-81 प्रदान किया गया है।

2. अब फर्म ने उपर्युक्त लाईसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति सोमाणुलक सदन, बम्बई में पंजीकृत कराने और आंशिक रूप से उपयोग करने के बाद खो गई है। फर्म इस बात से सहमत है और वचन देती है कि यदि लाईसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति बाद में खोज ली जाती है तो वह इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए लौटा दी जाएगी।

3. अपने तथ्य के समर्थन में, आवेदक ने आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक, 19982-83 के अध्याय 15 के पैरा 352 के अन्तर्गत अपेक्षित एक शपथ पत्र भी दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाईसेंस सं० आई / सी जी / 2083197 दिनांक 13-11-81 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता है कि लाईसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जाए। लाईसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

4. लाईसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[सं० 4/सीडीई/81-82-सी जी-1]

Office of the Chief Controller of Imports and Exports

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1983

**S.O. 1117.**—M/s. Instrumentation Limited, Kota-5 (Rajasthan) have been granted import licence No. I/CG/2083197/C/XX/81/H/81/CG I dated 13-11-81 for Rs. 31,22,769 for import of Process Control Instrument as per list attached during the period 1981-82.

2. The firm have now requested for the issue of duplicate copy of Exchange Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost after having been registered with Custom House, Bombay and utilized partly. The firm agrees and undertakes to return the original Exchange Control Purposes Copy of the licence if traced later to this office for record.

3. In support of their contention the applicant have filed an affidavit, as required in Para 352 of Chapter XV of Hand-Book of Import Export Procedures 1982-83. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of import licence No. I/CG/2083197 dated 13-11-81 has been lost and directs that duplicate copy of the Exchange Control Purposes Copy of the licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is cancelled.

4. The duplicate copy of Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[File No. 4/CDE/81-82/CG. I]

**का० आ० 1118.**—सर्वश्री इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड, कोटा-5 (राजस्थान) को 1981-82 अवधि के लिए संलग्न सूची के अनुसार प्रोसेस कन्ट्रोल इन्स्ट्रूमेन्ट्स के आयात के लिए 14,76,555 रुपए मूल्य का एक आयात लाईसेंस सं० आई/सी जी/2083188/सी/एक्सएक्स/81/एच/81/सी जी-1 दिनांक 3-11-81 प्रदान किया गया है।

2. अब फर्म ने उपर्युक्त लाईसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति सीमा शुल्क सदन, बम्बई में पंजीकृत कराने और आंशिक रूप से उपयोग में लाने के बाद खो गई है। फर्म इस बात से सहमत है और वचन देती है कि यदि लाईसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति बाद में खोज ली जाएगी तो वह इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए लौटा दी जाएगी।

3. अपने तथ्य के समर्थन में, आवेदन ने आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक, 1982-83 के अध्याय 15 के पैरा 352 के अन्तर्गत अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि सीजी/2083188 दिनांक 3-11-81 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जाए। लाईसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

4. लाईसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[मि०सं० 3/सी डी ई/81-82-सी जी-1]

पाल बेक, उप-मुख्य नियंत्रक

आयात एवं निर्यात,

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

**S.O. 1118.**—M/s. Instrumentation Limited, Kota-5 (Rajasthan) have been granted import licence No. I/CG/2083188/C/XX/81/H/81/CG. I dated 3-11-81 for Rs. 14,76,555 for import of Process Control Instruments as per list attached during the period 1981-82.

2. The firm have now requested for the issue of duplicate copy of Exchange Control Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost after having been registered with Custom House, Bombay and utilized partly. The firm agrees and undertakes to return the original Exchange Control Purposes Copy of the licence if traced later to this office for record.

3. In support of their contention the applicant have filed an affidavit, as required in Para 352 of Chapter XV of Hand-Book of Import Export Procedures 1982-83. The undersigned is satisfied that the original Exchange Purposes Copy of Import Licence No. I/CG/2083188 dated 3-11-81, has been lost and directs that duplicate copy of the Exchange Purposes Copy of the licence should be issued to the applicant. The original Exchange Purposes Copy of the licence is cancelled.

4. The duplicate Copy of Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[F. No. 3/CDE/81-82/CG. I]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of

Imports and Exports

for Chief Controller of Imports and Exports

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात का कार्यालय

आदेश

मद्रास, 15 दिसम्बर, 1982

**का० आ० 1119.**—सर्वश्री ईस्ट कोस्ट एक्सपोर्टर्स, 17, कोतन्डराम ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-21 को, रुपए 9,13,809 तक, अप्रैल-मार्च 1983 के आयात नीति के पैरा 186(5), (8) और (9) में दर्शाई गई माल का आयात करने के लिए अतिरिक्त लाइसेंस संख्या पी०-डब्ल्यू० 0354685 दिनांक 1-5-82 जारी किया गया था।

आवेदक ने, 1982-83 की क्रियाविधि पुस्तिका के पैरा 353 में अपेक्षित शपथ-पत्र दाखिल किया है और कहा है कि अप्रैल-मार्च 1983 की अवधि के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी०-डब्ल्यू० 0354685 दिनांक 1-5-82 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी अनुसूचित बैंक से साख-पत्र खोले बिना खो दी गयी है।

मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो दी गयी है।

यथा संशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-55 के धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस संख्या पी०-डब्ल्यू० 0354685 दिनांक 1-5-82 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

आवेदक को, अप्रैल-मार्च 1983 की क्रियाविधि पुस्तिका के पैरा 353 के अनुसार रुपए 9,13,809 का लाइसेंस संख्या पी०-डब्ल्यू० 0354685 दिनांक 1-5-82 की मुद्रा

विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी किया जाता है ।

[संख्या : ए०डी०डी०एल०-सी० टी०- लाइसेंस 2-ए.एम 83]

डी० एस० नरसिंहैया, उप मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात ।

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports

CANCELLATION ORDER

Madras, the 15th December, 1982

**S.O. 1119.**—M/s. East Coast Exporters, 17 Kothadarama Iyer St, Madras-21 were granted Additional Licence No. P/W/0354685 dated 1-5-82 for Rs 9,13,809/- for import as per Paras 186(5), (8) and (9) of April/March, 1983 Policy Book.

The applicant has filed an affidavit as required under Para 353 of Hand Book for 1982-83 wherein they have stated that the Exchange Control Copy of Licence No P/W/0354685 dated 1-5-82 issued for the period April/March, 83 has been lost without opening any letter of Credit with any Schedule Bank.

I am satisfied that the Exchange Control Copy of the above licence has been lost.

In exercise of the powers conferred on me under subject Clause 9(c) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-55, as amended upto date, the above said Exchange Control Copy of licence No. P/W/0354685 dated 1-5-82 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued a duplicate copy of Exchange Control Purposes licence No. P/W/0354685 dated 1-5-82 for Rs. 9,13,809/- in accordance with the provisions of para 353 of Hand Book for April/March, 1983.

[File No. ADDL /CT/Lic. 2|AM. 83]

D. S. NARASIMHIAH, Deputy Chief Controller of Imports and Exports for Joint Chief Controller of Imports and Exports

आदेश

मद्रास, 11 जनवरी, 1983

का०आ० 1120.—सर्वश्री एसीयाटिक ट्रेडर्स 10, चितम्बरनार स्ट्रीट, वानुवम्पेट, मद्रास 91 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935420-सी-एक्सएक्स 80-एम-81 दिनांक 17-9-81 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने के कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 18-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय लेता हूं ।



मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री एसीयाटिक ट्रेडर्स 10, चितम्बरनार स्ट्रीट, वानुवम्पेट, मद्रास-91 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935420-सी-एक्सएक्स-80-एम-81 दिनांक 17-9-81 को एतद् द्वारा रद्द करता हूं।

[संख्या डी-एफ -277-एएम-82 एयू 3]

ORDERS

**Madras, the 11th January, 1983**

***S.O. 1120.***—M/s. Asiatic Traders, 10 Chidambaranar St. Vanuvampet, Madras-91 were granted a Licence No. P/Z/1935420/C/XX|80|M|81 dated 17-9-81 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 18-12-82. As the Party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the Powers vested on me in terms of Cluase 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import licence No. P/Z/1935420|C|XX|80|M|81 dated 17-9-81 issued to M/s. Asiatic Traders 10, Chidambaranar St., Vanuvampet, Madras-91 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/277/AM-82 AU. III]

का० आ० 1121.—सर्वश्री अम्बीका सेल्स कार्पोरेशन, संख्या-11, कासी चेट्टी लेन, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1035703-सी-एक्स एक्स-81एम-81 दिनांक 26-12-81 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 22-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय देता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री अम्बिका सेल्स कारपोरेशन, संख्या-11, कासी चेट्टी लेन, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935703-सी-एक्स एक्स-81-एम-81 दिनांक 26-12-81 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डी०एफ०699/एएम० 82-एयू 3]

**S.O. 1121.**—M/s. Ambica Sales, Corporation No. 11, Kasi Chetty Lane Madras-600001 were granted a licence No. P/Z/1935703/C/XX/M/81 dated 26-12-81 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 22-12-82. As the party did not turn up for a personal haaring to explain his case, I am satisfied that the above import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Import (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935703/C/XX/81/M/81 dated 26-12-81 issued to M/s. Ambica Sales Corporation, No. 11 Kasi Chetty St. (Lane) Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 Period.

[No. DF/699/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1122.**—सर्वश्री श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स, संख्या-4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935720-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 4-1-1982 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है । उस प्रमाणपत्र अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद् द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स, संख्या 4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 को, अप्रैल—मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का अयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट 1935720-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 4-1-82 को एतद् द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डी एफ-724/ए एम 82-एय 3]

**S.O. 1122.**—M/s. Sri Lakshmi Traders, No. 4, Thambu Naicken St., Madras-1 were granted a Licence No. P/Z/1935720/C/XX/82/M/81 dated 4-1-82 for import of Dry Fruit for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the Licence giving an opportunity for a personal hearing on 23-12-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause (1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935720/C/XX/82/M/81 dated 4-1-82 issued to M/s. Sri Lakshmi Traders, No. 4, Thambu Naicken St, Madras-1 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/724/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1123.**—सर्वश्री दिनेश एन्टरप्राइजस, 25, आदियप्प नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935782-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 9-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है । उस प्रमाणपत्र अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 12-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने का एकपक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 (1) (ए), के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री दिनेश एन्टरप्राइजस, 25, आदियप्प नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, अप्रैल—मार्च, 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-एम-1935742-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 9-1-82 को एतद्-द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डी० एफ-746/एएम 82-एय 3]

**S.O. 1123.**—M/s. Dinesh Enterprises, 25 Audiappa Naicken St, Madras-1 were granted a licence No. P/Z/1935742/C/XX/82/M/81 dated 9-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 22-12-82. As the party did not turn up for a personal Hearing to explain his case I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935742/C/XX/82/M/81 dated 9-1-82 issued to M/s. Dinesh Enterprises, 25, Audiappa Naicken St., Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/746/AM. 82/AU. III]

**का० आ० 1124.**—सर्वश्री तरुण ट्रेडिंग कम्पनी, संख्या-4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935743-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 9-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने का एक पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री तरुण ट्रेडिंग कम्पनी, संख्या-4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास 1 को, अप्रैल—मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/इजट-1935743-सी-एक्स एक्स 82-एम 81 दिनांक 9-1-81 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं।

[संख्या डी०एफ० 747/ए एम 82-एयु 3]

**S.O. 1124.**—M/s. Tarun Trading Co., No. 4, Thambu Naicken Street, Madras-600001 were granted a licence No. P/Z/1935743/C/XX/82/M/81 dt. 9-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above Import Licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 23-12-82 As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the license ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935743/C/XX/82/M/81 dt. 9-1-82 issued to M/s. Tarun Trading Co., No. 4, Thambu Naicken Street, Madras-600001, for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[F. No. DF/747/AM. 82/AU. III]

**का० आ० 1125.**—सर्वश्री मुरुगन स्टोर्स, 4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935748-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 12-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(1(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री मुरुगन स्टोर्स, 4, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 को, अप्रैल—मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/इजट-1935748-सी-एक्सएक्स-82 एम-81 दिनांक 12-1-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं।

[संख्या डी० एफ/749-एएम 82-एयु 3]

**S.O. 1125.**—M/s. Murugan Stores, 4, Thambu Naicken Street, Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1935748/C/XX/82/M/81 dt. 12-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above Import Licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an apportunity for a personal hearing on 23-12-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case. I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935748/C/XX/82/M/81 dt. 12-1-82 issued to M/s. Murugan Stores, 4-Thambu Naicken street, for import of Dry Fruits for Rs. 10.000 for April—March period.

[F. No. DF/749/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1126.**—सर्वश्री श्री धनलक्ष्मी स्टोर्स, संख्या 25, आदियप्प नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600 001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935747-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 12-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9. (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री श्री धनलक्ष्मी स्टोर्स, संख्या 25, आदियप्प नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600001, को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी जैड-1935747-सी-एक्स- एक्स-82-एम 81 दिनांक 12-1-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डीएफ/750/एएम 82/एयू० III]

**S.O. 1126.**—M/s. Shri Dhanalakshmi Stores, No. 25, Audiappa Naicken Street, Madras-600001 were granted a licence No. P/Z/1935747|C|XX|82|M|81 dated 12-1-82 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above Import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Cartificate certifying their past import which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 23-12-82. As the Party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935747/C/XX|82|M|81 dt. 12-1-82 issued to M/s. Shri Dhanalakshmi Stores, No. 25, Audiappa Naicken Street, Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[F. No. DF/750/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1127.**—सर्वश्री वेलवन ट्रेडर्स, संख्या-11, कासी चेट्टी लेन, मद्रास-600 001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी जैड-1935751-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 13-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये, अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री वेलवन ट्रेडर्स, 11, कासी, चेट्टी लेन, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च 1983 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का अयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी जैड-1935751-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 13-1-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डी एफ/754/एएम 82-एयू० III]

**S.O. 1127.**—M/s. Velavon Traders, No. 11 Kasi Chetty Lane, Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935751|C|XX|82|M|81 dated 13-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above Import Licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 23-12-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935751|C|XX|82|M|81 dated 13-1-82 issued to M/s. Velavan Traders, 11, Kasi Chetty Lane, Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/754/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1128.**—सर्वश्री शर्मा ट्रेडिंग कम्पनी, 36, कासी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, रुपये 10,000 तक सूखे फलों का अयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935764-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 21-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 22-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी

किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री शर्मा ट्रेडिंग कम्पनी 36, कासी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 को, अप्रेल—मार्च, 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी जैड-1935764-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 21-1-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डी एफ/768/एएम/82-एयू III]

**S.O 1128.**—M/s. Sharma Trading Co., 36, Kasi Chetty St., Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935764/C|XX|82|M|81 dated 21-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 22-12-82. As tht party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Caluse 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935764|C|XX|82|M|81 dated 21-1-82 issued to M|s. Sharma Trading Co, 36, Kasi Chetty St. Madras-1 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April-March, 1982 period.

[No. DF/768/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1129.**—सर्वश्री खानडेलवाल प्राविजन स्टोर्स, 32, स्ट्राट्टन मथिया मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600 001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935763-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 21-1-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे मे विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 23-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत, प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री खानडेलवाल प्राविजन स्टोर्स, 32, स्ट्राट्टन मथिया मुदली स्ट्रीट, मद्रास को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिये जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी जैड-1935763-ए-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 21-1-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डीएफ०/769/एएम 82/एयु III]

**S.O. 1129.**—M/s. Khandelwal Provisions Stores, 32 Strotten Muthu Mudali Street, Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935763|C|XX|82|M|81 dated 21-1-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 23-12-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fradulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935763|C|XX|82|M|81 dated 21-1-82 issued to M|s. Khandelwal Provision Stores 32, Strotten Muthia Mudally St, Madras for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/769/AM. 82/AU. III]

**का०आ० 1130.**—सर्वश्री स्मिता एण्ड कम्पनी, संख्या-3, न्यू बंगलो स्ट्रीट, चिन्ताद्रीपेट, मद्रास-2 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1936212-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 22-3-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है । उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 22-12-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 (1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री स्मिती एण्ड कम्पनी, संख्या-3, न्यू बंगलो स्ट्रीट, चिन्नाद्रीपेट, मद्रास-2 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी जैड-1936212-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 22-3-82 को एतद्द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या डीएफ/1120/एएम 82-एयु III]

**S.O. 1130**—M/s Smitha and Co., No. 3, New Banglow Street, Chintadripet, Madras-2 were granted Licence No. P./1936212/C/XX/82/M/81 dated 22-3-82 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 22-12-82 As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Import (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1936212/C/XX/82/M/81 dated 22-3-82 issued to M/s Smitha & Co., No. 3, New Bunglow St., Chintadripet, Madras-2 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—Madch 1982 period.

[No. DF/1120/AM 82/AU. III]

**का०आ० 1131**—मर्वश्री शा ताराचन्द भूटाजी अण्ड कम्पनी, न्यू संख्या 12, कासी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10 000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935586-सी-एक्स-एक्स-81-एम-81 दिनाक 9-11-81 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है । उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे मे विश्वास करने का कारण दिखाई देने मे, पार्टी मे यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 30-11-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यो न रद्द कर दिया जाए । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से सतुष्ट ह कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद् द्वारा लाइसेंस को रद्द करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हू ।

मै, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 (1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री शा ताराचन्द भूताजी अण्ड कम्पनी, 12, कासी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935586-सी-एक्स एक्स-81-एम-81 दिनांक 9-11-81 का एतद् द्वारा रद्द करता हूं ।

[संख्या : डाएफ/579/एम 82/एयु 3]

सी० जी० फेरनान्डिज, उप मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात

**S.O. 1131.**—M/s. Sha Tarachand Bhootajee & Co., New No. 12, Kasi Chetty Street, Madras-600001 were granted a Licence No P/Z/1935586/C/XX/81/M/81 dt. 9-11-81 for import of Dry Fruit for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show cause Notice was issued calling upon the licence holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30-11-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Import (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No P/Z/1935586/C/XX/81/M/81 dt 9-11-81 issued to M/s. Sha Tarachand Bhootajee and Co., 12, Kasi Chetty Street, Madras 600001, for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[F. No. DF/579/AM. 82/AU. III]

C. G. FERNANDEZ, Dy. Chief Controller, Imports and Exports

## नागरिक पूर्ति मंत्रालय

## भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1983

**का० आ० 1132**—भारतीय मानक सस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक सस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम के विनियम 3 के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकार के अधीन यहा अनुसूची मे दिए गए भारतीय मानकों के सशोधन जारी किए गए है ।

अनुसूची

| क्रम सख्या | संशोधित मानकों की सख्या और शीर्षक | जिस राजपत्र मे भारतीय मानक के तैयार होने की अधिसूचना छपी उसकी सं० और तिथि | संशोधन की सख्या और तिथि | संशोधन का संक्षिप्त विवरण | संशोधन लागू होने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1 | IS 177—1977 सूती जीन की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण) | एस ओ 2118 1980-08-09 | सख्या 2 अप्रैल 1980 | खड 2.2.2 के स्थान पर नया खड रखा गया है । | 1980-04-30 |
| 2. | IS 179—1977 सूती बुसूती की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | एस ओ 2118 1980-08-09 | सं० 1 मार्च 1980 | खड 2.2.2 के स्थान पर नया खड रखा गया है । | 1980-03-31 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | IS 412—1975 सामान्य कार्यों के लिए वर्गी जाली की चादरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | एस ओ 1596 1979-05-19 | संख्या 1 जून 1980 | (1) खंड 5.2.3 के बाद खंड 5.3.1 जोड़ा गया है। (2) पृष्ठ 7 पर × चिह्नित पाद टिप्पणी के बाद '' चिह्नित पाद टिप्पणी दी गयी है। | 1980-06-30 |
| 4 | IS 539—1974 नैफ्थलीन की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | एस ओ 2855 1976-08-07 | सं 1 जून 1980 | सारणी 1 संशोधित की गई है। | 1976-06-30 |
| 5 | IS 1247—1958 हथकरघा के सूती मद्रासी चैक की विशिष्टि | एस ओ 2464 1958-12-29 | सं 1 जून 1980 | यह संशोधन विभिन्न विशेषताओं की परीक्षण पद्धतियों से संबंधित भारतीय मानकों के नवीन संस्करण में समावेश के लिए जारी किया गया है। | 1980-06-30 |
| 6 | IS 1123—1973 सूती गैबरडीन की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 2558 1975-08-09 | सं 2 मार्च 1980 | खंड 2.2 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गयी है। | 1980-03-31 |
| 7 | IS 1425—1959 रेयन क्रेप की विशिष्टि | एस ओ 1037 1960-04-30 | सं 1 अप्रैल 1980 | (1) खंड 0.5 के स्थान पर नया खंड और खंड 5.1.1 के नीचे टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गयी है। (2) खंड 0.5.1, ग-2.1.7, ग-2.2.7, 0.7.5.1, 3.5.1.6.1, 5.1 और सारणी दो का संशोधन किया गया है। | 1980-04-30 |
| 8. | IS 1460—1974 डीजल ईंधन की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | एस ओ 988 1976-03-06 | सं 1 फरवरी 1980 | सारणी 1 संशोधित की गई है।' | 1980-02-29 |
| 9 | IS 1499—1977 धातुओं के लिए चार्पी प्रभाव परीक्षण (यू-खांचा) पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण) | -- | सं 1 जून 1980 | खंड 4.1.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। | 1980-06-30 |
| 10 | IS 1520—1972 साफ, ठंडे, ताजा पानी के लिए क्षैतिज अपकेन्द्रीय पम्पों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 950 1975-03-29 | सं 2 अप्रैल 1980 | खंड 13.3 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। | 1980-04-30 |
| 11 | IS : 1537—1976 जल, गैस और मल के लिए खड़े ढले लोहे के दाब नलों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 1596 1979-05-19 | सं 3 मार्च 1980 | 1 सारणी 4 के अंत में एक टिप्पणी जोड़ी गई है। 2 खंड 8.4 के बाद खंड 8.5 और 8.6 जोड़े गए हैं। | 1980-03-31 |
| 12 | IS 1551—1976 टाइप राइटर के कार्बन कागजों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 3823 1979-11-24 | 'संख्या 1 फरवरी 1980 | 1 खंड 4.2 संशोधित किया गया है। 2 पृष्ठ 4 पर ‡ चिह्नित पाद टिप्पणी के स्थान पर नयी पाद टिप्पणी रखी गई है। | 1980-02-29 |
| 13. | IS : 1554 (भाग 2)—1970 पी वी सी रोधित (भारी काम) बिजली के केबलों की विशिष्टि भाग II, 3.3 किवो से 11 किवो तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए | एस ओ 3542 1971-09-25 | ' सं 8 मई 1980 | 1 खंड 1.1, 7.3 में 7.3.2, 10.4 में 10.7 और ए-4.3 के स्थान पर नए खंड रखे गए हैं। 2 पृष्ठ 4 पर † और ‡ चिह्नित पाद टिप्पणियों को हटाया गया है। 3 पृष्ठ 7 पर सारणी 1 के पहले खाने में 225 मि मी 2 के सामने की प्रविष्टियां हटाई गई हैं। 4 पृष्ठ 9 पर + चिह्नित और पृष्ठ 15 पर '×' और † चिह्नित पाद टिप्पणियों के स्थान पर नयी पाद टिप्पणियों को रखा गया है। 5 सारणी 3 के स्थान पर नयी पाद टिप्पणी रखी गयी है। 6 पृष्ठ 11 पर आकृति 1 हटायी गयी है और बाद की आकृतियों की संख्या फिर से डाली गयी है। | 1980-05-31 |

'भारतीय मानक संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन दिनांक 1980-08-01 से लागू होगा।

' भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन दिनांक 1980-10-01 से लागू होगा।

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 7. खंड 0.6, 9.2.2.2 और 10.19 1 संशोधित किए गए हैं।<br>8. पृष्ठ 18 पर × चिह्नित पाद टिप्पणी हटाई गई है।<br>9 खंड 0.6 और 2.4 के बाद क्रमशः खंड 0.7 और 2.5, 2.6 जोड़े गये हैं। | |
| 14. | IS : 1599—1974 चादर, पत्ती, तार और नली को छोड़कर इस्पात के अन्य उत्पादों के लिए मोड़ परीक्षण पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 1092<br>1977-04-09 | सं० 1<br>जून 1980 | खंड 4.1 के बाद नयी सामग्री जोड़ी गयी है। | 1980-06-30 |
| 15. | IS : 1605—1977 सूती वस्त्र उद्योग के लिए टैपियोका के मांड की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 2118<br>1980-08-09 | सं० 1<br>जून 1980 | 1. खंड 2.1 और 2.2 के नीचे की अनौपचारिक सारणियां संशोधित की गयी हैं।<br>2. पृष्ठ 4 और 5 पर "*" चिह्नित पाद टिप्पणियों के स्थान पर नयी पाद टिप्पणियां रखी गई है। | 1980-06-30 |
| 16. | IS : 1812—1973 लकड़ी पेच के निर्माण के लिए कार्बन इस्पात के तार की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 3069<br>1975-09-13 | सं० 2<br>जून 1980 | सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी रखी गई है। | 1980-06-30 |
| 17. | IS : 1971—1975 हस्तचालित सतत एक-नली स्प्रे वाले पम्प की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण) | एस ओ 1596<br>1979-05-19 | *सं० 4<br>मई 1980 | 1. खंड 2.17 और 4.1 के स्थान पर नए खंड रखे गये हैं।<br>2 खंड 5.19 और 8 1.1 (बी) संशोधित किए गए है।<br>3. परिशिष्ट "बी" के स्थान पर नई परिशिष्ट रखी गई है। | 1980-05-31 |
| 18. | IS : 2418 (भाग 3)—1977 सामान्य प्रकाश सेवा के लिए नलिकाकार प्रतिदीप्ति दीपों (ट्यूब लाइट) की विशिष्टि भाग 3 जी-5 और जी-13 बी आई पिन कैपों (टोपियों) के परिमाप (प्रथम पुनरीक्षण) | — | **सं० 1<br>3 अप्रैल 1980 | सारणी 1 और 2 संशोधित की गई हैं और "×" चिह्नित पाद टिप्पणियां भी जोड़ी गई हैं। | 1980-04-30 |
| 19. | IS : 2750—1964 इस्पात की चहलियों की विशिष्टि | एस ओ 3865<br>1964-11-14 | सं० 3<br>जुलाई 1980 | 1. खंड 2.2.1, 2.3.14, 4.1.1, 4.2, 4.3.1, 4.3.2, 4.4, 6.2, 7.3.6, 7.4.4.1, 7.4.5 और 7.4.7.2 के स्थान पर नए खंड रखे गए हैं।<br>2. खंड 4.1.2, 7.3.5.1 (ए) और (बी), 7.3.10.3 और 9 1 संशोधित किए गए हैं।<br>3. पृष्ठ 15 पर खंड 7.3.3.1 हटाया गया है और बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गई हैं।<br>4 पृष्ठ 20 पर आकृति 9 (शीर्षक) के स्थान पर आकृति 12 रखी गई है।<br>5. खंड 2.3.23 और 7.3.12.2 के स्थान पर क्रमशः खंड 2.3.24, 2.3.25 और 7.3.13 रखे गए हैं। | 1980-07-31 |
| 20. | IS : 2879—1975 धातु चाप वेल्डिंग के इलेक्ट्रोड कोरवाले तार के लिए मृदु इस्पात की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | एस ओ 1595<br>1979-05-19 | †सं० 2<br>जून 1980 | खंड 4.2 के बाद खंड 4.2.1 जोड़ा गया है। | 1980-06-30 |
| 21. | IS : 3010 (भाग 1)—1965 साधित्र योजकों और साधित्र निवेशिकाओं (अप्रतिवर्त्य तीन-पिन वाले की विशिष्टि) भाग 1 साधित्र योजक | एस ओ 281<br>1966-01-22 | सं० 4<br>जून 1980 | 1. खंड 0.3 के बाद खंड 0.4 जोड़ा गया है और तदनुसार बाद के खंडों की संख्यायें फिर से दी गयी हैं।<br>2 परिशिष्ट "ए" के बाद परिशिष्ट 'बी" जोड़ी गयी है। | 1980-04-30 |

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए यह संशोधन 1980-10-01 से लागू होगा।

**भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए यह संशोधन 1980-08-01 से लागू होगा।

†भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए यह संशोधन 1980-09-30 से लागू होगा।

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| 22. | IS : 3010 (भाग 2)—1965 साधित्र योजकों और साधित्र निवेशिकाओं (अप्रतिवर्त्य तीन-पिन टाइप) की विशिष्टि, भाग 2 साधित्र निवेशिकाएं | एस ओ 281 1966-01-22 | सं० 4 जून 1980 | 1. खंड 03 के बाद खंड 0.4 जोड़ा गया है और तदनुसार बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गयी हैं। 2. परिशिष्ट "ए" के बाद परिशिष्ट "बी" जोड़ी गयी है। | 1980-06-30 |
| 23 | IS : 3055 (भाग 1)—1977 ज्वरमापी की विशिष्टि, भाग 1 ठोस नली प्रकार (प्रथम पुनरीक्षण) | — | *सं० 1 जून 1980 | 1. खंड 6.3.4 और 6-5-2 के स्थान पर नए खंड रखे गये हैं। 2. पृष्ठ 6 पर आकृति 2 संशोधित की गई है। 3. पृष्ठ 7 पर आकृति 3 हटायी गयी है। 4. सारणी 1 संशोधित की गयी है। 5. खंड 8.1 (ए) के बाद नयी सामग्री (बी) जोड़ी गयी है और तदनुसार बाद की मदों की संख्यायें फिर से दी गयी हैं। | 1980-06-30 |
| 24 | IS : 3383—1975 भिगाने योग्य गंधक चूर्ण की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | एसओ 3494 1976-10-02 | सं० 2 मई 1980 | 1. सारणी 1 संशोधित की गयी है। 2. खंड 2.2.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। 3. खंड 0.2 के अन्त में नयी सामग्री जोड़ी गयी है। | 1980-05-31 |
| 25 | IS : 3708(भाग 1)—1966 प्राकृतिक रबड़ के दूध की परीक्षण पद्धतियां भाग 1 शुष्क रबड़ का अंश समस्त ठोस कोएग्युलम (जमाव) का अंश विसकोसिता पंकका अंश घनत्व समस्त क्षारीयता कोह संख्या यंत्रिक स्थायित्व वाष्पशील वसा अम्ल संख्या पीएच समस्त नाइट्रोजन समस्त ताम्र समस्त लोह और कुल भस्म | एसओ 1325 1967-01-15 | सं० 2 जुलाई 1980 | IS : 9316—1979 (भाग 1 से 5 तक) रबड़ दूध की परीक्षण पद्धतियों के प्रकाशन के साथ इन भागों में उल्लिखित पद्धतियां इस मानक से हटा दी गई हैं। | 1980-07-31 |
| 26 | IS : 3906 (भाग 1)—1974 हस्त-चालित सतत पृष्ठवाहू्य फुहारे (स्प्रेयर) की विशिष्टि, (भाग 1 पिस्टन वाले (द्वितीय पुनरीक्षण) | एसओ 1597 1976-05-08 | **सं 5 जुलाई 1980 | 1 खंड 2.35, 4.1, बी 1.1, बी 1.2, बी-2.1 से बी-2.3 और बी-9.1 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं। 2 [पृष्ठ 12 खंड 8.1 (बी) पंक्ति 2]—"4.1" के स्थान पर 4.1 4.2 रखे गए हैं। 3 (पृष्ठ 14, परिशिष्ट "बी" खंडों का संदर्भ) —4.1 के स्थान पर 4.1, 4.2 रखे गयें हैं। | 1980-07-31 |
| 27 | IS : 4151—1976 स्कूटर और मोटर साइकिल सवारों के लिए बचाव टोपों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | — | ***सं० 2 अप्रैल 1980 | प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखते हुए संबद्ध तकनीकी समिति ने इस बात को सुनिश्चित करने की दृष्टि से यह संशोधन जारी किया है कि डिजाइन में श्रव्यता का पहलू भी रहे। | 1980-04-30 |
| 28 | IS : 4511 (भाग 1)—1967 स्टाइरीन ब्यूटा डाईन रबड़ (एसबीआर) दूधों की परीक्षण पद्धति भाग 1 शुष्क पोलीमर समस्त ठोस द्रव्य कोएग्युलम पीएच, धरातलीय तनाव, घनत्व विसकोसिता अवशिष्ट स्टाइरीन बद्ध स्टाइरीन और साबुन के अंश का निर्धारण | एसओ 1387 1975-05-03 | सं० 1 जून 1980 | IS : 9316—1979 (भाग 1 से 5 तक) रबड़ दूध की जांच विधियां, के प्रकाशन के साथ इन भागों में उल्लिखित विधियां इस मानक से हटा दी गयी हैं। | 1980-06-30 |

*भा०मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन दिनांक 80-08-01 से लागू होगा।

**भा०मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन दिनांक 1980-09-01 से लागू होगा।

***भा०मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन दिनांक 1981-01-01 से लागू होगा।

| (1) (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|
| 29. IS : 4651( भाग 1)--1974 पत्तनों और बन्दरगाहों के आयोजन और डिजाइन के लिए रीति संहिता, भाग 1 स्थान की खोज (प्रथम पुनरीक्षण) | एस ओ 1232 1976-04-03 | सं० 2 मार्च 1980 | 1 खंड 7.2.3 और 8.1 संशोधित किए गए हैं। 2 पृष्ठ 15 और 17 पर "X" चिन्हिांकित पाद टिप्पणियों के स्थान पर नयी पाद टिप्पणी रखी गई है। | 1980-03-31 |
| 30. IS : 4825-- 1968 प्रयोगशाला और संदर्भ तापमापियों की विशिष्टि | एस ओ 1455 1969-04-19 | सं० 3 जून 1980 | (पृष्ठ 9 द्वितीय रिप्रिन्ट का पृष्ठ 11) सारणी 1 खाना और 4 और 5 अनुसूची चिन्ह टीआई/पी आई 25 के सामने (-0.3 के स्थान पर 0.4 और "0.3/10" के स्थान पर "0.4/10" रखा गया है। | 1980-06-30 |
| 31. IS : 4876--1968 खाद्य बिनौले के आटे (विलायक द्वारा प्राप्त) की विशिष्टि | एसओ 1906 1969-05-17 | सं० 2 अप्रैल 1980 | 1 सारणी 1 संशोधित की गयी है। 2 परिशिष्ट "ए" के बाद परिशिष्ट "बी" जोड़ी गयी है। | 1980-04-30 |
| 32. IS : 5120--1977 रोटोडिनैमिक विशेष कार्य-पम्पों के लिए तकनीकी अपेक्षाएं (प्र · पुन) | एसओ 1606 1980-06-14 | सं० 1 - जून 1980 | खंड 17.6 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। | 1980-04-30 |
| 33. IS : 5411 (भाग 1)--1974 प्लास्टिक पायसपेंट की विशिष्टि, भाग 1 (अंतरंग इस्तेमाल के लिए (प्र०पुन) | एसओ 3858 1976-08-07 | सं० 1 जून 1980 | 1 सारणी 1 के शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक रखा गया है। 2 खंड डी-3.1 संशोधित किया गया है। | 1980-06-30 |
| 34. IS : 6017— 1971 घूर्णाक्षित मापियों के लिए तापमापी की विशिष्टि | एस ओ 398 1973-02-05 | सं० 1 मई 1980 | आकृति 1 के स्थान पर नयी आकृति रखी गयी है। | 1980-05-31 |
| 35. IS : 6179--1971 सख्त किनारे वाले प्लेपैनों की विशिष्टि और अपेक्षाएं सुरक्षा संबंधी अपेक्षाएं | एस ओ 3055 1973-10-27 | सं० 3 मई 1980 | 1 खंड 3.1.1, 3.1.2 और 3.1.4 के स्थान पर नए खंड रखे गये हैं। 2 खंड 5.1 के बाद खंड 6, 6.1, 6.2, 6.3, 6.4 और 6.5 जोड़ें गये हैं तथा तदनुसार बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गयी हैं। | 1980-05-31 |
| 36. IS : 6189--1971 धातु की लेखन सामग्री रखने की अलमारियों की विशिष्टि | एसओ 3056 1973-10-27 | सं० 3 मई 1980 | 1 खंड 6.1, 6.1.2 और 6.1.3 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं। 2 खंड 6.1.4 के बाद खंड 7,7.1, 7.2,7.3, 7.4 और 7.5 जोड़े गये हैं तथा तदनुसार बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गयी हैं। | 1980-05-31 |
| 37. IS : 6264--1971 जे-एसिड की विशिष्टि | एसओ 3055 1973-10-27 | सं० 1 मई 1980 | 1 खंड 0.2 और सारणी 1 संशोधित की गयी है। 2 पृष्ठ 4 पर सारणी 1 के नीचे "X" चिन्हित पादटिप्पणी के बाद "†" चिन्हित पाद टिप्पणी जोड़ी गयी है। | 1980-05-31 |
| 38. IS : 6680--1972 रेलगाड़ी के पंखों की विशिष्टि | एसओ 1604 1975-05-24 | सं० 3 जून 1980 | 1 खंड 2.7, 7.8 7.13.1, 7.14, 11.1 और 18.7.3 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं। 2 आकृति 3, 11, 13 और 18 के स्थान पर नई आकृतियां रखी गयी हैं। 3 पृष्ठ 26 पर खंड 7.14.1 हटाया गया है। 4 खंड 17.2 खंड 18.1.3.2 के नीचे अनियमित सारणी सारणी 2 और खंड 18.6 संशोधित किए गए हैं। 5 पृष्ठ 32 पर खंड 17.3 हटाया गया है और तदनुसार बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गयी हैं। | 1980-06-30 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| | | | | 6 पृष्ठ 33, खंड 18.1 (बी 1, पंक्ति-4)--आर्धिणी कन्टीन्यूटी (18.8) शब्द हटाये गये हैं।<br>7 (पृष्ठ 35, आकृति 23)--परिमाप 0.60 एम हटाया गया है।<br>8 पृष्ठ 40 पर खंड 18.8 हटाया गया है और तदनुसार बाद के खंडों की संख्याएं फिर से दी गयी हैं।<br>9 पृष्ठ 40 पर खंड 18.9 का अंतिम वाक्य हटाया गया है।<br>10 खंड 2.5 और 17.6 के बाद क्रमश: खंड 2.5 और 17.7 जोड़े गये हैं।<br>11 पृष्ठ 38 पर खंड 18.5.1 के अन्त में यह वाक्य जोड़ा गया है : "यह परीक्षण (टैस्ट) कीसी पंखों पर लागू नहीं होगा।" | |
| 39 | IS : 6682--1972 मोर्स शुंडाकार विस्तार बेलों (माकेटों) की विशिष्टि | एसओ 1750<br>1975-06-07 | सं० 2<br>जून 1980 | खंड 3.1 के नीचे अनौपचारिक सारणी संशोधित की गई है। | 1980-06-30 |
| 40 | IS : 7761--1875 इस्पात के पुस्तक खोखों की विशिष्टि | एसओ 2239<br>1978-08-05 | सं० 3<br>मई 1980 | 1 खंड 6.1.1, 6.1.2 और 6.1.3 के स्थान पर नए खंड रखे गये हैं।<br>2 खंड 6.2 के बाद खंड 7, 7.1, 7.2, 7.3, 7.4 और 7.5 जोड़े गये हैं। | 1980-05-31 |
| 41 | IS : 8150--1976 समुद्र में इस्तेमाल के लिए 45--लिटर समाई वाले रासायनिक फेन इंजन की विशिष्टि | एसओ 99<br>1980-01-12 | सं० 1<br>जून 1980 | 1 खंड 0.2 और 3.6 संशोधित किए गये हैं।<br>2 खंड 3.4, 3.5.1, 6.1, 8.1 और 8.2 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं।<br>3 पृष्ठ 3 पर "X" चिन्हित पृष्ठ 4 पर "X" चिन्हित तथा पृष्ठ 9 पर † और †† चिन्हित पाद टिप्पणियों के स्थान पर नयी पाद टिप्पणी दी गई हैं।<br>4 खंड 5.2.2 (बी) (3) के बाद नयी सामग्री जोड़ी गयी है। | 1980-06-30 |
| 42 | IS : 8467--1977 इस्पात का कार्ड इंडैक्स मंजूषाओं का विशिष्टि | एसओ 783<br>1980-03-29 | सं 1<br>जुलाई 1980 | 1 खंड 7.1, 7.2 और 7.2.1 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं।<br>2 खंड 7.3 के बाद खंड 8, 8.1, 8.2, 8.3, 8.4 और 8.5 जोड़े गये हैं।<br>3 पृष्ठ 9 पर "‖" चिन्हित पादटिप्पणी के बाद "‖" चिन्हित पादटिप्पणी जोड़ी गयी है। | 1980-07-31 |
| 43 | IS : 8468--1977 भार अधीन टैप परिवर्तकों की विशिष्टि | एसओ 2116<br>1980-08-09 | सं० 1<br>मई 1980 | 1 खंड 8.4, 8.6, 1.2 (बी) 8.10.7 और 8.5 संशोधित किये गये हैं।<br>2 पृष्ठ 9 पर खंड 8.2 (सी) हटाया गया है।<br>3 पृष्ठ 10 पर सारणी 1 हटायी गयी है।<br>4 (पृष्ठ 17 सारणी 4 खाना 1 प्रविष्टि 8)--149 के स्थान पर "140" रखा गया है।<br>5 खंड 9.2 और खंड सी-3 के वर्तमान सूत्र के स्थान पर नया खंड और नया सूत्र रखा गया है।<br>6 पृष्ठ 20 पर खंड 10.1 एच हटाया गया है।<br>7 खंड 7.1 (एच) के बाद नयी सामग्री जोड़ी गयी है। | 1980-05-31 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| 44 | IS : 8595—1977 स्थिर भाप बायलरों के प्राचलों की विशिष्टि | एसओ 2126 1980-08-09 | सं० 1 जून 1980 | खंड 2.3 संशोधित किया गया है। | 1980-06-30 |
| 45 | IS : 8655(भाग 1)—1977 चुम्बकीय आवाज भरने और फिर बजाने के उपकरण (रील से रील) की विशिष्टि भाग 1 मापन की पद्धतियां | — | सं० 2 मई 1980 | खंड 2.16, 8.6, 8.6.1 और 8.6.2 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं। | 1980-05-31 |

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से तथा अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों में विक्रयार्थ उपलब्ध हैं।

[सं० सी० एम० डी/13 : 5]

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

### INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 24th January, 1983

**S.O. 1132.**—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

| Sl. No. | No. and title of the Indian Standard amended | No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified | No. and Date of the Amendment | Brief particulars of the Amendment | Date from which the amendment shall have effect |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | IS : 177—1977 Specification for cotton drills (third revision) | S.O. 2118 dated 1980-08-09 | No. 2 Apr 1980 | Clause 2.2.2 has been substituted by a new one | 1980-04-30 |
| 2. | IS : 179—1977 Specification for cotton dosuti (second revision) | S.O. 2118 dated 1980-08-09 | No. 1 Mar 1980 | Clause 2.2.2 has been substituted by a new one | 1980-03-31 |
| 3. | IS : 412—1975 Specification for expanded metal steel sheets for general purposes (second revision) | S.O. 1596 dated 1979-05-19 | No. 1 Jun 1980 | (i) Clause 5.2.4. has been added after clause 5.2.3.<br>(ii) Foot not with '†' mark has been added at page 7 after foot note with '*' mark | 1980-06-30 |
| 4. | IS : 539—1974 Specification for naphthalene (second revision) | S.O. 2858 dated 1976-08-07 | No. 1 Jun 1976 | Table 1 has been amended | 1976-06-30 |
| 5. | IS : 1247—1958 Specification for handloom cotton Madras check | S.O. 2464 dated 1958-12-29 | No. 1 Jun 1980 | This amendment is being issued to incorporate the latest version of Indian Standard on methods of tests for different characteristics | 1980-06-30 |
| 6. | IS : 1423—1973 Specification for cotton gaberdine (first revision) | S.O. 2558 dated 1975-08-09 | No. 2 Mar 1980 | A note has been added after clause 2.2 | 1980-03-31 |
| 7. | IS : 1425—1959 Specifiaction for rayon crepe | S.O. 1037 dated 1960-04-30 | No. 1 Apr 1980 | (i) Clause 0.5 and note under clause 5.11 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 0.5.1, A-2.1.7, A-2.2.7, 0.7, 5.1.3, 5.1.6.1, 5.4 & table II have been amended. | 1980-04-30 |
| 8. | IS : 1460—1974 Specification for diesel fuels (second revision) | S.O. 988 dated 1976-03-06 | No. 1 Feb 1980 | Table I has been amended | 1980-02-29 |
| 9. | IS : 1499—1977 Method for charpy impact test (U-nouch) for metals (first revision) | — | No. 1 Jun 1980 | Clause 4.1.1 has been substituted by a new one | 1980-06-30 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 10. | IS : 1520—1972 Specification for horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water (first revision) | S.O. 950 dated 1975-03-29 | No. 2 Apr 1980 | Clause 13.3 has been substituted by a new one | 1980-04-30 |
| 11. | IS : 1537—1976 Specification for vertically cast iron pressure pipes for water, gas and sewage (first revision) | S.O. 1596 dated 1979-05-19 | No. 3 Mar 1980 | (i) A note has been added at the end of table 4<br>(ii) Clauses 8.5 and 8.6 have been added after clause 8.4 | 1980-03-31 |
| 12. | IS : 1551—1976 Specification for carbon papers for typewriter (first revision) | S.O. 3823 dated 1979-11-24 | *No. 1 Feb 1980 | (i) Clause 4.2 has been amended<br>(ii) Foot note with '‡' mark at page 4 has been substituted by a new one | 1980-02-29 |
| 13. | IS : 1554 (Part II)—1970 Specification for PVC insulated (heavy duty) electric cables : Part II for working voltages from 3.3 kV up to and including 11 kV | S.O. 3542 dated 1971-09-25 | **No. 8 May 1980 | (i) Clauses 1.1, 7.3 to 7.3.2, 10.4 to 10.7 and A-4.3 have been substituted by new ones<br>(ii) (page 4, foot-notes with '†' and '‡' marks)—Delete<br>(iii) (Page 7, Table 21, entries against 225 mm' in col.1)—Delete'<br>(iv) Foot notes with '†' mark at page 9 and with '*' and '‡' mark at page 15 have been substituted by new ones.<br>(v) Table 3 has been substituted by a new one<br>(vi) (Page 11, Fig. 1)—Delete and renumber the subsequent figures accordingly.<br>(vii) Clauses 0.6, 9.2.2.2 and 10.19.1 have been amended<br>(viii) (Page 18, foot-note with '*' mark)—Delete<br>(ix) Clauses 0.7 and 2.5, 2.6 have been added after clauses 0.6 and 2.4 respectively. | 1980-05-31 |
| 14. | IS : 1599—1974 Method for bend test for steel products other than sheet, strip, wire and tube (first revision) | S.O. 1092 dated 1977-04-09 | No. 1 Jun 1980 | New matter has been added after clause 4.1 | 1980-06-30 |
| 15. | IS : 1605—1977 Specification for tepioca Starch, cotton textile industry (first revision) | S.O. 2118 dated 1980-08-09 | No. 1 Jun 1980 | (i) Informal tables under clauses 2.1 and and 2.2 have been amended<br>(ii) Foot notes with '*' mark at pages 4 and 5 have been substituted by new ones | 1980-06-30 |
| 16. | IS : 1812—1973 Specification for carbon steel wire for the manufacture of wood screws (first revision) | S.O. 3069 dated 1975-09-13 | No. 2 Jun 1980 | Table 1 has been substituted by a new one | 1980-06-30 |
| 17. | IS : 1971—1975 Specification for hand-operated continuous single-barrel sti-rup pump (third revision) | S.O. 1596 dated 1979-05-19 | **No. 4 May 1980 | (i) Clauses 2.17 and 4.1 have been substituted by new ones.<br>(ii) Clauses 5.19 and 8.1.1 (b) have been amended<br>(iii) Appendix 8 has been substituted by a new one | 1980-05-31 |
| 18. | IS : 2418 (Part III)—1977 Specification for tabular fluourescent lamps for general lighting service : Part III Dimensions of G-5 and G-13 BI-pin caps (first revision) | — | *No. 1 Apr 1980 | Tables 1 & 2 have been amended and foot notes with '*' marks have also been added | 1980-04-30 |

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-08-01.

**For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-10-01

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 19. | IS : 2750—1964 Specification for steel scaffoldings | S.O. 3865 dated 1964-11-14 | No. 3 July, 1980 | (i) Clauses 2.2.1, 2.3.14, 4.1.1, 4.2, 4.3.1, 4.3.2, 4.4., 6.2, 7.3.6, 7.4.4.1, 7.4.5 and 7.4.7.2 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 4.1.2, 7.3.5.1.(a) and (b), 7.3.10.3 and 9.1 have been amended<br>(iii) (Page 15, clause 7.3.3.1)—Delete and renumber subsequent clauses accordingly<br>(iv) (Page 20, Fig. 9, caption)—Substitute 'Fig. 12' for 'Fig. 9'<br>(v) Clauses 2.3.24, 2.3.25 and 7.3.13 have been added after Clauses 2.3.23 and 7.3.12.2 respectively | 1980-07-31 |
| 20. | IS : 2879—1975 Specification for mild steel for metal arc welding electrode core wire (second revision) | S.O. 1595 dated 1979-02-19 | *No. 2 June, 1980 | Clause 4.2.1. has been added after clause 4.2 | 1980-06-30 |
| 21. | IS : 3010 (Part I)—1965 Specification for appliance—connectors and appliance inlets—(non-reversible three-pin type) Part I Appliance-connectors | S.O. 281 dated 1966-01-22 | No. 5 Apr 1980 | (i) Clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly<br>(ii) Appendix 'B' has been added after Appendix 'A' | 1980-04-30 |
| 22. | IS : 3010 (Part II)—1965 Specification for appliance connectors and appliance-inlets (non-reversible three-pin type) Part II Appliance-inlets | S.O. 281 dated 1966-01-22 | No. 4 Jun 1980 | (i) Clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly<br>(ii) Appendix 'B' has been added after Appendix 'A' | 1980-05-30 |
| 23. | IS: 3055 (Part I)—1977 Specification for clinical thermometers: Part I Solid stem type (first revision) | .. | **No. 1 Jun 1980 | (i) Clauses 6.3.4 and 6.5.2 have been substituted by new ones<br>(ii) Fig. 2 at page 6 has been amended<br>(iii) (Page 7, Fig. 3)—Delete<br>(iv) Table 1 has been amended<br>(v) New matter (b) has been added after clause 8.1(a) and the subsequent items have been renumbered accordingly | 1980-05-30 |
| 24. | IS : 3383-1975 Specification for wettable sulphur powder (first revision) | S.O. 3494 dated 1976-10-02 | No. 2 May 1980 | (i) Table 1 has been amended<br>(ii) Clause 2.2.1 has been substituted by a new one<br>(iii) New matter has been added at the end of Clause 0.2 | 1980-05-31 |
| 25. | IS : 3708 (Part I)—1966 Methods of test for natural rubber latex Part I Dry rubber content, total solids coagulum content, viscosity, sludge content, density total alkalinity koh-number, mechanical stability, volatile fatty acid number, pH, Total nitrogen, total copper, total iron, total manganese & total ash | S.O. 1325 dated 1967-04-15 | No. 2 Jul 1980 | With the publication of Parts I to V of IS : 9316-1979 Methods of test for rubber latex, the methods covered by these parts are being deleted from this standard | 1980-07-31 |
| 26. | IS : 3906 (Part I)—1974 Specification for hand-operated continuous knapsack sprayer : Part I piston type (second revision) | S.O. 1597 dated 1976-05-08 | ***No. 5 Jul 1980 | (i) Clauses 2.25, 4.1, B-1.1, B-1.2, B-2.1 to B-2.3 and B-9.1 have been substituted by new ones<br>(ii) [Page 12, clause 8.1(b), line 2] Substitute '4.1, 4.2' for '4.1'.<br>(iii) (Page 14, Appendix B, reference to clauses)—Substitute '4.1', 4.2' for '4.1'. | 1980-07-31 |
| 27. | IS:4151-1976 Specification for protective helmets for scooter and motorcycle riders (first revision) | | ****No. 2 Apr 1980 | Keeping in view the experience gained relevant technical committee has decided to issue this amendment with a view to ensure that the design covers the audibility aspect. | 1980-04-30 |

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-09-30.
** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect form 1980-08-01.
*** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-09-01.
**** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1981-01-01.

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| 28. | IS : 4511 (Part I)—1967 Methods of tests for styrene-butadiene rubber (SBR) latices Part I Determination of dry polymer, total solids, coagulum, pH, surface tension, density, viscosity, residual styrene, bound styrene and soap content | S.O. 1387 dated 1975-05-03 | No. 1 June 1980 | With the publication of Parts I to V of IS : 9316-1979 Methods of test for rubber latex, the methods covered by these parts are being deleted from this standard | 1980-06-30 |
| 29. | IS : 4651 (Part I)—1974 Code of practice for planning and design of ports and harbours : Part I site investigation (first revision) | S.O. 1232 dated 1976-04-03 | No. 2 Mar 1980 | (i) Clauses 7.2.3. and 8.1 have been amended<br>(ii) Foot notes with '*' marks at pages 15 and 17 have been substituted by new ones | 1980-03-31 |
| 30. | IS : 4825-1968 Specification for laboratory and reference thermometers | S.O. 1555 dated 1969-04-19 | No. 3 June 1980 | [Page 9 (Page 11 of second reprint), table 1, cols. 4 and 5 against schedule mark TI/PI 25]—Substitute '0.4' for '0.3' and '0.4/10' for '0.3/10'. | 1980-06-30 |
| 31. | IS : 4876–1968 Specification for edible cottonseed flour (solvent extracted) | S.O. 1906 dated 1969-05-17 | No. 2 Apr 1980 | (i) Table I has been amended<br>(ii) Appendix B has been added after appendix A. | 1980-04-30 |
| 32. | IS : 5120–1977 Technical requirements for rotodynamic special purpose pumps (first revision) | S.O. 1606 dated 1980-06-14 | No. 1 June 1980 | Clause 17.6 has been substituted by a new one | 1980-06-30 |
| 33. | IS : 5411 (Part I)—1974 Specification for plastic emulsion paint : Part I for interior use (first revision) | S.O. 2585 dated 1976-08-07 | No. 1 Jun 1980 | (i) Caption of table I has been substituted by a new one<br>(ii) Clause D-3.1 has been amended | 1980-06-30 |
| 34. | IS : 6017–1971 Specification for thermometer for whirling psychrometers | S.O. 398 dated 1972-02-05 | No. 1 May 1980 | Figure I has been substituted by a new one | 1980-05-31 |
| 35. | IS : 6179–1971 Specification and safety requirements for rigid sided playpens | S.O. 3055 dated 1973-10-27 | No. 3 May 1980 | (i) Clauses 3.1.1, 3.1.2. and 3.1.4 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 6, 6.1, 6.2, 6.3, 6.4 and 6.5 have been added after clause 5.1 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly | 1980-05-31 |
| 36. | IS : 6189–1971 Specification for metal stationery cupboards | S.O. 3056 dated 1973-10-27 | No. 3 May 1980 | (i) Clauses 6.1, 6.1.2 and 6.13 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 7, 7.1, 7.2, 7.3, 7.4 and 7.5 have been added after Clause 6.1.4 and the subsequent have been renumbered accordingly | 1980-05-3 |
| 37. | IS : 6264–1971 Specification for J-acid | S.O. 3055 dated 1973-10-27 | No. 1 May 1980 | (i) Clause 0.2 and Table 1 have been amended<br>(ii) Foot note with '†' mark has been added after '*' mark at page 4 under table 1 | 1980-05-31 |
| 38. | IS : 6680–1972 Specification for railway carriage fans | S.O. 1604 dated 1975-05-24 | No. 3 Jun 1980 | (i) Clauses 2.7, 7.8, 7.13.1, 7.14, 11.1 and 18.7.3 have been substituted by new ones<br>(ii) Fig. 3, 11, 13 and 18 have been substituted by new ones<br>(iii) (Page 26, clause 7.14.1)—Delete<br>(iv) Clause 17.2 informal table under clause 18.1.3.2, table 2 and clause 18.6 have been amended<br>(v) Page 32, clause 17.3—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly<br>(vi) Page 33, clause 18.1.1(b), line 4—Delete the words 'Earthing continuity (18.8)'.<br>(vii) Page 35, Fig 22—Delete the dimension '0.60m'<br>(viii) Page 40, clause 18.8—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly<br>(ix) Page 40, clause 18.9, last sentence—Delete<br>(x) Clauses 2.5 and 17.7 have been added | 1980-05-30 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | after clauses 2.5 and 17.6 respectively.<br>(xi) Page 38, clause 18.5.1—Add the following new matter at the end of this clause :<br>'This test shall not be applicable for de fans'. | |
| 39. | IS : 6682–1972 Specification for morse taper extension sockets | S.O. 1750 dated 1975 06-07 | No. 2 Jun 1980 | Informal table under Clause 3.1 has been amended | 1980-05-30 |
| 40. | IS : 7761–1975 Specification for steel book cases | S.O. 2239 dated 1978-08-05 | No. 3 May 1980 | (i) Clauses 6.1.1, 6.1.2 and 6.1.3 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 7, 7.1, 7.2, 7.3, 7.4 and 7.5 have been added after clause 6.2 | 1980-05-31 |
| 41. | IS : 8150–1976 Specification for 45-litre capacity chemical foam engine for marine use | S.O. 99 dated 1980-01-12 | No. 1 Jun 1980 | (i) Clauses 0.2 and 3.6 have been amended<br>(ii) Clauses 3.4, 3.5.1, 6.1, 8.1 and 8.2 have been substituted by new ones<br>(iii) Foot note with '*' mark at page 3, with '**' mark at page 4 and with '†' and '≠' marks at page 9 have been substituted by new ones<br>(iv) New Matter has been added after Clause 5.2.2 (b) (3) | 1980-06-30 |
| 42. | IS : 8467–1977 Specification for steel cardindex cabinets | S.O. 783 dated 1980-03-29 | No. 1 Jul 1980 | (i) Clauses 7.1, 7.2 and 7.2.1 have been substituted by new ones<br>(ii) Clauses 8.8.1, 8.2, 8.3 8.4 and 8.5 have been added after Clause 7.3<br>(iii) Foot note with 'π' mark has been added after foot note with '‖' mark at page 9 | 1980-07-31 |
| 43. | IS : 8468–1977 Specification for on-load tap-changers | S.O. 2116 dated 1980-08-09 | No. 1 May 1980 | (i) Clauses 8.4, 8.6.1.2(b), 8.10.7 and 8.5 have been amended<br>(ii) (Page 9, clause 8.2(c)—Delete<br>(iii) Page 10, Table 1—Delete<br>(iv) Page 17, Table 4, col 1, entry 8—Substitute '140' for '149'<br>(v) Clause 9.2 and the existing formula of clause C-3 have been substituted by new ones<br>(vi) Page 20, clause 10.1 (h)—Delete<br>(vii) New matter has been added after clause 7.1(h) | 1980-05-31 |
| 44. | IS : 8595–1977 Terminology for parameters of stationary steam boilers | S.O. 2116 dated 1980-08-09 | No. 1 Jun 1980 | Clause 2.3 has been amended | 1980-06-30 |
| 45. | IS : 8655 (Part I)—1977 Specification for magnetic sound tape recording and reproducing equipment (reel-to-reel) : Part I Methods of measurement | — | No. 2 May 1980 | Clauses 2.16, 8.6, 8.6.1 and 8.6.2. have been substituted by new ones | 1980-05-31 |

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No, CMD/13 : 5]

का० आ० 1133 —समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 362 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है, उनका मार्च 1983 में नवीकरण किया गया है,

अनुसूची

| क्रम संख्या | सी एम/एल संख्या | वैध से | तक | भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | 00057 17 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 भाग 1 —1976 |
| 2. | 00129 16 | 81-11-01 | 82-10-30 | IS : 632—1978 |
| 3. | 00156 19 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 1221–1971 |
| 4. | 00171 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011–1968 |
| 5. | 00172 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011–1968 |
| 6. | 00244 18 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1300–1966 |
| 7. | 00272 22 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2–1976 |
| 8. | 00365 26 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 368–1977 |
| 9. | 00654 32 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 561–1978 |
| 10. | 00998 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2552–1979 |
| 11. | 01066 22 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS: 226–1975 |
| 12. | 01078 26 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 774–1971 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 13. | 01090 22 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226–1975 |
| 14. | 01091 23 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1977–1975 |
| 15. | 01138 21 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 780–1969 |
| 16. | 01146 21 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS : 226–1975 |
| 17. | 01147 22 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS : 1977–1975 |
| 18. | 01210 12 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1011- 1968 |
| 19. | 01228 22 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1308–1974 |
| 20. | 01494 38 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2645–1975 |
| 21. | 01650 32 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (भाग 1) –1976 |
| 22. | 01895 51 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 245–1970 |
| 23. | 02219 25 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 (भाग 3) –1974 |
| 24. | 02239 29 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2266–1977 |
| 25 | 02270 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (भाग 4) -1976 |
| 26. | 02273 31 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3413–1977 |
| 27. | 02377 38 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 10 (भाग 3) -1974 |
| 28. | 02471 35 | 82-03-01 | 83-08-31 | IS : 561–1978 |
| 29. | 02532 31 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 779–1978 |
| 30. | 02536 35 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1786–1966 |
| 31. | 02575 42 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694–1977 |
| 32. | 02592 43 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 561- 1978 |
| 33. | 02618 36 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS: 562–1972 |
| 34. | 02621 31 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1660 (भाग 1) –1967<br>IS : 1660 (भाग 2 और 3)–1972 |
| 35. | 02711 32 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 325–1978 |
| 36. | 02739 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4984–1978 |
| 37. | 02741 38 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786–1966 |
| 38. | 02787 52 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1596–1977 |
| 39. | 02812 36 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1989 (भाग 1) –1978 |
| 40. | 02844 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (भाग 4) 1976 |
| 41. | 02896 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2650–1975 |
| 42. | 02921 40 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 43. | 02922 41 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 694–1977 |
| 44. | 02938 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786–1966 |
| 45. | 02960 47 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 325–1978 |
| 46. | 02986 57 | 82-02 16 | 83 02-15 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 47. | 02990 53 | 82-03-16 | 83-08-31 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 48. | 03194 37 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 49. | 03333 30 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1726 (भाग 2) –1974 |
| 50. | 03344 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2429 (भाग 2) –1970 |
| 51. | 03350 31 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6595–1972 |
| 52. | 03406 30 | 81-03-01 | 82-02-28 | IS : 1551–1976 |
| 53. | 03444 36 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1223 (भाग 1) –1970 |
| 54. | 03612 34 | 82 02-01 | 83-01-31 | IS : 5852–1977 |
| 55. | 03705 38 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2148–1968 |
| 56. | 03708 41 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 325–1978 |
| 57. | 03717 42 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 325–1978 |
| 58. | 03719 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (भाग 1) –1976 |
| 59. | 03720 37 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1786–1966 |
| 60. | 03723 40 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 61. | 03731 40 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694–1977 |
| 62. | 03767 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 565–1975 |
| 63. | 03771 48 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1507–1977 |
| 64 | 03815 43 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6914–1978 |
| 65. | 03816 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6915–1978 |
| 66. | 03901 40 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1011 -1968 |
| 67. | 03945 52 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694–1977 |
| 68. | 04062 30 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 10 (भाग 4) –1976 |
| 69. | 04160 31 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 5679–1970 |
| 70. | 04161 32 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (भाग 4) '1976 |
| 71. | 04194 41 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2052–1975 |
| 72. | 04199 46 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1165–1975 |
| 73. | 04201 23 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7122–1973 |
| 74. | 04205 27 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2567- 1973 |
| 75. | 04209 31 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 76. | 04212 26 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 10 (भाग 2) –1976 |
| 77. | 04227 33 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 415–1978 |
| 78. | 04236 34 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 ( भाग 1 और 2)–1976 |
| 79. | 04237 35 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 565–1975 |
| 80. | 04247 37 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786–1979 |
| 81. | 04259 41 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1695–1974 |
| 82. | 04261 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 83. | 04268 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7347–1974 |
| 84. | 04306 31 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS: 10 ( भाग 3) –1974 |
| 85. | 04579 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 5672 - 1970 |
| 86. | 04857 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 778–1971 |
| 87. | 04882 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 774–1974 |
| 88. | 04897 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 561–1978 |
| 89. | 04904 47 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 90. | 04905 48 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4323–1980 |
| 91. | 04906 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3903–1975 |
| 92. | 04930 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2879–1975 |
| 93. | 04945 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1239 (भाग 1) –1979 |
| 94. | 04965 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5225–1969 |
| 95. | 04990 61 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7231–1974 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 96. | 04996 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5346–1975 |
| 97. | 05007 27 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 564–1975 |
| 98. | 05008 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 508–1973 |
| 99. | 05011 23 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 ( भाग 1) –1976 |
| 100. | 05012 24 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7121–1973 |
| 101. | 05018 30 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 325–1978 |
| 102. | 05019 31 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165–1975 |
| 103. | 05040 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 भाग 2) –1976 |
| 104. | 05051 31 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1239(भाग 1) -1979 |
| 105. | 05056 36 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 868–1956 |
| 106. | 05066 38 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1979 |
| 107. | 05088 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1601–1960 |
| 108. | 05105 28 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 562–1978 |
| 109. | 05110 25 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 561 -1978 |
| 110. | 05332 37 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 758 1975 |
| 111. | 05355 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6914–1978 |
| 112. | 05356 55 | 82-02-16 | 83-03-15 | IS : 6915–1978 |
| 113. | 05505 37 | 82-02-16 | 83-03-15 | IS : 2906 1969 |
| 114. | 05553 48 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1696–1974 |
| 115. | 05574 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2567–1978 |
| 116. | 05587 58 | 81-11-01 | 82-10-31 | IS : 1536–1976 |
| 117. | 05610 40 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1698–1974 |
| 118. | 05692 58 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 774–1971 |
| 119. | 05815 51 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 3865–1978 |
| 120. | 05819 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1786–1979 |
| 121. | 05858 62 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 261–1966 |
| 122. | 05874 62 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1554 (भाग 1) 1976 |
| 123. | 05878 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 561–1978 |
| 124. | 05880 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 633–1975 |
| 125. | 05890 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4964–1975 |
| 126. | 05896 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4373–1967 |
| 127. | 05905 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1166–1973 |
| 128. | 05906 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165–1975 |
| 129. | 05916 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1653–1972 |
| 130. | 05918 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 916–1975 |
| 131. | 05919 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 943–1966 |
| 132. | 05938 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 5346 -1975 |
| 133. | 05936 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6915–1978 |
| 134. | 05937 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 5424–1969 |
| 135. | 05941 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1475–1978 |
| 136. | 05959 66 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1320–1972 |
| 137. | 05963 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4373–1980 |
| 138. | 06008 32 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1307–1973 |
| 139. | 06026 34 | 82-02-16 | 83-04-30 | IS : 2923–1974 |
| 140. | 06049 41 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 3284–1965 |
| 141. | 06044 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1971–1975 |
| 142. | 06293 51 | 80-10-01 | 82-09-30 | IS : 1026–1966 |
| 143. | 06310 35 | 81-08-01 | 82-07-31 | IS : 1786–1966 |
| 144. | 06341 42 | 81-08-16 | 82-08-15 | IS : 4174–1977 |
| 145. | 06491 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7538–1975 |
| 146. | 06510 41 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7121–1973 |
| 147. | 06552 51 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 4964 ( भाग 1 और 2) –1975 |
| 148. | 06643 53 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 5410–1969 |
| 149. | 06669 63 | 81-02-01 | 83-01-31 | IS : 5444–1978 |
| 150. | 06671 57 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 ( भाग 4) –1976 |
| 151. | 06674 60 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 3903–1975 |
| 152. | 06701 46 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5312–(भाग 1) –1969 |
| 153. | 06707 52 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 4159–1976 |
| 154. | 06714 51 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633 -1975 |
| 155. | 06718 55 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 3575–1977 |
| 156. | 06723 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 694 -1977 |
| 157. | 06730 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2208 -1962 |
| 158. | 06731 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4323- 1980 |
| 159. | 06736 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 3903 1975 |
| 160. | 06739 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2879- 1975 |
| 161. | 06742 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 366- 1976 |
| 162. | 06752 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5312 ( भाग 1) - 1969 |
| 163. | 06759 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165 -1975 |
| 164. | 06762 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 165. | 06767 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 335- 1972 |
| 166. | 06772 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161- 1979 |
| 167. | 06779 68 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4654–1974 |
| 168. | 06783 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 834–1975 |
| 169. | 06784 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (भाग 1 और 2) –1975 |
| 170. | 06785 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 ( भाग 1 और 2)–1975 |
| 171. | 06788 69 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3228 -1965 |
| 172. | 06789 70 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3431–1975 |
| 173. | 06791 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6914–1978 |
| 174. | 06808 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 175. | 06809 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1239 (भाग 1) –1979 |
| 176. | 06814 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7370 -1974 |
| 177. | 06815 55 | 82-03-01 | 83-08-31 | IS : 633 -1975 |
| 178. | 06820 52 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1520–1972 और IS : 325–1978 |
| 179. | 06821 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1697–1974 |
| 180. | 06823 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161- 1979 |
| 181. | 06824 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161- 1979 |
| 182. | 06829 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2141- 1968 |
| 183. | 06830 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2834–1964 |
| 184. | 06832 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1875 -1978 |
| 185. | 06838 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2548–1967 |
| 186. | 06840 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1135–1973 |
| 187. | 06842 58 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 778–1971 |
| 188. | 06849 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1239 (भाग 1) –1979 |
| 189. | 06860 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 190. | 06867 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 204–1974 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 191. | 07148 47 | 81-08-16 | 82-08-15 | IS : 10 (भाग 4) –1976 |
| 192. | 07 98 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 3564–1975 |
| 193. | 07369 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 194. | 0738 55 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2878–1976 |
| 195. | 07893 58 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 933–1976 |
| 196. | 07422 46 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 940–1976 |
| 197. | 07450 50 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 934–1976 |
| 198. | 07451 51 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2171–1976 |
| 199. | 07457 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 863–1969 |
| 200. | 07478 62 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 561–1978 |
| 201. | 07481 57 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 632–1978 |
| 202. | 07485 61 | 82-02-01 | 83-09-15 | IS : 6406–1977 |
| 203. | 07506 49 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2692–1978 |
| 204. | 07514 49 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 3196–1974 |
| 205. | 07516 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6914–1978 |
| 206. | 07517 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6915–1978 |
| 207. | 07522 49 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 814 (भाग 1) –1974 |
| 208. | 07528 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 393 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 209. | 07529 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 366–1976 |
| 210. | 07530 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 367–1977 |
| 211. | 07534 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 ( भाग 1 और 2)–1975 |
| 212. | 07538 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226-1975 |
| 213. | 07539 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7291–1974 |
| 214. | 07542 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 ( भाग 4) –1976 |
| 215. | 07551 54 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226–1975 |
| 216. | 07552 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1977–1975 |
| 217. | 07565 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1165–1975 |
| 218. | 07566 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226–1975 |
| 219. | 07568 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 220. | 07569 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1970 (भाग 1) –1974 |
| 221. | 07570 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 222. | 07574 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4366 (भाग 1) –1972 |
| 223. | 07576 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2682–1966 |
| 224. | 07577 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8259–1976 |
| 225. | 07578 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3976–1976 |
| 226. | 07579 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 343 ( भाग 1) –1964 |
| 227. | 07581 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6003–1970 |
| 228. | 07582 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694–1977 |
| 229. | 07583 62 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 561–1978 |
| 230. | 07586 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 280-1978 |
| 231. | 07599 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 868-1956 |
| 232. | 07608 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2567-1978 |
| 233. | 07609 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8249–1976 |
| 234. | 07610 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8249–1976 |
| 235. | 07611 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8249-1976 |
| 236. | 07612 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 410-1967 |
| 237. | 07619 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 220-197. |
| 238. | 07624 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1547-1968 |
| 239. | 07628 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1221-1971 |
| 240. | 07688 70 | 81-04-16 | 82-04-15 | IS : 226-1975 |
| 241. | 07835 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 458-1971 |
| 242. | 07945 68 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS :525–1978 |
| 243. | 08227 49 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 2567–1978 |
| 244. | 08253 51 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 916-1975 |
| 245. | 08308 49 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 226–1975 |
| 246. | 08315 48 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 633–1975 |
| 247. | 08319 52 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1786-1966 |
| 248. | 08324 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1554 ( भाग 1)-1976 |
| 249. | 08325 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694-1977 |
| 250. | 08360 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4964 ( भाग 1 और 2)–1975 |
| 251. | 08361 54 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5672–1970 |
| 252. | 08363-56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1061-1975 |
| 253. | 08368 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1691–1969 |
| 254. | 08374 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 5424–1969 |
| 255. | 08375 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4654-1974 |
| 256. | 08381 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 944-1966 |
| 257. | 08394 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (भाग 2) –1975 |
| 258. | 08395 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (भाग 2) –1975 |
| 259. | 08396 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 (भाग 2) –1976 |
| 260. | 08400 44 | 82-03-01 | 83-06-30 | IS : 933-1976 |
| 261. | 08401 45 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7122-1973 |
| 262. | 08419 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 263. | 08420 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4654–1974 |
| 264. | 08421 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4654–1974 |
| 265. | 08435 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8783–1978 |
| 266. | 08436 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694–1977 |
| 267. | 08447 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6429–1972 |
| 268. | 08449 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 ( भाग 1 और 2) –1976 |
| 269. | 08458 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7538–1975 |
| 270. | 08465 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2312–1967 |
| 271. | 08471 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1703–1977 |
| 272. | 08472 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694-1977 |
| 273. | 08473 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694-1977 |
| 274. | 08503 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561–1978 |
| 275. | 08512 51 | 81-04-01 | 82-03-31 | IS : 3450–1976 |
| 276. | 08539 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226-1975 |
| 277. | 08993 80 | 81-12-16 | 82-12-15 | IS : 4964 (भाग 1 और 2) –1975 |
| 278. | 09021 41 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS : 1061–1975 |
| 279. | 09292 62 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 2507–1975 |
| 280. | 09294 64 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 2208–1962 |
| 281. | 09299 69 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 226–1975 |
| 282. | 09306 51 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 2653—1964 |
| 283. | 09311 48 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 6914—1978 |
| 284. | 09312 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 6915—1978 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 285. | 09320 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 561—1978 |
| 286. | 09321 50 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 564—1975 |
| 287. | 09328 57 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 280—1978 |
| 288. | 09335 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2266—1977 |
| 289. | 09355 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 996—1975 |
| 290. | 09359 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1011—1968 |
| 291. | 09368 65 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 458—1971 |
| 292. | 09371 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS 9 6994 (भाग 1) —1973 |
| 293. | 09372 61 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 814 (भाग 1) —1974 |
| 294. | 09376 65 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 280—1978 |
| 295. | 09378 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2653—1964 |
| 296. | 09379 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 204 (भाग 2) —1978 |
| 297. | 09383 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 3793—1966 |
| 288. | 09385 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5672—1970 |
| 299. | 09387 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 369—1965 |
| 300. | 09388 69 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1223 (भाग 1)—1970 |
| 301. | 09389 70 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 8249—1976 |
| 302. | 09390 63 | 83-02-16 | 83-02-15 | IS : 1875—1978 |
| 303. | 09391 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4964 (भाग 1 और 2)—1975 |
| 304. | 09392 65 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7452—1974 |
| 305. | 09393 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 774—1971 |
| 306. | 09395 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 9128—1979 |
| 307. | 09397 70 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 9279—1972 |
| 308. | 09399 72 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4955—1978 |
| 309. | 09403 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 562—1972 |
| 310. | 09406 54 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2347—1974 |
| 311. | 09407 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 694—1977 |
| 312. | 09408 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7122—1973 |
| 313. | 09409 57 | 82-02-16 | 83-11-15 | IS : 4964 (भाग 1 और 2)—1975 |
| 314. | 09411 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2785—1964 |
| 315. | 09415 55 | 82-02-16 | 83-06-30 | IS : 934—1976 |
| 316 | 09416 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1977—1975 |
| 317. | 09417 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 226—1975 |
| 318. | 09419 59 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2509—1973 |
| 319. | 09420 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 432 (भाग 2) —1966 |
| 320. | 09423 55 | 82-03-01 | 83-08-31 | IS : 1786—1966 |
| 321. | 09424 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2662—1978 |
| 322. | 09425 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1165—1975 |
| 323. | 09429 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 748—1974 |
| 324. | 09430 54 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 भाग 1 और 2)—1975 |
| 325. | 09431 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (भाग 1 और 2)—1975 |
| 326. | 09435 59 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS · 1596—1977 |
| 327. | 09436 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2044 (भाग 1) —1978 |
| 328. | 09437 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6595—1972 और IS : 7538—1975 |
| 329. | 09439 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8268—1976 |
| 330. | 09440 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7577—1975 |
| 331. | 09441 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (भाग 3 और 2)—1974 |
| 332. | 09443 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 9031—1979 |
| 333. | 09444 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | I. : 694—1977 |
| 334 | 09449 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 834—1975 |
| 335. | 09454 62 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1989 (भाग 1 और 2)—1978 |
| 336. | 09456 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1977—1975 |
| 337. | 09457 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 171—1973 |
| 338. | 09459 67 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4246—1978 |
| 339. | 09461 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7538—1975 |
| 340. | 09466 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8028—1976 |
| 341. | 09468 68 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6595—1972 |
| 342. | 09471 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 35737—1966 |
| 343. | 09473 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1601—1960 |
| 344. | 09474 66 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226—1975 |
| 345. | 09475 67 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4984—1978 |
| 346 | 09476 68 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1135—1973 |
| 347. | 09477 69 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694—1977 |
| 348. | 09479 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4323—1967 |
| 349. | 09481 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226—1975 |
| 350. | 09483 67 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1703—1977 |
| 351. | 09493 69 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786—1979 |
| 352. | 09496 72 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 3) —1974 |
| 353. | 09500 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (भाग 1) —1976 |
| 354. | 09502 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1601—1960 |
| 355. | 09505 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 780—1969 |
| 356. | 09517 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 428—1969 |
| 357. | 09537 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6595—1972 और IS : 7538–1975 |
| 358. | 09568 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 359. | 09585 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6750–1972 |
| 360. | 09593 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1729–1964 |
| 361. | 09597 76 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1601–1960 |
| 362. | 09605 59 | 82-03-16 | 83-09-15 | IS : 8737 (भाग 2) —1978 |

[सं० सी० एम० डी० 13 .12]

S.O. 1133 .—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 362 licences, parti-

culars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of March, 1982 :

SCHEDULE

| Sl. No. | CM/L No. | Valid From | Valid To | Indian Standard Specification No. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | 00057 17 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 (Part II)-1976 |
| 2. | 00129 16 | 81-11-01 | 82-10-30 | IS : 632-1978 |
| 3. | 00156 19 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 1221—1971 |
| 4. | 00171 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011-1968 |
| 5. | 00172 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011-1968 |
| 6. | 00244 18 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1300-1966 |
| 7. | 00272 22 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (Part I & II)-1976 |
| 8. | 00365 26 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 368—1977 |
| 9. | 00654 32 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 561--1978 |
| 10. | 00998 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2552--1979 |
| 11. | 01066 22 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226—1975 |
| 12. | 01078 26 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 774-1971 |
| 13. | 01090 22 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226—1975 |
| 14. | 01091 23 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1977-1975 |
| 15. | 01138 21 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 780-1969 |
| 16. | 01146 21 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS : 226—1975 |
| 17. | 01147 22 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS : 1977-1975 |
| 18. | 01210 12 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1011-1968 |
| 19. | 01228 22 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1308-1974 |
| 20. | 01494 38 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2645—1975 |
| 21. | 01600 32 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (Part I)-1976 |
| 22. | 01895 51 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 245 – 1970 |
| 23. | 02219 25 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 (Part III)-1974 |
| 24. | 02239 29 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2206—1977 |
| 25. | 02270 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (Part IV)-1976 |
| 26. | 02273 31 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3413—1977 |
| 27. | 02377 38 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 10 (Part III)-1974 |
| 28. | 02471 35 | 82-03-01 | 83-08-31 | IS : 561—1978 |
| 29. | 02532 31 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 779-1978 |
| 30. | 02536 35 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1786-1966 |
| 31. | 02575 42 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694—1977 |
| 32. | 02592 43 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 561-1978 |
| 33. | 02618 36 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 562-1972 |
| 34. | 02621 31 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1660 (Part I)-1967<br>IS : 1660 (Part II & III)-1972 |
| 35. | 02711 32 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 325-1978 |
| 36. | 02739 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4984-1978 |
| 37. | 02741 38 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786-1966 |
| 38. | 02787 52 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1596—1977 |
| 39. | 02812 36 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1989 (Part I)-1978 |
| 40. | 02844 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (Part IV)-1976 |
| 41. | 02896 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2650-1975 |
| 42. | 02921 40 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (Part I & II)-1976 |
| 43. | 02922 41 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 694-1977 |
| 44. | 02938 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786-1966 |
| 45. | 02960 47 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 325—1978 |
| 46. | 02986 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1554 (Part I)-1976 |
| 47. | 02990 53 | 82-03-16 | 83-08-31 | IS : 1554 (Part I)-1976 |
| 48. | 03194 37 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633—1975 |
| 49. | 03333 30 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1726 (Part II)-1974 |
| 50. | 03344 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2429 (Part I)-1970 |
| 51. | 03350 31 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6595—1972 |
| 52. | 03406 30 | 81-03-01 | 82-02-28 | IS : 1551—1976 |
| 53. | 03444 36 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1223 (Part I)-1970 |
| 54. | 03612 34 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 5852—1977 |
| 55. | 03705 38 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2148-1968 |
| 56. | 03708 41 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 325-1978 |
| 57. | 03717 42 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 325-1978 |
| 58. | 03719 44 | 83-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (Part I)-1976 |
| 59. | 03720 37 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1786 1966 |
| 60. | 03723 40 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633-1975 |
| 61. | 03731 40 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694-1977 |
| 62. | 03767 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 565-1975 |
| 63. | 03771 48 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS . 1507-1977 |
| 64. | 03815 43 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6914-1978 |
| 65. | 03816 44 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 6915-1978 |
| 66. | 03901 40 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1011-1968 |
| 67. | 03945 52 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 694-1977 |
| 68. | 04062 30 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 10 (Part IV)-1976 |
| 69. | 04160 31 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 5679-1970 |
| 70. | 04161 32 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (Part IV)-1976 |
| 71. | 04194 41 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2052-1975 |
| 72. | 04199 46 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1165-1975 |
| 73. | 04201 23 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7122-1973 |
| 74. | 04205 27 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2567-1973 |
| 75. | 04209 31 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 398 (Part I & II) 1976 |
| 76. | 04212 26 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 10 (Part II)-1976 |
| 77. | 04227 33 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 415-1978 |
| 78. | 04236 34 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 (Part I II)-1976 |
| 79. | 04237 35 | 83-03-01 | 83-02-28 | IS : 565-1975 |
| 80. | 04247 37 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786-1979 |
| 81. | 04259 41 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1695-1974 |
| 82. | 04261 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1554 (Part I)-1976 |
| 83. | 04268 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7347-1974 |
| 84. | 04306 31 | 82-01-01 | 83-12-31 | IS : 10 (Part III)-1974 |
| 85. | 04579 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 5672-1970 |
| 86. | 04857 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 778-1971 |
| 87. | 04882 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 774-1974 |
| 88. | 04897 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 561-1978 |
| 89. | 04904 47 | 82-03-01 | 83-02 28 | IS : 633-1975 |
| 90. | 04905 48 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4323-1980 |
| 91. | 04906 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3903-1975 |
| 92. | 04930 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 2879-1975 |
| 93. | 04945 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1239 (Part I)-1979 |
| 94. | 04965 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5225-1969 |
| 95. | 04990 61 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7231-1974 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 96. | 04996 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5346–1975 |
| 97. | 05007 27 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 564–1975 |
| 98. | 05008 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 508–1973 |
| 99. | 05011 23 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (Part I)–1976 |
| 100. | 05012 24 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7121–1973 |
| 101. | 05018 30 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 325–1978 |
| 102. | 05019 31 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165–1975 |
| 103. | 05040 28 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 10 (Part II)–1976 |
| 104. | 05051 31 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1239 (Part I)–1979 |
| 105. | 05056 36 | 82-03-16 | 83-02-15 | IS : 868–1956 |
| 106. | 05066 38 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1979 |
| 107. | 05088 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1601–1960 |
| 108. | 05105 28 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 562–1978 |
| 109. | 05110 25 | 83-03-16 | 83-03-15 | IS : 561–1978 |
| 110. | 05332 37 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 758–1975 |
| 111. | 05355 44 | 82-03-16 | 83-02-15 | IS : 6914–1978 |
| 112. | 05356 45 | 82-02-16 | 82-02-15 | IS : 6915–1978 |
| 113. | 05405 37 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2906–1969 |
| 114. | 05553 48 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1696–1974 |
| 115. | 05574 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2567–1978 |
| 116. | 05587 58 | 81-11-01 | 82-10-31 | IS : 1536–1976 |
| 117. | 05610 40 | 82-03-16 | 83-09-30 | IS : 1698–1974 |
| 118. | 05692 58 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 774–1971 |
| 119. | 05815–51 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 3865–1978 |
| 120. | 05819 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1786–1979 |
| 121. | 05858 62 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 261–1966 |
| 122. | 05874 62 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1554 (Part I)–1976 |
| 123. | 05878 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 516–1978 |
| 124. | 05880 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 633–1975 |
| 125. | 05890 62 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4964–1975 |
| 126. | 05896 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4323–1967 |
| 127. | 05905 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1166–1973 |
| 128. | 05906 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165–1975 |
| 129. | 05916 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1653–1972 |
| 130. | 05918 57 | 82-03-01 | 82-02-28 | IS : 916–1975 |
| 131. | 05919 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 943–1966 |
| 132. | 05928 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 5346–1975 |
| 133. | 05936 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6915–1978 |
| 134. | 05937 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 5424–1969 |
| 135. | 05941 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1475–1978 |
| 136. | 05959 66 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1320–1972 |
| 137. | 05963 62 | 82-03-16 | 83-3-15 | IS : 4323–1980 |
| 138. | 06008 32 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1307–1973 |
| 139. | 06026 34 | 82-02-16 | 83-04-30 | IS : 2923–1974 |
| 140. | 06049 41 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 3284–1965 |
| 141. | 06244 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1971–1975 |
| 142. | 06293 51 | 80-10-01 | 82-09-30 | IS : 1026–1966 |
| 143. | 06310 35 | 81-08-01 | 82-07-31 | IS : 1786–1966 |
| 144. | 06341 42 | 81-08-16 | 82-08-15 | IS : 4174–1977 |
| 145. | 06491 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7538–1975 |
| 146. | 06510 41 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7121–1973 |
| 147. | 06552 51 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 4964 (Part I II)–1975 |
| 148. | 06643 53 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 5410–1969 |
| 149. | 06669 63 | 81-02-01 | 83-01-31 | IS : 5444–1978 |
| 150. | 06671 57 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 10 (Part IV)–1976 |
| 151. | 06674 60 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 3933–1975 |
| 152. | 06701 46 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5312 (Part I)–1969 |
| 153. | 06707 52 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 4159–1976 |
| 154. | 06714 51 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 155. | 06718 55 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 3575–1977 |
| 156. | 06723 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 694–1977 |
| 157. | 06730 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2208–1962 |
| 158. | 06731 52 | 82-02-16 | 83 02-15 | IS : 4323 -1980 |
| 159. | 06736 57 | 82-02-16 | 83 02-15 | IS : 3803–1975 |
| 160. | 06739 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2879–1975 |
| 161. | 06742 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 366–1976 |
| 162. | 06752 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5312 (Part I)–1969 |
| 163. | 06759 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1165–1975 |
| 164. | 06762 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 165. | 06767 64 | 82-03-01 | 03-02-28 | IS : 335–1972 |
| 166. | 06772 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 167. | 06779 68 | 82-03-01 | 03-02-28 | IS : 4654–1974 |
| 168. | 06783 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 834–1975 |
| 169. | 06784 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (Part I & II)–1975 |
| 170. | 06785 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4964 (Part I & II)–1975 |
| 171. | 06788 69 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3228–1965 |
| 172. | 06789 70 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3431–1975 |
| 173. | 06791 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6914–1978 |
| 174. | 06808 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (Part I & II)–1976 |
| 175. | 06809 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1239 (Part I)–1979 |
| 176. | 06814 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7370–1974 |
| 177. | 06815 55 | 82-03-01 | 83-08-31 | IS : 633–1975 |
| 178. | 06820 52 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1520–1972 & IS : 325–1978 |
| 179. | 06821 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1697–1974 |
| 180. | 06823 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 181. | 06824 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1161–1979 |
| 182. | 06829 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2141–1968 |
| 183. | 06830 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2834–1964 |
| 184. | 06832 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1875–1978 |
| 185. | 06938 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2548–1967 |
| 186. | 06840 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1135–1973 |
| 187. | 06842 58 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 778–1971 |
| 188. | 06849 65 | 82-03-16 | 83-03 15 | IS : 1239 (Part I)–1979 |
| 189. | 06860 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226—1975 |
| 190. | 06867 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 204–1974 |
| 191. | 07148 47 | 81–08–16 | 82–08–15 | IS:10 (Part IV) —1976 |
| 192. | 07298 60 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS:3564—1975 |
| 193. | 07369 58 | 82–03–16 | 83–03–15 | IS-226—1975 |
| 194. | 07382 55 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:2878—1976 |
| 195. | 07893 58 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:933—1976 |
| 196. | 07422 46 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS.940—1976 |
| 197. | 07450 50 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:934—1976 |
| 198. | 07451 51 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:2171—1976 |
| 199. | 07457 57 | 82–03–16 | 83–03–15 | IS:863—1969 |
| 200. | 07478 62 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:561—1978 |
| 201. | 07481 57 | 82–02–01 | 83–01–31 | IS:632—1978 |
| 202. | 07485 61 | 82–02–01 | 83–09–15 | IS:6406—1977 |
| 203. | 07506 49 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS:2692—1978 |
| 204. | 07514 49 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS-3196—1974 |
| 205. | 07516 51 | 82–02 16 | 83–02–15 | IS:6914—1978 |
| 206. | 07517 52 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS:6915—1978 |
| 207. | 07522 49 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS:814 (Part I) —1974 |
| 208. | 07528 55 | 82–02–16 | 83–02–15 | IS:398 (Part I & II) —1976 |

| (1) (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|
| 209. 07529 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:366—1976 |
| 210. 07530 49 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:367 —1977 |
| 211. 07534 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4964 (Part I & II)—1975 |
| 212. 07538 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:226—1975 |
| 213. 07539 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7291—1974 |
| 214. 07542 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:10 (Part IV)—1976 |
| 215. 07551 54 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:226—1975 |
| 216. 07552 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1977—1975 |
| 217. 07565 60 | 82-03-01 | 83-02 28 | IS:1165—1975 |
| 218. 07566 61 | 82-03-01 | 83-02 28 | IS:226—1975 |
| 219. 07568 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1161—1979 |
| 220. 07569 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1970 (Part I)—1974 |
| 221. 07570 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1161—1979 |
| 222. 07574 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4766 (Part I)—1972 |
| 223. 07576 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:2682—1966 |
| 224. 07577 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:8259—1976 |
| 225. 07578 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:3976—1976 |
| 226. 07579 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:434 (Part I)—1964 |
| 227. 07581 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS 6003—1970 |
| 228. 07582 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:694— 1977 |
| 229. 07583 62 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:561—1978 |
| 230. 07586 65 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS:280—1978 |
| 231. 07599 70 | 82-03-16 | 83-03 15 | IS:868—1956 |
| 232. 07608 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:2567 —1978 |
| 233. 07609 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8249—1976 |
| 234. 07610 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8249—1976 |
| 235. 07611 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8249—1976 |
| 236. 07612 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:419—1967 |
| 237. 07619 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:220—1972 |
| 238. 07624 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1547—1968 |
| 239. 07628 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1221—1971 |
| 240. 07688 70 | 81-04-16 | 82-04-15 | IS:226—1975 |
| 241. 07835 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:458—1971 |
| 242. 07945 68 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:525—1968 |
| 243. 08227 49 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS:2567—1978 |
| 244. 08253 51 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS:916—1975 |
| 245. 08308 49 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS:226—1975 |
| 246. 08315 48 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:633—1975 |
| 247. 08319 52 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:1786—1966 |
| 248. 08324 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1554(Part I)—1976 |
| 249. 08325 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:694—1977 |
| 250. 08360 53 | 82-02 16 | 83-02-15 | IS:4964(Part I & II)—1975 |
| 251. 08361 54 | 82-02-16 | 83-03-15 | IS:5672—1970 |
| 252. 08363 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1061—1975 |
| 253. 08368 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1601—1960 |
| 254. 08374 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:5424—1969 |
| 255. 08375 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4654—1974 |
| 256. 08381 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:944—1966 |
| 257. 08394 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4964(Part II)—1975 |
| 258. 08395 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4964(Part II)—1975 |
| 259. 08396 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:398 (Part II)-1976 |
| 260. 08400 44 | 82-03-01 | 83-06-30 | IS:933—1976 |
| 261. 08401 45 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7122—1973 |
| 262. 08419 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:226—1975 |
| 263. 08420 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4654—1974 |
| 264. 08421 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4654—1974 |
| 265. 08435 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS-8783—1978 |
| 266. 08436 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:694—1977 |
| 267. 08447 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 6429—1972 |
| 268. 08449 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:398 (Part I & II)—1976 |
| 269. 08458 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:7538—1975 |
| 270. 08465 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 2312—1967 |
| 271. 08471 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1703—1977 |
| 272. 08472 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 694—1977 |
| 273. 08473 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 694—1977 |
| 274. 08503 50 | 82-04-01 | 83-03 31 | IS:561—1978 |
| 275. 08512 51 | 81-04-01 | 82-03-31 | IS:3450—1976 |
| 276. 08539 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:226—1975 |
| 277. 08993 80 | 81 12-16 | 82-12-15 | IS:4964(Part I & II)—1975 |
| 278. 09021 41 | 81-10-16 | 82-10-15 | IS:1061—1975 |
| 279. 09292 62 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS:2507—1975 |
| 280. 09294 64 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS:2208—1962 |
| 281. 09299 69 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS:226—1975 |
| 282. 09306 51 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS.2653—1964 |
| 283. 09311 48 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:6914—1978 |
| 284. 09312 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:6915—1978 |
| 285. 09320 49 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:561—1978 |
| 286. 09321 50 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS 564—1975 |
| 287. 09328 57 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS 280—1978 |
| 288. 09335 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS 2266—1977 |
| 289. 09355 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:996—1975 |
| 290. 09359 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1011—1968 |
| 291. 09368 65 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:458—1971 |
| 292. 09371 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS 6994(Part I)—1973 |
| 293. 09372 61 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:814(Part I)—1974 |
| 294. 09376 65 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS 280—1978 |
| 295. 09378 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:2653—1964 |
| 296. 09379 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:204(Part II)—1978 |
| 297. 09383 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:3793—1966 |
| 298. 09385 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:5672-1970 |
| 299. 09387 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:369—1965 |
| 300. 09388 69 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1223(Part I)—1970 |
| 301. 09389 70 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:8249—1976 |
| 302. 09390 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1875—1978 |
| 303. 09391 64 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:4964(Part I & ISII) —1975 |
| 304. 09392 65 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS 7452—1974 |
| 305. 09393 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:774—1971 |
| 306. 09395 68 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:9128—1979 |
| 307. 09397 70 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:279—1972 |
| 308. 09399 72 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:4955—1978 |
| 309. 09403 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:562—1972 |
| 310. 09406 54 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:2347—1974 |
| 311. 09407 55 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS 694—1977 |
| 312. 09408 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:7122—1973 |
| 313. 09409 57 | 82-02-16 | 83-11-15 | IS:4964 (Part I & II)—1975 |
| 314. 09411 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:2785—1964 |
| 315. 09415 55 | 82-02-16 | 83-06-30 | IS:934—1976 |
| 316. 09416 56 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1977—1975 |
| 317. 09417 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:226—1975 |
| 318. 09419 59 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:2509—1973 |
| 319. 09420 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:432 (Part II)—1966 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 320. | 09423 55 | 82-03-01 | 83-08 31 | IS:1786—1966 |
| 321. | 09424 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:2692—1978 |
| 322. | 09425 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS.1165—1975 |
| 323. | 09429 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:748—1974 |
| 324. | 09430 54 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4964 (Part I & II)—1975 |
| 325. | 09431 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4964 (Part I II) —1975 |
| 326. | 09435 59 | 82-02 16 | 83-02-15 | IS:1596—1977 |
| 327. | 09436 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:204 (Part I)—1978 |
| 328. | 09437 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:6595—1972 & IS:7538—1975 |
| 329. | 09439 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:8268—1976 |
| 330. | 09440 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7577—1975 |
| 331. | 09441 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:10 (Part III)—1974 |
| 332. | 09443 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:9031—1979 |
| 333. | 09444 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:694—1977 |
| 334. | 09449 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:824—1975 |
| 335. | 09454 62 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1989 (Part I & II)—1978 |
| 336. | 09456 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1977—1975 |
| 337. | 09457 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:171—1973 |
| 338. | 09459 67 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4246—1978 |
| 339. | 09461 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7538—1975 |
| 340. | 09466 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:8028—1976 |
| 341. | 09468 68 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:6595—1972 |
| 342. | 09471 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS.3537—1966 |
| 343. | 09473 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1601—1960 |
| 344 | 09474 66 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS.226—1975 |
| 345. | 09475 67 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4984—1978 |
| 346. | 09476 68 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1135—1973 |
| 347. | 09477 69 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:694—1977 |
| 348. | 09479 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4323—1967 |
| 349. | 09481 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:226—1975 |
| 350. | 09483 67 | 82-03 01 | 83-02-28 | IS:1703—1977 |
| 351. | 09493 69 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1786—1979 |
| 352. | 09496 72 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:10 (Part III)—1974 |
| 353. | 09500 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:398 (Part I)—1976 |
| 354. | 09502 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1601—1960 |
| 355. | 09505 56 | 82-03 16 | 83-03-15 | IS:780—1969 |
| 356. | 09517 60 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS:428—1969 |
| 357. | 09537 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:6595—1972 & IS:7538—1975 |
| 358. | 09568 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:398 (Part I & II)—1976 |
| 359. | 09585 72 | 82 04 01 | 83-03-31 | IS:6750—1972 |
| 360. | 09593 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1729—1964 |
| 361. | 09597 76 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS.1601—1960 |
| 362. | 09605 59 | 82-03-16 | 83-09-15 | IS:8737 (Part II)—1978 |

[No. CMD/13:12]

**का०आ० 1134**—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 194 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका अप्रैल 1982 में नवीकरण किया गया है :—

**अनुसूची**

| क्रम संख्या | सी.एम/एल | वैध से | तक | भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | 00094 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (भाग II) –1976 |
| 2. | 00160 13 | 82-05-01 | 87-04-30 | IS : 1398–1968 |
| 3. | 00170 17 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011–1968 |
| 4. | 00174 21 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011–1968 |
| 5. | 00208 14 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 539–1974 |
| 6. | 00339 24 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 325–1978 |
| 7. | 00391 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 8. | 00392 29 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 431 (भाग 1)–1966 |
| 9. | 00395 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 961–1975 |
| 10. | 00396 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 11. | 00398 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 961–1975 |
| 12. | 00402 14 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1675–1971 |
| 13. | 00421 17 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 14. | 00422 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 277–1973 |
| 15. | 00575 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2062–1969 |
| 16. | 00576 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2062–1969 |
| 17. | 00608 26 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977–1975 |
| 18. | 00609 27 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977–1975 |
| 19. | 00625 27 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2062–1969 |
| 20. | 00646 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2404–1972 |
| 21. | 00671 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977–1975 |
| 22. | 00778 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 692–1973 |
| 23. | 00846 38 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 2818 ( भाग 2)–1971 |
| 24. | 00943 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2818 (भाग 2)–1973 |
| 25. | 01015 11 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 779–1973 |
| 26. | 01021 09 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875–1978 |
| 27. | 01022 10 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875–1978 |
| 28. | 01023 11 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830–1975 |
| 29. | 01024 12 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831–1975 |
| 30. | 01028 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1079–1973 |
| 31. | 01031 11 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875–1978 |
| 32. | 01032 12 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830–1975 |
| 33. | 01033 13 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831–1975 |
| 34. | 01054 14 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830–1975 |
| 35. | 01035 15 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831–1975 |
| 36. | 01133 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7283–1974 |
| 37. | 01156 23 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (भाग 1)–1976 |
| 38. | 01227 21 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 325–1978 |
| 39. | 01339 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1139–1966 |
| 40. | 01384 33 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1660–1967 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 41. | 01408 24 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3502–1966 |
| 42. | 01462 30 | 81-10-01 | 82-09-30 | IS : 1856 1977 |
| 43. | 01499 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1184–1977 |
| 44 | 01538 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3564–1975 |
| 45. | 01591 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3564-1975 |
| 46. | 01605 27 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 1 -1976 |
| 47. | 01608 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (भाग) 4)-1976 |
| 48. | 01661 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977–1975 |
| 49. | 01664 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2791–1972 |
| 50. | 01665 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 51. | 01669 43 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 325 1978 |
| 52. | 01777 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786 1966 |
| 53. | 01810 30 | 81-10-01 | 82-09-30 | IS : 2266–1977 |
| 54. | 01872 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1966 |
| 55. | 01876 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 ( भाग 2) 1976 |
| 56. | 01877 49 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2645–1975 |
| 57. | 01915 38 | 82-04-01 | 83-05-31 | IS : 2002 1962 |
| 58. | 01934 41 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786 1966 |
| 59. | 01946 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1221-1971 |
| 60. | 01952 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2879–1964 |
| 61. | 02224 22 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 ( भाग 2)–1976 |
| 62. | 02238 28 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1855 1977 & 1856–1977 |
| 63. | 02248 30 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 64. | 02263 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4323 1980 |
| 65. | 02297 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561–1978 |
| 66. | 02305 22 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3224 1971 |
| 67. | 02317 26 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3309–1975 |
| 68. | 02335 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2202-1973 |
| 69. | 02354 31 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 694–1977 |
| 70. | 02400 20 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2567–1978 |
| 71. | 02416 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786 1966 |
| 72. | 02475 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 648-1970 |
| 73. | 02511 26 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3564–1975 |
| 74. | 02512 27 | 82-04-16 | 83-05-15 | IS : 4948–1974 |
| 75. | 02590 41 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2566–1965 |
| 76. | 02591 42 | 82-03-15 | 83-03-15 | IS : 2566–1965 |
| 77. | 02593 44 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 564 1975 |
| 78. | 02620 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566-1965 |
| 79. | 02628 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 ( भाग 4)–1976 |
| 80. | 02659 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3944-1966 |
| 81. | 02716 37 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1538 (भाग 1 से 23)–1976 |
| 82. | 02745 42 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 565–1975 |
| 83. | 02774 47 | 82-04-01 | 83803-31 | IS : 5514 1969 |
| 84. | 02876 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 ( भाग 4) 1976 |
| 85. | 02941 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1392-1971 |
| 86. | 02944 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 87. | 02965 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5513–1976 |
| 88. | 02967 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3829–1966 और 4510–1978 |
| 89. | 02968 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3830–1969 |
| 90. | 02983 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4151–1976 |
| 91. | 02988 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1520–1980 |
| 92. | 02997 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2509–1975 |
| 93. | 02998 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 417 (भाग 1, 2 और 3)-1966 |
| 94. | 03003 15 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2386 (भाग 1 और 3)–1963 |
| 95. | 03004 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1979 |
| 96. | 03014 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566–1965 |
| 97. | 03023 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566-1965 |
| 98. | 03077 33 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2509-1973 |
| 99. | 03085 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2818 (भाग 2) -1973 |
| 100. | 03120 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6240–1976 |
| 101. | 03149 32 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 2)–1976 |
| 102. | 03233 27 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 6595–1972 |
| 103. | 03243 29 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 325–1978 |
| 104. | 03354 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 722–1977 |
| 105. | 03557 38 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1979 |
| 106. | 03362 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 355–1972 |
| 107. | 03363 38 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS :398 (भाग 1) –1976 |
| 108. | 03381 38 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 10 (भाग 2) –1976 |
| 109. | 03404 28 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 1660 ( भाग 1)–1967 |
| 110. | 03406 30 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1551–1976 |
| 111. | 03496 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4432–1967 |
| 112. | 03494 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5517-1978 |
| 113. | 03532 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6914–1978 |
| 114. | 03533 36 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6915–1978 |
| 115. | 03572 45 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 5423–1978 |
| 116. | 03591 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2879–1975 |
| 117. | 03598 53 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6915–1978 |
| 118. | 03603 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914–1978 |
| 119. | 03642 40 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 2148-1968 |
| 120. | 03649 47 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2148–1968 |
| 121. | 03730 39 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 122. | 03736 45 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5557–1963 |
| 123. | 03738 47 | 92-03-16 | 83-03-15 | IS : 564–1975 |
| 124. | 03762 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2548–1967 |
| 125. | 03764 49 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561 1978 |
| 126. | 03765 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 562–1978 |
| 127. | 03769 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 633–1975 |
| 128. | 03772 49 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 129. | 03773 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3903–1978 |
| 130. | 03774 51 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5281–1969 |
| 131. | 03775 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3905–1975 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 132. | 03776 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3811–1976 |
| 133. | 03779 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3885-1978 |
| 134. | 05796 57 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 135. | 03809 45 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2148–1968 |
| 136. | 03879 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3976 1975 |
| 137. | 03948 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2148–1968 |
| 138. | 04089 41 | 81-12-16 | 82-12-15 | IS : 1554 ( भाग 1)–1976 |
| 139. | 04091 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 140. | 04198 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (भाग 1)–1976 |
| 141. | 04210 24 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1186 -1971 |
| 142. | 04257 39 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 10 (भाग 2) –1976 |
| 143. | 04265 39 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1966 |
| 144. | 04267 41 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3224 1971 |
| 145. | 04274 40 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 210 1978 |
| 146. | 04286 44 | 82-04-01 | 82-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 147. | 04290 40 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1307–1973 |
| 148. | 04300 25 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 208–1979 |
| 149. | 04303 28 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2906 1969 |
| 150. | 04313 30 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4497–1977 |
| 151. | 04315 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1989 ( भाग 1)–1978 |
| 152. | 04317 34 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1601–1960 |
| 153. | 04360 37 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 325–1978 |
| 154. | 04452 40 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 226–1975 |
| 155. | 04477 49 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 325 1978 |
| 156. | 04511 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 562- 1978 |
| 157. | 04516 39 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 10 (भाग 4)–1976 |
| 158. | 04543 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2864–1973 |
| 159. | 04600 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1506–1977 |
| 160. | 04741 46 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5135 (भाग 2)- 1977 |
| 161. | 04798 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS :4984- 1978 |
| 162. | 04803 43 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1322 1970 |
| 163. | 04835 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7406 (भाग 1) -1974 |
| 154. | 04883 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8053–1976 |
| 165. | 04896 64 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8057–1976 |
| 166. | 04913 48 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 2645–1975 |
| 167. | 04943 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 781-1977 |
| 168. | 04980 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694–1977 |
| 169. | 05020 24 | 82-02-16 | 83-02-15 | : 561–1978 |
| 170. | 05025 29 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4184–1967 |
| 171. | 05049 37 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 172. | 03068 40 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1507–1977 |
| 173. | 05090 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 774–1971 |
| 174. | 05097 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2037 1962 |
| 175. | 05100 23 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914–1978 |
| 176. | 05101 24 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6915–1978 |
| 177. | 05106 29 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1979 |
| 178. | 05109 32 | 83-04-16 | 83-04-15 | IS : 1601 1960 |
| 179. | 05118 33 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 633–1975 |
| 180. | 05124 31 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 226 1975 |
| 181. | 05125 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977-1975 |
| 182. | 05133 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 5517–1978 |
| 183. | 05134 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4174–1967 |
| 184. | 05135 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 458–1971 |
| 185. | 05171 38 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3976–1975 |
| 186. | 05254 40 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2347–1974 |
| 187. | 05282 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1958–1967 |
| 188. | 05363 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2682–1966 |
| 189. | 05370 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5281–1969 |
| 190. | 05434 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694 1977 |
| 191. | 05466 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1784–1977 |
| 192. | 05509 44 | 81-10-01 | 83-09-30 | IS : 398 ( भाग 1)–1976 |
| 193. | 05517 44 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 194. | 05614 44 | 81-08-01 | 82-07-31 | IS : 565–1975 |
| 195. | 05685 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1079 1973 |
| 196. | 05709 50 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976 |
| 197. | 05734 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1875–1971 |
| 198. | 05786 63 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 226–1975 |
| 199. | 05803 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 398 (भाग 2) –1976 |
| 200. | 05823 51 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977–1975 |
| 201 | 05891 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5430–1969 |
| 202. | 05897 69 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4323–1967 |
| 203. | 05909 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8057–1976 |
| 204. | 05914 53 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 562–1978 |
| 206. | 05922 53 | 82-03-01 | 83-03-15 | IS : 206–1973, 1341-1976, 362–1968 |
| 206. | 05924 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3246–1978 |
| 207. | 05925 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 208. | 05935 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6914–1976 |
| 209. | 05942 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 638–1979 |
| 210. | 05944 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 210–1978 |
| 211. | 05965 64 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 564–1975 |
| 212. | 05974 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4323-1967 |
| 213. | 05975 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2580–1965 |
| 214. | 05976 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (भाग 4)- 1976 |
| 215. | 05992 67 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2148–1968 |
| 216. | 05995 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2255–1977 |
| 217. | 05996 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 218. | 05997 72 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1977–1975 |
| 219. | 05998 73 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7122–1973 |
| 220. | 06000 24 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8144 1976 |
| 221. | 06003 27 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4964–1975 |
| 222. | 06004 28 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4964- 1975 |
| 223. | 06009 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4964–1975 |
| 224. | 06014 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875–1978 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 225. | 06920 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1239(भाग 1) –1979 |
| 226. | 06937 37 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4064–1978 |
| 227 | 06939 39 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1339 (भाग 1) 1970 |
| 228 | 06046 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3811;1976 |
| 229. | 06117 36 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 6429–1972 |
| 230. | 06171 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2861–1964 |
| 231. | 08403 39 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS - 7586–1975 |
| 232. | 06478 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1601–1960 |
| 233. | 06655 57 | 82-05-01 | 83-02-28 | IS : 4323 1967 |
| 234. | 06695 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 565-1975 |
| 235. | 06696 66 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3903–1975 |
| 236. | 06757 62 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5382–1969 |
| 237. | 06774 63 | 82-04-16 | 83-07-31 | IS : 7131–1973 |
| 238. | 06776 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4355-1977 |
| 239. | 06777 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8423–1977 |
| 240. | 06806 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6047 1970 |
| 241. | 06807 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (भाग 2) –1976 |
| 242. | 06822 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6429–1972 |
| 243. | 06836 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 3) –1974 |
| 244. | 06839 63 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4151 1976 |
| 245. | 06841 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6915–1975 |
| 246. | 06846 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4396–1967 |
| 247. | 06852 00 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1061–1975 |
| 248. | 06857 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4355-1977 |
| 249. | 06866 66 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8051-1976 |
| 250. | 06869 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 458–1971 |
| 251. | 06872 64 | 82-01-01 | 83-03-31 | IS : (भाग) 1976 |
| 252. | 06882 66 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 418–1978 |
| 253. | 06891 67 | 82-04-01 | 83-03-30 | IS : 1601–1080 |
| 254. | 06892 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2257–1970 |
| 255. | 06894 70 | 83-04-01 | 83-03-31 | IS : 325 1978 |
| 256. | 06896 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1789–1961 |
| 257. | 06897 73 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 258. | 06907 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3431–1975 |
| 259. | 06915 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786 1970 |
| 260. | 06918 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1785(भाग 1 और 2)–1968 |
| 261. | 06919 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6439–1978 |
| 262. | 06921 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 458–1971 |
| 263. | 06922 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 264. | 06927 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 731–1971 |
| 265. | 06929 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 226–1975 |
| 266. | 06930 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977–1975 |
| 267. | 06934 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4449–1976 |
| 268. | 06935 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 598 (भाग 1 और 2)-1976 |
| 269. | 06938 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (भाग 1) –1979 |
| 270. | 06941 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2400–1976 |
| 271. | 06966 69 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3319–1973 |
| 272. | 06970 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977–1975 |
| 273 | 06973 68 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1664–1968 |
| 274. | 06987 74 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2148–1968 |
| 275. | 07089 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8500-1977 |
| 276. | 07115 38 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2148–1968 |
| 277. | 07167 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654–1975 |
| 278. | 07420 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 933–1876 |
| 279. | 07421 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 934–1976 |
| 280. | 07501 44 | 82-02-01 | 83-03-15 | IS : 204–1978 |
| 281. | 07510 45 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4965 (भाग 2) –1975 |
| 282. | 07518 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 916–1975 |
| 283. | 07524 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1891 (भाग 1) –1978 |
| 284. | 07547 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1554(भाग 1) –1976 |
| 285. | 07548 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6595-1972 |
| 286. | 07584 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 758 -1975 |
| 287. | 07589 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3390–1977 |
| 288. | 07594 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1729–1964 |
| 289. | 07602 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6003–1970 |
| 290. | 07603 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6914–1978 |
| 291. | 07603 51 | 82-03-16 | 83-03-31 | IS : 6595– और 7538–1972 और 1975 |
| 292. | 07613 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2653–1964 |
| 293. | 07614 52 | 82-03-16 | 83-04-15 | IS : 7121–1973 |
| 294. | 07618 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 4)– 1976 |
| 295. | 07625 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 417 (भाग 1, 2 और 3) 1966 |
| 296. | 07626 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5346-1975 |
| 297. | 07629 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694–1977 |
| 298. | 07631 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654–1976 |
| 299. | 07639 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561-1978 |
| 300. | 07641 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 203-1972 |
| 301. | 07648 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1551–1976 |
| 302. | 07649 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5484-1978 |
| 303. | 07650 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 916–1975 |
| 04. | 07658 64 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 1696–1974 |
| 305. | 07659 65 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 2924–1974 |
| 306. | 07662 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8944–1978 |
| 307. | 07663 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654–1974 |
| 308. | 07664 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2557–1963 |
| 309. | 07665 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1966 |
| 310. | 07666 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1891(भाग 1) –1978 |
| 311. | 07675 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4956-1977 |
| 312. | 07682 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 7538–1975 |
| 313. | 07683 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1786–1966 |
| 314. | 07685 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654–1974 |
| 315. | 07686 68 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 694–1977 |
| 316. | 07687 69 | 82-04-16 | 63-04-15 | IS : 694–1977 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 317. | 07692 66 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 8028–1976 |
| 318. | 07695 69 | 92-04-16 | 83-04-15 | IS : 4159–1976 |
| 319. | 07702 51 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1239(भाग 1) –1979 |
| 320. | 07707 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (भाग 1) - 1979 |
| 321. | 07724 57 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 226-1975 |
| 322. | 07737 62 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 694–1977 |
| 323. | 08127 46 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 427–1965 |
| 324. | 08203 41 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1694–1974 |
| 325. | 08214 44 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1695–1974 |
| 326. | 08331 48 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1161–1979 |
| 327. | 08356 57 | 82-04-01 | 83-01-31 | IS : 6911–1972 |
| 528. | 08366 59 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 2576–1975 |
| 329. | 08367 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 203–1972 |
| 330. | 08376 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 226–1975 |
| 331. | 08390 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4323–1967 |
| 332. | 08402 46 | 82-03-01 | 83-02-28 | :IS : 2567–1978 |
| 333. | 08403 47 | 92-03-01 | 83-02-28 | IS : 633–1975 |
| 334. | 08404 48 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 3903–1975 |
| 335. | 08412 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 564-1975 |
| 336. | 08413 49 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 4964-1975 |
| 337. | 08414 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4964 1975 |
| 338. | 08416 52 | 82-03-16 | 83-05-15 | IS : 261 1968 |
| 339. | 08417 53 | 92-05-16 | 83-03-15 | IS : 4964–1975 |
| 340. | 08422 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8054–1976 |
| 341. | 08423 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 342. | 08426 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 419–1967 |
| 343. | 08427 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 996 1964 |
| 344. | 08428 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | JS : 4964-1975 |
| 345. | 08431 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | JS : 1786 1966 |
| 346. | 08430 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3903–1975 |
| 347. | 08441 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (भाग 2) –1976 |
| 348. | 08443 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1660(भाग 2) –1967 |
| 349. | 08450 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1977 1975 |
| 350. | 08451 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1786–1966 |
| 351. | 08456 60 | 82-04-16 | 85-03-15 | IS : 495–1958 |
| 352. | 08457 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3098–1965 |
| 353. | 08464 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1322–1970 |
| 354. | 08368 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1966 |
| 355. | 08470 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1966 |
| 356. | 08475 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2865-1978 |
| 357. | 08477 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694–1977 |
| 258. | 08479 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694–1977 |
| 359. | 08480 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6914–1978 |
| 360. | 08481 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6915–1978 |
| 361. | 08482 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 35–1975 |
| 362. | 08485 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6439 1978 |
| 363. | 08486 66 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1978 |
| 364. | 08490 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (भाग 3)–1974 |
| 365. | 08497 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 598(भाग 1)–1976 |
| 366. | 08500 47 | 82-05-16 | 83-03-15 | IS : 1993–1964 |
| 367. | 08504 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1945–1964 |
| 368. | 08502 49 | 82-05-16 | 83-03-15 | IS : 1943–1964 |
| 369. | 08506 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786-1966 |
| 370. | 08508 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2148–1968 |
| 371. | 08511 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (भाग 2)–1976 |
| 372. | 08515 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8074–1976 |
| 373. | 08516 55 | 82-04-01 | 83-03-81 | IS : 1786–1979 |
| 374. | 08517 56 | 82-04-01 | 83-08-15 | IS : 8540–1977 |
| 375. | 08518 57 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3829–1978 और 4516–1968 |
| 376. | 08525 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 8074–1976 |
| 377. | 08526 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1554(भाग 1) 1976 |
| 378. | 08527 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 694–1977 |
| 379. | 08528 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 10(भाग 2) 1976 |
| 380. | 08531 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914–1978 |
| 381. | 08535 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786–1979 |
| 382. | 08536 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4654 1974 |
| 383. | 08543 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4761–1968 |
| 384. | 08546 61 | 82-04-16 | 83-0-415 | IS : 6915–1978 |
| 385. | 08557 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2932-1974 |
| 386. | 08558 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 525-1968 |
| 387. | 08559 66 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 524–1968 |
| 388. | 08560 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2932-1974 |
| 389. | 08562 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1696–1974 |
| 390. | 08563 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2558–1974 |
| 391. | 08571 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977–1975 |
| 392. | 08572 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914–1978 |
| 393. | 08573 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6915–1978 |
| 394. | 08597 72 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4654–1974 |
| 395. | 08606 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1554(भाग 1) –1976 |
| 396. | 08607 57 | 82-04-16 | 83-06-15 | IS : 1293–1967 |
| 397. | 08608 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 5346-1974 |
| 398. | 08609 59 | 82-04-16 | 83-06-30 | IS : 4956–1977 |
| 399. | 08619 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3984–1967 |
| 400. | 08626 60 | 82-04-16 | 83-07-31 | IS : 2879–1964 |
| 401. | 06628 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 226–1975 |
| 402. | 08632 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2923-1974 |
| 403. | 08634 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1554(भाग 1) —1976 |
| 404. | 08635 61 | 82-04-16 | 83-07-31 | IS : 4323–1967 |
| 405. | 08637 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1161–1979 |
| 406. | 08641 59 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1161–1979 |
| 407. | 08647 65 | 82-05-01 | 83-04-20 | IS : 3280–1966 |
| 408. | 08649 67 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 1977–1975 |
| 409. | 08677 71 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1945-1964 |
| 410. | 08682 68 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 1703–1977 |
| 411. | 08702 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1943-1964 |
| 412. | 09184 59 | 91-12-16 | 82-12-15 | IS : 1786–1966 |
| 413. | 09317 54 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 7406(भाग 2) –1980 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 414. | 09318 | 55 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 561–1978 |
| 415. | 09319 | 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 564–1975 |
| 416. | 09341 | 54 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 171- 1973 |
| 417. | 09360 | 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1341-1976 |
| 418. | 09369 | 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 8035 -1976 |
| 419. | 09374 | 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7406 (भाग 1) –1980 |
| 420. | 09382 | 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7406(भाग 2) 1980 |
| 421. | 09386 | 67 | 82- 2-16 | 83-02-15 | IS : 4783–1968 |
| 422. | 09404 | 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7406(भाग 3) –1980 |
| 423. | 09405 | 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 7406 (भाग 3) –1980 |
| 424. | 09432 | 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 834–1975 |
| 425. | 09433 | 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 565–1975 |
| 426. | 09452 | 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4148–1967 |
| 427. | 09453 | 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 565–1975 |
| 428. | 09455 | 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7406 (भाग 3) –1980 |
| 429. | 09460 | 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 (भाग 2) –1976 |
| 430. | 09464 | 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7406 (भाग 3) |
| 431. | 09465 | 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 7406 (भाग 2) –1974 |
| 432. | 09478 | 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8356–1977 |
| 433. | 09486 | 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694–1977 |
| 434. | 09487 | 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1596–1977 |
| 435. | 09489 | 73 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7291–1974 |
| 436. | 09494 | 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786–1966 |
| 437. | 09495 | 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226–1975 |
| 438. | 09497 | 73 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226 -1975 |
| 439. | 09499 | 75 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 694 -1977 |
| 440. | 09501 | 52 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 281–1973 |
| 441. | 09504 | 55 | 82-03-16 | 83-0--15 | IS : 8748–1978 |
| 442. | 09506 | 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 9 4654–1974 |
| 443. | 09507 | 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 996- 1964 |
| 444. | 09509 | 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS 1011-1968 |
| 445. | 09514 | 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 9294 1979 |
| 446. | 09515 | 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 565–1975 |
| 447. | 09516 | 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2567–1978 |
| 448. | 09524 | 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3903–1975 |
| 449. | 09525 | 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5277—.978 |
| 450. | 09528 | 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7121–1973 |
| 451. | 09531 | 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226--1975 |
| 452. | 09533 | 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226–1975 |
| 453. | 09542 | 61 | 82-01-01 | 83-03-31 | IS : 4250–1967 |
| 454. | 09544 | 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2339–1963 |
| 455. | 09549 | 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 633–1975 |
| 456. | 09550 | 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1507–1977 |
| 457. | 09551 | 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567–1978 |
| 458. | 09552 | 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3905–1966 |
| 459. | 09553 | 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8028–1976 |
| 460. | 09545 | 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 562–1978 |
| 461. | 09561 | 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3284–1965 |
| 462. | 09566 | 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3975–1979 |
| 463. | 09567 | 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554(भाग 1) –1976 |
| 464. | 09589 | 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1596–1977 |
| 465. | 09573 | 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011–1981 |
| 466. | 09575 | 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 398 (भाग 1 और 2) -1976 |
| 467. | 09576 | 71 | 82-03-16 | 83-03-31 | IS : 2750–1964 |
| 468. | 09578 | 73 | 82-04-01 | 83-03-81 | IS : 8268–1976 |
| 469. | 09579 | 74 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 9138–1979 |
| 470. | 09580 | 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (भाग 3) - 1980 |
| 471. | 09581 | 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (भाग 3) –1980 |
| 472. | 09583 | 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 133–1975 |
| 473. | 09588 | 75 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4964- 1975 |
| 474. | 09592 | 71 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 325--1978 |
| 475. | 09595 | 74 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8960 -1978 |
| 476. | 09598 | 77 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (भाग 1) –1976 |
| 477. | 09600 | 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 103 (भाग 3) –1974 |
| 478. | 09606 | 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (भाग 1) - 1979 |
| 479. | 09608 | 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1011 -1980 |
| 480. | 09610 | 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2645- 1975 |
| 481. | 09612 | 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8446--1977 |
| 482. | 09614 | 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1786–1966 |
| 483. | 09617 | 63 | 83-04-01 | 83-03-31 | IS : 4985–1968 |
| 484. | 09619 | 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 398(भाग 1) –1976 |
| 485. | 09620 | 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1781–1975 |
| 486. | 09622 | 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1786 -1966 |
| 487. | 09623 | 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6392–1971 |
| 488. | 09625 | 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2039–1964 |
| 489. | 09630 | 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4654–1974 |
| 490. | 09631 | 61 | 32-04-16 | 83-03-15 | IS : 3975- 1979 |
| 491. | 09632 | 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (भाग 3) –1980 |
| 492. | 09682 | 68 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 562–1978 |
| 493. | 09663 | 69 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 565-1975 |
| 494. | 09707 | 64 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS . 4246-1978 |

[सं० सी एम डी 13:12]

ए०पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक

**S.O. 1134.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 494 licences

particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of April 1982 :

SCHEDULE

| Sl. No. | CM/L No. | Valid From | Valid To | Indian Standard Specification No. |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | 00054 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (Part-II)—1976 |
| 2. | 00150 13 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1398-1968 |
| 3. | 00170 17 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011—1968 |
| 4 | 00174 21 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1011—1968 |
| 5/ | 00208 14 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 539—1974 |
| 6. | 00339 24 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 325-1978 |
| 7. | 00391 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226—1975 |
| 8. | 00392 29 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 432 (Part-I)—1966 |
| 9. | 00393 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 961—1975 |
| 10 | 00396 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226—1975 |
| 11. | 00398 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 961—1975 |
| 12. | 00402 14 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS s 1675—1971 |
| 13. | 00421 17 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226—1975 |
| 14. | 00422 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 277—1975 |
| 15. | 00575 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2052-1969 |
| 16. | 00576 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2052—1969 |
| 17. | 00603 26 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977—1975 |
| 18. | 00609 27 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977—1975 |
| 19. | 00625 27 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2052—1969 |
| 20. | 00646 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2404—1972 |
| 21. | 00671 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977—1975 |
| 22 | 00778 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 692—1973 |
| 23. | 00346 38 | 81-12-01 | 82-11-30 | IS : 2818 (Part-II) 1971 |
| 24. | 00943 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2818 (Part-II)—1973 |
| 25. | 01015 11 | 82-04-16 | 83-03-15 | IS : 779—1973 |
| 26. | 01021 09 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875—1978 |
| 27. | 01022 10 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875—1978 |
| 28. | 01023 11 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830—1975 |
| 29. | 01024 12 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831—1975 |
| 30. | 01028 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1079—1973 |
| 31. | 01031 11 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875—1978 |
| 32. | 01032 12 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830—1975 |
| 33. | 01033 13 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831—1975 |
| 34 | 01034 14 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2830—1975 |
| 35. | 01035 15 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2831—1975 |
| 36 | 01133 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7283—1974 |
| 37. | 01156 23 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (Part-I)—1976 |
| 38. | 01227 21 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 325—1978 |
| 39 | 01339 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1139—1966 |
| 40. | 01384 33 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1360—1967 |
| 41. | 01403 24 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3502—1966 |
| 42. | 01462 30 | 81-10-01 | 82-09-30 | IS : 1856—1977 |
| 43. | 01499 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1184—1977 |
| 44. | 01538 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3564—1975 |
| 45. | 01591 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3564—1975 |
| 46. | 01605 27 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part-IV)—1976 |
| 47. | 01608 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (Part-IV)—1976 |
| 48. | 01661 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977—1975 |
| 49. | 01664 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2791—1972 |
| 50. | 01665 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226—1975 |
| 51. | 01669 43 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 325—1978 |
| 52. | 01777 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786—1966 |
| 53. | 01810 30 | 81-10-01 | 82-09-30 | IS : 2265—1977 |
| 54. | 01872 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786—1966 |
| 55 | 01876 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part-II)—1976 |
| 56. | 01877 49 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2645—1975 |
| 57. | 01915 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2002—1962 |
| 58. | 01934 41 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786—1966 |
| 59. | 01946 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1221—1971 |
| 60 | 01952 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2879—1964 |
| 61. | 02224 22 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part-II)—1976 |
| 62. | 02238 28 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS : 1855—1977 & 1856—1977 |
| 63. | 02248 30 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 398 (Part-III)—1976 |
| 64. | 02268 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4323—1980 |
| 65. | 02297 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561—1978 |
| 66. | 02305 22 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3224—1971 |
| 67. | 02317 26 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3309—1975 |
| 68. | 02335 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2202—1971 |
| 69 | 02354 31 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 694—1977 |
| 70 | 02400 20 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2567—1978 |
| 71. | 02416 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786—1966 |
| 72 | 02475 39 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 648—1970 |
| 73. | 02511 26 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3564—1975 |
| 74 | 02512 27 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4948—1974 |
| 75 | 02590 41 | 83-03-16 | 83-03-15 | IS : 2566—1965 |
| 76. | 02591 42 | 82-03-15 | 83-03-15 | IS : 2566—1965 |
| 77. | 02593 44 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 564—1975 |
| 78 | 02620 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566—1965 |
| 79. | 02628 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (Part-IV)—1976 |
| 80 | 02659 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3944—1966 |
| 81. | 02716 37 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1538 (Part-I to XXIII)—1976 |
| 82 | 02745 42 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 565—1975 |
| 83. | 02774 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5514—1969 |
| 84. | 02876 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 10 (Part-IV)—1976 |
| 85 | 02941 44 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1392—1971 |
| 86. | 02944 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567—1978 |
| 87. | 02965 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5513—1976 |
| 88. | 02967 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3829—1966 & 4510—1978 |
| 89. | 02968 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 3830—1979 |
| 90. | 02993 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4151—1976 |
| 91. | 02988 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1520—1980 |
| 92. | 02997 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2500—1973 |
| 93. | 02998 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 417 (Part-I, II & III)—1966 |
| 94. | 03003 15 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2386 (Part-I & III)—1963 |
| 95. | 03004 16 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786—1979 |
| 96. | 03014 18 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566—1965 |
| 97. | 03023 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2566—1965 |
| 98. | 03077 33 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2500—1973 |
| 99. | 03035 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2818 (Part-II)—1973 |
| 100. | 03120 19 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6249—1976 |
| 101. | 03149 32 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part-II)—1976 |
| 102. | 03233 27 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 6595—1972 |
| 103. | 03243 29 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 325—1978 |
| 104. | 03354 35 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 722—1977 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 105. | 03357 38 | 82-03-16 | 83 03 15 | IS : 1786—1979 |
| 106 | 03362 35 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS : 335—1972 |
| 107. | 03363 36 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS : 398 (Part-I) — 1976 |
| 108 | 03381 38 | 82-04 16 | 83-04-15 | IS : 10 (Part-II) — 1976 |
| 109 | 03404 28 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 1660 (Part-I)— 1967 |
| 110 | 03406 30 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1551 —1976 |
| 111. | 03493 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4432 -1967 |
| 112. | 03494 46 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5517—1978 |
| 113. | 03532 35 | 82 03 16 | 83-03 15 | IS : 6914—1978 |
| 114 | 03533 36 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6915—1978 |
| 115. | 03572 43 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 5423—1978 |
| 116. | 03591 46 | 82 04-01 | 83-03-31 | IS : 2879 -1975 |
| 117 | 03598 53 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6915—1978 |
| 118. | 03603 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914—1978 |
| 119. | 03642 40 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 2148—1968 |
| 120. | 03649 47 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2148—1968 |
| 121. | 03730 39 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 398 (Part I & II)—1976 |
| 122. | 03736 45 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 5557—1963 |
| 123. | 03738 47 | 82-03-16 | 83-03 15 | IS : 564 -1975 |
| 124. | 03762 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2543—1967 |
| 125 | 03764 49 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 561 - -1978 |
| 126. | 03765 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 562—1978 |
| 127. | 03769 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 633—1976 |
| 128. | 03772 49 | 82 04-01 | 83-03-31 | IS : 2567 —1978 |
| 129. | 03773 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3903 -1975 |
| 130. | 03774 51 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5231 - -1969 |
| 131. | 03775 52 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3903 —1975 |
| 132. | 03776 53 | 82 04-01 | 83-03-31 | IS : 3311 —1976 |
| 133. | 03779 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3865 -1978 |
| 134. | 03796 57 | 82-04-01 | 83-03 31 | IS : 2567—1978 |
| 135. | 03809 45 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2143—1968 |
| 136. | 03879 59 | 82-04-16 | 83-04 15 | IS : 3976—1975 |
| 137. | 03948 55 | 82-04-01 | 83-03 31 | IS : 2148 —1968 |
| 138. | 04039 41 | 81-12 16 | 82 12-15 | IS : 1554 (Part-I) — 1976 |
| 139. | 04091 35 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567 --1978 |
| 140. | 04198 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (Part-I) — 1976 |
| 141. | 04210 24 | 82-02 16 | 83-02-15 | IS : 1186—1971 |
| 142. | 04257 39 | 82-12 01 | 81-11-30 | IS : 10 (Part-II) — 1976 |
| 143. | 04265 39 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS : 1786 -1966 |
| 144. | 04267 41 | 82-04 01 | 83-03 31 | IS : 3224 —1971 |
| 145. | 04274 40 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 210 -1978 |
| 146. | 04286 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2567 -1978 |
| 147. | 04290 40 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1307—1973 |
| 148. | 04300 25 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 203 -1979 |
| 149. | 04303 28 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2905 -1969 |
| 150. | 04313 30 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4497 —1977 |
| 151. | 04315 32 | 82-04-16 | 83 04-15 | IS : 1989 (Part-I) — 1978 |
| 152. | 04317 34 | 82 04-16 | 83-04-15 | IS : 1601 -1960 |
| 153. | 04360 37 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS : 325 -1978 |
| 154. | 04452 40 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 226 —1975 |
| 155. | 04477 49 | 82-04-16 | 83-04 15 | IS : 325—1978 |
| 156. | 04511 34 | 82-04-01 | 83-03-13 | IS : 562 - -1978 |
| 157. | 04516 39 | 82-04 16 | 83-04 15 | IS : 10 (Part-IV) - 1976 |
| 158. | 04543 42 | 82-04 01 | 83-03-31 | IS : 2864—1973 |
| 159. | 04600 34 | 82-04-01 | 83-03 31 | IS : 1506—1977 |
| 160. | 04741 46 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5135 (Part-II) — 1977 |
| 161 | 04798 63 | 82 04-16 | 83-04-15 | IS : 4934 —1978 |
| 162. | 04803-43 | 82-03-16 | 83 03-15 | IS : 1322—1970 |
| 163 | 04835 51 | 82-03-16 | 83-03 15 | IS : 7405 (Part-I) - 1974 |
| 164 | 04883 59 | 82-03-16 | 83-03 15 | IS : 8053—1976 |
| 165 | 04896 64 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 8057-1976 |
| 166. | 04913 48 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 2645-1975 |
| 167. | 04943 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 781-1977 |
| 168 | 04980 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694-1977 |
| 169 | 05020 24 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 561-1978 |
| 170. | 05025 29 | 82-03-01 | 83-02-23 | IS : 4184-1967 |
| 171. | 05049 37 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (Part-I)- 1976 |
| 172. | 05068 40 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1507-1977 |
| 173 | 05090 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 771-1971 |
| 174 | 05097 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2037-1962 |
| 175. | 05100 23 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6914-1978 |
| 176. | 05101 24 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6915-1978 |
| 177. | 05106 29 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1786-1979 |
| 178 | 05109 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1601-1960 |
| 179. | 05118 33 | 83-03-16 | 82-03 15 | IS : 633-1975 |
| 180. | 05124 31 | 82-04-16 | 83 04-15 | IS : 225 1975 |
| 181. | 05125 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977-1975 |
| 182. | 05133 32 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 5517-1978 |
| 183. | 05134 33 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4 74-1967 |
| 184. | 05135 34 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 458-1971 |
| 185. | 05171 38 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3976-1975 |
| 186. | 05254 40 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2347-1974 |
| 187 | 05282 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1958-1967 |
| 188. | 05363 44 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2612-1966 |
| 189. | 05370 43 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5231-1969 |
| 190 | 05434 42 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 694-1977 |
| 191. | 05466 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1734-1977 |
| 192. | 05509 44 | 81-10-10 | 83-09-30 | IS : 398 (Part-I) —1976 |
| 193. | 05517 44 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 225-1975 |
| 194. | 05514 44 | 81-08-01 | 82-07-31 | IS : 656-1975 |
| 195. | 05685 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1079-1973 |
| 196. | 05709 50 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 398-(Part I & II —1976 |
| 197. | 05734 51 | 82-02-16 | 83-02-16 | IS: : 1875-1971 |
| 198. | 05786 63 | 82-01-16 | 83-01-15 | IS : 226-1975 |
| 199. | 05803 47 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 398 (Pa t-II) — 1976 |
| 200. | 05823 51 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1977-1975 |
| 201. | 05891 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5430-1969 |
| 202. | 05897 69 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4323-1967 |
| 203. | 05909 56 | 83-02-01 | 83-02-28 | IS : 8057-1976 |
| 204. | 05914 53 | 82-01-01 | 83-02-23 | IS : 562-1978 |
| 205. | 05922 53 | 83-03-01 | 83-03-15 | IS : 205-1973, 1341-1976, 362-1968 |
| 206. | 05924 55 | 83-03-01 | 83-02-28 | IS : 4246-1978 |
| 207. | 05925 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 633-1975 |
| 208. | 05935 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 6914-1976 |
| 209. | 05942 57 | 82-02-16 | 83-02-16 | IS : 636-1979 |
| 210. | 05944 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 210-1978 |
| 211. | 05965 64 | 82-03-16 | 83-03- 5 | IS : 564-1975 |
| 212. | 05974 65 | 82-04-01 | 83-03-3 | IS : 4324-1967 |
| 213. | 05975 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 2580-1965 |
| 214. | 05976 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS :10 (Part IV)— 1976 |
| 215. | 05992 67 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2148-1968) |
| 216. | 05995 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2255-1977 |
| 217. | 05996 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 226-1975 |
| 218. | 05997 72 | 83-03-16 | 83-03-15 | IS : 1977-1975 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 219. | 05998 73 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7122-1973 |
| 220. | 06000 24 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8144-1976 |
| 221. | 06003 27 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4964-1975 |
| 222 | 06004 28 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4964-1975 |
| 223. | 06009 33 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4954-1975 |
| 224 | 06014 30 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1875-1973 |
| 225. | 06020 28 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1239 (Part -I)—1979 |
| 226. | 06037 37 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4064-1978 |
| 227. | 06039 93 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (Part-I)—1979 |
| 228. | 06046 38 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3811-1976 |
| 229. | 06117 36 | 82-01-01 | 82-12-31 | IS : 6429-172 |
| 230. | 06171 42 | 82-01-01 | 83-03-31 | IS : 2861-1964 |
| 231. | 06403 39 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 7586-1975 |
| 232. | 06478 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1601-1960 |
| 233. | 06655 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 4123-1967 |
| 234. | 06695 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 656-1975 |
| 235. | 06696 66 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3903-1975 |
| 236. | 06757 62 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 5382-1969 |
| 237. | 06774 63 | 82-03-16 | 83-07-31 | IS : 7121-1973 |
| 238. | 06776 65 | 83-03-01 | 83-02-28 | IS : 4355-1977 |
| 239. | 06777 66 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 8423-1977 |
| 240. | 06806 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6047-1970 |
| 241. | 06807 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 398 (Part-II) – 1976 |
| 242. | 66822 54 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 6449-1972 |
| 243. | 06836 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part III)—1974 |
| 244. | 06839 63 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4151-1976 |
| 245. | 06841 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 6915-1973 |
| 246. | 06846 62 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 4396-1967 |
| 247. | 06852 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1061-1975 |
| 248. | 06857 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4355-1977 |
| 249. | 06866 66 | 82-04-01 | 8203-31 | IS : 8851-1976 |
| 250. | 06869 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 453-19171 |
| 251. | 06872 64 | 82-40-01 | 83-03-31 | IS : 398 (Part-I) – 1976 |
| 252. | 06882 66 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 418-1978 |
| 253. | 06891 67 | 82-04-01 | 83-05-30 | IS : 1601-1930 |
| 254. | 06892 68 | 83-04-01 | 83-03-01 | IS : 2257-1970 |
| 255. | 068944 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 325-1978 |
| 256. | 06896 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1789-1961 |
| 257. | 06897 73 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 226-1975 |
| 258. | 06907 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 3431-1975 |
| 259. | 06915 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786-1979 |
| 260. | 06918 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1785 (Part-I & & II)—1966 |
| 261. | 06919 62 | 820-4-01 | 83-03-31 | IS : 6439-1978 |
| 262. | 06921 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 453-1971 |
| 263. | 06922 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1554 (Part-I) 1976 |
| 264, | 06927 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 731-1971 |
| 265. | 06929 64 | 82-02-16 | 83-04-15 | IS : 226-1975 |
| 266. | 06936 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977-1975 |
| 267. | 06934 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4449-1976 |
| 268. | 06935 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 398 (Part- I & II)—1976 |
| 269. | 06938 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (Part-I)—1979 |
| 270. | 06941 60 | 82-04-16 | 38-04-15 | IS : 2400-1976 |
| 271. | 06966 69 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3319-1973 |
| 272. | 06970 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1977-1975 |
| 273. | 06973 68 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1664-1968 |
| 274. | 06987 74 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 2148-1968 |
| 275. | 07089 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8509-1977 |
| 276. | 07115 38 | 83-04-16 | 83-04-15 | IS : 2848-1968 |
| 277. | 07167 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS 9: 4654-1974 |
| 278. | 07420 44 | 82-04-01 | 82-03-31 | IS : 933-1976 |
| 279. | 07421 45 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 934-1976 |
| 280. | 07501 44 | 82-02-01 | 83-03-15 | IS : 2045-1978 |
| 281. | 07510 45 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 4964 (Part -II) – 1975 |
| 282. | 07518 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 916-1975 |
| 283. | 07524 51 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS : 1891 (Part -I) – 1978 |
| 284 | 07547 58 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 1554 (Part -I) – 1976 |
| 285 | 07548 59 | 82-03-01 | 83-02-23 | IS : 6595-1972 |
| 286. | 07584 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS : 753-1975 |
| 287 | 07589 68 | 82-04-01 | 82-03-31 | IS : 3100-1977 |
| 288. | 07594 65 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 1729-1964 |
| 289 | 07602 48 | 82-03-16 | 83-03,15 | IS : 6603-1970 |
| 290. | 07603 49 | 83-03-16 | 83-03-15 | IS : 6914-1978 |
| 291. | 07605 51 | 82-03-16 | 83-03-31 | IS : 6595 & 7533—1972- & 1975 |
| 292. | 07613 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 2553-1964 |
| 293. | 07614 52 | 82-03-16 | 83-04-15 | IS : 71-21-1973 |
| 294. | 07618 56 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS : 10 (Part -IV) – 1976 |
| 295. | 07525 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 417 (Pt 1, II & III) –1976 |
| 296. | 07626 56 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5345-1975 |
| 297. | 07629 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS: 694-1977 |
| 298. | 07631 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654-1976 |
| 299. | 07639 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 56 ,1073 |
| 300. | 07641 55 | 82-04,01 | 83-03,31 | IS : 203-1972 |
| 301. | 07648 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1551-1976 |
| 302. | 07649 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 5484-1978 |
| 303. | 07650 56 | 82-04,01 | 83,03-31 | IS: 916-1975 |
| 304. | 07553 64 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 1695-1974 |
| 305. | 07659 65 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS : 2924-1974 |
| 306. | 07662 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IJ : 8944-1978 |
| 307. | 07663 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4654-1974 |
| 308. | 07664 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 2557-1963 |
| 309. | 07665 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1786-1966 |
| 310. | 07666 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1891 (Part I)-1978 |
| 311. | 07675 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4956-1977 |
| 312. | 07682 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 7538-1975 |
| 313. | 07683 65 | 82-04,15 | 83-04-15 | IS : 1786-1966 |
| 314. | 07685 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS . 4654-1974 |
| 315. | 07686 68 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:694–1977 |
| 316. | 07687 69 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:694–1977 |
| 317. | 07692 66 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:8027–1976 |
| 318. | 07695 69 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:4159–1976 |
| 319. | 07702 51 | 82–05–01 | 83–05–30 | IS:1239 (Part -I)–1979 |
| 320. | 07707 56 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:1239 (Part -I)–1979 |
| 321. | 07724 57 | 82–05–01 | 83–04–30 | IS:226–1975 |
| 322. | 07737 62 | 82–05–01 | 83–04–30 | IS:694–1977 |
| 323. | 08127 46 | 82–05–01 | 83–04–30 | IS:427–1965 |
| 324. | 08203 41 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS:1964–1974 |
| 325. | 08214 44 | 82–04–16 | 83 04 15 | IS:1695–1974 |
| 326. | 08331 48 | 82–04–16 | 83–04–15 | IS.1161–1979 |
| 327. | 08356 57 | 82–02 01 | 83–01–31 | IS:6911–1972 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 328. | 08366 59 | 82-02-16 | 83-01-15 | IS:2576-1975 |
| 329. | 08367 60 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:203-1972 |
| 330. | 08376 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:226-1975 |
| 331. | 08390 59 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4323-1967 |
| 332. | 08402 46 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:2567-1978 |
| 333. | 08403 47 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:633-1975 |
| 334. | 08404 48 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:2903-1975 |
| 335. | 08412 48 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:564-1975 |
| 336. | 08413 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4964-1975 |
| 337. | 08414 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS 4964-1975 |
| 338. | 08416 52 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:261 1968 |
| 339. | 08417 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS.4964-1975 |
| 340. | 08422 50 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8054-1976 |
| 341. | 08423 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:226-1975 |
| 342. | 08426 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:419-1967 |
| 343. | 08427 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:996-1964 |
| 344. | 08428 56 | 82-03-16 | 83-05-15 | IS:4964-1975 |
| 345. | 08431 51 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1786-1966 |
| 346. | 08439 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:3903-1975 |
| 347. | 08441 53 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:10 (Part-II)-1976 |
| 348. | 08443 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1660 (Part-I)-1967 |
| 349. | 08450 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1977-1975 |
| 350. | 08451 55 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:1786-1966 |
| 351. | 08456 60 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:493-1958 |
| 352. | 08457 61 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:3098-1965 |
| 353. | 08464 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1322-1970 |
| 354. | 08368 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1966 |
| 355. | 08470 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1966 |
| 356. | 08475 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:2865-1978 |
| 357. | 08477 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:694-1977 |
| 358. | 08479 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:694-1977 |
| 359. | 08480 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:6914-1978 |
| 360. | 08481 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:6915-1978 |
| 361. | 08482 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:35-1975 |
| 362. | 08485 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:6439-1978 |
| 363. | 08486 66 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1978 |
| 364. | 08490 02 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:10 (Part-III)-1974 |
| 365. | 08497 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:398 (Part-I)-1976 |
| 366. | 08500 47 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1993-1864 |
| 367. | 08501 48 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1943-1964 |
| 368. | 08502 49 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1943-1964 |
| 369. | 08506 53 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1966 |
| 370. | 08508 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:2148-1968 |
| 371. | 08511 50 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:10 (Part-II)-1976 |
| 372. | 08515 54 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8074-1976 |
| 373. | 08516 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1979 |
| 374. | 08517 56 | 82-04-01 | 83-08-15 | IS:8540-1977 |
| 375. | 08518 57 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:3829-1978 |
| 376. | 08525 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:8074-1976 |
| 377. | 08526 57 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1554 (Part-I)-1976 |
| 378. | 08527 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:694-1977 |
| 379. | 08528 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:10 (Part-II)-1976 |
| 380. | 08531 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:6914-1978 |
| 381. | 08535 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1786-1979 |
| 382. | 08536 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:4654-1974 |
| 383. | 08543 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:4761-1968 |
| 384. | 08546 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:6915-1978 |
| 385. | 08557 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:2932-1974 |
| 386. | 08558 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:525-1968 |
| 387. | 08559 66 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:524-1968 |
| 388. | 08560 59 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:2932-1974 |
| 389. | 08562 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1696-1974 |
| 390. | 08563 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:2558-1974 |
| 391. | 08571 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1977-1975 |
| 392. | 08572 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:6914-1978 |
| 393. | 08573 64 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:6915-1978 |
| 394. | 08597 72 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:4654-1974 |
| 395. | 08606 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1554 (Part-I)-1976 |
| 396. | 08607 57 | 82-04-16 | 83-06-15 | IS:1293-1967 |
| 397. | 08608 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:5346-1975 |
| 398. | 08609 59 | 82-04-16 | 83-06-30 | IS:4956-1977 |
| 399. | 08619 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:3984-1967 |
| 400. | 08626 60 | 82-04-16 | 83-07-31 | IS:2879-1964 |
| 401. | 08628 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:226-1975 |
| 402. | 08632 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:2923-1974 |
| 403. | 08634 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1554 (Part-I)-1976 |
| 404. | 08635 61 | 82-04-16 | 83-07-31 | IS:4323-1967 |
| 405. | 08637 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS:1161-1979 |
| 406. | 08641 59 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS:1161-1979 |
| 407. | 08647 65 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS:3280-1966 |
| 408. | 08649 67 | 82-04-01 | 83-04-30 | IS:1977-1975 |
| 409. | 08677 71 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1943-1964 |
| 410. | 08682 68 | 82-05-16 | 83-05-15 | IS:1703-1977 |
| 411. | 08702 55 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1943-1964 |
| 412. | 09184 59 | 81-12-16 | 83-12-15 | IS:1786-1966 |
| 413. | 09317 54 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:7406 (Part-II)-1980 |
| 414. | 09318 55 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:561-1978 |
| 415. | 09319 56 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:564-1975 |
| 416. | 09341 54 | 82-02-01 | 83-01-31 | IS:171-1973 |
| 417. | 09360 57 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:1341-1976 |
| 418. | 09369 66 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:8035-1976 |
| 419. | 09374 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:7406 (Part-II)-1980 |
| 420. | 09382 63 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:7406 (Part-II)-1980 |
| 421. | 09386 67 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:4783-1968 |
| 422. | 09404 52 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:7406 (Part-II)-1980 |
| 423. | 09405 53 | 82-02-16 | 83-02-15 | IS:7406 (Part-II)-1980 |
| 424. | 09432 56 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:834-1975 |
| 425. | 09433 57 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:565-1975 |
| 426. | 09452 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:4148-1967 |
| 427. | 09453 61 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:565-1975 |
| 428. | 09455 63 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7406 (Part-II) 1980 |
| 429. | 09460 60 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:398 (Part-II)-1976 |
| 430. | 09464 64 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7406 (Part/II)-1980 |
| 431. | 09465 65 | 82-03-01 | 83-02-28 | IS:7406 (Part-I)-1974 |
| 432. | 09478 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8356-1977 |
| 433. | 09486 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:694-1977 |
| 434. | 09487 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1596-1977 |
| 435 | 09489 73 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:7291-1974 |
| 436. | 09494 70 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:1786-1966 |
| 437. | 09495 71 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:226-1975 |
| 438. | 09497 73 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:226-1975 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|---|---|---|---|
| 439. | 09499 75 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:694-1977 |
| 440. | 09501 52 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:281-1973 |
| 441. | 09504 55 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:8748-1978 |
| 442. | 09506 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:4654-1974 |
| 443. | 09507 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:996-1964 |
| 444. | 09509 60 | 82-04-01 | 83-03-15 | IS:1011-1968 |
| 445 | 09514 57 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:9794-1979 |
| 446. | 09515 58 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:565-1975 |
| 447. | 09516 59 | 82-03-16 | 83-03-15 | IS:2567-1978 |
| 448. | 09524 59 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:3903-1975 |
| 449. | 09525 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:5277-1978 |
| 450. | 09528 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:7121-1973 |
| 451. | 09531 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:226-1976 |
| 452. | 09533 60 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:226-1975 |
| 453. | 09542 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:4250-1967 |
| 454. | 09544 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:2339-1963 |
| 455. | 09549 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:633-1975 |
| 456. | 09550 61 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1507-1977 |
| 457. | 09551 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:2567-1978 |
| 458. | 09552 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:3905-1966 |
| 459. | 09553 64 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:8028-1976 |
| 460. | 09554 65 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:562-1978 |
| 461. | 09564 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:3284-1965 |
| 462. | 09566 69 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:3975-1979 |
| 463. | 09567 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS:1554 (Part-I)-1976 |
| 464. | 09569 72 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1596—1977 |
| 465. | 09573 68 | 82-04-01 | 83 03-31 | IS : 1011-1981 |
| 466. | 09575 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 398 (Part I & II -1976 |
| 467. | 09576 71 | 82-03-16 | 83-03-31 | IS : 2750-1964 |
| 468. | 09578 73 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8268-1976 |
| 469. | 09579 74 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 9138-1979 |
| 470. | 09580 67 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (Part II) 1980 |
| 471. | 09581 68 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (Part-II)-1980 |
| 472. | 09583 70 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 133-1975 |
| 473. | 09588 75 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4964-1975 |
| 474. | 09597 71 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 325-1978 |
| 475. | 09595 74 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8960-1978 |
| 476. | 09598 77 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 1554 (Part-I)-1976 |
| 477. | 09600 54 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 10 (Part-III);-1974 |
| 478. | 09606 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1239 (Part-I)-1979 |
| 479. | 09608 62 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1011-1980 |
| 480. | 09610 56 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2645-1975 |
| 481. | 09612 58 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 8446-1977 |
| 482. | 09614 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1786-1966 |
| 483. | 09617 63 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 4985-1968 |
| 484. | 09619 65 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 398 (Part-I)-1976 |
| 485. | 09620 58 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1781-1975 |
| 486. | 09622 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 1786-1966 |
| 487. | 09623 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 6392-1971 |
| 488. | 09625 63 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 2039-1964 |
| 489. | 09630 60 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 4654-1974 |
| 490. | 09631 61 | 82-04-16 | 83-04-15 | IS : 3975-1979 |
| 491. | 09632 62 | 82-04-01 | 83-03-31 | IS : 7406 (Part-II)-1980 |
| 492. | 09662 68 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 562-1978 |
| 493 | 09663 69 | 82-05-01 | 83-04-30 | IS : 564-1975 |
| 494. | 09707 64 | 82-05-16 | 83-04-15 | IS : 4246-1978 |

[No. CMD/13 : 12]

A.P. BANERJI, Addl. Director General

## ऊर्जा मंत्रालय

### (पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली 21 सितम्बर 1982

**का० आ० 1135.**—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाणा तेल क्षेत्र में उक्त विनिर्दिष्ट भूमि में व्यधन स्थल सं० एन० के० सी० ओ० से एन० के० बी० जे० तक पेट्रोलियम परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार अर्जित किये गये है ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड-7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) मे विनिर्दिष्ट कार्य दिनांक 18-8-80 से समाप्त कर दिया गया है ;

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

एन० के० सी० ओ० से एन० के० बी० जे० तक पाइपलाइन कार्य समाप्ती

| मंत्रालय का नाम | गांव | का० आ०सं० | भारत के राजपत्र में में प्रकाशन की तिथि | कार्य समाप्ति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय | नेलावी | 3111 | 14-11-81 | 19-8-80 |

[12016/11/81-प्रो०-II]

## MINISTRY OF ENERGY

### (Department of Petroleum)

New Delhi, the 21st September, 1982

**S.O. 1135.**— Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. NKCO tc NKBJ in Mehsana oil field in Gujarat State,

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub- section (1) of section 7 of the said Act on 19-8-80.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D.S. MKCO to NKBJ.

| Name of Ministry | Villages | S.O. No. | Date of Publication in the Gazette of India | Date of Termination of Operation |
|---|---|---|---|---|
| Petroleum, Chemicals & Fertilizer | Telavi | 3111 | 14-11-81 | 19-8-80 |

[No. 12016/11/81-Prod. II]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1982

**का० आ० 1136.**—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड 1 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाणा तेल क्षेत्र में उक्त विनिर्दिष्ट भूमि में व्यधन स्थल सं० एस० एन० टी० से जी० जी० एस० सथाल-1 तक पेट्रोलियम परिवहन के लिए उपयोग के अधिकार अर्जित किये गये है ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में विनिर्दिष्ट कार्य दिनांक 24-1-80 से समाप्त कर दिया गया है ।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते है ।

**अनुसूची**

एस० एन० टी० से जी० जी० एस० सथाल-1 तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

| मंत्रालय का नाम | गांव | का० आ०सं० | भारत के राजपत्र मे प्रकाशन की तिथि | कार्य समाप्ति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक | सथाल | 1550 | 23-5-81 | 24-1-80 |

[सं० 12016/26/80-प्रोड]

New Delhi, the 21September, 1982

**S.O. 1136.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the Schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the Schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. SNT to GHS Santhal-I in Mehsana oi lfield in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 24-1-80.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of opdration to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D.S. SMT to GHS Santhal-I

| Name of Ministry | Villages | S.O. No. | Date of Publication in the Gazette of India | Date of Termination of Operat |
|---|---|---|---|---|
| Petroleum, Chemicals & Fetilizer | Santhal | 1559 | 23-5-81 | 24-1-80 |

[No. 12016/26/80-Prod. I]

**का० आ० 1137.**—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाणा तेल क्षेत्र मे उक्त विनिर्दिष्ट भूमि में व्यधन स्थल सं० 49 (एस० सी० जी०) से सोकासन जी जी एस तक पैट्रोलियम परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार अर्जित किये गये है ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा उपर्युक्त नियम के खण्ड-7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में विनिर्दिष्ट कार्य दिनांक 20-8-80 से समाप्त कर दिया गया है ।

अतः अब पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते है ।

**अनुसूची**

49 (एस० सी० जी०) से सोकासन जी० जी० एस० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

| मंत्रालय का नाम | गांव | का० आ०सं० | भारत के राजपत्र मे प्रकाशन की तिथि | कार्य समाप्ति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक | जगुदण | 1733 | 13-6-81 | 20-8-80 |

[सं० 12016/64/80-प्रोड-I]

**S.O.1137.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the Schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land)Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the Schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s 49(SEG) to Sob GGS II in Mehsana, oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 20-8-80.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land ) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D S. 49(SEG) to Sob GHS II.

| Name of Ministry | Villages | S.O. No. | Date of Publication in the Gazette of India | Date of Termination of Operation |
|---|---|---|---|---|
| Petroleum, Chemicals & Fertilizer | Jagudan | 1733 | 13-6-81 | 20-8-80 |

[No. 12016/64/80-Prod. I]

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1983

**का० आ० 1138.**—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखंड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के अंकलेश्वर तेल क्षेत्र में उक्त विनिर्दिष्ट भूमि में व्यधन स्थल सं० एस० डी० इ० से मोटवान हीडर तक पैट्रोलियम परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार अर्जित किये गये हैं ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा उपर्युक्त नियम के खण्ड-7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में विनिर्दिष्ट कार्य दिनांक 10-5-81 से समाप्त कर दिया गया है ।

अतः अब पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते है ।

**अनुसूची**

एस० डी० इ० से मोटवान हीडर तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

| मंत्रालय का नाम | गांव | का० आ०सं० | भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि | कार्य समाप्ति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय | कठोदरा | 3114 | 14-11-81 | 10-5-81 |

[सं० 12016/3/81/प्रोड II]

New Delhi, the 29th January, 1983

**S.O.1138.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the Schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the Schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. SDE to Motwan Header in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 10-5-81.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCDEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D.S. SDE to Motwan Header.

| Name of Ministry | Villages | S.O. No. | Date of publication in the Gazette of India | Date of termination of operation |
|---|---|---|---|---|
| Petroleum, Chemicals & Fertilizer | Kathodra | 3114 | 14-11-81 | 10-5-81 |

[No. 12016/3/81-Prod. I]

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1983

**का० आ० 1139.**—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के महसाणा तेल क्षेत्र में उक्त विनिर्दिष्ट भूमि में व्यधन स्थल सं० जी०जी०एस० संथाल-1 से जी० जी० एस० कम सीटी एफ साउथ संथाल तक पैट्रोलियम परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार अर्जित किये गये है ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा उपर्युक्त नियम के खण्ड-7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में विनिर्दिष्ट कार्य दिनांक 24-1-81 से समाप्त कर दिया गया है ।

अतः अब पैट्रोलियम पाइपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते है

**अनुसूची**

जी० जी० एस० संथाल-1 से जी०जी०एस० कम सी०टी० एफ तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति साऊथ संथाल

| मंत्रालय का नाम | गांव | का० आ०सं० | भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि | कार्य समाप्ति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| पट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय | कसलपुर | 571 | 13-2-82 | 24-1-81 |

[सं० 12016/25/81/प्रोड़]

हस्ता० (अपठनीय)

सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 31st January 1983

**S.O.1139.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. GGS Santhal-I to GGS Cum CTF S. Santhal in Mehsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 24-1-81.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. GGS Santhal-I to GGS Cum CTF S Santhal.

| Name of Ministry | Villages | S.O. No. | Date of publication in the Gazette of India | Date of termination of operation |
|---|---|---|---|---|
| Petroleum, Chemicals & Fertilizer | Kasalpura | 571 | 13-2-82 | 24-1-81 |

[No. 12016/25/81- Prod.]

Sd/- Illegible

Competent Authority

## कृषि मंत्रालय

## (कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1983

का० आ० **1140.**—केन्द्रीय सरकार, वन्य प्राणि (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ए० बोस के स्थान पर श्री पी० सी० राय को वन्य प्राणि परिक्षण का सहायक निदेशक नियुक्त करती है ।

उन्हें वन्य प्राणि (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 47, 48 तथा 50 के अंतर्गत दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत किया जाता है ।

[सं०-1-25/82-वानिकी (व०प्रा०)]

## DEPARTMENT OF ENVIRONMENT

(Wild Life Section)

New Delhi, the 1st February, 1983

**S.O. 1140.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby appoints Shri P. C. Roy Choudhury, as Assistant Director of Wildlife Preservation, in place of Shri A. Bose.

He is hereby authorised to exercise powers under Sections 47, 48 and 50 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972).

[No. 1-25/82-FRY(WL)]

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1983

**का. आ. 1141.**—वन्य प्राणि क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता के निरीक्षक श्री जे. पी. एन शुक्ल को वन्य प्राणि (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 50 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत किया जाता है । इनमें अधिनियम की उक्त धारा की उपधारा (2) तथा (6) के तहत् प्रदत्त शक्तियां शामिल नहीं हैं ।

[सं. 1-25/82-वानिकी (व. प्रा.)]

समर सिंह, निदेशक,
वन्य प्राणि परिरक्षण

**S.O. 1141.**—Shri J. P. N. Shukla, Inspector, Wild Life Regional Office, Calcutta, is hereby authorised to exercise powers under Section 50 of the Wild Life (Protection) Act, 1972, (53 of 1972), except the powers provided under sub-sections (2) and (6) of the said Section of the Act.

[No. 1-26/82-FRY(WL)]
SAMAR SINGH, Director
Wild Life Preservation

## संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1983

(पुरातत्व)

का० आ० 1142.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट संरक्षित संस्मारकों के निकटस्थ या पार्श्वस्थ क्षेत्रों को खनन कार्य के प्रयोजनार्थ जिसके अंतर्गत जैसा कि वह प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 के नियम 2 के उपनियम (ङ०) के अधीन यथा परिभाषित है खदान क्रिया, उत्खनन, विस्फोटन तथा ऐसी ही प्रकृति का कोई और कार्य भी है, प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाए ,

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 के नियम 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त क्षेत्रों को प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर उक्त क्षेत्र में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

| राज्य | जिला | तहसील | अवस्थान | संस्मारक का नाम | प्रतिषिद्ध घोषित किए जाने वाले राजस्व प्लाटों की संख्या | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | आगरा | किरौली | फतेहपुर सीकरी | फतेहपुर सीकरी संस्मारक समूह | निम्नलिखित मौजों में संपूर्ण खुला क्षेत्र :<br>सीकरी 1 हिस्सा<br>सीकरी 2 हिस्सा<br>सीकरी 4 हिस्सा<br>अराजी इम्लाक<br>कडांउ बराउ<br>दादूपुरा और गुड़ की मंडी | कुछ नहीं |

[सं० 8/4/82/संस्मा०]
देवला मित्र, महानिदेशक और संयुक्त सचिव पदेन

## DEPARTMENT OF CULTURE

**Archaeological Survey of India**

New Delhi, 2nd February, 1983

(ARCHAEOLOGY)

**S.O.1142,**—Whereas the Central Government is of opinion that the areas near or adjoining the protected monuments specified in the Schedule attached hereto be declared to be a prohibited area for purpose of mining operation which as defined under sub-rule (e) of Rule 2 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, includes quarrying, excavating blasting and any other operation of like nature;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Rule 31 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites & Remains Rules, 1959, the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said areas as prohibited area.

Any objection made within one month of the date of issue of this notification by any person interested in the said area will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

| State | District | Tehsil | Locality | Name of monuments. | Revenue plot number to be declared prohibited. | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Uttar Pradesh | Agra | Kiraoli | Fatehpur Sikri | Fatehpur Sikri group of monuments. | Entire open area in Mauzas Sikri I Hissa, Sikri II Hissa, Sikri IV Hissa, Arazi Imlak, Kandau Barau, Dadu Pura and Gurh ki-Mandi | Nil. |

[No. 8/4/82-M]
D. MITRA, Director General and Ex-Officio Jt. Secy.

## संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 83

**का० आ० 1143**.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने भवाली/भीमताल/रामगढ़/गरमपानी/टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-2-83 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करनें का निश्चय किया है ।

[सं. 5-5/83/पी. एच. बी.]
आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक
पी० एच० ए०

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 9th February, 1983

**S.O. 1143.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March 1960, Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-2-1983 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bhowali/Bhimtal/Ramgarh/Garanobu Telephone Exchange UP.

[No. 5-5/83-PHB]
R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय
नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1982

का० आ० 1144.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की वर्ष 1980-81 संबंधी वार्षिक रिपोर्ट आम सूचना के लिए एतद्द्वारा प्रकाशित की जाती है ।

## कर्मचारी राज्य निगम

### वार्षिक रिपोर्ट

1980-81

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्यों की सूची

1980-81

**अध्यक्ष**

श्री नारायण दत्त तिवारी,

योजना तथा श्रम मंत्री, भारत सरकार

**उपाध्यक्ष**

श्री एन० आर० लस्कर,

राज्य मंत्री, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

**सदस्य**

**केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि**

3. श्रीमती राम दुलारी सिन्हा,
राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय ।

4. श्री आर० के० ए० सुब्रह्मण्य,
अतिरिक्त सचिव,
श्रम मंत्रालय,
भारत सरकार ।

5. श्री एन० के० पाण्डा, संयुक्त सचिव तथा
वित्तीय सलाहकार, श्रम मंत्रालय
भारत सरकार ।

6. डा० बी० संकरन,
महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
भारत सरकार ।

7. श्री एन० बी० चावला,
उप सचिव (पी),
श्रम मंत्रालय,
भारत सरकार ।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

8. श्री जी० आर० नायर,
सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार,
श्रम, रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा विभाग ।

9. श्री सी० आर० समद्दर
सचिव, असम सरकार,
श्रम विभाग, दिसपुर ।

10. श्री के० बी० सक्सैना,
आयुक्त तथा सचिव, बिहार सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

11. श्री एम० एस० दयाल,
सचिव, गुजरात सरकार,
स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग ।

12. श्री एच० एल० गुगलानी,
सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

13. श्री कंवर शमशेर सिंह,
सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

14. श्री राजकुमार गुप्ता,
श्रम आयुक्त,
जम्मू तथा काश्मीर सरकार ।

15. श्री जे० अलैक्जैंडर,
सचिव, कर्नाटक सरकार
समाज कल्याण तथा श्रम विभाग ।

16. श्री सी० पी० नायर,
विशेष सचिव, केरल सरकार,
श्रम विभाग ।

17. श्री फकीर चन्द,
सचिव, मध्य प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग ।

18. श्री एन० बी० सुन्दर रमन,
विशेष सचिव, महाराष्ट्र सरकार,
नगर विकास तथा लोक स्वास्थ्य विभाग ।

19. श्री एस० मारबेन,
सचिव, मेघालय सरकार,
श्रम विभाग ।

20. श्री एन० जूखालू,
सचिव, नागालैंड सरकार,
गृह विभाग ।

21. श्री प्रफुल्ल चन्द्र मिश्र,
सचिव, उड़ीसा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

22. श्री हरदयाल सिंह,
सचिव, पंजाब सरकार,
स्वास्थ्य तथा परिवार विभाग ।

23. श्री हरीश चन्द्र पांडे,
सचिव, राजस्थान सरकार,
श्रम विभाग ।

24. श्री टी० बी० वासुदेवन,
आयुक्त तथा सचिव, तमिलनाडु सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

25. श्री एस० के० घोषाल,
सचिव, त्रिपुरा सरकार,
श्रम विभाग ।

26. श्री करनैल सिंह,
आयुक्त व सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग ।

27. श्री एन० कृष्णामूर्ति,
सचिव, पश्चिमी बंगाल सरकार,
श्रम विभाग ।

**संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि**

28. श्री आर० एन० पुरी
श्रम आयुक्त,
दिल्ली प्र शासन ।

**नियोजकों के प्रतिनिधि**

29. श्री वाग्मि आर० किदवई ।
30. डा० पी० ए० देसाई ।
31. श्री इन्द्रवदन प्राणलाल शाह ।
32. श्री एन० वेंकटा रमानी ।
33. श्री पी० चेन्तमल राव ।

**कर्मचारियों के प्रतिनिधि**

34. श्री आर० रंगास्वामी
35. श्री चिमनभाई मेहता
36. कुमारी ई० डिसूजा
37. श्री एम० एस० कृष्णन
38. श्री वसंत खानोलकर

**चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि**

39. डा० जे० मजूमदार
40. वैद्य श्री श्रीकृष्ण मुलतानी

**संसद के प्रतिनिधि**

41. श्री विजय कृष्ण हैन्डीक
42. श्री के० ए० राजन
43. श्री के० राममूर्ति

**पदेन के सदस्य**

44. श्री हर मन्दर सिंह,
महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम

**कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के सदस्यों की सूची, 1980-81**

**अध्यक्ष**

श्रीमती राम दुलारी सिन्हा,

श्रम राज्य मंत्री, भारत सरकार

**सदस्य**

केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

2. श्री आर० के० ए० सुब्रह्मण्य,
अतिरिक्त सचिव,
श्रम मंत्रालय,
भारत सरकार ।

3. श्री एन० के० पाण्डा,
संयुक्त सचिव तथा वित्तीय सलाहकार,
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार ।

4. डा० बी० संकरन,
महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
भारत सरकार ।

**राज्य सरकार के प्रतिनिधि**

5. श्री टी० वी० वासुदेवन,
आयुक्त तथा सचिव, तमिलनाडु सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

6. श्री एम० एम० दयाल,
सचिव, गुजरात सरकार,
स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग ।

7. श्री करनैल सिंह,
आयुक्त व सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग ।

**नियोजकों के प्रतिनिधि**

8. श्री वारिस आर० किदवई
9. श्री एन० वेंकटा रमानी
10. श्री पी० चेन्तमल राव

**कर्मचारियों के प्रतिनिधि**

11. कुमारी ई० डिसूजा
12. श्री आर० रंगास्वामी
13. श्री एम० एस० कृष्णन

**चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि**

14. डा० जे० मजूमदार

**संसद के प्रतिनिधि**

15. श्री के० राममूर्ति

**पदेन सदस्य**

16. श्री हर मन्दर सिंह,
महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

**चिकित्सा हितलाभ परिषद के सदस्यों की सूची, 1980-81**

**अध्यक्ष**

महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,

भारत सरकार

**सदस्य**

**केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि**

2. डा० ईश्वर दास अजाज,
उप महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (के० स० स्वा० यो)
भारत सरकार ।

3. डा० दी० एम० चरनालिया,
चिकित्सा आयुक्त, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

**राज्य सरकार के प्रतिनिधि**

4. डा० टी० एन० सांघी,
उप निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं,
आन्ध्र प्रदेश सरकार ।

5. डा० बी० एल० दास,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
असम सरकार ।

6. डा० ए० पी० वर्मा,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
श्रम तथा रोजगार विभाग,
बिहार सरकार ।

7. लैफ्टीनैंट कर्नल बी० डी० मिश्र,
निदेशक, चिकित्सा सेवाएं (क० रा० बी० योजना),
गुजरात सरकार ।

8. डा० एस० शाह,
सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (सामाजिक बीमा),
हरियाणा सरकार ।

9. डा० एम० एम० एस० ग्रोवर,
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं तथा परिवार नियोजन,
हिमाचल प्रदेश सरकार ।

10. श्री आई० डी० शर्मा,
श्रम आयुक्त, जम्मू तथा काश्मीर सरकार

11. डा० के० बी० हनुमंत रेड्डी
निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना (चिकित्सा सेवाएं),
कर्नाटक सरकार ।

12. डा० एम० जे० जार्ज,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
केरल सरकार ।

13. डा० ए० सी० गौड़,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
मध्य प्रदेश सरकार ।

14. डा० आर० सी० डिघे,
निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, महाराष्ट्र सरकार ।

15. श्री एस० मारबेत,
सचिव, मेघालय सरकार,
श्रम विभाग ।

16. श्री एस० के० कोचर,
सचिव, नागालैंड सरकार,
गृह विभाग ।

17. डा० पी० सी० रथ,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना, उड़ीसा सरकार ।

18. डा० आशा सिंह,
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
पंजाब सरकार ।

19. डा० आर० आर० पुरोहित,
अतिरिक्त निदेशक, चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सेवाएं ।

20. डा० अर्नेस्ट जे० डेविड,
निदेशक, चिकित्सा सेवाएं तथा परिवार कल्याण,
तमिलनाडु सरकार ।

21. श्री एस० के० सोमाल,
सचिव, त्रिपुरा सरकार,
श्रम विभाग ।

22. डा० एस० सी० चतुर्वेदी,
संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
उत्तर प्रदेश सरकार ।

23. श्री पी० राय,
निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा (वि० हि०) योजना,
पश्चिमी बंगाल सरकार ।

नियोजकों के प्रतिनिधि :

24. डा० बी० डी० कौशल

25. श्री आर० एन० जोशी

26. श्री आर० एस० माहेश्वरी

कर्मचारियों के प्रतिनिधि :

7. श्री ए० सी० मैकिया, विधान सभा सदस्य

28. श्री सुमेर सिंह

29. डा० समर राय चौधरी

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि :

30 डा० (श्रीमती) ललिता राव

31. डा० एन० एन० भट्टाचार्जी

32 आर्यवैसान पी० के० वारियर

"कर्मचारी राज्य बीमा निगम" एक नजर में

| | 31-3-1980 | 31-3-1981 | 1980-81 के दौरान प्रगति |
|---|---|---|---|
| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | 20 | 21 | 1 |
| केन्द्र | 395 | 411 | 16 |
| कर्मचारी | 59,83,000 | 63,22,200 | 3,49,200 |
| बीमाकृत व्यक्ति | 68,50,000 | 71,61,800 | 3,11,800 |
| परिवार एकक | 68,50,000 | 71,61,800 | 3,11,800 |
| बीमाकृत महिलाएं | 5,38,750 | 5,44,550 | 5,800 |
| कुल लाभाधिकारी | 2,65,78,000 | 2,77,87,800 | 12,09,800 |
| कर्मचारी जो अभी योजना के अंतर्गत लाने है | 8,58,000 | 8,65,800 | 7,800 |
| नकद भुगतान कार्यालय | 691 | 724 | 33 |
| निरीक्षण कार्यालय | 195 | 209 | 14 |
| क० रा० बी० अस्पताल | 67, | 70 | 3 |
| क० रा० बी० अनैक्सिया | 33 | 35 | 2 |
| बिस्तर : | | | |
| (क) क० रा० बी० अस्पताल | 14,102 | 14,952 | 850 |
| (ख) क० रा० बी० औक्सियां | 670 | 710 | 40 |
| (ग) आरक्षित | 4,765 | 4,843 | 78 |
| जोड़ | 19,537 | 20,505 | 968 |
| राज्य बीमा औषधालय | 1,030 | 1,072 | 42 |
| बीमा चिकित्सा अधिकारी | 3,101 | 3,336 | 235 |
| बीमा चिकित्सा-व्यवसायियों के क्लीनिक | 4,734 | 4,667 | (—) 67 |

पूंजीगत निर्माण (लाख रुपयों में)

| | | | |
|---|---|---|---|
| स्वीकृति राशि | 9,712.44 | 10,363.45 | 651 01 |
| अग्रिम राशि | 7,190 49 | 8,470.82 | 980.33 |

| आय तथा व्यय | 1979-80 | 1980-81 |
|---|---|---|
| राजस्व आय | 16,979 04 | 1,93,21 53 |
| राजस्व व्यय | 15,918 80 | 1,88,05.88 |

**उपलब्धियां.**

1.1 वर्ष के दौरान सबसे महत्वपूर्ण घटना यह रही कि क० रा० बी० अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत देय अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दर 1 जनवरी, 1981 से मानक हितलाभ दर के 125% से बढ़ाकर 140% कर दी गई। यह "अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष" की शुरूआत है। अब तक क० रा० बी० अधिनियम, 1948 की प्रथम सूची के पैरा 1 में यथा-निर्धारित अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दर मानक हितलाभ दर से 25% अधिक थी जिसे 5 पैसे के अगले उच्च गुणांक में पूर्णांकित किया जाता है। उपर्युक्त वृद्धि का प्रभाव यह है कि 1 जनवरी, 1981 को या इसके बाद किसी व्यक्ति को रोजगार चोट लगने के सभी मामलों में अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दैनिक दर अब मानक हितलाभ दर से 40% अधिक (25% अधिक की बजाए) है, यानी पहले लगभग 62.5% की बजाय औसत दैनिक मजदूरी का लगभग 70% अधिक है।

1.2 **अन्य सुधार :**

(क) 31 मार्च, 1978 को या इससे पहले किसी बीमाकृत व्यक्ति की स्थायी अपंगता या मृत्यु की स्थिति में ऐसी स्थायी अपंगता या मृत्यु के मामलों में क० रा० बी० अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत देय स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में 1-4-1980 से निम्नलिखित सीमा तक वृद्धि की गई है। ताकि जीवन निर्वाह सूचकांक की लागत में वृद्धि के संबंध में उन की प्रतिपूर्ति की जा सके :—

| | |
|---|---|
| (1) वे मामले जहां अपंगता या मृत्यु 31-3-1975 को या इससे पहले हुई थी | मूल राशि का 20% (1-10-1977 से पहले मंजूर की गई वृद्धि को छोड़कर) |
| (2) वे मामले जहां अपंगता या मृत्यु 1-4-1975 31-3-1978 के बीच हुई थी। | मूल राशि का 15% तथा |

(ख) निगम को लागत पर मनीआर्डर द्वारा नकद हितलाभों के प्रेषण की सुविधा का विस्तार 18-4-1980 से मृत बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में अन्त्येष्टि हितलाभ पर भी कर दिया गया है। इस के अलावा, अन्त्येष्टि हितलाभ अब उन मृत व्यक्तियों के संबंध में भी प्रदान किया जाता है जो मृत्यु के समय बीमाकृत व्यक्ति नहीं रहे हैं लेकिन चिकित्सा देख-रेख की हकदारी से संबंधित सामान्य विनियमों के अन्तर्गत के अलावा अन्यथा चिकित्सा हितलाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह 14-12-1980 से लागू किया गया है।

(ग) अस्पताल में भर्ती की सुविधाओं सहित पूर्ण चिकित्सा देख-रेख के लिए 1 अप्रैल, 1980 से चिकित्सा देख-रेख पर व्यय की अधिकतम सीमा में आगे वृद्धि करके प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष 115/- रुपये से प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष 120/- रुपये कर दिया गया है। 25/- रुपये से ऊपर 50/- रुपये तक प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष औषधियों, दवाइयों तथा पट्टियों पर व्यय की अनुमति अधिकतम सीमा के ऊपर दी जाती है। निगम के स्वामित्व में आने वाले भवनों के संबंध में क० रा० बी० योजना से प्रभारित किराया भी अधिकतम सीमा से बाहर रखा गया है।

(घ) निगम ने बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों के लिए ऐसे अवकाश गृहों की स्थापना को सिद्धान्त रूप से स्वीकार कर लिया है जहां बीमाकृत व्यक्ति स्वस्थ तथा स्वास्थ्य-वर्धक वातावरण में कम लागत पर विश्राम तथा मनोरंजन के लिए अपने अवकाश तथा छुट्टी बिताने के लिए जा सकते है। वर्ष के अन्त में उत्तरी क्षेत्र में नैनीताल में तथा दक्षिणी क्षेत्र में बंगलौर में अवकाश गृह की स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही थी।

**योजना के कार्यान्वयन/विस्तार की प्रगति**

1.3 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 34 नये क्षेत्रों पर योजना का कार्यान्वयन किया गया जिससे क० रा० बी० योजना के अधीन कर्नाटक केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिल नाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल राज्यों तथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के कुछेक क्षेत्रों के लगभग 40,700 अतिरिक्त कर्मचारी योजना के अन्तर्गत आ गए। ब्यौरे परिशिष्ट 1 के भाग-क में दिए गए है इन क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार भी बीमाकृत व्यक्तियों की तरह उसी तारीख/तारीखों से चिकित्सा हितलाभ के हकदार हो गए। जम्मू काश्मीर तथा त्रिपुरा राज्यों और अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह के संघ राज्य क्षेत्र में योजना के कार्यान्वयन के प्रयास जारी रहे जहां योजना का कार्यान्वयन अभी तक किसी केन्द्र पर नहीं किया गया है।

1.4 केरल, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों के विभिन्न कार्यान्वित केन्द्रों में स्थापनाओं के नए वर्गों पर भी योजना का विस्तार किया गया जिससे लगभग 26,220 अतिरिक्त कर्मचारी योजना के अन्तर्गत आ गए। इसके ब्यौरे परिशिष्ट 1 के भाग-ख में दिए गए है। इन कर्मचारियों के परिवार भी बीमाकृत व्यक्तियों की तरह उसी तारीख/तारीखों से चिकित्सा हितलाभ के हकदार हो गए।

1.5 राजस्थान तथा आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकारों ने शेष केन्द्रों में स्थापनाओं के शेष नये वर्गों पर योजना का आगे विस्तार करने के लिए अपने आशय का छह मास का नोटिस देते हुए प्रारंभिक अधिसूचनाएं जारी की।

1.6 केन्द्रीय सरकार द्वारा सिद्धान्त रूप से यथा-अनुमोदित महानगरों तथा शहरों में भवन निर्माण कामगारों पर योजना का विस्तार करने के मामले में राज्य सरकारों से लिखा पढ़ी जारी रही जोकि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 1 (5) के अन्तर्गत इस प्रयोजन के लिये समुचित सरकार है। लेकिन दिल्ली प्रशासन द्वारा प्रस्तावित विस्तार के लिए केन्द्रीय सरकार का विशेष रूप से अनुमोदन मांगे जाने के अलावा इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है।

1.7 वर्ष के अन्त में योजना विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में 411 केन्द्रों पर लागू थी। जिनमें स्थापनाओं के नये वर्गों में योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों तथा वर्ष के दौरान कारखानों/स्थापनाओं में पहले ही योजना के अन्तर्गत शामिल कर्मचारियों की सामान्य वृद्धि को मिलाकर लगभग 63,32,200 कर्मचारी योजना के अन्तर्गत आ गए।

1.8 योजना के कार्यान्वयन/विस्तार की प्रगति चरण बद्ध कार्यक्रम के अनुसार नहीं हुई है जो मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों के पास वित्तीय तथा भौतिक साधन उपलब्ध न होने से आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था नहीं कर पाने के कारण है। चरण बद्ध कार्यक्रम के अनुसार योजना के शीघ्र कार्यान्वयन/विस्तार की आवश्यकता पर समय-समय पर राज्य सरकारों पर जोर दिया जाता रहा है। 19 तथा 20 जुलाई, 1980 को नई दिल्ली में हुए पिछले श्रम मन्त्रियों के सम्मेलन में भी मामले पर विचार किया गया था। सम्मेलन ने सिफारिश की थी कि राज्य सरकारों को क० रा० बी० निगम के परामर्श से तैयार किए गए चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार नए क्षेत्रों/स्थापनाओं के नये वर्गों पर क० रा० बी० योजना के विस्तार के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिएं तथा विस्तार के लिए तैयार किए गए चरण बद्ध कार्यक्रम के अनुसार अधिक से अधिक कामगारों को योजना में शामिल करने के

लिए योजना के विस्तार की गति में तेजी लानी चाहिए और राज्य सरकारों को इसके लिए तथा पहले से योजना लागू होने वाले शहरों तथा कस्बों में भवन निर्माण कामगारों को योजना के अन्तर्गत शामिल करने के लिए चिकित्सा व्यवस्था के कार्य में तेजी लानी चाहिए। दिनांक 13 तथा 14 दिसम्बर, 1980 को हुई स्थायी समिति तथा क० रा० बी० निगम की बैठकों में भी मामले पर विचार किया गया था जिनमें सदस्यों ने इच्छा व्यक्त की कि क० रा० बी० योजना के अन्तर्गत व्याप्ति के विस्तार के लिए आवश्यक कार्रवाई आरम्भ करने के लिए राज्य सरकारों पर जोर दिया जाना चाहिए। उपयुक्त अनुसरण में योजना तथा श्रम मन्त्री, जो क० रा० बी० निगम के अध्यक्ष भी है, ने क० रा० बी० योजना के विस्तार के काम में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर देने के लिए राज्यों के मुख्य मन्त्रियों को स्वयं अर्ध सरकारी पत्र लिखे ताकि सामाजिक सुरक्षा का लाभ योजना के अधीन व्याप्ति के पात्र सभी व्यक्तियों को कम से कम समय में मिल सके। आशा है कि अगले वर्ष के दौरान योजना के विस्तार की गति में सुधार होगा।

भारत सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत पात्र कामगारों पर योजना व्याप्ति के विस्तार की प्रगति का पुनरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की एक स्थायी समिति का भी गठन किया है जिसके श्रम मन्त्रालय के अतिरिक्त सचिव अध्यक्ष है और राज्यों/संघ राज्यों में क० रा० बी० अधिनियम से संबंधित सचिव सदस्य हैं। योजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए इस समिति की बैठक कम से कम एक बार प्रत्येक वर्ष फरवरी, में क० रा० बी० निगम की बैठक के तुरन्त पूर्व होती। परिवारों पर चिकित्सा देख रेख का विस्तार ।

1.9 कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ के कुछ क्षेत्रों में 34 नये कार्यान्वित क्षेत्रों में लगभग 59,500 अतिरिक्त परिवार ( बीमाकृत व्यक्ति ) एककों, यानी लगभग 2,30,860 अतिरिक्त लाभाधिकारियों पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया। इस के ब्यौरे परिशिष्ट-1 के भाग-क में दिये गये है। वर्ष के अन्त में चिकित्सा देख-रेख के लिये योजना के अन्तर्गत आये परिवार ( बीमाकृत व्यक्ति ) एककों की कुल संख्या लगभग 71,61,800 यानी बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों और स्थापनाओं के नये वर्गों के अन्तर्गत आये व्यक्तियों सहित लगभग 2,77,87,800 थी।

2. अस्पताल में भर्ती

(i) चालू किये गये क० रा० बी० अस्पताल तथा अनैक्सियां :

(i) वर्ष के दौरान तीन और क० रा० बी० अस्पताल चालू किये गये जिनमें से एक 650 बिस्तर वाला अस्पताल 19-8-1981 से कांदीवली ( महाराष्ट्र) में, एक 50 बिस्तर वाला अस्पताल वेल्लोर (तमिलनाडु) में तथा एक 150 बिस्तर वाला अस्पताल 31-1-81 से कल्याणी आसनसोल (पश्चिमी बंगाल) में चालू किया गया । इसके अलावा वर्ष के दौरान 2 अनैक्सियां, 24 बिस्तर वाली एक गोरखपुर ( उत्तर प्रदेश) में तथा 16 बिस्तर वाली दूसरी राजनगपुर (उड़ीसा) में भी चालू की गई।

इन संस्थानों में बनाए गए बिस्तरों की संख्या निम्न प्रकार है :—

| परियोजना का स्वरूप | परियोजनाओं की संख्या | बनाए गए बिस्तरों की संख्या | |
|---|---|---|---|
| | | सामान्य | क्षय रोग |
| अस्पताल . . | 70 | 13,482 | 1,470 |
| अनैक्सियां . | 35 | 404 | 306 |
| जोड़ . . | | 13,886 | + 1,776 |
| | | | = 15,662 |

इन अस्पतालों तथा अनैक्सियों के ब्यौरे परिशिष्ट-2 में दिये गये हैं :—

(ii) निर्माणाधीन क० रा० बी० अस्पताल तथा अनैक्सियां :

31-3-1981 को निम्नलिखित क० रा० बी० अस्पताल तथा अनैक्सियां निर्माणाधीन थी :—

| क्रम संख्या | स्थान तथा राज्य | बिस्तरों की संख्या | | अभ्युक्तियां |
|---|---|---|---|---|
| | | सामान्य | क्षय रोग | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| अस्पताल | | | | |
| 1. | राजाहमुन्दरी (आन्ध्र प्रदेश) . . | 50 | — | |
| 2. | गौहाटी ( असम ) . | 50 | — | |
| 3. | आदित्यपुर ( बिहार ) . | 50 | — | |
| 4. | फुलवारी शरीफ, पटना (बिहार) . . | 50 | — | |
| 5. | बड़ौदा ( गुजरात ) . | 200 | — | |
| 6. | सूरत ( गुजरात ) . | 150 | — | |
| 7. | कलोल ( गुजरात ) . | 50 | — | |
| 8. | राजकोट ( गुजरात ) . | 50 | — | |
| 9. | मैसूर ( कर्नाटक ) . | 100 | — | |
| 10. | इन्दिरा नगर, बंगलौर ( कर्नाटक . | 300 | — | |
| 11 | थाने, बम्बई ( महाराष्ट्र) | 632 | — | |
| 12. | शोलापुर ( महाराष्ट्र ) | 120 | — | |
| 13. | कोटा ( राजस्थान) | 60 | — | |
| 14 | नैनी ( इलाहाबाद) (उत्तर प्रदेश ) . . | 100 | — | |
| 15. | आगरा ( उत्तर प्रदेश ) | 100 | — | |
| 16. | गाजियाबाद ( उत्तर प्रदेश) | 100 | — | |
| 17. | लखनऊ (उत्तर प्रदेश ) . | 100 | — | |
| 18. | सहारनपुर ( उत्तर प्रदेश) | 50 | — | |
| 19. | बण्डेल ( पश्चिमी बंगाल) | — | 250 | |
| | जोड़ | 2,252 | + 250 | = 2,502 |
| | बंगलौर ( कर्नाटक ) ( मौजूदा अस्पताल में निर्माणाधीन बिस्तर ) | 40 | — | |
| | पांडु नगर, कानपुर (उत्तर-प्रदेश ) . ( मौजूदा अस्पताल में निर्माणाधीन बिस्तर) | 100 | — | |
| | जोड़ . | 2,392 | + 250 | = 2,642 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| अनैक्सियां। | | | | |
| 1. | तिनसुखिया ( असम ) . | 20 | -- | |
| 2. | पिंजोर ( हरियाणा ) . | 12 | -- | |
| 3. | गुलबर्गा ( कर्नाटक ) . | 20 | -- | |
| 4. | रोबर्ट-सोनपेट, के० जी० एफ० ( कर्नाटक ) . | 32 | -- | |
| 5. | सीतापुर ( उत्तर प्रदेश) | 24 | -- | |
| 6. | उन्नाव (उत्तर प्रदेश) . | 12 | -- | |
| 7 | इटावा ( उत्तर प्रदेश) . | 12 | -- | |
| | जोड़ . | 132 | -- | |

(iii) मंजूर किए गए अस्पताल तथा अनैक्सियां :

निम्नलिखित अस्पतालों तथा अनैक्सियों के नक्शे तथा प्राक्कलन मंजूर हो चुके है लेकिन निर्माण कार्य अभी तक शुरु नही हुआ है :—

| क्र० सं० | स्थान तथा राज्य | बिस्तरों की संख्या | |
|---|---|---|---|
| अस्पताल | | सामान्य | क्षय रोग |
| 1. | रांची ( बिहार ) . . . | 50 | -- |
| 2 | थोट्टाडा ( केरल ) . . | 50 | -- |
| 3. | फेरोक ( केरल ) . . . | 100 | -- |
| 4. | वाराणसी ( उत्तर प्रदेश ) . . | 50 | -- |
| 5. | ठाकुर-पुकुर ( पश्चिमी बंगाल) . | 250 | -- |
| | जोड़ . . | 500 | -- |
| अनैक्सियां | | | |
| 1. | कोईल्वेर ( बिहार ) . . | -- | 20 |

(iv) सिद्धान्त रूप में मान लिये गये अस्पताल :

निम्नलिखित क० रा० बी० अस्पतालों का निर्माण सिद्धान्त रूप में मान लिया गया है। कुछ मामलों में भूमि का अर्जन/क्रय भी कर लिया गया है।

| क्र० संख्या | स्थान तथा राज्य | बिस्तरों की संख्या | अभ्युक्तियां |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | क० रा० बी० अस्पताल, हैदराबाद ( आन्ध्र प्रदेश ) | 200 | |
| 2 | 2. क० रा० बी० अस्पताल, बिहारशरीफ ( बिहार ) . . . | 50 | |
| 3. | क० रा० बी० अस्पताल, सिमाल-तल्ला ( बिहार ) | 50 | |
| 4. | क० रा० बी० अस्पताल, शिलमिल, दिल्ली | 200 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 5 | क० रा० बी० अस्पताल, दक्षिणी दिल्ली | 200 | |
| 6. | क० रा० बी० अस्पताल (क्षय रोग) दिल्ली | 150 | |
| 7. | क० रा० बी० अस्पताल, भावनगर, (गुजरात ) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 8. | क० रा० बी० अस्पताल, नादियाड, (गुजरात ) | 50 | |
| 9. | क० रा० बी० अस्पताल, पोरबन्दर (गुजरात ) | 50 | |
| 10. | क० रा० बी० अस्पताल, जामनगर (गुजरात ) | 50 | |
| 11. | क० रा० बी० अस्पताल, पेटलाद (गुजरात ) | 50 | |
| 12. | क० रा० बी० अस्पताल, अहमदाबाद (गुजरात ) | 500 | |
| 13. | क० रा० बी० अस्पताल, वापी (गुजरात ) | 50 | |
| 14. | क० रा० बी० अस्पताल, कैम्बे (गुजरात ) | 50 | |
| 15. | क० रा० बी० अस्पताल, बल्लभगढ़ (हरियाणा ) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 16. | क० रा० बी० अस्पताल, बहादुरगढ़ ( हरियाणा ) | 50 | |
| 17. | क० रा० बी० अस्पताल, गुड़गांव ( हरियाणा ) | 50 | |
| 18. | क० रा० बी० अपस्तपाल, भिवानी (हरियाणा ) | 50 | |
| 19. | क० रा० बी० अस्पताल, दावगेरे ( कर्नाटक ) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 20 | क० रा० बी० अस्पताल, हुबली (कर्नाटक ) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 21. | क० रा० बी० अस्पताल, बेलगाव (कर्नाटक ) | 50 | |
| 22. | क० रा० बी० अस्पताल, पालघाट केरल) | 50 | |
| 23. | क० रा० बी० अस्पताल, भोपाल (मध्य प्रदेश ) | 50 | |
| 24. | क० रा० बी० अस्पताल, जबलपुर ( मध्य प्रदेश ) | 50 | |
| 25 | क० रा० बी० अस्पताल, नागदा ( मध्य प्रदेश ) | 50 | |
| 26. | क० रा० बी० अस्पताल, औरंगाबाद ( महाराष्ट्र ) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 27. | क० रा० बी० अस्पताल, नासिक (महाराष्ट्र ) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 28. | क० रा० बी० अस्पताल, विवेकवी, पूना ( महाराष्ट्र ) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 29. | क० रा० बी० अस्पताल, चिंचवाद, पूना ( महाराष्ट्र ) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 30. | क० रा० बी० अस्पताल, कोल्हापुर ( महाराष्ट्र ) | 100 | |
| 31. | क० रा० बी० अस्पताल, राउरकेला, (उड़ीसा ) | 25 | |
| 32. | क० रा० बी० अस्पताल, मंडीगोविंद-गढ़ ( पंजाब ) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है । |
| 33 | क० रा० बी० अस्पताल, फगवाड़ा ( पंजाब ) | 50 | |
| 34. | क० रा० बी० अस्पताल, ( क्षय रोग ) लुधियाना ( पंजाब ) | 100 | |
| 35. | क० रा० बी० अस्पताल, मोहाली ( पंजाब ) | 25 | |
| 36. | क० रा० बी० अस्पताल, राजपुरा ( पंजाब ) | 25 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 37. | क० रा० बी० अस्पताल, पाली (राजस्थान) | 50 | |
| 38. | क० रा० बी० अस्पताल, जोधपुर (राजस्थान) | 50 | |
| 39. | क० रा० बी० अस्पताल, सेलम (तमिलनाडु) | 50 | |
| 40 | क० रा० बी० अस्पताल, बरेली (उत्तर प्रदेश) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 41. | क० रा० बी० अस्पताल, पिपरी (उत्तर प्रदेश) | 50 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 42. | क० रा० बी० अस्पताल, जाजमऊ (उत्तर प्रदेश) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 43. | क० रा० बी० अस्पताल, किदवई-नगर कानपुर (उ० प्र०) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 44 | क० रा० बी० अस्पताल, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) | 50 | |
| 45. | क० रा० बी० अस्पताल, हरिद्वार (उत्तर प्रदेश) | 50 | |
| 46. | क० रा० बी० अस्पताल, नोएडा (उत्तर प्रदेश) | 200 | |
| 47. | क० रा० बी० अस्पताल, दुर्गापुर (पश्चिमी बंगाल) | 100 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 48 | क० रा० बी० अस्पताल, श्यामनगर (पश्चिमी बंगाल) | 250 | भूमि खरीदी जा चुकी है। |
| 49. | क० रा० बी० अस्पताल, गार्डन रीच (पश्चिमी बंगाल) | 100 | |
| | जोड़ | 4,225 | |
| | मौजूदा क० रा० बी० अस्पताल, जयपुर (राजस्थान) में | 111 | |
| | कुल जोड़ : | 4,336 | |

(v) वर्ष के अन्त तक देश भर में 210 क० रा० बी० औषधालय तथा 2 प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय निगम के अपने भवनों में चल रहे थे। 48 औषधालय तथा (प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी के एक कार्यालय सहित) निर्माणाधीन थे तथा 8 क० रा० बी० औषधालयों की मंजूरी का अनुमान लगाया गया है और निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

(vi) 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार क० रा० बी० योजना के पूंजीगत निर्माण कार्य के लिये मंजूर की गई राशि निम्न प्रकार है :—

| परियोजनाओं का वर्ग | 31-3-1980 की स्थिति के अनुसार मंजूर की गई राशि | 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार मंजूर की गई राशि |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | (लाख रुपयों में) | (लाख रुपयों में) |
| (क) अस्पताल/अनैक्सिया/औषधालय/उपस्कर तथा स्टाफ क्वार्टर आदि | 8,451.14 | 9,079.91 |
| (ख) महाराष्ट्र सरकार को ऋण | 362.15 | 362.15 |
| (ग) सहायता अनुदान (एम० जी० एम० अस्पताल, बम्बई) | 100.00 | 100.00 |
| (घ) निगम के कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर | 799.15 | 821.39 |
| जोड़ | 9,712.44 | 10,363.45 |

3 कर्मचारियों के परिवारों को चिकित्सा देख-रेख का स्वरूप परिवार (कर्मचारी) एकको को प्रदान की गई चिकित्सा देख-रेख के स्वरूप के संबंध में राज्यवार स्थिति परिशिष्ट-3 में दी गई है।

समितियां आयोग तथा सम्मेलन

4. निगम

क० रा० बी० निगम की 13 दिसम्बर, 1980, 14 दिसम्बर, 1980, तथा 7 फरवरी, 1981 को तीन बैठकें हुई। इन बैठकों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

5. स्थायी समिति

क० रा० बी० निगम की स्थायी समिति की 11 जुलाई, 1980, 28 अगस्त, 1980, 14 दिसम्बर, 1980 तथा 6 फरवरी, 1981 को चार बैठकें हुई। इन बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-5 में दिए गए है।

6. चिकित्सा हितलाभ परिषद

चिकित्सा हितलाभ परिषद की 5-10-1980 को एक बैठक हुई। परिषद की महत्वपूर्ण सिफारिशें परिशिष्ट-6 में दी गई है।

7 क्षेत्रीय बोर्ड

वर्ष के अन्त में 18 क्षेत्रीय बोर्ड मौजूद थे। वर्ष के दौरान आयोजित की गई विभिन्न क्षेत्रीय बोर्डों की बैठकों की संख्या नीचे दी गई है :—

| क्षेत्रीय बोर्ड का नाम | बैठकों की संख्या | बैठक की तारीख |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. आन्ध्र प्रदेश | — | — |
| 2. असम | 1 | 18-2-81 |
| 3. बिहार | 1 | 4-2-81 |
| 4. दिल्ली | — | — |
| 5. गुजरात | — | — |
| 6. हरियाणा | 1 | 1-10-80 |
| 7 कर्नाटक | 4 | 28-4-80<br>2-6-80<br>20-9-80<br>तथा<br>13-2-82 |
| 8. केरल | 2 | 24-7-80<br>तथा<br>12-12-80 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 9. मध्य प्रदेश . . | 1 | 26-3-81 |
| 10. महाराष्ट्र . . | 1 | 22-8-80 |
| 11. उड़ीसा . . . | 1 | 15-1-81 |
| 12 पंजाब . . . | 1 | 8-9-80 |
| 13. पांडिचेरी . . | 1 | 5-1-81 |
| 14. राजस्थान . . | — | — |
| 15. तमिलनाडु . . | 2 | 27-8-80 तथा 17-12-80 |
| 16 उत्तर प्रदेश . . | 2 | 31-7-80 तथा 6-1-81 |
| 17. पश्चिमी बंगाल . . | — | — |
| 18. गोवा, दमन तथा दीव . | — | — |

8 स्थानीय समितियां

कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-क के अधीन वर्ष के अन्त तक 207 स्थानीय समितियों का गठन हो गया था।

9. चिकित्सा सेवा और विनिधान समितियां

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चिकित्सा सेवा समिति तथा विनिधान समिति द्वारा किये गये कार्य के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं:—

| क्र० सं० | राज्य का नाम | बैठकों की संख्या | सूची में शामिल किये गये मामलों की संख्या | बकाया मामलों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | गुजरात . . | 8 | 0 | 0 |
| 2 | बृहत्तर बम्बई . . | 0 | 217 | 217 |
| 3. | पूना (पश्चिमी महाराष्ट्र) | 8 | 13 | 11 |
| 4. | पंजाब . . | — | 58 | 0 |
| 5. | पश्चिमी बंगाल . | 0 | 0 | 0 |

10. सामान्य प्रयोजन उप-समिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सामान्य प्रयोजन-उप-समिति ने 21-4-1980 से 25-4-1980 तक बिहार 4-8-1980 से 9-8-1980 तक तमिलनाडु 21-2-1981 से 23-2-1981 तक हरियाणा 24-2-1981 से 26-2-1981 तक पंजाब तथा 27-2-1981 से 28-2-1981 तक संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ का दौरा किया और इन राज्यों संघ राज्य क्षेत्र में चालू विभिन्न कर्मचारी राज्य बीमा संस्थानों का निरीक्षण किया।

11. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यचालन का पुनरीक्षण करने के लिये समिति

भारत सरकार ने राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, बम्बई के प्रैसीडैन्ट श्री वी० आर० होशिंग की अध्यक्षता में चिकित्सा तथा अन्य हितलाभों के प्रशासन की ओर विशेष ध्यान देते हुए कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यचालन का पुनरीक्षण करने तथा इनमें सुधार लाने की सिफारिश करने के लिये एक समिति का गठन किया है। समिति से क० रा० बी० योजना को देय बकाया अंशदानों की स्थिति का पुनरीक्षण करने और इनकी वसूली के उपाय सुझाने तथा भविष्य में ऐसे बकायों के इकट्ठा होने से बचने के सुझाव देने का भी निवेदन किया गया है।

**प्रशासन**

12 क्षेत्रीय संगठन

31 मार्च, 1981 की स्थिति के अनुसार सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कुल मिलाकर 15 क्षेत्रीय कार्यालय, 2 उपक्षेत्रीय कार्यालय, 372 स्थानीय कार्यालय, 99 लघु स्थानीय कार्यालय 1 उप-स्थानीय कार्यालय और 235 भुगतान कार्यालय कार्य कर रहे थे।

13. कर्मचारियों की संख्या

31 मार्च, 1981 को निगम में अधिकारियों की कुल प्राधिकृत संख्या (निदेशालय) चिकित्सा (दिल्ली/कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय/कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल दिल्ली को छोड़कर) 10,675 थी जबकि 31 मार्च, 1980 को यह संख्या 10334 थी। 31 मार्च, 1981 को मुख्यालय तथा विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों की संख्या परिशिष्ट-7 (भाग-1) में दिखाई गई है। निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल/कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, दिल्ली के कार्यालयों के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों की संख्या परिशिष्ट-7 के भाग-2 में दिखाई गई है।

14. कर्मचारियों का स्थायीकरण

वर्ग "क" तथा "ख" पदों पर अधिकारियों को स्थायी करने की कार्रवाई संघ लोक आयोग के परामर्श से की गई है। अधिकांश क्षेत्रों/कार्यालयों में स्थायी रूप से मंजूर पदों पर वर्ग "ग" तथा "घ" के कर्मचारियों को स्थायी कर दिया गया है। बाकी कार्यालयों में कर्मचारियों को स्थायी करने की कार्रवाई की जा रही है।

15. कर्मचारियों में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व

सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए ऐसा आरक्षण किया जाता है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के आधार पर समय-समय पर निर्धारित किया जाये। कर्मचारियों की कुल संख्या तथा उनमें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के सदस्यों से सीधी भर्ती से भिन्न भरी गई आरक्षित रिक्तियों की संख्या तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के सदस्यों से सीधी भर्ती द्वारा भरी गई रिक्तियों की संख्या से संबंधित सूचना क्रमशः परिशिष्ट 8 के भाग 1, 2 तथा 3 में दी गई है।

16 कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों के लिये अवकाश गृह

निगम कर्मचारियों तथा उनके अपने परिवारों को स्वास्थ्यवर्धक स्थानों पर तथा स्वस्थ वातावरण में छुट्टी बिताने की सुविधा देने की दृष्टि से निम्नलिखित स्थानों में से प्रत्येक पर एक-एक के हिसाब से चार अवकाश गृहों की स्थापना करने का निर्णय किया गया था:—

1. उत्तरी जोन —शिमला
2. पूर्वी जोन —पुरी
3. पश्चिमी जोन —पणजी
4. दक्षिणी जोन —ऊटकमण्ड

उपर्युक्त 4 अवकाश गृहों में से शिमला तथा पुरी में अवकाश गृह चालू हो गये हैं।

17. कर्मचारी राज्य बीमा निगम में हिन्दी का उत्तरोत्तर प्रयोग

निगम के कार्यालय में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग केलिए समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्रवाई की गई :—

1 मुख्यालय में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग की देखभाल मुख्यालय के हिन्दी अनुभाग द्वारा की जा रही है।

2 सभी हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी राज्यों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियां पहले से ही कार्य कर रही हैं और हिन्दी कार्य की प्रगति का पुनरीक्षण करने तथा समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के कार्यान्वयन के लिये इन समितियों की नियमित बैठकें की जा रही हैं।

3. विशेषकर हिन्दी भाषी राज्यों में काफी मात्रा में पत्र व्यवहार हिन्दी में किया जा रहा है तथा हिन्दी में प्राप्त अपीलों, अभिवेदनों आदि का उत्तर हिन्दी में दिया जाता है।

4. सभी हिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी टाइपराइटरों की आवश्यक व्यवस्था कर दी गई है। आवश्यकताओं का समय-समय पर पुनरीक्षण किया जाता है तथा अतिरिक्त हिन्दी टाइपराइटरों की आवश्यकता होने पर कार्यालयों में इनकी व्यवस्था की जाती है। अहिन्दी भाषी राज्यों में स्थित प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय के लिये भी कम से कम एक हिन्दी टाइपराइटर की व्यवस्था कर दी गई है।

5. अधिकांश फार्म द्विभाषी रूप में छपवा लिये गये हैं। नियमों तथा नियम पुस्तकों आदि के अनुवाद के प्रबंध किये जा रहे हैं। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द तथा सेवा की शर्तें) विनियम, 1959 को द्विभाषी रूप में छपवा लिया गया है तथा निगम के मुख्य तथा लघु लेखा शीर्षों की सूची द्विभाषी रूप में छपवाई जा रही है। कर्मचारी राज्य बीमा नियम पैंगन तथा स्थानीय कार्यालय नियम पुस्तकों का अनुवाद भी किया जा चुका है।

6. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 31 हिन्दी कार्यशालाओं, यानी मुख्यालय में छह, निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली, क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर, जयपुर तथा अहमदाबाद में तीन-तीन, क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ में पांच, क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर में सात तथा क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई में 1 कार्यशाला का आयोजन किया गया। अब तक कुल मिलाकर 95 कार्यशालाएं चलाई गई है। जिनमें लगभग 1600 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अधिक हिन्दी कार्यशालाओं के आयोजन के प्रयास किये जा रहे है। अहिन्दी भाषी राज्यों में स्थित कार्यालयों को भी, यदि वे चाहें तो हिन्दी भाषी क्षेत्रों में आयोजित कार्यशालाओं के आधार पर हिन्दी कार्यशालायें चलाने की अनुमति दे दी गई है।

7. विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी के कार्य के लिये आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था कर दी गई है।

8. इस विभाग की खुली तथा सीमित (विभागीय) भर्ती परीक्षाओं में निम्न श्रेणी लिपिकों की भर्ती परीक्षा तथा निम्न श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक की पदोन्नति परीक्षाओं के लिये प्रश्न-पत्रों को (अंग्रेजी के प्रश्न पत्र को छोड़कर) द्विभाषी रूप में छपवाने की व्यवस्था कर दी गई है। उम्मीदवारों के प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में या हिन्दी में देने का विकल्प है। बीमा निरीक्षकों के पदों पर भर्ती के लिये गणित के प्रश्न-पत्र में हिन्दी के वैकल्पिक प्रयोग की अनुमति दे दी गई है। यह प्रश्न-पत्र भी द्विभाषी रूप में छपवाया जाता है। बीमा निरीक्षकों के पद पर भर्ती के लिये सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र के लिये भी अगली परीक्षा से हिन्दी के वैकल्पिक प्रयोग की अनुमति देने का निर्णय किया गया है।

9 अब तक निगम के ग्यारह कार्यालय राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10 (4) के अन्तर्गत अधिसूचित किये जा चुके हैं जिसका अभिप्राय है कि इन कार्यालयों के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

10 हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित निगम कार्यालयों के साथ हिन्दी में मूल पत्राचार में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

11. निगम के सांख्यिकीय सार, वार्षिक रिपोर्ट, अधिसूचनायें, बजट तथा वार्षिक लेखे और टेंडर नोटिस द्विभाषी रूप में छपवाये/जारी किये जा रहे हैं। करार, लाइसेंस, परमिट आदि भी द्विभाषी रूप में जारी करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

12. लगभग सभी रबड़ की मोहरें द्विभाषी रूप में अथवा हिन्दी तथा अंग्रेजी में अलग-अलग बनवा ली गई हैं।

13. राजभाषा नियमों के उपबंधों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर चैक-प्वाइंट निर्धारित किये जाते हैं। सामान्य आदेश अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों भाषाओं में जारी करने की व्यवस्था कर दी गई है।

14. मुख्यालय में तथा हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में सेवा पुस्तकों में प्रविष्टियां हिन्दी में की जा रही हैं।

15. हिन्दी भाषी क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों आदि को भेजे जाने वाले लिफाफों पर पते हिन्दी में लिखे जा रहे हैं।

16 निम्न श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक खजांचियों के प्रशिक्षण के लिये निगम के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भारत सरकार की राजभाषा नीति से संबंधित एक व्याख्यान दिया जाता है।

18 संगठन एवं पद्धति अध्ययन

रिपोर्ट से संबंधित अवधि के दौरान निगम के संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने निगम कार्यालयों में प्रयोग के लिये अपनी "सामान्य कार्यालय पद्धति" नामक "नियम पुस्तिका" तैयार की। गृह व्यवस्था कार्यों तथा मूल कार्यों के लिये एक "अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची" भी तैयार की गई और निगम कार्यालयों में प्रयोग के लिये परिचालित की गई। विभिन्न प्रकार की रिपोर्टों और विवरणियों के मानकीकरण की दृष्टि से स्थानीय कार्यालयों से क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों से मुख्यालय को भेजी जाने वाली रिपोर्टों तथा विवरणियों की जांच की। संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने निगम कार्यालयों में प्रयोग में आने वाले एकसमीरोज के फार्मों की यार्डस्टिक का पुनरीक्षण किया।

"सांख्यिकीय आंकड़ों के समेकन तथा रख-रखाव के संत्र को सुदृढ़ करने तथा "दीर्घकालीन हितलाभों से संबंधित आंकड़ों के यंत्रीकरण" से संबंधित कार्य पिछले वर्ष शुरू किया गया था। इससे संबंधित कार्य पूरा कर के रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

इस प्रभाग की सिफारिशों पर निगम के सभी क्षेत्रों में अंशदान टिकटों के स्थान पर अंशदान की नकद अदायगी लागू की गई। इसके बाद इस प्रणाली के अन्तर्गत परिशोधित मानक तथा मानदण्ड निर्धारित करने के लिए नकद अंशदान की प्रणाली का व्यापक अध्ययन किया गया। इसके अलावा अंशदान कार्ड समाप्त करने के लिये एक अन्य महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया और अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

बीमांकन शाखा की तिमाही रिपोर्ट को नया रूप दिया गया।

संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने ऐसे क्षेत्रों में स्टाफ के लिए भारतीय फार्मूला के पुनरीक्षण की दृष्टि से क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली की राजस्व वसूली शाखाओं का अध्ययन किया जिनमें धारा 1 (5) के अन्तर्गत आने कर्मचारियों के अनुपात में नियोजकों की संख्या अधिक है और कर्मचारियों की कम।

स्थानीय कार्यालयों में मनीआर्डर प्रणाली के अन्तर्गत निम्न श्रेणी लिपिकों/उच्च श्रेणी लिपिकों तथा उच्च श्रेणी लिपिक खजांची के मानक भी बनाये गये।

क्षेत्रीय कार्यालय की राजस्व वसूली शाखाओं में अभिलेख रखने के बारे में कार्यकारी ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर अतिरिक्त कार्य-भार के प्रमाणन के लिये कार्य अध्ययन भी किया गया।

19. सुझाव पुरस्कार योजना

सुझाव पुरस्कार योजना के अधीन सुझावों की संवीक्षा करने के लिये बनाई गई केन्द्रीय समिति ने प्रयोजकों से प्राप्त विभिन्न सुझावों पर विचार किया तथा निम्नलिखित मामलों में प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये :—

(1) श्री जे० राजारेथिनम, निम्न श्रेणी लिपिक, स्थानीय कार्यालय, पालकारिया हेम रोड, तमिलनाडु को बीमाकृत व्यक्तियों से संबंधित विभिन्न रिकार्ड स्थानीय कार्यालयों/क्षेत्रीय कार्यालयों को अन्तरित करने की सुविधा की दृष्टि से स्थानीय कार्यालयों/क० रा० बी० औषधालयों/बीमा चिकित्सा व्यावसायियों आदि के पते संकलित करने से संबंधित सुझाव पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

(2) श्री के० गोविन्दा, प्रधान लिपिक स्थानीय कार्यालय, शिवाजीनगर, पूना को बीमाकृत व्यक्तियों द्वारा स्थानीय कार्यालय बदलने तथा मुद्रित दस्तावेजों पर विभिन्न प्रकार के परिवर्तन करने के संबंध में स्थानीय कार्यालय नियम पुस्तक के पैरा 1.84 (1) में संशोधन के प्रस्ताव के सुझाव पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।

(3) श्री जी० रामा राव, उच्च श्रेणी लिपिक स्थानीय कार्यालय, कान्डिविली, बम्बई को विनियम 13 के अंतर्गत अंशदान, कार्ड (फार्म 2) के कालम "में टिकटों" के स्थान पर "अंशदान" शब्द जोड़ने के सुझाव पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

(4) श्री तिलक चन्द्र दास, उच्च श्रेणी लिपिक क्षेत्रीय कार्यालय गोहाटी को अन्य नजदीकी क्षेत्रों, यानी नागालैण्ड, मेघालय, मणीपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश आदि में योजना के विस्तार को ध्यान में रखते हुए असम क्षेत्र के संबंध में बीमा संख्याओं के ब्लाक के आबंटन के लिये कार्यविधि अपनाने के सुझाव पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

20. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान तथा नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई और बंगलौर में स्थापित किये गये चार जोनल प्रशिक्षण संस्थानों ने निगम के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिये नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान ने स्थानीय कार्यालय प्रबन्धकों तथा बीमा निरीक्षकों के लिये बम्बई, बंगलौर, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा हैदराबाद में 7 अभिविन्यास (ओरियन्टेशन) प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें 135 अधिकारियों ने भाग लिया। इन पाठ्यक्रमों में प्रायः 4 या 5 नजदीकी क्षेत्रों के फील्ड अधिकारी भाग लेते हैं और इनमें भाग लेने वाले अधिकारियों के ज्ञान को अद्यतन करने के अलावा स्वतन्त्र विचार विमर्श तथा समस्या समाधान सत्रों के आधार की व्यवस्था की गई।

सितम्बर, 1980 में निगम के मध्य प्रबन्ध स्तर के अधिकारियों के लिये नई दिल्ली में एक "सेवाकालीन" अभिविन्यास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 21 उप क्षेत्रीय निदेशकों/लेखा अधिकारियों/सहायक क्षेत्रीय निदेशकों/अनुभाग अधिकारियों आदि ने भाग लिया। इसमें कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत कार्यविधियों तथा संबंधित समस्याओं पर विचार करने के अलावा अधिकारियों को कुछ आधुनिक प्रबन्ध तकनीकों तथा सतर्कता पद्धति पर भी व्याख्यान दिये गये।

सितम्बर, 1980 फरवरी, तथा मार्च, 1981 में इन्दौर तथा नई दिल्ली में बीमा चिकित्सा अधिकारियों के लिए 3 सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें 60 बीमा चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया।

निम्न श्रेणी लिपिकों/उच्च श्रेणी लिपिकों/खजांचियों/प्रभारी उच्च श्रेणी लिपिकों/प्रधान लिपिकों के लिये विभिन्न केन्द्रों पर 38 "सेवाकालीन" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें 697 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। निम्न श्रेणी लिपिकों के लिये जोनल प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा 13 "प्रारम्भिक" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें 298 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अलावा 9 विशेष संक्षिप्त "प्रारम्भिक" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें 190 नये भर्ती किये गये। निम्न श्रेणी लिपिकों ने भाग लिया।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कुल मिलाकर निगम के 1341 अधिकारियों तथा कर्मचारियों और 60 बीमा चिकित्सा अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मलेशिया सरकार के सामाजिक सुरक्षा संगठन के 6 अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 24-10-80 से 24-11-80 तक क० रा० बी० योजना में प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें विशेष रूप से बीमारी हितलाभ, प्रसूति हितलाभ तथा चिकित्सा हितलाभ पर जोर दिया गया।

अंशदानों की नकद अदायगी प्रणाली प्रारम्भ करने के कारण रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान जोनल प्रशिक्षण अधिकारी ने नियोजकों के प्रतिनिधियों के लाभ के लिये कर्नाटक क्षेत्र में मंगलौर में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र की व्यवस्था की जिसमें 41 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नागलोई औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली के उद्यमियों की प्रार्थना पर उनके लिये भी एक दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 26 नियोजकों ने भाग लिया।

इसके अलावा केन्द्रीय श्रम संस्थान बम्बई द्वारा दिसम्बर, 1980 मास में आयोजित "संगठन तथा प्रशासन प्रशिक्षण" पर निगम के 3 अधिकारियों ने पाक्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

21. प्रचार

प्रैस, रेडियो तथा टेलिविजन के माध्यम से योजना का प्रचार किया गया और योजना की प्रगति तथा उपलब्धियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। आकाशवाणी के विभिन्न स्टेशनों से योजना पर वार्ताएं प्रसारित की गई। विभिन्न केन्द्रों पर निगम के अधिकारियों ने कामगारों, नियोजकों तथा प्रशिक्षणार्थियों को लैक्चर दिये। शिक्षाप्रद प्रचार के भाग के रूप में "आप और आपकी योजना" नामक पुस्तिका का वितरण किया गया जो विशेष तौर पर बीमाकृत व्यक्तियों को उनके अधिकार तथा दायित्व और हितलाभों का दावा करने की कार्यविधि का ज्ञान कराती है।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फिल्म प्रभाग की सहायता से "कामगारों की सुरक्षा" नामक कर्मचारी राज्य बीमा योजना पर वृत्त चित्र का निर्माण किया गया था। कामगारों में विशेष प्रचार के लिए निगम द्वारा 16 मिलीमीटर रंगीन आकार में 8 प्रिंट दो अंग्रेजी, एक-एक तमिल, तेलगू, बंगाली, मलयालम, कन्नड़ तथा असमिया में प्राप्त किये गये। 16 मि० मी० रंगीन आकार में हिन्दी के 2 प्रिंट प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

22. विस्तार क्षेत्र

योजना के अंतर्गत शामिल किए गए कर्मचारियों आदि की संख्या (परिशिष्ट 9 तथा 10)

परिशिष्ट 9 तथा 10 में योजना के विस्तार क्षेत्र संबंधी ब्यौरे (रोजगार के अतिरिक्त क्षेत्रों को मिलाकर) दिए गए है । 31-3-81 को योजना के अंतर्गत 75,858 नियोजक शामिल थे जबकि एक वर्ष पहले इसमें 67,807 नियोजक थे । इनमें से 71, 614 नियोजक कार्यान्वित केन्द्रों में थे । पिछले वर्ष तदनुरूपी संख्या 64,600 थी । शेष 4,244 नियोजक अभी कार्यान्वित किए जाने वाले क्षेत्रों में हैं । कार्यान्वित केन्द्रों में कर्मचारियों की कुल संख्या 63.32 लाख थी । अभी कार्यान्वित किए जाने वाले क्षेत्रों में कर्मचारियों की संख्या 8.66 लाख थी । डाक्टरी इलाज के लिए हकदार बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या 71.62 लाख तथा परिवार बीमाकृत व्यक्ति एककों की संख्या 71.62 लाख थी । कुल मिलाकर 31-3-81 को डाक्टरी इलाज के लिए हकदार लाभाधिकारियों की कुल संख्या (बीमाकृत व्यक्तियों को मिलाकर) लगभग 2,77,88 लाख थी ।

"कर्मचारी" "बीमाकृत व्यक्ति" तथा "लाभाधिकारी" शब्दों की परिभाषा

(क) किसी विशेष तारीख को "कर्मचारियों" की संख्या योजना के अंतर्गत शामिल कारखानों स्थापनाओं में प्रभावी पदों की अनुमानित संख्याक है । यह मोटे तौर पर उस तारीख के आस-पास कारखानों स्थापनाओं द्वारा प्रतिदिन नियोजित कर्मचारियों की औसत संख्या होगी और इसमें उस तारीख को वास्तव में नियुक्त कर्मचारियों की संख्या से बहुत अधिक अंतर नहीं होगा । तथापि यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी अवधि में किसी विशेष स्वीकृत पद पर वास्तव में काम करने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि किसी नियमित कामगार की अनुपस्थिति, छुट्टी आदि के दौरान उसके स्थान पर छुट्टी रिजर्व या बदली कामगार अस्थाई तौर पर कार्य कर रहे होते हैं ।

(ख) इस रिपोर्ट के प्रयोजन के लिए किसी तारीख को "बीमाकृत व्यक्तियों" की संख्या का अर्थ उन व्यक्तियों की संख्या से है जो उस तारीख को चिकित्सा हितलाभ के हकदार माने जाएं । इसके अलावा किसी दिन बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या आम तौर पर उस तारीख को काम करने वाले "कर्मचारियों" की संख्या से अधिक हो सकती है क्योंकि अधिनियम के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ की पात्रता शर्तों के अधीन किसी दिन चिकित्सा हितलाभ के हकदार व्यक्तियों में न केवल वे व्यक्ति शामिल होंगे जो उस दिन वस्तुतः नियुक्त थे बल्कि ऐसे भूतपूर्व कर्मचारी भी शामिल होंगे जो उस तारीख से पहली किसी अवधि के दौरान अंशदान की शर्तों के कारण उस तारीख को इस प्रकार के लाभ के हकदार होंगे ।

(ग) किसी तारीख को "लाभाधिकारियों" की कुल संख्या में ऐसे सभी व्यक्ति शामिल हैं जो उस तारीख को योजना के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ के हकदार माने जाएं । इसमें "बीमाकृत व्यक्ति" शामिल हैं और जहां चिकित्सा हितलाभ का विस्तार बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर किया गया है वहां उनके परिवारों के सदस्य भी शामिल है । बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों की कुल संख्या (बीमाकृत व्यक्ति को छोड़कर) प्रत्येक "बीमाकृत व्यक्ति" के लिए औसतन 2.88 सदस्य मानकर तय की जाती है ।

23. चिकित्सा देख-रेख के स्तर में सुधार । अंतरंग उपचार के लिए अस्तपाल बिस्तरों की व्यवस्था ।

1980-81 वर्ष के दौरान निम्नलिखित कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में 752 अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था की गई :—

| राज्यों के नाम | बिस्तर |
|---|---|
| 1. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बालमिया नगर (बिहार) | 24 |
| 2. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अलवाय (केरल) | 20 |
| 3. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, इडुक्कोन (केरल) | 50 |
| 4. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, ग्वालियर (मध्य-प्रदेश) | 25 |
| 5. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, उज्जैन (मध्य-प्रदेश) | 35 |
| 6. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कांडीविलि (महाराष्ट्र) | 300* |
| 7. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल , चौधवार (उड़ीसा) | 12 |
| 8. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अमृतसर (पंजाब) | 25 |
| 9. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, जयपुर (राजस्थान) | 113 |
| 10. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल , बेल्लोर (तमिलनाडु) | 50@ |
| 11. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, श्यामनसोल (पश्चिमी बंगाल) | 100@ |

31-3-81 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत कुल बिस्तरों की संख्या 19349 थी जिनके ब्यौरे परिशिष्ट XI में दिए गए है।

*650 निर्मित बिस्तरों में से केवल 300 बिस्तर चालू किए गए हैं ।
@नए चालू किए गए अस्पताल ।

24. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में भरे हुए बिस्तरों की प्रतिशतता और प्रतिदिन प्रति बिस्तर औसत आवर्ती लागत निम्न प्रकार थी :—

| क्र० सं० | अस्पताल का नाम | व्यवस्था किए गए बिस्तरों की संख्या | | | | 1980-81 वर्ष में भरे हुए बिस्तरों की प्रतिशतता | 1980-81 वर्ष में प्रतिदिन प्रति बिस्तर लागत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सामान्य | प्रसूति | क्षय रोग | जोड़ | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | **आन्ध्र प्रदेश** | | | | | | |
| 1. | कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल सुनथनगर हैदराबाद . | 270 | 40 | — | 310 | 79 प्रतिशत | 117.65@ |
| 2 | क० रा० बी० अस्पताल सीरपुर, कागजनगर . . . . | 50 | 10 | — | 60 | 100 प्रतिशत | 44.84 |
| 3 | क०रा०बी० अस्पताल, विजयवाड़ा | 80 | 16 | 14 | 110 | 92 प्रतिशत | 49.74 |
| 4. | क०रा०बी० अस्पताल, चारंगल . | 40 | 10 | — | 50 | 78 प्रतिशत | 55.94 |

| 1 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. क०रा०बी० अस्पताल, अडोमी | 40 | 10 | — | 50 | 85 प्रतिशत | 44.27 |
| 6. क०रा०बी० अस्पताल, विशाखापटनम | 94 | 16 | — | 110 | 89 प्रतिशत | 69.05 |
| **बिहार** | | | | | | |
| 7. क०रा०बी० अस्पताल, मैथोन | 100 | — | — | 100 | 88 प्रतिशत | 30.88 |
| 8. क० रा० बी० अस्पताल, मुंगेर | 30 | — | — | 30 | 63 प्रतिशत | 26.20 |
| 9. क०रा० बी० अस्पताल, डालमियानगर | 46 | 16 | 10 | 72 | 71 प्रतिशत | 25.77 |
| **दिल्ली** | | | | | | |
| 10. क० रा० बी० अस्पताल, बसईदारापुर | 310 | 90 | — | 400 | 100 प्रतिशत | 73.74 |
| **गुजरात** | | | | | | |
| 11. क०रा०बी० अस्पताल बापूनगर, अहमदाबाद | 500 | — | — | 500 | 93 ,, | 54.03 |
| 12. क०रा०बी० अस्पताल, नरोदा, अहमदाबाद | — | — | 225 | 225 | 69 ,, | 36.80 |
| **हरियाणा** | | | | | | |
| 13. क०रा०बी० अस्पताल, फरीदाबाद | 164 | — | 36 | 200 | 86 प्रतिशत | 30.87 |
| 14. क०रा०बी० अस्पताल, जगाधरी | 60 | — | — | 60 | 73 प्रतिशत | 76.23@ |
| 15. क०रा०बी० अस्पताल, पानीपत | 15 | — | 35 | 50 | 85 प्रतिशत | 93.37@ |
| **कर्नाटक** | | | | | | |
| 16. क०रा०बी० अस्पताल राजाजीनगर, बंगलौर | 335 | 35 | 44 | 414 | 111 प्रतिशत | 23.28 |
| 17. क०रा०बी० अस्पताल, डाण्डेली | 24 | — | — | 24 | 110 प्रतिशत | उपलब्ध नहीं |
| 18. क०रा०बी० अस्पताल, मंगलोर | 60 | — | — | 60 | 18 प्रतिशत | £32.31 |
| **केरल** | | | | | | |
| 19. क०रा०बी० अस्पताल, मुलाकुमाठाकाव (त्रिचूर जिला) | — | — | 110 | 110 | 72 प्रतिशत | 25.00 |
| 20. क०रा०बी० अस्पताल, असरामभ (क्विलोन जिला) | 101 | 38 | — | 139 | 133 प्रतिशत | 19.60 |
| 21. क०रा०बी० अस्पताल अलैप्पी | 51 | 4 | — | 55 | 100 प्रतिशत | 31.50 |
| 22. क० रा० बी० अस्पताल, पेरूरकाडा (त्रिवन्द्रम जिला) | 65 | 10 | — | 75 | 115 | 33.30 |
| 23. क० रा० बी० अस्पताल, ओलारीकारा, त्रिचुर | 84 | 6 | — | 90 | 82 प्रतिशत | 21.10 |
| 24. क० रा० बी० अस्पताल, उद्योगमण्डल (जिला अरनाकुलम) | 130 | 25 | — | 155 | 46£ | 32.10 |
| 25. क० रा० बी० अस्पताल, अरनाकुलम | 55 | 10 | — | 65 | 79 प्रतिशत | 31.10 |
| 26. क० रा० बी० अस्पताल, वाडावकूर | 59 | 6 | — | 65 | 68 प्रतिशत | 36.50 |
| 27. क० रा० बी० अस्पताल, पीरापल्ली | 75 | 25 | — | 100 | 122 प्रतिशत | 21.00 |
| 28. क० रा० बी० अस्पताल, एजूकोन | 150 | — | — | 150 | 85 प्रतिशत | 23.10 |
| **मध्य प्रदेश** | | | | | | |
| 29. क०रा०बी० (सामान्य) अस्पताल, इन्दौर | 136 | 20 | — | 156 } | 70 प्रतिशत | 33.95 |
| 30. क० रा० बी० चैस्ट अस्पताल, इन्दौर | — | — | 52 | 52 } | | |
| 31. क० रा० बी० अस्पताल, उज्जैन | 100 | — | — | 100 | 84 प्रतिशत | 34.98 |
| 32. क० रा० बी० अस्पताल, ग्वालियर | 100 | — | — | 100क | 82 प्रतिशत | 39.11 |
| **महाराष्ट्र** | | | | | | |
| 33. एम० जी० एम० अस्पताल, बम्बई | 668 | 1 | 15 | 700 | 96 प्रतिशत | 50.55 |
| 34. क० रा० बी० अस्पताल, मुलुन्द; बम्बई | 495 | 14 | 10 | 650 | 92 प्रतिशत | 65.19 |
| 35. क० रा० बी० अस्पताल, वारली | 435 | 60 | — | 500 | 89 प्रतिशत | 83.94@ |
| 36. क० रा० बी० अस्पताल, उल्हास नगर, बम्बई | 80 | 20 | — | 100 | 70 प्रतिशत | 70.49@ |
| 37. क० रा० बी० अस्पताल, अंधेरी, बम्बई | 540 | 100 | 10 | 650 | 72 प्रतिशत | 61.81 |
| 38. क० रा० बी० अस्पताल, वाशी, बम्बई | — | — | 600 | 600 | 87 प्रतिशत | 35.48 |
| 39. क० रा० बी० अस्पताल, नागपुर | 170 | 30 | — | 200 | 87 प्रतिशत | 58.65 |
| 40. क० रा० बी० अस्पताल, औंध, पूना | 175 | 25 | 120 | 320 | 74 प्रतिशत | 55.98 |
| 41. क० रा० बी० अस्पताल, कांदीवली, बम्बई | 220 | 80 | — | 300 | 40 प्रतिशत | 159.25 19-8-81 से काम कर रहा है |
| **उड़ीसा** | | | | | | |
| 42. क० रा० बी० अस्पताल, चौद्वार | 44 | 6 | 12 | 62 | 113 प्रतिशत | 38.45 |
| 43. क० रा० बी० अस्पताल, कन्सावहल | 40 | 10 | — | 50 | 61 प्रतिशत | 66.51 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 44. | क० रा० बी० अस्पताल, ब्रजराजनगर | 23 | 2 | — | 25 | 78 प्रतिशत | 51.31 |
| 45. | क० रा० बी० अस्पताल, जे० के० पुर | 25 | — | — | 25 | 80 प्रतिशत | 36.13 |
| | **पांडिचेरी** | | | | | | |
| 46 | क० रा० बी० अस्पताल, पांडिचेरी | 50 | — | — | 50 | 71 प्रतिशत | 70.08@ |
| | **पंजाब** | | | | | | |
| 47. | क० रा० बी० अस्पताल, अमृतसर | 100 | 25 | — | 125 | 70 प्रतिशत | 59.23 |
| 48. | क० रा० बी० अस्पताल, लुधियाना | 75 | 25 | — | 100 | 110 प्रतिशत | 73.87 |
| 49. | क० रा० बी० अस्पताल, जलंधर | 80 | 20 | — | 100 | 73 प्रतिशत | 70.41@ |
| | **राजस्थान** | | | | | | |
| 50. | क० रा० बी० अस्पताल, जयपुर | 250 | — | — | 250 | 65 प्रतिशत | 41.69 30-1-81 से ग्रेड बनाया गया |
| | **तमिलनाडु** | | | | | | |
| 51. | क० रा० बी० अस्पताल, आयनवरम, मद्रास | 486 | 100 | 39 | 625 | 69 प्रतिशत | 61.00 |
| 52. | क० रा० बी० अस्पताल, कोयम्बटूर | 370 | 100 | 30 | 500 | 77 प्रतिशत | 35.36 |
| 53. | क० रा० बी० अस्पताल, मदुरै | 140 | 50 | 12 | 202 | 81 प्रतिशत | 33.36 |
| 54. | क० रा० बी० अस्पताल के० के० नगर, मदुरै | 140 | 40 | 26 | 206 | 51 प्रतिशत | 47.85 |
| 55 | क० रा० बी० अस्पताल, वेल्लौर | 40 | 10 | — | 50 | उपलब्ध नहीं | उपलब्ध नहीं 8-1-81 से चालू किया गया है |
| | **उत्तर प्रदेश** | | | | | | |
| 56. | क० रा० बी० अस्पताल, पांडुनगर, कानपुर | 212 | — | — | 212 | 99 प्रतिशत | 31.08 |
| 57. | क० रा० बी० अस्पताल, (जैस्ट) आजाद-नगर, कानपुर | — | — | 180 | 180 | 77 प्रतिशत | 30.34 |
| 58. | क० रा० बी० अस्पताल, (प्रसूति तथा सामान्य) कानपुर | 104 | 40 | — | 144 | उपलब्ध नहीं | उपलब्ध नहीं |
| 59. | क० रा० बी० अस्पताल, मांदीनगर | 76 | 24 | — | 100 | 82 प्रतिशत | 58.15 |
| | **पश्चिमी बंगाल** | | | | | | |
| 60. | क० रा० बी० अस्पताल, स्यालदाह | 212 | 18 | — | 230(ख) | 78 प्रतिशत | 45.03 |
| 61. | क० रा० बी० अस्पताल, कुमारहटी | 172 | 4 | — | 176 | 83 प्रतिशत | 43.75 |
| 62. | क० रा० बी० अस्पताल, बारुईपुरी | 280 | 20 | — | 300(ग) | 80 प्रतिशत | 36.26 |
| 63. | क० रा० बी० अस्पताल, सरामपुर | 216 | — | — | 216 | 55 प्रतिशत | £41.55 |
| 64. | क० रा० बी० अस्पताल, कल्याणी | 250 | — | — | 250 | 68 प्रतिशत | 41.20 |
| 65. | क० रा० बी० अस्पताल, उलूबेरिया | 216 | — | — | 216 | उपलब्ध नहीं ङ | 39.00 |
| 66. | क० रा० बी० अस्पताल, बलूरघाटी | — | — | 150 | 150 | 97 प्रतिशत | 35.42 |
| 67 | क० रा० वि० अस्पताल, गोरहट्टी | 216 | — | — | 216 | 92 प्रतिशत | 36.40 |
| 68. | क० रा० बी० अस्पताल, बजबज | 210 | 20 | — | 230(च) | 70 प्रतिशत | 39.80 |
| 69. | क० रा० बी० अस्पताल, मानिकटोला | 150 | — | — | 150 | उपलब्ध नहीं | 39.80 |
| 70. | क० रा० बी० अस्पताल, कन्यापुर आसन-सोल | 50 | — | 50 | 100 | उपलब्ध नहीं ङ | उपलब्ध नहीं 31-1-81 से चालू किया गया |

@प्रति बिस्तर प्रतिदिन लागत अधिक है । राज्य सरकार से प्रार्थना की गई है कि वे मामले की छानबीन करें।

£ अस्पताल में कम बिस्तर भरते हैं । राज्य सरकार से प्रार्थना की गई है कि वे मामले की छानबीन करें।

क. 25 बिस्तर 6-3-1981 को मंजूर किए गए हैं ।

ख. मंजूर किए गए 250 बिस्तरों में से 230 बिस्तर चालू किए गए है ।

ग. मंजूर किए गए 416 बिस्तरों में से 300 बिस्तर चालू किए गए हैं ।

ङ उपलब्ध नहीं का अर्थ राज्य सरकार द्वारा सूचना नहीं भेजी जाना है ।

च मंजूर किए गए 300 बिस्तरों में से 230 बिस्तर चालू किए गए हैं ।

25 31-3-81 को स्थिति के अनुसार औषधालयों, विशेषज्ञों, बीमा चिकित्सा अधिकारियों/बीमा चिकित्सा व्यवसायियों और एम्बुलैंस संबंधी ब्यौरे परिशिष्ट II में दिए गए हैं ।

**26. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 62 बीमाकृत व्यक्तियों तथा 15 परिवार के सदस्यों को कृत्रिम अंग लगाये गये । कुल मिलाकर अब तक कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत 1082 बीमाकृत व्यक्तियों तथा 21 परिवार के सदस्यों को कृत्रिम अंग लगाये जा चुके हैं या दुबारा लगाए गए हैं ।

**26.1 बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को कृत्रिम दांतों की व्यवस्था ।**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 69 बीमाकृत व्यक्तियों तथा एक परिवार के सदस्य को निःशुल्क दांत लगाये गये । कुल मिलाकर अब तक कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत 171 बीमाकृत व्यक्तियों तथा 2 परिवार के सदस्यों को कृत्रिम दांत लगाये जा चुके है ।

**26.2 बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को चश्मों की व्यवस्था ।**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान क० रा० बी० योजना के अन्तर्गत 9,188 बीमाकृत व्यक्तियों तथा 47 परिवार के सदस्यों को नि:शुल्क चश्मे लगाये गये ।

**27. परिवार कल्याण कार्य-कलाप**

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने परिवार कल्याण के लिए शिक्षा, अभिप्रेरण तथा सेवाओं की व्यवस्था के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सा योजना में वृद्धि के लिये अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा प्रायोजित तथा जनसंख्या कार्यकलापों के लिये अंतर्राष्ट्रीय निधि (अनफपा) द्वारा दी गई निधियों से वर्ष 1976 में परियोजना संख्या आई० एल० ओ०/674/पी० आ० 2 को चलाने की जिम्मेदारी ली थी । उक्त परियोजना आरंभ में 31.12.78 को समाप्त 3 वर्ष की अवधि के लिए मंजूर की गई थी । त्रिपक्षीय पुनरीक्षण समिति की दिनांक 25-9-1978 को हुई बैठक में इसके कार्य के पुनरीक्षण तथा इसके द्वारा की गई प्रगति को दृष्टिगत रखते हुए इसके कार्य-कलापों को अगले एक वर्ष, यानी 31-12-1979 तक के लिये बढ़ा दिया गया था और इसके बाद तीन मास, यानी 31-3-1980 की अगली अवधि के लिये बढ़ा दिया गया था । परियोजना करार के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने परियोजना कार्य-कलापों को 1-4-80 से आगे कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत चिकित्सा देख-रेख के एक भाग के रूप में जारी रखा है ।

1980-81 वर्ष के दौरान परिवार कल्याण परियोजना की उपलब्धियां निम्न प्रकार है :—

| | |
|---|---|
| 1. नसबन्दी | 3077 |
| 2. नलीबन्दी | 15223 |
| 3. कुल बन्ध्यकरण | 18300 |
| 4. अन्तः गर्भाशय साधन | 5920 |
| 5. गर्भावस्था को चिकित्सा द्वारा समाप्त करना | 4559 |
| 6. जारी किये गये निरोध | 991050 |
| 7. बांटी गई खाने की गोलियां | 65609 |
| 9. समकक्ष बन्ध्यकरण | 31660 |

**28. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत प्रतिरक्षा कार्यक्रम ।**

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत अखिल भारतीय प्रतिरक्षण कार्यक्रम 14 नवम्बर, 1973 से तत्कालीन श्रम मंत्री द्वारा नई दिल्ली में आरम्भ किया गया था । तभी से राज्य निदेशकों/प्रणामनिक चिकित्सा अधिकारियों से इस कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने का निवेदन किया जाता रहा है क्योंकि यह कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को दिये जाने वाले हितलाभों का एक भाग है । रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान देश में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत लाभाधिकारियों को 7.35 लाख टीके/सिरंज आदि की खुराकें दी गई जिसमे वर्ष के अंत में दी गई खुराकों की संख्या कुल मिलाकर 38 85 हो गई ।

**चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था**

29. औषधालयों तथा अस्पतालों में उपस्थिति तथा घर जाकर इलाज करना (परिशिष्ट 12 तथा 13)

29.1 (क) प्रतिवर्ष प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति और प्रति 1000 परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एकक उपस्थिति (ख) बीमाकृत व्यक्तियों और परिवारों का घर जाकर इलाज करने और (ग) (i) अस्पताल में दाखिल किए गए और (ii) विशेषज्ञ के पास जांच के लिए भेजे गए बीमाकृत व्यक्तियों के मामलों की संख्या से संबंधित आकड़े इन परिशिष्टों में दिए गए है । ये आकड़े मुख्य रूप से औषधालयों तथा पैनल व्यवसायियों द्वारा भेजी गई विवरणियों पर आधारित है । चिकित्सा उपस्थिति के स्तर का हिसाब लगाने के लिए केवल रिपोर्ट भेजने वाले औषधालयों/क्लीनिकों से संबंध बीमाकृत व्यक्तियों/परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या को "दिखा गया गया" माना गया है ।

29.2 समीक्षाधीन वर्ष में प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति नई उपस्थिति की अखिल भारतीय दर 1979-80 की तुलना में 2867 से बढ़कर 3047 हो गई । प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति पुरानी उपस्थिति की संख्या 1979-80 की तुलना में 5893 से घटकर 5,525 रह गई । इस वर्ष नई उपस्थिति की तुलना में पुरानी उपस्थिति का अनुपात 1.81 रहा जबकि 1979-80 में यह अनुपात 2.06 था ।

29.3 प्रति 1000 परिवार एकक नई उपस्थिति की अखिल भारतीय दर 1979-80 की तुलना मे 3,345 से घटकर 3,205 रह गई । प्रति 1000 परिवार एकक पुरानी उपस्थिति की संख्या भी 1979-80 की तुलना में 6,286 से घटकर 5,881 रह गई । नई उपस्थिति की तुलना में पुरानी उपस्थिति का अनुपात 1979-80 में 1.94 था जो 1980-81 में घटकर 1.83 रह गया ।

29.4 बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध मे घर जाकर इलाज करने की कुल संख्या 1979-80 की तुलना में 1.71 प्रतिशत बढ़ गई है । परिवारों के संबंध में भी 6,80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति विजिटों की संख्या के अनुसार घर जाकर इलाज करने की घटना में कमी हुई है । ये घटनायें 1979-80 में 45 थी, जो 1980-81 में घटकर 42 रह गई है ।

29.5 अस्पतालों में दाखिल किए गए मामलों की कुल संख्या में कमी हुई है । ये मामले 1979-80 मे 3,14,539 थे जो कि 1980-81 में घटकर 2,76,592 रह गए है । विशेषज्ञों के पास जांच के लिए भेजे गए मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है । ये मामले 1979-80 में 14,28,381 थे जो 1980-81 में बढ़कर 15,09,931 हो गए है ।

**30. बीमारी प्रतिरूप (परिशिष्ट - 14)**

30.1 विश्लेषण किए प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति नए मामलों की संख्या के रूप मे व्यक्त की गई संपूर्ण देश के लिए बीमारी प्रतिरूप की सूचना 51 कारण समूहों में से प्रत्येक की बाबत बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों के सदस्यों के लिए अलग-अलग इस परिशिष्ट में दिखाई गई

30.2 सभी कारण समूहों को मिलाकर घटना दरें 1979-80 की तुलना मे 1980-81 में बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में अधिक हैं तथा उनके परिवारों के संबंध में कम हैं । बीमाकृत व्यक्ति से संबंधित प्रत्येक अवधि मे बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों के संबंध में इस वर्ष 1.052 नई अवधियां रही हैं जबकि 1979-80 वर्ष में ये 1.132 थीं । याद यह बात ध्यान में रखी जाये कि एक बीमाकृत व्यक्ति की तुलना में 2 88 परिवार सदस्य हैं तो नए मामलों की घटनाओं के अनुसार अस्वस्थता की घटनाएं बीमाकृत व्यक्तियों की तुलना में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के संबंध में कम रही है ।

30.3 बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में बीमारी के कारण समूहवार घटना सूची में दी गई लगभग सभी बीमारियों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों से संबंधित तदनुरूपी वर्गों से काफी कुछ मिलती है । लेकिन केवल कुछ कारणों समूहों मे घटना मे बहुत अंतर से यह पता चलता है कि कुछ ऐसे विशिष्ट रोगों में अधिक इलाज की आवश्यकता

होती है जो किसी विशेषसमूह (यानी बीमाकृत व्यक्ति या परिवार) को अपेक्षाकृत आसानी से हो जाते हैं ।

31. चिकित्सा निर्देशी

वर्ष के अन्त में अलग-अलग राज्यों में तैनात पूर्णकालिक और अंशकालिक चिकित्सा निर्देशियों और उनके द्वारा निपटाए गए मामलों की संख्या का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है :—

| क्र० सं० | राज्य का नाम | चिकित्सा निर्देशियों की संख्या | | 1980-81 वर्ष में निपटाए गए मामलों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| | | पूर्णकालिक | अंशकालिक | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | — | 9 | 13451 |
| 2. | असम | — | 5 | 0648 |
| 3. | बिहार | — | 15 | 6420 |
| 4. | चंडीगढ़ प्रशासन | — | 1 | 195 |
| 5. | दिल्ली | 2 | — | 13156 |
| 6. | गोआ | — | 1 | 235 |
| 7. | गुजरात | 3 | 11 | 68488 |
| 8. | हरियाणा | — | 9 | 5330 |
| 9. | हिमाचल प्रदेश | — | — | — |
| 10. | कर्नाटक | — | 16 | 12817 |
| 11. | केरल | 1 | 5 | 13944 |
| 12. | मध्य प्रदेश | 1 | 8 | 14477 |
| 13. | महाराष्ट्र | | | |
| | (क) ग्रेटर बम्बई | 2 | 7 | 27523 |
| | (ख) नागपुर क्षेत्र | — | 7 | 6935 |
| | (ग) पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र | 1 | 7 | 8497 |
| 14. | मेघालय | — | — | — |
| 15. | उड़ीसा | — | 9 | 2580 |
| 16. | पांडिचेरी | — | 1 | 6559 |
| 17. | पंजाब | — | 15 | 3706 |
| 18. | राजस्थान | — | 13 | 5550 |
| 19. | तमिलनाडु | 2 | 3 | 106849 |
| 20. | उत्तर प्रदेश | 2 | 25 | × |
| 21 | पश्चिमी बंगाल | 1 | 11 | 28164 |
| | जोड़ | 15 | 178 | 345524 |

× 1980-81 वर्ष के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए ।

## 32. चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर खर्च—राज्य सरकारों की प्राधिकृत अवायगियां

समीक्षाधीन वर्ष में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर खर्च के अपने शेयर के रूप में निगम द्वारा राज्य सरकारों को अवायगी करने के लिये 68,31,30,890.84 रुपये की धनराशि प्राधिकृत की गई । उपर्युक्त राशि के ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

| | | रुपये | पैसे |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 |
| 1. | 1974-75 के लिये अंतिम अवायगी | 20,65,457. | 05 |
| 2. | 1976-77 के लिये अंतिम अवायगी | 15,03,933. | 62 |
| 3. | 1977-78 के लिये अंतिम अवायगी | 9,21,264. | 90 |
| 4. | 1978-79 के लिये अंतिम अवायगी | 32,65 743. | 77 |
| 5. | 1978-79 के लिये लेखागत अवायगी | 1,49,40,000. | 00 |
| 6. | 1979-80 के लिये लेखागत अदायगी | 7,38,19,000. | 00 |
| 7. | 1979-80 के लिये अंतिम अदायगी | 26,32,598. | 87 |
| 8. | 1980-81 के लिये लेखागत अवायगी | 58,16,26,000. | 00 |
| 9. | 1969-70 तक के छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान के संबंध में अदायगी, "लेखागत अदायगी."। | 23,53,892. | 63 |
| | जोड़ | 68,31,30,890. | 84 |

## 33. चिकित्सा देख-रेख के खर्च पर नियन्त्रण के उपाय

समीक्षाधीन वर्ष में निगम ने 750 से अधिक दवाइयों, इन्जैक्शनों तथा औषधियों के लिये औषध निर्माताओं के साथ दर ठेके किए । दर ठेके राज्य सरकारों को अमल में लाने के लिये सूचित कर दिये गये हैं ।

## 34. दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में सुविधाओं की व्यवस्था

दिल्ली (चि०) योजना के लिए स्वीकृत आयुर्वेदिक औषधालय इस समय किशनगंज संख्या 11 तथा नए औद्योगिक क्षेत्र में मौजूदा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों के भवनों में स्थित हैं ।

## 35. स्थानीय कार्यालयों के कार्यपालन में कार्य-कुशलता

समीक्षाधीन वर्ष में देश भर में 460 स्थानीय कार्यालयों (लघु स्थानीय कार्यालयों सहित) में से 399 स्थानीय कार्यालयों में खाता प्रणाली कार्य कर रही थी । 47 स्थानीय कार्यालयों में टेलर प्रणाली प्रयोग के तौर पर काम कर रही थी ।

## 35. नकद हितलाभों में सुधार

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने दिनांक 14-12-80 को सम्पन्न बैठक में निर्णय किया कि :—

(1) अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दर दिनांक 1-1-1981 से मानक हितलाभ दर के 125 प्रतिशत से बढ़ाकर 140 प्रतिशत कर दी जाए ।

(2) 31-3-78 को या इससे पहले हुई अपंगता या मृत्यु की स्थिति में स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ के सभी मौजूदा मामलों में दिनांक 1 अप्रैल, 1980 से निम्नलिखित दरों पर वृद्धि मंजूर की जाये :—

(क) ऐसे मामले जिनमें अपंगता या मृत्यु 31-3-75 को या इससे पहले हुई है। — मूल राशि की 2 प्रतिशत (पहले 1-10-77 से मंजूर की गई वृद्धि को छोड़कर)

(ख) ऐसे मामले जिनमें अपंगता या मृत्यु 1-4-75 तथा 31-3-78 के बीच हुई हो। — मूल राशि की 15 प्रतिशत

2. निगम ने दिनांक 14-12-80 को सम्पन्न अपनी बैठक में चिकित्सा देखरेख की हकदारी से संबंधित सामान्य नियमों के अन्तर्गत के अलावा अपनी मृत्यु के समय अन्यथा चिकित्सा हितलाभ प्राप्त करने वाले मृत बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में अन्त्येष्टी हितलाभ की मंजूरी का अनुमोदन किया ।

नकद हितलाभ (परिशिष्ट 16 से 18)

37 नकद हितलाभ अदायगियों की संख्या (परिशिष्ट 16 का कालम 4)।

37.1 नकद हितलाभों की अदायगी निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए गए स्थानीय/लघु/उप-स्थानीय/भुगतान कार्यालयों से की जाती है। 31 मार्च, 1981 को इस प्रकार के कार्यालयों की संख्या 724 थी जबकि एक वर्ष पहले इनकी संख्या 691 थी।

37.2 1979-80 तथा 1980-81 वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य में की गई नकद हितलाभ अदायगियों की कुल संख्या कालम 4 में दिखाई गई है। 1980-81 वर्ष के दौरान कुल मिलाकर लगभग 95.05 लाख अदायगियां (स्थायी अपंगता दावों के रूपान्तरण के आवेदनों से संबंधित एक-मुश्त अदायगियों के 13,378 दावों सहित) की गई थीं अदायगियां पिछले वर्ष अदायगियों से लगभग 9.58 लाख अधिक थीं। औसत के रूप में प्रत्येक मास लगभग 7.92 लाख अदायगियां की गई जबकि 1979-80 वर्ष में 7.12 लाख अदायगियां की गई थी। प्रति कर्मचारी अदायगियों की संख्या 1979-80 वर्ष में 1.48 थी जो 1980-81 वर्ष में बढ़कर 1.60 हो गई।

## 38. बीमारी हित-लाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 5 तथा 6 से 8)

38.1 1 जुलाई, 1979 तथा 30 जून, 1980 के बीच नए केन्द्रों में तथा रोजगार के नए क्षेत्रों पर योजना के हितलाभ उपबन्धों के कार्यान्वयन के फलस्वरूप तथा पहले से कार्यान्वित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि होने के कारण समीक्षाधीन वर्ष में लगभग 2.03 लाख अतिरिक्त कर्मचारी बीमारी हितलाभ के पात्र हो गए। 1980-81 वर्ष के दौरान बीमारी हितलाभ का दावा करने के हकदार कर्मचारियों की कुल संख्या 59.47 लाख होने का अनुमान है जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 57.44 लाख थी (कालम 3 देखिये)।

38.2 वर्ष के दौरान बीमारी नकद हितलाभ के रूप में 49,22.14 लाख रुपये की राशि की अदायगी की गई जबकि 1979-80 वर्ष में यह राशि 42.96.75 लाख रुपये थी।

38.3 प्रति कर्मचारी नई अवधियों की औसत संख्या 1979-80 में 1.00 थी जो 1980-81 में बढ़कर 1.02 हो गई है। 1980-81 के दौरान प्रति कर्मचारी परिवर्ष हितलाभ दिनों का औसत संख्या भी बढ़कर 8.0 हो गई है जो 1979-80 में 7.8 था। प्रति कर्मचारी हितलाभ की दैनिक दर की राशि 1979-80 में 9.54 रुपए थी जो 1980-81 में बढ़कर 10.29 रुपये हो गई है।

38.4 पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बीमारी हितलाभ दावों की घटना और अवधि के संबंध में राज्यों में परस्पर काफी घट-बढ़ रही। ये घटनाएं बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु में अधिक रहीं। विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी दावों की अवधि पर महानिदेशक लगातार निगरानी रखे हुए हैं। इस संबंध में मुख्यालय में प्रत्येक मास प्राप्त संबंधित आंकड़ों का आवधिक रूप से विश्लेषण किया जाता है तथा किसी केन्द्र की किसी असामान्य घट-बढ़ के बारे में क्षेत्रीय निदेशक तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों के साथ पत्र व्यवहार किया जाता है ताकि वे आवश्यक तथा संभव होने पर इस असामान्य घट-बढ़ को दूर करने के लिए उपयुक्त व शीघ्र कार्रवाई कर सकें।

## 38.5 धारा 58(2) के अन्तर्गत अत्यधिक बीमारी हित लाभ

बीमाकृत व्यक्तियों को बीमारी हितलाभ अदायगी का भार कुछ राज्यों में अखिल भारतीय औसत से अधिक पाया गया है। 1979-80 वर्ष के अत्यधिक बीमारी हितलाभ को निगम तथा राज्य सरकारों के बीच निम्न प्रकार से बांटा गया है :—

| क्र० सं० | राज्य सरकार का नाम | राज्य में दी गई कुल बीमारी हितलाभ की राशि (वास्तविक) | अखिल भारतीय औसत से अधिक राज्य सरकार का शेयर |
|---|---|---|---|
| | | रुपये | रुपये |
| 1. | बिहार | 1,20,47,839 | 7,55,840 |
| 2. | मध्य प्रदेश | 2,14,59,728 | 36,19,495 |
| 3 | तमिलनाडु | 8,61,75,747 | 2,75,46,319 |

39. विस्तारित बीमारी हितलाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 9 और 10)

39.1 क्षय रोग, कोढ़, मानसिक तथा दुर्लभ रोग आदि जैसे कुछ विशिष्ट रोगों से पीड़ित बीमाकृत व्यक्ति बीमारी हितलाभ के 91 दिन के बाद विस्तारित अवधि के लिए विस्तारित बीमारी नकद हितलाभ प्राप्त करने के पात्र हैं।

39.2 1980-81 वर्ष में इस मद में बीमाकृत व्यक्तियों को 3,81.03 लाख रुपये की राशि अदा की गई जबकि पिछले वर्ष यह राशि 3,25.98 लाख रुपये थी।

39.3 प्रति 1000 जोखिम ग्रस्त कर्मचारी दावों की संख्या और समाप्त दावों की अवधि के रूप में अभिव्यक्त विस्तारित बीमारी हितलाभ दावों की घटनाएं 1979-80 तथा 1980-81 वर्षों के लिए परिशिष्ट 16 के कालम 9 तथा 10 में दिखाई गई है। ये घटनाएं मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा पश्चिमी बंगाल में अधिक रहीं।

40 प्रसूति हितलाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 11 और 12)

40.1 प्रसूति हितलाभ के लिए पात्र महिला कर्मचारियों की संख्या 1979-80 में 4,58,600 थी जो 1980-81 में बढ़कर 4,62,700 हो गई है। प्रसूति दावों के रूप में अदा की गई कुल राशि 2,11.06 लाख रुपये थी जबकि 1979-80 में यह राशि 1,94.91 लाख रुपये थी। प्रति प्रसूति दावा हितलाभ की औसत राशि 1979-80 में 860 रुपये थी जो 1980-81 में बढ़कर 960 रुपये हो गई है।

40.2 प्रति 100 बीमाकृत महिला कर्मचारी दावों की संख्या 1979-80 में 49.4 थी जो 1980-81 में घटकर 47.5 रह गई है।

41. अस्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 17 के कालम 3 से 6)

1980-81 वर्ष के दौरान रोजगार चोट से ग्रस्त कर्मचारियों की संख्या 61.58 लाख थी जबकि 1979-80 में यह संख्या 58.99 लाख थी (देखिये कालम 3)। 1980-81 वर्ष में अस्थायी अपंगता हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 8,66.57 लाख रुपये थी जबकि 1979-80 वर्ष में यह राशि 6,93.68 लाख रुपये थी। नई अवधियों की औसत संख्या तथा प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की संख्या और औसत हितलाभ दर क्रमशः 0,08,1.19 तथा 11.79 रुपये है जबकि 1979-80 वर्ष तदनुरूपी आंकड़े क्रमशः 0.07, 1.10 तथा 10.72 रुपये थे (देखिये कालम 4 से 6) प्रति अवधि औसत काल 14.66 से बढ़कर 14.84 दिन हो गया। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न राज्यों में इन दावों की घटनाओं और काल में घट-बढ़ रही। ये घटनाएं गुजरात, मध्य प्रदेश, तथा पश्चिमी बंगाल में अधिक रहीं।

42 स्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 18 के कालम 7 से 10)

42.1 1980-81 वर्ष में स्वीकृत नये मामलों की संख्या 20,792 थी जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 15,622 थी। प्रति 1000 बीमाकृत

कर्मचारी घटनाएं 1979-80 की 2.65 से बढ़कर 1980-81 में 3.38 हो गई।

42.2 वर्ष के आरंभ में निधि के दावेदारों की संख्या 41,736 थी जो वर्ष के अन्त में बढ़कर 45,982 हो गई (देखिये कालम 10) । हितलाभ के रूप में वास्तव में संवितरित राशि 7,28.96 लाख रुपये (3,67 30 लाख रुपये की रूपान्तरित राशि सहित) थी जबकि 1979-80 वर्ष मे यह राशि 5,78.70 लाख रुपये (291.20 लाख रुपये की रूपान्तरित राशि सहित) थी ।

42.3 1-4-78 से पहले हुई अपंगता के मामलों में 1-4-80 से हितलाभो की दरो मे वृद्धि के कारण एक बार समायोजन के रूप में 2,70.42 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि को छोड़कर वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए नए मामलो मे संबंधित स्थायी अपंगता हितलाभ दावों का पूंजीकृत मूल्य 900 45 लाख रुपये था जबकि 1979-80 वर्ष में यह 6,50.83 लाख रुपये था । वर्ष के अंत में स्थायी अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि 24,99.31 लाख रुपये थी जबकि वित्तीय वर्ष के आरम्भ में तदनुरूपी राशि 20,05.66 लाख रुपये थी ।

42.4 आवधिक अदायगियों के बदले रूपान्तरित मूल्य लेने का विकल्प करने वाले स्थायी अपंगता हितलाभ के दावेदारों की संख्या 1979-80 में 10,477 थी जो 1980-81 वर्ष में बढ़कर 13,378 हो गई ।

43. स्थायी अपंगता हितलाभ दावे (परिशिष्ट-18)

43.1 वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए स्थायी अपंगता के 20,792 मामलो का (क) उद्योग के मुख्य समूहों तथा (ख) उद्योगवार प्रदर्शित प्रति 1000 कर्मचारी दावों की घटनाओं के अनुसार विश्लेषण किया गया था। पिछले वर्ष की तरह दुर्घटनाओं की सबसे अधिक संख्या "वस्त्र उद्योग" में पाई गई तथा इसके बाद "धात्विक खनिज" और "गैर धात्विक खनिज" का स्थान रहा व्यय भार "वस्त्र उद्योग" में अधिक है । 1979-80 वर्ष के तदनुरूपी व्यय-भार की तुलना में यह देखा गया है कि इस वर्ष अनुभव किया गया व्यय भार अधिकांश उद्योगों में पिछले वर्ष अनुभव किए गए व्यय भार से काफी कुछ मिलता जुलता है ।

43.2 स्थायी अपंगता की औसत डिग्री 8.18 अनुभव की गई जबकि पिछले वर्ष यह 8.37 थी । अधिकतम दुर्घटनाये आठवे मजदूरी ग्रुप, यानी 16 रुपये और 24 रुपये की बीच दैनिक मजदूरी ग्रुप मे हुई ।

43.3 महिला कर्मचारियों में स्थायी अपंगता हितलाभ के मामलों की संख्या केवल 156 रही । इन घटनाओं के कम होने का कारण संभवत: यह है कि महिलाओं को आम तौर पर जोखिम वाले व्यवसायों पर नही लगाया जाता है ।

44. आश्रितजन हितलाभ (परिशिष्ट 17 के कालम 11 और 12)

44.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आश्रितजन हितलाभ के लिए स्वीकार किए गये दावों की संख्या में वृद्धि हुई । 1979-80 वर्ष मे 525 दावे स्वीकार किए गए थे जबकि इस वर्ष यह संख्या 926 हो गई (देखिए कालम 11) वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए आश्रितों की कुल संख्या 2643 थी।

44.2 वर्ष के आरम्भ और अन्त में सभी आश्रितों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :

| विवरण | 31 मार्च को | |
|---|---|---|
| | 1980 | 1981 |
| 1 | 2 | 3 |
| विधवा | 5,437 | 6,143 |
| पुत्र और पुत्री | 8,995 | 10,231 |
| पिता | 821 | 9 55 |
| माता | 1,088 | 1,263 |
| अन्य आश्रित बच्चे | 761 | 878 |
| जोड़ | 17,102 | 19,470 |

44.3 आश्रितजन हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 1979-80 में 1,18.59 लाख रुपये थी जो 1980-81 में बढ़कर 1,40.82 लाख रुपये हो गई है 1-4-78 से पहले हुई मृत्यु के मामलों मे 1-4-80 से हितलाभों की दरों में वृद्धि के कारण एक बार समायोजन के रूप में 1,59.58 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि को छोड़कर वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए आश्रितजन हितलाभ दावों का पूंजीकृत मूल्य 3,11.36 लाख रुपये था जबकि 1979-80 वर्ष में यह 1,76.48 लाख रुपये था । 31 मार्च, 1981 को आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि 15,08.59 लाख रुपये थी जबकि 31 मार्च, 1980 को यह राशि 11,48.83 लाख रुपये थी ।

45. अंशदानों से आय

1980-81 वर्ष के दौरान अंशदान के रूप में कुल 1,79,76,56,540 रुपये की राशि एकत्र की गई ।

46. अंश दान एकत्र करने का तरीका

आरंभ से अंशदान चिपकाई जाने वाली कर्मचारी राज्य बीमा टिकटों के रूप में एकत्र किये जाते थे जो निगम के बैंकरों के माध्यम से बेची जाती थीं । लेकिन दिनांक 30-11-75 से दिल्ली क्षेत्र में अंशदान टिकटों के स्थान पर नकद रूप में अंशदान एकत्र करने की प्रणाली पहली बार प्रयोगात्मक आधार पर शुरू की गई थी तथा बाद मे चरणबद्ध रीति में अन्य क्षेत्रों में इसे शुरू किया गया । जिन क्षेत्रों में यह प्रणाली संतोषजनक रूप में चालू पाई गई थी, उनसे प्राप्त अनुभव से प्रोत्साहित होकर अब नकद प्रणाली सारे देश में शुरू कर दी गई है । इसके अलावा, फैंकिंग मशीन का प्रयोग करने वाले नियोजकों जिनकी संख्या 621 है, से भी अंशदानों की अदायगी की नकद प्रणाली शुरू करने का निवेदन किया जा रहा है ।

47. निरीक्षण

समीक्षाधीन वर्ष में मुख्यालय ने निरीक्षण की प्रगति पर कड़ी निगरानी रखी । निरीक्षकों ने नियोजकों तथा उनके कर्मचारियों को रिकार्ड रखने और कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम उसके अंतर्गत बनाये गए विनियमों के विभिन्न उपबन्धों का पालन करने में मार्गदर्शन करना तथा प्रशिक्षण देना जारी रखा ।

वर्ष के अन्त में 37 छुट्टी रिजर्व निरीक्षकों सहित कुल मिलाकर 411 बीमा निरीक्षक थे । वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 49543 निरीक्षण किए गए।

48. कर्मचारी राज्य बीमा अकायों की वसूली

31-3-1981 की स्थिति के अनुसार नियत दिवस से 29-11-80 तक चूककर्ता नियोजकों पर कुल 4123.56 लाख रुपय की राशि बकाया थी । 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार एक लाख रुपये तथा अधिक कर्मचारी राज्य बीमा बकायों वाले चूककर्ता कारखानों स्थापनाओं के सूचक क्षेत्रवार विवरण क्रमश: परिशिष्ट 20 तथा 21 पर हैं ।

कर्मचारी राज्य बीमा अंकायो की वसूली पर निगम द्वारा विशेष ध्यान दिलाया जाता रहा है और इनकी अधिकतम सीमा तक वसूली के हर संभव प्रयास किये गये ।

कानूनी कार्रवाई

वर्ष के दौरान दायर किए गए न्यायालय/राजस्व वसूली मामलों से संबंधित राशि तथा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अधीन वसूल की गई राशि परिशिष्ट 19 में राज्य-वार दिखाई गई है ।

50. बजट तथा वित्त

1981-82 वर्ष के बजट प्राक्कलन निगम द्वारा 7-2-1981 को हुई अपनी बैठक में स्वीकार किए गए । इन प्राक्कलनों के लिए केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन 31-3-1981 को जारी किया गया । बजट प्राक्कलन लोक सभा तथा राज्य सभा के पटल पर क्रमशः 8 अप्रैल, 1981 तथा 23 अप्रैल, 1981 को प्रस्तुत किये गये ।

निम्नलिखित तालिका में 1979-80, 1980-81 वर्ष के दौरान निगम की आय तथा व्यय तथा 1981-82 के बजट प्राक्कलनों को दिखाया गया है ।

| लेखा शीर्ष | 1979-80 (लाख रुपयों में) | 1980-81 | 1981-82 (बजट प्राक्कलन) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| **1. आय** | | | |
| अंशदान | 1,59,76.04 | 1,79,76.57 | 1,88,80.00 |
| अन्य आय (सामान्य रोकड़ शेष के निवेश पर ब्याज, अस्पतालों, औषधालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों के किराये से आय तथा अन्य विविध आय) | 10.03.00 | 13,44.96 | 13,61.47 |
| जोड़ | 1,60 79.04 | 1,93,21.53 | 2,02,41.47 |
| **2. व्यय** | | | |
| बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ | | | |
| क. चिकित्सा हितलाभ | 63,59.27 | 71,78.51 | 79,98.88 |
| ख. नकद हितलाभ | 63,55.33 | 80,41.45 | 77,60.46 |
| ग. अन्य हितलाभ | 17 32 | 21.68 | 22.14 |
| प्रशासनिक व्यय | 11,37.56 | 14,10.42 | 15,38.99 |
| अन्य व्यय | | | |
| (1) अस्पतालों, औषधालयों, कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत व अनुरक्षण तथा मूल्यह्रास के लिये व्यवस्था | 20,49 41 | 21,53 82 | 23,28.12 |
| (2) पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधि में अंशदान | | | |
| जोड़ | 1,59,18.79 | 1,83,05.38 | 1,96,48.59 |

51. बैंक व्यवस्था

निगम के कार्यालयों के लिये वर्ष के दौरान भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में 23 बैंक खाते तथा राष्ट्रीयकृत बैंक, यूनाइटिड बैंक आफ इंडिया में 1 खाता खोला गया । 31 मार्च, 1981 को बैंक खातों की कुल संख्या 556 थी ।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान टिकटों के माध्यम से अदायगी के स्थान पर नकद रूप में अंशदान एकत्र करने की पद्धति के संपूर्ण देश में प्रसार के परिणामस्वरूप 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान टिकटों की बिक्री करने वाली बैंक शाखाओं की कुल संख्या 405 ही बनी हुई है । कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान टिकट खातों का समाधान करने के तुरन्त बाद ये खाते बंद कर दिये जायेंगे ।

52. आरक्षित निधियां तथा निवेश

31 मार्च, 1980 तथा 31 मार्च, 1981 की स्थिति के अनुसार विभिन्न निधियों/आरक्षित निधियों तथा सामान्य रोकड़ शेष निगम के निवेश निम्न प्रकार थे :—

| निधि/बकाया राशि का नाम | 31-3-80 की स्थिति के अनुसार | 31-3-81 की स्थिति के अनुसार |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | (लाख रुपयों में) |
| 1. कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि | 5,21 25 | 6,18.92 |
| 2. कर्मचारी राज्य बीमा निगम ग्रुप बीमा निधि | 4.39 | 7.66 |
| 3. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि | 1.66 | 1.94 |
| 4. अनुकंपा आरक्षित निधि | 0.26 | 0.25 |
| 5. पेंशन आरक्षित निधि | 9,39.20 | 10,10.12 |
| 6. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | 40.43 | 45.55 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 7 अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | 4,61 80 | 5,20 13 |
| 8 स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | 6.22 | 6 38 |
| 9. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि | 26 03 | 35.06 |
| 10. अस्पताल भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि | 5,63.04 | 6,55.76 |
| 11 स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि | 20,05 65 | 24,99 31 |
| 12. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि | 11,48 83 | 15,08 59 |
| 13 पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि | 47,26.24 | 56,41.79 |
| 14. आपात आरक्षित निधि | 38,91.86 | 40,20 70 |
| 15. सामान्य रोकड़ शेष का निवेश | 1,32,48.10 | 1,32,06.63 |
| जोड़ | 2,75,84.96 | 2,97,78.73 |

निर्धारित आरक्षित निधियों तथा अनिर्धारित आरक्षित निधियों के अन्तर्गत राशि के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

| | | |
|---|---|---|
| निर्धारित आरक्षित निधियां (पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि) सहित) | 104,45.00 | 125,51. 40 |
| अनिर्धारित आरक्षित निधियां (आपात आरक्षित निधि तथा सामान्य रोकड़ शेष) | 1,71,39.96 | 1,72,27. 33 |
| जोड़ | 2,75,84.96 | 2,97,78. 73 |

ऊपर क्रम संख्या 1 से 12 पर उल्लिखित आरक्षित निधियां निगम की संबंधित देयताओं को पूरा करने के लिए हैं। इन निधियों में वार्षिक वृद्धि मान्यता प्राप्त/अनुमोदित आधार /मानदण्ड पर की जाती है। पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि तथा आपात आरक्षित निधि में वार्षिक अंशदान निम्नलिखित आधार पर किया जाता है।

पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि

निगम ने 2 फरवरी, 1974 को हुई अपनी बैठक में निर्णय किया था कि नियोजक तथा कर्मचारी अंशदान से प्राप्त कुल राजस्व 10 प्रतिशत से 12 के अनुपात में क्रमशः अस्पताल/औषधालय/अन्य चिकित्सा संस्थानों तथा कार्यालय भवनों/स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के लिए पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा किया जाए।

आपात आरक्षित निधि

निगम द्वारा 17 मार्च, 1973 को हुई अपनी बैठक में किए गए निर्णय के अनुसार व्यय से अधिक आय का 20 प्रतिशत (एक करोड़ रुपये से कम की स्थिति में अधिक्य की पूरी राशि) आपात आरक्षित लेखे में जमा किया जाता है।

निधियों के निवेश के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

| | 31-3-80 की स्थिति के अनुसार | 31-3-81 की स्थिति के अनुसार |
|---|---|---|
| | | (लाख रुपयों में) |
| सरकार की प्रतिभूतियां | 2,35 34 | 1,95.71 |
| भारतीय स्टेट बैंक में मियादी जमा | 2,73,49 62 | 2,95,82.99 |
| जोड़ | 2,75,84 96 | 2,97,78.73 |

## 53. 1980-81 वर्ष का आय-व्यय लेखा तथा 31 मार्च, 1981 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

1980-81 वर्ष का आय-व्यय लेखा तथा 31 मार्च, 1981 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र क्रमशः परिशिष्ट 22 तथा 23 में दिए गए हैं।

54. लेखा परीक्षा रिपोर्ट

निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व ने निगम के 1979-80 वर्ष के लेखों की लेखा परीक्षा रिपोर्ट श्रम मन्त्रालय को 13 दिसम्बर, 1980 को भेजी थी। स्थायी समिति ने दिनांक 13 दिसम्बर, 1980 को हुई बैठक में लेखा परीक्षित लेखों पर विचार किया तथा निगम को उन्हें स्वीकार करने की सिफारिश की। 14 दिसम्बर, 1980 को निगम द्वारा स्वीकार करने के बाद परीक्षित लेखे दिनांक 20 दिसम्बर, 1980 को केन्द्रीय सरकार को भेज दिये गये थे। इन्हें लोक सभा तथा राज्य सभा के पटल पर 19 फरवरी, 1981 को प्रस्तुत किया गया था।

55. प्रशासन की सापेक्ष लागत

परिशिष्ट 24 पर दिये गये विवरणों में 1975-76 वर्ष से 1980-81 वर्ष के दौरान प्रशासन की सापेक्ष लागत दिखाई गई है। प्रति एक लाख बीमाकृत कर्मचारी कर्मचारी राज्य बीमा निगम स्टाफ की संख्या, प्रति कर्मचारी राज्य बीमा कर्मचारी हितलाभ अवायगियों की संख्या से संबंधित सूचना तथा नकद व चिकित्सा हितलाभों की लागत और वसूल किए गए अंशदानों की राशि के अनुपात में 1976-77 से 1980-81 के वर्षों के दौरान प्रशासन का तुलनात्मक खर्च नीचे दिया गया है :—

| | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79 | 1979-80 | 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. प्रति एक लाख बीमाकृत कर्मचारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम स्टाफ की संख्या . . . . | 160 | 168 | 167 | 173 | 170 |
| 2. प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी नकद हितलाभ प्रदायगियों की संख्या . . | 656 | 770 | 818 | 827 | 884 |
| 3. प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी वसूल किया गया अंशदान . . . . . | 1,42,621 रु० | 1,41,258 रु० | 1,51,065 रु० | 1,54,597 रु० | 1,67,235 रु० |
| 4. नकद व चिकित्सा हितलाभों की तुलना में प्रशासनिक व्यय की प्रतिशतता . . . . | 12.38 प्रतिशत | 10.98 प्रतिशत | 9.40 प्रतिशत | 8.93 प्रतिशत | 9.25 प्रतिशत |
| 5. अंशदान की तुलना में प्रशासनिक व्यय की प्रतिशतता . | 6.98 प्रतिशत | 7.24 प्रतिशत | 6.78 प्रतिशत | 7.12 प्रतिशत | 7.85 प्रतिशत |

परिशिष्ट--I

1980-81 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार

भाग-क---नए क्षेत्रों में कार्यान्वयन

| राज्य | केन्द्र/क्षेत्र | कार्यान्वयन की तारीख | कर्मचारियों की संख्या (अनन्तिम/आंकड़े) | परिवारों के लिए चिकित्सा देखरेख: विस्तार की तारीख | परिवारों के लिए चिकित्सा देखरेख: शामिल किए गए परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कर्नाटक . . . | बीजापुर | 7-12-1980 | 1300 | 7-12-1980 | 1400 |
| केरल . . . | इडाप्पल | 8-2-1981 | 1000 | 8-2-1981 | 1100 |
| | वेल्लूर | 15-2-1981 | -- | 15-2-1981 | -- |
| | कारीकोड | 22-3-1981 | -- | 22-3-1981 | |
| मध्य प्रदेश . | सागर | 28-12-1980 | 500 | 28-12-1980 | 650 |
| महाराष्ट्र . . . | पुना जिले में मंजरी धर्गांव तथा भडावा के राजस्व गांव | 24-8-1980 | -- | 24-8-1980 | -- |
| मेघालय . . . | शिलौंग | 28-9-1980 | 1000 | 28-9-1980 | 1100 |
| उड़ीसा . . . | मोगा | 25-1-1981 | 2000 | 25-1-1981 | 2150 |
| | प्रदीप | 1-3-1981 | 2000 | 1-3-1981 | 2150 |
| | कालंगा | 1-3-1981 | 2500 | 1-3-1981 | 2650 |
| | धनमंडल | 15-3-1981 | 2000 | 15-3-1981 | 2150 |
| पंजाब . . . | लुधियाना के [illegible] नगरपालिका सीमा से | 24-8-1980 | 2400 | 29-8-1980 | 3000 |
| | अमृतसर, कपूरथला जिले में शेखपुरा | 9-11-1980 | -- | 9-11-1980 | -- |
| | होशियारपुर की वर्धित नगर- | 7-12-1980 | 350 | 7-12-1980 | 350 |
| | पालिका सीमाएं, मलेरकोटला की वर्धित, | 7-12-1980 | 1200 | 7-12-1980 | 1500 |
| | नगरपालिका सीमाएं, आजमगढ़ तथा | 18-1-1981 | -- | 18-1-1981 | -- |
| | शेखोन के राजस्व गांव (अमृतसर के निकटवर्ती गांव | 1-3-1981 | -- | 1-3-1981 | -- |
| राजस्थान . | बांसवाड़ा | 22-6-1980 | 1400 | 22-6-1980 | 1750 |
| | देवारी | 22-6-1980 | 1600 | 22-6-1980 | 2000 |
| | धमनी | 7-9-1980 | 700 | 7-9-1980 | 900 |
| | भीलवाड़ा | 21-9-1980 | 50 | 21-9-1980 | 50 |
| | गुलाबपुरा | 21-9-1980 | 2100 | 21-9-1980 | 2650 |
| | विश्वकर्मा | 26-10-1980 | 2100 | 26-10-1980 | 2650 |
| | कांकरोली | 21-12-1980 | 1300 | 21-12-1980 | 1650 |
| तमिलनाडु . . | मामूली चोपदर्ग तथा पीरफाकय | 3-8-1980 | -- | 3-8-1980 | -- |
| उत्तर प्रदेश . . | मुरादनगर | 19-10-1980 | 800 | 19-10-1980 | 900 |
| | [illegible] (आगरा) | 28-12-1980 | -- | 28-12-1980 | -- |
| प० बंगाल . | आसनसोल तथा रानीगंज | 1-2-1981 | 23000 | 1-2-1981 | 28750 |
| चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र | संघ राज्य क्षेत्र की सीमाओं के अन्दर संपूर्ण इलाका | 23-11-1981 | -- | 23-11-1980 | -- |
| कुल | | | 49300 | | 59500 |

परिशिष्ट–1

भाग-ख—स्थापनाओं के नए वर्गों पर कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार

| राज्य | केन्द्र | विस्तार की तारीख | शामिल की गई स्थापनाएं | कर्मचारियों की संख्या (अनन्तिम अनुमानित आंकड़े) | परिवारों के लिए चिकित्सा देख रेख (विस्तार की तारीख) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| केरल | अलायामान, चेंगानूर, पिड़ावूर, इटोला, ईलामंड, कडक्कल, ईराथ और चाड्या-मंगलम् | 7-6-1980 | (1) 10 से 19 व्यक्ति रोजगार में होने वाले विद्युत शक्ति चालित कारखाने,<br>(2) 20 या अधिक व्यक्ति रोजगार में होने वाले गैर-विद्युत चालित कारखाने, और<br>(3) 20 या अधिक व्यक्ति रोजगार में होने वाले होटल, रेस्तरां दुकानें, सड़क मोटर परिवहन स्थापनाएं, सिनेमा तथा पूर्व-दर्शन थियेटर और समाचारपत्र स्थापनाएं | 4670 | 7-6-1980 |
| राजस्थान | बैछवाल | 27-12-1980 | —वही— | 50 | 27-12-1980 |
| उत्तर प्रदेश | आगरा, इलाहाबाद (नैनी सहित), बम्बरोली, लखनऊ तथा बनारस | 14-3-1981 | —वही— | 21500 | 14-3-1981 |
| | | | | 26220 | |

परिशिष्ट 2

कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनेक्सियां

| क्रम संख्या | राज्य | स्थान | बिस्तरों की संख्या: सामान्य | बिस्तरों की संख्या: आरोग्य | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4(1) | 4(2) | 5 |
| अस्पताल | | | | | |
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | हैदराबाद | 310 | -- | |
| 2. | आन्ध्र प्रदेश | सीरपुर कागजनगर | 110 | -- | |
| 3 | आन्ध्र प्रदेश | विशाखापतनम | 100 | -- | |
| 4. | आन्ध्र प्रदेश | अडोनी | 50 | -- | |
| 5. | आन्ध्र प्रदेश | वारंगल | 50 | -- | |
| 6. | आन्ध्र प्रदेश | विजयवाड़ा | 100 | 10 | |
| 7. | बिहार | मैथोन | 110 | -- | |
| 8. | बिहार | भगोर | 30 | -- | |
| 9. | बिहार | डालमियां नगर | 72 | -- | |
| 10. | दिल्ली | दिल्ली | 400 | -- | |
| 11. | गुजरात | नारोदा, अहमदाबाद | -- | 300 | |
| 12. | गुजरात | बापूनगर, अहमदाबाद | 500 | -- | |
| 13. | हरियाणा | फरीदाबाद | 188 | -- | |
| 14. | हरियाणा | यमुनानगर | 60 | -- | |
| 15. | हरियाणा | पानीपत | 15 | 35 | |
| 16 | केरल | मूलाकुनाठाकावू | -- | 110 | |
| 17. | केरल | असरामम | 115 | -- | |
| 18. | केरल | अलेप्पी | 55 | -- | |
| 19. | केरल | पेरुरकाडा | 75 | -- | |
| 20 | केरल | त्रिचूर | 90 | -- | |
| 21. | केरल | उद्योगमंडल | 150 | -- | |

| 1 | 2 | 3 | 4(1) | 4(2) | (5) |
|---|---|---|---|---|---|
| 22. | केरल | अर्णाकुलम | 65 | — | |
| 23. | केरल | वाझावयूर | 65 | — | |
| 24. | केरल | पारीपल्ली | 100 | — | |
| 25. | केरल | एलुकोन | 150 | — | |
| 26. | कर्नाटक | राजाजीनगर, बंगलौर | 380 | 40 | |
| 27. | कर्नाटक | डावेगे | 50 | — | |
| 28. | कर्नाटक | मंगलौर | 60 | — | अतिरिक्त 40 बिस्तर निर्माणाधीन है। |
| 29. | मध्य प्रदेश | इन्दौर | 150 | — | |
| 30 | मध्य प्रदेश | इन्दौर | — | 75 | |
| 31. | मध्य प्रदेश | उज्जैन | 85 | 15 | |
| 32. | मध्य प्रदेश | ग्वालियर | 75 | — | |
| 33. | महाराष्ट्र | एम०जी०एम० अस्पताल, बम्बई | 700 | — | |
| 34. | महाराष्ट्र | वरली, बम्बई | 550 | — | |
| 35. | महाराष्ट्र | कांडीवली, बम्बई | 650 | — | अस्पताल 19-8-1980 को चालू किया गया। |
| 36. | महाराष्ट्र | नागपुर | 200 | — | |
| 37 | महाराष्ट्र | मुलद, बम्बई | 110 | 540 | |
| 38. | महाराष्ट्र | बौन्ध, पूना | 410 | — | |
| 39. | महाराष्ट्र | उल्हासनगर, बम्बई | 200 | | |
| 40. | महाराष्ट्र | अंधेरी बम्बई | 650 | — | |
| 41. | महाराष्ट्र | वाशी, नई बम्बई | 650 | — | |
| 42. | उड़ीसा | चौदवार | 50 | — | |
| 43. | उड़ीसा | कमबहल | 50 | — | |
| 44 | उड़ीसा | बृजराजनगर | 50* | — | |
| 45. | उड़ीसा | जे० के० पुर | 25 | — | |
| 46 | पांडिचेरी | पांडिचेरी | 50 | — | |
| 47. | पंजाब | अमृतसर | 125 | | |
| 48 | पंजाब | लुधियाना | 80 | — | |
| 49 | पंजाब | जालधर | 100 | — | |
| 50. | राजस्थान | जयपुर | 139 | — | |
| 51. | तमिलनाडु | मद्रास | 625 | · | |
| 52. | तमिलनाडु | कोयम्बटूर | 500 | | |
| 53 | तमिलनाडु | मदुरै | 177 | 25 | |
| 54. | तमिलनाडु | दक्षिणी मद्रास | 500** | | |
| 55 | तमिलनाडु | वैल्लौर | 50 | | अस्पताल 8-1-1981 को चालू किया गया |
| 56. | उत्तर-प्रदेश | कानपुर (सामान्य) | 212 | — | |
| 57. | उत्तर-प्रदेश | कानपुर (चैस्ट) | — | 180 | |
| 58. | उत्तर-प्रदेश | कानपुर (महिला तथा शिशु) | 144 | — | |
| 59. | उत्तर-प्रदेश | मोदीनगर | 100 | — | |
| 60. | पश्चिमी बंगाल | कमरहट्टी | 175 | — | |
| 61. | पश्चिमी बंगाल | उत्तूरबल्ली | — | 150 | |
| 62. | पश्चिमी बंगाल | सेरामपुर | 216 | — | |
| 63. | पश्चिमी बंगाल | उलूबेरिया | 216 | — | |
| 64. | पश्चिमी बंगाल | बाल्टीकुरी—नकरा | 416 | — | |
| 65. | पश्चिमी बंगाल | कल्याणी | 266 | — | |
| 66 | पश्चिमी बंगाल | सियालदाह | 250 | — | |
| 67. | पश्चिमी बंगाल | गौरहाटी | 216 | — | |
| 68. | पश्चिमी बंगाल | बाज-बाज | 300 | — | |
| 69. | पश्चिमी बंगाल | मनिकटोला | 500 | — | |
| 70 | पश्चिमी बंगाल | कल्यापुर—आसनसौल | 60 | 90 | अस्पताल 31-3-1981 को चालू किया गया। |
| | जोड़ | | 13,482 | 1,470 | |

* निर्माणाधीन 25 बिस्तर शामिल हैं।

** निर्माणाधीन 294 बिस्तर शामिल हैं।

| 1 | 2 | 3 | 4(1) | 4(1) | 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| अनैक्सियां : | | | | | |
| 1. आन्ध्र प्रदेश | | ईरुमनुमा | -- | 24 | |
| 2. बिहार | | हटकी | -- | 20 | |
| 3. हरियाणा | | फरीदाबाद | -- | 12 | |
| 4. हरियाणा | | हिसार | 12 | -- | |
| 5. हरियाणा | | सोनीपत | 12 | -- | |
| 6. हिमाचल प्रदेश | | धर्मपुर | -- | 12 | |
| 7. कर्नाटक | | बंगलौर | -- | 32 | |
| 8. केरल | | पुलायानरकोटा | -- | 24 | |
| 9. महाराष्ट्र | | नागपुर | - | 25 | |
| 10. उड़ीसा | | चौदवार | -- | 12 | |
| 11. उड़ीसा | | राजगंगपुर | 16 | . | अनैक्सी 06-3-80 से चालू की गई। |
| 12. पंजाब | | अमृतसर | -- | 12 | |
| 13. चण्डीगढ़ | | चण्डीगढ़ | 40 | -- | |
| 14. राजस्थान | | जयपुर | -- | 15 | |
| 15. राजस्थान | | बारी उदयपुर | -- | 16 | |
| 16. राजस्थान | | पाली | 12 | -- | |
| 17. राजस्थान | | भीलवाड़ा | 24 | -- | (12 निर्माणाधीन) |
| 18. राजस्थान | | जोधपुर | 20 | -- | |
| 19. राजस्थान | | श्रीगंगानगर | 12 | -- | |
| 20. राजस्थान | | कोटा | 24 | -- | |
| 21. राजस्थान | | उदयपुर | 12 | -- | |
| 22. राजस्थान | | भरतपुर | 24 | -- | (12 निर्माणाधीन) |
| 23. तमिलनाडु | | शिवाकाशी | 12 | -- | |
| 24. तमिलनाडु | | नागरम् | -- | 52 | |
| 25. तमिलनाडु | | काइल पट्टी | 32 | -- | |
| 26. तमिलनाडु | | कालगुडी | 10 | -- | |
| 27. तमिलनाडु | | नागरकोइल | -- | 26 | |
| 28. तमिलनाडु | | कार्तिगेनगर | 10 | -- | |
| 29. उत्तर प्रदेश | | मोदीनगर | -- | 24 | |
| 30. उत्तर प्रदेश | | रामपुर | 24 | -- | |
| 31. उत्तर प्रदेश | | मेरठ | 12 | -- | |
| 32. उत्तर प्रदेश | | मुरादाबाद | 24 | -- | |
| 33. उत्तर प्रदेश | | मिर्जापुर | 24 | -- | |
| 34. उत्तर प्रदेश | | शिकोहाबाद | 24 | -- | |
| 35. उत्तर प्रदेश | | गोरखपुर | 24 | -- | अनैक्सी 13-1-1980 से चालू की गई। |
| जोड़ | | | 404 | 306 | |

## परिशिष्ट 3

31-3-1980 और 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी परिवार एककों को दी गई चिकित्सा देखरेख का स्वरूप

| क्र० सं० | राज्य का नाम | सीमित देखरेख | | विस्तारित देखरेख | | पूर्ण देखरेख | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 31-3-80 | 31-3-81 | 31-3-80 | 31-3-81 | 31-3-80 | 31-3-81 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | -- | -- | 700 | -- | 2,39,300 | 2,55,000 |
| 2. | असम | | -- | - | -- | 32,000 | 34,000 |
| 3. | बिहार | -- | -- | 1,02,200 | 1,27,850 | 37,800 | 32,150 |
| 4. | चंडीगढ़ | -- | -- | 14,300 | 19,000 | -- | -- |
| 5. | दिल्ली | -- | - | - | | 2,53,000 | 2,78,000 |
| 6. | गुजरात | -- | -- | 1,55,100 | 1,57,150 | 3,94,900 | 4,02,850 |
| 7. | हरियाणा | -- | -- | -- | . | 1,94,000 | 2,05,000 |
| 8. | हिमाचल प्रदेश | -- | -- | [illegible] | [illegible] | | - |
| 9. | कर्नाटक | -- | -- | [illegible] | | [illegible] | [illegible] |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | केरल तथा माही | — | — | — | — | 3,08,000 | 3,20,000 |
| 11. | मध्य प्रदेश | — | — | — | — | 1,60,000 | 1,75,000 |
| 12. | महाराष्ट्र | | | | | | |
| | (क) बम्बई क्षेत्र | — | — | — | — | 11,46,000 | 11,70,000 |
| | (ख) गोआ क्षेत्र | — | — | — | — | 19,500 | 20,000 |
| | (ग) नागपुर | — | — | 31,100 | 37,550 | 43,900 | 47,450 |
| | (घ) पुना क्षेत्र | — | — | 52,500 | 64,800 | 1,92,500 | 1,92,200 |
| 13. | उड़ीसा | — | — | — | — | 1,09,000 | 1,21,000 |
| 14. | पाण्डिचेरी | — | — | — | — | 15,000 | 17,000 |
| 15. | पंजाब | — | — | — | — | 1,65,000 | 1,80,000 |
| 16. | राजस्थान | — | — | — | — | 1,24,000 | 1,40,000 |
| 17. | तमिलनाडु | — | — | — | — | 4,50,000 | 4,75,000 |
| 18. | उत्तर प्रदेश | 23,800 | 23,600 | — | — | 4,21,200 | 4,41,400 |
| 19. | पश्चिमी बंगाल | — | — | 6,31,600 | 6,61,750 | 3,53,400 | 4,13,250 |
| | जोड़ | 23,800 | 23,600 | 10,62,200 | 10,69,300 | 48,97,000 | 52,39,300 |

परिशिष्ट-4

1980-81 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

13 दिसम्बर, 1980 :

निगम ने अपनी बजट तथा लेखा उप-समिति और सामान्य प्रयोजन उप-समिति का पुनर्गठन किया ।

14 दिसम्बर, 1980 :

1. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 75 के अन्तर्गत चिकित्सा बोर्ड, विशेष चिकित्सा बोर्ड का गठन करने के लिये महानिदेशक को शक्तियां प्रदान कीं ।

2. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की तीसरी अनुसूची के भाग "ग" में शामिल निम्नलिखित रोगों के संबंध में निरंतर रोजगार की अवधि के संबंध में प्रस्ताव का अनुमोदन किया :—

| व्यावसायिक रोग | कर्मचारियों को जितनी अवधि के लिये निरन्तर रोजगार में रहना चाहिए |
|---|---|
| 1. सिलिकोसिस | छह मास |
| 2. कोयला खनिकों की फुफ्फुस धूलिमयता | सात वर्ष |
| 3. एस्बेस्टोसिस | तीन वर्ष |
| 4. धूलियमयता | तीन वर्ष |
| 5. बाइसिनोसिस | सात वर्ष |
| 6. पुरानी सूखी घास की धूल से अन्दर सांस लेना अथवा पुरानी मिट्टी से उत्पन्न अन्य रोग तथा ऐसे रोग लक्षण और चिह्न जिससे श्वास फुफ्फुसीय प्रणाली के बाह्य भाग में प्रतिक्रिया हो सकती हो तथा गैस केन्द्र में खराबी को बढ़ावा देने वाले हों, के कारण फारमर का फुफ्फुसीय रोग | छह मास |
| 7. न्यूमोकोनिओसिस | सात वर्ष |

3. निगम ने चिकित्सा देख-रेख की हकदारी से संबंधित सामान्य नियमों के अंतर्गत के अलावा अपनी मृत्यु के समय अन्यथा चिकित्सा हितलाभ प्राप्त करने वाले मृत बीमाकृत व्यक्ति के संबंध में अन्त्येष्टि हितलाभ प्रदान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया ।

4. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 45-क के अंतर्गत तथा उपबन्धित कारखानों/स्थापनाओं के कर्मचारियों के संबंध में अंशदान की राशि निर्धारित करने के लिये कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 94-क के अंतर्गत शक्तियों का प्रत्यायोजन करने के संबंध में निम्नलिखित संकल्प स्वीकार किया :—

"संकल्प किया जाता है कि देय अंशदानों की राशि आदेश द्वारा निर्धारित करने के लिये धारा 45-क के अधीन निगम की शक्तियां निम्न प्रकार प्रयोग की जायेंगी :—

(i) भारत में किसी भी स्थान पर स्थित कारखानों/स्थापनों के संबंध में महानिदेशक द्वारा,

(ii) अपने क्षेत्र के अन्दर स्थित किसी कारखाने/स्थापना के संबंध में क्षेत्रीय निदेशक द्वारा,

(iii) अपने कार्यभार में/अपने क्षेत्र में आने वाले इलाके के अन्दर स्थित किसी कारखाने/स्थापना के संबंध में संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक/उप-क्षेत्रीय निदेशक तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशक द्वारा ।

5. कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 1.4.80 से चिकित्सा हितलाभ पर व्यय की अधिकतम सीमा को बढ़ाने के संबंध में स्थायी समिति द्वारा दिनांक 11-7-80 को हुई बैठक में लिये निर्णय के लिये कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया है :—

(क) (i) प्रतिबन्धित चिकित्सा देख रेख पर व्यय 70/- रुपये प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष लागू रहेगा ।

(ii) विस्तृत चिकित्सा देख रेख पर व्यय 85/- रुपये प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष लागू रहेगा ।

(iii) पूर्ण चिकित्सा देख-रेख पर व्यय 115/-रु० से बढ़ाकर 120 रु० प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष कर दिया जाय ।

(ख) कर्मचारी राज्य बीमा योजना से प्रभावित कर्मचारी राज्य बीमा निगम के स्वामित्व में आने वाले नगरों का किराया व्यय की अधिकतम सीमा से बाहर रखा जाए तथा राज्य सरकार तथा निगम के बीच निर्धारित अनुपात में शेयर किया जाये ।

(ग) दवाइयों तथा औषधियों पर 25/- रु० से बढ़ाकर दिया गया 50/- रु० से अनधिक प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी व्यय अधिकतम सीमा के ऊपर भी दिया जाना जारी रखा जाये।

(घ) कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों/अनैक्सियों/वार्डों/बिस्तरों के लिये प्रारम्भिक उपस्कर व्यवस्था और चालू कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नये विभाग खुलने के कारण अतिरिक्त उपस्कर की व्यवस्था तथा एक्सरे मशीन आदि जैसे कीमती उपस्कर के बदलने पर खर्च को अधिकतम सीमा के बाहर रखना जारी रखा जाए लेकिन राज्य सरकार तथा निगम के बीच निर्धारित अनुपात मे शेयर किया जाये।

(ङ) कर्मचारी राज्य बीमा भत्ते सहित अन्य कोई व्यय पहले की तरह अधिकतम सीमा के अन्दर जारी रखा जाये। इस प्रकार अधिकतम सीमा के ऊपर कोई व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाना रहेगा।

6. कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 1980 में बीमा चिकित्सा व्यवसायियों को देय प्रति व्यक्ति फीस का 30/- रु० से बढ़ाकर 40/- रु० प्रति बीमाकृत व्यक्ति परिवार एकक प्रतिवर्ष करने के स्थायी समिति को दिनांक 11-7-80 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय का अनुमोदन किया।

7. स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने परिशोधित फार्माकोपिया तथा कर्मचारी राज्य बीमा संस्थानों में उसके परिचालन का अनुमोदन किया।

8. कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश को स्वीकार किया कि एलापैथी के अलावा अन्य प्रणाली में लाभार्थियों को उपचार की सुविधाएं देने के लिये मौजूदा निर्णय को निम्नलिखित परिस्थितियों में जारी रखा जाये और दोनों प्रणालियों को मिलाकर चलाने की अनुमति न दी जाये

(क) जहां इस प्रणाली के लिये काफी संख्या में कर्मचारियों द्वारा मांग की गई हो तथा,

(ख) जहां राज्य सरकार ने ऐसी प्रणाली में योग्यता को मान्यता दे दी है,

9. स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने निम्नलिखित का अनुमोदन किया :—

(i) एम्बुलैंस सेवाओं में सुधार :

योजना के अन्तर्गत एम्बुलैंस गाड़ियों की व्यवस्था के संबंध में यार्ड स्टिक का निम्न प्रकार परिशोधन किया जाना चाहिए :—

| | |
|---|---|
| (क) 10,000 से कम लेकिन 7,000 से अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | मैटाडार जैसी छोटी गाड़ी जिसे एम्बुलैंस के रूप में प्रयोग किया जा सके |
| (ख) 10,000 अथवा अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | एक एम्बुलैंस |
| (ग) 30,000 अथवा अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | दो एम्बुलैंस |
| (घ) 60,000 अथवा अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | तीन एम्बुलैंस |
| (ङ) 1,00,000 कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | चार एम्बुलैंस |
| (च) 1 लाख से अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों के लिये | प्रत्येक 50,000 कर्मचारियों के लिये एक अतिरिक्त एम्बुलैंस |

एक एम्बुलैंस गाड़ी के लिये स्वीकार्य अधिकतम स्टाफ में तीन चालक तथा छह क्लीनर-कम-स्ट्रैचर वाहक प्रति गाड़ी होना चाहिये ताकि उनका चौबीसों घन्टे उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

(ii) विशेषज्ञ सेवाओं में सुधार :

(क) 50 बिस्तर वाले अस्पतालों सहित छोटे कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में भी विकलांग विज्ञान तथा शिशुरोग विज्ञान में एक-एक विशेषज्ञ की व्यवस्था की जानी चाहिये।

(ख) 20,000 परिवार एककों से कम वाले केन्द्रों के लिये तथा प्रत्येक 20,000 परिवार एकक अथवा उसके भाग के लिये औषध तथा शिशुरोग विज्ञान में अंशकालिक विशेषज्ञों के सत्रों की संख्या में 2 सत्र प्रति सप्ताह से वृद्धि करके 3 सत्र प्रति सप्ताह कर दिया जाये।

(ग) 20,000 परिवार एकक से कम के लिये तथा प्रत्येक 20,000 परिवार एकक अथवा उसके भाग के लिये चर्म तथा यौन संचरण रोग विशेषज्ञता के लिये विशेषज्ञ केन्द्रों में सेवायें एक सत्र प्रति सप्ताह से बढ़ाकर 2 सत्र प्रति सप्ताह कर दी जाये।

(घ) अंशकालिक विशेषज्ञों का पारिश्रमिक परिशोधित करके एक सप्ताह में एक सत्र के लिये 125/- रुपये प्रति मास से 200/- रुपये प्रति मास किया जाये तथा प्रत्येक अतिरिक्त सत्र के लिये 100/- रुपये दिये जायें जिसकी अधिकतम राशि 1000/- रुपये प्रतिमास हो।

(iii) कर्मचारी राज्य बीमा अनैक्सियों के लिये स्टाफ की व्यवस्था :

प्रत्येक कर्मचारी राज्य बीमा अनैक्सी में एक चिकित्सा अधिकारी तथा न्यूनतम पैरा मैडिकल स्टाफ की व्यवस्था की जाये। प्रत्येक अनैक्सी के साथ एक छोटा मैडिकल स्टोर भी होना चाहिए।

(iv) रात के समय रेडियोलोजी प्रयोगशालायें आदि

जिन कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में प्रयोगशाला एक्सरे विभाग, रक्ताधान विभाग, ई०सी०जी०कक्ष आदि की रात भर सेवायें सुलभ की जा रही हैं उनमें रात्रि ड्यूटी के लिये मानकों से अधिक न्यूनतम पैरा मैडिकल स्टाफ (तकनीशियन/सहायक) दिये जायें।

(v) अंशकालिक कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों की स्थापना नहीं की जानी चाहिये। लगभग 500 बीमाकृत व्यक्ति परिवार एककों के लिये एक छोटा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय स्थापित किया जाना चाहिए।

10. पर्यावरण प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों के अध्ययन के लिये अनुसंधान कक्ष की स्थापना :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम, निगम के लिये रोचक क्षेत्रों का पता लगाने के लिये भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् का सहयोग प्राप्त करे क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत संस्थान कारसिनोजेन्स, आंख की चोट, रासायनिक चोट आदि पर अनुसंधान करते हैं।

11. सरकारी/अन्य संस्थाओं में आरक्षित बिस्तरों के आरक्षण प्रभार में वृद्धि :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि प्रति गिरे हुए बिस्तर के आरक्षण प्रभार में 25 रुपये प्रतिदिन तक वृद्धि की जाये।

12. नियोजक उपयोजक औषधालयों को विशेष दवाइयों की पूर्ति के लिये मंजूरी :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि उपयोग औषधालय द्वारा विशेष दवाइयों की पूर्ति की राशि प्रति बीमाकृत व्यक्ति परिवार एकक 6 रु० से बढ़ाकर 15 रुपये प्रति वर्ष की जाये ।

13. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में चोट के मामलों के उपचार की सुविधाओं में वृद्धि :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि प्रत्येक कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में ऐसे विकलांग विभाग हों जिनमें पूरे उपस्कर उपलब्ध हों और प्रत्येक राज्य में कम से कम एक बड़े कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में जलने के मामलों के उपचार के लिये आधुनिक बर्न यूनिट होने चाहियें ।

14. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा चिकित्सा अधिकारियों को कर्मचारी राज्य बीमा विशेष भत्ता 100 रुपये मासिक से बढ़ाकर 200 रुपये मासिक करना तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत रेंटल सर्जन, विशेषज्ञ, कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों को कर्मचारी राज्य बीमा विशेष भत्ते की अदायगी :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा चिकित्सा अधिकारियों, रेंटल सर्जन, विशेषज्ञ, चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों को दिये जाने वाले कर्मचारी राज्य बीमा भत्ते /विशेष वेतन को 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया जाये ।

15. औषधियों/टीकों के विपरीत प्रभाव के कारण बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु की दशा में उसे अनुग्रह राशि की अदायगी :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि औषधियों/टीकों के विपरीत प्रभाव के कारण बीमाकृत व्यक्ति या बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, विशिष्ट अपंगता, शरीर के किसी अंग अथवा उसके किसी भाग की हानि के लिये 5,000 रुपये तक अनुग्रह राशि की अदायगी की व्यवस्था की जाये। प्रत्येक मामले में अदायगी बीमाकृत व्यक्ति या उसके आश्रित को निगम के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा की जायेगी और ऐसे मामलों की रिपोर्ट सालाना स्थायी समिति को की जायेगी ।

16. विभिन्न आकार के कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों आदि के लिए स्टाफ तथा उपस्कर के मानक तथा मानदण्ड में संशोधन :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की निम्नलिखित सिफारिशों का अनुमोदन किया —

(1) 200 या अधिक बिस्तर वाले कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों के मानकों में एक कल्याण अधिकारी की व्यवस्था की जाये ।

(2) [illegible] 300 बिस्तर वाले कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में एक सहायक चिकित्सा अधीक्षक तथा 400 बिस्तर वाले अस्पताल में एक उप-चिकित्सा अधीक्षक के पद के लिये व्यवस्था की जाये ।

(3) कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों की अनुमोदित संख्या के अलावा हाउस सर्जन तथा [illegible] की व्यवस्था की जाये ।

(4) मानकों में कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नर्स हास्टल/डाक्टर हास्टल के लिये हाउस कीपर के पद की व्यवस्था की जाए ।

(5) एक लाख अथवा अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों पर कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में शव वाहन की व्यवस्था की जाये वृहत्तर बम्बई तथा वृहत्तर कलकता के मामले में दो वाहनों की व्यवस्था की जाये ।

17. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत विभिन्न कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नर्स होस्टल की व्यवस्था :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि सभी कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नर्स हास्टल के लिये आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था की जाये ।

18. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में पुस्तकालयों के लिये चिकित्सा पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को खरीदने के लिए व्यय की सीमा को बढ़ाना :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि एक नये कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल के पुस्तकालय में चिकित्सा पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के लिये शुरु में 15,000 रुपये की राशि की व्यवस्था की जाये । इसके बाद पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के लिये प्रति वर्ष निधियों का आवंटन निम्न प्रकार किया जायें :—

| | |
|---|---|
| (1) 50 बिस्तर वाले अस्पताल | 2000/- रुपये |
| (2) 100 से 250 बिस्तर वाले अस्पताल | 4000/- रुपये |
| (3) 300 या अधिक बिस्तर वाले अस्पताल | 10,000/- रुपये |

19. सुदूर क्षेत्रों में स्थित एक डाक्टर वाले कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों के मानकों में संशोधन :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने स्थायी समिति की इस सिफारिश का अनुमोदन किया कि किसी केन्द्र पर केवल एक डाक्टर वाला एक ही कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय होने की स्थिति में वहां एक और डाक्टर की व्यवस्था की जाये ताकि एक डाक्टर के किसी भी कारण से अनुपस्थिति होने की दशा में औषधालय के कार्यचालन में कोई बाधा न आये। निगम ने यह भी अनुमोदन किया कि केन्द्र के आकार तथा क्षेत्र पर निर्भर करते हुए औषधालय के कार्य के घंटों के बाद एक या अधिक औषधालयों में आपातकालीन सेवायें उपलब्ध कराई जायें और ऐसे प्रत्येक औषधालय में एक चिकित्सा अधिकारी, औषधकारक तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की व्यवस्था की जाये ।

20. निगम ने 31 मार्च, 1974 की स्थिति के अनुसार निगम की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं के 5वें पंचवार्षिक मूल्यांकन पर मूल्यांकक की रिपोर्ट में की गई सामान्य सिफारिशों पर विचार करने के लिये नियुक्त की गई कर्मचारी राज्य बीमा निगम की उप-समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया। इसने विशेष तौर पर अपंगता तथा आश्रित जन हितलाभ के संबंध में निम्नलिखित वृद्धि करने का निर्णय किया :

(i) अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दर में मानक हितलाभ दर की 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत तक की वृद्धि 1-1-81 से की जाये । वृद्धि 1-1-81 या इसके बाद होने वाली दुर्घटना के मामलों में लागू होगी ।

(ii) स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ के सभी मौजूदा मामलों में जिनमें दुर्घटना 31-3-78 या इससे पहले हुई हो, राशि में निम्नलिखित वृद्धि कर दी जाये :

| | | |
|---|---|---|
| (क) | 31-3-75 या इससे पहले हुई अपंगता या मृत्यु के मामलों में । | मूल राशि का 20% (1-10-77 से पहले स्वीकृत वृद्धि के अलावा) |
| (ख) | 1-4-75 और 31-3-78 के बीच हुई अपंगता या मृत्यु के मामलों में । | मूल राशि का 15% |

7 फरवरी 1981 :

1 बीमाकृत व्यक्तियो तथा उनके परिवारो के स्वास्थ्य मे सुधार तथा कल्याण के साधनो मे वृद्धि के लिये क०रा०बी० निगम ने अवकाश तथा विश्राम गृह बनाने का निर्णय किया जहां बीमाकृत कामगार छुटिट्यो में कम खर्च पर स्वस्थ वातावरण मे अपनी छुट्टियां बिताने के लिये जा सके ।

2 निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 103-क के अंतर्गत नाहकदारी कार्यविधि पर विचार करने के लिये स्थायी समिति द्वारा दिनांक 24-2-79 को सम्पन्न अपनी बैठक में नियुक्त की गई उप-समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया तथा उप-समिति द्वारा की गई निम्नलिखित आठ सिफारिशो का अनुमोदन किया --

(1) विनियम 103-क के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्तियो की नाहकदारी के सबध मे मौजूदा कार्यविधि पर्याप्त रूप मे बीमाकृत व्यक्तियो/बीमा चिकित्सा व्यवसायियो के हित की सुरक्षा करती है और सामाजिक बीमे के मूलभूत सिद्धान्त के अनुरूप है ।

(2) बीमा चिकित्सा व्यवसायी खाली एसिक-37 तथा एसिक-166 अपने पास रखे ताकि निवास स्थान से कारखाने दूर स्थित होने के मामले में बीमाकृत व्यक्ति/उसके परिवार के सदस्यो को असुविधा न हो ।

(3) एसिक-166 के आधार पर बीमा चिकित्सा व्यवसायी के प्रति व्यक्ति फीस का पात्र बनने की कार्यविधि राज्य सरकार को स्पष्ट कर देनी चाहिये ताकि प्रति व्यक्ति अदायगी के सम्बन्ध मे बीमा चिकित्सा व्यवसयी के हित की सुरक्षा हो सके ।

(4) बीमा चिकित्सा व्यवसायियो से प्राप्त एसिक-166 तथा एसिक-37 एक अग्रेषण पत्र के साथ दो प्रतियो मे प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी को भेज देना चाहिये जिसे उसकी प्राप्ति सूचना देनी चाहिए ताकि बीमा चिकित्सा व्यवसायी को प्रतिव्यक्ति फीस की कोई हानि न हो ।

(5) कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 26 मे संशोधन किया जाना चाहिये जिसमे एक बीमाकृत व्यक्ति के त्यागपत्र, सेवानिवृत्ति/सेवा से निष्कासन या 1000/ रूपये प्रति माह से वेतन होने पर बीमाकृत व्यक्ति न रहने की स्थिति मे 28 दिन के अन्दर सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्यालय को बीमाकृत व्यक्ति का अशदान कार्ड प्रस्तुत करने की व्यवस्था हो ।

(6) निष्कासन सूची औषधालय-वार तैयार की जानी चाहिये ।

(7) बीमा चिकित्सा अधिकारियो/बीमा चिकित्सा व्यवसायो को कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सा नियम पुस्तक (द्वितीय सस्करण) के पैरा 113 मे निर्धारित रूप मे बीमाकृत व्यक्ति का एक रजिस्टर रखना चाहिये ।

(8) पुन प्रविष्टि के ऐसे मामलो मे जहां बीमाकृत व्यक्ति वास्तव मे चिकित्सा हितलाभ के हकदार थे तथा बीमा चिकित्सा व्यवसायियो की चालू सूचियो मे शामिल होने चाहिये थे, उनके सबध मे सबधित बीमा चिकित्सा व्यवसायियो को पिछली तारीख यानी ऐसे बीमाकृत व्यक्तियो को चिकित्सा हितलाभ से वंचित किये जाने की तारीख से प्रति व्यक्ति फीस को अदायगी की जाये ।

3 निगम ने स्थायी समिति द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार बीमा चिकित्सा व्यवसायियो के कार्य तथा उनकी शिकायतो का गहराई से अध्ययन करने के लिये गठित उप-समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया ।

4 निगम ने मध्य प्रदेश मे कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यचालन पर सामान्य प्रयोजन उप-समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया ।

5. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के ऐसे सदस्यो को स्थायी समिति की बैठक मे आमंत्रित करने से सबधित प्रस्ताव का अनुमोदन किया जो स्थायी समिति के सदस्य नहीं हैं ।

## परिशिष्ट 5

### 1980–81 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निर्णय

28 अगस्त, 1980 .

स्थायी समिति ने न्यू इंडिया एशोरेंस कम्पनी से प्राप्त खजान्चियो तथा उनके रक्षक के लिए वैयक्तिक दुर्घटना बीमा कवर के सबध मे प्रीमियम की अदायगी पर व्यय का अनुमोदन किया ।

13 दिसम्बर, 1980 :

स्थायी समिति ने आकस्मिक छुट्टी अथवा विशेष आकस्मिक छुट्टी पर क्षेत्रीय कार्यालय मे खजाची की अनुपस्थिति के दौरान नकदी सभालने के कार्य पर लगाए गए कर्मचारियो को 2 रूपये प्रतिदिन की दर से तीसरे दिन से अधिकतम 8 दिन की अवधि तक मानदेय की अदायगी से सबधित प्रस्ताव का अनुमोदन किया जो तीसरे दिन से चालू होगी ।

6 फरवरी, 1981

स्थायी समिति ने कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 19 के विनियम 31-क के अन्तर्गत ब्याज गणना की कार्यविधि का अनुमो किया ।

## अनुबन्ध 6

### 1980-81 वर्ष के दौरान चिकित्सा हितलाभ परिषद की महत्वपूर्ण सिफारिशें

5.10 1980 को जयपुर में .

1. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि प्रत्येक अस्पताल मे पूर्ण उपस्कर युक्त विकलांग विभाग होना चाहिए और प्रत्येक राज्य में कम से कम एक बड़े अस्पताल मे पूर्ण उपस्कर युक्त भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग होना चाहिए । परिषद ने यह भी सिफारिश की कि बड़े कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल मे 'जले के लिए एकक" भी होना चाहिए ।

2 चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा बीमा चिकित्सा अधिकारियो को दिया जाने वाला कर्मचारी राज्य बीमा विशेष भत्ता 100 रुपये प्रतिमास से बढ़ाकर 200/ रूपये प्रतिमास किया जाए तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत डेंटल सर्जन, विशेषज्ञ, चिकित्सा अधीक्षक, कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी तथा निदेशकों आदि को भी उक्त भत्ते की अदायगी की जानी चाहिए ।

3 चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि औषधियो/टीके की विपरीत प्रतिक्रिया के कारण किसी बीमाकृत व्यक्ति की मृत्यु, विशिष्ट अपगता, शरीर के किसी अग अथवा उसके किसी भाग की हानि के लिए 5,000 रूपये तक की अनुग्रह अदायगी के लिए भी व्यवस्था की जाए ।

4 चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि विभिन्न आकार के अस्पतालो आदि के लिए स्टाफ तथा उपस्कर के मानक तथा मान दण्ड मे निम्नलिखित संशोधन किया जाए--

(क) 200 अथवा इससे अधिक बिस्तरो वाले कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालो मे एक कल्याण अधिकारी के पद के लिए मानको में व्यवस्था की जाए ।

(ख) 300 बिस्तर वाले कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में एक सहायक चिकित्सा अधीक्षक तथा 400 बिस्तर वाले अस्पताल मे एक उप चिकित्सा अधीक्षक के पद के लि मानकों में व्यवस्था की जाए ।

(ग) सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों की अनुमोदित संख्या के अलावा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में हाउस सर्जन और रजिस्ट्रारों की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

(घ) कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नर्स होस्टल/डाक्टर होस्टल के लिए गृहपाल पद के लिए मानकों में व्यवस्था की जानी चाहिए ।

(ङ) एक लाख अथवा इससे अधिक कर्मचारियों वाले केन्द्रों में कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में एक शव गाड़ी/शवयान की व्यवस्था की जाए । बृहत्तर बम्बई तथा बृहत्तर कलकत्ता के मामले में दो गाड़ियों की व्यवस्था की जाए ।

5. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि सभी कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में नर्स होस्टल के लिए आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

6. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों के पुस्तकालय के लिए चिकित्सा पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए आरम्भ मे 15,000 रुपये की राशि की व्यवस्था की जाए । बाद मे पुस्तको तथा पत्रिकाओं के लिए प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित रूप में निधियों का आवंटन किया जाए :—

1. 50 बिस्तर वाले अस्पताल 2,000 रुपये
2. 100 से 250 बिस्तर वाले अस्पताल 4,000 रुपये
3. 300 और इससे अधिक बिस्तर वाले अस्पताल 10,000 रुपये

7. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि यदि किसी विशेष केन्द्र पर केवल एक कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय है और उसमें भी केवल एक डाक्टर है तो एक अतिरिक्त डाक्टर की व्यवस्था की जाए ताकि किसी कारणवश किसी एक डाक्टर के अनुपस्थित रहने पर भी औषधालय के कार्य में बाधा न आए ।

8. चिकित्सा हितलाभ परिषद ने सिफारिश की कि औषधालय के कार्य समय के बाद केन्द्र के आकार और क्षेत्र के आधार पर एक अथवा एक से अधिक औषधालयों में आपात सेवाएं सुलभ की जाएं और ऐसे प्रत्येक औषधालय के लिए एक चिकित्सा अधिकारी, एक औषधकारक तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की व्यवस्था की जाए ।

**परिशिष्ट 7**

**भाग-1**

31 मार्च, 1981 को कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारी वर्ग की संख्या

| क्र०सं० | पदनाम | मुख्या-लय | आन्ध्र प्रदेश | | असम | | बिहार | | दिल्ली | | गुजरात | | तमिलनाडु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 1. | महानिदेशक | 1 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | — | -- | — | -- | -- |
| 2. | बीमा आयुक्त | 1 | -- | — | -- | -- | -- | -- | -- | -- | — | -- | — | — |
| 3. | वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी | 1 | — | — | -- | -- | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4. | चिकित्सा आयुक्त | 1 | — | -- | — | — | -- | — | — | — | -- | -- | — | — |
| 5. | बीमांकक | 1 | -- | -- | -- | — | — | — | — | -- | -- | — | — | — |
| 6. | निदेशक (प्रशासन) | 1 | — | -- | -- | — | — | — | -- | — | — | -- | -- | |
| 7. | क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त | 1 | -- | -- | -- | — | -- | -- | -- | — | — | -- | -- | — |
| 8. | संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-I | 2 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — |
| 9. | निदेशक (संगठन एवं पद्धति)/क्षे०नि० ग्रेड-2/नि० (यो० एवं वि०)/निदेशक (सतर्कता)/निदेशक (जनसंपर्क) | 4 | 1 | -- | — | — | — | -- | 1 | — | — | - | - | — |
| 10. | प्रशासन अधिकारी/उप बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-3/उप मुख्य लेखा अधिकारी/संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक/सतर्कता अधिकारी/सहायक बीमांकक | 11 | — | — | — | — | 1 | — | 1* | — | -- | -- | 1 | — |
| 11. | उप-चिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निदेशी | 4 | 1 | — | — | — | 1 | — | 2 | — | 6 | — | 4 | — |
| 12. | क्षे०नि०ग्रेड-4/लेखा अधिकारी/उप क्षेत्रीय निदेशक/सहायक निदेशक (योजना एवं विकास) | 10 | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 5 | — | 8 | — | 7 | — |

| केरल | | मध्य प्रदेश | | महाराष्ट्र | | उड़ीसा | | हरियाणा/पंजाब | | राजस्थान | | कर्नाटक | | उत्तर प्रदेश | | पश्चिमी बंगाल | | जोड़ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का | क्षे० का० | स्था० का० | क्षे० का० | स्था० का० | क्षेत्र का० | स्था० का० | |
| 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 4 |
| — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 7 |
| 1 | — | — | — | — | — | — | — | 2 | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 10 |
| — | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 3 | — | 24 |
| 22 | — | 1 | — | 6+2£ | — | 1 | — | 2 | — | — | — | 2 | — | 3 | — | 9 | — | 44 |
| 44 | — | 3 | — | 19 | — | — | — | 6 | — | 1 | — | 5 | — | 7 | — | 17 | — | 99 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13. | सहायक क्षेत्रीय निदेशक/मैनेजर ग्रेड-1/उप लेखा अधिकारी/अनुभाग अधिकारी | 24 | 3 | 7 | 1 | — | 3 | 1 | 6 | 1 | 7 | 15 | 5 | 22 |
| 14. | सहायक इंजीनियर | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 15. | अनुभाग अधिकारी (हिन्दी) | 1 | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | — | — |
| 16. | बीमा निरीक्षक/लेखा परीक्षा निरीक्षक/उप प्रबंधक निरीक्षक (सं० एवं प०)/वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक/प्रबंधक ग्रेड-2 | 8 | 26 | 13 | 4 | 4 | 15 | 9 | 36 | 7 | 33 | 25 | 46 | 45 |
| 17. | महानिदेशक के निजी सचिव | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 18. | प्रबंधक ग्रेड-3/प्रधान लिपिक/सहायक/प्रधान लिपिक खजांची/हिन्दी अनुवादक | 88 | 21 | 14 | 4 | 4 | 15 | 13 | 34 | 4 | 45 | 27 | 37 | — |
| 19. | कनिष्ठ इंजीनियर | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 20. | वैयक्तिक सहायक/वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक | 15 | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — |
| 21. | तकनीकी सहायक | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 22. | कलाकार | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 23. | पुस्तकाध्यक्ष | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 24. | स्वागती | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 25. | प्रभारी उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक रखवाल | 87 | 77 | 70 | 10 | 10 | 46 | 28 | 93 | 22 | 100 | 110 | 121 | 212 |
| 26. | आलुलिपिक | 21 | 3 | — | 1 | — | 3 | — | 6 | — | 5 | — | 8 | — |
| 27. | संगणक | 4 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 28. | निम्न श्रेणी लिपिक/एड्रीमा आपरेटर/टेलीफोन आपरेटर | 87 | 66 | 73 | 11 | 7 | 39 | 32 | 79 | 19 | 72 | 109 | 82 | 225 |
| 29. | गैस्टेटनर आपरेटर | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — |
| 30. | स्टाफ कार चालक/डिलीवरी गाड़ी चालक | 4 | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — |
| 31. | कनिष्ठ पुस्तकालय अध्यक्ष | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 32. | जमादार | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 33. | रिकार्ड सार्टर | 32 | 20 | 20 | 2 | 8 | 11 | 21 | 22 | 7 | 23 | 36 | 35 | 71 |
| 34. | चपरासी | 64 | 14 | 28 | 4 | 4 | 10 | 12 | 32 | 14 | 21 | 38 | 20 | 67 |
| 35. | चौकीदार | 3 | 2 | — | 2 | — | 2 | — | 2 | 2 | 2 | — | 3 | — |
| 36. | फराश | 7 | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 4 | — | 3 | — |
| 37. | माली | 1 | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 38 | लिफ्टमैन | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — |
| 39. | सफाई कर्मचारी | 9 | 2 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 4 | — | 3 | — |
| | जोड़ | 502 | 244 | 225 | 42 | 37 | 153 | 116 | 325 | 76 | 335 | 360 | 379 | 380 |

| 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | 3 | — | 21 | 44 | 2 | — | 6 | — | 3 | — | 4 | 13 | 8 | 6 | 9 | 22 | 251 |
| 1 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | 3 |
| — | — | 1 | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | — | — | — | — | 9 |
| 22 | 25 | 14 | 12 | 126 | 52 | 5 | 4 | 38 | 15 | 13 | 11 | 21 | 19 | 30 | 17 | 76 | 43 | 819 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| 27 | 13 | 16 | 15 | 131 | 46 | 10 | 15 | 37 | 13 | 16 | 8 | 28 | 24 | 38 | 26 | 82 | 35 | 924 |
| 2 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| 11 | — | 3 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 1 | — | 2 | — | 33 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| 93 | 110 | 57 | 70 | 404 | 326 | 34 | 10 | 122 | 36 | 39 | 28 | 95 | 120 | 123 | 80 | 280 | 198 | 3211 |
| 4 | — | — | — | 21 | — | — | — | 7 | — | 3 | — | 5 | — | 6 | — | 17 | — | 113 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 4 |
| 80 | 102 | 50 | 50 | 344 | 348 | 30 | 13 | 94 | 44 | 35 | 28 | 79 | 107 | 86 | 89 | 243 | 227 | 2950 |
| — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 2 | — | 6 |
| 1 | — | 1 | — | 2 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 4 | — | 20 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| 23 | 38 | 14 | 24 | 98 | 121 | 8** | 19 | 30 | 27 | 8** | 18 | 25 | 53 | 36 | 37 | 82 | 86 | 1055 |
| 17 | 38 | 12 | 25 | 83 | 69 | 7 | 6 | 26 | 23 | 7 | 11 | 17 | 52 | 21 | 38 | 45 | 109 | 934 |
| 2 | — | 2 | — | 9 | — | 2 | — | 2 | — | 2 | — | 3 | — | 2 | — | 4 | — | 46 |
| 2 | — | 1 | — | 11 | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 2 | — | 5 | — | 48 |
| — | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 7 |
| | | | | (अंशकालिक) | | | | | | | | (अंशकालिक) | | | | (अंशकालिक) | | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 2 | — | 3 |
| 2 | — | 1 | — | 11 | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 2 | — | 8 | — | 54 |
| 295 | 335 | 183 | 196 | 1296 | 1006 | 103 | 67 | 386 | 158 | 133 | 104 | 295 | 388 | 370 | 293 | 893 | 720 | 10695 |

£अन्य क्षेत्रों में परिवर्तित ।

*दिल्ली क्षेत्र के सतर्कता अधिकारी का पद मुख्यालय में परिवर्तित ।

**चालक व चपरासी का एक पद शामिल है।

परिशिष्ट 7

भाग 2

31-3-81 को निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में प्राधिकृत तथा तैनात कर्मचारियों की स्थिति का विवरण

| क्र०सं० | पदनाम | निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली | | क०रा०बी० औषधालय | | क०रा०बी० अस्पताल | | जोड़ | | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | प्राधिकृत | तैनात | प्राधिकृत | तैनात | प्राधिकृत | तैनात | प्राधिकृत | तैनात | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 2. | चिकित्सा अधीक्षक | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 3. | प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 4. | उप मुख्य लेखा अधिकारी (चिकित्सा) | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 5 | उप प्रशासन अधिकारी (चिकित्सा) अस्पताल | 1 | 1 | — | — | 1 | 1 | 2 | 2 | — |
| 6. | लेखा अधिकारी (चिकित्सा) | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 7. | उप लेखा अधिकारी | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 8. | हिन्दी अधिकारी | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 9. | पूर्णकालिक विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सा, चिकलांग, स्त्री रोग रेडियोलाजी, नेत्र तथा ई०एन०टी० | — | — | — | — | 14 | 10 | 14 | 10 | — |
| 10 | सामान्य ड्यूटी अधिकारी, ग्रेड-1½ | — | — | 227 | 174 | 36 | 29 | 263 | 203 | — |
| 11. | रजिस्ट्रार | — | — | — | — | 8 | 8 | 8 | 8 | — |
| 12. | हाऊस सर्जन | — | — | — | — | 20 | 20 | 20 | 20 | — |
| 13. | अंशकालिक विशेषज्ञ | — | — | सत्रानुसार | 20 | — | — | सत्रानुसार | 20 | — |
| 14. | लेखा परीक्षा निरीक्षक/बीमा निरीक्षक | 4 | 4 | — | — | — | — | 4 | 4 | — |
| 15. | कार्यालय अधीक्षक | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 16. | नर्सिंग अधीक्षक | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 17. | आयुर्वेदिक चिकित्सक | — | — | 2 | 2 | — | — | 2 | 2 | — |
| 18. | निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली/चिकित्सा अधीक्षक के वैयक्तिक सहायक | 1 | 1 | — | — | 1 | 1 | 2 | 2 | — |
| 19. | प्रधान लिपिक | 11 | 11 | 3 | 3 | 7 | 7 | 21 | 21 | — |
| 20. | सहायक | 6 | 6 | — | — | — | — | 6 | 6 | — |
| 21. | आशुलिपिक | 7 | 6 | — | — | 2 | 2 | 9 | 8 | — |
| 22. | उच्च श्रेणी लिपिक खजांची | 1 | 1 | 3 | 3 | 1 | 1 | 5 | 5 | — |
| 23. | उच्च श्रेणी लिपिक | 35 | 35 | 37 | 37 | 12 | 12 | 84 | 84 | — |
| 24. | रखवाल | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 25. | निम्न श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक | 39 | 39 | 98 | 96 | 22 | 21 | 159 | 156 | — |
| 26. | एम्बुलैंस/ स्टाफकार/डिलीवरी गाड़ी चालक | 7 | 7 | 1 | — | 5 | 5 | 13 | 12 | — |
| 27. | गेस्टेटनर आपरेटर | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 28. | दफ्तरी/मलेक्शन ग्रेड दफ्तरी | 7 | 7 | 43 | 43 | 2 | 2 | 52 | 52 | — |
| 29. | चपरासी | 18 | 15 | 63 | 63 | 8 | 7 | 89 | 85 | — |
| 30. | एम्बुलैंस परिचर | 2 | 2 | — | — | 3 | 3 | 5 | 5 | — |
| 31. | सोशल गाइड | 2 | 1 | — | — | — | — | 2 | 1 | — |
| 32. | एल एच०वी०/ए०एन०एम०/एम०आर०एन०. मिडवाइफ/दाई | — | — | 138 | 110 | — | — | 138 | 110 | — |
| 33. | औषधकारक व लिपिक /भंडारपाल/औषधकारक आयुर्वेदिक औषधकारक | 11 | 11 | 133 | 127 | — | — | 144 | 138 | — |
| 34. | मुख्य औषधकारक | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 35. | प्रयोगशाला सहायक | — | — | 11 | 10 | 6 | 4 | 17 | 14 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 36 | प्रयोगशाला तकनीशियन | — | — | — | — | 6 | 6 | 6 | 6 | — |
| 37 | फराश | 3 | 3 | — | — | — | — | 3 | 3 | — |
| 38 | ड्रैसर | — | — | 30 | 80 | 9 | 8 | 89 | 88 | — |
| 39 | सहायक मैट्रन | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 40 | नर्सिंग सिस्टर | — | — | — | — | 22 | 20 | 22 | 20 | — |
| 41. | स्टाफ नर्स | — | — | — | — | 113 | 103 | 113 | 103 | — |
| 42 | आहार-विद | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 43 | रेडियोग्राफर | — | — | — | — | 7 (2 निचले वेतनमान में) | 5 | 7 | 5 | — |
| 44 | डार्क रूम सहायक | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 45 | ई० सी० जी० तकनीशियन | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 46 | ओ० टी० सहायक | — | — | — | — | 6 | 6 | 6 | 6 | — |
| 47 | ओ० टी० तकनीशियन | — | — | — | — | 4 | 4 | 4 | 4 | — |
| 48 | सी० एस० आर० सहायक | — | — | — | — | 4 | 4 | 4 | 4 | — |
| 49. | सी० एस० आर० तकनीशियन | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 50 | भौतिक चिकित्सक | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 51 | व्यावसायिक चिकित्सक | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 52 | ओप्टो मीटरिस्ट | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 53 | चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता | — | — | | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 54 | वरिष्ठ रक्त बैंक तकनीशियन | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 55 | लिनन सिस्ट्रैस | — | — | — | — | 2 | — | 2 | — | — |
| 56 | बायलर परिचर | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 57 | लांड्री पर्यवेक्षक | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 58 | धातु कर्मचारी व मिस्त्री | | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 59 | चिकित्सा रिकार्ड तकनीशियन (वरिष्ठ) | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 60 | चिकित्सा रिकार्ड तकनीशियन (कनिष्ठ) | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 61 | टेलीफोन आपरेटर | — | — | — | — | 2 | — | 2 | — | — |
| 62 | पुस्तकाध्यक्ष | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 63 | सहायक पुस्तकाध्यक्ष | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 64 | हवलदार | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 65 | लांड्री आपरेटर | — | — | — | — | 10 | 10 | 10 | 10 | — |
| 66 | प्रधान रसोइया | — | — | — | — | 3 | 3 | 3 | 3 | |
| 67 | रसोईया व मसालची तथा मैट रसोइया | — | — | — | — | 26 | 21 | 26 | 24 | — |
| 68 | स्ट्रेचर वाहक | — | — | — | — | 9 | 8 | 9 | 8 | — |
| 69 | नर्सिंग अर्दली | — | — | — | — | 112 | 117 | 112 | 117 | — |
| 70 | आया | — | — | 34 | 18 | 17 | 9 | 51 | 27 | — |
| 71 | चौकीदार | — | — | 34 | 34 | 29 | 27 | 63 | 61 | — |
| 72 | दर्जी | — | — | — | — | 2 | 1 | 2 | 1 | — |
| 73 | सफाई कर्मचारी | 3 | 3 | 33 | 33 | 73 | 66 | 175 | 168 | — |
| 74 | वाहक | — | — | — | — | 6 | 4 | 6 | 4 | — |
| 75 | हिन्दी सहायक | — | | — | — | 1 | | 1 | | — |
| 76 | कनिष्ठ सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 77 | जीव रसायनज्ञ | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 78 | विकिरण-चिकित्सक (रेडियोलाजिस्ट) | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 79 | अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी | — | — | 3 | 3 | — | — | 3 | 3 | — |
| 80 | अंशकालिक ड्रैसर तथा औषधकारक | — | — | 6 | 5 | — | | 6 | 5 | — |

परिशिष्ट 8

भाग 1

1-1-81 की स्थिति के अनुसार निगम कर्मचारियों की कुल संख्या तथा उनमें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या का सूचक विवरण

1980 वर्ष के लिए

| ग्रुप | स्थायी/अस्थायी | कर्मचारियों की कुल संख्या | | अनुसूचित जाति | कुल कर्मचारियों के साथ प्रतिशतता | अनुसूचित जनजाति | कुल कर्मचारियों के साथ प्रतिशतता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 5 | 7 | |
| ग्रेड क (प्रथम श्रेणी) | | | | | | | |
| स्थायी | 56 | 56 | 128 | 3 | 5.36 प्रतिशत | कोई नहीं | कुछ नहीं |
| अस्थायी | 72 | 72 | | 14 | 19.44 प्रतिशत | 4 | 5.56 प्रतिशत |
| ग्रेड ख (द्वितीय श्रेणी) | | | | | | | |
| स्थायी | 28 | 28 | 173 | कोई नहीं | कुछ नहीं | कोई नहीं | कुछ नहीं |
| अस्थायी | 145 | 145 | | 15 | 10.35 प्रतिशत | 4 | 2.71 प्रतिशत |
| तृतीय श्रेणी (ग्रेड ग) | | | | | | | |
| स्थायी | 4944 | 8066 | | 781 | 9.68 प्रतिशत | 39 | 0.48 प्रतिशत |
| अस्थायी | 3122 | | | | | | |
| चतुर्थ श्रेणी (ग्रेड घ) (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर) | | | | | | | |
| स्थायी | 1534 | 2516 | | 585 | 23.25 प्रतिशत | 75 | 2.98 प्रतिशत |
| अस्थायी | 982 | | | | | | |
| चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप घ) (सफाई कर्मचारी) | | | | | | | |
| स्थायी | 126 | 229 | | 225 | 98.25 प्रतिशत | 2 | 0.87 प्रतिशत |
| अस्थायी | 103 | | | | | | |

परिशिष्ट 8

भाग 2

1-1-1981 की स्थिति के अनुसार सीधी भर्ती द्वारा अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित-जनजातियों के सदस्यों द्वारा भरे गए आरक्षित रिक्त पदों की संख्या का सूचक विवरण

1980 वर्ष के लिए

| वर्ग की श्रेणी | रिक्तियों की कुल संख्या | | अनुसूचित जाति | | | | | | अनुसूचित जनजाति | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अनुसूचित | भरी गई | आरक्षित रिक्तियों की संख्या | | नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या | पिछले वर्ष से आगे ले जाई गई अनुसूचित जाति की रिक्तियों की संख्या | अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या | अग्रेनीत तीन वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या | आरक्षित रिक्तियों की संख्या | | नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या | पिछले वर्ष से आगे ले जाई गई अनुसूचित जनजातियों की रिक्तियों की संख्या | अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या | अग्रेनीत तीन वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या |
| | | | कालम 2 में से | कालम 3 में से | | | | | कालम 2 में से | कालम 3 में से | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| प्रथम श्रेणी (ग्रुप क) प्रथम श्रेणी का स्तर | 11 | 4 | 1 | 1 | 1 | कुछ नहीं | कुछ नहीं | कुछ नहीं | 2 | 1* | 1* | कुछ नहीं | कुछ नहीं | कुछ नहीं |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| द्वितीय श्रेणी (ग्रुप ब) | 18 | 4 | 2 | कुछ नहीं | कुछ नहीं** | कुछ नहीं | कुछ नहीं | कुछ नहीं | 3 | कुछ नहीं | कुछ नहीं*** | कुछ नहीं | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
| तृतीय श्रेणी (ग्रुप ग) | 988 | 961 | 121 | 110 | 110 | 97 | 2 | 28 | 38 | 32 | 7 | 55 | 13 | 7 |
| चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप घ) (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर) | 199 | 192 | 22 | 26 | 38 | 9 | 3 | 1 | 15 | 8 | 5 | 10 | 2 | 1 |
| चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप घ) | 16 | 14 | 3 | — | 12 | 1 | — | — | 1 | — | — | 1 | — | — |

*अनुसूचित जनजाति के एक उम्मीदवार को अभी कार्यग्रहण करना है।

**आयोग ने अनुसूचित जाति के दो तथा अनुसूचित जनजाति के एक उम्मीदवार की सिफारिश की है तथा उनकी नियुक्ति चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के बाद की जानी है जिसके लिये कार्रवाई की जा चुकी है। अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए बाकी 2 पदों को आयोग द्वारा विज्ञापित किया गया है (आयोग को 1980 में अधिसूचित की गई)।

***ये पद संघ लोक सेवा आयोग को 1980 में अधिसूचित किए गए थे लेकिन विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें 1981 वर्ष में हुई और पदोन्नति के लिए अनुमोदित उम्मीदवारों को पदोन्नति 1981 में की गई है।

## परिशिष्ट 8

### भाग 3

1-1-1981 की स्थिति के अनुसार सीधी भर्ती के अलावा अन्य माध्यम से अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों द्वारा भरे गए आरक्षित रिक्त पदों का सूचक विवरण

| पद की श्रेणी | रिक्तियों की कुल संख्या | अनुसूचित जाति | | | | | | अनुसूचित जाति | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अधिसूचित की गई | आरक्षित रिक्तियों की संख्या | | नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या | पिछले वर्ष से आगे ले जाई गई अनुसूचित जाति की रिक्तियों की संख्या | अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या | अग्रेनीत तीन वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या | आरक्षित रिक्तियों की संख्या | | नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या | पिछले वर्ष से आगे ले जाई गई अनुसूचित जनजातियों की रिक्तियों की संख्या | अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या | अग्रेनीत 3 वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या |
| | | कालम 2 में से | कालम 3 में से | | | | | कालम 2 में से | कालम 3 में से | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| प्रथम श्रेणी | 9 | 9 | 1 | 51 | 1 | -- | -- | | | -- | -- | -- | -- | - |
| द्वितीय श्रेणी | 29 | 29 | 4* | 1 | 1 | -- | -- | -- | 2* | -- | -- | -- | -- | - |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तृतीय श्रेणी | 776 | 757 | 118 | 128 | 99 | 33 | 5 | 28 | 56 | 41 | 1 | 35 | 1 | 7 |
| चतुर्थ श्रेणी (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर) | 158 | 158 | 25 | 31 | 34 | 9 | 1 | 4 | 11 | 9 | 5 | 9 | 2 | 4 |
| चतुर्थ श्रेणी (सफाई कर्मचारी) | 2 | 2 | 2 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |

*अनुसूचित जाति का केवल 1 उम्मीदवार विचारार्थ जोन में था । अनुसूचित जाति का कोई उम्मीदवार विचारार्थ जोन में नहीं था ।

परिशिष्ट 9

31-3-81 को स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अंतर्गत शामिल किए गए नियोजकों और कर्मचारियों की संख्या क्षेत्रवार

| राज्य | नियोजकों की संख्या | कार्यान्वित क्षेत्र* | | गैर-कार्यान्वित क्षेत्र | | सभी क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 31-3-81 को कर्मचारियों की संख्या | नियोजकों की संख्या | 31-3-81 को कर्मचारियों की संख्या | नियोजकों की संख्या | 31-3-81 को कर्मचारियों की संख्या |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| आन्ध्र प्रदेश | 3,937 | 2,55,000 | 96 | 19,000 | 4,033 | 2,74,000 |
| असम | 612 | 34,000 | 87 | 12,000 | 699 | 46,000 |
| बिहार | 1,838 | 1,60,000 | 431 | 1,60,000 | 2,269 | 3,20,000 |
| चण्डीगढ़ | 311 | 19,000 | — | — | 311 | 19,000 |
| दिल्ली | 6,960 | 2,78,000 | — | — | 6,960 | 2,78,000 |
| गुजरात | 4,445 | 5,60,000 | 817 | 1,34,000 | 5,262 | 6,94,000 |
| हरियाणा | 2,824 | 2,05,000 | 168 | 15,500 | 2,992 | 2,20,500 |
| हिमाचल प्रदेश | 17 | 1,200 | 68 | 4,200 | 85 | 5,400 |
| जम्मू और कश्मीर | उपलब्ध नहीं | — | उपलब्ध नहीं | 11,600 | उपलब्ध नहीं | 11,600 |
| कर्नाटक | 2,646 | 3,20,000 | 216 | 26,500 | 2,862 | 3,46,500 |
| केरल और माही | 3,648 | 3,20,000 | 12 | 1,100 | 3,660 | 3,21,100 |
| मध्य प्रदेश | 1,759 | 1,75,000 | 58 | 81,000 | 1,817 | 2,56,000 |
| महाराष्ट्र : | | | | | | |
| बम्बई क्षेत्र | 12,673 | 11,70,000 | 134 | 14,500 | 12,807 | 11,84,500 |
| गोआ | 280 | 20,000 | — | — | 280 | 20,000 |
| नागपुर क्षेत्र | 913 | 85,000 | 138 | 23,500 | 1,051 | 1,08,500 |
| पूना क्षेत्र | 2,598 | 2,57,000 | 340 | 38,500 | 2,938 | 2,95,500 |
| उड़ीसा | 496 | 1,27,000 | 84 | 42,000 | 580 | 1,63,000 |
| पांडिचेरी | 171 | 17,000 | — | — | 171 | 17,000 |

*अधिनियम की धारा 1 (5) के अन्तर्गत व्याप्ति भी शामिल है ।

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पंजाब . . . . | 4,020 | 1,80,000 | 315 | 9,600 | 4,335 | 1,89,600 |
| राजस्थान . . . | 2,054 | 1,40,000 | 23 | 5,800 | 2,079 | 1,45,800 |
| तमिलनाडु . . . . | 6,580 | 4,75,000 | 168 | 35,000 | 6,748 | 5,10,000 |
| उत्तर प्रदेश . . . | 3,234 | 4,65,000 | 951 | 64,000 | 4,185 | 5,29,000 |
| पश्चिम बंगाल . . . | 9,598 | 10,75,000 | 136 | 1,68,000 | 9,734 | 12,43,000 |
| समस्त भारत (1981) . . | 71,614 | 63,32,200 | 4,244 | 8,65,800 | 75,858 | 71,98,000 |
| समस्त भारत (1980) . . | 64,600 | 59,83,000 | 3,207 | 8,58,000 | 67,807 | 68,41,000 |

## परिशिष्ट 10

31-3-81 की स्थिति के अनुसार योजना के अंतर्गत केन्द्रों, कर्मचारियों, बीमाकृत व्यक्तियों, परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों और लाभाधिकारियों की संख्या क्षेत्रवार

(अधिनियम की धारा 1(5) के अन्तर्गत व्यक्ति सहित)

| राज्य | केन्द्रों की संख्या | कर्मचारियों की संख्या | बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या | परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या | लाभाधिकारियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| आन्ध्र प्रदेश | 44 | 2,55,000 | 2,76,000 | 2,76,000 | 10,70,900 |
| असम . . . . . | 14 | 34,000 | 37,000 | 37,000 | 1 43,550 |
| बिहार . . . . . | 29 | 1,60,000 | 1,91,000 | 1,91,000 | 7,41,100 |
| चण्डीगढ़ . . . . | 1 | 19,000 | 22,000 | 22,000 | 85,350 |
| दिल्ली . . . . . | 1 | 2,78,000 | 3,47,000 | 3,47,000 | 13,46,350 |
| गुजरात . . . . | 15 | 5,60,000 | 5,94,000 | 5,94,000 | 23,04,700 |
| हरियाणा . . . . | 19 | 2,05,000 | 2,53,000 | 2,53,000 | 9,81,650 |
| हिमाचल प्रदेश . . . . | 1 | 1,200 | 1,300 | 1,300 | 5,050 |
| जम्मू और काश्मीर . . . | — | — | — | — | — |
| कर्नाटक . . . . | 20 | 3,20,000 | 3,59,000 | 3,59,000 | 13,92,900 |
| केरल और माही . . . | 34 | 3,20,000 | 3,40,000 | 3,40,000 | 13,19,200 |
| मध्य प्रदेश . . . . | 23 | 1,75,000 | 2,17,000 | 2,17,000 | 8,41,950 |
| महाराष्ट्र | | | | | |
| बम्बई क्षेत्र . . . . | 1 | 11,70,000 | 12,40,000 | 12,40,000 | 4 8,11,200 |
| गोआ . . . . . | 7 | 20,000 | 22,000 | 22,000 | 85,350 |
| नागपुर क्षेत्र . . . . | 10 | 85,000 | 90,500 | 90,000 | 3,51,150 |
| पुना क्षेत्र . . . . | 15 | 2,57,000 | 2,73,000 | 2,73,000 | 10,59,250 |
| उड़ीसा . . . . | 26 | 1,21,000 | 1,28,500 | 1,28,500 | 4,98,600 |
| पांडिचेरी . . . . | 1 | 17,000 | 18,500 | 18,500 | 71,800 |
| पंजाब . . . . | 27 | 1,80,000 | 2,25,000 | 2,25,000 | 8,73,000 |
| राजस्थान . . . . | 23 | 1,40,000 | 1,75,000 | 1,75,000 | 6,79,000 |
| तमिलनाडु . . . . | 44 | 4,75,000 | 5,12,000 | 5,12,000 | 19,86,550 |
| उत्तर प्रदेश . . . . | 47 | 4,65,000 | 5,00,000 | 5,00,000 | 19,40,000 |
| पश्चिमी बंगाल . . . . | 9 | 10,75,000 | 13,40,000 | 13,40,000 | 51,99,200 |
| समस्त भारत (1981) . . . | 411 | 63,32,200 | 71,61,800 | 71,61,800 | 2,77,87,800 |
| समस्त भारत (1980) . . . | 395 | 59,83,000 | 68,50,000 | 68,50,000 | 2,65,78,00 |

## परिशिष्ट II

31-3-81 की स्थिति के अनुसार बिस्तरों, विशेषज्ञों, औषधालयों, पैनल डाक्टरों तथा एम्बुलेन्सों की संख्या

| क्रम सं० | राज्य का नाम | कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत बिस्तरों की कुल संख्या | | | | विशेषज्ञ | | औषधालयों की कुल संख्या | बीमा चिकित्सा अधिकारियों की संख्या | | बीमा चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या | नियोजक उपयोग औषधालयों में डाक्टरों की संख्या | एम्बुलेंस | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सामान्य | प्रसूति | क्षयरोग | जोड़ | पूर्णकालिक | अंशकालिक | | स्वीकृति | मौजूदा | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 1 | आन्ध्रप्रदेश | 588 | 103 | 43 | 734 | 44 | 68 | 88 | 203 | 193 | 2 | 2 | 13 | |
| 2 | असम | 90 | — | 10 | 100 | — | 1 | 19 | 22 | 22 | — | — | 2 | |
| 3. | बिहार | 202 | 16 | 40 | 258 | 6 | 1 | 47 | 161 | 109 | — | — | 24 | |
| 4 | चण्डीगढ़ प्रशासन | 40 | — | — | 40 | — | 4 | 2 | 8 | 8 | — | — | — | |
| 5 | दिल्ली | 360 | 90 | 105 | 555 | 14 | 31 | 30 | 229 | 176 | — | — | 7 | |
| 6 | गोआ | 33 | -- | — | 33 | — | 16 | — | -- | -- | 68 | — | — | |
| 7 | गुजरात | 1094 | 59 | 310 | 1463 | 20 | 335 | 93 | 451 | 448 | 270 | 1 | 18 | |
| 8 | हरियाणा | 497 | — | 53 | 550 | 20 | 22 | 54 | 127 | 122 | — | — | 4 | |
| 9 | हिमाचल प्रदेश | -- | — | -- | -- | — | -- | 1 | 1 | 1 | — | — | — | |
| 10 | केरल | 842 | 150 | 175 | 1167 | 1 | 72 | 133 | 263 | 210 | -- | — | 9 | |
| 11 | कर्नाटक | 998 | 69 | 137 | 1204 | 20 | 77 | 113 | 313 | 294 | -- | 60 | 12 | |
| 12 | मध्य प्रदेश | 458 | 22 | 117 | 597 | 7 | 107 | 57 | 230 | 166 | 5 | 1 | 9 | |
| 13. | महाराष्ट्र | | | | | | | | | | | | | |
| | (क) बृहत्तर बम्बई | 2665 | 512 | 875 | 4052 | 48 | 116 | 18 | 14 | 8 | 2290 | 11 | 22 | |
| | (ख) नागपुर | 222 | 35 | 49 | 306 | 3 | 66 | 27 | 87 | 81 | — | — | 4 | |
| | (ग) पश्चिम महाराष्ट्र | 337 | 25 | 191 | 553 | — | 125 | 27 | 60 | 48 | 383 | — | 6 | |
| 14 | मेघालय | — | — | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | — | — | — | |
| 15 | उड़ीसा | 144 | 18 | 28 | 190 | 14 | 1 | 27 | 77 | 61 | — | — | 7 | |
| 16 | पांडिचेरी | 68 | 4 | 10 | 82 | — | 12 | 7 | 19 | 19 | — | — | 1 | |
| 17 | पंजाब | 535 | 70 | 34 | 639 | 27 | 21 | 42 | 117 | 108 | 82 | — | 6 | |
| 18 | राजस्थान | 457 | 1 | 31 | 489 | 10 | 97 | 46 | 145 | 128 | — | 1 | 6 | |
| 19 | तमिलनाडु | 1371 | 341 | 404 | 2116 | 43 | 71 | 121 | 384 | 359 | — | 14 | 23 | |
| 20 | उत्तर प्रदेश | 783 | 149 | 210 | 1142 | 33 | 58 | 106 | 327 | 311 | — | — | 14 | |
| 21 | पश्चिम बंगाल | 2248 | 62 | 769 | 3079 | — | 430½ | 13 | 97 | 36 | 1567 | 14 | 21 | |
| | जोड़ | 14032 | 1726 | 3591 | 19349 | 310 | 1731½ | 1072 | 3336 | 2909 | 4667 | 104 | 208 | |

## परिशिष्ट 12

1979-80 तथा 1980-81 वर्ष में उपस्थिति, जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण-पत्र, अस्पतालों में भर्ती, विशेषज्ञों को निर्देशित मामलों तथा घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या--राज्यवार

(बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में)

| राज्य | अवधि | जोखिमग्रस्त माने गए बीमा-कृत व्यक्तियों की संख्या | उपस्थिति | | | प्रतिवर्ष प्रति 11,000 | | जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण-पत्रों की संख्या | अस्पतालों में दाखिल किए गए मामलों की संख्या | जांच के लिए विशेषज्ञों को निर्देशित मामलों की संख्या | घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | नए मामले | पुराने मामले | कुल मामले | बीमाकृत व्यक्ति | उपस्थितियों की संख्या | | | | |
| | | | | | | नये | पुराने मामले | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| आन्ध्र प्रदेश | (से०प्र०) 1979-80 | 2,67,500 | 7,79,908 | 21,40,963 | 29,20,871 | 2,916 | 8,004 | 5,52,764 | 23,978 | 1,14,043 | उपलब्ध नहीं |
| | 1980-81 | 2,75,000 | 8,16,722 | 17,63,994 | 25,80,716 | 2,970 | 6,415 | 6,50,037 | उपलब्ध नहीं | 1,27,814 | उपलब्ध नहीं |
| असम | (से०प्र०) 1979-80 | 34,500 | 1,15,987 | 1,13,662 | 2,29,649 | 3,362 | 3,295 | 75,749 | 325 | 4,693 | 1,811 |
| | 1980-81 | 36 500 | 1,21,817 | 1,08,259 | 2,30,076 | 3,337 | 2,966 | 63,138 | 272 | 4,857 | 1,875 |
| बिहार | (से०प्र०) 1979-80 | 1,57,500 | 1,83,314 | 2,23,931 | 4,07,245 | 1,164 | 1,422 | 1,72,421 | 259 | 17,931 | 8,823 |
| | 1980-81 | 1,81,000 | 2,01,658 | 2,26,794 | 4,28,452 | 1,114 | 1,253 | 2,28,409 | 180 | 21,361 | 7,962 |
| चण्डीगढ | (से०प्र०) 1979-80 | 17,500 | 44,917 | 1,18,431 | 1,63,348 | 2,567 | 6,757 | 11,840 | 1,309 | 8,510 | उपलब्ध नहीं |
| | 1980-81 | 19,750 | 45,424 | 1,19,656 | 1,65,080 | 2,300 | 2,059 | 13,832 | 2,170 | 9,840 | उपलब्ध नहीं |
| दिल्ली | (से०प्र०) 1979-80 | 3,17,000 | 3,63,671 | 13,81,668 | 17,45,339 | 1,147 | 4,359 | 2,37,730 | 3,107 | 51,040 | 51,704 |
| | 1980-81 | 3,38,500 | 4,74,670 | 13,89,647 | 18,64.317 | 1,402 | 4,105 | 2,11,821 | 8,654 | 52,086 | 50.116 |
| गोआ | (से०प्र०) 1979-80 | 20,500 | 43,664 | 13,257 | 56,921 | 2,130 | 647 | 26,799 | उपलब्ध नहीं | 1,094 | 500 |
| | 1980-81 | 21,350 | 49,027 | 14,569 | 63,596 | 2,296 | 682 | 32,027 | उपलब्ध नहीं | 1,062 | 403 |
| गुजरात | (से०प्र०) 1979-80 | 5,26,400 | 6,23,124 | 33,36,844 | 39,59,968 | 1,184 | 6,339 | 6,40,494 | 15,774 | 1,79,745 | 4,409 |
| | 1980-81 | 4,87,900 | 5,64,328 | 30,81,979 | 36,46,307 | 1,157 | 6,317 | 5,95,565 | 16,268 | 1,49,963 | 4,202 |
| गुजरात | (से०प्र० 1979-80 | 56,500 | 2,25,530 | 2,05,317 | 4.30,847 | 3,992 | 3,634 | 1,84,742 | 590 | 14,335 | 1,692 |
| | 1980-81 | 41,150 | 1,67,910 | 1,42,359 | 3,10,269 | 4,080 | 3,460 | 1,37,254 | 314 | 10,490 | 1,257 |
| हरियाणा | (से०प्र०) 1979-80 | 2,29,250 | 3,85,863 | 5,48,818 | 9,34,682 | 1,683 | 2,394 | 54,348 | 9,077 | 37,682 | 4,825 |
| | 1980-81@ | 2,47,750 | 3,36,653 | 4,14,908 | 7,51,561 | 1,359 | 1,675 | 27,520 | 2,519 | 2,733 | 3,340 |
| हिमाचल | (से०प्र०) 1979-80 | — | -- | -- | -- | -- | — | -- | -- | -- | — |
| प्रदेश | 1980-81 | 1,300 | 3,961 | 1 541 | 5,502 | 3,047 | 1,185 | 858 | उपलब्ध नहीं | 22 | उपलब्ध नहीं |
| कर्नाटक | (से०प्र०) 1979-80 | 3,16,000 | 14,70,441 | 27,48,300 | 42,18,741 | 4,653 | 8,697 | 8,70,551 | 50,143 | 2,04,106 | 23,314 |
| | 1980-81 | 3,43,500 | 14,25,606 | 24,62,178 | 38,87,784 | 4,150 | 7,168 | 8,71,580 | 32,103 | 1,95,015 | 17,294 |
| केरल | (से०प्र०) 1979-80 | 3,28,900 | 13,10,935 | 30.33,948 | 43,44 883 | 3,986 | 9,225 | 6,36,528 | 63,645 | 42,500 | 578 |
| | 1980-81 | 3,36,400 | 14,09,442 | 31,72,697 | 45 89,139 | 4,190 | 9,452 | 9,58,049 | 61,238 | 50,592 | उपलब्ध नहीं |
| मध्य प्रदेश | (से०प्र०) 1979-80 | 1,93,100 | 4,69,501 | 20,89,620 | 25,59,126 | 2,431 | 10,821 | 7,42,465 | 8,993 | 1,49,749 | 11,115 |
| | 1980-81 | 2,04,950 | 4,78,871 | 20,39 734 | 25,18 805 | 2,337 | 9,952 | 6,74,071 | 11,695 | 1,30,506 | 10,130 |
| मध्यप्रदेश | (से०प्र०) 1979-80 | 2,400 | 6,116 | 14,778 | 20,994 | 2,548 | 6,199 | 4,708 | 23 | 937 | 60 |
| | 1980-81 | 2,450 | 3,649 | 10,567 | 14,216 | 1,489 | 4,313 | 3,193 | 12 | 606 | 8 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 8 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र | | | | | | | | | | | |
| (1) बम्बई क्षेत्र | (से०प्र०) 1979-80 | 4,750 | 20,365 | 40,909 | 61,274 | 4,287 | 8,612 | 11,486 | 73,174 | 2,313 | 1 |
| | 1980-81 | 4,350 | 21,977 | 43,008 | 64,985 | 5,052 | 9,887 | 16,774 | 74,763 | 1,820 | उप० नहीं |
| (2) बम्बई क्षेत्र | (पे०प्र०) 1979-80 | 1,68,500 | 9,23,616 | 7,15,749 | 16,39,365 | 5,481 | 4,248 | 5,99,252 | 2,664 | 44,658 | 5,431 |
| | 1980-81 | 4,49,700 | 24,36,553 | 18,03,898 | 42,40,451 | 5,418 | 4,011 | 15,15,235 | 1,939 | 1,14,218 | 12,192 |
| (3) नागपुर क्षेत्र | (से०प्र०) 1979-80 | 81,500 | 2,62,336 | 9,81,471 | 12,43,807 | 3,219 | 12,043 | 3,15,428 | 14,321 | 33,084 | 6,724 |
| | 1980-81 | 86,250 | 2,44,798 | 10,05,568 | 12,50,366 | 2,838 | 11,659 | 3,25,250 | 11,886 | 40,158 | 9,224 |
| (4) पूना क्षेत्र | (से०प्र०) 1979-80 | 48,250 | 1,82,772 | 4,17,718 | 6,00,490 | 3,788 | 8,657 | 1,50,513 | 503 | 68,834 | 352 |
| | 1980-81* | 55,700 | 2,23,789 | 4,49,822 | 6,73,611 | 4,018 | 8,076 | 1,67,909 | 1,026 | 15,771 | 151 |
| (5) पूना क्षेत्र | (पे०प्र०) 1979-80 | 35,350 | 2,36,189 | 2,02,711 | 4,38,900 | 6,681 | 5,734 | 1,90,695 | उपलब्ध नहीं | 8,704 | 545 |
| | 1980-81 | 68,100 | 4,12,386 | 3,89,005 | 8,01,391 | 6,056 | 5,712 | 3,40,007 | 16,518 | 16,518 | 828 |
| मेघालय* | (से०प्र०) 1979-80 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | ... |
| | 1980-81@ | 100 | 716 | 262 | 978 | 7,160 | 2,620 | 22 | 2 | 14 | उप० नहीं |
| उड़ीसा | (से०प्र०) 1979-80 | 1,07,000 | 2,70,373 | 3,05,322 | 5,22,695 | 2,032 | 2,853 | 1,37,731 | 4,497 | 34,524 | 14,392 |
| | 1980-81 | 1,22,250 | 2,59,404 | 3,32,044 | 5,91,448 | 2,122 | 2,716 | 1,57,874 | 5,137 | 30,690 | 13,666 |
| पांडिचेरी तथा माही | (से०प्र०) 1979-80 | 17,100 | 63,646 | 1,98,281 | 2,62,027 | 3,722 | 11,601 | 56,557 | 3,186 | 11,346 | 2,191 |
| | 1980-81 | 18,350 | 68,055 | 2,10,605 | 2,78,660 | 3,709 | 11,477 | 73,209 | 3,767 | 15,528 | 2,380 |
| पंजाब | (से०प्र०) 1979-80@ | 15,550 | 1,67,875 | 1,21,152 | 2,89,027 | 10,796 | 7,791 | 28,509 | उप० नहीं | 7,169 | 4,349 |
| | 1980-81 | 23,350 | 2,25,738 | 1,30,960 | 3,56,698 | 9,668 | 5,609 | 35,332 | 66 | 10,530 | 4,831 |
| पंजाब | (पे०प्र०) 1979-80@ | 17,350 | 93,207 | 69,441 | 1,52,648 | 5,372 | 3,426 | 17,715 | उप० नहीं | 11,059 | 2,861 |
| | 1980-81 | 25,650 | 1,23,839 | 69,233 | 1,93,072 | 4,828 | 2,699 | 21,876 | 649 | 13,943 | 5,015 |
| राजस्थान | (से०प्र०) 1979-80 | 1,48,500 | 4,13,188 | 8,06,822 | 12,20,010 | 2,782 | 5,433 | 2,03,733 | 11,595 | 73,690 | 4,221 |
| | 1980-81 | 1,65,000 | 4,78,986 | 8,97,942 | 13,76,928 | 2,903 | 5,442 | 2,15,776 | 12,938 | 1,00,166 | 5,060 |
| तमिलनाडु | (से०प्र०) 1979-80 | 5,05,350 | 13,00,393 | 50,41,457 | 63,41,850 | 2,573 | 9,976 | 25,42,546 | 11,077 | 1,52,760 | 12,446 |
| | 1980-81 | 5,14,200 | 14,03,553 | 48,77,303 | 62,80,856 | 2,730 | 9,485 | 27,26,805 | 11,521 | 1,45,755 | 18,489 |
| तमिलनाडु | (पे०प्र०) 1979-80 | 5,650 | 20,996 | 69,098 | 90,094 | 3,716 | 12,230 | 19,701 | 1,163 | 3,194 | उप० नहीं |
| | 1980-81 | 5,300 | 18,961 | 67,776 | 86,737 | 3,578 | 12,788 | 20,513 | 1,159 | 2,894 | 287 |
| उत्तर प्रदेश | (से०प्र०) 1979-80 | 4,85,000 | 12,46,948 | 15,83,391 | 28,30,339 | 2,571 | 3,265 | 6,83,775 | 19,636 | 76,231 | 5,682 |
| | 1980-81 | 4,95,000 | 14,38,831 | 20,67,894 | 35,06,725 | 3,907 | 4,178 | 5,93,651 | 16,314 | 1,24,399 | 3,021 |
| पश्चिम बंगाल | (पे०प्र०) 1979-80 | 7,14,350 | 26,52,798 | 19,00,352 | 45,53,150 | 3,714 | 2,660 | 12,12,484 | उप० नहीं | 1,24,650 | 50,914 |
| | 1980-81 | 7,14,350 | 26,48,764 | 19,00,389 | 45,49,153 | 3,708 | 2,660 | 12,64,377 | उप० नहीं | 1,20,580 | 50,942 |
| समस्त भारत | 1979-80 | 48,21,250 | 1,38,24,673 | 2,84,13,617 | 4,22,38,290 | 2,867 | 5,893 | 1,03,81,263 | 3,14,539 | 14,28,381 | 2,18,940 |
| | 1980-81 | 52,85,150 | 1,61,06,088 | 2,92,01,591 | 4,53,07,679 | 3,047 | 5,525 | 1,19,51,964 | 2,76,592 | 15,09,931 | 2,22,683 |

(से०प्र०)—सेवा प्रणाली

(पे०प्र०)—पेनल प्रणाली

*योजना 23-9-80 से कार्यान्वित की गई।

@कुछ महीनों के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं, भारित औसत ली गई है।

परिशिष्ट-13

1979-80 तथा 1980-81 में उपस्थितियों तथा घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या—राज्यवार

(बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के संबंध में)

| राज्य | अवधि | जोखिमग्रस्त माने गए परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या | उपस्थिति | | | प्रतिवर्ष प्रति 1,000 परिवार (बीमाकृत व्यक्तियों) एककों की उपस्थिति की संख्या | | घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | नए मामले | पुराने मामले | कुल मामले | नए मामले | पुराने मामले | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| आन्ध्र प्रदेश (से०प्र०) | 1979-80 | 2,67,500 | 9,81,315 | 26,55,035 | 36,36,350 | 3,668 | 9,925 | 20,392 |
| | 1980-81 | 2,76,000 | 11,16,757 | 24,48,295 | 35,65,052 | 4,046 | 8,871 | 17,986 |
| असम (से०प्र०) | 1979-80 | 34,500 | 1,04,779 | 68,722 | 1,73,501 | 3,037 | 1,992 | 216 |
| | 1980-81 | 37,000 | 1,10,056 | 78,779 | 188,835 | 2,974 | 2,129 | 923 |
| बिहार (से०प्र०) | 1979-80 | 1,57,500 | 2,69,160 | 2,70,645 | 5,39,805 | 1,709 | 1,718 | 6,025 |
| | 1980-81 | 1,91,000 | 2,73,363 | 2,43,622 | 5,16,985 | 1,431 | 1,276 | 1,194 |
| चंडीगढ़ (से०प्र०) | 1979-80 | 17,500 | 52,781 | 58,204 | 1,10,985 | 3,016 | 3,326 | 2,311 |
| | 1980-81 | 22,000 | 63,296 | 74,503 | 1,37,799 | 2,877 | 3,387 | 2,435 |
| दिल्ली (से०प्र०) | 1979-80 | 3,17,000 | 8,29,444 | 11,34,341 | 19,63,785 | 2,617 | 3,578 | 10,168 |
| | 1980-81 | 3,47,000 | 9,22,335 | 12,36,674 | 21,59,009 | 2,658 | 3,564 | 11,482 |
| गोआ (से०प्र०) | 1979-80 | 20,500 | 41,511 | 10,135 | 51,646 | 2,025 | 494 | 276 |
| | 1980-81 | 22,000 | 44,049 | 11,121 | 55,170 | 2,002 | 506 | 160 |
| गुजरात (से०प्र०) | 1979-80 | 5,26,400 | 9,20,127 | 37,34,294 | 46,54,421 | 1,748 | 7,094 | 2,951 |
| | 1980-81 | 4,87,900 | 8,23,385 | 32,61,067 | 40,84,452 | 1,688 | 6,684 | 2,704 |
| गुजरात (से०प्र०) | 1979-80 | 56,450 | 2,56,597 | 2,18,425 | 4,75,022 | 4,546 | 3,869 | 391 |
| | 1980-81 | 41,150 | 7,87,964 | 1,43,723 | 3,31,687 | 4,568 | 3,494 | 358 |
| हरियाणा (से०प्र०) | 1979-80 | 2,29,250 | 4,43,948 | 5,13,127 | 9,57,075 | 1,937 | 2,238 | 3,835 |
| | 1980-81* | 2,53,000 | 3,70,771 | 4,01,419 | 7,72,190 | 1,465 | 1,587 | 2,401 |
| हिमाचल प्रदेश (से०प्र०) | 1979-80 | -- | -- | — | — | — | — | — |
| | 1980-81 | 1,300 | 2,879 | 994 | 3,873 | 2,215 | 765 | उपलब्ध नहीं |
| कर्नाटक (से०प्र०) | 1979-80 | 3,16,000 | 19,88,867 | 36,65,878 | 56,54,745 | 6,294 | 11,601 | 12,559 |
| | 1980-81 | 3,59,000 | 16,82,176 | 29,23,557 | 46,05,733 | 4,686 | 8,144 | 12,775 |
| केरल (से०प्र०) | 1979-80 | 3,28,900 | 14,01,158 | 34,27,158 | 48,28,316 | 4,260 | 10,420 | 143 |
| | 1980-81 | 3,38,950 | 15,81,411 | 34,63,027 | 50,44,438 | 4,666 | 10,217 | 31 |
| मध्य प्रदेश (से०प्र०) | 1979-80 | 1,93,100 | 6,41,889 | 17,57,055 | 23,98,944 | 3,324 | 9,099 | 597 |
| | 1980-81 | 2,04,900 | 6,95,511 | 17,75,867 | 24,71,378 | 3,394 | 8,667 | 282 |
| मध्य प्रदेश (से०प्र०) | 1979-80 | 2,400 | 9,445 | 11,801 | 21,246 | 3,935 | 4,917 | उपलब्ध नहीं |
| | 1980-81 | 2,450 | 6,862 | 9,522 | 16,384 | 2,801 | 3,887 | उपलब्ध नहीं |
| महाराष्ट्र | | | | | | | | |
| (1) बम्बई क्षेत्र (से०प्र०) | 1979-80 | 4,750 | 20,300 | 35,600 | 55,900 | 4,274 | 7,495 | 4 |
| | 1980-81 | 4,350 | 19,524 | 32,207 | 51,731 | 4,488 | 7,404 | 1 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (2) बम्बई क्षेत्र (से०प्र०) | 1979-80 | 1,66,700 | 4,94,776 | 3,45,993 | 8,40,769 | 2,968 | 2,076 | 2,145 |
| | 1980-81 | 5,46,550 | 13,10,958 | 8,72,459 | 21,83,417 | 2,399 | 1,596 | 3,580 |
| (3) नागपुर क्षेत्र (से०प्र०) | 1979-80 | 81,500 | 3,02,770 | 13,38,699 | 16,41,469 | 3,715 | 16,426 | 4,158 |
| | 1980-81 | 90,550 | 2,80,823 | 13,30,278 | 16,11,101 | 3,101 | 14,691 | 5,219 |
| (4) पूना क्षेत्र (पे०प्र०) | 1979-80 | 48,300 | 2,00,856 | 4,24,342 | 6,25,198 | 4,159 | 8,786 | 9 |
| | 1980-81 | 55,700 | 2,34,708 | 4,38,019 | 6,72,727 | 4,214 | 7,864 | उपलब्ध नहीं |
| पूना क्षेत्र (पे०प्र०) | 1979-80 | 35,850 | 2,16,755 | 1,66,045 | 3,82,800 | 6,046 | 4,632 | 521 |
| | 1980-81 | 68,100 | 3,92,190 | 2,86,060 | 6,78,250 | 5,759 | 4,201 | 1,039 |
| मेघालय** (से०प्र०) | 1979-80 | — | — | — | — | — | — | — |
| | 1980-81* | 100 | 922 | 236 | 1,158 | 9,220 | 2,360 | 6 |
| उड़ीसा (से०प्र०) | 1979-80 | 1,07,000 | 2,81,788 | 3,98,179 | 6,79,967 | 2,634 | 3,721 | 5,795 |
| | 1980-81 | 1,28,500 | 3,13,679 | 4,94,220 | 8,07,899 | 2,441 | 3,846 | 4,009 |
| पांडिचेरी और माही (से०प्र०) | 1979-80 | 17,100 | 74,898 | 2,83,329 | 3,58,227 | 4,380 | 16,569 | 2,353 |
| | 1980-81 | 19,550 | 66,597 | 2,98,022 | 3,64,619 | 3,406 | 15,244 | 2,370 |
| पंजाब (से०प्र०) | 1979-80* | 10,250 | 1,81,095 | 65,556 | 2,46,651 | 17,668 | 6,396 | 2,638 |
| | 1980-81 | 10,150 | 2,37,218 | 1,00,381 | 3,37,599 | 23,371 | 9,890 | 4,886 |
| पंजाब (पे०प्र०) | 1979-80* | 16,150 | 1,00,200 | 58,169 | 1,58,369 | 6,204 | 3,602 | 2,561 |
| | 1980-81 | 23,150 | 1,22,091 | 62,717 | 1,84,808 | 5,274 | 2,709 | 2,547 |
| राजस्थान (से०प्र०) | 1979-80 | 1,48,500 | 6,31,510 | 10,70,102 | 17,01,612 | 4,253 | 7,206 | 934 |
| | 1980-81 | 1,75,000 | 7,00,060 | 11,77,863 | 18,77,923 | 4,000 | 6,731 | 1,084 |
| तमिलनाडु (से०प्र०) | 1979-80 | 5,05,350 | 13,39,994 | 51,03,446 | 64,43,440 | 2,652 | 10,099 | 18,795 |
| | 1980-81 | 5,14,200 | 14,40,930 | 50,35,597 | 64,76,527 | 2,802 | 9,793 | 22,136 |
| तमिलनाडु (पे०प्र०) | 1979-80 | 5,650 | 22,875 | 91,437 | 1,14,312 | 4,049 | 16,184 | 1,558 |
| | 1980-81 | 5,300 | 22,504 | 84,830 | 1,07,334 | 4,246 | 16,006 | 1,937 |
| उत्तर प्रदेश (से०प्र०) | 1979-80 | 4,85,000 | 11,73,033 | 14,39,683 | 26,12,716 | 2,419 | 2,968 | 25,158 |
| | 1980-81 | 5,00,000 | 15,11,605 | 25,14,159 | 40,25,764 | 3,023 | 5,028 | 35,062 |
| पश्चिम बंगाल (से०प्र०) | 1979-80 | 6,03,500 | 22,79,441 | 12,12,975 | 34,92,417 | 3,777 | 2,010 | 22,350 |
| | 1980-81 | 5,20,150 | 22,79,754 | 20,46,828 | 43,26,582 | 4,383 | 3,935 | 22,379 |
| समस्त भारत | 1979-80 | 47,02,600 | 1,52,61,312 | 2,95,58,376 | 4,48,19,688 | 3,245 | 6,286 | 1,48,843 |
| | 1980-81 | 52,45,000 | 1,68,14,378 | 3,08,46,046 | 4,76,60,424 | 3,206 | 5,881 | 1,58,986 |

(से०प्र०)—सेवा प्रणाली

(पे०प्र०)—पेनल प्रणाली

*कुछ महीनों के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं, आंशिक औसत ली गई है।

**योजना 28-9-80 से कार्यान्वित की गई।

## परिशिष्ट 14

1979-80 तथा 1980-81 में अस्वस्थता की घटनाएं यानी प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्तियों और 1000 परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों के नए मामलों की सं०

समस्त भारत

| कारण ग्रुप संख्या | रोग | बीमाकृत व्यक्ति 1979-80 | बीमाकृत व्यक्ति 1980-81 | परिवार 1979-80 | परिवार 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | श्वसन प्रणाली का क्षय रोग | 9.9 | 13.3 | 8.9 | 10.3 |
| 2. | अन्य प्रकार का क्षय रोग | 3.8 | 4.1 | 4.1 | 4.3 |
| 3. | सिफलिस और उसके अनुगम | 1.7 | 2.5 | 1.3 | 0.9 |
| 4. | गोनोकोकल संक्रमण | 3.1 | 3.4 | 2.6 | 2.3 |
| 5 | सभी प्रकार की पेचिश | 200.5 | 220.0 | 205.7 | 211.1 |
| 6. | हैजा, आन्त्र ज्वर, आन्त्र पथ में होने वाले अन्य संक्रामक रोग | 19.9 | 21.7 | 22.7 | 26.6 |
| 7. | स्कारलेट ज्वर, डिफ्थीरिया, कुकर खांसी, खसरा, कनफेड़ छोटी माता | 6.5 | 9.8 | 22.9 | 25.6 |
| 8. | टाइफस और अन्य रिकेट्सिया रोग | 0.3 | 0.4 | 0.3 | 0.5 |
| 9. | मलेरिया . . . . . | 32.0 | 30.2 | 39.4 | 34.3 |
| 10. | फाइलेरिया रोग, अंकुश कृमि रोग व अन्य कृमि . | 58.6 | 64.0 | 91.9 | 95.4 |
| 11. | संक्रामक और परजीवी वर्ग के अन्य सभी रोग . | 49.5 | 53.6 | 57.3 | 60.6 |
| 12. | दुर्दम अर्बुद सभी साइट . . . | 0.3 | 0.3 | 0.2 | 0.1 |
| 13. | सुदाम्य अर्बुद सभी साइट . . . | 2.1 | 1.3 | 0.2 | 1.5 |
| 14. | एलर्जिक विकार . . | 97.3 | 101.0 | 119.1 | 121.4 |
| 15. | अवटु ग्रन्थि के रोग . . . . . | 1.3 | 1.5 | 1.4 | 3.5 |
| 16. | मधुमेह मेलीटस . . . . | 4.4 | 5.4 | 4.2 | 6.7 |
| 17. | अविटामिनता व अन्य कमियों की स्थिति . . | 109.4 | 118.9 | 129.7 | 130.8 |
| 18. | अरक्तता . . . . . | 83.2 | 87.2 | 111.6 | 116.7 |
| 19. | विक्षिप्ति और मनोविक्षिप्ति . . . | 1.7 | 2.3 | 2.0 | 1.6 |
| 20. | रक्तधर विक्षिप्ति सी० एन० एस० . . | 0.7 | 0.9 | 0.6 | 0.9 |
| 21. | नेत्र रोग . . . . . . | 91.2 | 91.3 | 114.9 | 114.6 |
| 22. | कान और मोमटाइड प्रक्रिया के रोग . . | 54.2 | 58.8 | 73.8 | 77.1 |
| 23. | रूमेटी ज्वर . . . . . | 5.4 | 5.7 | 4.7 | 5.1 |
| 24. | जीर्ण रूमेटी हृदय रोग . . . . | 0.6 | 0.6 | 0.8 | 1.3 |
| 25. | धमनी काठिन्यज और व्यपजनक हृदय रोग . . | 0.5 | 0.6 | 0.5 | 0.6 |
| 26. | अतितनाव रोग . . . . . | 8.3 | 15.2 | 9.9 | 12.3 |
| 27. | शिराओं के रोग . . . . | 6.1 | 7.7 | 5.5 | 7.7 |
| 28. | तीव्र नेजोफरिनजाइटिस (सामान्य नजला) . . | 268.2 | 274.2 | 301.4 | 279.6 |
| 29. | तीव्र ग्रसनीशोथ और टान्सिलशोथ . . | 74.0 | 81.4 | 94.8 | 96.3 |
| 30. | इन्फ्लुऐंजा . . . . . | 116.8 | 136.8 | 119.1 | 121.6 |
| 31. | निमोनिया . . . . . | 2.8 | 3.4 | 5.8 | 5.6 |
| 32. | श्वसनी शोथ . . . . . | 214.8 | 234.9 | 226.7 | 227.7 |
| 33. | सिकतामयता और व्यावसायिक फुफ्फुसी . . | 0.3 | 0.0 | 0.2 | 0.0 |
| 34. | अन्य श्वसन रोग . . . | 67.0 | 72.3 | 77.4 | 75.8 |
| 35. | आमाशय और पक्वाशय के रोग . . . | 119.4 | 122.7 | 127.2 | 116.8 |
| 36. | डंडुक पुच्छशोथ . . . | 2.0 | 1.8 | 1.0 | 1.0 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 37. | उदरीय गुहिका हर्निया | 1.3 | 2.3 | 0.8 | 1.3 |
| 38. | प्रवाहिका और आन्त्रशोथ | 163.6 | 167.3 | 200.8 | 193.8 |
| 39. | पित्ताशय और पित्तवाहिनी के रोग | 1.3 | 1.6 | 1.3 | 1.9 |
| 40. | पाचनतंत्र के अन्य रोग | 133.3 | 137.8 | 139.3 | 140.8 |
| 41. | वृक्कशोथ और अपवृक्कता | 1.5 | 1.9 | 2.0 | 1.4 |
| 42. | जननांगों के रोग | 17.1 | 19.1 | 21.6 | 29.4 |
| 43. | प्रसव, गर्भधारण की जटिलताएं, शिशुजन्म और प्रसवोत्तरकाल | 24.0* | 29.4* | 10.4 | 12.3 |
| 44. | फुन्सी, फोड़े, संयोजक अतिशोथ और अन्य त्वचा संक्रमण | 169.7 | 170.0 | 187.2 | 169.7 |
| 45. | त्वचा के अन्य रोग | 95.2 | 94.1 | 110.8 | 98.2 |
| 46. | धमनीशोथ और आमवात | 124.9 | 128.7 | 108.7 | 99.8 |
| 47. | हड्डियों और संचालन के अन्य अंगों के रोग | 9.9 | 13.2 | 7.7 | 9.4 |
| 48. | जन्मजात कुरचना और शिशुकाल में होने वाली बीमारियां | 0.6 | 0.9 | 0.3 | 0.7 |
| 49. | अन्य विशिष्ट और अपरिभाषित रोग | 246.1 | 255.8 | 290.9 | 279.6 |
| 50. | दुर्घटनाएं, विष देना और हिंसा | 181.0 | 201.5 | 161.6 | 164.8 |
| 51. | अन्य विविध ग्रुप | 2.0 | 1.6 | 2.1 | 1.5 |
| | नए मामलों की कुल संख्या | 2,867.4 | 3047.4 | 3245.3 | 3205.8 |

*प्रति 1,000 बीमाकृत महिला कर्मचारी

**परिशिष्ट 15**

1980-81 के दौरान चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर किया गया अनुमानित व्यय

| क्र० सं० | राज्य का नाम | जोखिम ग्रस्त माने गए कर्मचारियों की संख्या | राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया चिकित्सा हितलाभ पर कुल अनुमानित व्यय | प्रति व्यक्ति लागत |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 247500 | 3,84,91,269.92 | 155.52 |
| 2. | असम | 33000 | 34,65,788.81 | 105.02 |
| 3. | बिहार | 150000 | 1,28,79,957.95 | 85.87 |
| 4. | चंडीगढ़ प्रशासन | 16650 | 24,40,905.19 | 146.60 |
| 5. | दिल्ली | 271500 | 3,75,05,310.09 | 138.15 |
| 6. | गोआ | 19750 | 17,06,921.36 | 86.43 |
| 7. | गुजरात | 555000 | 7,77,00,500.00 | 140.00 |
| 8. | हरियाणा | 199500 | 2,11,50,218.00 | 106.02 |
| 9. | हिमाचल प्रदेश | — | अनुपलब्ध | अनुपलब्ध |
| 10 | कर्नाटक | 310000 | 4,18,92,231.76 | 135.14 |
| 11. | केरल | 314000 | 4,39,32,734.10 | 139.91 |
| 12. | मध्य प्रदेश | 167500 | 1,99,90,421.60 | 119.35 |
| 13. | महाराष्ट्र | 1489000 | 21,15,16,327.00 | 142.05 |
| 14. | उड़ीसा | 115000 | 1,03,16,091.00 | 89.71 |
| 15. | पांडिचेरी | 16000 | 27,67,917.60 | 173.00 |
| 16. | पंजाब | 172500 | 2,31,14,077.51 | 133.99 |
| 17. | राजस्थान | 132000 | 1,89,03,000.00 | 112.66* |
| 18. | तमिलनाडु | 462500 | 6,36,41,176.59 | 137.60 |
| 19. | उत्तर प्रदेश | — | अनुपलब्ध | अनुपलब्ध |
| 20. | पश्चिमी बंगाल | 1030000 | 11,44,70,200.00 | 111.14 |
| | जोड़ | 5701400 | 74,08,85,048.48 | 129.94 |

*अनन्तिम

## परिशिष्ट 16

### 1979-80 तथा 1980-81 में बीमारी तथा प्रसूति हितलाभ दावों की घटनाएं—राज्यवार

| राज्य | अवधि | बीमारी/विस्तारित हितलाभ के लिए जोखिमग्रस्त माने गए कर्मचारियों की संख्या | नकद हितलाभ अदायगियों की कुल संख्या | प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी नकद हितलाभ अदायगियों की संख्या | बीमारी हितलाभ: प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी नई अवधियों की संख्या | बीमारी हितलाभ: प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी बीमारी हितलाभ दिनों की औसतन संख्या | औसत दैनिक दर (रु०) | विस्तारित बीमारी हितलाभ: प्रतिवर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नए मामलों की दर | विस्तारित बीमारी हितलाभ: प्रति समाप्त मामला औसत अवधि | प्रसूति हितलाभ: प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी माने गए प्रसव की दर | प्रसूति हितलाभ: प्रति प्रसव औसत राशि (रुपए) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| आन्ध्र प्रदेश | 1979-80 | 2,35,150 | 3,66,622 | 1.6 | 0.97 | 8.0 | 7.59 | 1.9 | 243.3 | 44.3 | 1,116 |
| | 1980-81 | 2,39,050 | 4,82,211 | 2.0 | 1.35 | 10.8 | 8.57 | 2.7 | 238.1 | 58.0 | 1025 |
| असम | 1979-80 | 28,250 | 42,991 | 1.5 | 1.02 | 7 9 | 6.60 | 2.2 | 245.5 | 74.2 | 764 |
| | 1980-81 | 31,200 | 46,148 | 1.5 | 1.02 | 8.4 | 7.06 | 1.3 | 320.0 | 97.6 | 708 |
| बिहार | 1979-80 | 1,24,050 | 1,92,680 | 1.6 | 1.18 | 11.9 | 8.16 | 3.9 | 323.1 | 12.2 | 839 |
| | 1980-81 | 1,36,400 | 2,01,308 | 1.5 | 1.12 | 11.9 | 8.43 | 3.5 | 204.6 | 17.9 | 679 |
| चण्डीगढ | 1979-80 | 12,900 | 5,144 | 0.4 | 0.29 | 2.3 | 9.30 | 1.1 | — | 126.2 | 982 |
| | 1980-81 | 14,350 | 6,316 | 0.4 | 0.29 | 2.2 | 9.52 | 0.8 | 180.0 | 151.4 | 917 |
| दिल्ली | 1979-80 | 2,40,000 | 1,36,284 | 0.6 | 0.27 | 3.4 | 9.25 | 1.3 | 266.0 | 35.6 | 1,076 |
| | 1980-81 | 2,59,800 | 1,34,984 | 0.5 | 0.21 | 2.6 | 8.67 | 2.6 | 329.4 | 43 0 | 1,109 |
| गुजरात | 1979-80 | 5,24,200 | 6,61,132 | 1.3 | 0.58 | 5.7 | 9.68 | 5.5 | 260.9 | 49.6 | 7,769 |
| | 1980-81 | 5,46,100 | 7,11,556 | 1.3 | 0.63 | 6.0 | 10.51 | 5.1 | 234.7 | 47.8 | 712 |
| हरियाणा | 1979-80 | 1,74,300 | 76,742 | 0.4 | 0.23 | 2.4 | 8.08 | 2.3 | 183.1 | 18.3 | 1,121 |
| | 1980-81 | 1,89,300 | 86,413 | 0.5 | 0.24 | 2.4 | 8.73 | 2.1 | 203.3 | 20 8 | 975 |
| हिमाचल प्रदेश | 1979-80 | 850 | 442 | 0.5 | 0.27 | 2.4 | 10.00 | 1.2 | 100.0 | — | — |
| | 1980-81 | 1,100 | 394 | 0.4 | 0.14 | 1.8 | 9.50 | — | — | — | — |
| कर्नाटक | 1979-80 | 2,83,900 | 6,28,715 | 2.2 | 1.62 | 9.4 | 9.77 | 2.3 | 254.5 | 101.5 | 866 |
| | 1980-81 | 2,96,700 | 8,26,969 | 2.8 | 2.13 | 12.8 | 11.51 | 2.1 | 248.1 | 78 8 | 1,081 |
| केरल और माही | 1979-80 | 3,06,750 | 5,95,963 | 1.9 | 1 26 | 8.6 | 7.20 | 2.6 | 250 1 | 62 0 | 638 |
| | 1980-81 | 3,08,100 | 7,35,952 | 2.4 | 1.63 | 10.5 | 7.34 | 3 3 | 246.9 | 55 5 | 714 |
| मध्य प्रदेश | 1979-80 | 1,69,700 | 3,68,929 | 2.2 | 1.64 | 14 4 | 8 76 | 4 8 | 270.7 | 28 0 | 756 |
| | 1980-81 | 1,63,300 | 3,90,351 | 2.4 | 1.05 | 14.3 | 9.47 | 5.6 | 247.1 | 35 4 | 735 |
| महाराष्ट्र | 1979-80 | 14,27,200 | 19,35,939 | 1.4 | 0.90 | 6 6 | 10.40 | 4 9 | 182.3 | 44 3 | 1,479 |
| | 1980-81 | 14,82,600 | 19,18 225 | 1 3 | 0.84 | 6.1 | 11.41 | 6 1 | 179.6 | 48.7 | 1,434 |
| उड़ीसा | 1979-80 | 90,300 | 83,282 | 0.9 | 0.59 | 5.1 | 8.00 | 1.6 | 273.3 | 22 0 | 686 |
| | 1980-81 | 1,04,600 | 1,12,012 | 1.1 | 0.76 | 6.0 | 8.66 | 1 5 | 316 0 | 19.1 | 645 |
| पांडिचेरी | 1979-80 | 15,000 | 24,731 | 1.6 | 1.43 | 6 9 | 9.57 | 3.9 | 189.5 | 20.0 | 1,005 |
| | 1980-81 | 15,050 | 48,875 | 3.2 | 2.09 | 10.0 | 10.80 | 4.1 | 217.9 | 32 2 | 1,587 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पंजाब . . . . | 1979-80 | 1,54,600 | 66,425 | 0.4 | 0.22 | 2.3 | 6.97 | 2.0 | 202.2 | 20.5 | 735 |
| | 1980-81 | 1,62,950 | 70,844 | 0.4 | 0.20 | 2 2 | 7.48 | 0.8 | 197.3 | 21 8 | 861 |
| राजस्थान . . . | 1979-80 | 1,13,900 | 1,43,445 | 1.3 | 0.77 | 5.8 | 9.48 | 4.9 | 291.1 | 33 1 | 614 |
| | 1980-81 | 1,21,950 | 1,65,578 | 1.5 | 0.77 | 6.6 | 9.85 | 3 7 | 191 2 | 23 2 | 926 |
| तमिलनाडु . . . | 1979-80 | 4,43,750 | 15,46,239 | 3.5 | 2 83 | 18 3 | 10.64 | 2.0 | 262 8 | 64 7 | 490 |
| | 1980-81 | 4,49,400 | 17,41,975 | 3 9 | 2 80 | 16 2 | 11 79 | 4.3 | 208 1 | 55.3 | 666 |
| उत्तर प्रदेश . . . | 1979-80 | 4,33,900 | 4,24,654 | 1 0 | 0 57 | 8.6 | 9 37 | 2.5 | 227.3 | 39 0 | 752 |
| | 1980 81 | 4,42,800 | 3,91,187 | 0.9 | 0.46 | 8 0 | 9.29 | 2 9 | 224.4 | 19 4 | 1,104 |
| पश्चिमी बंगाल . . . | 1979-80 | 9,65,600 | 12,46,908 | 1 3 | 0 94 | 6 9 | 9 44 | 5.8 | 228.0 | 22.8 | 1,011 |
| | 1980-81 | 9,82,200 | 14,33,520 | 1 5 | 0 88 | 7.8 | 10.44 | 6 4 | 246.8 | 24.6 | 1,402 |
| जोड . . . | 1979-80 | 57,44,300 | 85,47,267 | 1 5 | 1 00 | 7 8 | 9.54 | 4.0 | 225.6 | 49.4 | 860 |
| | 1980-81 | 59,46,950 | 95,04,818 | 1 6 | 1.02 | 8 0 | 10 29 | 4 5 | 220.3 | 47.5 | 960 |

## परिशिष्ट 17

1979-80 तथा 1980-81 में स्वीकृत अपंगता और आश्रितजन हितलाभ के दावे

| राज्य | अवधि | जोखिमग्रस्त माने गए कर्मचारियों की संख्या | अस्थाई अपंगता हितलाभ | | | स्थाई अपंगता हितलाभ | | | | आश्रितजन हितलाभ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी नए मामलों की दर | प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी अस्थाई अपंगता हितलाभ दिनों की संख्या | अस्थाई अपंगता हितलाभ की औसत दैनिक दर (रु०) | स्वीकृत नए मामलों की संख्या | प्रतिवर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नए मामलों की संख्या | एकमुश्त के लिए रूपान्तरित मामलों की संख्या या दर | वर्ष के अंत में लाभाधिकारियों की संख्या | मृत्यु के स्वीकृत मामलों की संख्या | वर्ष के अंत में लाभाधिकारियों की संख्या |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| आन्ध्र प्रदेश . . . . . | 1979-80 | 2,37,500 | 0 05 | 0 75 | 8.28 | 572<br>7 दू० | 2 44 | 476 | 771 | — | 686 |
| | 1980-81 | 2,47,500 | 0 06 | 1 00 | 9.13 | 340<br>1 दू० | 1.38 | 380 | 861 | 123 | 1049 |
| असम . . . . . | 1979-80 | 30,500 | 0 04 | 0 78 | 6.73 | 95 | 3 11 | 82 | 159 | 2 | 105 |
| | 1980-81 | 33,000 | 0.04 | 0.75 | 7.56 | 73 | 2.21 | 45 | 153 | 3 | 114 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बिहार . . . . . | 1979-80 | 1,32,500 | 0.03 | 0.60 | 7.68 | 145 | 1.09 | 113 | 420 | 9 | 375 |
| | 1980-81 | 1,50,000 | 0.03 | 0.65 | 8.58 | 223 | 1.49 | 136 | 430 | 23 | 441 |
| चण्डीगढ़ . . . . . | 1979-80 | 14,150 | 0.05 | 0.71 | 7.77 | 41 | 2.90 | 35 | 28 | 2 | 35 |
| | 1980-81 | 16,650 | 0.03 | 0.45 | 12.52 | 76 | 4.56 | 80 | 29 | 2 | 39 |
| दिल्ली . . . . . | 1979-80 | 2,55,000 | 0.04 | 0.84 | 11.46 | 2,382<br>33 डू० | 9.47 | 1,540 | 1,186 | 30 | 666 |
| | 1980-81 | 2,71,500 | 0.04 | 0.95 | 12.00 | 2,894<br>18 डू० | 10.73 | 2,565 | 1,697 | 37 | 736 |
| गुजरात . . . . . | 1979-80 | 5,42,500 | 0.13 | 1.76 | 11.56 | 2,129<br>326 डू० | 4.53 | 1,592 | 2,337 | 53 | 1658 |
| | 1980-81 | 5,55,000 | 0.14 | 1.81 | 13.29 | 2,387<br>273 डू० | 4.79 | 2,308 | 2,025 | 116 | 1883 |
| हरियाणा . . . . . | 1979-80 | 1,85,000 | 0.04 | 0.71 | 8.59 | 722 | 3.88 | 606 | 932 | 34 | 619 |
| | 1980-81 | 1,99,500 | 0.04 | 0.70 | 9.63 | 872 | 4.37 | 701 | 729 | 31 | 688 |
| हिमाचल प्रदेश . . . . | 1979-80 | 1,050 | 0.12 | 1.08 | 9.67 | — | — | — | — | — | — |
| | 1980-81 | 1,200 | 0.09 | 1.16 | 10.06 | — | — | — | — | — | — |
| कर्नाटक . . . . . | 1979-80 | 2,93,000 | 0.09 | 0.96 | 9.04 | 559 | 1.91 | 429 | 811 | 49 | 947 |
| | 1980-81 | 3,10,000 | 0.09 | 1.01 | 10.35 | 740<br>2 डू० | 2.39 | 458 | 976 | 41 | 1049 |
| केरल और माही . . . . | 1979-80 | 3,07,500 | 0.07 | 1.03 | 10.27 | 949 | 3.09 | 678 | 984 | 31 | 771 |
| | 1980-81 | 3,14,000 | 0.08 | 0.99 | 11.36 | 1,165 | 3.71 | 1,081 | 1,040 | 36 | 833 |
| मध्य प्रदेश . . . . . | 1979-80 | 1,65,000 | 0.19 | 3.33 | 10.87 | 327 | 1.98 | 117 | 745 | 18 | 622 |
| | 1980-81 | 1,67,500 | 0.25 | 4.28 | 12.04 | 349 | 2.08 | 161 | 848 | 39 | 730 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र . . . . . | 1979-80 | 14,77,750 | 0 06 | 0.72 | 12.63 | 3,584 248डू० | 2.59 | 2,326 | 12.258 | 120 | 4,259 |
| | 1980-81 | 15,08,750 | 0.07 | 0.87 | 12.62 | 5,341 360डू० | 3.78 | 2,118 | 14,027 | 258 | 4,983 |
| उड़ीसा . . . . . | 1979-80 | 1,00,500 | 0.03 | 0.55 | 7.23 | 156 | 1.55 | 86 | 278 | 12 | 208 |
| | 1980-81 | 1,15,000 | 0.04 | 0 64 | 8.89 | 156 | 1.36 | 117 | 290 | 3 | 217 |
| पांडिचेरी . . . . . | 1979-80 | 15,000 | 0.10 | 0.99 | 11.63 | 7 | 0.47 | 5 | 28 | 1 | 18 |
| | 1980-81 | 16,000 | 0.13 | 1.34 | 14.55 | 8 | 0.50 | 9 | 21 | 2 | 24 |
| पंजाब . . . . . | 1979-80 | 1,60,500 | 0.03 | 0.66 | 7.19 | 723 | 4.50 | 454 | 950 | 35 | 642 |
| | 1980-81 | 1,72,500 | 0.03 | 0.64 | 7.89 | 732 | 4.24 | 570 | 904 | 33 | 724 |
| राजस्थान . . . . . | 1979-80 | 1,19,500 | 0.09 | 1.20 | 10.21 | 235 | 1.97 | 209 | 385 | 18 | 521 |
| | 1980-81 | 1,32,000 | 0.08 | 1.03 | 11.13 | 349 2डू० | 2.66 | 246 | 495 | 40 | 612 |
| तमिलनाडु . . . . . | 1979-80 | 4,47,500 | 0 08 | 0.69 | 10.78 | 645 5डू० | 1.54 | 652 | 1,283 | 17 | 982 |
| | 1980-81 | 4,62,500 | 0.07 | 0.69 | 11.57 | 743 4डू० | 1.62 | 548 | 1,419 | 32 | 1,050 |
| उत्तर प्रदेश . . . . . | 1979-80 | 4,40,000 | 0.04 | 1.21 | 11.12 | 454 | 1.03 | 318 | 1,852 | 34 | 1,432 |
| | 1980-81 | 4,55,000 | 0.03 | 0.99 | 11.42 | 641 | 1.41 | 381 | 2,049 | 43 | 1,569 |
| पश्चिमी बंगाल . . . . . | 1979-80 | 9,75,000 | 0.10 | 1.46 | 10.66 | 1,278 | 1.31 | 706 | 16,329 | 60 | 2,556 |
| | 1980-81 | 10,30,000 | 0.11 | 1.76 | 11.80 | 3,036 7डू० | 2.95 | 1,474 | 17,989 | 64 | 2,729 |
| जोड़ . . . . . | 1979-80 | 58,99,450 | 0.07 | 1.10 | 10.72 | 15.003 619डू० | 2.65 | 10,477 | 41,736 | 525 | 17,102 |
| | 1980-81 | 61,57,600 | 0.08 | 1.19 | 11.79 | 20,125 667डू० | 3.78 | 13,378 | 45,982 | 926 | 19,470 |

परिशिष्ट 18

1979-80 तथा 1980-81 में स्वीकृत स्थायी अपंगता हितलाभ दावों की घटना—उद्योगवार

| उद्योग | अवधि | जोखिमग्रस्त माने गए कर्मचारियों की अनुमानित संख्या | दुर्घटनाओं के स्वीकृत मामलों की संख्या | प्रतिवर्ष प्रति 1000 कर्मचारी स्थायी अपंगता हितलाभ मामलों की दर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| खाद्य, पेय तथा तम्बाकू | 1979-80 | 4,33,800 | 187 | 0.43 |
| | 1980-81 | 4,31,450 | 369 | 0.86 |
| वस्त्र | 1979-80 | 19,96,750 | 11,947 | 5.98 |
| | 1980-81 | 20,96,400 | 15,736 | 7.51 |
| चमड़ा तथा रबड़ | 1979-80 | 1,55,500 | 167 | 1.07 |
| | 1980-81 | 1,65,700 | 221 | 1.33 |
| रसायन तथा रासायनिक उत्पाद | 1979-80 | 3,67,250 | 334 | 0.91 |
| | 1980-81 | 3,92,650 | 386 | 0.98 |
| गैर धात्विक खनिज | 1979-80 | 2,58,500 | 327 | 1.26 |
| | 1980-81 | 2,70,500 | 472 | 1.74 |
| धात्विक खनिज | 1979-80 | 4,88,950 | 714 | 1.46 |
| | 1980-81 | 5,18,300 | 922 | 1.78 |
| इंजीनियरी | 1979-80 | 9,22,050 | 970 | 1.05 |
| | 1980-81 | 9,49,550 | 1,396 | 1.47 |
| परिवहन | 1979-80 | 4,02,500 | 351 | 0.87 |
| | 1980-81 | 3,93,100 | 468 | 1.19 |
| कागज तथा मुद्रण | 1979-80 | 12,59,000 | 238 | 0.92 |
| | 1980-81 | 2,67,000 | 233 | 0 87 |
| विविध | 1979-80 | 3,83,850 | 387 | 1.01 |
| | 1980-81 | 4,10,500 | 589 | 1.43 |
| वाणिज्यिक संस्थापनायें | 1979-80 | 1,24,200 | — | — |
| | 1980-81 | 1,34,350 | — | — |
| होटल तथा रेस्तरां | 1979-80 | 79,400 | — | — |
| | 1980-81 | 99,450 | — | — |
| सिनेमा तथा थियेटर | 1979-80 | 27,600 | — | — |
| | 1980-81 | 28,650 | — | — |
| जोड़ | 1979-80 | 58,99,450 | 15,622 | 2.65 |
| | 1980-81 | 61,57,600 | 20,792 | 3,38 |

परिशिष्ट-19

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत 1980-81 वर्ष के दौरान की गई कानूनी कार्रवाई के ब्यौरे

| राज्य | निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत दायर किए गए मामलों से संबंधित राशि | | | | | | निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत कानूनी कार्रवाई द्वारा वसूल की गई राशि | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | धारा 66 | | धारा 67 | | धारा 73-घ | | धारा 75(2) (45 (ख) | | धारा 66 | धारा 67 | धारा 73घ | धारा 75 (2) 45 (ख) | धारा 85 के अन्तर्गत दायर किए गए मामलों की संख्या |
| | मामले | राशि | मामले | राशि | मामले | राशि | मामले | राशि | | | | | |
| आंध्र प्रदेश | — | — | — | — | 16 | 36710 | 1126 | 6653215 | — | — | 12637 | 288164 | 142 |
| असम | — | — | — | — | — | — | 35 | 611835 | — | — | — | 68639 | 8 |
| बिहार | — | — | — | — | 4 | 11911 | 125 | 3776556 | — | — | 139697 | 1075516 | 48 |
| दिल्ली | — | — | — | — | 1 | 12604 | 323 | 2248891 | — | — | — | 853501 | 149 |
| गुजरात | — | — | — | — | — | — | 88 | 1117009 | — | — | 574156 | 135228 | 43 |
| केरल | — | — | — | — | — | — | 767 | 4197272 | — | — | 157608 | 1667704 | 41 |
| कर्नाटक | — | — | — | — | — | — | 415 | 2928588 | — | — | — | 391940 | 24 |
| मध्य प्रदेश | — | — | — | — | — | — | 230 | 2456632 | — | — | — | 148177 | 59 |
| महाराष्ट्र | — | — | — | — | 11 | 96505 | 407 | 8517116 | — | 30724 | 11312 | 888314 | 138 |
| उड़ीसा | — | — | — | — | — | — | 9 | 55783 | — | — | — | 69561 | 14 |
| पंजाब | — | — | — | — | — | — | 344 | 3893754 | — | — | — | 846362 | 72 |
| पूना | — | — | — | — | 4 | 3901 | 78 | 391894 | — | — | 85007 | 206931 | 77 |
| नागपुर | — | — | — | — | — | — | 82 | 225658 | — | — | — | 34810 | 56 |
| हरियाणा | — | — | — | — | 3 | 6902 | 266 | 2756666 | 4000 | — | 8507 | 1586338 | 46 |
| पश्चिमी बंगाल | — | — | — | — | 85 | 4160381 | 436 | 14248642 | — | — | 1542016 | 724518 | 299 |
| तमिलनाडु | — | — | — | — | 125 | 1118712 | 486 | 6072451 | — | — | 114396 | 616457 | 91 |
| राजस्थान | — | — | — | — | — | — | 266 | 2714449 | — | — | — | 297695 | 108 |
| उत्तर प्रदेश | — | — | — | — | — | — | 55 | 570391 | — | — | — | 1742196 | 27 |
| | | | जोड़ | | 249 | 5447662 | 6338 | 62436718 | 4000 | 30724 | 2645336 | 11642051 | 1442 |

**परिशिष्ट 20**

31-3-81 की स्थिति के अनुसार नियत-दिवस से 29-11-81 तक कर्मचारी राज्य बीमा बकायों की क्षेत्र वार स्थिति

| क्रम सं० | क्षेत्र | बकाया |
|---|---|---|
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 216.06 |
| 2 | असम | 24.23 |
| 3. | बिहार | 140.42 |
| 4 | दिल्ली | 204.88 |
| 5 | गुजरात | 1068.76 |
| 6. | कर्नाटक | 99.37 |
| 7. | केरल | 154 32 |
| 8 | मध्य प्रदेश- | 200 62 |
| 9 | बम्बई (गोआ सहित) | |
| 10. | नागपुर (उप क्षेत्रीय कार्यालय) | 29.05 |
| 11. | पूना (उप क्षेत्रीय कार्यालय) | 106.60 |
| 12 | उड़ीसा | 13.73 |
| 13. | पंजाब | 192.34 |
| 14. | हरियाणा | 132.19 |
| 15. | राजस्थान | 94.65 |
| 16 | तमिलनाडु | 154.34 |
| 17 | उत्तर प्रदेश | 182.45 |
| 18 | पश्चिमी बंगाल | 623.00 |
| | जोड़ | 4087.30 |

**परिशिष्ट 21**

31-3-1981 की स्थिति के अनुसार 1 लाख रुपये या इससे अधिक कर्मचारी राज्य बीमा बकायों वाले चूककर्ता कारखानों/स्थापनाओं के ब्यौरों का सूचक विवरण

| क्रम सं० | कारखाने/स्थापना का नाम | कर्मचारी राज्य बीमा बकाया (लाख रुपयों में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| आन्ध्र प्रदेश | | |
| 1 | मैसर्स राष्ट्रीय बीज निगम, विजयवाड़ा | 4.50 |
| 2. | मैसर्स तिरुपति काटन मिल्स, रेनीगुटा | 4.71 |
| 3 | मैसर्स वेंकटाचलपति मिल, तिरुपति | 3.15 |
| 4. | मैसर्स अब्दुल रहीम (करीमबीडी फैक्टरी) नारासामपेट रोड, बंगलोर | 1.47 |
| 5 | मैसर्स पशु-चिकित्सा जैविक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद | 3 46 |
| 6. | मैसर्स आन्ध्र प्रदेश खादी उद्योग बोर्ड, काचीगुडे, हैदराबाद | 2 31 |
| 7. | मैसर्स कुंगा बीडी फैक्टरी, वारंगल | 7.60 |
| 8. | मैसर्स बेन्डेज एंड गौज क्लाथ मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट हैदराबाद | 1.64 |
| 9. | मैसर्स अडोनी काटन मिल, अडोनी | 1.40 |
| 10. | मैसर्स आन्ध्र प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड, राजामुन्दरी | 1.66 |
| 11 | मैसर्स एलविन मैटल्स लिमिटेड, हैदराबाद | 1.29 |
| 12. | मैसर्स आजमजाही मिल, वारंगल | 5.34 |
| 13 | मैसर्स आन्ध्र प्रदेश पाठ्य पुस्तक प्रैस, हैदराबाद | 16.57 |
| 14. | मैसर्स करीमनगर सहकारी कताई मिल, करीमनगर | 1.84 |
| 15 | मैसर्स अंथेरगांव टैक्सटाइल कोआपरेटिव प्राडैक्शन एंड सेल्स सोसाइटी, करीमनगर | 1.71 |
| 16. | मैसर्स आन्ध्र साइन्टिफिक कं०, मछिलीपटन | 9.97 |
| 17. | मैसर्स हैनेज स्टोर्स वर्कशाप, हैदराबाद | 1.64 |
| 18. | मैसर्स आफिस नगर फिल्टर बीड़ी, उसमानसागर, हैदराबाद | 1.13 |
| 19 | मैसर्स बजरंग इंजीनियरिंग वर्कर्स लिमिटेड, गुंटूर | 1.21 |
| 20. | मैसर्स सहकारी हथकरघा अनुसंधान तथा विकास केन्द्र, वेराबल्लम, गुंटूर | 1.54 |
| 21. | मैसर्स 51-2063-74 | 2.76 |
| 22. | मैसर्स 51-0129-74 | 2.46 |
| 23. | मैसर्स आन्ध्र प्रदेश राज्य परिवहन निगम बस डिपो, सीमहाचलम्, विशाम जिला | 2.10 |
| मैसर्स | | |
| 24 | म्युनिसीपल वाटर वर्क्स, राजामुन्दरी | 1.46 |
| 25. | 52-1757-16 | 2.09 |
| 26. | एसोसिएटिड ग्लास इंडस्ट्रीज, कुकटपल्ली, हैदराबाद | 5.40 |
| 27. | विक्टोरिया वाटर वर्क्स, काकीनाड़ा | 1.24 |
| 28. | एम०सी०एस० परिवहन वर्क, दारुलशाता, हैदराबाद | 1.03 |
| 29. | आर० जी० एफ० फिल्टर (लोक स्वास्थ्य) मिलारम टैंक, हैदराबाद | 1.04 |
| 30. | आन्ध्र प्रदेश विद्युत बोर्ड, विद्युतसुधा, हैदराबाद | 2.03 |
| | असम | |
| 1. | मैसर्स असम सरकारी प्रेस, गौहाटी | 2.34 |
| | बिहार | |
| 1. | सरायकेला ग्लास वर्क्स | 2.92 |
| 2. | लोक निर्माण विभाग (सिंचाई) देहरी रोहतास | 1.55 |
| 3. | प्रदीप लैम्प वर्क, पटना सिटी, पटना | 4.70 |
| 4. | नरहीन बीड़ी मर्चेन्ट, मुंगेर | 1.56 |
| 5. | बिहार फायर ब्रिक्स, धनबाद | 3.01 |
| 6. | आर० बी०एच०एम० जूट मिल, कटिहार | 25.53 |
| 7 | कटिहार जूट मिल, कटिहार | 14.73 |
| 8. | रिलायन्स फायर ब्रिक्स, खांच, धनबाद | 13.47 |
| 9. | बराई कोक एंड धाई प्रोडक्ट वर्क्स, डाकखाना कुसंडा, धनबाद | 15.37 |
| 10. | ए०ई०डब्ल्यू० (प्रा०) लि०, डाकखाना कुमारडुबी, धनबाद | 17.04 |
| 11. | एम०आर० टी० स्पैशल मण्टेनेंस, प्रभाग, पटना | 1.15 |
| 12. | विद्युत पूर्ति उप खंड, वेहरियनसन, रोहतास | 3.01 |
| 13. | इंगल रोलिंग मिल लि०, कुमार डूबी | 1.23 |
| दिल्ली | | |
| 1. | ए० टी० मिल | 2.04 |
| 2. | दिल्ली विद्युत पूर्ति संस्थान | 149.45 |
| मैसर्स | | |
| 3. | कैक्सटन प्रैस (प्रा०), लि० | 1.63 |
| 4. | टैक्स क्राफ्ट एक्स पोर्ट्स | 1.26 |
| गुजरात | | |
| 1. | सीमा टैकसटाइल्स | 2.22 |
| 2. | भारत विजय मिल (अहमदाबाद एकक) | 2.53 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 3. | अरविन्द मिल | 4.61 |
| 4. | जहांगीर वकील मिल | 4.82 |
| 5 | अहमदाबाद विद्युत कम्पनी लिमिटेड, अहमदाबाद | 6.22 |
| 6 | बंसीधर कताई व बुनाई मिल, अहमदाबाद | 1.33 |
| 7 | राज्य परिवहन वर्कशाप, चमुडा रोड, अहमदाबाद | 2.14 |
| 8. | दी तारुन कामं० मिल, अहमदाबाद | 2.13 |
| 9. | साराभाई कैमीकल्स, बड़ौदा | 1.11 |
| 10. | महेश्वरी मिल, सहानीबाग, अहमदाबाद | 3.09 |
| 11. | जुपिटर टैक्सटाइल मिल, अहमदाबाद | 1.34 |
| 12. | नवजीवन मिल, कलौसल | 2.06 |
| 13. | बृजेश मिल, पटलाड | 2.38 |
| 14. | एडवास मिल, अहमदाबाद | 1.12 |
| 15. | निरंजन मिल, सूरत | 4.89 |
| 16. | दी न्यू कर्माशियल मिल, अहमदाबाद | 13.25 |
| 17. | शुभ लक्ष्मी मिल | 5.42 |
| 18 | कैलीको मिल, अहमदाबाद | 866.97 |
| 19 | राजनगर टैक्सटाइल | 6.58 |
| 20. | मानक चौक मिल | 8.79 |
| 21. | अहमदाबाद न्यू टैक्सटाइल | 2.92 |
| 22. | पटलाड टैक्सटाइल | 1.13 |
| 23. | पी०जी० टैक्सटाइल | 4.55 |
| 24. | विवेकानन्द मिल | 1.08 |
| 25. | आनन्द मिल | 1.54 |
| 26. | बोदी फोर्ट वर्क्स | 1.19 |
| 27. | प्रियलक्ष्मी मिल | 11.73 |
| 28. | नवजीवन मिल | 1.98 |
| | कर्नाटक | |
| | मैसर्स | |
| 1. | मैसूर मशीनरी मैन्यूफेक्चरिंग लिमिटेड | 1.44 |
| 2. | मैट्रोम लिएयल्स मैन्यूफैक्चरिंग निगम, बंगलौर | 1.99 |
| 3. | हरिहर पोली फाइबर्स, हरिहर | 1.01 |
| 4. | आन्ध्र इस्पात, निगम, बंगलौर | 1.26 |
| 5. | हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेड, बंगलौर | 5.12 |
| 6. | वाणी विलास वाटर वर्क्स, मैसूर | 4.89 |
| 7. | के० आर० मिल, मैसूर | 1.85 |
| 8. | सरकारी पाठ्य पुस्तक, प्रेस, मैसूर | 3.03 |
| 9. | बेल्लारी कताई व बुनाई मिल, बेल्लारी | 4.27 |
| 10. | सवर्ण स्टील एलाय लिमिटेड, बंगलौर | 1.29 |
| 11. | न्यू बनवास हाईड्रोलिक्स | 1.18 |
| 12. | महादेव टैक्सटाइल, हुबली | 8.08 |
| 13. | खोड़ डिस्टीलरी डिवीजन, बंगलौर | 2.60 |
| 14. | कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम, बंगलौर | 1.33 |
| 15. | सैन्ट्रल इंजीनियरिंग वर्कशाप, बंगलौर | 1.66 |
| 16. | सरकारी प्रिंटिंग प्रैस, धारवाड़ | 1.06 |
| 17. | कर्नाटक उद्योग निगम, धारवाड़ | 1.03 |
| | केरल | |
| 1. | स्टेंडर्ड टायल ऐंड क्ले वर्क्स, फरोक | 3.96 |
| 2. | स्टार टाइल वर्क्स, कालीकट | 1.59 |
| 3. | मलाबार कताई व बुनाई मिल, कालीकट | 2.62 |
| 4. | केरल सेरेमीक्स, फरोक | 1.60 |
| 5. | मलाबार सड़क परिवहन सहकारी समिति, कालीकट | 1.49 |
| 6. | पर्वती मिल, क्वीलोन | 1.33 |
| 7. | अलगप्पा टैक्सटाइल गवर्नमेंट (प्रा०) लि०, त्रिचूर | 7.71 |
| 8. | पूनुस कुंज केश्यू फैक्टरी, क्विलोकान | 2.01 |
| 9. | पालघाट सहकारी दुग्ध पूर्ति यूनियन लि० पालघाट | 1.97 |
| 10. | अञ्जीकोड बीडी वर्क्स औद्योगिक सहकारी समिति, अञ्जीकोड | 2.50 |
| 11. | पय्यानूर बीडी वर्क्स औद्योगिक सहकारी समिति, कन्नानौर | 2.20 |
| | मैसर्स | |
| 12. | शनमुगाविलास कैश्यू उद्योग, क्विलोन | 1.82 |
| 13. | इंडिया सी फूड, कोचीन | 2.13 |
| 14. | शनमुगाविलास कैश्यू उद्योग, क्विलोन | 1.25 |
| 15 | सी०सी० परिवहन, कोझीकोड़े | 1.60 |
| 16. | सामान्य औद्योगिक सहकारी समिति, क्विलोन | 1.96 |
| 17. | समसुद्दीन एंड कम्पनी, क्विलोन | 1.18 |
| 18. | रमानी कैश्यू उद्योग, कुन्डारा | 1.09 |
| 19. | लिपटन टी (इंडिया) लिमिटेड, अरणाकुलम | 1.17 |
| 20. | योगी बीड़ी वर्क्स, कोजीकोड़े | 1.44 |
| 21. | मैट्रोपोलीटन इंजीनियरिंग वर्क्स, त्रिवेन्द्रम | 1.50 |
| 22. | साउथ इंडिया सो मिल, कोजीकोड़े | 1.14 |
| 23. | त्रिवेन्द्रम रबड़ वर्क्स, त्रिवेन्द्रम | 1.16 |
| 24. | इन्डोमैराइन एजेंसी, कोचीन | 1.27 |
| 25. | जीओवमोला | 1.42 |
| 26. | सामान्य औद्योगिक निगम, कोट्टारकारी | 1.23 |
| 27. | जनायागांव प्रकाशन (प्रा०) लि०, क्विलोन | 1.52 |
| 28. | शनमुगाविलास कैश्यू उद्योग, कोट्टारकारी | 1.73 |
| | मध्य प्रदेश | |
| 1. | बुरहानपुर ताप्ती मिल, बुरहान पुर | 6.71 |
| 2. | न्यू भोपाल टैक्सटाइल मिल, भोपाल | 6.73 |
| 3 | जे०सी० मिल, ग्वालियर | 1.50 |
| 4. | हीरा मिल, उज्जैन | 7.62 |
| 5. | मालवा यूनाइटेड मिल, इन्दौर | 41.66 |
| 6. | कल्याणमल मिल, इन्दौर | 12.44 |
| 7. | स्वदेशी काटन एण्ड फ्लोर मिल, इन्दौर | 13.57 |
| 8 | होप टैक्सटाइल मिल, इन्दौर | 51.19 |
| 9. | साउथ जावेयर्ड यूनियन, ग्वालियर | 2.09 |
| 10. | सेन्ट्रल इंडिया मशीनरी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी, ग्वालियर | 1.49 |
| 11. | जे० बी० मंगाराम एण्ड कम्पनी, ग्वालियर | 3.63 |
| | मैसर्स | |
| 12 | डी०एन०सी० मिल राजनन्द गांव | 6.32 |
| 13. | एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग वर्कशाप, ग्वालियर | 1.25 |
| 14. | मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, रायपुर | 1.26 |
| 15. | विनोद स्टील इंडस्ट्रीज, इन्दौर | 1.36 |
| 16. | अलाउद्दीन एहलिया साहब बीड़ी मैन्यूफैक्चरिंग बुरहानपुर | 1.22 |
| 17. | इन्दौर टैक्सटाइल, उज्जैन | 3.35 |
| 18. | विनोद मिल, उज्जैन | 34.28 |
| 19. | विमल मिल | 8.29 |
| 20. | रायबहादुर कन्हैया लाल, इन्दौर | 14.89 |
| 21 | हुकम चन्द मिल, लिमिटेड | 1.10 |
| 22. | लोक निर्माण विभाग वर्कशाप, भोपाल | 1.25 |
| 23. | एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग वर्कशाप | 1.15 |
| | बम्बई | |
| 1 | न्यू हिन्द टैक्सटाइल मिल | 1.33 |
| 2. | श्रेडवरी मिल लिमिटेड | 77.99 |
| 3. | श्री शक्ति मिल लिमिटेड | 11.11 |
| 4 | सीताराम लिमिटेड | 41.91 |
| 5. | दिग्विजय कताई व बुनाई कंपनी लिमिटेड | 8.76 |
| 6. | इंडिया यूनाइटेड मिल | 7.29 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 7. | इंडिया यूनाइटिड मिल | 6.54 |
| 8. | इंडिया यूनाइटिड मिल | 7.33 |
| 9. | इंडिया यूनाइटिड मिल | 13.36 |
| 10. | एडवर्ड टैक्सटाइल मिल | 5.26 |
| 11. | धनराज मिल | 2.04 |
| 12. | मुम्बई टैक्सटाइल मिल | 1.39 |
| 13. | फोनैक्स मिल लिमिटेड | 17 16 |
| 14. | न्यू इंडिया रेयन मिल | 12.59 |
| 15. | मैकनभगीज लिमिटेड | 2.94 |
| 16. | वैस्टर्न इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग कं० | 10.63 |
| | मैसर्स | |
| 17. | प्रीमियर रबड़ एंड केबिल | 1.31 |
| 18 | इंडिया यूनाइटेड मिल | 1.60 |
| 19. | इंडिया यूनाइटिड मिल | 3.82 |
| 20. | बम्बई अलायज एंड कास्टिंग | 1.82 |
| 21. | एल्यिन केयर ड्रिम्स (प्रा०) लि० | 1.84 |
| 22. | कृष्णा ग्लास | 2.79 |
| 23. | एम०डी० वायर एंड रोप्स | 1.56 |
| 24. | इंडिया शोरी मिल | 1.69 |
| 25. | कृष्ण विविंग मिल | 4.94 |
| 26. | पायनियर रबड़ मिल | 2.52 |
| 27. | सेन्चुरी रेयन | 1 18 |
| 28. | के० टी० स्टील | 1.52 |
| 29. | श्री कृष्ण वूलन मिल प्रा०लि० | 4.38 |
| 30. | एलोरा सिल्क मिल | 3.42 |
| 31. | स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग | 1.50 |
| 32. | गुजरात उद्योग | 1.33 |
| 33. | रक्षा निर्माण काय | 4.07 |
| 34. | यूनीवर्सल मैकेनिकल वर्क्स | 1.57 |
| 35. | नेशनल बाइसिकल निगम | 8.66 |
| 36. | श्याम इंटरनेशनल | 1.07 |
| 37 | टेकसन्स लिमिटेड | 1.10 |
| 38. | गैबरियल इंडिया | 1.39 |
| 39. | दणमेत इंडिया | 1.09 |
| 40. | नाफा | 1.23 |
| 41. | निरलीन सिन्थेटिक | 2.79 |
| 42. | वरनिगन एक्सपोर्ट | 2.36 |
| 43 | लिटरेट विपर | 1.05 |
| 44. | युनीकाम पावर लांड्री | 1.63 |
| 45 | 10095 | 1.43 |
| 46. | 10128 | 1.75 |
| 47. | मैफको लिमिटेड | 1.74 |
| | मैसर्स | |
| 48. | सिडको | 1.89 |
| 49 | मेजगाव | 4 75 |
| 50. | सरकारी प्रिंटिंग प्रेस | 3.33 |
| 51. | सरकारी दुग्धशाला | 1.59 |
| 52. | स्टैंडर्ड फेब्रीकेटर्स | 1.36 |
| 53 | मुकन्द आयरन एंड स्टील लि० | 7 57 |
| 54. | बम्बई पैटर्न | 1.31 |
| 55. | कुर्ला कताई एवं बुनाई कंपनी | 1.52 |
| 56. | इंडिया प्लास्टिक लिमिटेड | 1.26 |
| 57 | विक्रोली मैटल फैब्रीकेटर्स | 1.14 |
| 58. | नैरटलीन विलियमस | 3.54 |
| 59. | नेशनल रेयन निगम | 16.33 |
| 60. | रेमण्ड वूलन मिल | 5.00 |
| 61. | मन्डोज इंडिया लिमिटेड | 1.45 |
| 62. | गानिन इंकरली प्रैशर | 1.42 |
| 63. | आनन्द वेसल इंडस्ट्रीज | 1.39 |
| 64. | श्री महिला गृह उद्योग (लिज्जत पापड़) | 1.50 |
| 65. | सेंटीनल वाइन्डर | 1.27 |
| | नागपुर (उप क्षेत्रीय कार्यालय) | |
| 1. | एस०आर० मिल, अकोला | 1.14 |
| 2. | उस्मानशाही मिल, नांदेड़ | 6.12 |
| 3. | शिवराज फाइन आर्ट लिथो वर्क, नागपुर | 1.40 |
| 4. | आर०बी०बी०ए० कताई व बुनाई मिल, हींगनघाट | 1.20 |
| 5. | मैडले फार्मास्यूटिकल प्रा०लि० चिकलथाना | 1.25 |
| 6. | एवरेस्ट बिस्कुट कंपनी प्रा०लि०, चिकलथाना | 3.00 |
| 7. | महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड, अकोला | 2.76 |
| 8. | महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम, नान्देड़ | 5.33 |
| | पूना (उप क्षेत्रीय कार्यालय) | |
| 1. | एग्रीकलचरल इंजीनियरिंग वर्कशाप, पूना | 2.38 |
| 2. | महाराष्ट्र वेयरहाउसिंग निगम, पूना | 8.80 |
| | मैसर्स | |
| 3. | पिम्परी चिंचवाड़ नगर पालिका परिवहन | 2.33 |
| 4. | शोलापुर कताई व बुनाई मिल, शोलापुर | 3.01 |
| 5. | शोलापुर म्युनिसिपल वर्कशाप, शोलापुर | 1.91 |
| 6. | ठाकुर स्वादेकर बीड़ी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी | 2.59 |
| 7. | सरकारी केन्द्रीय वर्कशाप, दापोडी | 41.21 |
| 8. | महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड, सतारा | 3.45 |
| 9 | न्यू प्रताप बुनाई व कताई मिल, धूले | 5.08 |
| 10. | केन्द्रीय वर्कशाप पूना | 1 39 |
| 11. | सदर्न मशीन उद्योग | 1.14 |
| 12 | सांगली म्युनिसिपल वाटर वर्क्स, सांगली | 1.06 |
| | उड़ीसा | |
| 1 | सारस्वत प्रेस, कटक | 1.08 |
| 2. | सत्यवादी प्रैस, कटक | 3.16 |
| 3. | दुर्गा ग्लास वर्क्स, वारंग | 1 73 |
| 4 | प्रजातंत्र प्रचार समिति, कटक | 1.96 |
| 5. | उड़ीसा टैक्सटाइल मिल, चौदवार | 2.42 |
| 6. | उड़ीसा सीमेंट लिमिटेड, राजगंगपुर | 2.35 |
| 7. | हीराकुड इंडस्ट्रियल वर्क्स, संबलपुर | 1.35 |
| 8 | लोकनिर्माण विभाग वर्कशाप, भुवनेश्वर | 2.99 |
| 9. | उड़ीसा राज्य सहकारी विपणन समिति, भुवनेश्वर | 2.22 |
| 10. | पाठ्य पुस्तक प्रैस, भुवनेश्वर | 4.57 |
| 11. | उड़ीसा राज्य सड़क परिवहन निगम, कटक | 2.80 |
| 12. | उड़ीसा सड़क परिवहन निगम, बरहामपुर | 1.67 |
| 13. | राज्य परिवहन सेवा राज्य गैराज, कटक | 5.46 |
| 14. | उड़ीसा राज्य सड़क परिवहन निगम केन्द्रीय वर्कशाप सांबलपुर | 1.53 |
| 15. | नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, कटक | 2 32 |
| 16 | उड़ीसा सड़क परिवहन निगम लिमिटेड, बरहामपुर | 5.55 |
| 17. | उड़ीसा राज्य सड़क परिवहन निगम, भुवनेश्वर | 1.23 |
| 18. | उड़ीसा उद्योग, वारंग | 1.23 |
| | मैसर्स | |
| 19 | लिफ्टइरीगेशन वर्कशाप, जोबरा कटक | 3 03 |
| 20. | उड़ीसा सड़क परिवहन निगम लिमिटेड वर्कशाप, भुवनेश्वर | 1.92 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| हरियाणा | | |
| | मैसर्स | |
| 1. | हैदराबाद एस्बेस्ट सीमेंट, प्रोडक्ट, बल्लभगढ़ | 2.52 |
| 2. | हरियाणा रोडवेज वर्कशाप, करनाल | 1.18 |
| 3. | प्रैसटो लाइट आफ इंडिया, फरीदाबाद | 1.26 |
| 4. | एसकार्ट लिमिटेड, फरीदाबाद | 2.37 |
| 5. | हरियाणा रोडवेज, अम्बाला | 1.10 |
| 6. | दिल्ली फरीदाबाद टैक्सटाइल प्रा० लि० | 2.31 |
| 7. | भारत कारपेट्स लिमिटेड | 1.52 |
| 8. | डालमिया दादरी सीमेंट लिमिटेड, दादरी | 3.33 |
| राजस्थान | | |
| | मैसर्स | |
| 1. | मैन इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन | 2.56 |
| 2. | जयपुर उद्योग, सवाई माधोपुर | 2.38 |
| 3. | एस० जोरेसोर एंड कं० जयपुर | 1.45 |
| 4. | मेवाड़ टैक्सटाइल, भीलवाड़ा | 2.12 |
| 5. | जयपुर ग्लास पोट्रीज वर्क्स, जयपुर | 1.42 |
| 6. | महालक्ष्मी मिल, ब्यावर | 3.24 |
| 7. | जयपुर कताई मिल, जयपुर | 3.48 |
| 8. | जयपुर मैटल एंड इलैक्ट्रीकल्स, जयपुर | 11.33 |
| 9. | लोक निर्माण विभाग, जयपुर | 1.54 |
| 10. | एडवर्ड मिल, ब्यावर | 1.16 |
| तामिलनाडु | | |
| | मैसर्स | |
| 1. | सोमा सुन्दरम् मिल | 5.93 |
| 2. | कालीश्वर मिल | 6.03 |
| 3. | पंकज मिल | 1.20 |
| 4. | पायलट पैन कंपनी | 2.05 |
| 5. | भारती मिल | 4.36 |
| 6. | स्वदेशी काटन मिल | 10.78 |
| 7. | एंग्लोफ्रैंच टैक्सटाइल | 16.26 |
| 8. | रामलिंग चोदम्बिका मिल | 2 10 |
| 9. | भवानी मिल | 3.33 |
| 10. | मीजराल इंजीनियरिंग | 2.75 |
| 11. | इंडियन रैफ्रीजरेशन | 2.28 |
| 12. | मद्रास मशीन टूल्स | 4.03 |
| 13. | कामधेनु ट्रिमन | 1.40 |
| 14. | महालक्ष्मी मिल, मदुरै | 1.60 |
| 15. | पलानिअप्पा मैच इंडस्ट्रीज | 1.02 |
| 16. | साउथ इंडिया ग्लास एंड इनेमल वर्क्स | 2.44 |
| 17. | चैम्फेब वेल्डर. | 2.07 |
| 18. | कावेरी कताई व बुनाई मिल | 1.15 |
| 19. | त्रिची श्रीरंगम् सहकारी दुग्धपूर्ति यूनियन | 1.27 |
| 20. | बलराम वर्मा | 1.56 |
| 21. | बैस्ट एंड क्राम्पटन, 230 टी० एच० रोड, मद्रास | 9.28 |
| 22. | जयलक्ष्मी मिल | 2.89 |
| 23. | सरगुणा टैक्सटाइल | 4.11 |
| 24. | तमिलनाडु विद्युत बोर्ड | 2.83 |
| 25. | एम० एल० जे० प्रैस, 87 मुदान कण्णेमनन, सायनैस्ट, मिलापोर, मद्रास | 1.25 |
| 26. | परिवहन मशीनरी प्रभाग, गुन्डी, मद्रास | 1.07 |
| 27. | पान इंडिया गारमेंट, थंबूचेटी, मद्रास | 1.13 |
| 28. | गुलवर्ष एक्सपोर्ट (प्रा०) मद्रास | 1.01 |
| 29. | करीम बीड़ी फैक्टरी, मद्रास | 1.16 |
| 30. | मदर कोर्म्स कंपनी प्रा० लि०, पांडिचेरी | 1.53 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | | |
| | मैसर्स | |
| 1. | मुइर मिल, कानपुर | 2.17 |
| 2. | न्यू विक्टोरिया मिल, कानपुर | 11.62 |
| 3. | स्वदेशी काटन मिल, कानपुर | 25.78 |
| 4. | एथर्टन वैस्ट एंड कंपनी, कानपुर | 23.87 |
| 5. | लक्ष्मी रतन काटन मिल, कानपुर | 15.36 |
| 6. | उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम, कानपुर | 1.39 |
| 7. | कानपुर जूट उद्योग, कानपुर | 3.74 |
| 8. | आर० आर० स्टील उद्योग | 1.20 |
| 9. | हाईडल डिस्ट्रीब्यूशन प्रभाग, राज्य विद्युत बोर्ड | 4.77 |
| 10. | मुरादाबाद जलपूर्ति, मुरादाबाद | 1.19 |
| 11. | वाटरवर्क्स, लखनऊ | 8.78 |
| 12. | टाइगर लाक्स लिमिटेड, अलीगढ़ | 2.10 |
| 13. | इलाहाबाद ग्लास वर्क्स, नैनी | 1.90 |
| 14. | वाटर वर्क्स, इलाहाबाद | 3.97 |
| 15 | अलीगढ़ वाटर वर्क्स, अलीगढ़ | 1.03 |
| 16 | एम० टीन प्रोजेक्ट, आगरा | 1.73 |
| 17. | अलीगढ़ विद्युत पूर्ति | 2.23 |
| 18. | त्रिवेणी इंजीनियरिंग वर्क, इलाहाबाद | 2.09 |
| 19. | एस० स्टील वर्क | 3.20 |
| 20. | उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, गाजीपुर | 1.21 |
| 21. | मेरठ एस्ट्रो बोर्ड | 2.79 |
| 22. | उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, रायबरेली | 1.41 |
| 23. | डीजल जनरेटिंग, देहरादून | 2.44 |
| 24. | एसोसियेटिड जनरल | 5.88 |
| 25. | इरीगेशन वर्कशाप डिवीजन, मवाना, मेरठ | 1.75 |
| 26. | बिजली काटन मिल | 8.35 |
| 27. | भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स | 88.68 |
| 28. | दुर्गा इंटरप्राइजिज, गाजियाबाद | 1.20 |
| पंजाब | | |
| मैसर्स | | |
| 1. | करतार बस सर्विस, जालंधर, 12/18275 | 1.04 |
| 2. | पंजाब वूलन टैक्सटाइल, अमृतसर, 12/6501 | 1.34 |
| 3. | पंजाब सड़क परिवहन निगम, पटियाला, 12/3304 | 10.81 |
| 4. | [illegible]रार टैक्सटाइल मिल, खरार | 3 30 |
| 5. | पानीपत वूलन एंड जनरल मिल, खरार | 5.07 |
| 6. | भारत कामर्स एंड इंडस्ट्रीज, राजपुरा, 12/5531 | 1.05 |
| 7. | रौलत इंडस्ट्रीज निगम, 12/1251, लुधियाना | 1.37 |
| 8. | पंजाब रोडवेज वर्कशाप, अमृतसर 12/1941 | 5.25 |
| 9. | म्युनिसीपल पावर हाउस, अमृतसर 12/1288 | 20.29 |
| 10. | पेप्सू रोडवेज परिवहन निगम, पटियाला, 12/3304 | 10.80 |
| 11. | चंडीगढ़ परिवहन वर्कशाप, 12/6233 | 1.29 |
| 12. | पंजाब रोडवेज वर्कशाप, 12/2834 | 1.58 |
| 13. | हरियाणा रोडवेज वर्कशाप, चंडीगढ़-6224 | 1.56 |
| 14. | पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड, लुधियाना 12/6869 | 1.52 |
| 15. | पंजाब रोडवेज वर्कशाप, 12/6251 | 4.15 |
| 16. | पंजाब रोडवेज, जालंधर 12/1510 | 1.42 |

कर्मचारी राज्य

व्यय — 31 मार्च, 1981 को समाप्त

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| | 1. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ | | |
| | क. चिकित्सा हितलाभ | | |
| | (1) चिकित्सा देखरेख तथा प्रसूति सुविधाओं की व्यवस्था पर होने वाले खर्च में निगम के शेयर के रूप में राज्य सरकारों को अदायगियां | 67,98,46,759 (क) | |
| 3,35,85,407 | (2) चिकित्सा देखरेख तथा प्रसूति सुविधाएं (निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया गया व्यय) | 3,80,04,311 | |
| 63,59,27,513 | जोड़—क—चिकित्सा हितलाभ . . . | | 71,78,51,070 |
| | ख. नकद हितलाभ | | |
| 47,96,75,462 | 1. बीमारी हितलाभ . . . . | 49,23,14,448 (ख) | |
| 3,25,97,884 | 2. विस्तारित बिमारी हितलाभ . . | 3,81,03,310 | |
| 6,51,570 | 3. परिवार नियोजन के लिए वर्धित बीमारी हितलाभ . | 8,60,370 | |
| 1,94,90,537 | 4. प्रसूति हितलाभ . . . . | 2,11,06,412 | |
| | 5. अपगता हितलाभ : | | |
| 6,93,67,776 | (क) अस्थायी . . . . | 8,66,57,170 | |
| 6,50,83,000 | (ख) स्थायी पूंजीकृत मूल्य) . . | 11,70,86,560 (ग) | |
| | 6. आश्रितजन हितलाभ | | |
| 1,76,48,000 | पूंजीकृत मूल्य) . . . | 4,70,94,440 (ग) | |
| 10,08,398 | 7. अन्त्येष्टि हितलाभ . . . | 10,27,266 | |
| 63,55,27,627 | जोड़—ख—नकद हितलाभ . . | | 80,41,44,976 |
| 127,14,50,140 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . | | 153,19,96,046 |

क. अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.1 देखिये ।

ख. अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.2 देखिये।

ग. अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.3 देखिए।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

वर्ष का आय-व्यय लेखा

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | आय: राशि | आय: जोड़ |
| --- | --- | --- | --- |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| | 1. अंशदान | | |
| 1,58,68,28,298 | नियोजक तथा कर्मचारियों के शेयर . | 1,78,79,01,620-(घ) | |
| 15,7[illegible],055 | केवल नियोजकों का शेयर . | 21,78,710 (ङ) | |
| 77,46,520 | केवल कर्मचारियों का शेयर . . . | 58,41,539 (ङ) | |
| 14,57,288 | अंशदानों पर ब्याज . . . . | 17,34,671 | |
| 1,59,76,04,161 | कुल अंशदान . . . . . | | 1,79 76,56,540 |
| 28,21,875 | निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ पर प्रारंभ में किए गए व्यय में राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर | 29,53,125 | 29,53,125 |
| | अन्य राजस्व शीर्ष | | |
| 4,83,70,113 | ब्याज तथा लाभांश . . . . . | 4,6[illegible],47,832 (च) | |
| 48,4[illegible],590 | क्षतिपूर्ति . . . . . . | 2,97,67,004 (छ) | |
| | किराया, दर तथा कर | | |
| 7,92,7[illegible]7 | (1) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित) . | 8 30,839 | |
| 3,85,1[illegible],8[illegible]0 | (2) अस्पताल, औषधालय तथा स्टाफ क्वार्टर . . | 4,77,84,380 | |
| 38,52,9[illegible]6 | शुल्क जुर्माना तथा समपहरण . . . . | 45,01,668 (ज) | |
| 17,00,879 | विविध . . . . . | 24,11,553 (झ) | |
| 9,71,78,229 | अन्य राजस्व शीर्षों का जोड़ . . . | | 13,15,43,276 |
| 1,69,79,04,265 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . | | 1,93,21,52,941 |

घ. अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.4 देखिये।

ङ अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1 5 देखिये।

च. अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1 6 देखिये।

छ अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.7 देखिये।

ज अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1 8 देखिये।

झ. अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.9 देखिये।

| वास्तविक (19[illegible]) | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | [illegible] | 4 |
| रुपये | | रु[illegible] | रुपये |
| 1 [illegible] 11 50 140 | [illegible] | | [illegible] |
| | [illegible] | | |
| 7 5[illegible]3 | (क) [illegible] व्यक्तियों [illegible] | [illegible]1,[illegible]2[illegible] | |
| [illegible]7[illegible]1 | (ख) [illegible] तथा अपील अधिकरण | [illegible] 7 5[illegible]4 | |
| | (ग) [illegible] | | |
| 3 [illegible] 60 | ([illegible]) [illegible] | [illegible] | |
| — | 2) [illegible] | [illegible] | |
| 9 1[illegible]1 2 | (घ) [illegible] | 433 | |
| [illegible] 32 119 | [illegible] | [illegible] | |
| 1 27 31 82 [illegible] | [illegible] | | 1[illegible] [illegible] 4 2 |
| | [illegible] | | |
| | [illegible] अधीक्षण | | |
| [illegible]9 013 | 1 निगम, [illegible] | [illegible] | |
| 1[illegible]8 232 | 2 [illegible] | [illegible] | |
| 61 7[illegible] 200 | 3 अन्य [illegible] | 7[illegible],19[illegible] | |
| 3 36 26,119 | 4 लिपिकवर्गीय स्थापना | 4 20 53,048 | |
| 54 26 092 | 5 ग्रुप घ स्टाफ | 65 5[illegible] 591 | |
| 1 21 06 975 | 6 आकस्मिक व्यय | 1,58,93,144 | |
| 5 75 99 661 | जोड़ क—अधीक्षण | 7,24,97,066 | |
| | ख—क्षेत्रीय [illegible] | | |
| 19 00 798 | 1 अधिकारी | 23,76 276 | |
| 3 33 56 0[illegible] | 2 लिपिकवर्गीय स्थापना | [illegible]03 31,355 | |
| [illegible]0 71 31[illegible] | 3 ग्रुप घ स्टाफ | 61 62,100 | |
| [illegible]9 19 877 | 4 आकस्मिक व्यय | 48 00,078 | |
| 4 4[illegible] 78 046 | जोड़ ख—[illegible] | | 5 36,69 [illegible] |
| 1 37,[illegible]0 59 966 | [illegible] | | 1 6[illegible] 02 61 327 |

अ. अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियां [illegible] 10 देखिये

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,69,79,04,265 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |
| 1,69,79,04,265 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,37,50,59,966 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 1,65,02,61,327 |
| | ग अन्य खर्चे | | |
| 4,85,068 | 1 कानूनी खर्चे | 4,75,220 | |
| 53,445 | 2 बीमा न्यायालय | 77,728 | |
| 1,37,783 | 3 प्रचार तथा विज्ञापन खर्चे | 1 19,514 | |
| 99,226 | 4. बैंक लेखे रखने के लिए खर्चे | 32,212(ट) | |
| 2,16,298 | 5 लेखा परीक्षा फीस | 2,42,000 | |
| 1,07,964 | 6 छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान | 74,064 | |
| 3,70,872 | 7. कार्यालय भवन/स्टाफ कार का मूल्यह्रास | 4,07,942 | |
| 9,93,727 | 8 कार्यालय भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण | 16,31,768 | |
| | 9 सेवा निवृत्ति लाभ | | |
| 53,42,509 | (क) निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि | 66,58,690 (ठ) | |
| 39,401 | (ख) क० रा०बी० निगम भविष्य निधि में निगम का अंशदान | 34,460 | |
| 37,01,309 | (ग) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में दिया गया ब्याज | 46,11,760 | |
| 1,57,579 | (घ) प्रोत्साहन बोनस | 1,97,993 | |
| 35,000 | 10 अनुकंपा आरक्षित निधि | 35,000 | |
| 90,000 | 11 भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि | 90,000 | |
| 9,000 | 12 हानियां | 1,000 | |
| 39,532 | 13 विविध | 10,539 (ड) | |
| .. | 14. अनुग्रही अदायगी | 2,45,448 | |
| 1,18,78,713 | जोड़—ग अन्य खर्चे | | 1,49,45,338 |
| 11,37,56,420 | जोड़ शीर्ष-2—प्रशासन व्यय | | 14,10,41,213 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1,38,69,38,679 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 1,66,52,06,665 |

ट. अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1 11 देखिये।

ठ. अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1 12 देखिये।

ड अनुबंध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.13 देखिये।

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,69,79,04,265 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |
| 1,69,79,04,265 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,38,69,38,679 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . . | | 1,66,52,06,665 |
| | 3. अस्पताल और औषधालय | | |
| 47,88,913 | 1. अस्पताल भवनों के मूल्यह्रास के लिए धन व्यवस्था जो निधि में अन्तरित की गई। | 46,41,490 | |
| 1,38,87,848 | 2. अस्पताल/औषधालयों की मरम्मत तथा अनुरक्षण के लिए धन व्यवस्था जो निधि में अंतरित की गई | 1,85,65,960 | |
| 1,86,76,761 | जोड़ शीर्ष 3—अस्पताल तथा औषधालय . . . | | 2,32,07,450 |
| | 4. पूंजीगत निर्माण/आपात आरक्षित निधि | | |
| 15,97,60,416 | 1. पूंजीगत निर्माण . . . . . | 17,92,83,129(क) | |
| 2,65,03,682 | 2. आपात आरक्षित निधि . . . . . | 1,28,91,140(ख) | |
| 18,62,64,098 | जोड़ शीर्ष 4—पूंजीगत निर्माण/आपात आरक्षित निधि . | | 19,21,74,269 |
| 1,59,18,79,538 | राजस्व लेखे में कुल व्यय . . . . . | | 1,88,05,88,384 |
| 10,60,24,727 | व्यय से अधिक आय को पुलन पत्र में ले जाना . . . | | 5,15,64,557 |
| 1,69,79,04,265 | कुल जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |

नई दिल्ली

दिनांक 30 मई, 1981

क अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.14 देखिए।

ख अनुबन्ध 1 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 1.15 देखिए।

| पिछला वर्ष (1979-80) | लेखा शीर्ष | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,69,79,04,265 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 1,93,21,52,941 |
| 1,69,79,04,265 | कुल जोड़ . . . . . | | 1,93,21,52,941 |

आई० सी० सरीन
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

31 मार्च, 1981 की स्थिति का तुलना पत्र

| पिछला वर्ष (1979-80) | देयताएं | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| | व्यय से अधिक आय का अतिशेष | | |
| 1,56,96,49,187 | पिछले तुलन-पत्र के अनुसार . . . | 1,67,56,73,914 | |
| 10,60,24,727 | वर्ष के दौरान संचयन . . . . | 5,15,64,557 | |
| 1,67,56,73,914 | | | 1,72,72,38,471 |
| | आरक्षित निधियां | | |
| | 1. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि | | |
| 74,89,66,131 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 92,25,45,790 | |
| 15,97,60,416 | जोड़ें—वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . | 17,92,83,129 | |
| 1,38,19,243 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . . . | 1,21,93,541 | |
| 92,25,45,790 | | | 1,11,40,22,460(क) |
| | 2. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि | | |
| 18,62,85,906 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 20,05,65,536 | |
| 6,50,83,000 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . | 11,70,86,560 | |
| 70,66,776 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . . | 51,74,501 | |
| 25,84,35,682 | इस शीर्ष से आगे ले जाया गया जोड़ . . . | 32,28,26,597 | |
| 25,84,35,682 | इस शीर्ष का पीछे से लाया गया जोड़ . . . | 32,28,26,597 | |
| (—) 5,78,70,146 | घटाएं—वर्ष में की गई, अदायगियां . . . . | (—) 7,28,95,970 | |
| 20,05,65,536 | | | 24,99,30,627 |
| | 3. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि | | |
| 10,51,06,740 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 11,48,82,890 | |
| 1,76,48,000 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . | 4,70,94,440 | |
| 39,87,292 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . | 29,63,944 | |
| (—) 1,18,59,142 | घटाएं —वर्ष में की गई अदायगियां . | (—) 1,40,82,431 | |
| 11,48,82,890 | | | 15,08,58,843 |
| | 4 कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि | ख—ख | |
| 4,88,54,926 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 5,21,25,066 | |
| | जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि | | |
| 1,38,09,901 | (1) कर्मचारियों का अंशदान . . . | 1,74,10,941 | |
| 39,401 | (2) निगम का अंशदान . . . . | (—) 1,40,837 | |
| 37,01,309 | (3) कर्मचारी तथा निगम के शेयरों पर ब्याज . . | 46,11,760 | |
| 1,57,579 | (4) प्रोत्साहन बोनस . . . . | 1,97,993 | |
| — | (5) मंहगाई भत्ता जमा . . . . | 42,688 | |
| 6,65,63,116 | इस शीर्ष का आगे ले जाया गया जोड़ . . . | 7,42,47,611 | |
| 2,91,36,68,130 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . | | 3,24,20,50,401 |

क. विवरण क में आय तथा अदायगी लेखा देखिये ।

ख—ख—विवरण ङ देखिए ।

| पिछला वर्ष (1979-80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| | भूमि तथा भवन (निगम के पूर्ण स्वामित्व में) | | |
| | (क) निगम कार्यालयों के लिए भवन | | |
| 3,09,71,171 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 3,74,60,522 | |
| 64,89,351 | वर्ष के दौरान वृद्धि . . . . | 58,00,343 | |
| 3,74,60,522 | जोड़ (क) . . . . | 4,32,60,865 | |
| | (ख) अस्पताल तथा औषधालय | | |
| 43,05,68,012 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 51,04,34,244 | |
| 7,98,66,232 | वर्ष के दौरान वृद्धि . . . . | 11,62,71,495 | |
| 51,04,34,244 | जोड़ (ख) . . . . | 62,67,05,739 | |
| 54,78,94,766 | | | 66,99,66,604(ख) |
| | भूमि तथा भवन (निगम तथा राज्य सरकारों के संयुक्त स्वामित्व में) निगम का शेयर | | |
| | अस्पताल तथा औषधालय | | |
| 9,26,807 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 11,85,085 | |
| 2,58,278 | वर्ष के दौरान वृद्धि . . . . | — | |
| 11,85,085 | | | 11,85,085 |
| | पूंजीगत व्यय के लिए दी गई राशि | | |
| | (क) सामान्य रोकड़ शेष में से दी राशि | | |
| 4,03,95,046 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 3,62,43,678 | |
| — | जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां . . . . | — | |
| (—) 41,51,368 | घटाएं—समायोजन तथा वसूलियां . . . . | (—) 1,72,85,841 | |
| 3,62,43,678 | जोड़ (क) | 1,89,57,837 | |
| | (ख) पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में से दी गई राशि | | |
| 15,87,69,716 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 14,14,36,660 | |
| 6,63,80,460 | जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां . . . . | 10,40,62,365 | |
| (—) 8,37,13,516 | घटाएं—समायोजन तथा वसूलियां . . . . | (—) 10,79,93,086 | |
| 14,14,36,660 | जोड़ (ख) . . . . | 13,75,05,939 | |
| 17,76,80,338 | | | 15,64,63,776 |
| | स्टाफ कारें | | |
| 5,65,196 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 5,65,196 | |
| — | वर्ष के दौरान संचयन . . | — | |
| 5,65,196 | | | 5,65,196 |
| 72,73,28,385 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 82,81,80,661 |

ख. अनुबन्ध 2 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.1 देखिये ।

| पिछला वर्ष (1979-80) | देयताएं | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| रुपए | | रुपए | रुपए |
| 2,91,36,68,130 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 3,24,20,50,401 |
| 6,65,63,116 | उप शीर्ष का पीछे से लाया गया जोड़ | 7,42,47,611 | |
| (—) 1,06,61,268 | घटाएं—वर्ष में की गई अवायगियां | (—) 1,21,46,947 | |
| | घटाएं—निम्नलिखित मे अंतरित राशि | | |
| (—) 37,41,674 | 1 पेंशन आरक्षित निधि | (—) 1,74,471 | |
| (—) 35,108 | 2 अदावी जमा राशि | (—) 33,762 | |
| 5,21,25,066 | | | 6,18,92,431 |
| | 5. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि | | |
| 1,08,482 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 1,65,923 | |
| 90,000 | वर्ष मे की गई धन व्यवस्था | 90,000 | |
| 4,055 | निवेशो से प्राप्त ब्याज तथा आय | 4,270 | |
| (—) 36,614 | घटाएं—वर्ष में की गई अवायगियां | (—) 66,716 | |
| 1,65,923 | | | 1,93,477 |
| | 6 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ग्रुप बीमा निधि | | |
| 75,880 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 4,38,687 | |
| 4,93,928 | वर्ष के दौरान प्राप्त अंशदान | 5,66,902 | |
| 2,857 | निवेशों से प्राप्त ब्याज तथा लाभ | 11,329 | |
| 65,000 | जीवन बीमा निगम से प्राप्त राशि | 65,000 | |
| (—) 1,88,858 | घटाएं—जीवन बीमा निगम को दिया गया प्रीमियम | (—) 1,47,356 | |
| (—) 10,000 | लाभाधिकारियों को दी गई बीमित राशि | (—) 1,64,614 | |
| (—) 120 | सेवा निवृत्ति पर दिया गया बंदोबस्ती लाभ | (—) 2,556 | |
| 4,38,687 | | | 7,66,392 |
| | 7. निगम कार्यालय भवनो (स्टाफ क्वार्टरो सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 35,64,911 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 40,42,890 | |
| 3,42,670 | वर्ष मे की गई धन व्यवस्था | 4,07,942 | |
| 1,35,309 | निवेशो से प्राप्त ब्याज तथा लाभ | 1,04,332 | |
| 40,42,890 | | | 45,55,164 |
| | 8 अस्पताल भवनो की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 3,98,78,158 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 4,61,79,807 | |
| 47,88,913 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था | 46,41,490 | |
| 15,12,736 | निवेशो से प्राप्त ब्याज | 11,91,428 | |
| 4,61,79,807 | | | 5,20,12,725 |
| | 9. स्टाफ कारो की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 6,12,202 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 6,21,714 | |
| 28,202 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था | — | |
| 23,136 | निवेशों से प्राप्त ब्याज | 16,013 | |
| (—) 41,826 | घटाएं—वर्ष में की गई अवायगियां | | |
| 6,21,714 | | | 6,37,727 |
| 3,01,72,42,217 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 3,36,21,08,317 |

| पिछला वर्ष (1979 80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपए | | रुपए | रुपए |
| 72,73,25,385 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 82,81,80 661 |
| | निगम के कार्यालय अध्यक्षों को स्थायी पेशगी | | |
| 86,911 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 91,031 | |
| 5,120 | जोड़े—वर्ष मे की गई अदायगियां | 10,305 | |
| (—) 1,000 | घटाए—वर्ष मे की गई वसूलियां | (—) 2 | |
| 91,031 | | | 1,01,334 |
| | निगम के कर्मचारियों को स्थानान्तरण पर वेतन की अग्रिम अदायगी | | |
| 28,547 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 74,013 | |
| 1,51,396 | जोड़ें—वर्ष मे की गई अदायगियां | 1,31,250 | |
| (—) 1,05,930 | घटाए—वर्ष मे की गई वसूलियां | (—) 1,44,440 | |
| 74,013 | | | 60 823 |
| | निगम के कर्मचारियों को स्थानान्तरण पर यात्रा भत्ते की अग्रिम अदायगी | | |
| 95,064 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 1,11,854 | |
| 1,54,562 | जोड़े—वर्ष मे की गई अदायगियां | 1,82,556 | |
| (—) 1,37,772 | घटाए—वर्ष मे की गई वसूलियां | (—) 1,64,788 | |
| 1,11,854 | | | 1,29,622 |
| 72,76,02,783 | निगम के कर्मचारियों को वाहन खरीदने के लिए पेशगी | | 82,84,72,440 |
| 13,54,727 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 15,66,591 | |
| 9,78,021 | जोड़े—वर्ष मे की गई अदायगियां | 11,00,981 | |
| (—) 7,66,157 | घटाए—वर्ष में की गई वसूलियां | (—) 8,54,256 | |
| 15,66 591 | | | 18,13,316 |
| | निगम के कर्मचारियों को विविध पेशगियां (त्यौहार पेशगियां, बाढ़ पेशगियां तथा पक्का पेशगियां) | | |
| 28,98,739 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 21,98,872 | |
| 18,73,966 | जोड़े—वर्ष मे की गई अदायगियां | 19,46,619 | |
| (—) 25,73,823 | घटाएं—वर्ष मे की गई वसूलियां | (—) 23,62,668 | |
| 21,98,872 | | | 17,82,823 |
| | गृह निर्माण पेशगी | | |
| 99,57,060 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 1,09,50,908 | |
| 26,39,100 | जोड़े—वर्ष मे की गई अदायगियां | 33,41,634 | |
| (—) 16,45,252 | घटाए—वर्ष मे की गई वसूलियां | (—) 16,26,460 | |
| 1,09,50,908 | | | 1,26,66,082 |
| | राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अदायगियां | | |
| 1,327 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 2,239 | |
| 1,860 | जोड़ें—वर्ष मे की गई अदायगियां | 1,457 | |
| (—) 948 | घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां | (—) 1,833 | |
| 2,239 | | | 1,863 |
| 74,23,20,893 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 84,47,36,524 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | देनदारियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 3,01,72,42,217 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . | | 336,21,08,317 |
| | 10. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि | | |
| 56,12,696 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 59,79,681 | |
| 9,93,727 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . . . | 16,31,768 | |
| 1,06,735 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . . . | 67,133 | |
| (—) 7,33,477 | घटाएं—व्यय के प्रमाणित विवरणों की प्राप्ति पर समायोजित राशि | (—) 10,97,198 | |
| 59,79,681 | | | 65,81,434ग |
| | 11. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि | | |
| 8,19,81,321 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 9,18,63,917 | |
| 1,38,87,848 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . . | 1,85,65,960 | |
| 20,47,060 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . . . . | 14,52,615 | |
| (—) 60,52,312 | घटाएं—व्यय के प्रमाणित विवरणों की प्राप्ति पर समायोजित राशि | (—) 1,05,24,590 | |
| 9,18,63,917 | | | 10,13,57,902घ |
| | 12. निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि | | |
| 8,29,87,739 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 9,39,19,784 | |
| 60,22,295 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . . | 79,65,223 | |
| 31,48,153 | निवेशों से प्राप्त ब्याज . . . . . | 24,23,136 | |
| (—) 19,80,077 | घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां . . . | (—) 32,96,010 | |
| 37,41,674 | जोड़ें—कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि से अंतरित राशि | — | |
| 9,39,19,784 | | | 10,10,12,133 |
| 34,94,27,240 | 13. आपात आरक्षित निधि पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 38,91,86,254 | |
| 2,65,03,682 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था . . . . | 1,28,91,140 | |
| 1,32,55,332 | निवेशों पर वसूल किया गया ब्याज . . . | | |
| — | वसूली पर लाभ . . . . . . | (—) 7,480 | |
| 38,91,86,254 | | | 40,20,69,914 |
| 3,59,81,91,853 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . . | | 3,97,31,29,700 |

ग. विवरण ख में आय तथा अदायगी लेखा देखिये ।

घ. विवरण ग में आय तथा अदायगी लेखा देखिए ।

| पिछला वर्ष (1979-80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 74,23,20,893 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 84,47,36,524 |
| | निगम के अस्पतालों/औषधालयों/ कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत तथा अनुरक्षण की बाबत राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को दी गई राशि | | |
| | (क) निगम के कार्यालय | | |
| 28,00,546 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 33,76,345 | |
| 11,17,049 | जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां . . . | 10,53,797 | |
| (—) 5,41,250 | घटाएं नकद वापसियां | (—) 13,49,467 | |
| 33,76,345 | | | 30,80,675 |
| | (ख) अस्पताल/औषधालय/अनौक्सिया | | |
| 2,80,17,996 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . | 3,55,64,187 | |
| 1,11,27,409 | जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां . . . | 83,79,234 | |
| (—) 35,85,218 | घटाएं—नकद वापसियां . . . . . | (—) 81,57,585 | |
| 3,55,60,187 | | | 3,57,81,836 |
| | विविध पेशगियां ङ | | |
| 15,49,008 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . | 22,05,390 | |
| 30,43,537 | जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां . . . . | 33,89,984 | |
| (—) 23,87,155 | घटाएं—वर्ष में प्राप्तियां . . . . | (—) 31,82,720 | |
| 22,05,390 | | | 24,12,654 |
| | राज्य सरकारों को कर्ज च | | |
| 2,48,05,967 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 2,22,88,834 | |
| — | जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां | — | |
| (—) 25,17,133 | घटाएं—राज्य सरकारों द्वारा लौटाई गई राशि . | (—) 28,22,167 | |
| 2,22,88,834 | | | 1,94,66,667 |
| | प्रेषण छ | | |
| | नकद प्रेषण | | |
| (—) 22,45,890 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार . . . | (—) 5,08,87,464 | |
| 3,40,35,52,264 | जोड़ें—वर्ष में डेबिट . . . . . | 388,72,99,847 | |
| (—) 3,45,21,93,838 | घटाएं—वर्ष में क्रेडिट . . . . . | (—) 393,87,62 327 | |
| 5,08,87,464 | | | (—) 23,49 944 |
| | अन्य प्रेषण ज | | |
| | विनिमय लेखा | | |
| (—) 60,401 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार . . . . | 1,22,18,655 | |
| 14,96,99,900 | जोड़ें—वर्ष में डेबिट . . . . . | 10,25,24,460 | |
| (—) 13,74,20,844 | घटाएं—वर्ष में क्रेडिट . . . . . | (—) 11,31,37,336 | |
| 1,22,18,655 | | | 16,05,779 |
| 76,70,82,840 | आगे ले जाया गया जोड़ . . . . | | 90 47,34 191 |

ङ अनुबन्ध 2 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.2 देखिये।

च. अनुबन्ध 2 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.3 देखिए।

छ. अनुबन्ध 2 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.4 देखिए।

ज. अनुबन्ध 2 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.5 देखिए।

| पिछला वर्ष (1979-80) | देयताएं | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 3,59,81,91,853 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 3,97,31,29,700 |
| | 11 निगम के कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि | | |
| 27,769 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 26,302 | |
| 35,000 | वर्ष में की गई धन व्यवस्था | 35,000 | |
| 1,013 | निवेशों से प्राप्त ब्याज | 640 | |
| (—) 37,479 | घटाए—वर्ष में की गई अदायगियां | (—) 36,969 | |
| 26,302 | | | 24,973 |
| | जमा राशि | | |
| | प्रतिभूतियों की जमा राशि | | |
| 5,94,014 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 8,97,797 | |
| 6,90,720 | जोड़ें— वर्ष में जमा राशि | 6,47,581 | |
| (—) 3,86,937 | घटाएं— वर्ष में लौटाई गई जमा राशि | (—) 5,82,019 | |
| 8,97,797 | | | 9,63,359 |
| | अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती | | |
| 57,378 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 80,774 | |
| (—) 15,98,313 | जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि | 14,27,950 | |
| (—) 15,74,917 | घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां | (—) 14,52,766 | |
| 80,774 | | | 55,958 |
| | कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में अदायी जमा राशि | | |
| 25,253 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 51,115 | |
| 35,108 | जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि | 33,762 | |
| (—) 9,246 | घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां | (—) 10,279 | |
| 51,115 | | | 74,598 |
| | परिवार नियोजन परियोजना के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन से प्राप्त जमा राशि | | |
| | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | — | |
| 4,25,000 | जोड़ें—वर्ष में जमा राशि | — | |
| (—) 4,25,000 | घटाएं—परिवार नियोजन परियोजना को की गई अदायगियां | — | |
| | विविध जमा राशि | | |
| 5,85,608 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 17,97,342 | |
| 30,92,265 | जोड़ें—वर्ष में प्राप्त जमा राशि | 21,79,184 | |
| (—) 18,80,531 | घटाएं—वर्ष में लौटाई /समायोजित की गई जमा राशि | (—) 18,59,759 | |
| 17,97,342 | | | 21,16,767 |
| 3,60,10,45,183 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 3,97,63,65,355 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 76,70,82,840 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 90,47,34,191 |
| | लागत पर निवेश | | |
| | 1. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि | | |
| 36,42,88,655 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 47,26,24,460 | |
| 10,83,35,805 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 9,15,54,808 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 47,26,24,460 | | | 56,41,79,268 |
| | 2. स्थायी (आंशिक या पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि | | |
| 18,62,85,906 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 20,05,65,536 | |
| 1,42,79,630 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 4,93,65,091 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 20,05,65,536 | | | 21,99,30,627 |
| | 3. आश्रितजन हित लाभ आरक्षित निधि | | |
| 10,51,06,740 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 11,48,82,890 | |
| 97,76,150 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 3,59,75,953 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 11,48,82,890 | | | 15,08,58,843 |
| | 4. कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि | | |
| 4,88,54,926 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 5,21,25,066 | |
| 32,70,140 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 97,67,365 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 5,21,25,066 | | | 6,18,92,431 |
| | 5. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा आरक्षित निधि | | |
| 1,08,482 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 1,65,923 | |
| 57,441 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 27,554 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 1,65,923 | | | 7,66,392 |
| | 6. ग्रुप बीमा निधि | | |
| 75,880 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 4,38,687 | |
| 3,62,807 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 3,27,705 | |
| — | घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 4,38,687 | | | 7,66,392 |
| 1,60,78,85,402 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 1,93,25,33,229 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | देयताएं | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 3 60,10,45,183 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . . | | 3 97 63 65 355 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 1,60,78,85,402 | पीछे से लाया गया जोड़ | | 1,93,25,55,229 |
| | 7. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 35,64,911 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 40,42,890 | |
| 4,77,979 | जोड़ें--वर्ष में किए गए निवेश | 5,12,274 | |
| — | घटाएं--निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 40,42,890 | | | 45,55,164 |
| | 8. अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 3,98,78,158 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार | 4,61,79,807 | |
| 63,01,649 | जोड़ें—वर्ष में किये गये निवेश | 58,12,918 | |
| — | घटाएं--निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 4,61,79,807 | | | 5,20,12,725 |
| | 9. स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि | | |
| 6,12,202 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 6,21,714 | |
| 9,512 | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 16,013 | |
| — | घटायें--निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 6,21,714 | | | 6,37,727 |
| | 10. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि | | |
| 28,12,150 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 26,03,336 | |
| — | जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश | 8,97,422 | |
| (—) 2,08,814 | घटाएं--निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 26,03,336 | | | 35,00 758 |
| | 11. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि | | |
| 5,39,63,325 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 5,63,03,730 | |
| 23,40,405 | जोड़ें वर्ष में किए गए निवेश | 92,72,336 | |
| | घटाएं--निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 5,63,03,730 | | | 6,55,76,066 |
| | 12. निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि | | |
| 8,29 87,739 | पिछले तुलनपत्र के अनुसार | 9,39,19,784 | |
| 1,09,31,045 | जोड़ें--वर्ष में किए गए निवेश | 70,9 2,349 | |
| — | घटाए—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 9,39,19,784 | | | 10,10,12,133 |
| | 13 आपात आरक्षिता निधि | | |
| 34 94,27,240 | पिछले तुलन-पत्र के अनुसार | 38,91,86,254 | |
| 3,97,59 014 | जोड़ें--वर्ष में किए गए निवेश | 1 28 93,660 | |
| — | घटाए --निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | — | |
| 38,91,86,254 | | | 40,20,69,914 |
| 22,02,07,42,917 | आगे ले जाया गया जोड़ | | 2,56,19,19,716 |

| पिछला वर्ष (1979-80) | देयताएं | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 3,60,10 45 183 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . | | 3,97,60,65,355 |
| 3,60,10,45,183 | **कुल जोड़** . . . . . . | | **3,97,63,65,355** |

| पिछला वर्ष (1979-80) | परिसम्पत्तियां | राशि | जोड़ |
|---|---|---|---|
| रुपये | | रुपये | रुपये |
| 2,70,07,47,917 | पीछे से लाया गया जोड़ . . . . | | 2,56,19,19,716 |
| | 14. अनुकंपा आरक्षित निधि . . . . | | |
| 27,768 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार . . . . | (—) 26,302 | |
| (—) 1,466 | जोड़ें— वर्ष में किए गए निवेश . . . | 1,329 | |
| — | घटाएं— निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली . | — | |
| 26,302 | | | 24,973 |
| | सामान्य रोकड़ शेष | | |
| 1,19,17,73,449 | पिछले तुलन पत्र के अनुसार निवेश . | 1,32,48,09,752 | |
| 76,95,16,003 | जोड़ें— वर्ष में किए गए निवेश . . . | 23,92,91,938 | |
| (—) 63,64,79,700 | घटाएं— निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली | (—) 2,34,38,473 | |
| 1,32,48,09,752 | | | 1,32,06,63,217 |
| 48,82,242 | हाथ रोकड़ . . . . . | 53,68,804 | |
| 7,05,83,970 | बैंकरों के पास रोकड़ . . . . . | 883,88,645 | |
| 7,54,66,212 | | | 9,37,57,449 |
| 1,40,02,75,964 | कुल रोकड़ शेष . . . . . | | 1,41,44,20,666 |
| 3,60,10,45,183 | कुल जोड़ . . . . . | | 3,97,63,65,355 |

आई०सी० सरीन,
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

ग. अनुबन्ध 3 में व्याख्यात्मक टिप्पणियों का पैरा 2.6 देखिए।

विवरण क

## पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि लेखा

| प्राप्तियां | | अदायगियां | |
|---|---|---|---|
| 31-3-80 की स्थिति के अनुसार शेष | 95,25,45,790 | 31-3-81 की स्थिति के अनुसार पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि से उत्पन्न परिसम्पत्तियां | 41,23,37,253 |
| जोड़े—वर्ष के दौरान अंशदानों से आय का 10 प्रतिशत | 17,95,92,187 | | |
| घटाएं—अंशदानों पर ब्याज पर पिछले वर्षों में अदा किए गए 10 प्रतिशत अधिक अंशदान | (—) 3,09,058 | निर्माण एजेन्सियों को दी गई पेशगियां | 13,75,05,939 |
| | 17,92,83,129 | 31-3-81 की स्थिति के अनुसार निधि में उपलब्ध राशि | 56,41,79,268 |
| निवेशों पर ब्याज | 1,21,93,541 | | |
| जोड़ | 1,11,40,22,460 | | 1,11,40,22,460 |

| | |
|---|---|
| 31-3-81 की स्थिति के अनुसार निवेश योग्य शेष | 56,41,79,268 |
| 31-3-1980 की स्थिति के अनुसार निवेश | 47,26,24,460 |
| 1980-81 वर्ष के दौरान आगे किये जाने वाले निवेश | 9,15,54,808 |

विवरण ख

## कार्यालय भवनों/अनैक्सियों आदि की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि का प्राप्ति तथा अदायगी लेखा

| | रुपए | | रुपए |
|---|---|---|---|
| आदि शेष | 59,79,681 | कार्यालय/भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण की बाबत राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभागों को दी गई राशि | 55,27,340(क) |
| वर्ष में की गई धन व्यवस्था | 16,31,768 | | |
| निवेशों पर ब्याज | 67,183 | | |
| राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभागों द्वारा उपयोग न की गई पेशगियों की नकद वापसी | 13,49,466 | निधि में उपलब्ध राशि | 35,00,758 |
| जोड़ | 90,28,098 | | 90,28,098 |

| | | |
|---|---|---|
| (क) राज्य सरकारों को दी गई पेशगियां | 55,27,340 | |
| घटायें—प्रयोग न की गई पेशगियों की नकद वापसी | 13,49,466 | |
| घटायें—प्रमाणित व्यय विवरण की प्राप्ति पर समायोजित राशि | 10,97,198 | |
| | | 24,46,664 |
| तुलनपत्र के अनुसार शेष | 30,80,676 | |

(पृष्ठ 19)

विवरण ग

## अस्पतालों भवनों/औषधालयों/अनैक्सियों आदि की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि का प्राप्ति तथा अदायगी लेखा

| | रुपये | | रुपये |
|---|---|---|---|
| आदि शेष | 9,18,63,917 | अस्पतालों/औषधालयों/अनैक्सियों की मरम्मत तथा अनुरक्षण की बाबत राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभागों को दी गई राशि | 5,44,64,011(क) |
| वर्ष में की गई धन व्यवस्था | 1,85,65,960 | | |
| निवेशों पर ब्याज | 14,52,615 | | |
| राज्य सरकारों/राज्य लोक निर्माण विभागों द्वारा उपयोग न की गई पेशगियों की नकद वापसी | 81,57,585 | निधि में उपलब्ध राशि | 6,55,76,066 |
| जोड़ | 12,00,40,077 | | 12,00,40,077 |

| | |
|---|---|
| "क" राज्य सरकारों को दी गई पेशगियां | 5,44,64,011 |
| घटायें—प्रयोग न की गई पेशगियों की नकद वापसी | 81,57,585 |
| घटायें—प्रमाणित व्यय विवरण की प्राप्ति पर समायोजित राशि | 1,05,49,590 |
| | 1,86,82,175 |
| तुलन पत्र के अनुसार शेष (पृष्ठ 19) | 3,57,81,836 |

विवरण छ

कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि तथा अंशदायी भविष्य निधि का 31 मार्च, 1981 की स्थिति अनुसार ब्यौरों का सूचक विवरण

| | सामान्य भविष्य निधि रुपए | अंशदायी भविष्य निधि रुपए | जोड़ रुपए |
|---|---|---|---|
| (1) आदि शेष . . . . . . | 4,49,08,960.70 | 72,18,635.29 | 5,21,27,595.99 |
| (2) कर्मचारियों का अंशदान . . . . . | 1,71,39,990.06 | 1,40,749.00 | 1,72,80,739.06 |
| (3) निगम का अंशदान . . . . . | . | 34,460.00 | 34,460.00 |
| (4) कर्मचारी तथा निगम के शेयर पर ब्याज . . . | 45,04,440.51 | 1,07,319.00 | 46,11,759.51 |
| (5) प्रोत्साहन बोनस . . . . . . | 1,94,411.00 | 3,582.00 | 1,97,993.00 |
| (6) जोड़ . . . . . . | 6,67,47,802.27 | 75,04,745.29 | 7,42,52,547.56 |
| (क) घटायें—वर्ष में की गई अदायगियां . . . . | 1,20,35,258.00 | 1,14,982.00 | 1,21,50,240.00 |
| (ख) घटायें—निम्नलिखित में अंतरित राशि : | | | |
| (i) पेंशन आरक्षित निधि . . . . | 4,668.00 | 1,69,807.00 | 1,74,471.00 |
| (ii) अदावी जमा . . . . . | 28,154.15 | 5,490.00 | 33,644.15 |
| (iii) 7 विविध प्राप्तियां . . . . . | 1,562.00 | .. | 5,562.00 |
| अंत शेष . . . . . . | 5,46,78,164.12 | 72,14,466.29 | 6,18,92,630.41 |

विवरण ङ

कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि का 1980-81 वर्ष का प्राप्ति तथा अदायगी लेखा

| प्राप्तियां | | राशि रुपए | अदायगियां | | राशि रुपए |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. आदि शेष कर्मचारियों का अंशदान | | | अभिदाता को 1980-81 वर्ष के दौरान की गई अदायगी | | |
| (1) सा०भ०नि० | 4,49,08,960.70रु० | | (1) सा०भ०नि० | 1,20,35,25,250.00 | |
| (2) अं०भ०नि० . | 72,18,635.29रु० | 5 21.27,‑95.99 | (2) अं०भ०नि० . | 1,14,982.00 | 1,21,50,240 |
| 2. वर्ष के दौरान प्राप्तियां कर्मचारियों का अभिदान | | | | | |
| (1) सा०भ०नि० . | 1,71,39,990.06रु० | | अंत शेष | | |
| | 67,32,397.79रु० | | (1) सा०भ०नि० | . 6,04,10,561.91रु० | |
| (2) अं०भ०नि० . | 1,40,749.00रु० | | 2) अं०भ०नि० . | . 14,82,068.50रु० | 6,18,92,630.41 |
| (--) | 67,32,397.79रु० | 1,72,80,739.06 | | | |
| 3. ब्याज | | | | | |
| (क) निर्धा शेयर पर | | | | | |
| (1) सा०भ०नि० . | 45,04,440.51रु० | | | | |
| (2) अं०भ०नि० . | 6,956.00रु० | 45,65,396.51 | | | |
| (ख) निगम के शेयर पर सा०भ०नि० . | 46,363.00रु० | 46,363.00 | | | |
| 4. 1980-81 वर्ष का निगम के अंशदान का शेयर . | 34,460.00रु० | 34,460.00 | | | |
| 5. प्रोत्साहन बोनस | | | | | |
| (1) सा०भ०नि० . | 1,94,411.00रु० | | | | |
| (2) अं०भ०नि० . | 3,582.00रु० | 1,97,993.00 | | | |
| 6. निम्नलिखित में अन्तरित राशि | | | | | |
| (क) अदावी जमा | | | | | |
| (1) सा०भ०नि० | 28,154.15रु० | | | | |
| (2) अं०भ० नि० . | 5,490.00रु० | 33,644.15 | | | |
| (ख) पेंशन आरक्षित निधि | | | | | |
| (1) सा०भ०नि० . | 4,664.00रु० | | | | |
| (2) अं०भ०नि० . | 1,69,807.00रु० | 1,74,471.00 | | | |
| (ग) 7 विविध प्राप्तियां | 1,562.00रु० | 1,562.00 | | | |
| कुल जोड़ . . | | 7,40,42,870.41 | | | 7,40 42,870.41 |
| लेखों का अन्त शेष . | | 6,18,92,431.00 | | | |
| ब्राड शीट का अंत शेष . | | 6,18,92,631.00 | | | |
| अन्तर . . | | 200.00 | (ब्राड शीट में अधिक)* | | |

*ब्राड शीट के अनुसार अंत शेष 6,18,92,631.00 रुपये है। 200.00 रुपये के अन्तर का पता लगा लिया गया है और 1981-82 के लेखों में ठीक कर लिया जायेगा

अनुबन्ध 1

आय व्यय लेखे पर व्याख्यात्मक टिप्पणियां

1.1 पृष्ठ (ii) पर "क"

इस राशि में अस्पतालों के लिए खरीद गये प्रारंभिक उपस्कर पर व्यय में निगम का शेयर शामिल है।

1967-68 से 1971-72 तथा 1973-74 से 1979-80 तक (1972-73 वर्ष की सूचना एकत्र की जा रही है) उपस्कर की खरीद पर कुल व्यय 1,50,67,801.80 रुपये है। 1980-81 वर्ष के दौरान अस्पताल उपस्कर की खरीद के लिए 70,86,370.50 रु० की अन्य राशि मंजूर की गई थी। इसे तुलनपत्र में परिसम्पत्तियों के रूप में नहीं दिखाया गया है। इस व्यय के पूंजीकरण का मामला अभी निगम के विचाराधीन है।

1.2 पृष्ठ (ii) पर "ख"

व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से हुई है:—

(क) अतिरिक्त व्याप्ति

(ख) मजदूरी में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप हितलाभ की औसत दैनिक दर की राशि में वृद्धि।

(ग) प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हितलाभ दिन की औसत संख्या में वृद्धि का रुख।

1.3 पृष्ठ (ii) पर "ग"

इस राशि में 1-4-78 से पहले हुई अपंगता या मृत्यु के मामलों में दिनांक 1-4-80 के हितलाभों की दर में वृद्धि के कारण एक समय के समायोजन के रूप में 430.00 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि शामिल है।

1.4 पृष्ठ (iii) पर "घ"

1-7-73 से पहले नियोजकों का विशेष अंशदान तथा कर्मचारियों का अंशदान "केवल नियोजकों का शेयर तथा कर्मचारियों का शेयर" उप शीर्ष के अंतर्गत अलग-अलग दर्ज किये जाते थे। कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अध्याय 5 के निरसन के परिणामस्वरूप अंशदान अब "नियोजकों तथा कर्मचारी शेयर" उप शीर्ष के अंतर्गत इकट्ठे दिखाये जा रहे हैं। अंशदान आय में वृद्धि मुख्य रूप से अतिरिक्त व्याप्ति तथा मजदूरी में परिशोधन के परिणामस्वरूप अंशदान की औसत दर की राशि में वृद्धि के कारण हुई है।

1.5 पृष्ठ (iii) पर 'ङ'

1-7-73 से पहली अवधि के बकाया की वसूली की सूचक है।

1.6 पृष्ठ (iii) पर 'च'

"ब्याज तथा लाभांश" के अंतर्गत आय में कमी 1 अक्तूबर 1976 से भारतीय स्टेट बैंक की "पुनः निवेश योजना" के अंतर्गत किए जा रहे सावधि निवेशों के कारण है जिसके अंतर्गत देय होने वाला ब्याज किसी निवेश की परिपक्वता पर निगम के खाते में जमा किया जाता है।

इसमें पुनः निवेश योजनाओं में 1980-81 वर्ष में निवेशों पर प्राप्त ब्याज की 1,307.70 लाख रुपय की राशि शामिल नहीं है क्योंकि निगम को राशि निवेश की परिपक्वता पर देय होगी।

1.7 पृष्ठ (iii) पर "छ"

"अधिपूर्ति" के अंतर्गत आय कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 58(2) के उपबन्धों के अंतर्गत राज्य सरकारों से वसूल की गई उस राशि की सूचक है जो किसी राज्य में बीमाकृत व्यक्तियों को बीमारी अदायगियों का व्यय भार अखिल भारतीय औसत से अधिक हो जाने पर वसूली की जाती है।

1.8 पृष्ठ (iii) पर "ज"

इसमें नियोजकों से कैकिंग मशीन के इस्तेमाल के लिए प्राप्त लाइसेंस फीस तथा निगम को देय राशि की अदायगी न करने पर नियोजकों पर लगाए गए हर्जाने और अंशदान कार्ड समय पर न भेजने के कारण लगाये गए जुर्माने भी शामिल है।

1.9 पृष्ठ (iii) पर "झ"

इसमें डुप्लीकेट पहचान पत्रों की लागत, अधिक अदायगियों तथा लेखा परीक्षा में नामंजूर की गई राशि की वसूली, छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान की वसूली, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की मावत कर्मचारियों के अंशदान तथा अन्य आय शामिल है।

1.10 पृष्ठ (iv) पर "ञ"

इसमें बीमाकृत व्यक्तियों की शव परीक्षा के लिये दी गई फीस तथा रोजगार चोट आदि के मामलों में निर्णय लेने के लिए पुलिस रिपोर्ट तथा अन्य विवरण प्राप्त करने के लिए पुलिस प्राधिकारियों को देय प्रभारों सहित विविध व्यय शामिल हैं।

1.11 पृष्ठ (vi) पर "ट"

इसमें बैंक अंतरण पर तार खर्चे तथा अंशदान टिकटों की बिक्री के लिए भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगी बैंकों द्वारा कमीशन प्रभार शामिल है। व्यय में कमी आंशिक रूप से 1-9-1979 से निधि के तार अंतरण की दर को 7 रुपये से कम करके 3 रु० करने तथा अंशदानों का मकद वसूली पर कमीशन में छूट लागू करने के कारण हुई है।

1.12 पृष्ठ (vi) पर "ठ"

इसमें निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली के कर्मचारियों की पेंशन देयताएं शामिल नहीं हैं जिसे दिल्ली प्रशासन के साथ शेयर योग्य व्यय होने के कारण 1-क(ii) चिकित्सा हितलाभ के अंतर्गत शामिल किया गया है।

ऐसे अंशदायी भविष्य निधि लाभाधिकारियों के संबंध में संचित पेंशन देयता के लिए 1980-81 वर्ष के दौरान पेंशन आरक्षित निधि में धन-व्यवस्था की गई है जिन्होंने पेंशन योजना के अंतर्गत आने का विकल्प किया है।

1.13 पृष्ठ (vi) पर 'ड'

यह व्यय कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में व्यपगत जमा की वापिसी से संबंधित अदायगियों तथा विविध आय में अंतरित कर्मचारी राज्य बीमा भविष्य निधि की अदायगी का सूचक है।

1.14 पृष्ठ (vii) पर "ढ"

निगम की स्थायी समिति के दिनांक 1-2-74 के निर्णय के अनुसार नियोजकों तथा कर्मचारियों के अंशदान से प्राप्त कुल राजस्व का 10 प्रतिशत भाग अस्पताल/औषधालय/अन्य चिकित्सा संस्थान तथा कार्यालय भवन/स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के लिए पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा किया जाता है। लेकिन पिछले वर्षों में की गई धन व्यवस्था में 3,09,058 रुपये की अधिक राशि खाते में वापस अन्तरित कर दी गई है।

1.15 पृष्ठ (viii) "ण"

यह 17 मार्च 1973 को हुई निगम की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार आपात आरक्षित निधि में अंतरण की सूचक है। निगम ने निर्धारित किया है कि व्यय से अधिक आय का 20 प्रतिशत भाग (जब आधिक्य एक करोड़ रुपये से कम हो तो सम्पूर्ण राशि) आपात आरक्षित निधि में जमा किया जाना चाहिए।

अनुबन्ध 2

तुलनापत्र पर व्याख्यात्मक टिप्पणियां

2.1 पृष्ठ (xi) पर 'ख'

इसमें सामान्य रोकड़ शेष में से बनाई गई 23,94,10,096 रुपए की परिसम्पत्तियां शामिल हैं।

2.2 पृष्ठ (xix) पर 'ङ'

इसमें ये शामिल हैं :—

1. लेखन सामग्री नियंत्रक, कलकत्ता को पेशगियां।
2. लोक निर्माण विभागों को पेशगियां।
3. राज्य सरकारों के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभागों को पेशगियां।
4. निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अन्य कार्यालयों को पेशगियां।
5. नगरपालिका स्थानीय निकायों आदि को पेशगियां।
6. कानूनी प्रभारों के लिए पेशगियां।
7. निगम की विभागीय कैन्टीनों को पेशगियां।
8. अन्यत्र वर्गीकृत न की गई अन्य पेशगियां।
9. विशेष पेशगियां।

2.3 पृष्ठ (xxi) पर 'च'

यह 1977-78 से पहले महाराष्ट्र सरकार को राज्य में कर्मचारी राज्य बीमा परियोजनाओं के निर्माण तथा विस्तार के लिए दिए गए कर्जों की सूचक है।

2.4 पृष्ठ (xxi) पर "छ"

"नकद प्रेषण" शब्द का अर्थ एक लेखा मंडल से दूसरे तथा दूसरे से पहले में निधियों (नकद) के अन्तरण से है। निगम का राजस्व भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहयोगी बैंकों के माध्यम से टिकटों की बिक्री/नकद वसूली करके एकत्र किया जाता है। प्राप्त अंशदान संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लेखा संख्या 1 (संग्रह लेखा) तथा अन्त में मुख्यालय के लेखा संख्या 1 (केन्द्रीय) में अन्तरित किये जाते हैं। प्रशासनिक व्यय तथा बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभ की अदायगियों के लिए निधियां लेखा सं० 1 (मुख्यालय) से अन्तरण करके क्षेत्रीय कार्यालयों/स्थानीय कार्यालयों को भेजी जाती हैं। एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय को निधियों के अन्तरण से संबंधित इस तरह के सभी लेन देन को 'नकद प्रेषण' कहा जाता है।

"नकद प्रेषण" शीर्ष के अन्तर्गत 23,49,944 रुपये का माइनस शेष निगम के लेखों में कुछेक जमा राशियों के समायोजन का सूचक है जिसके लिए बैंक से 31-3-81 से पहले डेबिट सूचना प्राप्त न होने के कारण दूसरी ओर डेबिट नहीं दिखाया जा सका।

2.5 पृष्ठ (xxi) पर 'ज'

"अन्य प्रेषण—विनियम लेखा" शब्द का अर्थ निगम के एक कार्यालय से दूसरे के बीच तथा दूसरे से पहले के बीच पुस्तक समायोजन से है। निगम के एक कार्यालय से प्रारंभ होने वाले तथा निगम के दूसरे कार्यालय की पुस्तकों में समायोजित किये जाने वाले लेन देन विनिमय लेखा द्वारा अन्तरित किए जाते हैं।

"अन्य प्रेषण—विनियम लेखा" शीर्ष के अंतर्गत 16,05,779 रुपये की राशि का शेष निगम के लेखे में कुछेक जमा राशियों के समायोजन का सूचक है जिसके लिए 1980-81 के लेखे बन्द करने से पहले दूसरी ओर क्रेडिट (तदनुरूपी मद) नहीं दिखाया जा सका।

2.6 पृष्ठ (xxxiii) पर 'झ'

बैंकरों के पास नकद राशि में निम्नलिखित शामिल हैं:—

(1) क्षेत्रीय कार्यालय लेखा संख्या-1 में शेष जो 30 तथा 31 मार्च, 1981 को बैंकों द्वारा किये गए संग्रह की सूचक है।

(2) प्रशासनिक व्यय और दिल्ली में चिकित्सा देखरेख पर व्यय को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय/निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली के लेखा संख्या-2 में शेष।

(3) बीमाकृत व्यक्तियों को नकद हितलाभों की अदायगियां करने के लिए स्थानीय कार्यालयों के लेखा संख्या-2 में शेष।

परिशिष्ट—24

हितलाभों आदि की अदायगी की तुलना में प्रशासनिक लागत

| | 1975-76 | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79 | 1979-80 | 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. कुल प्रशासनिक लागत . | 7,77,62,505 | 8,77,45,918 | 9,55,40,440 | 9,95,03,434 | 11,37,56,420 | 14,10,42,213 |
| 2. अंशदान | | | | | | |
| 1. नियोजकों तथा कर्मचारियों का शेयर . | 73,15,86,339 | 1,23,61,94,824 | 1,31,11,81,105 | 1,45,78,73,675 | 1,58,68,28,298 | 1,78,79,01,620 |
| 2. केवल नियोजकों का शेयर | 1,78,07,427 | 93,97,151 | 25,97,022 | 17,57,264 | 15,72,055 | 21,78,710 |
| 3. केवल कर्मचारियों का शेयर . | 1,00,09,537 | 1,07,22,754 | 48,90,539 | 71,05,946 | 77,46,520 | 58,41,539 |
| 4. ब्याज . | -- | 1,78,865 | 5,97,322 | 8,57,102 | 14,57,288 | 17,34,671 |
| जोड़ . | 75,94,03,303 | 1,25,64,93,594 | 1,31,92,65,988 | 1,46,75,93,987 | 1,59,76,04,161 | 1,79,76,56,540 |
| 3. राजस्व लेखे मे कुल व्यय . | 75,58,05,845 | 1,01,91,84,702 | 1,17,71,52,092 | 1,37,04,51,588 | ,1,59,18,79,538 | 1,88,05,88,384 |
| 4. कुल हितलाभ . | 57,23,86,508 | 70,85,36,816 | 87,03,56,722 | 1,05,84,50,926 | 1,27,31,82,259] | 1,52,41,64,452 |
| निम्नलिखित के साथ प्रशासनिक लागत की प्रतिशतता :— | | | | | | |
| अंशदान . | 10.21 प्रतिशत | 6.98 प्रतिशत | 7.24 प्रतिशत | 6.78 प्रतिशत | 7.12 प्रतिशत | 7.85 प्रतिशत |
| राजस्व लेखे में व्यय | 10.29 प्रतिशत | 8.61 प्रतिशत | 8.12 प्रतिशत | 7.26 प्रतिशत | 7.15 प्रतिशत | 7.50 प्रतिशत |
| हितलाभ . | 13.59 प्रतिशत | 12.38 प्रतिशत | 10.98 प्रतिशत | 9.40 प्रतिशत | 8.93 प्रतिशत | 9.25 प्रतिशत |

टिप्पणी : 4 में राज्य सरकारों द्वारा किये गए चिकित्सा हितलाभ व्यय का शेयर शामिल नहीं है।

[फा०सं० जैड-16016/1/81-एच०आई०]

आर०के० दास, अवर सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th January, 1982

**S O 1144** In pursuance of Section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Annual Report of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1980-81 is hereby published for general information

### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
### ANNUAL REPORT
### 1980-81

**List of Members of the Employees' State Insurance Corporation 1980-81**

*Chairman*

Shri N D Tiwari

Minister of Planning and Labour, Government of India

*Vice-Chairman*

Shri N R Laskar

Minister of State in the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India

*Members*

**Representatives of Central Government**

3 Shrimati Ram Dulari Sinha,
Minister of State in the Ministry of Labour,
Government of India

4 Shri R K.A Subrahmanya,
Additional Secretary,
Ministry of Labour,
Government of India

5 Shri N K Panda,
Joint Secetary and Financial Adviser to the Ministry of Labour,
Government of India

6 Dr. B Sankaran,
Director General of Health Services,
Government of India

7 Shri N B Chawla,
Deputy Secretary (P),
Ministry of Labour.
Government of India

**Representatives of State Governments**

8 Shri G R Nair,
Secretary to the Government of Andhra Pradesh,
Labour, Employment and Technical Education Department.

9. Shri C. R Samaddar,
Secretary to the Government of Assam
Labour Department,
Dispur.

10. Shri K B. Saxena
Commissioner and Secretary to the Government of Bihar.
Labour and Employment Department

11 Shri M S. Dayal,
Secretary to the Government of Gujarat
Health and Family Welfare Department

12 Shri H L Gugnani,
Secretary to the Government of Haryana,
Labour and Employment Department.

13. Shri Kanwar Shamsher Singh,
Secretary to the Government of Himachal Pradesh
Labour and Employment Department.

14 Shri Raj Kumar Gupta,
Labour Commissioner,
Government of Jammu & Kashmir

15 Shri J Alexander,
Secretary to the Government of Karnataka,
Social Welfare and Labour Department

16. Shri C P Nair,
Special Secretary to the Government of Kerala,
Labour Department

17 Shri Faqir Chand
Secretary to the Government of Madhya Pradesh,
Labour Department

18 Shri N V. Sundra Raman,
Special Secretary to the Government of Maharashtra,
Urban Development and Public Health Department

19 Shri S. Marwein,
Secretary to the Government of Meghalaya,
Labour Department

20 Shri N Zakhalu,
Secretary to the Goverhment of Nagaland,
Home Department

21 Shri Prafulla Chandra Misra,
Secretary to the Government of Orissa,
Labour and Employment Department

22 Shri Hardial Singh,
Secretary to the Government of Punjab,
Health and Family Department

23 Shri Harish Chandra Pande,
Secretary to the Government of Rajasthan,
Labour Department

24 Shri T V Vasudevan,
Commissioner and Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department

25 Shri S K Ghoshal,
Secretary to the Government of Tripura,
Labour Department

26 Shri Karnail Singh,
Commissioner Cum-Secretary to the Government of Uttar Pradesh,
Labour Department

27. Shri N Krishnamurthy,
Secretary to the Government of West Bengal
Labour Department

**Representatives of Union Territories**

28. Shri R N Puri,
Labour Commissioner,
Delhi Administration

**Representatives of Employers**

29 Shri Waris R Kidwai

30 Dr P A Desai

31. Shri Indravadan Pranlal Shah

32 Shri N Venkataramani

33 Shri P Chentsal Rao

**Representative of Employees**

34 Shri R Rengasamy

35 Shri Chimanbhai Mehta

36 Miss E D Souza

37 Shri M S Krishnan

38. Shri Vasant Khanolkar.

**Representatives of Medical Profession**

39 Dr. J. Majumdar

40. Vaidya Shri Shree Krishan Multani

**Representatives of Parliament.**

41. Shri Bijoy Krishna Handique
42. Shri K. A. Rajan
43. Shri K. Ramamurthy

**Ex-Officio Member**

44. Shri Har Mander Singh,
Director General,
ESI Corporation.

LIST OF MEMBERS OF THE STANDING COMMITTEE OF ESI CORPORATION 1980-81

**Chairman**

Smt. Ram Dulari Sinha

Minister of State in the Ministry of Labour, Government of India

**Members**

**Representatives of Central Government**

2. Shri R.K.A. Subrahmanya,
Additional Secretary,
Ministry of Labour,
Government of India.
3. Shri N.K. Panda,
Joint Secretary and Financial Adviser to the Ministry of Labour,
Government of India.
4. Dr. B. Sankaran,
Director General of Health Services,
Government of India.

**Representatives of State Governments**

5. Shri T.V. Vasudevan,
Commissioner and Secretary to the Government of Tamil Nadu,
Labour and Employment Department.
6. Shri M.S. Dayal,
Secretary to the Government of Gujarat,
Health and Family Welfare Department.
7. Shri Karnail Singh,
Commissioner-cum-Secretary to the Government of Uttar-Pradesh,
Labour Department.

**Representatives of Employers**

8. Shri Waris R. Kidwai
9. Shri N. Venkataramani
10. Shri P. Chenstal Rao

**Representatives of Employees**

11. Miss E. D'Souza
12. Shri R. Rengasamy
13. Shri M.S. Krishnan

**Representative of Medical Profession**

14. Dr. J. Majumdar

**Representative of Parliament**

15. Shri K. Ramamurthy

**Ex-Officio Member**

16. Shri Har Mander Singh,
Director General,
ESI Corporation.

LIST OF MEMBERS OF THE MEDICAL BENEFIT COUNCIL 1980-81

**Chairman**

**Director General of Health Services, Government of India,**

**Members**

**Representatives of Central Government**

2. Dr. Ishwar Dass Bajaj,
Deputy Director General of Health Services,
(CGHS).
Government of India.
3. Dr. V.M. Charnalia,
Medical Commissioner,
ESI Corporation.

***Representatives of State Governments***

4. Dr. T.N. Sanghi,
Deputy Director of Medical Health Services,
Government of Andhra Pradesh
5. Dr. B.L. Das,
Administrative Medical Officer,
ESI Scheme,
Government of Assam.
6. Dr. A.P. Verma,
Administrative Medical Officer,
ESI Scheme,
Department of Labour and Employment
Government of Bihar.
7. Lt. Col. B.D. Misra,
Director of Medical Services (ESI Scheme),
Government of Gujarat.
8. Dr. S. Shah,
Assistant Director, Health Services,
(Social Insurance),
Government of Haryana.
9. Dr. S.M.L. Grover,
Director, Health Services & Family Planning,
Government of Himachal Pradesh.
10. Shri I.D. Sharma,
Labour Commissioner,
Government of Jammu & Kashmir.
11. Dr. K.B. Hannumantha Reddy,
Director ESI Scheme (Medical Services),
Government of Karnataka.
12. Dr. M.J. George,
Administrative Medical Officer,
ESI Scheme,
Government of Kerala.
13. Dr. A.C. Gaur,
Administrative Medical Officer,
ESI Scheme,
Government of Madhya Pradesh
14. Dr R.C. Dighe,
Director, ESI Scheme,
Government of Maharashtra
15. Shri S. Marwein,
Secretary to the Government of Meghalaya,
Labour Department
16. Shri S.K. Kochar,
Secretary to the Government of Nagaland,
Home Department.

17. Dr. P.C. Rath,
Administrative Medical Officer,
ESI Scheme,
Government of Orissa.

18. Dr Asa Singh,
Director, Health Services,
Government of Punjab.

19. Dr. R.R. Purohit,
Additional Director Medical & Health Services,
Government of Rajasthan.

20. Dr Ernest J. David,
Director of Medical Services and Family Welfare,
Government of Tamil Nadu.

21. Shri S.K. Ghosal,
Secretary to the Government of Tripura,
Labour Department.

22. Dr. S.C. Chaturvedi,
Joint Director of Health Services,
ESI Scheme,
Government of Uttar Pradesh.

23. Shri P. Roy,
Director, ESI (MB) Scheme,
Government of West Bengal.

**Represenatives of Employers**

24. Dr B.D. Kaushal.

25. Shri R.N. Joshi

26. Shri R.L. Moitra.

**Representatives of Employees:**

27. Shri A.C. Saikia, MLA

28. Shri Sumer Singh

29. Dr. Samer Roy Choudhury

**Representatives of Medical Profession:**

30. Dr (Mrs) Lalita Rao

31. Dr. N.N. Bhattacharjee

32. Aryavaidyan P.K. Warrier.

'ESIC' AT A GLANCE

| 1 | 31-3-1980 2 | 31-3-1981 3 | Progress during 1980–81 |
|---|---|---|---|
| States/Union Territories | 20 | 21 | 1 |
| Centres | 395 | 411 | 16 |
| Employees | 59,83,000 | 63,32,200 | 3,49,200 |
| Insured Persons | 68,50,000 | 71,61,800 | 3,11,800 |
| Family Units | 68,50,000 | 71,61,800 | 3,11,800 |
| Insured Women | 5,38,750 | 5,44,550 | 5,800 |
| Total Beneficiaries | 2,65,78,000 | 2,77,87,800 | 12,09,800 |
| Employees yet to be covered | 8,58,000 | 8,65,800 | 7,800 |
| Cash Offices | 691 | 724 | 33 |
| Inspection Offices | 195 | 209 | 14 |
| ESI Hospitals | 67 | 70 | 3 |
| ESI Annexes | 33 | 35 | 2 |
| BEDS | | | |
| (A) ESI Hospitals | 14,102 | 14,952 | 850 |
| (B) ESI Annexes | 670 | 710 | 40 |
| (C) Reserved | 4,765 | 4,843 | 78 |
| Total | 19,537 | 20,505 | 968 |
| State Insurance Dispensaries | 1,030 | 1,072 | 42 |
| Insurance Medical Officers | 3,101 | 3,336 | 235 |
| Insurance Medical Practitioners Clinics | 4,734 | 4,667 | (—)67 |
| | Capital Construction (Rupees in Lakhs) | | |
| Sanctioned upto | 9,712.44 | 10,363.45 | 651.01 |
| Advanced upto | 7,490.49 | 8,470.82 | 980.33 |
| Income and outgo | 1979–80 | 19780–81 | |
| Revenue Income | 1,69,79.04 | 1,93,21.53 | |
| Revenue Expenditure | 1,59,18.80 | 1,88,05.88 | |

**Achievements**

1.1 An important development during the year has been the enhancement in the rate of disablement and dependant's benefit payable under the ESI Act, 1948 from 125% to 140% of standard benefit rate from 1st January, 1981. This marked the beginning of the "International year of the Disabled". Hitherto-fore the rate of disablement and dependant's benefit was 25% more than the standard benefit rate rounded to the next higher multiple of 5 paise, as prescribed in para 6 of the First Schedule of the ESI Act, 1948. The effect of the above enhancement is that the daily rate of disablement and dependant's benefit is now 40% more (in place of 25% more) than the standard benefit rate i.e. about 70% of the average daily wage instead of about 62.5% earlier, in all cases where a person sustained employment injury on or after 1st January, 1981.

**1.2. Other Improvements**

(a) The rates of permanent disablement benefit and dependants' benefit payable under the ESI Act, 1948 in case of permanent disablement or death of an insured person where such permanent disablement or death occurred on or before the 31st March, 1978, have been enhanced to the following extent with effect from 1-4-1980 to compensate for the increase in the cost of living index:

| | |
|---|---|
| (i) Cases where the disablement or death occured on or before 31-3-1975 | 20% of the basic amount (excluding the increase already granted with effect from 1-10-1977). |
| (ii) Cases where the disablement or death occured between 1-4-1975 and 31-3-1978. | 15% of the basic amount. |

(b) The facility of remittance of cash benefits by money-order at the cost of the Corporation has been extended in cse of funeral benefit also with effect from 18th April, 1980. Further, the funeral benefit is now also granted in respect of deceased persons who at the time of death have ceased to be insured persons but are in receipt of medical benefit otherwise than under the normal regulations governing the title to medical care. This has been given effect to from 14-12-1980.

(c) The ceiling of expenditure on medical care has been further raised with effect from 1st April, 1980 from Rs. 115/- per employee per annum to Rs. 120/- per employee per annum for full medical care including hospitalsation. The expenditue on drugs, medicines and dressings exceeding Rs. 25/- but not exceeding Rs. 50-/ per employee per annum is allowed over and above the ceiling. The element of rent charged from the ESI Scheme in respect of buildings owned by the Corporation has also been kept out of the ceiling.

(d) The Corporation has agreed in principle to set up holiday homes for the insured persons and their families wher the insured persons can enjoy their holidays and leave for rest and recreation at economical coats in healthy and salubrious surrondings. Necessary action was in progress at the end of the year to set up a holiday home at Nainital in the Northern Region and at Bangalore in the Southern Region.

**Progress of Implementation/Extension of the Scheme**

1.3. During the year under report, the Scheme was implemented to cover 34 new areas bringing about 49,300 additional employees in the States of Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Meghalaya, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh West Bengal and certain areas of Union Territory of Chandigarh under the ESI Scheme. Details are given in Appendix-I Part-A. The families of insured persons in these areas also, became entitled to medical benefit from the same date (s) as the insured persons. Efforts were cointnued for implementation of the Scheme in the States of Jammu and Kashmir, Tripura and the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands where the scheme has not been implemented at any centre so far.

1.4 The Scheme was also extended to new classes of establishments in different implemented centres in the States of Kerala, Rajasthan and Uttar Pradesh covering about 26,220 additional employees. Details are given in Appendix-I Part-B. The families of these employees also became entitled to medical benefit from the same date(s) as the insured persons.

1.5 The State Government of Rajasthan and Andhra Pradesh issued preliminary notifications giving six months' notice of their intention to extend the Scheme further to the remaining new classes of establishments in the remainig centres.

1.6 The matter about extension of the Scheme to building construction workers in metropolitan cities and towns as approved in principle by the Central Government, was continued to be pursued with the State Governments, who are the appropriate Governments for this purpose under Section 1(5) of the ESI Act. There has however, been no progress in the matter except that the Delhi Administration has sought specific approval of the Central Government to the proposed extension.

1.7 At the close of the year, the Scheme was in force at 411 centres in various States and in the Union Territories covering a total number of about 63,32,200 employees including those covered in new classes of establishments and normal growth during the year in the factories/establishments already covered.

1.8 The implemenation/extension of the Scheme has not progressed according to the phased programme mainly due to non-availability of financial and physical resources with the State Govarnment coenered who have not been able to make necessary medical arrangements. The need for speedy implementation and extension of the Scheme in accordance with the phased programme has been emphasised on the State Governments from time to time. The matter also came up for consideration at the last labour Ministers Conference held in New Delhi on 19th and 20th July, 1980. The Conference recommended the State Governments should take effective steps for extension of ESI Scheme to new areas/new classes of establishments as per phased programme draw up in consultation with the ESI Corporation and that the pace of extension of the Scheme to cover more and more workers according to the phased programme for extension should be intensified and the State Governments should be requested to speed up the medical arrangements therefor coverage of building construction workers in cities and town where the Scheme is already in force was also recommended. The matter also came up for consideration at the meetings of the Standing Committee and the ESI Corporation held on 13th and 14th December, 1980 respectively when the members desired that the State Governments should be urdged to initiate necessary action to extend coverage under the ESI Scheme. In pursuance of the above, the Union Minister for Planning and Labour who is also the Chairman of the ESI Corporation took up the matter demi-officially with the Chief Ministers of the States impressing upon them the need to speed up the pace of extension of the ESI Scheme so that the social security benefits reach all persons eligible for coverage under the Scheme in the shortest possible time. It is hoped that the pace of extension of the Scheme will improve during the next year.

The Government of India have also set up an official permanent Committee with the Additional Secretary, Ministry of Labour as Chairman and the Secretaries concerned with the ESI Act in the States/Union Territories as its members, to review the progress of extention of the coverage under the ESI Act, 1948 to eligible workers. The Committee will meet atleast once in February every year immediately before the meeting of the ESI Corporation, to review the progress of the Scheme.

**Extension of Medical Care to Families**

1.9 Medical care was extended to about 59,500 additional family (insured persons) units i.e. about 2,30,860 additional beneficiaries in 34 newly implemented areas in the States of Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Meghalaya, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, West Bengal and certain areas of Union Territories of Chandigarh. The details are given Appendix-I Part-A. The total number of family (insured persons) units covered for medical care at the close of the year was about 71,61,800 i.e. about 2,77,87,800 beneficiaries including insured persons and their families as well as those covered in new classes of establishments.

**2. HOSPITALISATION**

**(i) ESI HOSPITALS AND ANNEXES ALREADY COMMISSIONED**

Three more E.S.I. Hospitals were commissioned during the year at Kandivalli (Maharashtra) with 650 beds on 19-8-1980 at Vellore (Tamil Nadu) with 50 beds on 31-1-81 and at Kanya pur Asansol (West Bengal) with 150 beds on 31-1-81 In addition, two Annexes, at Gorakhpur (Uttar Pradesh) with 24 beds and at Rajgangpur (Orissa) with 16 beds were also commissioned during the year.

The position with regard to beds constructed in these Institutions is as under :

| Type of Project | No. of projects | No. of beds constructed Genl. | T.B. |
|---|---|---|---|
| Hospitals . | 70 | 13,482 | 1,470 |
| Annexes . . . | 35 | 404 | 306 |
| | | 13,886 | + 1,776 |
| | | | = 15,662 |

Details of these Hospitals and Annexes are given in Appendix-II.

**(ii) ESI Hospitals and Annexes under construction.**

**The following ESI Hospitals and Annexes were under construction as on 31-3-1981:—**

| Sl. No. | Place & State | No. of Beds Genl. | T.B. | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Hospitals | | | | |
| 1. | Rajahmundry (Andhra Pradesh, . | 50 | .. | .. |
| 2. | Gauhati (Assam) | 50 | .. | .. |

| 1 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|
| 3. Adityapur (Bihar) | 50 | .. | .. |
| 4. Phulwarisharif Patna (Bihar) . | 50 | | |
| 5. Baroda (Gujarat) . | 200 | | |
| 6. Surat (Gujarat) . | 150 | | |
| 7. Kalol (Gujarat) . | 50 | | |
| 8. Rajkot (Gujarat) . | 50 | | |
| 9. Mysore (Karnataka) | 100 | | |
| 10. Indiranagar, Bangalore (Karnataka) | 300 | | |
| 11. Thane, Bombay (Maharashtra) . | 632 | | |
| 12. Sholapur (Maharashtra) . | 120 | | |
| 13. Kotah (Rajasthan) | 60 | | |
| 14. Naini (Allahabad) (Uttar Pradesh) . | 100 | | |
| 15. Agra (Uttar Pradesh) . | 100 | | |
| 16. Ghaziabad (Uttar Pradesh) . | 100 | | |
| 17. Lucknow (Uttar Pradesh) . | 100 | | |
| 18. Saharanpur (Uttar Pradesh) . | 50 | | |
| 19. Bandel (West Bengal) . | .. | 250 | [illegible] |
| Total . . | 2,252 | +250 | —2,50 |
| Mangalore (Karnataka) (Beds under construction in existing Hospital). | 40 | .. | .. |
| Pandunagar, Kanpur (Uttar Pradesh) (Beds under construction in existing Hospital) | 100 | .. | .. |
| Total . . . | 2,392 | +250 | = 2,642 |

Annexes.

| | | |
|---|---|---|
| 1. Tinsukia (Assam) | 20 | .. |
| 2. Pinjore (Haryana). | 12 | .. |
| 3. Gulbarga (Karnataka) | 20 | .. |
| 4. Robertsonpet, KGF (Karnataka) . | 32 | .. |
| 5. Sitapur (Uttar Pradesh) . | 24 | .. |
| 6. Unnao (Uttar Pradesh) . | 12 | .. |
| 7. Etawa (Uttar Pradesh) . . . | 12 | .. |
| Total . . . | 132 | .. |

**(iii) Hospitals and Annexes sanctioned**

Plans and Estimates in respect of the following Hospitals and Annexes have been sanctioned but the construction work is yet start :

Hospitals.

| Sl. No. | Place and State | Number of beds Genl. | T.B. |
|---|---|---|---|
| 1. | Ranchi (Bihar) . . . . . | 50 | .. |
| 2. | Thottada (Kerala) . . . . | 50 | .. |
| 3. | Feroke (Kerala) . . . . . | 100 | .. |
| 4. | Varanasi (Uttar Pradesh) . . . . | 50 | .. |
| 5. | Thakurpukur (West Bengal) . . | 250 | .. |
| | Total . . . . . . . | 500 | .. |

Annexes.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Koilver (Bihar) . . . . . | .. | 20 |

**(iv) Hospitals agreed in principle**

The construction of following Hospitals has been agreed to in principle. In certain cases land has also been acquired purchased :—

| Sl. No | Place and State | No. of beds | Remarks |
|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 |
| 1. | ESI Hospital, Hyderabad (Andhra Pradesh) | 200 | |
| 2. | ESI Hospital, Biharshrif (Bihar) | 50 | |
| 3. | ESI Hospital, Simaltalla (Bihar) | 50 | |
| 4. | ESI Hospital, Jhilmil, Delhi | 200 | Land already purchased |
| 5. | ESI Hospital, South Delhi | 200 | |
| 6. | ESI Hospital (T.B.), Delhi | 150 | |
| 7. | ESI Hospital, Bhavnagar (Gujarat) | 50 | Land already purchased |
| 8. | ESI Hospital, Nadiad (Gujarat) | 50 | |
| 9. | ESI Hsospital, Porbander (Gujarat) | 50 | |
| 10. | ESI Hospital, Jamnagar (Gujarat) | 50 | |
| 11. | ESI Hospital, Petlad (Gujarat) | 50 | |
| 12. | ESI Hospital, Ahmedabad (Gujarat) | 500 | |
| 13. | ESI Hospital, Vapi (Gujarat) | 50 | |
| 14. | ESI Hospital, Cambay (Gujarat) | 50 | |
| 15. | ESI Hospital, Ballabgarh (Haryana) | 100 | Land already purchasd |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 16. ESI Hospital, Bahadurgarh (Haryana) | 50 | |
| 17. ESI Hospital,Gurgaon (Haryana) | 50 | |
| 18. ESI Hospital, Bhiwani (Haryana) | 50 | |
| 19. ESI Hospital, Davangere (Karnataka) | 50 | Land already purchased. |
| 20. ESI Hospital, Hubli (Karnataka) | 50 | Land already purchased. |
| 21. ESI Hospital, Belgaum (Karnataka) | 50 | |
| 22. ESI Hospital, Palghat (Kerala) | 50 | |
| 23. ESI Hospital, Bhopal (Madhya Pradesh) | 50 | |
| 24. ESI Hospital, Jabalpur (Madhya Pradesh) | 50 | |
| 25. ESI Hospital, Nagda (Madhya Pradesh) | 50 | |
| 26. ESI Hospital, Aurangabad (Maharashtra) | 50 | Land already purchased. |
| 27. ESI Hospital, Nasik | 100 | Land already purchased |
| 28. ESI Hospital, Bibewadi, Pune. (Maharashtra) | 100 | Land already purchased |
| 29. ESI Hospital, Chindwad, Pune (Maharashtra) | 100 | Land already purchased |
| 30. ESI Hospital, Kolhapur (Maharashtra) | 100 | |
| 31. ESI Hospital, Rourkela (Orissa) | 25 | |
| 32. ESI Hospital, Mandi Gobindgarh (Punjab) | 50 | Land already purchased |
| 33. ESI Hospital, Phagwara (Punjab) | 50 | |
| 34. ESI Hospital (T.B.), Ludhiana (Punjab) | 100 | |
| 35. ESI Hospital, Mohali (Punjab) | 25 | |
| 36. ESI Hospital, Rajpura (Punjab) | 25 | |
| 37. ESI Hospital, Pali (Rajasthan) | 50 | |
| 38. ESI Hospital, Jodhpur (Rajasthan) | 50 | |
| 39. ESI Hospital, Salem (Tamil Nadu) | 50 | |
| 40. ESI Hospital, Bareilly (Uttar Pradesh) | 50 | Land already purchased |
| 41. ESI Hospital, Pipri (Uttar Pradesh) | 50 | Land already purchased |
| 42. ESI Hospital, Jajmau, Kanpur (Uttar Pradaesh) | 100 | Land already purchased. |
| 43. ESI Hospital, Kidwainagar, Kanpur (Uttar Pradesh) | 100 | Land already purchased. |
| 44. ESI Hospital, Aligarh (Uttar Pradesh) | 50 | |
| 45. ESI Hospital, Hardwar (Uttar Pradesh) | 50 | |
| 46. ESI Hospital, NOIDA (Uttar Pradesh) | 200 | |
| 47. ESI Hospital, Durgapur (West Bengal) | 100 | Land already purchased |
| 48. ESI Hospital, Shyam Nagar (West Bengal) | 250 | Land already purchased |
| 49. ESI Hospital, Garden Reach (West Bengal) | 100 | |
| Total | 4,225 | |
| Addition to the existing E.S.I. Hospital, Jaipur (Rajasthan) | 111 | |
| Grand Total | 4,336 | |

(v) 210 Employees State Insurance Dispensaries and two Administrative Medical Officers' Offices were located in Corporation's own buildings at the close of the year. 48 dispensaries and one Administrative Medical Officer's Office were at different stages of construction besides 8 Employee's State Insurance Dispensaries where estimates have been sanctioned and construction is yet to start.

(vi) The amount sanctioned as on 31-3-1981 towards capital construction under the ESI Scheme is as under :

| Category of Projects | Amount sanctioned as on 31-3-1980 | Amount sanctioned as on 31-3-1981 |
|---|---|---|
| | (Rs. in lakhs) | (Rs. in lakhs) |
| (a) Hospitals/Annexes/Dispensaries/equipments and staff quarters etc. | 8,451.14 | 9,079.91 |
| (b) Loan to the Government of Maharashtra. | 362.15 | 362.15 |
| (c) Grant-in-aid (M.G.M. Hospital, Bombay) | 100.00 | 100.00 |
| (d) Office buildings and staff quarters of the Corporation | 799.15 | 821.39 |
| Total | 9,712.44 | 10,363.45 |

**3. Type of Medical Care to families of employees**

The State-wise position in regard to the type of Medical Care provided to family (employees) Units is given in Appendix III.

**Committees, Commissions and Conferences**

**4. Corporation**

The ESI Corporation held three meetings on 13th December, 1980, 14th December, 1980 and 7th February, 1981. Important decisions arrived at these meetings, are given in Appendix IV.

**5. Standing Committee**

The Standing Committee of the ESI Corporation held four meetings on 11th July, 1980, 28th August, 1980, 14th December, 1980 and 6th February, 1981. Important decisions arrived at these meetings are given in Appendix V.

**6. Medical Benefit Council**

The Medical Benefit Council held one meeting on 5-10-1980. Important recommendations of the Council are given in Appendix VI.

**7. Regional Boards**

At the close of the year, 18 Regional Boards were in position. The number of meetings of various Regional Boards held during the year is given below: —

| Name of the Regional Board | No. of meetings | Date of meeting |
|---|---|---|
| 1. Andhra Pradesh | .. | .. |
| 2. Assam | 1 | 18-2-81 |
| 3. Bihar | 1 | 4-2-81 |
| 4. Delhi | .. | .. |
| 5. Gujarat | .. | .. |
| 6. Haryana | 1 | 1-10-80 |
| 7. Karnataka | 4 | 28-4-80, 2-6-80 20-9-80, and 13-2-81 |
| 8. Kerala | 2 | 24-7-80 and 12-12-80 |
| 9. Madhya Pradesh | 1 | 26-3-81 |
| 10. Maharashtra | 1 | 22-8-80 |
| 11. Orissa | 1 | 15-1-81 |
| 12. Punjab | 1 | 8-9-80 |
| 13. Pondicherry | 1 | 5-1-81 |
| 14. Rajasthan | .. | .. |
| 15. Tamil Nadu | 2 | 27-8-80 and 17-12-80 |
| 16. Uttar Pradesh | 2 | 31-7-80 and 6-1-81 |
| 17. West Bengal | .. | .. |
| 18. Goa, Daman & Diu | .. | .. |

**8. Local Committees**

At the close of the year, 207 Local Committees were functioning, under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulations, 1950.

**9. Medical Service & Allocation Committees**

The details of work done by Medical Service Committee and Allocation Committee during the year under report is as under:—

| Sl. No. | Name of the State | No. of meetings | No. of cases brought on the list | No. of cases pending |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Gujarat | 8 | Nil | Nil |
| 2. | Greater Bombay | Nil | 217 | 217 |
| 3. | Poona (Western Maharashtra) | 8 | 13 | 11 |
| 4. | Punjab | .. | 58 | Nil |
| 5. | West Bengal | Nil | Nil | Nil |

**10. General Purposes sub-committee**

During the year under report, General Purposes sub-committee of the E.S.I. Corporation visited Bihar from 21-4-1980 to 25-4-1980, Tamil Nadu from 4-8-1980 to 9-8-1980, Haryana from 21-2-1981 to 23-2-1981, Punjab from 24-2-1981 to 26-2-1981 and Union Territory of Chandigrah from 27-2-1981 to 28-2-1981 and inspected various ESI Institutions functioning in these States/Union Territory.

**11. Committee to review in working of the ESI Scheme**

The Government of India have set up a Committee under the Chairmanship of Shri V.R. Hoshing, President, Rashtriya Mill Mazdoor Sangh, Bombay to review the working of the Employees' State Insurance Scheme, with particular reference to the administration of medical and other benefits and recommended how these may be improved. The Committee has also been requested to review the position of the arrears of contributions to the ESI Scheme and suggest measures for the recovery and prevention of accumulation of such arrears in future.

**Administration**

**12. Regional Organisation**

15 Regional Offices, 2 Sub-Regional Offices, 372 Local Offices 99 Mini Local Offices, 1 Sub-Local Office and 235 Pay Offices were functioning in the States and Union Territories as on 31-3-1981.

**13. Strength of Staff**

The total authorised strength of officers and staff (excluding D(M) D office/ESI/Dispensaries ESI Hospital Delhi) in the Corporation as on 31-3-1981 was 10675 as against 10334 as on 31-3-1980. The staff authorised for Hqrs. Office and various Regional Offices as on 31-3-1981 is shown in Appendix VII (Part I). The staff authorised for the offices of D(M)D and ESI Hospital/ESI Dispensaries, Delhi is shown in Part II of the Appendix VII.

**14. Confirmation of Staff.**

Action for confirmation of officers against Group 'A' and 'B' posts has been taken in consultation with the Union Public Service Commission. The confirmation of staff in Group 'C' and 'D' has been made against the permanently sanctioned posts in most of the Regions/Offices. Action is being taken for confirmation of staff in the remaining offices.

**15. Representation of Scheduled Castes & Scheduled Tribes among the Employees.**

Recruitment to various categories of posts which are required to be filled by direct recruitment or promotion is subject to such reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes as is specified from time to time on the basis of directions issued by the Central Government. The information relating to the total number of employees and the number of Scheduled Castes and Scheduled Tribes amongst them, the number of reserved vacancies filled by members from Scheduled Castes and Scheduled Tribes other than by direct recruitment and the number of reserved vacancies filled by the members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes by direct recruitment are indicated at Appendices VIII part I, II & III respectively.

**16. Holiday Homes for the Employees of the ESI Corporation**

To enable the employees of the Corporation and their immediate families to spend their leave in Salubrious Places and in healthy surroundings, four Holiday Homes were decided to be set up, one each at the following places:—

1. North Zone — Simla
2. East Zone — Puri
3. West Zone — Panaji
4. South Zone — Ootacamund

Holiday Homes at Simla and Puri have since started functioning.

**17. Progressive use of Hindi in the E.S.I. Corporation**

During the year under report, following measures have been taken for the progressive use of Hindi in the Offices of Corporation :—

1. Progressive use of Hindi at the Headquarters Office and in the Regional Offices is being watched by the Hindi Section at the Headquarters Office.

2. Offical Language Implementation Committees are already functioning in all the offices situated in Hindi and non—Hindi speaking States and the meetings of these Committees are being held regularly to review the progress of Hindi work and implementation of instructions issued by the Government of India from time to time.

3. A good deal of correspondence is being carried out in Hindi particularly in Hindi speaking States and most of the letters received in Hindi including appeals, representations etc. from employees are replied to in Hindi.

4. Necessary provision of Hindi typewriters has been made in all Hindi speaking States. The needs are periodically reviewed and additional Hindi typewriters are provided to the offices where these are required. Provision has also been made for at least one Hindi typewriter in every Regional Office situated in Non-Hindi speaking States.

5. Most of the forms have been printed bilingually. Arrangements are being made for the translation of Rules and Manuals etc. The E S I.C. (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1959 have been printed bilingually and the list of Major and Minor Heads of Accounts of the Corporation is being printed bilingually. Translation of Employees State Insurance Pension and Local Office Manuals has also been completed.

6. During the year under report 31 Hindi workshops six in the Headquartes Office, three each in Directorate (Medical) Delhi Office Regional office Kanpur, Regional office Jaipur and Regional Office Ahmedabad five in Regional Office Chandigarh, Seven in Regional Office, Indor and one workshop in Regional Office Bombay have been organised. In all 95 workshops have been held so far in which about 1600 trainees were trained altogether. Efforts are being made to organise more Hindi workshops. Offices situated in Non-Hindi speaking States have also been allowed to organise Hindi Workshops on the pattern of workshops in Hindi Speaking areas, if they so desire.

7. Necessary staff for Hindi work has been provided in various offices.

8. Arrangements have been made to print question papers (except that of English) bilingually for the recruitment examinations of this Department—open as well as limited (Departmental), for the posts of Lower Divsiion Clerks and promotion tests from Lower Division Clerks to Upper Division Clerks. Candidates have the choice to answer questions either in English or in Hindi. Optional use of Hindi has also been allowed in Arithmatic paper for recruitment to the posts of Insurance Inspectors. This paper is also printed bilingually. It has also been decided to allow optional use of Hindi for General Knowledge paper and to get the same printed bilingually for recruitment to the post of Insurance Inspectors from the next examination.

9. So far 11 offices of the Corporation have been notified under Rule 10(4) of the Official Languages Rules, 1976 which means that 80% staff of these offices possess working knowledge of Hindi.

10. Original correspondence in Hindi with the offices situated in Hindi speaking States is increasing progressively.

11. Statistical Abstract, Annual Report, Notifications, Budget and Annual Accounts of the Corporation and tender notices are being issued bilingually. Efforts are being made to issue agreements, licences, permits etc. also bilingually.

12. Almost all the rubber stamps have been made bilingualy or separately in Hindi and English.

13. In order to implement the provisions of Official Language Rules, check points have been fixed at different level. Arrangements have been made to issue general orders both in English and Hindi.

14. Entries in Service Books are being made in Hind in the Headquarters Office and in the Regional Offices situated in Hindi speaking areas.

15. Addresses on envelopes being sent to offices etc. in Hindi speaking regions are being written in Hindi.

16. One lecture relating to Official Language Policy of the Government of India is being delivered in the Training Courses of the Corporation for training of Lower Division Clerks/ Upper Division Clerks/Upper Division Clerk Cashiers.

**18. O&M Studies**

During the period, O&M Division of the Corporation prepared a 'Manual of General Office Procedure' for use in the offices of the Corporation. A 'Record Retension Schedule' for house-keeping jobs and substantive functions was also prepared and circulated for use in the offices of the Corporation. Various types of reports and returns from Local Offices to Regional Offices and Regional Offices to the Headquarters Office were examined with a view to standardize them. The yardstick for ESIC series forms in use in the offices of the Corporation was also reviewed.

The Reports on "Streamlining the Machinery for compilation and maintenance of Statistical Data" and "Mechanisation of Data relating to long-term benefits" which were taken up last year, were completed and submitted.

On the recommendations of O&M Division, the payment of contributions in cash instead of through contribution stamps was introduced in all the regions of the Corporation. There after, a wider study of the cash contribution system was conducted for laying down revised norms and standards under this system. Another important study for abolition of contribution cards was conducted and a final report submitted.

The quarterly report of Actuarial Branch was recast.

O&M Division conducted a study of the Revenue Recover Branches of Regional Office, Delhi for reviewing the weightage formula for staff in the regions having coverage of disproportionately large number of employers with lesser number of employees covered under Section 1(5).

The norms were also divised for LDCs/UDCs and UDC Cashiers in the Local Offices under the Money Order system.

A work study for quantification of additional workload on the recommendations of the Working Group on record keeping in Revenue Recovery Branches of Regional Office was also accomplished.

**19. Suggestion Award Scheme**

The Central Committee which has been set up under the Suggestion Award Scheme to scrutinise the suggestion considered various suggestions received from the sponsors and granted awards of letters on aspirations in the following cases:—

(1) Shri J. Rajarethinam, LDC, Local Office, Palakarai Hains Road, Tamil Nadu for his suggestion regarding compilation of addresses of Local Offices/ESI Dispensaries/IMPs etc. with a view to facilitiate the transfer of various records concerning the Insured Persons to the Local Offices/Regional Offices.

(2) Shri K. Govindji, Head Clerk, Local Office, Chinchwad Pune for suggesting amendment to Para 1.84(1) of the Local Office Manual pertaining to change of Local Office by the Insured Persons and recording of miscellaneous changes on printed documents.

(3) Shri G. Rama Rao, UDC, Local Office, Kandivli, Bombay for suggesting change in the column of contribution cards (Form 2) under Regulation 13 by incorporating the word 'contribution' in place of 'stamps'.

(4) Shri Tilak Chandra Das, UDC, Regional Office, Gauhati for his suggestion regarding procedure to be adopted for allocation of block of insurance numbers in respect of Assam Region keeping in view the extension of Scheme to other nearby areas namely—Nagaland, Meghalaya, Manipur, Mizoram, Tripura and Arunachal Pradesh.

**20. Training of Officers & Staff**

During the year under report the Central Training Institute and the four Zonal Training Institutes set up at New Delhi, Calcutta, Bombay and Bangalore conducted regular training courses for the officers and staff of the Corporation. The Central Training Institute conducted 7 Orientation—Training Courses for Local Office Managers and Insurance Inspectors at Bombay, Bangalore, Calcutta, Chandigarh and Hyderabad in which 135 officers participated. These courses which are attended by field officers from 4 or 5 neighbouring regions, apart from updating the knowledge of the participants, provided a forum for free discussions and problem solving sessions.

In September, 1980, an 'In-service' Orientation-Training Course was organised at New Delhi for Officers of mid-management level of the Corporation , which was attended by 21 Dy. Regional Directors/Accounts Officers/Assistant Regional Directors/Section Officers etc. Apart from discussion on procedures under the E.S.I. Scheme and related problems, lectures were arranged on some modern management techniques and on vigilance methods.

In September, 1980 and February & March, 1981, 3 In-Service training courses for Insurance Medical Officers were conducted at Indore and Delhi in which 60 Insurance Medical Officers participated.

For Lower Division Clerks/Upper Division Clerks/Cashiers/ Upper Division Clerks Incharge/Head Clerks, 38 In-service training courses were conducted at various centres in which training was imparted to 697 employees. 13 'Induction' Training Courses for Lower Division Clerks were conducted by the Zonal Training Officers in which 298 employees received the training. In addition 9 special 'abbreviated' induction training courses were conducted which were attended by 190 newly recruited Lower Division Clerks.

In all 1341 officers and staff members of the Corporation and 60 Insurances Medical Officers received training during the year under report.

A delegation of 6 officers of the Social Security Organisation, Government of Malaysia, received training from 24-10-80 to 24-11-80 in the ESI Scheme with particular emphasis on Sickness Benefit, Maternity Benefit and Medical Benefit.

On the introduction of Cash System of payment of Contribution during the period under report, a one-day training session was arranged at Mangalore in Karnataka Region for the benefit of employers' representative, by the Zonal Training Officer and was attended by 41 representatives. A one-day training course was also organised for the Entrepreneurs of Naglol Industrial Complex, Delhi at their request in which 36 employers participated.

Three Officers of the Corporation attended a fort night's training programme on "Organisation & Administration of Training" conducted by the Central Labour Institute Bombay during the month of December, 1980.

**21. Publicity**

The publicity of the Scheme was carried out through the media of press, radio and television and the progress and achievements of the Scheme were highlighted. Talks on the Scheme were broadcast over various stations of All India Radio. Lectures were delivered by the Officers of the Corporation to the workers, employers and trainees at different centres. As a part of the educative publicity, the book-let 'You and Your Scheme' specially intended to educate the insured persons in regard to their rights and obligations as also the procedures for claiming benefits, was distributed.

A documentary film on ESI Scheme titled 'Protecting the Workers' was produced with the assistance of the Films Division. Eight prints of the film in 16 mm colour—two in English and one each in Tamil, Telugu, Bengali, Malayamla, Kannada and Assamese were procured by the Corporation for special publicity among the workers. Action was in hand to procure 2 prints in 16 mm colour in Hindi.

**22. Coverage**

No. of Employees etc. covered (Appendices IX & X)

Appendices IX and X give particulars regarding coverage under the Scheme (including additional sectors of employment). 75,858 employers stood covered under the Scheme as on 31-3-81 as against 67,807 a year back. Of these, 71,614 employers were in the implemented centres, the corresponding number last year being 64,600 and the remaining 4244 employers in areas yet to be implemented. The total number of employees in the implemented centres was 63,32 lakhs; the number of employees in the areas yet to be covered was 8.66 lakhs. The number of insured persons entitled to medical treatment was 71,62 lakhs and the number of family (insured person) units 71.62 lakhs. In all, the total number of beneficiaries (including the insured persons) entitled to medical treatment on 31-3-81 was estimated at 2,77.88 lakhs.

Definition of the terms 'Employees', 'Insured Persons' and 'Beneficiaries' :

(a) The number of the 'employees' as on a specified date is the estimated number of effective posts in the factories/ establishments covered under the Scheme. This would broadly represent the average number of employees per day employed by the factories/establishments round about that date and normally may not vary significantly from the number of employees actually employed on that date. It should, however, be noted that the actual number of persons who have occupied a particular sanctioned post during a period may be more, in as much as a leave reserve or badli worker may have officiated temporarily during absence, leave etc. of a regular worker.

(b) The number of 'insured persons' on any date indicates for purposes of this Report, the number of persons who may be deemed to be entitled to medical benefit on such date. Further, the number of 'insured persons' on any day would normally be in excess of the number of 'employees' as on that day because, under the eligibility conditions for medical benefit under the Act the persons entitled to medical benefit on any day would comprise not only the persons actually employed on that day but also the ex-employees, who by virtue of the contribution conditions during the period earlier to that would be entitled to such benefit on that date.

(c) The total number of 'beneficairies' on any date represents all the persons who may be deemed to be entitled to medical benefit under the Scheme on that date. It comprises the 'insured persons' and where medical benefit has been extended to families of insured persons, the members of their families. The total number of members of the families of insured persons (not including the insured persons) is arrived at by assuming an average of 2.88 members, for each 'insured person'.

23. Improvement in standard of medical care. Provision of hospital beds for in-patient treatment,

During the year 1980-81, 752 additional beds were provided in the following ESI Hospitals:

| | |
|---|---|
| 1. ESI Hospital, Dalmianagar (Bihar) | 22 |
| 2. ESI Hospital, Asramam (Kerala) | 20 |
| 3. ESI Hospital, Ezhukone (Kerala) | 50 |
| 4. ESI Hospital, Gwallor (M.P.) | 25 |
| 5. ESI Hospital, Ujjain (M.P.) | 35 |
| 6. ESI Hospital, Kandivili (Mah.) | 300 beds* |
| 7. ESI Hospital, Chaudwar (Orissa) | 12 |
| 8. ESI Hospital, Amritsar (Punjab) | 25 |
| 9. ESI Hospital, Jaipur (Rajasthan) | 113 |
| 10. ESI Hospital, Vellore (T.N.) | 50@ |
| 11. ESI Hospital, Asansol (W.B.) | 100@ |

Total number of beds provided under the ESI Scheme as on 31-3-81 was 19349, the details of which are given in appendix XI.

@ Newly Commissioned Hospitals.

* : Out of 650 beds constructed, only 300 have been commissioned.

24 During the year under report percentage of occupancy and the average recurring cost per bed per day in the E.S.I. Hospitals was as under

| Sl. No. | Name of the Hospital | No. of Beds Provided | | | | Unit Occupancy during the year 1980-81 | Cost per bed per day during the year 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | General | Maternity | T.B. | Total | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | ANDHRA PRADESH | | | | | | Rs. P. |
| 1. | ESI Hospital Sanathanagar Hyderabad. | 270 | 40 | — | 310 | 79% | 117.65@ |
| 2. | „ „ Sirpur Kagaznagar | 50 | 10 | — | 60 | 100% | 44.84 |
| 3. | „ „ Vijayawada | 80 | 16 | 14 | 110 | 92% | 49.74 |
| 4. | „ „ Warangal | 40 | 10 | — | 50 | 78% | 55.94 |
| 5. | „ „ Adoni | 40 | 10 | — | 50 | 85% | 44.27 |
| 6. | „ „ Visakhapatnam | 94 | 16 | — | 110 | 89% | 69.05 |
| | BIHAR | | | | | | |
| 7. | ESI Hospital, Maithon | 100 | — | — | 100 | 88% | 30.88 |
| 8. | „ „ Monghyr | 30 | — | — | 30 | 63% | 26.20 |
| 9. | „ „ Dalminagar | 46 | 16 | 10 | 72 | 71% | 25.77 |
| | DELHI | | | | | | |
| 10. | ESI Hospital, Basaidarapur | 310 | 90 | — | 400 | 100% | 73.74 |
| | GUJARAT | | | | | | |
| 11. | ESI Hospital, Bapunagar, Ahmedabad | 500 | — | — | 500 | 93% | 54.03 |
| 12. | „ „ Naroda, Ahmedabad | — | — | 225 | 225 | 69% | 36.80 |
| | HARYANA | | | | | | |
| 13. | ESI Hospital, Fridabad | 164 | — | 36 | 200 | 86% | 30.87 |
| 14. | „ „ Jagadhri | 60 | — | — | 60 | 73% | 76.23@ |
| 15. | „ „ Panipat | 15 | — | 35 | 50 | 85% | 93.377@ |
| | KARNATAKA | | | | | | |
| 16. | ESI Hospital, Rajajinagar, Bangalore | 335 | 35 | 44 | 414 | 111% | 23.28 |
| 17. | „ „ Dandeli | 24 | — | — | 24 | 110% | N.A. |
| 18. | „ „ Mangalore | 60 | — | — | 60 | 18%£ | 32.31 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | KERALA | | | | | | |
| 19. | ESI Hospital, Mulakunathakavu (Trichur District) | — | — | 110 | 110 | 72% | 25.00 |
| 20. | „ „ Asramam (Quilon District) | 101 | 38 | — | 139 | 133% | 18.60 |
| 21. | „ „ Alleppey | 51 | 4 | — | 55 | 100% | 31.50 |
| 22. | „ „ Peroorkada, (Trivandrum Distt.) | 65 | 10 | — | 75 | 115% | 33.30 |
| 23. | „ „ Olarikkara, Tirchur | 84 | 6 | — | 90 | 82% | 21.10 |
| 24. | „ „ Udyogmandal (Ernakulam Distt.) | 130 | 25 | — | 155 | 46%£ | 32.10 |
| 25. | „ „ Enrakulam | 55 | 10 | — | 65 | 79% | 31.10 |
| 26. | „ „ Vadavathoor | 59 | 6 | — | 65 | 68% | 36.50 |
| 27. | „ „ Parippally | 75 | 25 | — | 100 | 122% | 21.00 |
| 28. | „ „ Ezhukone | 150 | — | | 150 | 83% | 23.10 |
| | MADHYA PRADESH | | | | | | |
| 29. | ESI (General Hospital, Indore) | 136 | 20 | — | 156 | 70% | 33.95 |
| 30. | „ (Chest) Hospital, Indore | — | — | 52 | 52 | | |
| 31. | „ Hospital, Ujjan | 100 | — | — | 100 | 84% | 34.98 |
| 32. | „ „ Gwalior | 100 | — | — | 100(a) | 82% | 39.11 |
| | MAHARASHTRA | | | | | | |
| 33. | M.G.M. Hospital, Bombay | 668 | 17 | 15 | 700 | 96% | 50.55 |
| 34. | ESI Hospital, Mulund, Bombay | 495 | 145 | 10 | 650 | 92% | 65.19 |
| 35. | „ „ Worli, Bombay | 435 | 60 | 5 | 500 | 89% | 83.94@ |
| 36. | „ „ Ulhasnagar, Bombay | 80 | 20 | — | 100 | 70% | 70.49@ |
| 37. | „ „ Andheri, Bombay | 540 | 100 | 10 | 650 | 70% | 61.81 |
| 38. | „ „ Washi, Bombay | — | — | 600 | 600 | 87% | 35.48 |
| 39. | „ „ Nagpur | 170 | 30 | — | 200 | 87% | 58.65 |
| 40. | „ „ Aundh, Pune | 175 | 25 | 120 | 320 | 74% | 55.98 |
| 41. | „ „ Kandivill, Bombay | 220 | 80 | — | 300 | 40% | 159.25 Started functioning w.e.f. 19-8-80 |
| | ORISSA | | | | | | |
| 42. | ESI Hospital, Choudwar | 44 | 6 | 12 | 62 | 113% | 38.45 |
| 43. | „ „ Kansabahal | 40 | 10 | — | 50 | 61% | 66.51 |
| 44. | ESI Hospital, Brajrajnagar | 23 | 2 | — | 25 | 78% | 51.31 |
| 45. | „ „ Jaykaypur | 25 | — | — | 25 | 80% | 36.13 |
| | PONDICHERRY | | | | | | |
| 46. | ESI Hospital, Pondicherry | 50 | — | — | 50 | 71% | 70.08@ |
| | PUNJAB | | | | | | |
| 47. | ESI Hospital, Amritsar | 100 | 25 | — | 125 | 70% | 59.23 |
| 48. | „ „ Ludhiana | 75 | 25 | — | 100 | 110% | 73.87 |
| 49. | „ „ Jullundur | 80 | 20 | — | 100 | 73% | 70.41@ |
| | RAJASTHAN | | | | | | |
| 50. | ESI Hospital, Jaipur | 250 | — | — | 250 | 65% | 41.69 Upgraded w.e.f. 30-1-81 |
| | TAMIL NADU | | | | | | |
| 51. | ESI Hospital, Ayyanavaram, Madras | 486 | 100 | 39 | 625 | 69% | 61.00 |
| 52. | ESI Hospital, Coimbatore | 370 | 100 | 30 | 500 | 77% | 35.36 |
| 53. | „ „ Madurai | 140 | 50 | 12 | 202 | 81% | 33.86 |
| 54. | „ „ K.K. Nagar, Madurai | 140 | 40 | 26 | 206 | 51% | 47.85 |
| 55. | „ „ Vellore | 40 | 10 | — | 50 | N.A. | N.A. Commissioned w.e.f. 8-1-81 |

| | No. of Beds Provided | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **UTTAR PRADESH** | | | | | | |
| 56. ESI Hospital, Pandunagar, Kanpur | 212 | — | — | 212 | 99% | 31.08 |
| 57. „ „ (Chest) Azadnagar, Kanpur | .. | — | 180 | 180 | 77% | 30.34 |
| 58. „ „ (Gen. & Met.), Kanpur | 104 | 40 | — | 144 | N.A. | N.A. |
| 59. „ „ Modi Nagar | 76 | 24 | — | 100 | 82% | 58.15 |
| **WEST BENGAL** | | | | | | |
| 60. ESI Hospital, Sealdah | 212 | 18 | — | 230(b) | 78% | 45.03 |
| 61. „ „ Kumarhati | 172 | 4 | — | 176 | 83% | 43.75 |
| 62. „ „ Baltikuri | 280 | 20 | — | 300(c) | 80% | 36.26 |
| 63. „ „ Serampore | 216 | — | — | 216 | 55%£ | 41.55 |
| 64. ESI Hospital, Kalyani | 250 | — | — | 250 | 68% | 41.20 |
| 65. „ „ Uluberia | 216 | — | — | 216 | N.A.(e) | 39.00 |
| 66. „ „ Ballur-Bally | — | — | 150 | 150 | 97% | 35.42 |
| 67. „ „ Gaurhati | 216 | — | — | 216 | 92% | 36.40 |
| 68. „ „ Budge-Budge | 210 | 20 | — | 230(f) | 70% | 39.80 |
| 69. „ „ Manicktola | 150 | — | — | 150 | N.A. | 39.80 |
| 70. „ „ Kanyapur, Asansol | 50 | — | 50 | 100 | N.A.(e) | N.A. Co-missioned on 31-1-81 |

@Cost per bed per day is high. State Govt. requested to look into the cases.

£ Hospital has low occupancy. State Govt. requested to look into the matter.

(a) 25 beds have been sanctioned on 6-3-1981.

(b) Out of 250 beds sanctioned 230 beds have been commissioned.

(c) Out of 416 beds sanctioned 300 beds have been commissioned.

(e) N.A. denotes information not furnished by the State Govt.

(f) Out of 300 beds sanctioned 230 beds have been commissioned.

**25. Particulars in respect of Dispensaries, Specialists, Insurance Medical Officer/Insurance Medical Practitioners and Ambulances as on 31-3-1981 are shown in Appendix 'XI'**

**26. Provision of Artificial Limbs to Insured Persons and their family members.**

During the year under report, 62 insured persons and 15 family members were provided with artificial limbs. In all, 1,062 insured persons and 21 family members have been fitted or refitted artificial limbs so far, under the E.S.I. Scheme.

**26.1 Provision of Artificial Dentures to insured persons and their family members**

During the year under report, 69 insured persons and 1 family member were provided dentures free of cost. In all 171 insured persons and 2 family members have been provided with Artificial Dentiues so far under the E.S.I. Scheme.

**26.2 Provision of Spectacles to insured persons and their family Members**

During the year under report, 9,188 insured persons and 47 family members were provided spectacles free of cost under the E.S.I. Scheme.

**27. Family Welfare Activities**

In the year 1976, the E.S.I. Corporation took the responsibility to run Project No. IND/674/PO2 sponsored by the International Labour Organisation and funded by UNFPA for augmentation of the ESI Medical Scheme for education, motivation and provision of services for Family Welfare. The Project was sanctioned initially for a period of three years ending on 31-12-78. On review of its performance in the Tripartite Review meeting held on 25-9-78 and keeping in view the progress made by it, its activities were extended for another one year i.e. upto 31-12-79 and subsequently for another period of three months i.e. upto 31-3-80. As per the Project agreement, ESI Corporation has continued the project activities from 1-4-80 onwards as a part of medical care under the ESI Scheme.

The achievements made under the Family Welfare Project during the year 1980-81 are as under :—

| | |
|---|---|
| 1. Vasectomy | 3077 |
| 2. Tubectomy | 15223 |
| 3. Total Sterilisation performed | 18300 |
| 4. Intra-uterine devise inserted | 5920 |
| 5. Medical termination of pregnancy | 4559 |
| 6. Nrodh issued | 991050 |
| 7. Oral pills distributed | 65609 |
| 8. Equivalent sterilisations | 31660 |

**28. Immunisation Programme under ESI Scheme**

The All India Immunisation Programme under ESI Scheme was launched with effect from 14th November, 1973 by the then Hon'ble Minister for Labour in New Delhi. Since then the State Directors/AMOs are being requested to focus special attention to gear up this programme as it forms part and parcel of the benefits provided to the insured persons and their families under the ESI Scheme. During the year under report 7.35 lacs doses of Vaccines/Sera etc. were administered to the beneficiaries under ESI Scheme in the country bringing the total number of doses administered at the close of the year to 38.85 lacs.

**PROVISION OF MEDICAL BENEFIT**

**29. Attendences at Dispensaries and Hospitals and Home visits (Appendices XII & XIII)**

29.1 Statistics relating to (a) the attendance per annum per 1000 insured persons and also per 1000 family (insured person) units (b) the number of home visits in respect of Insured Persons and families and (c) the number of cases (i) admitted in hospitals and (ii) referred for specialist investigations in respect of insured persons, are given in these appendices. These figures are based on returns furnished primarily by the dispensaries and panel practitioners. For working out the level of medical attendance, the number of insured person/family. (Insured Person) units attached to the reporting dispensaries/ clinics only are deemed to be "exposed."

29.2 During the year under report, the All India rate of new attendance per 1000 insured persons increased from 2867 in 1979-80 to 3047; the number of old attendance per 1000 insured persons has registered a decrease from 5893 in 1979-80 to 5,525. This year the proportion of old attendance to new has been 1.81 against 2.06 experienced in 1979-80.

29.3 The All India rate of new attendance per 1000 family units decreased from 3,245 in 1979-80 to 3,205. The number of old attendance per 1000 family units has also decreased from 6,286 in 1979-80 to 5,881. The proporation of old attendance to new has decreased from 1.94 during 1979-80 to 1.83 in 1980-81.

29.4 The total number of home visits in respect of insured persons has increased by 1.71% compared to that in 1979-80. In respect of families also, there is an increase of 6.80%. The incidence of home visits as measured by the number of visits per 1000 insured persons has shown a decrease from 45 in 1979-80. to 42 in 1980-81.

29.5 The total number of cases admitted in hospitals has shown a decrease from 3,14,539 in 1979-80 to 2,76,592 in 1980-81. The number of cases referred for Specialist investigations has registered an increase from 14,28,381 in 1979-80 to 15,09,931 in 1980-81.

30. **Sickness Pattern (Appendix XIV)**

30.1 Information of the Sickness pattern for the country as a whole expressed as number of new cases per 1000 insured persons exposed, is indicated in this appendix for each of the 51 cause groups, separately for the insured workers and members of their families.

30.2 The incidence rates for all cause groups taken together is higher in 1980-81 than in 1979-80 in respect of insured persons and is lower in respect of their families. For every spell in respect of an insured person, there has been this year 1.052 fresh spells in respect of the members of the family of an insured person as against 1.132 if the year 1980-81. When it is borne in mind that as against one insured person, there are 2.88 family members, the incidence of morbidity, as measured by incidence of new cases, continues to be lower among members of the family of the insured persons when compared with the insured persons themselves.

30.3 Cause group-wise incidence of sickness in respect of insured persons bears a close resemblance to the corresponding rates experienced by members of the family of insured persons for almost all the diseases listed, However, wide deviation in incidence in a few cause groups only bring out in high relief the peculiar ailments to which the particular group (viz. insured persons or families) is comparatively more prone.

31. **Medical Referee**

The following is a detailed Statement of Full-time and Part-time Medical Referees posted at the end of the year in the respective States alongwith the No. of cases disposed of by them:——

| S.No. | Name of the State | No. of Medical Referees Full-time | Part-time | No. of cases Disposed-of during the year 1980-81 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Andhra Pradesh | — | 9 | 13451 |
| 2. | Assam | — | 5 | 0648 |
| 3. | Bihar | — | 15 | 6420 |
| 4. | Chandigarh Admn. | — | 1 | 195 |
| 5. | Delhi | 2 | — | 13156 |
| 6. | Goa | — | 1 | 235 |
| 7. | Gujarat | 3 | 11 | 68488 |
| 8. | Haryana | — | 9 | 5330 |
| 9. | Himachal Pradesh | — | — | |
| 10. | Karnataka | — | 16 | 12817 |
| 11. | Kerala | 1 | 5 | 13944 |
| 12. | Madhya Pradesh | 1 | 8 | 14477 |
| 13. | Maharashtra | | | |
| | (a) Greater Bombay | 2 | 7 | 27523 |
| | (b) Nagpur Area | — | 7 | 6935 |
| | (c) Western Maharashtra Region | 1 | 7 | 8497 |
| 14. | Meghlaya | — | — | — |
| 15. | Orissa | — | 9 | 2580 |
| 16. | Pondicherry | — | 1 | 6559 |
| 17. | Punjab | — | 15 | 3706 |
| 18. | Rajasthan | — | 13 | 5550 |
| 19. | Tamil Nadu | 2 | 3 | 106849 |
| 20. | Utter Pradesh | 2 | 25 | —@ |
| 21. | West Bengal | 1 | 11 | 28164 |
| | Total | 15 | 178 | 345524 |

@Figures for the year 1980-81 not received.

32. Expenditure on the Provision of Medical Benefit Payment authorised to State Governments

During the year under report a sum of Rs. 68,31,30,890.84 p. was authorised by the Corporation for payment to the State Governments against its share of the expenditure the provision of medical benefit under ESI Scheme. The break up of the above amount is as under:—

| | |
|---|---|
| 1. Final payment for 1974-75 | 20,65,457.05 |
| 2. Final payment for 1976-77 | 15,03,933.62 |
| 3. Final payment for 1977-78 | 9,24,264.90 |
| 4. Final payment for 1978-79 | 32,65,743.77 |
| 5. "On Account payment" for 1978-79 | 1,49,40,000.00 |
| 6. "On Account payment" for 1979-80 | 7,38,19,000.00 |
| 7. Final Payment for 1979-80 | 26,32,598.87 |
| 8. "On Account payment" for 1980-81 | 58,16,26,000,00 |
| 9. Payment towards Leave salary & Pension contribution upto 1969-70 "On Account payment." | 23,53,892.63 |
| Total | 68,31,30,890.84 |

33. Measures for Control Over Expenditure of Medical Care

The Corporation entered into Rate Contract with manufacturers of drugs in respect of more than 750 items of medicines, injections and durgs during the year under report. The Rate Contracts have been communicated to the State Governments for their operation.

**34. Provision of facilities in Ayurvedic system of Medicine in Delhi.**

The Ayurvedic Dispensaries sanctioned for Delhi (Medical) Scheme are currently located in the premises of existing ESI dispensaries at Kishan Ganj No. II and New industrial Area.

35. Efficiency in the working of the Local Offices.

During the year under report, the Ledger System was in operation in 399 Local Offices out of 460 Local Offices (including Mini-Local Offices) in the country. The Teller System was in operation in 47 Local Offices on an experimental basis.

36. **Improvement In Cash Benefits**

The E.S.I. Corporation in its meeting held on 14.12.80 decided that:—

(i) The rate of disablement and dependants' benefit may be increased from 125% to 140% of the standard benefit rate with effect from 1.1.1981.

(ii) An increase in the amount of all the existing cases of Permanent Disablement Benefit and dependants' Benefit where the disablement or death occurred on or before 31.3.78 may be granted with effect from 1st April, 1980 at the following rates :—

| | |
|---|---|
| (a) Cases where the disablement or death occurred on or betore 31.3.75 | 20% of basic amount (excluding the increase already granted with effect from 1.10.77). |
| (b) Cases where the disablement or death occurred between 1.4.75 and 31.3.78. | 15% of the basic amount. |

2. The Corporation in its meeting held on 14.12.80 approved the grant of Funeral Benefit in respect of deceased insured persons who were at the time of death in receipt of medical benefi other-wise then under the normal rules governing title to medical care.

**CASH BENEFITS**

**(Appendices XVI TO XVIII)**

37. Number of cash benefit payments (Col 4 of Appendix XVI)

37.1 Cash benefits are paid at the local/Miniature/Sub-Local/Pay Offices set up by the Corporation in different areas. The number of such offices was 724 on 31st March 1981 as against 691 a year earlier.

37.2 The total number of cash benefit payments made in each state during the year 1979-80 and 1980-81 is shown in column 4. In all 95.05 lakh payments (including 13,378 claims relating to lumpsum payments in respect of request for commutation of permanent disablement claims) were effected during the year 1980-81 . These were 9.58 lakhs more than those during the preceeding year. On the average, 7.92 lakhs payments were effected every month as against 7.12 lakhs payment during 1979-80. The number of payments per employee has increased fom 1.48 in 1979-80 to 1.60 in 1980-81.

38. Sickness Benefit (Columns 3 and 6 to 8 of Appendix XVI).

38.1 As a result of implementation of the benefit provision of the Scheme in new centres and to new sectors of employment between 1 July,1979 and 30th June, 1980 and also due to the increase in employment the already implemente areas, an additional 2.03 lakh employees became eligible for sickness benefit during the year under report. The total number of employees entitled to claim sickness benefit during the year 1980-81 is estimated at 59.47 lakhs as against 57.44 lakhs last year (vide Column 3).

38.2 During the year, an amount of Rs. 49,22.14 lakhs was paid as sickness cash benefit as against Rs. 42,96,75 lakhs in 1979-80.

38.3 The average number of fresh spells per employee during 1980-81 has increased from 1.00 in 1979-80 to 1.02 in 1980-81; the average number of benefits days per annum per employee during 1980-81 has also incresed from 7.8 in 1979-80 to 8.0 in 1980-81. The amount of daily rate of benefit per employee has increased from Rs. 9.54 in 1979-80 to Rs. 10.29 in 1980-81.

38.4 As in the preceeding years this year also witnessed vide variations among the States in respect of incidence and duration of sickness benefit claims. The incidence was high in Bihar, Karnataka, Madhya Pradesh & Tamil Nadu. The Director General has been keeping continuous watch over the duration of sickness claims at various centres. The relevant statistics received at the Headquarters every month are analysed periodically and any abnormal variation in the trend in any centre is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enabling them to take prompt remedial measures whenever necessary and possible.

Excessive Sickness Benefit under Section 58(2).

38.5 The incidence of Sickness benefit payment to Insured persons had been found to exceed the all India average in certain States. The excessive sickness benefit for the year 1979-80 has been shared between the Corporation and the State Government as under:—

| Sl. No. | Name of the State Government | Total Sickness benefit amount paid in the State (actual) | State Govt.'s Share of excess over All India Average. |
|---|---|---|---|
| | | Rs. | Rs. |
| 1. | Bihar . . . . | 1,20,47,839 | 7,55,840 |
| 2. | Madhya pradesh . . | 2,14,59,728 | 36,19,495 |
| 3 | Tamil Nadu . . . | 8,61,75,747 | 2,75,46,319 |

**39. Extended Sickness Benefits (Cols. 9 & 10 of Appendix XVI)**

39.1 Insured Persons suffering from certain specified disease, e.g. tuberculosis, leprosy, mental and malignant diseases etc. are eligible for Extended Sickness Cash Benefit for an extended period beyond 91 days of sickness benefit.

39.2 For the year 1980-81, a sum of Rs. 3,81.03 lakhs was paid to insured persons on this account as against Rs. 3,25.98 lakhs in the previous year.

39.3 The incidence of Extended Sickness Benefit claims expressed as the number of claims per 1,000 employees exposed to risk and also the duration of terminated claims are shown for the year 1979-80 and 1980-81 in columns 9 and 10 of Appendix XVI. The incidence was high in Madhya Pradesh, Maharashtra and West Bengal.

**40. Maternity Benefit (Columns 11 and 12 of Appendix XVI).**

40.1 The number of women employees eligible for Maternity Benefit has increased from 4,58,600 in 1979-80 to 4,62,700 in 1980-81. The total amount paid as maternity claims was Rs 2,11.06 lakhs, as against Rs. 1,94.91 lakhs in 1979-80. The average amount of benefit per maternity claim has increased from Rs. 860 in 1979-80 to Rs. 960 in 1980-81.

40.2 The number of claims per 1000 insured women employees has decreased from 49.4 in 1979-80 to 47.5 in 1980-81.

**41. Temporary Disablement Benefit (Columns 3 to 6 of Appendix XVII).**

During the year 1980-81 the number of employees exposed to employment injury was 61.58 lakhs, as against 58.99 lakhs during 1979-80 (vide col. 3). The sum paid as temporary disablement benefit during 1980-81 was Rs. 8,66.57 lakhs as against Rs. 6,93.68 lakhs in 1979-80. The average number of fresh spells and the number of benefits days per employee and the average benefit rate are 0.08, 1.19 and Rs. 11.79 respectively as against corresponding figures of 0.07, 1.10 and Rs. 10.72 in 1979-80 (*vide* col. 4 to 6). The average duration per spell has

increased from 14.66 to 14.84 days. As in the last year, this year also recorded variations in different states in the incidence and duration of these claims. The incidence was high in Gujarat, Madhya Pradesh and West Bengal.

**42. Permanent Disablement Benefit (Cols. 7 to 10 of Appendix XVIII).**

42.1 The number of fresh cases admitted during the year 1980-81 was 20,792 as against 15,622 during the previous year. The incidence per 1000 insured employees increased from 2.65 in 1979-80 to 3.38 in 1980-81.

42.2 The number of claimants on the Fund increased from 41,736 at the beginning of the year to 45,982 at the end (vide column 10). The actual amount disbursed as benefit was Rs. 7,28.96 lakhs (including the commuted amount of Rs. 3,67.30 lakhs) as against Rs. 5,78.70 lakhs including the commuted amount of Rs. 2,91.20 lakhs in 1979-80.

42.3 The capitalised Value of Permanent Disablement Benefit claims in respect of fresh cases admitted during the year was Rs. 900.45 lakhs excluding an additional amount of Rs. 2,70.42 lakhs as one time adjustment on account of enhancement of rates of benefits with effect from 1-4-80 in cases where disablement occurred before 1-4-78, as against Rs. 6,50.83 lakhs in 1979-80. The Permanent Disablement Benefit Reserve Fund stood at Rs. 24,99.31 lakhs at the close of the year, the corresponding amount at the beginning of the financial year being Rs. 20,05.66 lakhs.

42.4 The number of claimants to Permanent Disablement Benefit who have opted for receipt of commuted value in lieu of periodic payments increased from 10,477 in 1979-80 to 13,378 in 1980-81.

**43. Permanent Disablement Benefit Claims (Appendix XVIII)**

43.1 Analysis of 20,792 cases of permanent disablement admitted during the year was made according to (a) the main groups of industry and (b) the incidence of claims per 1000 employees exposed industry-wise. As in the last year, the highest number of accidents was recorded in 'Textiles' followed at a distance by 'Metallic Minerals' and 'Non Metallic Minerals' The incidence is high in 'Textiles'. From a comparison of the corresponding incidence for the year 1979-80 it is observed that the incidence experienced this year bears a close resemblance to that experienced last year in most of the industries.

43.2 The average degree of permanent disablement experienced was 8.18 as against 8.37 as for the last year. The largest number of accidents occurred in the eighth wage group i.e., between the daily wages of Rs. 16 and Rs. 24.

43.3 The number of permanent disablement benefit cases that arose among women employees is only 156. The incidence is low presumably because women are not generally employed on hazardous occupations.

**44. Dependants' Benefit (Column 11 and 12 of Appendix XVII)**

44.1 The number of fresh claims admitted for Dependants' Benefit during the year under review increased from 525 in 1979-80 to 926 (vide column 11). The total number of dependants admitted during the year was 2643.

44.2 The category-wise distribution of all the dependent as at the beginning and end of the year is as under:—

| Description | As on 31st March 1980 | 1981 |
|---|---|---|
| Widow | 5,437 | 6,143 |
| Son and Daughter | 8,995 | 10,231 |
| Father | 821 | 995 |
| Mother | 1,088 | 1,263 |
| Other dependant children | 761 | 878 |
| Total | 17,102 | 19,470 |

44.3 The amount paid as dependants' benefit has increased from Rs. 1,18.59 lakhs in 1979-80 to Rs. 1,40.82 lakhs in 1980-81. The capitalised value in respect of dependants' benefit claims admitted during the year was Rs. 3,11.36 lakhs excluding an additional amount of Rs. 1,59.58 lakhs as one time adjustment on account of enhancement of rates of benefits with effect from 1-4-80 in cases where death occurred before 1-4-78 as against the capitalised value of Rs. 1,76.48 lakhs in 1979-80 The Dependants' Benefit Reserve Fund stood at Rs. 15,08.59 lakhs on 31st March, 1981 as against Rs. 11,48.83 lakhs on 31st March, 1980.

Contribution Enforcements :

**45. Income from Contributions.**

During the year 1980-81 total amount collected by way of contribution was Rs. 1,79,76,56,540.

**46. Mode of Collection of Contributions**

The collection of contribution was in the form of adhesive ESI Stamps, which were sold through the Bankers of the Corporation. However, as an experimental measure, collection of contribution by cash in place of contribution stamps was introduced for the first time in Delhi Region w.e.f. 30-11,1975 and later extended in a phased manner to other Regions. Encouraged by the experience gained in the Regions, where this system was found to be working satisfactorily, the cash system has now been introduced throghout the Country. The users of Franking Machines numbering 621, are also being advised to switch over to the payment of contribution under cash system.

**47. Inspection**

During the year under report, progress of the inspection work continued to be under close watch of the Headquarters Office. Inspectors continued to provide guidance and training to employers and their staff in maintaining record and complying with the various provisions of the ESI Act, and Regulation framed thereunder.

At the end of the year, there were in all 411 ESI Insurane Inspectors including 37 leave reserve Inspectors. The total number of Inspections conducted during the year was 49543.

**48. Realisation of ESI Arrears.**

A total sum of Rs. 41,23.56 lakhs was in arrears against the defaulting employers since A-day upto 29-12-80 as on 31-3-81. Region-wise statement showing the position of ESI arrears and the factories/establishments which are in deficit of ESI dues of Rs. one lakh and above as on 31-3-81, are at Appendices XX and XXI respectively.

The realisation of ESI arrears continued to receive special attention of the Corporation and all out effort were made to realise these to the maximum extent possible.

**49. Legal Action**

The amount involved in respect of Court/Revenue Recovery cases instituted during the year as also the amount recovered under various Sections of the ESI Act, is shown Region-wise in Appendix XIX.

50. Budget and Finance

The Budget Estimates for the year 1981-82 were adopted by the Corporation at its meeting held on 7-2-1981. The approval of the Central Government to these estimates was conveyed on 31-3-1981. The Budget Estimates were laid on the tables of the Lok Sabha and Rajya Sabha on the 8th April, 1981 and 23rd April, 1981, respectively.

The following table shows the income and expenditure of the Corporation during the years 1979-80, 1980-81 and Budget Estimates 1981-82.

| Head of Account | 1979-80 (in lakhs of rupees) | 1980-81 | 1981-82 Budget Estimates |
|---|---|---|---|
| I. INCOME | | | |
| Contributions . . | 1,59,76.04 | 1,79,76.57 | 1,88,80.00 |
| Other Income . . (Interest on investment of General Cash Balance, Receipts from rents of Hospitals/ Dispensaries and Staff quarters and other miscellaneous receipts). | 10,03.00 | 13,44.96 | 13,61.47 |
| Total . . | 1,69,79.04 | 1,93,21.53 | 2,02,41.47 |
| II. EXPENDITURE | | | |
| Benefits to insured persons and their families : | | | |
| A—Medical Benefit . | 63,59.27 | 71,78.51 | 79,98.88 |
| B—Cash Benefit . | 63,55.23 | 80,41.45 | 77,60.46 |
| C—Other Benefits . | 17.32 | 21.68 | 22.14 |
| Administrative Expenses | 11,37.56 | 14,10.42 | 15,38.99 |
| Other Expenses (1) Provision for repairs and maintenance and depreciation of hospitals, dispensaries, offices, buildings and staff quarters | 20,49.41 | 21,53.82 | 23,28.12 |
| (2) Contribution to Capital Construction and Emergency Reserve Funds | | | |
| TOTAL . . | 1,59,18,79 | 1,88,05.88 | 1,96,48.59 |

**51. Banking Arrangements**

During the year, 23 bank accounts were opend for the Offices of the Corporation with the branches ofthe State Bank of India and one account with the United Bank of India, a nationalised bank. The total number of bank accounts as on 31st March, 1981 was 556.

Consequent on the extension of the system of collection of contributions under the ESI Scheme, in cash in stead of payment through ESI contribution stamps all over the country the total number of bank branches handling the sale of ESI contribution stamps as on 31-3-1981 continues to remain at 405 These accounts will be closed soon after the reconciliation of ESI contribution stamps accounts is completed.

**52. Reserve Funds and Investment**

The investments of the Corporation pertaining to different Funds/Reserve Funds and General Cash Balances as on the 31st March, 1980 and 31st March, 1981 were as under:—

| Name of Fund/Balance | As on 31-3-80 (Rupees in lakhs) | As on 31-3-81 |
|---|---|---|
| 1. E.S.I.C. Provident Fund . . | 5,21.25 | 6,18.92 |
| 2. E.S.I.C. Group Insurance Fund | 4.39 | 7.66 |
| 3. Provident Fund Deposit Linked Insurance Fund . . . | 1.66 | 1.94 |
| 4. Compassionate Reserve Fund . | 0.26 | 0.25 |
| 5. Pension Reserve Fund . . | 9,39.20 | 10,10.12 |
| 6. Depreciation, Reserve Fund of Buildings for the offices of the Corporation (including staff quarters) . . . . . | 40.43 | 45.55 |
| 7. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings . . . | 4,61.80 | 5,20.13 |
| 8. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars . . . . | 6.22 | 6.38 |
| 9. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Buildings for the offices of the Corporation (including staff quarters) . . | 26.03 | 35.00 |
| 10. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings | 5,63.04 | 6,55.76 |
| 11. Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund . . . . . | 20,05.65 | 24,99.31 |
| 12. Dependants' Benefit Reserve Fund . . . . . | 11,48.83 | 15,08.59 |
| 13. Capital Construction Reserve Fund . . . . . | 47,26.24 | 56,41.79 |
| 14. Emergency Reserve Fund . | 38,91.86 | 40,20.70 |
| 15. Investment of General Cash Balance . . . . . | 1,32,48.10 | 1,32,06.63 |
| TOTAL . . . . | 2,75,84.96 | 2,97.78,73 |

The amounts under earmarked reserve funds and non-earmarked reserve funds are shown as under:—

| | | |
|---|---|---|
| Earmarked Reserve Funds . . (including Capital Construction Reserve Fund). | 1,04,45.00 | 1,25,51 40 |
| Non-earmarked Reserve Funds . (Emergency Reserve Fund and General Cash Balance). | 1,71,39.96 | 1,72,27.33 |
| TOTAL . . . . . | 2,75,84.96 | 2,97,78.73 |

The Reserve Funds at Serial No. 1 to 12 above are to meet the respective liabilities of the Corporation. Annual accretions to these funds are made on recognised/approved/basis/norms. Yearly contribution to Capital Construction Reserve Fund and Emergency Reserve Fund is made on the following basis.

Capital Construction Reserve Fund

In its meeting held on the 2nd February, 1974, the Corporation decided that 10% of the total revenue derived from employers' and Employees' contribution may be credited to the Capital Construction Reserve Fund for construction of hospitals/dispensaries/other Medical institutions and office buildings/ staff quarters in the ratio of 8 : 2, respectively.

**Emergency Reserve Fund**

As decided by the Corporation in its meeting held on 17th March, 1973, 20% of the excess of income over expenditure (whole of the excess when it is less than rupees one crore) is to be credited to the Emergency Reserve Fund.

The Funds stand invested as under:—

| | As on 31-3-1980 | As on 13-3-1981 |
|---|---|---|
| | (Rupees in lakhs) | |
| Government Securities . . . | 2,35.34 | 1,95.74 |
| Term Deposit with State Bank of India . . . . . | 2,73,49.62 | 2,95,82.99 |
| TOTAL . . . . . | 2,75,84.96 | 2,97,78.73 |

**53. Income and Expenditure Account for 1980-81 and Balance Sheet as on 31st March, 1981.**

The Income and Expenditure Account for the year 1980-81 and Balance Sheet as at the 31st March, 1981, are as Appendices XXII and XXXII respectively.

**54. Audit Reports**

I. The audit of the Director of Audit, Central Revenues, on the accounts for the year 1980-81 is in progress and report awaited.

II. The Audit Report on the accounts of the Corporation for the year 1979-80 was forwarded by the Director of Audit, Central Revenues, to the Ministry of Labour on the 12th December, 1980. At its meeting held on the 13th December, 1980, the Standing Committee considered the audited accounts and recommended adoption thereof by the Corporation. After adoption by the Corporation on the 14th December, 1980, the audited accounts were sent to the Central Government on the 20th December, 1980. The same were laid on the tables of Lok Sabha and Rajya Sabha on the 19th February, 1981.

**55. Relative Cost of Administration**

The Statement at Appendix XXII shows the relative cost of administration during the years 1975-76 to 1980-81. Information regarding the number of ESIC staff members per lakh insured employees, number of cash benefit payments per ESIC employee and the comparative cost of administration during the years from 1976-77 to 1980-81 with reference to cost of cash and medical benefits and amount of contributions collected is given below :—

| | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79 | 1979-80 | 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. No. of ESIC staff per lakh insured employees . . | 160 | 168 | 167 | 173 | 170 |
| 2. No. of cash benefit payments per ESIC employee . | 656 | 770 | 818 | 827 | 884 |
| 3. Contribution collected per ESIC employee . . | Rs. 1,42,621 | Rs. 1,41,355 | Rs. 1,51,065 | Rs. 1,54,597 | Rs. 1,67,255 |
| 4. Percentage of Administrative expenditure in relation to cash and medical benefits . . . . . | 12.38% | 10.98% | 9.40% | 8.93% | 9.25% |
| 5. Percentage of Administrative expenditure in relation to contribution . . . . . | 6.98% | 7.24% | 6.78% | 7.12% | 7.85% |

APPENDIX I

Extension of Employees' State Insurance Scheme during 1980-81

Part–A—Implementation in new areas

| State | Centre/Area | Date of implementation | No. of employees (provisional estimated figures) | Medical care for families | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Date of extension | No. of families (I.P. Units covered) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Karnataka . . . . . | Bijapur | 7-12-80 | 1300 | 7-12-80 | 1400 |
| Kerala . . . . . | Edappal | 8-2-81 | 1000 | 8-2-81 | 1100 |
| | Vellur | 15-2-81 | — | 15-2-81 | — |
| | Karikode | 22-3-81 | — | 22-3-81 | — |
| M.P. . . . . | Sagar | 28-12-80 | 500 | 28-12-80 | 650 |
| Maharashtra . . . . . | Revenue Villages of Manjari, Theragaon and Mundhawa in the District Pune. | 24-8-80 | — | 24-8-80 | — |
| Meghalaya . . . . . | Shillong | 29-9-80 | 1000 | 28-9-80 | 1100 |
| Orissa . . . . . | Tora | 25-1-81 | 2000 | 25-1-81 | 2150 |
| | Paradeep | 13-3-81 | 2000 | 1-3 81 | 2150 |
| | Kalunga | 1-3-81 | 2500 | 1-3-81 | 2650 |
| | Dhanmandal | 15-3-81 | 2000 | 15-3-81 | 215 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| Punjab . . . . . | Extended Municipal limits of Ludhiana. | 24-8-80 | 2400 | 24-8-80 | 3000 |
| | Abohar | 9-11-80 | — | 9-11-80 | — |
| | Sheikhupura in the District Kapurthala. | 7-12-80 | 350 | 7-12-80 | 350 |
| | Extended Municipal limits of Hoshiarpur Extended Municipal limits of Malerkotla | 7-12-80 | 1200 | 7-12-80 | 1500 |
| | Revenue Village & Azamgarh & Sheikhon (Contiguous areas of Abohar) | 18-1-81 | — | 18-1-81 | — |
| | | 1-3-81 | — | 1-3-81 | — |
| Rajasthan . . . . . | Banswara | 22-6-80 | 1400 | 22-6-80 | 1750 |
| | Debari | 22-6-80 | 1600 | 22-6-80 | 2000 |
| | Basni | 7-9-80 | 700 | 7-9-80 | 900 |
| | Bhilwara | 21-9-80 | 50 | 21-9-80 | 50 |
| | Gulabpura | 21-9-80 | 2100 | 21-9-80 | 2650 |
| | Vishwakarma | 26-10-80 | 2100 | 26-10-90 | 2650 |
| | Kankroli | 21-12-80 | 1300 | 21-12-80 | 1650 |
| Tamil Nadu . . . . . | Malumichampti & Seerapalayam. | 3-8-80 | — | 3-8-80 | — |
| U.P. . . . . | Sardarnagar | 19-10-80 | 800 | 19-10-80 | 900 |
| | Kakretha (Agra) | 28-12-80 | — | 28-12-80 | — |
| West Bengal . . . . . | Asansol & Raniganj | 1-2-81 | 23000 | 1-2-81 | 28750 |
| Union Territory of Chandigarh . . . | Entire area within the limits of Union Territory of Chandigarh | 23-11-80 | — | 23-11-80 | — |
| | | | 49,300 | | 59,500 |

APPENDIX 1

Part-B—Extension of E.S.I. Scheme to New Classes of Establishments

| State | Centre | Date of extension | Establishments covered | No. of employees (Provisional estimated Figures) | Medical care to families (date of extension) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kerala | Alayamon, Thalavoor, Pidavoor, Ittiva, Elamad, Kadakkal, Erathu and Chadayamangalam. | 7-6-80 | (i) Power using factories employing 10—19 persons.<br>(ii) Non-power using factories employing 20 or more persons; and<br>(iii) Hotels, Restaurants, Shops, road motor transport Establishments, cinemas including preview theatre and Newspaper establishments employing 20 or more persons. | 4670 | 7-6-80 |
| Rajasthan. | Bechhwal. | 27-12-80 | Do. | 50 | 27-12-80 |
| U.P. | Agra, Allahabad includes Naini Bamrauli, Lucknow and Varanasi. | 14-3-81 | Do. | 21500 | 14-3-81 |
| | | | | 26220 | |

## APPENDIX–II

### E.S.I. Hospitals and Annexes

Hospitals :

| Sl. No. | State | Place | No. of beds | | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | Genl. | T.B. | |
| 1 | 2 | 3 | 4(i) | 4(ii) | 5 |
| (i) | Andhra Pradesh | Hyderabad | 310 | — | |
| (ii) | Andhra Pradesh | Sripurkagaznagar | 110 | — | |
| (iii) | Andhra Pradesh | Visakhapatnam | 110 | — | |
| (iv) | Andhra Pradesh | Adoni | 50 | — | |
| (v) | Andhra Pradesh | Warrangal | 50 | — | |
| (vi) | Andhra Pradesh | Vijayawada | 100 | 10 | |
| (vii) | Bihar | Maithon | 110 | — | |
| (viii) | Bihar | Monghyr | 30 | — | |
| (ix) | Bihar | Dalmianagar | 72 | | |
| (x) | Delhi | Delhi | 400 | | |
| (xi) | Gujarat | Naroda, Ahmedabad | — | 20 | |
| (xii) | Gujarat | Bapunagar, Ahmedabad | 500 | — | |
| (xiii) | Haryana | Faridabad | 188 | — | |
| (xiv) | Haryana | Yamunanagar | 60 | — | |
| (xv) | Haryana | Panipat | 15 | 35 | |
| (xvi) | Kerala | Mulakunnathakavu | — | 110 | |
| (xvii) | Kerala | Asramam | 115 | — | |
| (xviii) | Kerala | Alleppey | 55 | — | |
| (xix) | Kerala | Peroorkada | 75 | — | |
| (xx) | Kerala | Trichur | 90 | — | |
| (xxi) | Kerala | Udyogmandal | 150 | — | |
| (xxii) | Kerala | Ernakulam | 65 | — | |
| (xxiii) | Kerala | Vadavathur | 65 | — | |
| (xxiv) | Kerala | Paripally | 100 | — | |
| (xxv) | Kerala | Exhukone | 150 | — | |
| (xxvi) | Karnataka | Rajajinagar, Bangalore | 380 | 40 | |
| (xxvii) | Karnataka | Dandeli | 50 | — | |
| (xxviii) | Karnataka | Mangalore | 60 | — | Additional 40 beds are under construction. |
| (xxix) | Madhya Pradesh | Indore | 150 | — | |
| (xxx) | Madhya Pradesh | Indore | — | 75 | |
| (xxxi) | Madhya Pradesh | Ujjain | 85 | 15 | |
| (xxxii) | Madhya Pradesh | Gwalior | 75 | — | |
| (xxxiii) | Maharashtra | M.G.M. Hospital, Bombay | 700 | — | |
| (xxxiv) | Maharashtra | Worli, Bombay | 550 | — | |
| (xxxv) | Maharashtra | Kandivalli, Bombay | 650 | — | Hospital commissioned on 19-8-80 |
| (xxxvi) | Maharashtra | Nagpur | 200 | — | |
| (xxxvii) | Maharashtra | Mulund, Bombay | 110 | 540 | |
| (xxxviii) | Maharashtra | Aundh, Pune | 410 | — | |
| (xxxix) | Maharashtra | Ulhasnagar, Bombay | 200 | — | |
| (xl) | Maharashtra | Andheri, Bombay | 650 | — | |
| (xli) | Maharashtra | Washi, New Bombay | 650 | — | |
| (xLii) | Orissa | Choudwar | 50 | — | |
| (xLiii) | Orissa | Kansabahal | 50 | — | |
| (xLiv) | Orissa | Brajarajnagar | 50* | — | |
| (xLV) | Orissa | J.K. Pur | 25 | — | |
| (xLvi) | Pondicherry | Pondicherry | 50 | — | |
| (xLvii) | Punjab | Amritsar | 125 | — | |
| (xLviii) | Punjab | Ludhiana | 80 | — | |
| (xLix) | Punjab | Jullundur | 100 | — | |
| (L) | Rajasthan | Jaipur | 139 | — | |
| (lL) | Tamil Nadu | Madras | 625 | — | |
| (Lli) | Tamil Nadu | Coimbatore | 500 | — | |
| (Liii) | Tamil Nadu | Madurai | 177 | 25 | |
| (Liv) | Tamil Nadu | South Madras | £500 | — | |
| (Lv) | Tamil Nadu | Vellore | 50 | — | Hospital commissioned on 8-1-1981. |

| 1 | 2 | 3 | 4(i) | 4(ii) | 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| (Liv) | Uttar Pradesh | Kanpur (Genl.) | 212 | — | |
| (Lvii) | Uttar Pradesh | Kanpur (Chest) | — | 180 | |
| (Lviii) | Uttar Pradesh | Kanpur (Women & Children) | 144 | — | |
| (Lix) | Uttar Pradesh | Modinagar | 100 | — | |
| (Lx) | West Bengal | Kamarhatti | 175 | — | |
| (Lxi) | West Bengal | Balur-Bally | — | 150 | |
| (Lxii) | West Bengal | Serampore | 216 | — | |
| (Lxiii) | West Bengal | Uluberia | 216 | — | |
| (Lxiv) | West Bengal | Baltikuri-Bankra | 416 | — | |
| (Lxv) | West Bengal | Kalyani | 266 | — | |
| (Lxvi) | West Bengal | Sealdah | 250 | — | |
| (Lxvii) | West Bengal | Gourhati | 216 | — | |
| (Lxviii) | West Bengal | Budge-Budge | 300 | — | |
| (Lxix) | West Bengal | Maniekt olla | 500 | — | |
| (Lxx) | West Bengal | Kanyapur-Asansol | 60 | 90 | Hospital commissioned on 31-1-81. |
| | | Total | 13,482 | 1,470 | |

*Includes 25 beds under construction.
£Includes 294 beds under construction.

ANNEXES :

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (i) | Andhra Pradesh | Irrumnuma | — | 24 | |
| (ii) | Bihar | Itki | — | 20 | |
| (iii) | Haryana | Faridabad | — | 12 | |
| (iv) | Haryana | Hissar | 12 | — | |
| (v) | Haryana | Sonepat | 12 | — | |
| (vi) | Himachal Pradesh | Dharampur | — | 12 | |
| (vii) | Karnataka | Bangalore | — | 32 | |
| (viii) | Kerala | Pulayanarkota | — | 24 | |
| (ix) | Maharashtra | Nagpur | — | 25 | |
| (x) | Orissa | Choudwar | — | 12 | |
| (xi) | Orissa | Rajgangpur | 16 | — | Annexe commissioned on 6-8-80 |
| (xii) | Punjab | Amritsar | — | 12 | |
| (xiii) | Chandigarh | Chandigarh | 40 | — | |
| (xiv) | Rajasthan | Jaipur | — | 15 | |
| (xv) | Rajasthan | Bari-Udaipur | — | 16 | |
| (xvi) | Rajasthan | Pali | 12 | — | |
| (xvii) | Rajasthan | Bhilwara | 24 | — | (12 under constn.) |
| (xviii) | Rajasthan | Jodhpur | 20 | — | |
| (xix) | Rajasthan | Sriganganagar | 12 | — | |
| (xx) | Rajasthan | Kota | 24 | — | |
| (xxi) | Rajasthan | Udaipur | 12 | — | |
| (xxii) | Rajasthan | Bharatpur | 24 | — | (12 under constn ) |
| (xxiii) | Tamil Nadu | Sivakasi | 12 | — | |
| (xxiv) | Tamil Nadu | Tambaram | — | 52 | |
| (xxv) | Tamil Nadu | Koilpatti | 32 | — | |
| (xxvi) | Tamil Nadu | Lalgudi | 10 | — | |
| (xxvii) | Tamil Nadu | Nagarcoil | — | 26 | |
| (xxviii) | Tamil Nadu | Cauvery Nagar | 10 | — | |
| (xxix) | Uttar Pradesh | Modinagar | — | 24 | |
| (xxx) | Uttar Pradesh | Rampur | 24 | — | |
| (xxxi) | Uttar Pradesh | Meerut | 12 | — | |
| (xxxii) | Uttar Pradesh | Moradbad | 24 | — | |
| (xxxiii) | Uttar Pradesh | Mirzapur | 24 | — | |
| (xxxiv) | Uttar Pradesh | Shikohabad | 24 | — | |
| (xxxv) | Uttar Pradesh | Gorakhpur | 24 | — | Annexes commissioned on 18-1-80 |
| | | TOTAL : | 404 | 306 | |

## APPENDIX III

Type of Medical Care to Employees' Family Units as on 31-3-1980 and 31-3-1981.

| Sl. No. | Name of the State | Restricted Care | | Expanded Care | | Full Care. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 31-3-80 | 31-3-81 | 31-3-80 | 31-3-81 | 31-3-80 | 31-3-81 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | Andhra Pradesh | — | — | 700 | — | 2,39,300 | 2,55,000 |
| 2. | Assam | — | — | — | — | 32,000 | 34,000 |
| 3. | Bihar | — | — | 1,02,200 | 21,27,850 | 37,800 | 32,150 |
| 4. | Chandigarh | — | — | 14,300 | 19,000 | — | — |
| 5. | Delhi | — | — | — | — | 2,65,000 | 2,78,000 |
| 6. | Gujarat | — | — | 1,55,100 | 1,57,150 | 3,94,900 | 4,02,850 |
| 7. | Haryana | — | — | — | — | 1,94,000 | 2,05,000 |
| 8. | Himachal Pradesh | — | — | 1,200 | 1,200 | — | — |
| 9. | Karnataka | — | — | 73,500 | — | 2,26,500 | 3,20,000 |
| 10. | Kerala & Mahe | — | — | — | — | 3,08,000 | 3,20,000 |
| 11. | Madhya Pradesh | — | — | — | — | 1,60,000 | 1,75,000 |
| 12. | *Maharashtra :* | | | | | | |
| | (a) Bombay Area | — | — | — | — | 11,46,000 | 11,70,000 |
| | (b) Goa Area | — | — | — | — | 19,500 | 20,000 |
| | (c) Nagpur | — | — | 31,100 | 37,550 | 43,900 | 47,450 |
| | (d) Poona Area | — | — | 52,500 | 64,800 | 1,92,500 | 1,92,200 |
| 13. | Orissa | — | — | — | — | 1,09,000 | 1,21,000 |
| 14. | Pondicherry | — | — | — | — | 15,0000 | 17,000 |
| 15. | Punjab | — | — | — | — | 1,65,000 | 1,80,000 |
| 16. | Rajasthan | — | — | — | — | 1,24,000 | 1,40,000 |
| 17. | Tamil Nadu | — | — | — | — | 4,50,000 | 4,75,000 |
| 18. | Uttar Pradesh | 23,800 | 23,600 | — | — | 4,21,200 | 4,41,400 |
| 19. | West Bengal | — | — | 6,31,600 | 6,61,750 | 3,53,400 | 4,13,250 |
| | TOTAL : | 23, 800 | 23,600 | 10,62,200 | 10,69,300 | 48,97,000 | 52,39,300 |

## APPENDIX IV

Important decisions taken by the Employees State Insurance Corporation during the year 1980-81.

13th December, 1980 :

The Corporation reconstituted its Budget and Accounts Sub-Committee and General Purposes Sub-Committee.

14 December, 1980 :

1. The Corporation empowered the Director General to constitute Medical Boards, Special Medical Boards under Regulation 75 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950.

2. The Corporation approved the proposal with regard to continuous period of employment in respect of the following diseases included in Part 'C' of the Third Schedule to the E.S.I. Act, 1948 :—

| Occupational disease | Period for which employee should have been in continuous employment. |
|---|---|
| 1. Silicosis | Six months. |
| 2. Coal Mineres's. Penumoconiosis | Seven years. |
| 3. Asbestosis | Three years. |
| 4. Bagassosis | Three years. |
| 5. Byssinosis | Seven years. |

| 1 | 2 |
|---|---|
| 6. Farmer's Lung-Pulmonary disease due to the inhalation of the dust of mouldy hay or of other mouldy vegetable produce and characterised by signs and symptoms attributable to a reaction in peripheral part of the broncho pulmonary system and giving rise to a defect in gas exchange. | Six months |
| 7. Pneumoconiosis | Seven years |

3. The Corporation approved the proposal to the grant of Funeral Benefit in respect of a deceased insured person who was, at the time of death, in receipt of medical benefit otherwise than under the normal rules covering title to medical care.

4. The Corporation adopted the following resolution in regard to delegation of powers under Section 94-A of the E.S.I. Act to determine the amount of contributions in respect of the employees of factories/establishments as provided under Section 45-A of the E.S.I. Act :—

"Resolved that the powers of the Corporation under Section 45-A to determine by order the amount of contributions payable shall be exercised : —

(i) by the Director General in respect of a factory/establishment situated anywhere in India,

(ii) by a Regional Director in respect of a factory/establishment situated within his region,

(iii) by Joint Regional Director/Deputy Regional Director and Assistant Regional Director in respect of a factory/establishment situated within the area in his charge/in his region."

5. The E.S.I. Corporation accorded ex-post-facto approval to the decision taken by the Standing Committee at its meeting held on 11-7-80 to increase the ceiling on expenditure on medical care with effect from 1-4-80 as under :—

(a) (i) Restricted Medical Care retained at Rs. 70|- per employee per annum.

(ii) Explained Medical Care retained at Rs. 85|- per employee per annum.

(iii) Ful Medical Care increased from Rs. 115|- to Rs. 120|- per employee per annum.

(b) Rent charged from the E.S.I. Scheme in respect of buildings owned by ESI Corporation be kept outside the ceiling but shared between the State Government and the Corporation in the usual ratio.

(c) Expenditure on drugs and medicines exceeding Rs. 25|- but not exceeding Rs. 50|- per annum per employee may continue to be allowed over and above the ceiling.

(d) Expenditure on provision of initial equipment for ESI hospitals/annexes/wards/beds and on provision of additional equipment in commissioned ESI Hospitals due to addition of new department and on replacement of costly equipment like X-Ray Machine etc. may continue to be kept outside the ceiling but shared between the State Government and the Corporation in the usual ratio.

(e) Any other expenditure including ESI Allowance may, as before, continue to be within the ceiling. Similarly, any expenditure beyond the ceiling may continue to be borne by the State Government.

6. The ESI Corporation accorded ex-post-facto approval to the decision taken by the Standing Committee at its meeting held on 11-7-80 to increase the capitation fee of the Insurance Medical Practitioners from Rs.30/-to Rs.40/- per I.P. family unit per annum with effect from 1-4-80.

7. As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved the revised pharmacopoeia and its circulation to the ESI Institution.

8. As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that the existing decision to provide facilities for treatment to the beneficiaries in system other than allopathy :—

(a) where there is a demand from a substantial number of workers for that system, and

(b) where the State Government has recognised the qualification in such system, should continue and that intermixing of two systems should not be allowed.

9. As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved as under :—

(i) *Improvement in ambulance services :*

The yardstick for provision of ambulance van under the Scheme should be revised as under :—

| | |
|---|---|
| (a) For Centres having less than 10,000 but more than 7,000 employees. | Small vehicle of the type of Matador etc. which can be used as an ambulance. |
| (b) For Centres having 10,000 or more employees. | One Ambulance. |
| (c) For Centres having 30,000 or more employees. | Two Ambulances. |
| (d) For Centres having 60,000 or more employees. | Three Ambulances. |
| (e) For Centres having 1,00,000 employees. | Four Ambulances. |
| (f) For Centres having more than 1 lac employees. | One extra ambulance for every 50,000 employees. |

The maximum staff permissible for one ambulance van should be three drivers and six cleaners-cum stretcher bearer per vehicle to ensure round the clock utilisation.

(ii) Improvement in Specialist Services

(a) One specialist each in orthopaedics and pediatrics should be provided even in smaller FSI Hospitals including 50 bedded hospitals.

(b) For centres having less than 20,000 family units or part thereof, number of sessions of part-time specialists in medicines and pediatrics may be increased from 2 sessions per week to three sessions per week

(c) Services in the specialists centres for speciality of skin and sexually transmitted diseases may be increased from one session per week to two sessions per week for less than 20,000 family units and for 20,000 family units and part thereof.

(d) The remuneration of part-time specialists may be revised from Rs 125 per month for one session in a week to Rs 200 per month and Rs 100 may be paid for every additional session upto a maximum of Rs 1,000 per month

(iii) Provision of staff for E.S I. Annexes

One Medical Officer and minimal para medical staff be provided in each E S I Annexe A small medical store should be attached to each annexe

(iv) Radiology, Laboratory services etc during the night

In the ESI Hospitals where services of Laboratory, X-Ray department, sterilisation department, ECG room etc. were being provided throughout the night, minimal number of para medical staff (technicians/assistants) may be provided over and above the norms for night duty

(v) Establishment of part time ESI Dispensaries should be discouraged A mini FSI Dispensary be set up for 500 insured person family units

10 Setting up of Research Cell to study the diseases caused by environmental pollution

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that the FSI Corporation should collaborate with the Indian Council of Medical Research to identify the areas of interest to the Corporation as the institutions under the ICMR have been conducting research on carcinogens eye injuries, chemical injuries, etc.

11. Increase in reservation charges of reserved beds in Govt other Institutions

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that the rate for reservation of bed should be upto Rs 25 per day per occupied bed

12 Grant of special medicines to the employees' Utilisation dispensary .

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that the amount for supply of special medicines by utilisation dispensaries, be increased from Rs. 6 to Rs 15 per I P. family unit.

13 Augmentation of facilities for treatment of injuries case in ESI hospitals :

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that every ESI hospital should have a well equipped orthopaedic department and atleast one major ESI hospital in each State should have well-equipped physiotherapy and rehabilitation department and bigger ESI hospitals should also have modern burn unit for treatment of burn cases.

14. Enhancement of the ESI special Allowance of Rs 100 p m. to Rs 200 p m to the Insurance Medical Officers under the ESI Scheme and payment of ESI Special Allowance to Dental Surgeons, Specialists, Medical Superintends of ESI Hospital and Administartive Medical Officers under the ESI Scheme

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved the increase in the ESI Allowance special pay from Rs 100 to Rs 200 to the Insurance Medical Officers, Dental Surgeons, Specialists, Medical Superintendents and Administrative Medical Officers under the ESI Scheme.

15 Grant of ex-gratia payment to the insured person in the event of death of his family member due to adverse effect of drugs/injections .

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that an ex gratia payment upto Rs 5,000 may also be provided for the death, marked disability, loss of limb or part of limb of an insured person or a family member of the insured person due to adverse reaction of a drug/injection The payment in each case be made to the insured persons or his dependent by the State Government in consultation with the Corporation and a report of such case be submitted to the Standing Committee annually.

16. Amendment in the norms and standards of staff and equipment for different sizes of ESI hospitals etc. :

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved as under :—

(i) Provision be made in the norms for the post of a Welfare Officer in ESI hospitals with 200 or more beds.

(ii) Provision be made in the norms for the post of an Asstt. Medical Superintendent in a 300 bed ESI hospital and a Deputy Medical Superintendent in a 400 bed hospital.

(iii) The House Surgeons and Registrars in all ESI hospitals should be provided apart from the approved strength of General Duty Medical Officers.

(iv) Provision be made in the norms for a post of Housekeeper for Nurses Hostel/Doctors Hostel in the ESI Hospitals.

(v) A dead body van/hearse van be provided in the ESI hospital at centres having 1 lakh or more employees. In the case of Greater Bombay and Greater Calcutta two vans be provided.

17. Provision of nurses hostel in various ESI hospitals under the ESI Scheme :

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that necessary staff for Nurses Hostel should be provided in all ESI Hospitals.

18. Enhancement in the limit of expenditure of purchase of medical books and journals for libraries in ESI hospital :

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that initially a sum of Rs. 15,000 be provided for medical books and journals for the library of a new ESI hospital. Subsequently, the allotment of funds for books and journals every year be made as under :—

| | |
|---|---|
| 1. 50 bed hospitals | Rs.2,000/- |
| 2. 100 to 250 bed hospitals | Rs.4,000/- |
| 3. 300 and above bed hospitals | Rs.10,000/- |

19. Amendment in the norms of staff of one doctor ESI dispensaries situated in remote areas :

As recommended by the Standing Committee, the ESI Corporation approved that at a particular centre, if there was only one ESI dispensary and that too with one doctor, one additional doctor be provided so that the working of the dispensary was not impaired even if one of the doctors was absent for any reason. The Corporation also approved that emergency services be made available at one or more dispensaries depending on the size and area of the centre; after working hours of the dispensary by providing one Medical Officer, one pharmacist and one class IV employee for each such dispensaries.

20. The Corporation accepted the recommendations of the Sub-Committee of the E.S.I. Corporation appointed to look into the general recommendations of the valuer in his report on the Fifth Quinquennial Valuation of the assets and liabilities of the Corporation as on 31st March, 1974. In particular, it decided to grant the following increases in respect of disablement and dependents' benefit ;

(i) Increase in the rate of Disablement and Dependents Benefit from 125 per cent to 140 per cent of the standard benefit rate with effect from 1-1-81. The increase would be applicable to those cases where the accident occurs on or after 1-1-1981.

(ii) An increase in the amount of all the existing cases of PDB and DB where the disablement or death occurred on or before 31-3-78 was granted with effect from 1-4-80 as under :—

| | |
|---|---|
| (a) Cases where the disablement or death occurred on or before 31-3-75 | 20% of the basic amount (excluding the increase already granted with effect from 1-10-77). |
| (b) Cases where the disablement or death occurred between 1-4-75 and 31-3-78 | 15% of the basic amount. |

7 February, 1981.

1. To promote measures for improvement of health and Welfare of insured persons and their families, the E.S.I. Corporation provided to set up holiday and rest homes where insured workers could go to spend their holidays at an economical cost in salubrious surroundings.

2. The Corporation adopted the report of the Sub-Committee appointed by the Standing Committee in its meeting held on 24-2-79 to look into the dis-entitlement procedure under Regulation 103-A of the ESI (General) Regulations, 1950 and approved the following eight recommendations made by the Sub-Committee :—

(1) The existing procedure of disentitlement of insured persons under Regulation 103-A amply safeguards the interests of insured person/Insurance Medical Practitioners and is inconformity with the basic principles of social insurance.

(2) Blank ESIC-37 and ESIC-165 forms be kept in stock with Insurance Medical Practitioners to avoid inconvenience to an insured person/his family members in case the factory was located at a distance from his residence.

(3) The procedure for making an Insurance Medical Practitioner eligible for Capitation Fee on the basis of ESIC-166 should be made explicit to the State Government so as to safeguard the interests of Insurance Medical Practitioners with regard to payment of Capitation Fee.

(4) ESIC-166 and ESIC-37 received from Insurance Medical Practitioners should be sent alongwith a covering letter in duplicate to the Administrative Medical Officer who should acknowledge the same so that there was no loss of Capitation Fee to the Insurance Medical Practitioners.

(5) Regulation 26 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 be amended to provide for submission of contribution card to an insured person to appropriate Regional Office within 28 days in the event of his resignation, retirement/removal from service or ceasing to be an insured person due to increase in wages beyond Rs. 1,000 per month

(6) Exit lists should be prepared dispensary-wise

(7) Insurance Medical Officers/Insurance Medical Practitioners should maintain a register of insured persons as prescribed in para 115 of the ESIC Medical Manual (Second Edition).

(8) In re-entry cases, where the insured persons were in fact, entitled to Medical Benefit and therefore, should have been on the live lists of Insurance Medical Practitioners, Capitation fee may be paid to the concerned Insurance Medical Practitioner with retrospective effect i.e., from the date such insured person was debarred from Medical Benefit.

3. The Corporation adopted the report of the sub-Committee set up by it to study in depth the performance of the Insurance Medical Practitioners and their grievances, as recommended by the Standing Committee.

4. The Corporation adopted the report of the General Purposes Sub-Committee in the working of the ESI Scheme in Madhya Pradesh.

5. The Corporation approved the proposal of inviting members of the ESI Corporation who are not members of the Standing Committee, to the meeting of the Standing Committee.

## APPENDIX V

Important decisions taken by the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation during the year 1980-81.

August 28, 1980 :

The Standing Committee approved incurring of expenditure on payment of premium in respect of personal insurance cover for cashiers and their escorts obtained from New India Assurance Company.

December 13, 1980:

The Standing Committee approved the proposal regarding payment of honorarium to the officials deputed to handle cash in the absence of the Regional Office Cashier on casual leave or on special casual leave @ Rs.2/-per day with effect from 3rd day for a total period not exceeding 8 days reckoned with effect from the 3rd day.

February 6, 1981:

The Standing Committee approved the procedure for calculation of interest under Regulation 31-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.

## APPENDIX VI

Important recommendations of the Medical Benefit Council during the year, 1980-81.

5-10-1980 at Jaipur :

(1) The Medical Benefit Council recommended that every single hospital should have well equipped Orthopaedic Department and at least one major hospital in each State should have well equipped physiotherapy and rehabilitation Department. The Council also recommended that there should be a 'burn unit' in bigger E.S.I. Hospitals.

(2) The Medical Benefit Council recommended that E.S.I. special allowance of Rs.100/-per month paid by the ESI Corporation to the Insurance Medical Officers be enhanced to Rs.200/-per month and that this all owance should also be paid to Dental Surgeons, Specialists, Medical Superintendents of E.S.I. Hospitals, A.M.Os. and Directors etc. under the E.S.I. Scheme.

(3) The Medical Benefit Council recommended that an ex-gratia payment upto Rs.5000 may also be provided for the death, marked disability, loss of limb or part of a limb of an Insured Person due to adverse reaction of drugs/Injections.

(4) The Medical Benefit Council recommended amendment in norms and standards of staff and equipments of different sizes of hospitals etc. as under :—

(a) Provision may be made in the norms for the post of a Welfare Officer in ESI Hospitals having 200 or more beds.

(b) Provision may be made in the norms for the post of an Asstt. Medical Superintendent in a 300 bed ESI Hospital and Dy. Medical Supdt. in a 400 bed hospital.

(c) The House Surgeons and Registrars in an ESI Hospital should be provided apart from the approved strength of General Duty Medical Officers.

(d) Provision may be made in the norms for a post of Housekeeper for Nurses' Hostel/Doctors' Hostel in the ESI Hospitals.

(e) A dead body van/hearse van may be provided in the ESI Hospital at centres having 1 lakh or more employees. In the case of Greater Bombay and Greate Calcutta two vans may be provided.

(5) The Medical Benefit Council recommended that necessary staff for nurses' hostels should be provided in all the E.S.I Hospitals.

(6) The Medical Benefit Council recommended that for the library of ESI Hospitals initially a sum of Rs.15,000/-may be provided for Medical Books and journals. Subsequently the allotment of funds for books and journals every year may be made as under :—

| | |
|---|---|
| (i) 50 bed hospitals | Rs.2,000/- |
| (ii) 100 to 250 bed hospitals | Rs.4,000/- |
| (iii) 300 and above bed hospitals | Rs.10,000/- |

(7) The Medical Benefit Council recommended that at a particular centre if there is only one ESI dispensary and that too with one doctor, one additional doctor may be provided so that the working of the dispensary is not impaired even if one of the doctors is absent for any reasons.

(8) The Medical Benefit Council recommended that emergency services may be made available at one or more dispensaries depending on the size and area of the centre, after working hours of the dispensary, by providing one Medical Officer, one pharmacist and one Class IV employee for each such dispensary.

APPENDIX-
PART-
STAFF STRENGTH

| Sl. No. | Designation | Hqrs | A P. | | Assam | | Bihar | | Delhi | | Gujarat | | Tamil |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 1. | Director General | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 2 | Insurance Commissioner | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 3 | F.A & Chief Accounts Officer | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | Medical Commissioner | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 5 | Actuary | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 6 | Director (Administration) | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 7 | Regional Dy Medical Commissioner | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 8 | JIC/Regional Director Grade-I | 2 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 1 |
| 9 | Dir (O&M) R.D Gr II/Dir (P&D)/Dir(Vig )/Dir (Public Relation) | 4 | 1 | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — |
| 10 | A O./DIC/R D Gr III/Dy CA.O /JRD/Vig Officer/Asstt Actuary | 11 | — | — | — | — | 1 | — | 1* | — | — | — | 1 |
| 11 | DMC/Medical Referee | 4 | 1 | — | — | — | 1 | — | 2 | — | 6 | — | 4 |
| 12. | R D Gr IV/ACO/DRD/Asstt P&D | 10 | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 5 | — | 8 | — | 7 |
| 13. | ARDs/Mgr Gr. I/Dy ACO/S O | 24 | 3 | 7 | 1 | — | 3 | 1 | 6 | 1 | 7 | 15 | 5 |
| 14. | Asstt Engineers | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 15. | Section Officer (Hindi) | 1 | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 16. | I I./A I /Dy. MGr / Inspector (O&M)/Sel Gr. Hindi Translator/Mgr Gr II | 8 | 26 | 13 | 4 | 4 | 15 | 9 | 36 | 7 | 33 | 25 | 46 |
| 17. | P S to Director General | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 18. | Mgr. Gr. III/Head Clerk/Asstt Head Clerk Cashier/ Hindi Translator | 88 | 21 | 14 | 4 | 4 | 15 | 13 | 34 | 4 | 45 | 27 | 37 |
| 19 | Junior Engineer | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 20. | P.A./Senior P.A | 15 | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 |
| 21. | Technical Assistant | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 22 | Artist | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 23. | Librarian | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 24. | Receptionist | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 25. | UDC/I/c/UDC Cashier UDC/UDC Care Taker | 87 | 77 | 70 | 10 | 10 | 46 | 28 | 93 | 22 | 100 | 110 | 121 |
| 26. | Stenographer | 21 | 3 | — | 1 | — | 3 | — | 6 | — | 5 | — | 8 |
| 27. | Computor | 4 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 28. | LDC/Adrema Operator/Telephone Operator | 87 | 66 | 73 | 11 | 7 | 39 | 32 | 79 | 19 | 72 | 109 | 82 |
| 29. | Gestetner Operator | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| 30. | Staff Car Driver/Delivery Van Driver | 4 | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 |
| 31. | Junior Librarian | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 32. | Jamadar | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 33 | Record Sorter | 32 | 20 | 20 | 2 | 8 | 11 | 21 | 22 | 7 | 23 | 36 | 35 |
| 34 | Peon | 64 | 14 | 28 | 4 | 4 | 10 | 12 | 32 | 14 | 21 | 38 | 20 |
| 35. | Chowkidar | 3 | 2 | — | 2 | — | 2 | — | 2 | 2 | 2 | — | 3 |
| 36. | Farash | 7 | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 4 | — | 3 |
| 37 | Mali | 1 | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 38. | Liftman | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — |
| 39. | Sweeper | 9 | 2 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 4 | — | 3 |
| | TOTAL | 502 | 244 | 225 | 42 | 37 | 153 | 116 | 325 | 76 | 335 | 360 | 379 |

£ Diverted to other Regions.
* V.O. of Delhi Region diverted to Hq.
£ Includes one post of Driver-cum-Peon

VII

I

AS ON 31-3-1981.

| Nadu | | Kerala | | M.P. | | Maharashtra | | Orissa | | Punjab/ Haryana | | Rajasthan | | Karnataka | | U.P. | | W.B. | | Total |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | RO | LO | | |
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 4 | |
| — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 7 | |
| — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | 2 | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 10 | |
| — | — | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 3 | — | 24 | |
| — | 2 | — | 1 | — | 6£ | — | 1 | — | 2 | — | — | — | 2 | — | 3 | — | 9 | — | 44 | |
| — | 4 | — | 3* | — | 19 | — | — | — | 6 | — | 1 | — | 5 | — | 7 | — | 17 | — | 99 | |
| 22 | 6 | 9 | 3 | — | 21 | 44 | 2 | — | 6 | — | 3 | — | 4 | 13 | 8 | 6 | 9 | 22 | 251 | |
| — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | 3 | |
| — | — | — | 1 | — | 1 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | — | — | — | — | 9 | |
| 45 | 27 | 25 | 14 | 12 | 126 | 52 | 5 | 4 | 38 | 15 | 13 | 11 | 21 | 19 | 30 | 17 | 76 | 43 | 819 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| 38 | 27 | 13 | 16 | 15 | 131 | 46 | 10 | 15 | 37 | 13 | 16 | 8 | 28 | 24 | 38 | 26 | 82 | 35 | 924 | |
| — | 2 | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 4 | |
| — | 1 | — | 3 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | 1 | — | 2 | — | 33 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| 212 | 93 | 110 | 57 | 70 | 404 | 326 | 34 | 10 | 122 | 36 | 39 | 28 | 95 | 120 | 123 | 80 | 280 | 198 | 23211 | |
| — | 4 | — | 3 | — | 21 | — | — | — | 7 | — | 3 | — | 5 | — | 6 | — | 17 | — | 113 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 4 | |
| 225 | 80 | 102 | 50 | 50 | 344 | 348 | 30 | 13 | 94 | 44 | 35 | 28 | 79 | 107 | 86 | 89 | 243 | 227 | 2950 | |
| — | — | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | — | 2 | — | 6 | |
| — | 1 | — | 1 | — | 2 | — | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 1 | — | 4 | — | 20 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | |
| 71 | 23 | 38 | 14 | 24 | 98 | 121 | 8$ | 19 | 30 | 27 | 8$ | 18 | 25 | 53 | 36 | 37 | 82 | 86 | 1055 | |
| 67 | 17 | 38 | 12 | 25 | 83 | 69 | 7 | 6 | 26 | 23 | 7 | 11 | 17 | 52 | 21 | 38 | 45 | 109 | 934 | |
| — | 2 | — | 2 | — | 9 | — | 2 | — | 2 | — | 2 | — | 3 | — | 2 | — | 4 | — | 46 | |
| — | 2 | — | 1 | — | 11 | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 2 | — | 5 | — | 48 | |
| — | — | — | — | — | 1pt. | — | — | — | 1 | — | — | — | 1pt. | — | 1 | — | 1pt. | — | 7 | |
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 2 | — | 3 | |
| — | 2 | — | 1 | — | 11 | — | 1 | — | 4 | — | 1 | — | 2 | — | 2 | — | 8 | — | 54 | |
| 380 | 295 | 335 | 183 | 196 | 1296 | 1006 | 103 | 67 | 386 | 158 | 133 | 104 | 295 | 388 | 370 | 293 | 893 | 720 | 10695 | |

APPENDIX VII

PART-II

Statement Showing the Position of Staff Authorised and in Position In respect of Directorate (Medical)/ E.S.I. Dispensaries and E.S.I. Hospital as on 31-3-1981.

| S. No. | Designation of post | Directorate(M)Delhi | | ESI Dispensaries | | ESI Hospital | | Total | | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Auth. | In position | Auth. | In position | Auth. | In position | Auth. | In position | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1. | Directorate (Medical) Delhi | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 2. | Medical Superintendent | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 3. | Administrative Medical Officer | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 4. | Dy. Chief Accounts Officer (M) | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 5. | Dy. Administrative Officer (M)/H | 1 | 1 | — | — | 1 | 1 | 2 | 2 | — |
| 6. | Accounts Officer (Medical) | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 7. | Dy. Accounts Officer | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 8. | Hindi Officer | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 9. | Full Time specialists in Surg., Med., Ortho., Gynae., Radio., Eye & ENT | — | — | — | — | 14 | 10 | 14 | 10 | — |
| 10. | GDO Gr.-I/II | — | — | 227 | 174 | 36 | 29 | 263 | 203 | — |
| 11. | Registrar | — | — | — | — | 8 | 8 | 8 | 8 | — |
| 12. | House Surgeons | — | — | — | — | 20 | 20 | 20 | 20 | — |
| 13. | Part time Specialists | — | — | As per sessions | 20 | — | — | As per sessions | 20 | — |
| 14. | Audit Inspector/Insurance Inspector | 4 | 4 | — | — | — | — | 4 | 4 | — |
| 15. | Office Supdt. | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 16. | Nursing Superintendent | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 17. | Ayurvedic Physicians | — | — | 2 | 2 | — | — | 2 | 2 | — |
| 18. | P.A. to D(M) D/Med. Supdt. | 1 | 1 | — | — | 1 | 1 | 2 | 2 | — |
| 19. | Head Clerks | 11 | 11 | 3 | 3 | 7 | 7 | 21 | 21 | — |
| 20. | Assistant | 6 | 6 | — | — | — | — | 6 | 6 | — |
| 21. | Stenographers | 7 | 6 | — | — | 2 | 2 | 9 | 8 | — |
| 22. | UDC Cashier | 1 | 1 | 3 | 3 | 1 | 1 | 5 | 5 | — |
| 23. | UDCs | 35 | 35 | 37 | 37 | 12 | 12 | 84 | 84 | — |
| 24. | Care Taker | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 25. | LDCs/Hindi Typist | 39 | 39 | 98 | 96 | 22 | 21 | 159 | 156 | — |
| 26. | Ambulance/Staff Car/Delivery Van Driver | 7 | 7 | 1 | — | 5 | 5 | 13 | 12 | — |
| 27. | Gestetner Operator | 1 | 1 | — | — | — | — | 1 | 1 | — |
| 28. | Daftries/Sel. Grade Daftries | 7 | 7 | 43 | 43 | 2 | 2 | 52 | 52 | — |
| 29. | Peons | 18 | 15 | 63 | 63 | 8 | 7 | 89 | 85 | — |
| 30. | Ambulance Attendent | 2 | 2 | — | — | 3 | 3 | 5 | 5 | — |
| 31. | Social Guide | 2 | 1 | — | — | — | — | 2 | 1 | — |
| 32. | LHV/ANM/NRN/Mid Wife/ Dai | — | — | 138 | 110 | — | — | 138 | 110 | — |
| 33. | Pharmacist-cum-Clerk/Store-Keeper/Pharmacist/Ayu. Pharmacist | 11 | 11 | 133 | 127 | — | — | 144 | 138 | — |
| 34. | Chief Pharmacist | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 35. | Laboratory Assistant | — | — | 11 | 10 | 6 | 4 | 17 | 14 | — |
| 36. | Laboratory Technician | — | — | — | — | 6 | 6 | 6 | 6 | — |
| 37. | Farash | 3 | 3 | — | — | — | — | 3 | 3 | — |
| 38. | Dresser | — | — | 80 | 80 | 9 | 8 | 89 | 88 | — |
| 39. | Assistant Matron | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 40. | Nursing Sister | — | — | — | — | 22 | 20 | 22 | 20 | — |
| 41. | Staff Nurses | — | — | — | — | 113 | 103 | 113 | 103 | — |
| 42. | Dietician | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 43. | Radiographer | — | — | — | — | 7 (Two in lower scale) | 5 | 7 | 5 | — |
| 44. | Dark Room Assistant | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 45. | E.C.G. Technician | — | — | — | — | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| 46. | O.T. Assistant | — | — | — | — | 6 | 6 | 6 | 6 | — |
| 47. | O.T. Technician | — | — | — | — | 4 | 4 | 4 | 4 | — |
| 48. | C.S.R. Assistant | — | — | — | — | 4 | 4 | 4 | 4 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 49. | C.S.R. Technician | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 50. | Physiotherapist | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 51. | Occupational Therapist | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 52. | Optometrist | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 53. | Medical Social Worker | — | | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 54. | Sr. Blood Bank Technician | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 55. | Line Mistress | — | — | — | — | 2 | — | 2 | — | — |
| 56. | Boiler Attendant | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 57. | Laundary Supervisor | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 58. | Metal Worker-cum-Mistry | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 59. | Medical Record Technician (Sr.) | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 60. | Medical Record Technician (Junior) | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 61. | Telephone Operator | — | — | — | — | 2 | — | 2 | — | — |
| 62. | Librarian | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 63. | Assistant Librarian | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | |
| 64. | Havaldar | — | — | — | — | 1 | 1 | 1 | 1 | — |
| 65. | Laundary Operator | — | — | — | — | 10 | 10 | 10 | 10 | — |
| 66. | Head Cook | — | — | — | — | 3 | 3 | 3 | 3 | — |
| 67. | Cook-cum-Masalchi & Cook Mates | — | — | — | — | 26 | 24 | 26 | 24 | — |
| 68. | Stretcher Bearer | — | — | — | — | 9 | 8 | 9 | 8 | — |
| 69. | Nursing Orderly | — | — | — | — | 122 | 117 | 122 | 117 | — |
| 70. | Aya | — | — | 34 | 18 | 17 | 9 | 51 | 27 | — |
| 71. | Chowkidar | — | — | 34 | 34 | 29 | 27 | 63 | 61 | — |
| 72. | Tailor | — | — | — | — | 2 | 1 | 2 | 1 | — |
| 73. | Sweeper | 3 | 3 | 99 | 99 | 73 | 66 | 175 | 168 | — |
| 74. | Bearer | — | — | — | — | 6 | 4 | 6 | 4 | — |
| 75. | Hindi Assistant | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 76. | Junior Microbiologists | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 77. | Biochemist | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 78. | Radiology | — | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — |
| 79. | Part time Medical Officer | — | — | 3 | 3 | — | — | 3 | 3 | — |
| 80. | Part time Dressers & Pharmacist | | — | 6 | 5 | — | — | 6 | 5 | — |

## APPENDIX VIII

### PART-I

Statement showing the total number of corporation employees and the number of Scheduled Castes and Scheduled Tribes amongst them as on 1-1-1981

For the year 1980

| Group | Permanent Temporary | Total No. of employees | | Scheduled Castes | Percentage to total employees | Scheduled Tribes | Percentage to total employees |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Grade A (Class I) | | | | | | | |
| Permanent | 56 | 56 | 128 | 3 | 5.36% | Nil | Nil% |
| Temporary | 72 | 72 | | 14 | 19.44% | 4 | 5.56% |
| Grade B (Class II) | | | | | | | |
| Permanent | 28 | 28 | 173 | Nil | Nil | Nil | Nil |
| Temporary | 145 | 145 | | 15 | 10.35% | 4 | 2.71% |
| Class III (Grade C) | | | | | | | |
| Permanent | 4944 | 8066 | | 781 | 9.68% | 39 | 0.48% |
| Temporary | 3122 | | | | | | |
| Class IV (Grade D) (excluding Sweeper) | | | | | | | |
| Permanent | 1534 | 2516 | | 585 | 23.25% | 75 | 2.98% |
| Temporary | 982 | | | | | | |
| Class IV (Group D) (Sweepers) | | | | | | | |
| Permanent | 126 | 229 | | 225 | 98.25% | 2 | 0.87% |
| Temporary | 103 | | | | | | |

## APPENDIX VIII

### PART-II

Statement showing the number of reserved vacancies filled by the members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes by Direct Recruitment as on 1-1-1981

For the year 1980

| Class of post | Total No. of Vacancies | | SCHEDULED CASTES | | | | | | SCHEDULED TRIBES | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | No. of vacancies reserved | | No of SCs candidates appointed | No of SCs vacancies carried forward from the previous year | No of SCs candidates appointed against vacancies reserved for SCs in the 3rd year of carry forward | No of reservation lapsed after carrying forward for three years | No of vacancies reserved | | No of STs candidates appointed | No. of STs vacancies carried forward from the previous year | No. of STs candidates appointed against vacancies reserved for STs in the 3rd year of carry forward | No. of reservations lapsed after carrying forward for three years |
| | Notified | Filled | Out of Col 2 | Out of Col. 3 | | | | | Out of Col 2 | Out of Col 3 | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| Class I (Group A) rung of Class I | 11 | 4 | 1 | 1 | 1 | nil | nil | nil | 2 | 1* | 1* | nil | nil | nil |
| Class II (Group B) | 18 | 4 | 2 | nil | nil** | nil | nil | nil | 3 | nil | nil*** | nil | nil | nil |
| Class III (Group C) | 988 | 961 | 121 | 110 | 110 | 97 | 2 | 2 | 38 | 32 | 7 | 55 | 3 | 7 |
| Class IV (Group D) (excluding sweepers) | 199 | 192 | 22 | 26 | 38 | 9 | 3 | 7 | 15 | 9 | 5 | 10 | 2 | 1 |
| Class IV (Group D) | 16 | 14 | 3 | | 12 | 1 | | | 1 | | | 4 | | |

* One ST candidate is still to join

** The Commission has since recommended 2 SCs and 1 ST candidate and they are to be appointed after their medical examination by the Medical Board, action for which has already been taken The remaining two posts for STs candidates have since been advertised by the Commission. (Notified to the Commission in 1980)

*** The posts were notified to the UPSC in 1980 but the meeting of the D P C has been convened in the year 1981 and the candidates approved for promotion have been promoted in 1981

APPENDIX VIII

PART III

Statement showing the Reserved vacancies filled by members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes by other than Direct Recruitment as on 1-1-1981.

For the year 1980

| Class of post | Total No. of vacancies | | SCHEDULED CASTES | | | | | | SCHEDULED TRIBES | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Notified | Filled | No. of vacancies reserved | | No. of SCs candidates appointed | No. of SCs vacancies carried forward from the previous year | No. of SCs candidates appointed against vacancies reserved for SCs in the 3rd year of carry forward | No. of reservation lapsed after carrying forward for three years | No. of vacancies reserved | | No. of STs candidates appointed | No. of STs vacancies carried forward from the previous year | No. of STs candidates appointed against vacancies reserved for STs in the 3rd year of carry forward | No. of reservations lapsed after carrying forward for three years |
| | | | Out of Col. 2 | Out of Col. 3 | | | | | Out of Col. 2 | Out of Col. 3 | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| Class I . . . | 9 | 9 | 1 | 1 | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. |
| Class II . . . | 29 | 29 | 4* | 1 | 1 | .. | .. | . | 2* | .. | .. | . | .. | .. |
| Class III . . . | 776 | 757 | 118 | 128 | 99 | 33 | 5 | 28 | 56 | 41 | 1 | 35 | 1 | 7 |
| Class IV (excluding Sweepers) . | 158 | 158 | 25 | 31 | 34 | 9 | 1 | 4 | 11 | 9 | 5 | 9 | 2 | 4 |
| Class IV (Sweepers) . . . | 2 | 2 | 2 | .. | .. | .. | . | . | . | . | . | .. | .. | .. |

*Only 1 SC candidate was in the zone of consideration. No. ST candidate was in the zone of consideration.

APPENDIX IX

Number of Employers and Employees covered under the E.S.I. Act as on 31-3-1981

REGION-WISE

| State | Implemented Area | | Non-Implemented Area | | All Areas | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | No. of employers | No. of employees as on 31-3-81 | No. of employers | No. of employees as on 31-3-81 | No. of employers | No. of employees as on 31-3-81 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Andhra Pradesh | 3,937 | 2,55,000 | 96 | 19,000 | 4,033 | 2,74,000 |
| Assam | 612 | 34,000 | 87 | 12,000 | 699 | 46,000 |
| Bihar | 1,838 | 1,60,000 | 431 | 1,60,000 | 2,269 | 3,20,000 |
| Chandigarh | 311 | 19,000 | .. | .. | 311 | 19,000 |
| Delhi | 6,960 | 2,78,000 | .. | .. | 6,960 | 2,78,000 |
| Gujarat | 4,445 | 5,60,000 | 817 | 1,34,000 | 5,262 | 6,94,000 |
| Haryana | 2,824 | 2,05,000 | 168 | 15,500 | 2,992 | 2,20,500 |
| Himachal Pradesh | 17 | 1,200 | 68 | 4,200 | 85 | 5,400 |
| Jammu & Kashmir | N.A. | .. | N.A. | 11,600 | N.A. | 11,600 |
| Karnataka | 2,646 | 3,20,000 | 216 | 26,500 | 2,862 | 3,46,500 |
| Kerala & Mahe | 3,648 | 3,20,000 | 12 | 1,100 | 3,660 | 3,21,100 |
| Madhya Pradesh | 1,759 | 1,75,000 | 58 | 81,000 | 1,817 | 2,56,00 |
| Maharashtra :— | | | | | | |
| Bombay Area | 12,673 | 11,70,000 | 134 | 14,500 | 12,807 | 11,84,500 |
| Goa | 280 | 20,000 | .. | .. | 280 | 20,000 |
| Nagpur Area | 913 | 85,000 | 138 | 23,500 | 1,051 | 1,08,500 |
| Poona Area | 2,598 | 2,57,000 | 340 | 38,500 | 2,938 | 2,95,500 |
| Orissa | 496 | 1,21,000 | 84 | 42,000 | 580 | 1,63,000 |
| Pondicherry | 171 | 17,000 | .. | .. | 171 | 17,000 |
| Punjab | 4,020 | 1,80,000 | 315 | 9,600 | 4,335 | 1,89,600 |
| Rajasthan | 2,054 | 1,40,000 | 25 | 5,800 | 2,079 | 1,45,800 |
| Tamil Nadu | 6,580 | 4,75,000 | 168 | 35,000 | 6,748 | 5,10,000 |
| Uttar Pradesh | 3,234 | 4,65,000 | 951 | 64,000 | 4,185 | 5,29,000 |
| West Bengal | 9,598 | 10,75,000 | 136 | 1,68,000 | 9,734 | 12,43,000 |
| ALL INDIA (1981) | 71,614 | 63,32,200 | 4,244 | 8,65,800 | 75,858 | 71,98,000 |
| ALL INDIA (1980) | 64,600 | 59,83,000 | 3,207 | 8,58,000 | 67,807 | 68,41,000 |

*Also includes the coverage under Section 1(5) of the Act

APPENDIX X

Number of Centres, Employees, Insured Persons, Family (Insured Person) Units and Beneficiaries Covered as on 31-3-1981.

REGION-WISE

(including Coverage under section 1(5) of the ACT)

| State | No. of Centres | No. of Employees | No. of Insured Persons | No. of family (Insured Person) Units | No. of Beneficiaries |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Andhra Pradesh | 44 | 2,55,000 | 2,76,000 | 2,76,000 | 10,70,900 |
| Assam | 14 | 34,000 | 37,000 | 37,000 | 1,43,550 |
| Bihar | 29 | 1,60,000 | 1,91,000 | 1,91,000 | 7,41,100 |
| Chandigarh | 1 | 19,000 | 22,000 | 22,000 | 85,350 |
| Delhi | 1 | 2,78,000 | 3,47,000 | 3,47,000 | 13,46,350 |
| Gujarat | 15 | 5,60,000 | 5,94,000 | 5,94,000 | 23,04,700 |
| Haryana | 19 | 2,05,000 | 2,53,000 | 2,53,000 | 9,81,650 |
| Himachal Pradesh | 1 | 1,200 | 1,300 | 1,300 | 5,050 |
| Jammu & Kashmir | .. | .. | .. | .. | .. |
| Karnataka | 20 | 3,20,000 | 3,59.000 | 3,59,000 | 13,92,900 |
| Kerala and Mahe | 34 | 3,20,000 | 3,40,000 | 3,40,000 | 13,19,200 |
| Madhya Pradesh | 23 | 1,75,000 | 2,17,000 | 2,17,000 | 8,41,950 |
| Maharashtra :— | | | | | |
| Bombay Area | 1 | 11,70,000 | 12,40,000 | 12,40,000 | 48,11,200 |
| Goa | 7 | 20,000 | 22,000 | 22,000 | 85,350 |
| Nagpur Area | 10 | 85,000 | 90,500 | 90,500 | 3,51,150 |
| Poona Area | 15 | 2,57,000 | 2,73,000 | 2,73,000 | 10,59,25 |
| Orissa | 26 | 1,21,000 | 1,28,500 | 1,28,500 | 4,98,600 |
| Pondicherry | 1 | 17,000 | 18,500 | 18,500 | 71,800 |
| Punjab | 27 | 1,80,000 | 2,25,000 | 2,25,000 | 8,73,000 |
| Rajasthan | 23 | 1,40,000 | 1,75,000 | 1,75,000 | 6,79,000 |
| Tamil Nadu | 44 | 4,75,000 | 5,12,000 | 5,12,000 | 19,86,550 |
| Uttar Pradesh | 47 | 4,65,000 | 5,00,000 | 5,00,000 | 19,40,000 |
| West Bengal | 9 | 10,75,000 | 13,40,000 | 13,40,000 | 51,99,200 |
| ALL INDIA (1981) | 411 | 63,32,200 | 71,61,800 | 71,61,800 | 2,77,87,800 |
| ALL INDIA (1980) | 395 | 59,83,000 | 68,50,000 | 68,50,000 | 2,65,78,000 |

APPENDIX XI

Number of Beds, Specialists, Dispensaries, Panel Doctors and Ambulances as on 31-3-1981

| Sl. No. | Name of the State | Total No. of beds provided under the ESI Scheme | | | | Specialists | | Total No. of Dispensaries | No. of IMOs. | | No. of IMPs | No. of Doctors Emp. Utilisation Dispensaries | Ambulance |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Genl. | Mat. | T.B. | Total | Full-time | Part-Time | | Sanctioned | Present | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 1. | Andhra Pradesh | 588 | 103 | 43 | 734 | 44 | 68 | 88 | 203 | 193 | 2 | 2 | 13 |
| 2. | Assam | 90 | .. | 10 | 100 | .. | 1 | 19 | 22 | 22 | .. | .. | 2 |
| 3. | Bihar | 202 | 16 | 40 | 258 | 6 | 1 | 47 | 161 | 109 | .. | .. | 24 |
| 4. | Chandigarh Admn. | 40 | .. | .. | 40 | .. | 4 | 2 | 8 | 8 | .. | .. | .. |
| 5. | Delhi | 360 | 90 | 105 | 555 | 14 | 31 | 30 | 229 | 176 | .. | .. | 7 |
| 6. | Goa | 33 | .. | .. | 33 | .. | 16 | .. | .. | .. | 68 | .. | .. |
| 7. | Gujarat | 1094 | 59 | 310 | 1463 | 20 | 335 | 93 | 451 | 448 | 270 | 1 | 18 |
| 8. | Haryana | 497 | .. | 53 | 550 | 20 | 22 | 54 | 127 | 122 | .. | .. | 4 |
| 9. | Himachal Pradesh | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | 1 | 1 | .. | .. | .. |
| 10. | Kerala | 842 | 150 | 175 | 1167 | 1 | 72 | 133 | 263 | 210 | .. | .. | 9 |
| 11. | Karnataka | 998 | 69 | 137 | 1204 | 20 | 77 | 113 | 313 | 294 | .. | 60 | 12 |
| 12. | Madhya Pradesh:— | 458 | 22 | 117 | 597 | 7 | 107 | 57 | 230 | 166 | 5 | 1 | 9 |
| 13. | Maharashtra | | | | | | | | | | | | |
| | (a) Gr. Bombay | 2665 | 512 | 875 | 4052 | 48 | 116 | 18 | 14 | 8 | 2290 | 11 | 22 |
| | (b) Nagpur | 222 | 35 | 49 | 306 | 3 | 66 | 27 | 87 | 81 | .. | .. | 4 |
| | (c) Western Maharashtra | 337 | 25 | 191 | 553 | .. | 125 | 27 | 60 | 48 | 383 | .. | 6 |
| 14. | Meghalaya | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | 1 | 1 | .. | .. | .. |
| 15. | Orissa | 144 | 18 | 28 | 190 | 14 | 1 | 27 | 77 | 61 | .. | .. | 7 |
| 16. | Pondicherry | 68 | 4 | 10 | 82 | .. | 12 | 7 | 19 | 19 | .. | .. | 1 |
| 17. | Punjab | 535 | 70 | 34 | 639 | 27 | 21 | 42 | 117 | 108 | 82 | .. | 6 |
| 18. | Rajasthan | 457 | 1 | 31 | 489 | 10 | 97 | 46 | 145 | 128 | .. | 1 | 6 |
| 19. | Tamil Nadu | 1371 | 341 | 404 | 2116 | 43 | 71 | 121 | 384 | 359 | .. | 14 | 23 |
| 20. | Uttar Pradesh | 783 | 149 | 210 | 1142 | 33 | 58 | 106 | 327 | 311 | .. | .. | 14 |
| 21. | West Bengal | 2248 | 62 | 769 | 3079 | .. | 43½ | 13 | 97 | 36 | 1567 | 14 | 21 |
| | Total | 14032 | 1726 | 3591 | 19349 | 310 | 1731½ | 1072 | 3336 | 2909 | 4667 | 104 | 208 |

APPENDIX-XII

Attendance, Medical Certificates issued, Admissions to Hospitals, Reference to Specialists and number of Home Visits during 1979-80 and 1980-81 STATE-WISE

(IN RESPECT OF INSURED PERSONS)

| State | Period | No. of Insured Persons deemed exposed to risk | Attendance | | | No. of attendance per 1000 Insured Persons per annum | | No. of medical certificates Issued | No. of cases medical admitted in Hospital | No. of cases referred to Specialist for investigation | No. of Home Specialists |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | New Cases | Old Cases | Total Cases | New Cases | Old Cases | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| Andhra Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | 2,67,500 | 7,79,908 | 21,40,963 | 29,20,871 | 2,916 | 9,004 | 5,52,764 | 23,978 | 1,14,043 | N.A. |
| | 1980-81 | 2,75,000 | 8,16,722 | 17,63,994 | 25,80,716 | 2,970 | 6,415 | 6,50,037 | N.A. | 1,27,814 | N.A. |
| Assam . . . (S.S.) | 1979-80 | 34,500 | 1,15,987 | 1,13,662 | 2,29,649 | 3,362 | 3,295 | 75,749 | 425 | 4,693 | 1,811 |
| | 1980-81 | 36,500 | 1,21,817 | 1,08,259 | 2,30,076 | 3,337 | 2,966 | 73,138 | 272 | 4,857 | 1,875 |
| Bihar . . . (S.S.) | 1979-80 | 1,57,500 | 1,83,314 | 2,23,931 | 4,07,245 | 1,164 | 1,422 | 1,72,421 | 259 | 17,931 | 8,823 |
| | 1980-81 | 1,81,000 | 2,01,658 | 2,26,794 | 4,28,452 | 1,114 | 1,253 | 2,28,409 | 180 | 21,361 | 7,96 |
| Chandigarh . . (S.S.) | 1979-80 | 17,500 | 44,917 | 1,18,431 | 1,63,348 | 2,567 | 6,767 | 11,840 | 1,309 | 8,510 | N.A. |
| | 1980-81 | 19,750 | 45,424 | 1,19,656 | 1,65,080 | 2,300 | 6,059 | 13,832 | 2,170 | 9,840 | N.A. |
| Delhi . . . (S.S.) | 1979-80 | 3,17,000 | 3,63,671 | 13,81,668 | 17,45,339 | 1,147 | 4,359 | 2,37,730 | 3,107 | 51,040 | 51,704 |
| | 1980-81 | 3,38,500 | 4,74,670 | 13,89,647 | 18,64,317 | 1,402 | 4,105 | 2,11,821 | 8,654 | 52,086 | 50,116 |
| Goa . . . . (S.S.) | 1979-80 | 20,500 | 43,664 | 13,257 | 56,921 | 2,130 | 647 | 26,799 | N.A. | 1,094 | 500 |
| | 1980-81 | 21,350 | 49,027 | 14,569 | 63,596 | 2,296 | 682 | 32,027 | N.A. | 1,062 | 403 |
| Gujarat . . . (S.S.) | 1979-80 | 5,26,400 | 6,23,124 | 33,36,844 | 39,59,968 | 1,184 | 6,339 | 6,40,494 | 15,774 | 1,79,745 | 4,409 |
| | 1980-81 | 4,87,900 | 5,64,328 | 30,81,979 | 36,46,307 | 1,157 | 6,137 | 5,95,565 | 16,268 | 1,49,963 | 4,202 |
| Gujarat . . . (P.S.) | 1979-80 | 56,500 | 2,25,530 | 2,05,317 | 4,30,847 | 3,992 | 3,634 | 1,84,742 | 590 | 14,335 | 1,692 |
| | 1980-81 | 41,150 | 1,67,910 | 1,42,359 | 3,10,269 | 4,080 | 3,460 | 1,37,254 | 314 | 10,490 | 1,257 |
| Haryana . . . (S.S.) | 1979-80 | 2,29,250 | 3,85,863 | 5,48,819 | 9,34,682 | 1,683 | 2,394 | 54,348 | 9,077 | 37,682 | 4,825 |
| | 1980-81 | 2,47,750 | 3,36,653 | 4,14,908 | 7,51,561 | 1,359 | 1,675 | 27,520 | 2,519 | 2,733 | 3,340 |
| Himachal Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. |
| | 1980-81 | 1,300 | 3,961 | 1,541 | 5,502 | 3,047 | 1,185 | 858 | N.A. | 22 | N.A. |
| Karnataka . . . (S.S.) | 1979-80 | 3,16,000 | 14,70,441 | 27,48,300 | 42,18,741 | 4,653 | 8,697 | 8,70,551 | 50,143 | 2,04,106 | 23,314 |
| | 1980-81 | 3,43,500 | 14,25,606 | 24,62,178 | 38,87,784 | 4,150 | 7,167 | 8,71,580 | 32,103 | 1,95,015 | 17,294 |
| Kerala . . . (S.S.) | 1979-80 | 3,28,900 | 13,10,935 | 30,33,948 | 43,44,883 | 3,986 | 9,225 | 6,36,527 | 63,645 | 42,500 | 578 |
| | 1980-81 | 3,36,400 | 14,09,442 | 31,72,697 | 45,89,139 | 4,190 | 9,452 | 9,58,049 | 61,238 | 50,592 | N.A. |
| Madhya Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | 1,93,100 | 4,69,501 | 20,89,625 | 25,59,126 | 2,431 | 10,821 | 7,42,465 | 8,993 | 1,49,749 | 11,115 |
| | 1980-81 | 2,04,950 | 4,78,871 | 20,39,734 | 25,18,605 | 2,337 | 9,952 | 6,74,071 | 11,695 | 1,30,506 | 10,130 |
| Madhya Pradesh . (P.S.) | 1979-80 | 2,400 | 6,116 | 14,878 | 20,994 | 2,548 | 6,199 | 4,708 | 23 | 937 | 60 |
| | 1980-81 | 2,450 | 3,649 | 10,567 | 14,216 | 1,489 | 4,313 | 3,193 | 12 | 606 | 8 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Maharashtra:— | | | | | | | | | | | |
| (i) Bombay Area . (S.S.) | 1979-80 | 4,750 | 20,365 | 40,909 | 61,274 | 4,287 | 8,612 | x1,486 | 73,174 | 2,313 | 1 |
| | 1980-81 | 4,350 | 21,977 | 43,008 | 64,985 | 4,052 | 9,887 | 16,774 | 74,763 | 1,820 | N.A. |
| (ii) Bombay Area (P.S.) | 1979-80 | 1,68,500 | 9,23,616 | 7,15,749 | 16,39,365 | 5,481 | 4,248 | 5,99,252 | 2,064 | 44,658 | 5,431 |
| | 1980-81 | 4,49,700 | 24,36,553 | 18,03,898 | 42,40,451 | 5,418 | 4,011 | 15,15,235 | 1,939 | 1,14,218 | 12,192 |
| (iii) Nagpur Area . (S.S.) | 1979-80 | 81,500 | 2,62,336 | 9,81,471 | 12,43,807 | 3,219 | 12,043 | 3,15,428 | 14,321 | 33,084 | 6,724 |
| | 1980-81 | 86,250 | 2,44,798 | 10,05,568 | 12,50,366 | 2,838 | 11,659 | 3,25,250 | 11,886 | 40,158 | 9,224 |
| (iv) Poona Area . (S.S.) | 1979-80 | 48,250 | 1,82,772 | 4,17,718 | 6,00,490 | 3,788 | 8,657 | 1,50,513 | 503 | 18,634 | 352 |
| | 1980-81 | 55,700 | 2,23,789 | 4,49,822 | 6,73,611 | 4,018 | 8,076 | 1,67,909 | 1,026 | 15,771 | 151 |
| (v) Poona Area . (P.S.) | 1979-80 | 35,350 | 2,36,189 | 2,02,711 | 4,38,900 | 6,681 | 5,734 | 1,90,695 | N.A. | 8,704 | 545 |
| | 1980-81 | 68,100 | 4,12,386 | 3,89,005 | 8,01,391 | 6,056 | 5,712 | 3,40,007 | N.A. | 16,518 | 828 |
| Meghalaya* . . (S.S.) | 1979-80 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. |
| | 1980-81@ | 100 | 716 | 262 | 978 | 7,160 | 2,620 | 22 | 2 | 14 | N.A. |
| Orissa . . . (S.S.) | 1979-80 | 1,07,000 | 2,17,373 | 3,05,322 | 5,22,695 | 2,032 | 2,853 | 1,37,731 | 4,497 | 34,524 | 14,392 |
| | 1980-81 | 1,22,250 | 2,59,404 | 3,32,044 | 5,91,448 | 2,122 | 2,716 | 1,57,874 | 5,137 | 30,690 | 13,666 |
| Pondicherry & Mahe . (S.S.) | 1979-80 | 17,100 | 63,646 | 1,98,381 | 2,62,027 | 3,722 | 11,601 | 56,557 | 3,186 | 11,346 | 2,19 1 |
| | 1980-81 | 18,350 | 68,055 | 2,10,605 | 2,78,660 | 3,709 | 11,477 | 73,209 | 3,767 | 15,528 | 2,380 |
| Punjab . . . (S.S.) | 1979-80@ | 15,550 | 1,67,875 | 1,21,152 | 2,89,027 | 10,796 | 7,791 | 28,509 | N.A. | 7,169 | 4,349 |
| | 1980-81 | 23,350 | 2,25,738 | 1,30,960 | 3,56,698 | 9,668 | 5,609 | 35,332 | 66 | 10,530 | 4,831 |
| Punjab . . . (P.S.) | 1979-80@ | 17,350 | 93,207 | 59,441 | 1,52,648 | 5,372 | 3,426 | 17,715 | N.A. | 11,059 | 2,861 |
| | 1980-81 | 25,650 | 1,23,839 | 69,233 | 1,93,072 | 4,828 | 2,699 | 21,876 | 649 | 13,943 | 5,015 |
| Rajasthan . . . (S.S.) | 1979-80 | 1,48,500 | 4,13,188 | 8,06,822 | 12,20,010 | 2,782 | 5,433 | 2,03,733 | 11,595 | 73,690 | 4,221 |
| | 1980-81 | 1,65,000 | 4,78,986 | 8,97,942 | 13,76,928 | 2,903 | 5,442 | 2,15,776 | 12,938 | 1,00,166 | 5,060 |
| Tamil Nadu . . (S.S.) | 1979-80 | 5,05,350 | 13,00,393 | 50,41,457 | 63,41,850 | 2,573 | 9,976 | 25,42,546 | 11,077 | 1,52,760 | 12,446 |
| | 1980-81 | 5,14,200 | 14,03,553 | 48,77,303 | 62,80,856 | 2,730 | 9,485 | 27,26,805 | 11,521 | 1,45,755 | 18,489 |
| Tamil Nadu . . (P.S.) | 1979-80 | 5,650 | 20,996 | 69,098 | 90,094 | 3,716 | 12,230 | 19,701 | 1,163 | 3,194 | N.A. |
| | 1980-81 | 5,300 | 18,961 | 67,776 | 86,737 | 3,578 | 12,788 | 20,513 | 1,159 | 2,894 | 287 |
| Uttar Pradesh . . (S.S.) | 1979-80 | 4,85,000 | 12,46,948 | 15,83,391 | 28,30,339 | 2,571 | 3,265 | 6,83,775 | 19,636 | 76,231 | 5,682 |
| | 1900-81 | 4,95,000 | 14,38,831 | 20,67,894 | 35,06,725 | 2,907 | 4,178 | 5,93,651 | 16,314 | 1,24,399 | 3,021 |
| West Bengal . . (P.S.) | 1979-80 | 7,14,350 | 26,52,798 | 19,00,352 | 45,53,150 | 3,714 | 2,660 | 12,12,484 | N.A. | 1,24,650 | 50,914 |
| | 1980-81 | 7,14,350 | 26,48,764 | 19,00,389 | 45,49,153 | 3,708 | 2,660 | 12,64,377 | N.A. | 1,20,580 | 50,942 |
| ALL INDIA . . | 1979-80 | 48,21,250 | 1,38,24,673 | 2,84,13,617 | 4,22,38,290 | 2,867 | 5,893 | 1,03,81,263 | 3,14,539 | 14,28,381 | 2,18,940 |
| | 1980-81 | 52,85,150 | 1,61,06,088 | 2,92,01,591 | 4,53,07,679 | 3,047 | 5,525 | 1,19,51,964 | 2,76,592 | 15,09,931 | 2,22,683 |

(S.S.) Service System

(P.S.) Panel System

@Figures for certain months not received; Weighted average taken.

*Scheme implemented w.e.f. 28-9-80.

APPENDIX-XIII

Attendance and Home Visits during 1979-80 and 1980-81 State-Wise

(In respect of Family Members of Insured Persons)

| State | Period | No. of family (Insured Person) units deemed exposed to risk | Attendances | | | No. of attendances per 1000 family (Insured persons) units per annum | | No. of Home Visits |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | New Cases | Old Cases | Total Cases | New Cases | Old Cases | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| Andhra Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | 2,67,500 | 9,81,315 | 26,55,035 | 36,36,350 | 3,668 | 9,925 | 20,392 |
| | 1880-81 | 2,76,000 | 11,16,757 | 24,48,295 | 35,65,052 | 4,046 | 8,871 | 17,986 |
| Assam . . . (S.S.) | 1979-80 | 34,500 | 1,04,779 | 68,722 | 1,73,501 | 3,037 | 1,992 | 216 |
| | 1980-81 | 37,000 | 1,10,056 | 78,779 | 1,88,835 | 2,974 | 2,129 | 923 |
| Bihar . . . (S.S.) | 1979-80 | 1,57,500 | 2,69,160 | 2,70,645 | 5,39,805 | 1,709 | 1,718 | 6,025 |
| | 1980-81 | 1,91,000 | 2,73,363 | 2,43,622 | 5,16,985 | 1,431 | 1,276 | 1,194 |
| Chandigarh . . (S.S.) | 1979-80 | 17,500 | 52,781 | 58,204 | 1,10,985 | 3,016 | 3,326 | 2,311 |
| | 1980-81 | 22,000 | 63,296 | 74,503 | 1,37,799 | 2,877 | 3,387 | 2,435 |
| Delhi . . . (S.S.) | 1979-80 | 3,17,000 | 8,29,444 | 11,34,341 | 19,63,785 | 2,617 | 3,578 | 10,168 |
| | 1980-81 | 3,47,000 | 9,22,335 | 12,36,674 | 21,59,009 | 2,658 | 3,564 | 11,482 |
| Goa . . . (S.S.) | 1979-80 | 20,500 | 41,511 | 10,135 | 51,646 | 2,025 | 494 | 276 |
| | 1980-81 | 22,000 | 44,049 | 11,121 | 55,170 | 2,002 | 506 | 160 |
| Gujarat . . . (S.S.) | 1979-80 | 5 26,400 | 9,20,127 | 37,34,294 | 46,54,421 | 1,748 | 7,094 | 2,951 |
| | 1880-81 | 4,87,900 | 8,23,385 | 32,61,067 | 40,84,452 | 1,688 | 6,684 | 2,704 |
| Gujarat . . . (P.S.) | 1979-80 | 56,450 | 2,56,597 | 2,18,425 | 4,75,022 | 4,546 | 3,869 | 391 |
| | 1980-81 | 41,150 | 1,87,964 | 1,43,723 | 3,31,687 | 4,568 | 3,493 | 358 |
| Haryana . . . (S.S.) | 1979-80 | 2,29,250 | 4,43,948 | 5,13,127 | 9,57,075 | 1,937 | 2,238 | 3,835 |
| | 1980-81 | 2,53,000 | 3,70,771 | 4,01,419 | 7,72,190 | 1,465 | 1,587 | 2,401 |
| Himachal Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | ... | ... | ... | ... | ... | ... | .. |
| | 1980-81 | 1,300 | 2,879 | 994 | 3,873 | 2,215 | 765 | N.A. |
| Karnataka . . (S.S.) | 1979-80 | 3,16,000 | 19,88,867 | 36,65,878 | 56,54,745 | 6,294 | 11,601 | 12,559 |
| | 1980-81 | 3,59,000 | 16,82,176 | 29,23,557 | 46,05,733 | 4,686 | 8,144 | 12,775 |
| Kerala . . . (S.S.) | 1979-80 | 3,28,900 | 14,01,158 | 34,27,158 | 48,28,316 | 4,260 | 10,420 | 143 |
| | 1980-81 | 3,38,950 | 15,81,411 | 34,63,027 | 50,44,438 | 4,666 | 10,217 | 31 |
| Madhya Pradesh . (S.S.) | 1979-80 | 1,93,100 | 6,41,889 | 17,57,055 | 23,98,944 | 3,324 | 9,099 | 597 |
| | 1980-81 | 2,04,900 | 6,95,511 | 17,75,867 | 24,71,378 | 3,394 | 8,667 | 282 |
| Madhya Pradesh . (P.S.) | 1979-80 | 2,490 | 9,445 | 11,801 | 21,246 | 3,935 | 4,917 | N.A. |
| | 1980-81 | 2,450 | 6,862 | 9,522 | 16,384 | 2,801 | 3,887 | N.A. |
| Maharashtra | | | | | | | | |
| (i) Bombay Area . (S.S.) | 1979-80 | 4,750 | 20,300 | 35,600 | 55,900 | 4,274 | 7,495 | 4 |
| | 1980-81 | 4,350 | 19,524 | 32,207 | 51,731 | 4,488 | 7,404 | 1 |
| (ii) Bombay Area . (P.S.) | 1979-80 | 1,66,700 | 4,94,776 | 3,45,993 | 8,40,769 | 2,968 | 2,076 | 2,145 |
| | 1980-81 | 5,46,550 | 13,10,958 | 8,72,459 | 21,83,417 | 2,399 | 1,596 | 3,580 |
| (iii) Nagpur Area . (S.S.) | 1979-80 | 81,500 | 3,02,770 | 13,38,699 | 16,41,459 | 3,715 | 16,426 | 4,158 |
| | 1980-81 | 90,550 | 2,80,823 | 13,30,278 | 16,11,101 | 3,101 | 14,691 | 5,219 |
| (iv) Poona Area . (S.S.) | 1979-80 | 48,300 | 2,00,856 | 1,24,342 | 6,25,198 | 4,159 | 8,786 | 9 |
| | 1980-81 | 55,700 | 2,34,708 | 4,38,019 | 6,72,727 | 4,214 | 7,864 | N.A. |
| (v) Poona Area . (P.S.) | 1979-80 | 35,850 | 2,16,755 | 1,66,045 | 3,82,800 | 6,046 | 4,632 | 521 |
| | 1980-81 | 68,100 | 3,92,190 | 2,86,060 | 6,78,250 | 5,759 | 4,201 | 1,039 |
| Meghalaya* . . (S.S.) | 1979-80 | ... | ... | ... | ... | ... | ... | .. |
| | 1980-81@ | 100 | 922 | 236 | 1,158 | 9,220 | 2,360 | 6 |
| Orissa . . . (S.S.) | 1979-80 | 1,07,000 | 2,81,788 | 3,98,179 | 6,79,967 | 2,634 | 3,721 | 5,795 |
| | 1980-81 | 1,28,500 | 3,13,679 | 4,94,220 | 8,07,899 | 2,441 | 3,846 | 4,009 |
| Pondicherry & Mahe . (S.S.) | 1979-80 | 17,100 | 74,898 | 2,83,329 | 3,58,227 | 4,380 | 16,569 | 2,353 |
| | 1980-81 | 19,550 | 66,597 | 2,98,022 | 3,64,619 | 2,406 | 15,244 | 2,370 |
| Punjab . . . (S.S.) | 1979-80@ | 10,250 | 1,81,095 | 65,556 | 2,46,651 | 17,668 | 6,396 | 2,638 |
| | 1980-81 | 10,150 | 2,37,218 | 1,00,381 | 3,37,599 | 23,371 | 9,890 | 4,886 |
| Punjab . . . (P.S.) | 1979-80@ | 16,150 | 1,00,200 | 58,169 | 1,58,369 | 2,304 | 3,602 | 2 561 |
| | 1980-81 | 23,150 | 1,22,091 | 62,717 | 1,84,808 | 5,274 | 2,709 | 2,547 |
| Rajasthan . . (S.S.) | 1979-80 | 1,48,500 | 6,31,510 | 10,70,102 | 17,01,612 | 4,253 | 7,206 | 934 |
| | 1980-81 | 1,75,000 | 7,00,060 | 11,77,863 | 18,77,923 | 4,000 | 6,731 | 1,084 |
| Tamil Nadu . . (S.S.) | 1979-80 | 5,05,350 | 13,39,994 | 51,03,446 | 64,43,440 | 2,652 | 10,099 | 18,795 |
| | 1980-81 | 5,14,200 | 14,40,930 | 50,35,597 | 64,76,527 | 2,802 | 9,793 | 22,136 |
| Tamil Nadu . . (P.S.) | 1979-80 | 5,650 | 22,875 | 91,437 | 1,14,312 | 4,049 | 16,184 | 1,558 |
| | 1980-81 | 5,300 | 22,504 | 84,830 | 1,07,334 | 4,246 | 16,006 | 1,937 |
| Uttar Pradesh . . (S.S.) | 1979-80 | 4,85,000 | 11,73,033 | 14,39,683 | 26,12,716 | 2,419 | 2,968 | 25,158 |
| | 1980-81 | 5,00,000 | 15,11,605 | 25,14,159 | 40,25,764 | 3,023 | 5,028 | 35,062 |
| West Bengal . . (P.S.) | 1979-80 | 6,03,500 | 22,79,441 | 12,12,976 | 34,92,417 | 3,777 | 2,010 | 22,350 |
| | 1980-81 | 5,20,150 | 22,79,754 | 20,46,828 | 43,26,582 | 4,383 | 3,935 | 22,379 |
| ALL INDIA . | 1979-80 | 47,02,600 | 1,52,61,312 | 2,95,58,376 | 4,48,19,688 | 3,245 | 6,286 | 1,48,843 |
| | 1980-81 | 52,45,000 | 1,68,14,378 | 3,08,46,046 | 4,76,60,424 | 3,206 | 5,881 | 1,58,986 |

(S.S.) Service System
(P.S.) Panel System
@ Figures for certain months not received; Weighted average taken.
* Scheme implemented w.e.f. 28-9-80.

APPENDIX XIV

Incidence of Morbidity i.e. number of new cases per 1,000 Insured Persons and 1,000 Family (I.P.) Units 1979-80 and 1980-81

ALL-INDIA

| Cause Group No. | Disease | Insured Persons | | Families | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 1979-80 | 1980-81 | 1979-80 | 1980-81 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | T.B. of respiratory system | 9.9 | 13.3 | 8.9 | 10.3 |
| 2. | T.B. other forms | 3.8 | 4.1 | 4.1 | 4.3 |
| 3. | Syphilis and its sequelae | 1.7 | 2.5 | 1.3 | 0.9 |
| 4. | Gonococcal infection | 3.1 | 3.4 | 2.6 | 2.3 |
| 5. | Dysentery, all forms | 200.5 | 220.0 | 205.7 | 211.1 |
| 6. | Cholera, Enteric Fever, other infective diseases arising in intestinal tract | 19.9 | 21.7 | 22.7 | 26.6 |
| 7. | Scarlet fever, Diptheria, Whooping Cough, Measles, Mumps, Chickenpox | 6.5 | 9.8 | 22.9 | 25.6 |
| 8. | Typhus and other rickettsial diseases | 0.3 | 0 4 | 0.3 | 0.5 |
| 9. | Malaria | 32.0 | 30.2 | 39.4 | 34.3 |
| 10. | Filariasis, Ankylostomiasis and other Helminths | 58.6 | 64.0 | 91 9 | 98.4 |
| 11. | All other diseases classified as infective and parasitic | 49.5 | 53.6 | 57.3 | 60.5 |
| 12. | Malignant neoplasms all sities | 0.3 | 0.3 | 0.2 | 0.1 |
| 13. | Benign neoplasms all sites | 2.1 | 1.3 | 0.2 | 1.8 |
| 14. | Allergic disorders | 97.3 | 101.0 | 119.1 | 121.4 |
| 15. | Diseases of Thyroid gland | 1.3 | 1.5 | 1.4 | 3.5 |
| 16. | Diabetes Mellitus | 4.4 | 5.4 | 4.2 | 6.7 |
| 17. | Avitaminosis and other deficiency states | 109 4 | 118 9 | 129.7 | 130.8 |
| 18. | Anaemias | 83 2 | 87.2 | 111.6 | 116.7 |
| 19. | Psychoneuroses and Psychoses | 1.7 | 2.3 | 2.0 | 1.5 |
| 20. | Vascular lesions C.N.S. | 0.7 | 0.9 | 0.6 | 0.9 |
| 21. | Diseases of eye | 91.2 | 91.3 | 114.9 | 114.6 |
| 22. | Diseases of ear and Mostoid Process | 54.2 | 58.8 | 73.8 | 77.1 |
| 23. | Rheumatic fever | 5.4 | 5.7 | 4 7 | 5.1 |
| 24. | Chronic Rheumatic heart diseases | 0.6 | 0.6 | 0.8 | 1.3 |
| 55. | Arteriosclerotic and degenerative heart diseases | 0.5 | 0.6 | 0.5 | 0.6 |
| 26. | Hypertensive diseases | 8.3 | 15.2 | 9 9 | 12.3 |
| 27. | Diseases of Veins | 6.1 | 7.7 | 5.5 | 77.7 |
| 28. | Acute nasopharyngitis (common cold) | 268.2 | 274.2 | 301.4 | 279.6 |
| 29. | Acute Pharyngitis and tensillitis | 74.0 | 81.4 | 94.8 | 96.3 |
| 30. | Influenza | 116.8 | 136.8 | 119.1 | 121.6 |
| 31. | Pneumonia | 2.8 | 3.4 | 5.8 | 5.5 |
| 32. | Bronchitis | 214.8 | 234.9 | 226.7 | 227.7 |
| 33. | Silicosis and occupational Pulmonary fibrosis | 0 3 | 0.0 | 0.2 | 0.0 |
| 34. | Other respiratory diseases | 67.0 | 72.3 | 77.4 | 75.8 |
| 35. | Diseases of stomach and duodenum | 119.4 | 122.7 | 127.2 | 116.8 |
| 36. | Appendicitis | 2.0 | 1.8 | 1.0 | 1.0 |
| 37. | Hernia of abdominal cavity | 1.3 | 2 3 | 0.8 | 1.3 |
| 38. | Diarrhoea and enteritis | 163.6 | 167.3 | 200.8 | 193.8 |
| 39. | Diseases of gallbladdar and bile ducts | 1.3 | 1.6 | 1.3 | 1.9 |
| 40. | Other diseases of digestive system | 133.3 | 137.8 | 139.3 | 140.8 |
| 41. | Nephritis and nephrosis | 1.5 | 1.9 | 2.0 | 1.4 |
| 42. | Diseases of genital organs | 17.1 | 19.1 | 31.6 | 29.4 |
| 43. | Deliveries, complications of pregnancy, Child birth and the Puerperium | 24.0* | 29.4* | 10.4 | 12.3 |
| 44. | Boil, abscess, cellulitis and other skin infections | 169.7 | 170.0 | 187.2 | 169.7 |
| 45. | Other diseases of skin | 95.2 | 94.1 | 110.8 | 98.2 |
| 46. | Arthritis and rheumatism | 124.9 | 128.7 | 108.6 | 99.8 |
| 47. | Diseases of bones and other organs of movement | 9.9 | 13.2 | 7.7 | 9.4 |
| 48. | Congenital Malformations and diseases peculiar to early infancy | 0.6 | 0.9 | 0.3 | 0.7 |
| 49. | Other specific and ill-defined diseases | 246.1 | 255.8 | 290.9 | 279.6 |
| 50. | Accidents, poisoning and Violence | 181.0 | 201.5 | 161.6 | 164.8 |
| 51. | Other Miscellaneous Groups | 2.0 | 1.6 | 2.1 | 1.5 |
| | Total No. of new cases | 2,867.4 | 3,047.4 | 3,243.3 | 3,205.8 |

*Per 1,000 insured women employees.

## APPENDIX XV

*Estimated Expenditure incurred on provision of Medical Benefit during* 1980-81.

| Sl. No. | Name of the State | No. of Employees deemed exposed to risk | Total estimated expenditure on medical benefit as intimated by the State Govt. | Per capital cost |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Andhra Pradesh | 247500 | 3,84,91,269.92 | 155.52 |
| 2. | Assam | 33000 | 34,65,788.81 | 105.02 |
| 3. | Bihar | 150000 | 1,28,79,957.95 | 85.87 |
| 4. | Chandigarh Admn. | 16650 | 24,40,905.19 | 146.60 |
| 5. | Delhi | 271500 | 3,75,05,310.09 | 138.15 |
| 6. | Goa | 19750 | 17,06,921.36 | 86 43 |
| 7. | Gujarat | 555000 | 7,77,00,500.00 | 140.00 |
| 8. | Haryana | 199500 | 2,11,50,218.00 | 106.02 |
| 9. | Himachal Pradesh | .. | NA | NA |
| 10. | Karnataka | 310000 | 4,18,92,231.76 | 135.14 |
| 11. | Kerala | 314000 | 4,39,32,734.10 | 139.91 |
| 12. | Madhya Pradesh | 167500 | 1,99,90,421.60 | 119.35 |
| 13. | Maharashtra | 1489000 | 21,15,16,327.00 | 142.05 |
| 14. | Orissa | 115000 | 1,03,16,091.00 | 89.71 |
| 15. | Pondicherry | 16000 | 27,67,917.60 | 173.00 (Provisional) |
| 16. | Punjab | 172500 | 2,31,14,077.51 | 133.99 |
| 17. | Rajasthan | 132000 | 1,89,03,000.00 | 142.65 (Provisional) |
| 18. | Tamil Nadu | 462500 | 6,36,41,176.59 | 137.60 |
| 19. | Uttar Pradesh | — | NA | NA |
| 20. | West Bengal | 1030000 | 11,44,70,200.00 | 111.14 |
| | TOTAL | 5701400 | 74,08,85,048.48 | 129.94 |

## APPENDIX—XVI

Incidence of Sickness and Maternity Benefit Claims in 1979-80 and 1980-81—State-wise

| State | Period | No. of employees deemed exposed to risk for Sickness/ Ext. Sickness Benefit | Total No. of Cash Benefit Payments | Average No. of Cash Benefit Payments per employees per annum | Sickness Benefit | | | Extended Sikeness Benefit | | Maternity Benefit | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Rate of fresh spells per employee per annum | Average No. of S.B. Days per employee per annum | Average daily rate (Rs.) | Rate of fresh cases per 1000 employees per annum | Average duration per terminated case | Rate of confinement per 1000 insured women employees exposed | Average amount per confinement (Rs.) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| Andhra | 1979-80 | 2,35,150 | 3,66,622 | 1.6 | 0.97 | 8.0 | 7.59 | 1 9 | 243.3 | 41.3 | 1,116 |
| Pradesh | 1980-81 | 2,39,050 | 4,82,211 | 2.0 | 1.35 | 10.8 | 8.57 | 2.7 | 233.1 | 53.0 | 1,025 |
| Assam | 1979-80 | 28,250 | 42,991 | 1.5 | 1.02 | 7.9 | 6.60 | 2.2 | 245.5 | 74.2 | 734 |
| | 1980-81 | 31,200 | 46,148 | 1.5 | 1.02 | 8.4 | 7.06 | 1.3 | 320.0 | 97.6 | 703 |
| Bihar | 1979-80 | 1,24,050 | 1,92,680 | 1.6 | 1.18 | 11.9 | 8.15 | 3.9 | 323.1 | 12.2 | 839 |
| | 1980-81 | 1,36,400 | 2,01,308 | 1.5 | 1.12 | 11.9 | 8.43 | 3.5 | 204.6 | 17.9 | 679 |
| Chandigarh | 1979-80 | 12,900 | 5,144 | 0.4 | 0.29 | 2.3 | 9.30 | 1.1 | .. | 126.2 | 982 |
| | 1980-81 | 14,350 | 6,316 | 0.4 | 0.29 | 2.2 | 9.32 | 0.8 | 180.0 | 151.4 | 917 |
| Delhi | 1979-80 | 2,40,000 | 1,36,284 | 0.6 | 0.27 | 3.4 | 9.25 | 3.1 | 265.0 | 35.6 | 1,070 |
| | 1980-81 | 2,59,800 | 1,34,984 | 0.5 | 0.21 | 2.6 | 8.67 | 2.6 | 329.4 | 43.0 | 1,109 |
| Gujarat | 1979-80 | 5,24,200 | 6,61,132 | 1.3 | 0.58 | 5.7 | 9.68 | 5.5 | 260.9 | 49.6 | 769 |
| | 1980-81 | 5,46,100 | 7,11,556 | 1.3 | 0.63 | 6.0 | 10.51 | 5.1 | 234.7 | 47.8 | 712 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Haryana | 1979-80 | 1,74,300 | 76,742 | 0.4 | 0.23 | 2.4 | 8.08 | 2.3 | 183.1 | 18.3 | 1,121 |
| | 1980-81 | 1,89,300 | 86,413 | 0.5 | 0.24 | 2.4 | 8.73 | 2.1 | 203.3 | 20.8 | 975 |
| Himachal | 1979-80 | 850 | 442 | 0.5 | 0.27 | 2.4 | 10.00 | 1.2 | 100.0 | — | — |
| Pradesh | 1980-81 | 1,100 | 394 | 0.4 | 0.14 | 1.8 | 9.50 | — | — | — | — |
| Karnataka | 1979-80 | 2,83,900 | 6,28,715 | 2.2 | 1.62 | 9.4 | 9.77 | 2.3 | 254.5 | 101.5 | 866 |
| | 1980-81 | 2,96,700 | 8,26,969 | 2.8 | 2.13 | 12.8 | 11.51 | 2.1 | 248.1 | 78.8 | 1,081 |
| Kerala & | 1979-80 | 3,06,750 | 5,95,963 | 1.9 | 1.26 | 8.6 | 7.20 | 2.6 | 250.1 | 62.0 | 638 |
| Mahe | 1980-81 | 3,08,100 | 7,35,952 | 2.4 | 1.63 | 10.5 | 7.34 | 3.3 | 246.9 | 55.5 | 714 |
| Madhya | 1979-80 | 1,69,700 | 3,68,929 | 2.2 | 1.64 | 14.4 | 8.76 | 4.8 | 270.7 | 28.0 | 756 |
| Pradesh | 1980-81 | 1,63,300 | 3,90,351 | 2.4 | 1.05 | 14.3 | 9.47 | 5.6 | 247.1 | 35.4 | 735 |
| Maharashtra | 1979-80 | 14,27,200 | 19,35,939 | 1.4 | 0.90 | 6.6 | 10.40 | 4.9 | 182.3 | 44.3 | 1,479 |
| | 1980-81 | 14,82,600 | 19,18,225 | 1.3 | 0.84 | 6.1 | 11.41 | 6.1 | 179.6 | 48.7 | 1,434 |
| Orissa | 1979-80 | 90,300 | 83,282 | 0.9 | 0.59 | 5.1 | 8.00 | 1.6 | 273.3 | 22.0 | 686 |
| | 1980-81 | 1,04,600 | 1,12,012 | 1.1 | 0.76 | 6.0 | 8.66 | 1.5 | 316.0 | 19.1 | 645 |
| Pondicherry | 1979-80 | 15,000 | 24,731 | 1.6 | 1.43 | 6.9 | 9.57 | 3.9 | 189.5 | 20.0 | 1,005 |
| | 1980-81 | 15,050 | 48,875 | 3.2 | 2.09 | 10.0 | 10.80 | 4.1 | 217.9 | 32.2 | 1,587 |
| Punjab | 1979-80 | 1,54,600 | 66,425 | 0.4 | 0.22 | 2.3 | 6.97 | 2.0 | 202.2 | 20.5 | 735 |
| | 1980-81 | 1,62,950 | 70,844 | 0.4 | 0.20 | 2.2 | 7.48 | 0.8 | 197.3 | 21.8 | 861 |
| Rajasthan | 1979-80 | 1,13,900 | 1,43,445 | 1.3 | 0.77 | 5.8 | 9.48 | 4.9 | 291.1 | 33.1 | 614 |
| | 1980-81 | 1,21,950 | 1,65,578 | 1.5 | 0.77 | 6.6 | 9.85 | 3.7 | 191.2 | 23.2 | 926 |
| Tamil Nadu | 1979-80 | 4,43,750 | 15,46,239 | 3.5 | 2.83 | 18.3 | 10.64 | 2.0 | 262.8 | 64.7 | 490 |
| | 1980-81 | 4,49,400 | 17,41,975 | 3.9 | 2.80 | 16.2 | 11.79 | 4.3 | 208.1 | 55.3 | 666 |
| Uttar | 1979-80 | 4,33,900 | 4,24,654 | 1.0 | 0.57 | 8.6 | 9.37 | 2.5 | 227.3 | 39.0 | 752 |
| Pradesh | 1980-81 | 4,42,800 | 3,91,187 | 0.9 | 0.46 | 8.0 | 9.29 | 2.9 | 224.4 | 19.4 | 1,104 |
| West Bengal | 1979-80 | 9,65,600 | 12,46,908 | 1.3 | 0.94 | 6.9 | 9.44 | 5.8 | 228.0 | 22.8 | 1,011 |
| | 1980-81 | 9,82,200 | 14,33,520 | 1.5 | 0.88 | 7.8 | 10.44 | 6.4 | 246.8 | 24.6 | 1,402 |
| TOTAL | 1979-80 | 57,44,300 | 85,47,267 | 1.5 | 1.00 | 7.8 | 9.54 | 4.0 | 225.6 | 49.4 | 860 |
| | 1980-81 | 59,46,950 | 95,04,818 | 1.6 | 1.02 | 8.0 | 10.29 | 4.5 | 220.3 | 47.5 | 960 |

## APPENDIX XVII

Incidence of Disablement and Dependents Claims admitted in 1979-80 and 1980-81

| State | Period | No. of employees deemed exposed to risk | Temporry Disablement Benefit | | | Premanent Disablement Benefit | | | Dependents' Benefit | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Rate of fresh Spells per employee per annum | No. of T.D.B. days per employee per annum | Average daily rate of T.D.B. (Rs.) | No. of fresh cases admitted | Rate of fresh cases per 1000 employees per annum | No. of cases commuted for lump sum | No. of Beneficiaries at the end of the year | No. of Death cases admitted | No. of Beneficiaries at the end of the year |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| Andhra Pradesh | 1979-80 | 2,37,500 | 0.05 | 0.75 | 8.28 | 572 7S | 2.44 | 476 | 771 | — | 686 |
| | 1980-81 | 2,47,500 | 0.06 | 1.00 | 9.13 | 340 1S | 1.38 | 380 | 861 | 123 | 1,049 |
| Assam | 1979-80 | 30,500 | 0.04 | 0.78 | 6.73 | 95 | 3.11 | 82 | 159 | 2 | 105 |
| | 1980-81 | 33,000 | 0.04 | 0.75 | 7.56 | 73 | 2.21 | 45 | 153 | 3 | 114 |
| Bihar | 1979-80 | 1,32,500 | 0.03 | 0.60 | 7.68 | 145 | 1.09 | 113 | 420 | 9 | 375 |
| | 1980-81 | 1,50,000 | 0.03 | 0.65 | 8.58 | 223 | 1.49 | 136 | 430 | 23 | 441 |
| Chandigarh | 1979-80 | 14,150 | 0.05 | 0.71 | 7.77 | 41 | 2.90 | 35 | 28 | 2 | 35 |
| | 1980-81 | 16,650 | 0.03 | 0.45 | 12.52 | 76 | 4.56 | 80 | 29 | 2 | 39 |
| Delhi | 1979-80 | 2,55,000 | 0.04 | 0.84 | 11.46 | 2,382 33S | 9.47 | 1,540 | 1,186 | 30 | 666 |
| | 1980-81 | 2,71,500 | 0.04 | 0.95 | 12.00 | 2,894 18S | 10.73 | 2,565 | 1,697 | 37 | 736 |
| Gujarat | 1979-80 | 5,42,500 | 0.13 | 1.76 | 11.56 | 2,129 326S | 4.53 | 1,592 | 2,337 | 53 | 1,658 |
| | 1980-81 | 5,55,000 | 0.14 | 1.81 | 13.29 | 2,387 273S | 4.79 | 2,308 | 2,025 | 116 | 1,883 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Haryana | 1979-80 | 1,85,000 | 0 04 | 0 71 | 8 59 | 722 | 3 88 | 606 | 932 | 34 | 619 |
| | 1980-81 | 1,99,500 | 0 04 | 0.70 | 9 63 | 872 | 4 37 | 701 | 729 | 31 | 688 |
| Himachal | 1979-80 | 1,050 | 0 12 | 1 08 | 9.67 | — | — | — | — | — | — |
| Pradesh | 1980-81 | 1,200 | 0 09 | 1 16 | 10 06 | — | — | — | — | — | — |
| Karnataka | 1979-80 | 2,93,000 | 0 09 | 0 96 | 9 04 | 559 | 1 91 | 429 | 811 | 49 | 947 |
| | 1980-81 | 3,10,000 | 0 09 | 1 01 | 10 35 | 740 2S | 2 39 | 458 | 976 | 41 | 1,049 |
| Kerala & | 1979-80 | 3,07,500 | 0 07 | 1 03 | 10.27 | 949 | 3 09 | 678 | 984 | 31 | 771 |
| Mahe | 1980-81 | 3,14,000 | 0 08 | 0 99 | 11 36 | 11,65 | 3 71 | 1,081 | 1,040 | 36 | 833 |
| Madhya | 1979-80 | 1,65,000 | 0 19 | 3 33 | 10 87 | 327 | 1 98 | 170 | 745 | 18 | 622 |
| Pradesh | 1980-81 | 1,67,500 | 0 25 | 4 28 | 12 04 | 349 | 2 08 | 161 | 848 | 39 | 730 |
| Maharashtra | 1979-80 | 14,77,750 | 0 06 | 0 79 | 11 63 | 35,84 248S | 2 59 | 2,326 | 12,258 | 120 | 4,259 |
| | 1980-81 | 15,08,750 | 0 07 | 0 87 | 12 62 | 5,341 360S | 3 78 | 2,118 | 14,027 | 258 | 4,983 |
| Orissa | 1979-80 | 1,00,500 | 0 03 | 0 55 | 7 23 | 156 | 1 55 | 86 | 278 | 12 | 208 |
| | 1980-81 | 1,15,000 | 0 04 | 0 64 | 8 89 | 156 | 1 36 | 117 | 290 | 3 | 217 |
| Pondicherry | 1979-80 | 15,000 | 0 10 | 0 99 | 11 63 | 7 | 0 47 | 5 | 28 | 1 | 18 |
| | 1980-81 | 16,000 | 0 13 | 1 34 | 14 55 | 8 | 0 50 | 9 | 21 | 2 | 24 |
| Punjab | 1979-80 | 1,60,500 | 0 03 | 0 66 | 7 19 | 723 | 4 50 | 454 | 950 | 35 | 642 |
| | 1980-81 | 1,72,500 | 0 03 | 0 64 | 7 89 | 732 | 4 24 | 570 | 904 | 33 | 724 |
| Rajasthan | 1979-80 | 1,19,500 | 0 09 | 1 20 | 10 21 | 235 | 1 97 | 209 | 385 | 18 | 521 |
| | 1980-81 | 1,32,000 | 0 08 | 1 03 | 11 13 | 349 2S | 2 66 | 246 | 495 | 40 | 612 |
| Tamil Nadu | 1979-80 | 4,47,500 | 0 08 | 0 69 | 10 78 | 645 5S | 1 54 | 652 | 1,283 | 17 | 982 |
| | 1980-81 | 4,62,500 | 0 07 | 0 69 | 11 57 | 743 4S | 1 62 | 548 | 1,419 | 32 | 1,050 |
| Uttar Pradesh | 1979-80 | 4,40,000 | 0 04 | 1 21 | 11 12 | 454 | 1 03 | 318 | 1,852 | 34 | 1,432 |
| | 1980-81 | 4,55,000 | 0 03 | 0 99 | 11 42 | 641 | 1 41 | 381 | 2,049 | 43 | 1,569 |
| West Bengal | 1979-80 | 9,75,000 | 0 10 | 1 46 | 10 66 | 1,278 | 1 31 | 706 | 16,329 | 61 | 2,556 |
| | 1980-81 | 10,30,000 | 0 11 | 1 76 | 11 80 | 3,036 7S | 2 95 | 1,474 | 17,989 | 64 | 2,729 |
| TOTAL | 1979-80 | 58,99,450 | 0 07 | 1 10 | 10 72 | 15,003 619S | 2 65 | 10,477 | 41,736 | 525 | 17,102 |
| | 1980-81 | 61,57,600 | 0 08 | 1 19 | 11 79 | 20,125 667S | 3 78 | 13,378 | 45,982 | 926 | 19,470 |

## APPENDIX XVIII

Incidence of Permanent Disablement Benefit Claims admitted in 1979-80 and 1980-81—Industry-wise

| Industry | Period | Estimated No. of employees exposed to risk | No of accident cases admitted | Rate of PDB cases per 1000 employees p a. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Food, Beverages and Tobacco | 1979-80 | 4,33,800 | 187 | 0 43 |
| | 1980-81 | 4,31,450 | 369 | 0.86 |
| Textiles | 1979-80 | 19,96,750 | 11947 | 5.98 |
| | 1980-81 | 20,96,400 | 15736 | 7.51 |
| Leather and Rubber | 1979-80 | 1,55,500 | 167 | 1.07 |
| | 1980-81 | 1,65,700 | 221 | 1 33 |
| Chemicals and Chemical Products | 1979-80 | 3,67,250 | 334 | 0 91 |
| | 1980-81 | 3,92,650 | 386 | 0 98 |
| Non-Metallic Minerals | 1979-80 | 2,58,500 | 327 | 1 26 |
| | 1980-81 | 2,70,500 | 472 | 1.74 |
| Metallic Minerals | 1979-80 | 4,88,950 | 714 | 1 46 |
| | 1980-81 | 5,18,300 | 922 | 1 78 |
| Engineering | 1979-80 | 9,22,050 | 970 | 1 05 |
| | 1980-81 | 9,49,550 | 1396 | 1 47 |
| Transport | 1979-80 | 4,02,500 | 351 | 0.87 |
| | 1980-81 | 3,93,100 | 468 | 1.19 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| Paper and Printing | 1979-80 | 2,59,100 | 238 | 0.92 |
| | 1980-81 | 2,67,000 | 233 | 0.87 |
| Miscellaneous | 1979-80 | 3,83,850 | 337 | 0.01 |
| | 1980-81 | 4,10,500 | 589 | 1.43 |
| Commercial Establishments | 1979-80 | 1,24,200 | — | — |
| | 1980-81 | 1,34,350 | — | — |
| Hotels and Restaurants | 1979-80 | 79,400 | — | — |
| | 1980-81 | 99,450 | — | — |
| Cinemas and Theatres | 1979-80 | 27,600 | — | — |
| | 1980-81 | 28,650 | — | — |
| TOTAL | 1979-80 | 53,99,450 | 15622 | 2.65 |
| | 1980-81 | 61,57,600 | 20792 | 3.38 |

## APPENDIX XIX

Particulars of Legal Action Taken during the Year 1980-81 under the E.S.I. Act

| State | Amount Involved in Cases filed under | | | | | | | | Amount Recovered by action under Section | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Section 66 | | Section 67 | | Section 73-D | | Section 75(2)45-B | | Section 66 | Section 67 | Section 73-D | Section 75(2) 45-B | No. of Cases Filed under Section 85 |
| | Cases | Amt. | Cases | Amt. | Cases | Amt. | Cases | Amount | | | | | |
| Andhra Pradesh | — | — | — | — | 16 | 36746 | 1126 | 6653215 | — | — | 12637 | 288163 | 142 |
| Assam | — | — | — | — | — | — | 35 | 614835 | — | — | — | 68639 | 8 |
| Bihar | — | — | — | — | 4 | 11911 | 125 | 3776556 | — | — | 139697 | 1075516 | 48 |
| Delhi | — | — | — | — | 1 | 12604 | 323 | 2243891 | — | — | — | 853501 | 149 |
| Gujarat | — | — | — | — | — | — | 888 | 1117009 | — | — | 574156 | 135223 | 43 |
| Kerala | — | — | — | — | — | — | 767 | 4197272 | — | — | 157603 | 1667704 | 41 |
| Karnataka | — | — | — | — | — | — | 415 | 2928588 | — | — | — | 391940 | 138 |
| Madhya Pradesh | — | — | — | — | — | — | 230 | 2456638 | — | — | — | 148177 | 59 |
| Maharashtra | — | — | — | — | 11 | 96505 | 407 | 8517116 | — | 30724 | 11312 | 888314 | 24 |
| Orissa | — | — | — | — | — | — | 9 | 55783 | — | — | — | 69561 | 72 |
| Punjab | — | — | — | — | — | — | 344 | 2893754 | — | — | — | 846362 | 77 |
| Pune | — | — | — | — | 4 | 3901 | 78 | 391804 | — | — | 85007 | 205931 | 46 |
| Nagpur | — | — | — | — | — | 82 | 82 | 225658 | — | — | — | 34810 | 24 |
| Haryana | — | — | — | — | 3 | 6902 | 266 | 2756666 | 4000 | — | 8507 | 1586338 | 299 |
| West Bengal | — | — | — | — | 84 | 4160381 | 436 | 14248642 | — | — | 1542016 | 724518 | 91 |
| Tamilnadu | — | — | — | — | 125 | 1118712 | 486 | 6072451 | — | — | 114396 | 616457 | 16 |
| Rajasthan | — | — | — | — | — | — | 266 | 2714449 | — | — | — | 297695 | 278 |
| Uttar Pradesh | — | — | — | — | — | — | 55 | 570391 | — | — | — | 17n2196 | |
| TOTAL | | | | | 249 | 5447662 | 6338 | 62436718 | 4000 | 30724 | 2645336 | 11642051 | 1445 |

## APPENDIX XX

Region wise position of ESI Arrears from a day upto 29-11-80 as on 31-3-81

| Sl. No. | Region | Arrears (in lakhs) |
|---|---|---|
| 1. | Andhra Pradesh | 216.06 |
| 2. | Assam | 24.23 |
| 3. | Bihar | 140.42 |
| 4. | Delhi | 204.38 |
| 5. | Gujarat | 1058.76 |
| 6. | Karnataka | 99.37 |
| 7. | Kerala | 154.32 |
| 8. | Madhya Pradesh | 200.62 |
| 9. | Bombay (Including Goa) | 450.29 |
| 10. | Nagpur (S.R.O.) | 29.05 |
| 11. | Pune (S.R.O.) | 106.60 |
| 12. | Orissa | 13.73 |
| 13. | Punlab | 192.34 |
| 14. | Haryana | 132.19 |
| 15. | Ralasthan | 94.65 |
| 16. | Tamilnadu | 154.34 |
| 17. | Uttar Pradesh | 182.45 |
| 18. | West Bengal | 659.14 |
| | TOTAL | 4123.56 |

Footnote: —By totalling the amount comes to 4123.52, the difference is due to rounding of the residual figures.

## APPENDIX XIX

Statement showing the Details of Factories/Establishment which are in default of E.S.I. dues of Rs. one Lakhs and above as on 31-3-81.

| Sl. No. | Name of the Factory/Establishment | E.S.I. Dues (Rs. in lakhs) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | ANDHRA PRADESH | |
| 1. | M/s. National Seeds Corporation, Vijayawada | 4.50 |
| 2. | M/s Tirupati Cotton Mill, Renigunta | 4.71 |
| 3. | M/s Sri Venkatachalapathi Mills, Tirupathi | 3.15 |
| 4. | M/s. Abdul Rubim (Karim Beedi Factory) Nara-sampet Road Warangal | 1.47 |
| 5. | M/s Vaternary Biological, Research Institute, Hyderabad | 3.46 |
| 6. | M/s A.P. Khadi Industry Board Kachiguda Hyderabad | 2.31 |
| 7. | M/s Kula Beedi Factory, Warangal | 7.60 |
| 8. | M/s Bandage & Gauga Cloth Mfg. Unit Hyderabad | 1.64 |
| 9. | M/s Adoni Cotton Mills, Adoni | 1.40 |
| 10. | M/s APSEB, Rajmundry | 1.66 |
| 11. | M/s Allayw Metals Ltd. Hyderabad | 1.29 |
| 12. | M/s Azamjahi Mills, Warangal | 5.34 |
| 13. | M/s A.P. Text Book Press, Hyderabad. | 16.57 |
| 14 | M/s Karimnagar Co-Operative Spinning Mills, Karimnagar | 1.84 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 15. | M/s Anthergion Textile Co-Operative Production & Sales Society, Karimnagar. | 1.71 |
| 16. | M/s Andhra Scientific Co, Machilipatnam | 9 97 |
| 17. | M/s Drain ge Stores Workshop, Hyderabad. | 1.64 |
| 18. | M/s Arifnagar Filter Beedi, Osmansagar, Hyderabad. | 1.1 |
| 19. | M/s Bajrang Engg. Work Ltd. Guntur | 1.21 |
| 20. | M/s Co-Op Handloom Research & Development Centre, Yerrabalam Guntur | 1.54 |
| 21. | M/s 51- 2063—74 | 2.76 |
| 22. | M/s 51—0129— 74 | 2.46 |
| 23. | M/s A.P.S.R.T.C. Bus Depot, Simhachalam Vizag Distt. | 2.10 |
| 24. | M/s Municipal Water Works, Rajahmndry | 1.46 |
| 25. | M/s 52—1757—16 | 2.09 |
| 26. | M/s Associated Glass Ind. Kukatpally, Hyderabad. | 5.40 |
| 27. | M/s Victoria Water Works, Kakinada | 1.24 |
| 28. | M/s M.C.H. Transport Works, Darul Shata, Hyderabad. | 1.03 |
| 29. | M/s R.G. Filters (Public Health) Miralam Tank, Hyderabad. | 1.04 |
| 30. | M/s A.P. Electricity Board, Vidyut Soudha, Hyderabad. | 2 03 |
| **ASSAM** | | |
| 1. | M/s Assam Government Press, Gauhati | 2.34 |
| **BIHAR** | | |
| 1. | M/s Saraikela Glass Works | 2.92 |
| 2. | PWD (Irrigation) Dehri Rohtas | 1.55 |
| 3. | M/s Pradip Lamp Works, Patna City, Patna | 4 70 |
| 4. | Nairuddin Biri Merchant Monghyr. | 1.56 |
| 5. | Bihar Fire bricks, Dhanbad | 3.01 |
| 6. | M/s R.B.H.M. Jute Mills, Katihar | 25.53 |
| 7. | M/s Katihar Jute Mills, Katihar | 14.73 |
| 8. | M/s Realiance Fire Bricks, Chanch, Dhanbad | 13.47 |
| 9. | M/s Baraee Coke & Bye Products Works, P.O. Kusunda, Dhanbad. | 15.37 |
| 10. | M/s K.E.W. (P) Ltd., P.O. Kumardubi, Dhanbad | 17.04 |
| 11. | M/s MRT Spl. Maintenance Div. Patna | 1 15 |
| 12. | M/s Electric Supply Sub-Division, Dehrionson, Rohtas. | 3.01 |
| 13. | M/s Eagle-Rolling Mills Ltd., Kumardubi | 1.23 |
| **DELHI** | | |
| 1. | M/s A.T. Mills | 2.04 |
| 2. | M/s D.E.S.U. | 149.45 |
| 3. | M/s Caxton Press (P) Ltd. | 1 63 |
| 4. | M/s Tax Craft Exports | 1 26 |
| **GUJARAT** | | |
| 1. | Soma Textiles | 2.22 |
| 2. | M/s Bharat Vijay Mills (Ahmedabad Unit) | 2.53 |
| 3. | M/s Arvind Mills | 4.61 |
| 4. | M/s Jahangir Vakil Mills | 4.82 |
| 5. | M/s A'bad Electricity Co. Ltd., A'bad | 6.22 |
| 6. | M/s Bansider Spg. & Wvg. Mills, Ahmedabad | 1.33 |
| 7. | M/s S.T. Workshop Chamunda Road, Ahmedabad. | 2.14 |
| 8. | M/s The Tarun Comm. Mills, Ahmedabad | 2.13 |
| 9. | M/s Sarabhai Chemicals, Baroda | 1.11 |
| 10. | M/s Maheswari Mills, Sahahi Baug, Ahmedabad | 3.09 |
| 11. | M/s Jupiter Textile Mills, Ahmedabad | 1.34 |
| 12. | M/s Navjivan Mills, Kalol | 2.06 |
| 13. | M/s Varjesh Mills, Petlad | 2.38 |
| 14. | M/s Advance Mills, Ahmedabad | 1.12 |
| 15. | M/s Niranjan Mills, Surat | 4 89 |
| 16. | M/s The New Commercial Mills, Ahmedabad | 13.25 |
| 17. | M/s Subhalaxmi Mills | 5.42 |
| 18. | M/s Calico Mills, Ahmedabad | 866.97 |
| 19. | M/s Rajnagar Textile | 6.58 |
| 20. | M/s Manekchowk Mills | 8.79 |
| 21. | M/s Ahmedabad New Textile | 2.92 |
| 22. | M/s Petlad Textiles | 1.13 |
| 23. | M/s P.G. Textiles | 4.55 |
| 24. | M/s Vivekananda Mills | 1.08 |
| 25. | M/s Anand Mills | 1.54 |
| 26. | M/s Bodi Fort Works | 1.19 |
| 27. | M/s Priyalaxmi Mills | 11.73 |
| 28. | M/s Navjivan Mills | 1.98 |
| **KARNATAKA** | | |
| 1. | M/s Mysore Machinery Manufacturing Ltd. | 1.44 |
| 2. | M/s Matro Malleables Mfg. Coporation, Bangallore. | 1.99 |
| 3. | M/s Harihar Poly Fibres, Harihar | 1.01 |
| 4. | M/s Andhra Steel Corpn. Banglaore | 1.26 |
| 5. | M/s Hindustan Aeronautics Ltd., Bangalore | 5.12 |
| 6. | M/s Vanivilas Water Works, Mysore | 4.89 |
| 7. | M/s K.R. Mills, Mysore | 1.85 |
| 8. | M/s Govt. Text Book Press, Mysore | 3.03 |
| 9. | M/s Bellary Spinning & Weaving Mills, Bellary | 4.27 |
| 10. | M/s Southern Steel Alloys Ltd., Bangalore | 1.29 |
| 11. | M/s New Burmas Hydraulics | 1.18 |
| 12. | M/s Mahadev Textiles, Hubli | 8.08 |
| 13. | M/s Khoday Distelliry Division, Bangalore | 2.60 |
| 14. | M/s K.S.R.T.C., Bangalore | 1.33 |
| 15. | M/s Central Engg. Workshop, Bangalore | 1.66 |
| 16. | M/s Government Printing Press, Dharwar | 1.06 |
| 17. | M/s Karnataka Industries Corporation, Dharwar | 1.03 |
| **KERALA** | | |
| 1. | M/s Standard Tile & Clay Works, Feroke | 3.96 |
| 2. | M/s Star Tile Works, Calicut | 1.59 |
| 3. | M/s Malabar Spg. Wvg. Mills, Calicut | 2.62 |
| 4. | Kerala Ceramics, Feroke | 1.60 |
| 5. | M/s Malabar Motor Tpt. Co-op. Society, Calicut | 1.49 |
| 6. | M/s Parvathy Mills, Quilon | 1.33 |
| 7. | M/s Alagappa Textiles Govt. (P) Ltd., Trichur | 7.71 |
| 8. | M/s Younus Kunju Cashew Factory, Quilon | 2.01 |
| 9. | M/s Palghat Co-op Milk Supply Union Ltd., Palghat. | 1.97 |
| 10. | M/s Azhikode Beedi Works, Ind. Co-op. Society, Azhikode | 2.50 |
| 11. | M/s Payyannur Beedi Works Industrial Co-op Society, Cannanore. | 2 20 |
| 12. | M/s Shanmughavilas Cashew Industries, Quilon | 1.82 |
| 13. | M/s India Sea Foods, Cochin | 2.13 |
| 14. | M/s Shanmughavilas Cashew Industries, Quilon | 1.25 |
| 15. | M/s C.C. Transport, Kozhikode | 1.60 |
| 16. | M/s General Industrial Co-op. Society, Quilon | 1.96 |
| 17. | M/s Shamsuddin & Co. Quilon | 1.18 |
| 18. | M/s Ramani Cashew Industries, Kundara | 1.09 |
| 19. | M/s Lipton Tea (India) Ltd., Ernakulam | 1.17 |
| 20. | M/s Yogi Beedi Works, Kozikode | 1.44 |
| 21. | M/s Metropolitan Engg. Works, Trivandrum | 1.50 |
| 22. | M/s South India Saw Mills, Kozikode | 1.14 |
| 23. | M/s Trivandrum Rubber Works, Trivandrum | 1.16 |
| 24. | M/s Indo-Marine Agencies, Cochin | 1.27 |
| 25. | M/s Giovanola | 1.42 |
| 26. | M/s General Industrial Corporation, Kottarakkari. | 1.23 |
| 27. | M/s Janayagom Publications Pvt., Ltd., Quilon | 1.52 |
| 28. | M/s Shanmughavilas Cashew Industry, Kottarakkari. | 1.73 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| | **MADHYA PRADESH** | |
| 1. | M/s Burhanpur Tapti Mills, Burhanpur | 6.71 |
| 2. | M/s New Bhopal Textiles Mills, Bhopal | 6.73 |
| 3. | M/s J.C. Mills, Gwalior | 1.50 |
| 4. | M/s Hira Mills, Ujjain | 7.62 |
| 5. | M/s Malwa United Mills, Indore | 41.66 |
| 6. | M/s Kalyanmal Mills, Indore | 12.44 |
| 7. | M/s Swadeshi Cotton and Flour Mills, Indore | 13.57 |
| 8. | M/s Hope Textile Mills, Indore | 51.19 |
| 9. | M/s Sound Zawarod Union, Gwalior | 2.09 |
| 10. | M/s Central India Machinery Mfg. Co. Gwalior | 1.49 |
| 11. | M/s J.B. Mangahram & Co. Gwalior | 3.63 |
| 12. | M/s B.N.C. Mills, Rajanadgaon | 6.32 |
| 13. | M/s Agricultural Engg. Workshop, Gwalior | 1.25 |
| 14. | M/s M.P.S.R.T.C. Raipur | 1.26 |
| 15. | M/s Binod Steel Industries, Indore | 1.36 |
| 16. | M/s Allaudin Ahlia Saheb Bidi Mfg. Burhanpur | 1.22 |
| 17. | M/s Indore Textiles Ujjain | 3.35 |
| 18. | M/s Binod Mills Ujjain | 34.28 |
| 19. | M/s Bimal Mills | 8.29 |
| 20. | M/s Rai Bahadur Kanhiyalal Indore | 14.89 |
| 21. | M/s Hukumchand Mills Ltd. | 1.10 |
| 22. | M/s PWD Workshop, Bhopal | 1.25 |
| 23. | M/s Agricultural Engg. Workshop | 1.15 |
| | **BOMBAY** | |
| 1. | M/s New Hind Textiles Mills | 1.33 |
| 2. | M/s Bradbury Mills Ltd. | 77 99 |
| 3. | M/s Shree Shakti Mills Ltd. | 11.11 |
| 4. | M/s Sitaram Ltd. | 41.91 |
| 5. | M/s Digvijay Spg. & Wvg. Co Ltd. | 8.76 |
| 6. | M/s India United Mills | 7.29 |
| 7. | M/s India United Mills | 6.54 |
| 8. | M/s India United Mills | 7.33 |
| 9. | M/s India United Mills | 13.36 |
| 10. | M/s Edward Tex. Mills | 5.26 |
| 11. | M/s Dhanraj Mills | 2.04 |
| 12. | M/s Mumbai Textile Mills | 1.39 |
| 13. | M/s. Phoenix Mills Ltd. | 17.16 |
| 14. | M/s New India Rayon Mills | 12.59 |
| 15. | M/s Mackenxies Ltd. | 2.94 |
| 16. | M/s Western India Mfg. Co. | 10.63 |
| 17. | M/s Premier Rubber & Cable | 1.31 |
| 18. | M/s India United Mills | 4.60 |
| 19. | M/s India United Mills | 3.82 |
| 20. | M/s Bombay Alloyes & Casting | 1.82 |
| 21. | M/s Allvin Caredrils (P) Ltd. | 1.84 |
| 22. | M/s Krishna Glass | 2.79 |
| 23. | M/s Eldec Wire & Ropes | 1.56 |
| 24. | M/s India Shoddy Mills | 1.69 |
| 25. | M/s Krishna Weaving Mills | 4.94 |
| 26. | M/s Pioneer Rubber Mills | 2.58 |
| 27. | M/s Century Rayon | 1.18 |
| 28. | M/s K.T Steel | 1.52 |
| 29. | M/s Shri Krishna Woolen Mills Pvt.Ltd. | 4.38 |
| 30. | M/s Ellera Silk Mills | 3.42 |
| 31. | M/s Structural Engineering | 1.50 |
| 32. | M/s Gujarat Industries | 1 33 |
| 33. | M/s Defence Works | 4 07 |
| 34. | M/s Universal Mechanical Works | 1.57 |
| 35. | M/s National Bycicle Corporation | 8.66 |
| 36. | M/s Shyam International | 1.07 |
| 37. | M/s Teksons Ltd. | 1.10 |
| 38. | M/s Gabriel India | 1.39 |
| 39. | M/s Desmet India | 1.09 |
| 40. | M/S Nipha | 1.23 |
| 41. | M/s Nirlon Synthetic | 2.79 |
| 42. | M/s Burlinghn's Export | 2.36 |
| 43. | M/s Literate Wear | 1.05 |
| 44. | M/s Munical Power Laundry | 1.63 |
| 45. | M/s 10095 | 1.43 |
| 46. | M/s 10128 | 1.75 |
| 47. | M/s Mafco Ltd. | 1.74 |
| 48. | M/s CIDCO | 1.89 |
| 49. | M/s Mazagaon | 4.74 |
| 50. | M/s Govt. Printing Press | 3.33 |
| 51. | M/s Govt. Diary | 1.59 |
| 52. | M/s Standard Fabricators | 1.36 |
| 53. | M/s Mukund Iron & Steel Ltd. | 7.57 |
| 54. | M/s Bombay Pattern | 1.31 |
| 55. | M/s Coorle Spg. & Wvg. Co. | 1.52 |
| 56. | M/s India Plastic Ltd. | 1.26 |
| 57. | M/s Vikhroli Metal Fabricators | 1.14 |
| 58. | M/s Guest Keen Williams | 3.54 |
| 59. | M/s National Rayon Corporation | 16.53 |
| 60. | M/s Raymond Woollen Mills | 5.00 |
| 61. | M/s Sandoz India Ltd. | 1.45 |
| 62. | M/s Ganin Dunkerly Pressore | 1.42 |
| 63. | M/s Anand Vessels, Industries | 1.39 |
| 64. | M/s Shri Mahila Grha Udyog (Lajjat Papad) | 1.50 |
| 65. | M/s Sentinal Winders | 1.27 |
| | **NAGPUR (S.R.O.)** | |
| 1. | M/s S.R. Mills, Akola | 1.14 |
| 2. | M/s Osmanshahi Mills, Nanded | 6.12 |
| 3. | M/s Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur | 1.40 |
| 4. | M/s R.B.B.A. Spg. & Wvg. Mills, Hinganghat | 1.20 |
| 5. | M/s Medlay Pharmaceuticals Pvt. Ltd. Chikalthana. | 1.25 |
| 6. | M/s Everest Biscuit Co. Pvt. Ltd. Chikalthana | 3.00 |
| 7. | M/s Maharashtra State Electricity Board, Akola | 2.76 |
| 8. | M/s M.S.R.T. Corporation, Nanded | 5.33 |
| | **PUNE (S.R.O.)** | |
| 1. | M/s Agricultural Engg. Workshop, Puna | 2.38 |
| 2. | M/s Maharashtra Warehousing Corporation, Pune | 8.80 |
| 3. | M/s Pimpri chinchwad Municipal Transport | 2.33 |
| 4. | M/s Solapur Spg. Wvg. Solapur | 3.01 |
| 5. | M/s Solapur Municipal Workshop, Solapur | 1.91 |
| 6. | M/s Thakur Sawadekar Bidi Mfg. Co. | 2.59 |
| 7. | M/s Govt. Central Workshop Dapodi | 41.21 |
| 8. | M/s M.S.E.B. Satara | 3.45 |
| 9. | M/s New Pratap Spg. & Wvg. Mills, Dhule | 5.08 |
| 10. | M/s Central Workshop Pune | 1.39 |
| 11. | M/s Southern Machinery Industries | 1 14 |
| 12. | Sangli Municipal Water Works, Sangli | 1.06 |
| | **ORISSA** | |
| 1. | M/s Saraswat Press, Cuttack | 1.08 |
| 2. | M/s Satyavadi Press, Cuttack | 3.166 |
| 3. | M/s Durga Glass Works, Barang | 1.73 |
| 4. | M/s Prajatantra Prachar Samity, Cuttack | 1.96 |
| 5. | M/s Orissa Textile Mills, Choudwar | 21.42 |
| 6. | M/s Orissa Cement Ltd. Rajgangpur | 2.35 |
| 7. | M/s Hirakud Industrial Works, Sambalpur | 1.35 |
| 8. | M/s P.W.D. Workshop, Bhubaneswar | 2.99 |
| 9. | M/s Orissa State Co-operative Marketing Society. Bhubaneswar. | 2.22 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 10. | M/s Text Book Press, Bhubneswar | 4.57 |
| 11. | M/s Orissa State Road Transport Corpn. Cuttack | 2.80 |
| 12. | M/s O.R.T.Co. Berhampur | 1.67 |
| 13. | State Transport Service Garrage, Cuttack | 5.46 |
| 14. | M/s O.S.R.T.C. Central Workshop, Sambhalpur | 1.53 |
| 15. | M/s National Highway Project, Cuttack | 2.32 |
| 16. | Orissa Road Transport Co. Ltd. Berhampur | 5.55 |
| 17. | O.S.R.T.C. Bhubneswar | 1.23 |
| 18. | Orissa Industries Barang | 1.23 |
| 19. | Lift Irrigation Workshop Jobra Cuttack | 3.03 |
| 20. | O.R.T.Co. Ltd. Workshop, Bhubaneswar | 1.32 |
| | **HARYANA** | |
| 1. | M/s Hyderabad Asbestos Cement Products, Ballabgarh | 2.52 |
| 2. | M/s Haryana Roadways Workshop, Karnal | 1.18 |
| 3. | M/s Prestolite of India Faridabad | 1.26 |
| 4. | M/s Escorts Ltd.Faridabad | 2.37 |
| 5. | M/s Haryana Roadways Ambala | 1.10 |
| 6. | M/s Delhi Faridabad Textile Pvt. Ltd. | 2.31 |
| 7. | M/s Bharat Carpets Ltd. | 1.52 |
| 8. | M/s Dalima Dadri Cement Ltd., Dadri | 3.33 |
| | **RAJASTHAN** | |
| 1. | M/s Man Industrial Corporation, Jaipur | 2.56 |
| 2. | M/s Jaipur Udyog, Swaimadhopur | 2.38 |
| 3. | M/s S. Zorestor & Co., Jaipur | 1.45 |
| 4. | M/s Mewar Textile Bhilwara | 2.12 |
| 5. | M/s Jaipur Glass Potteries Works, Jaipur | 1.42 |
| 6. | M/s Mahalaxmi Mills Beawar | 3.24 |
| 7. | M/s Jaipur Spg. Mills Jaipur | 3.48 |
| 8. | M/s Jaipur Metal & Electrical, Jaipur | 11.33 |
| 9. | M/s P.W..D Jaipur | 1.54 |
| 10. | M/s Edward Mills, Beawar | 1.16 |
| | **TAMILNADU** | |
| 1. | M/s Somasundaram Mills | 5.93 |
| 2. | M/s Kalleeswara Mills | 6.03 |
| 3. | M/s Pankeja Mills | 1.20 |
| 4. | M/s Pilot Pen Co. | 2.05 |
| 5. | M/s Bharathi Mills | 4.36 |
| 6. | M/s Swadeshi Cotton Mills | 10.78 |
| 7. | M/s Anglo French Testiles | 16.26 |
| 8. | M/s Ramalinga Chodambika Mills | 2.10 |
| 9. | M/s Bhavani Mills | 3.33 |
| 10. | M/s Measurall Engineering | 2.75 |
| 11. | M/s India Refrigeration | 2.28 |
| 12. | M/s Madras Machine Tools | 4.03 |
| 13. | M/s Kamadhenu Drinks | 1.40 |
| 14. | M/s Mahalakshmi Mills Madurai | 1.60 |
| 15. | M/s Palaniappa Match Industries | 1.02 |
| 16. | M/s South India Glass & Enamel Works | 2.44 |
| 17. | M/s. Chemfab Welders | 2.07 |
| 18. | M/s Kaveri Spg. & Wvg. Mills | 1.15 |
| 19. | M/s Trichy Srirangam Co-op. Milk Supply Union | 1.27 |
| 20. | M/s Balaramavaram | 1.56 |
| 21. | M/s Best & Crompton, 230, T.H. Road, Madras | 9.28 |
| 22. | M/s Jayalakshmi Mills | 2.89 |
| 23. | M/s Sarguna Textile | 4.11 |
| 24. | M/s Tamil Nadu Electricity Board | 2.83 |
| 25. | M/s M.L.J. Press, 87, Mudan Kanniamman, Soilst, Maylapore, Madras. | 1.25 |
| 26. | M/s Transport Machinery Div. Guindy, Madras | 1.07 |
| 27. | M/s Pan India Garments Thambuchetty St. Madras | 1.13 |
| 28. | M/s Gullworth Exports (P) Ltd. Madras | 1.01 |
| 29. | M/s Kareem Beedi Factory, Madras | 1.16 |
| 30. | M/s Mothers Commerce Company Pvt. Ltd. Pondicherry. | 1.53 |
| | **UTTAR PRADESH** | |
| 1. | Muir Mills, Kanpur | 2.17 |
| 2. | M/s New Victoria Mills, Kanpur | 11.62 |
| 3. | M/s Swadeshi Cotton Mills, Kanpur | 25.78 |
| 4. | M/s Atherton West & Col. Kanpur | 23.87 |
| 5. | M/s Laxmi Ratan Cotton Mills, Kanpur | 15.36 |
| 6. | M/s U.P. State Industrial Development Corporation Kanpur. | 1.39 |
| 7. | M/s Kanpur Jute Udyog, Kanpur | 3.74 |
| 8. | M/s R.R. Steel Udyog | 1.20 |
| 9. | M/s Hydel Distribution Div. State Electricity Board | 4.77 |
| 10. | M/s Moradabad Water Supply Moradabad | 1.19 |
| 11. | M/s Water Works, Lucknow | 8.78 |
| 12. | M/s Tiger Locks Ltd. Aligarh | 2.10 |
| 13. | M/s Allahabad Glass Works Naini | 1.90 |
| 14. | M/s Water Works, Allahbad | 3.97 |
| 15. | M/s Alighar Water Works Aligarh | 1.03 |
| 16. | M/s M. Tin Products, Agra | 1.73 |
| 17. | M/s Aligarh Electric Supply | 2.23 |
| 18. | M/s Triveni Engg. Works, Allahabad | 2.09 |
| 19. | M/s S. Steel Works | 3.20 |
| 20. | M/s U.P.S.R.T.C. Ghazipur | 1.21 |
| 21. | M/s Meerut Estraw Board | 2.78 |
| 22. | M/s U.P.S.R.T.C. Rai-Bareilly | 1.41 |
| 23. | M/s Diesal Generating Dehradun | 2.44 |
| 24. | M/s Associated Journal | 5.88 |
| 25. | M/s Irrigation Workshop Civ. Mawana, Meerut | 1.75 |
| 26. | M/s Bijli Cotton Mills | 8.35 |
| 27. | M/s Bharat Havy Electricals | 88.68 |
| 28. | M/s Durga Enterprises Ghaziabad | 1.20 |
| | **PUNJAB** | |
| 1. | M/s Kartar Bus Service, Jullundur 12/18275 | 1.04 |
| 2. | M/s Punjab Woolen Textile ASR 12/6501 | 1.34 |
| 3. | M/s P.R.T. Corpn. Patiala 12/3304 | 10.81 |
| 4. | M/s Kharar Textile Mills Kharar | 3.30 |
| 5. | M/s Panipat Woolen & Genl. Mills Kharar | 5.07 |
| 6. | M/s Bharat Commerce & Inds. Rajpura 12/5551 | 1.05 |
| 7. | M/s Daulat Ind. Corpn. 12/1251 Ludhiana | 1.37 |
| 8. | M/s. Punjab Roadways Workshop ASR 12/1941 | 5.25 |
| 9. | M/s Municipal Power House 12/1288 ASR | 20.29 |
| 10. | M/s Pepsu Roadways Transport Corporation 12/3304 Patiala. | 10.80 |
| 11. | M/s Chandigarh Transport Workshop 12/6233 | 1.29 |
| 12. | M/s Punjab Roadways Workshop 12/2834 | 1.58 |
| 13. | M/s Haryana Roadways Workshop 6224 Chd. | 1.56 |
| 14. | M/s. PSEB, Ludhiana 12/6869 | 1.52 |
| 15. | M/s. Punjab Roadways Workshop 12/6251 | 4.15 |
| 16. | M/s Punjab Roadways Workshop Jullundur 12/1510 | 1.42 |

EMPLOYEES' STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

EXPENDITURE

| Previous year 1979-80 | Heads of Account | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| | 1. Benefits to Insured Persons & their families | | |
| | A. Medical Benefits. | | |
| 60,23,42,106 | (i) Payments to State Govts. as Corporation's Share of the expenses on providing medical treatment and materinity facilities etc. | 67,98,46,759(A) | |
| 3,35,85,407 | (ii) Medical care & maternity facilities (expenses incurred direct by the Corpn.) | 3,80,04,311 | |
| 63,59,27,513 | Total A—Medical Benefits | | 71,78,51,070 |
| | B. Cash Benefits. | | |
| 42,96,75,462 | (1) Sickness Benefit | 49,22,14,448(B) | |
| 3,25,97,884 | (2) Extended Sickness Benefit | 3,81,03,310 | |
| 6,51,570 | (3) Enhanced Sickness Benefit for Family Planning | 8,60,370 | |
| 1,94,90,537 | (4) Maternity Benefit | 2,11,06,412 | |
| | (5) Disablement Benefit | | |
| 6,93,67,776 | (a) Temporary | 8,66,57,170 | |
| 6,50,83,000 | (b) Permanent (Capitalised Value) | 11,70,86,560 } | |
| 1,76,48,000 | (6) Dependants' Benefit (Capitalised Value) | 4,70,94,440 } (C) | |
| 10,08,398 | (7) Funeral Benefit | 10,22,266 } | |
| 63,55,22,627 | Total B—Cash Benefits | 80,41,44,976 | |
| | C. Other Benefits. | | |
| 7,523 | (a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons | 11,223 | |
| 4,48,754 | (b) Medical Boards & Appeal Tribunals | 4,87,564 | |
| | (c) Payments to Insured Persons | | |
| 3,57,660 | (i) Conveyance charges and/or loss of wages | 4,53,136 | |
| .. | (ii) Incidental charges under Family Planning | .. | |
| 9,18,182 | (d) Miscellaneous | 12,16,483(J) | |
| 17,32,119 | Total C—Other Benefits | 21 68 406 | 21,68,406 |
| 1,27,31,82,259 | Total Benefits to Insured Persons & their families | | 1,52,41,64,452 |
| | 2. Administration Expenses | | |
| | A. Superintendence. | | |
| 69,013 | 1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards Etc. | 99,181 | |
| 1,98,232 | 2. Principal Officers | 3,03,153 | |
| 61,73,200 | 3. Other Officers | 75,19,346 | |
| 3,36,26,149 | 4. Ministerial Establishment | 4,20,53,648 | |
| 54,26,092 | 5. Group D. Staff | 65,58,59 | |
| 1,21,06,975 | 6. Contingencies | 1,58,93,144 | |
| 5,75,99,661 | Total A—Superintendence | | 7,24,27,066 |
| | B. Field Work | | |
| 19,00,798 | 1. Officers | 23,76,276 | |
| 3,33,56,058 | 2. Ministerial Establishment | 4,03,31,355 | |
| 50,71,313 | 3. Group D. Staff | 61,62,100 | |
| 39 49 877 | 4 Contingencies | 48 00,078 | |
| 4 42 78 046 | Total B -Field Work | | 5,36,69,809 |
| 1,37,50,59,966 | Total Carried Over | | 1,65,02,61,327 |

(A) See paragraph 1.1 of explanatory notes in Annexure I.
(B) See paragraph 1.2 of explanatory notes in Annexure I.
(C) See paragraph 1.3 of explanatory notes in Annexure I.
(D) See paragraph 1.4 of explanatory notes in Annexure I.

INSURANCE CORPORATION
FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 1981

INCOME

| Previous year 1979-80 | Heads of Account | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| | 1. Contributions. | | |
| 1,58,68,28,298 | Employers' and Employees' Shares | 1,78,79,01,620(D) | |
| 15,72,055 | Employers' Share only | 21,78,710(E) | |
| 77,46,520 | Employees' Share only | 58,41,539(E) | |
| 14,57,288 | Interest on Contributions | 17,34,671 | |
| 1 59,76,04,161 | Total Contributions | | 1,79,76,56,540 |
| 28,21,875 | State Government/Union Territories share towards medical benefits initially incurred by the Corporation | 29,53,125 | 29,53,125 |
| | Other Heads of Revenue. | | |
| 4,83,70,143 | Interest & Dividends. | 4,62,47,832(F) | |
| 48,42,590 | Compensations | 2,97,67,004(G) | |
| | Rents, Rates & Taxes | | |
| 7,92,757 | (i) Offices of the Corporation (Including Staff Quarters) | 8,30,839 | |
| 3,85,18,880 | (ii) Hospitals, Dispensaries & Staff Quarters | 4,77,84,380 | |
| 32,52,980 | Fees, Fines & Forfeitures | 45,01,668(H) | |
| 17,00,879 | Miscellaneous | 24,11,553(I) | |
| 9,74,78,229 | Total of other Heads of Revenue | | 13,15,43,276 |
| 1,69,79,04,265 | Total Carried Over | | 1,93,21,52,941 |

(E) See paragraph 1.5 of explanatory notes in Annexure I.
(F) See paragraph 1.6 of explanatory notes in Annexure I.
(G) See paragraph 1.7 of explanatory notes in Annexure I.
(H) See paragraph 1.8 of explanatory notes in Annexure I.
(I) See paragraph 1.9 of explanatory notes in Annexure I.
(J) See paragraph 1.10 of explnatory notes in Annexure I.

| Previous year 1979-80 | Heads of Account | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 1,37,50,59,966 | Total Brought Forward | | 1,65,02,61,327 |
| | C. Other Charges. | | |
| 4,85,068 | 1. Legal Charges | 4,75,220 | |
| 53,445 | 2. Insurance Courts | 77,728 | |
| 1,37,783 | 3. Publicity and Advertisement Charges | 1,19,514 | |
| 99,226 | 4. Charges for maintaining Banking Accounts | 32,212(K) | |
| 2,16,298 | 5. Audit Fees | 2,42,000 | |
| 1,07,964 | 6. Leave Salary & Pension Contribution | 74,064 | |
| 3,70,872 | 7. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars | 4,07,942 | |
| 9,93,727 | 8. Repairs and Maintenance of Office Buildings | 16,31,768 | |
| | 9. Retirement Benefits. | | |
| 53,42,509 | (a) Pension Reserve fund for the employees of the Corporation | 66,58,690(L) | |
| 39,401 | (b) Corporation's Contribution towards Employees' State Insurance Corporation Provident Fund | 34,460 | |
| 37,01,309 | (c) Interest paid to ESIC Provident Fund | 46,11,760 | |
| 1,57,579 | (d) Incentive Bonus | 1,97,993 | |
| 35,000 | 10. Compassionate Reserve Fund | 35,000 | |
| 90,000 | 11. Provident Fund Deposit Linked Insurance Fund | 90,000 | |
| 9,000 | 12. Losses | 1,000 | |
| 39,532 | 13. Miscellaneous | 10,539(M) | |
| .. | 14. Ex-Gratia | 2,45,448 | |
| 1,18,78,713 | Total C—Other Charges | | 1,49,45,338 |
| 14,37,56,420 | Total Head 2—Administration Expenses | | 14,10,42,213 |
| | 3. Hospitals and Dispensaries | | |
| 47,88,913 | 1. Provision for depreciation of Hospital Buildings transferred to fund | 46,41,490 | |
| 1,38,87,848 | 2. Provision for Repair & Maintenance of Hospitals/Dispensaries transferred to fund | 1,85,65,960 | |
| 1,86,76,761 | Total Head 3-Hospitals And Dispensaries | | 2,32,07,450 |
| | 4 Capital Construction/Emergency Reserve Fund | | |
| 15,97,60,416 | 1. Capital Construction | 17,92,83,129(N) | |
| 2,65,03,682 | 2. Emergency Reserve Fund | 1,28,91,140(O) | |
| 18,62,64,098 | Total Head 4—Capital Construction/Emergency Reserve Fund | | 19,21,74,269 |
| 1,59,18,79,538 | Total—Expenditure on Revenue Account | | 1,88,05,88,384 |
| 10,60,24,727 | To excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet | | 5,15,64,557 |
| 1,69,79,04,265 | GRAND TOTAL | | 1,93,21,52,941 |

(K) See paragraph 1.11 of explanatory notes in Annexure I.
(L) See paragraph 1.12 of explanatory notes in Annexure I.
(M) See paragraph 1.13 of explanatory notes in Annexure I.
(N) See paragraph 1.14 of explanatory notes in Annexure I.
(O) See paragraph 1.15 of explanatory notes in Annexure I.

New Delhi,
Dated 30th May 1981.

| Previous year 1979-80 | Heads of Account | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs |
| 1,69,79,04,265 | Total Brought Forward . . . . . | | 1,93,21,52,941 |
| 1,69,79,04,265 | GRAND TOTAL . . . . . | | 1,93,21,52,941 |

(I.C. SARIN)
Financial Adviser & Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corporation

EMPLOYEES' STATE
Balance Sheet as

| Previous year 1979-80 | Liabilities | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| | Balance of excess of Income over Expenditure | | |
| 1,56,96,49,187 | As per last Balance Sheet | 1,67,56,73,914 | |
| 10,60,24,727 | Addition During the year | 5,15,64,557 | |
| 1,67,56,73,914 | | | 1,72,72,38,471 |
| | RESERVE FUNDS | | |
| | 1. Capital Construction Reserve Fund. | | |
| 74,89,66,131 | As per last Balance Sheet | 92,25,45,790 | |
| 15,97,60,416 | ADD provision made during the year | 17,92,83,129 | |
| 1,38,19,243 | Interest received from Investments | 1,21,93,541 | |
| 92,25,45,790 | | | 1,11,40,22,460(A) |
| | 2. Permanent (Partia-1 & Total) Disablement Benefit Reserve Fund | | |
| 18,62,85,906 | As per last Balance Sheet | 20,05,65,536 | |
| 6,50,83,000 | Provision made during the year | 11,70,86,560 | |
| 70,66,776 | Interest received from Investments | 51,74,501 | |
| (—)5,78,70,146 | Less payments made during the year | (—)7,28,95,970 | |
| 20,05,65,536 | | | 24,99,30,627 |
| | 3. Dependants Benefit Reserves Fund | | |
| 10,51,06,740 | As per last Balance Sheet | 11,48,82,890 | |
| 1,76,48,000 | Provision made during the year | 4,70,94,440 | |
| 39,87,292 | Interest received from Investments | 29,63,944 | |
| (—)1,18,59,142 | *Less* payments made during the year | (—)1,40,82,431 | |
| 11,48,82,890 | | | 15,08,58,843 |
| | 4. Employees' State Insurance Corporation Provident Fund. (BB) | | |
| 4,88,54,926 | As per last Balance Sheet | 5,21,25,066 | |
| | Add amount credited during the year | | |
| 1,38,09,901 | (i) Employees, Subscription | 1,74,10,941 | |
| 39,401 | (ii) Corporations' Contribution | (—)1,40,837 | |
| 37,01,309 | (iii) Interest on (Employees' & Corporations' Shares) | 46,11,760 | |
| 1,57,579 | (iv) Incentive Bonus | 1,97,993 | |
| .. | (v) D.A. Deposit | 42,688 | |
| 6,65,63,116 | Total carried over of this Head | 7,42,47,611 | |

| | | |
|---|---|---|
| 2,91,36,68,130 | Total Carried Over | 3,24,20,50,401 |

(A) See Receipt and Payment Account in Statement 'A'.

(BB) See Statement E.

INSURANCE CORPORATION
at 31st March, 1981

| Previous year 1979-80 | Assets | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| | Lands and Buildings (Wholly owned by the Corporation). | | |
| | (a) Buildings for Offices of the Corporation. | | |
| 3,09,71,171 | As per last Balance Sheet | 3,74,60,522 | |
| 64,89,351 | Additions during the year | 58,00,343 | |
| 3,74,60,522 | Total (a) | 4,32,60,865 | |
| | (b) Hospitals & Dispensaries. | | |
| 43,05,68,012 | As per last Balance Sheet | 51,04,34,244 | |
| 7,98,66,232 | Additions during the year | 11,62,71,495 | |
| 51,04,34,244 | Total (b) | 62,67,05,739 | |
| 54,78,94,766 | | | 66,99,66,604(B) |
| | Lands and Buildings (Jointly owned—by the Corporation and State Governments) Corporations Share, Hospitals and Dispensaries. | | |
| 9,26,807 | As per last Balance Sheet | 11,85,085 | |
| 2,58,278 | Additions during the year | .. | |
| 11,85,085 | | | 11,85,085 |
| | (a) Amount advanced from General Cash Balance | | |
| 4,03,95,046 | As per last Balance Sheet | 3,62,43,678 | |
| .. | *Add* payments made during the year | .. | |
| (—)41,51,368 | *Less* adjustments and recoveries | (—)1,72,85,841 | |
| 3,62,43,678 | Total (a) | 1,89,57,837 | |
| | (b) Amount advanced from Capital Construction Reserve Fund. | | |
| 15,87,69,716 | As per last Balance Sheet | 14,14,36,660 | |
| 6,63,80,460 | *Add* payments made during the year | 10,40,62,365 | |
| (—)8,37,13,516 | *Less* adjustments and recoveries | (—)10,79,93,086 | |
| 14,14,36,660 | Total (b) | 13,75,05,939 | |
| 17,76,80,338 | | | 15,64,63,776 |
| | Staff Cars | | |
| 5,65,196 | As per last Balance Sheet | 5,65,196 | |
| .. | Additions during the year | .. | |
| 72,73,25,385 | Total Carried over | | 82,81,80,661 |

(B) See paragraph 2.1 of explanatory notes in Annexure II.

| Previous year 1979-80 | Liabilities | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 2,91,36,68,130 | Total Brought Forward | | 3,24,20,50,401 |
| 6,65,63,116 | Total Brought Forward of the Sub-Head | 7,42,47,611 | |
| (—)1,06,61,268 | *Less* payments made during the year | (—)1,21,46,947 | |
| | *Less* amount transferred to : | | |
| (—)37,41,674 | (i) Pension Reserve Fund | (—)1,74,471 | |
| (—)35,108 | (ii) Unclaimed Deposit | (—)33,762 | |
| 5,21,25,066 | | | 6,18,92,431 |
| | 5. Provident Fund Deposit— Linked Insurance Fund | | |
| 1,08,482 | As per last Balance Sheet | 1,65,923 | |
| 90,000 | Provision made during the year | 90,000 | |
| 4,055 | Interest and Gain received from Investments | 4,270 | |
| (—)36,614 | *Less* payments made during the year | (—)66,716 | |
| 1,65,923 | | | 1,93,477 |
| | 6. Employees, State Insurance Corporation—Group Insurance Fund. | | |
| 75,880 | As per last Balance Sheet | 4,38,687 | |
| 4,93,928 | Contribution received during the year | 5,65,902 | |
| 2,857 | Interest and Gain received from Investments | 11,329 | |
| 65,000 | Amount received from Life Insurance Corpn. | 65,000 | |
| (—)1,88,858 | *Less* Premium paid to Life Insurance Corpn. | (—)1,47,356 | |
| (—)10,000 | Assured sums paid to beneficiaries | (—)1,64,614 | |
| (—)120 | Endowment benefit paid on Retirement | (—)2,556 | |
| 4,38,687 | | | 7,66,392 |
| | 7. Depreciation Reserve Fund of buildings for the Offices of the Corporation (Including Staff Quarters). | | |
| 35,64,911 | As per last Balance Sheet | 40,42,890 | |
| 3,42,670 | Provision made during the year | 4,07,942 | |
| 1,35,309 | Interest and Gain received from Investments | 1,04,332 | |
| 40,42,890 | | | 45,55,164 |
| | 8. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings. | | |
| 3,98,78,158 | As per last Balance Sheet | 4,61,79,807 | |
| 47,88,913 | Provision made during the year | 46,41,490 | |
| 15,12,736 | Interest received from Investments | 11,91,428 | |
| 4,61,79,807 | | | 5,20,12,725 |
| | 9. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars. | | |
| 6,12,202 | As per last Balance Sheet | 6,21,714 | |
| 28,202 | Provision made during the year | .. | |
| 23,136 | Interest received from Investments | 16,013 | |
| (—)41,826 | *Less* payments made during the year | .. | |
| 6,21,714 | | | 6,37,727 |

| | | |
|---|---|---|
| 3,01,72,42,217 | Total Carried Over | 3,36,21,08,317 |

| Previous year 1979-80 | Assets | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 72,73,25,385 | Total Brought Forward | | 82,81,80,661 |
| | Permanent Advance to the Heads of Offices of the Corporation. | | |
| 86,911 | As per last Balance Sheet | 91,031 | |
| 5,120 | *Add* payments made during the year | 10,305 | |
| (—)1,000 | *Less* recoveries made during the year | (—)2 | |
| 91,031 | | | 1,01,334 |
| | Advance of pay on transfer to the Employees of the Corporation. | | |
| 28,547 | As per last Balance Sheet | 74,013 | |
| 1,51,396 | *Add* payments made during the year | 1,31,250 | |
| (—)1,05,930 | *Less* recoveries made during the year | 1,44,440 | |
| 74,013 | | | 60,823 |
| | Advance of T.A. on transfer to the Employees of the Corporation. | | |
| 95,064 | As per last Balance Sheet | 1,11,854 | |
| 1,54,562 | *Add* payments made during the year | 1,82,556 | |
| (—)1,37,772 | *Less* recoveries made during the year | 1,64,788 | |
| 1,11,854 | | | 1,29,622 |
| | Advance for the purchase of Conveyance to the Employees of the Corporation. | | |
| 13,54,727 | As per last Balance Sheet | 15,66,591 | |
| 9,78,021 | *Add* payments made during the year | 11,00,981 | |
| (—)7,66,157 | *Less* recoveries made during the year | (—)8,54,256 | |
| 15,66,591 | | | 18,13,316 |
| | Miscellaneous Advances to the Employees of the Corporation (Festival Advance/And Fan Advance/Flood Advances) | | |
| 28,98,729 | As per last Balance Sheet | 21,98,872 | |
| 18,73,966 | *Add* payments made during the year | 19,46,619 | |
| (—)25,73,823 | *Less* recoveries made during the year | (—)23,62,668 | |
| 21,98,872 | | | 17,82,823 |
| | House Building Advance : | | |
| 99,57,060 | As per last Balance Sheet | 1,09,50,908 | |
| 26,39,100 | *Add* payment made during the year | 33,41,634 | |
| (—)16,45,252 | *Less* recoveries made during the year | (—)16,26,460 | |
| 1,09,50,908 | | | 1,26,66,082 |
| | Advance payments on behalf of State Governments. | | |
| 1,327 | As per last Balance Sheet | 2,239 | |
| 1,860 | *Add* payments made during the year | 1,457 | |
| (—)948 | *Less* recoveries made during the year | (—)1,833 | |
| 2,239 | | | 1,863 |
| 74,23,20,893 | Total Carried Over | | 84,47,36,524 |

| Previous year 1979-80 | Liabilities | Amouut | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 3,01,72,42,217 | Total Brought Forward . . . . . | | 3,36,21,08,317 |
| | 10. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters). | | |
| 56,12,696 | As per last Balance Sheet . . . . . | 59,79,681 | |
| 9,93,727 | Provision made during the year . . . . . | 16,31,788 | |
| 1,06,735 | Interest received from Investments . . . . . | 67,183 | |
| (—)7,33,477 | *Less* amount adjusted on receipt of certified statements of expenditure . . . . . | (—)10,79,198 | |
| 59,79,681 | | | 65,81,434(C) |
| | 11. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Hospital buildings. | | |
| 8,19,81,321 | As per last Balance Sheet . . . . . | 9,18,63,917 | |
| 1,38,87,848 | Provision made during the year . . . . . | 1,85,65,960 | |
| 20,47,060 | Interest received from Investments . . . . . | 14,52,615 | |
| (—)60,52,312 | *Less* amount adjusted on receipt of certified statements of expenditure . . . . . | (—)1,05,24,590 | |
| 9,18,63,917 | | | 10,13,57,902(D) |
| | 12. Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation. | | |
| 8,29,87,739 | As per last Balance Sheet. | 9,39,19,784 | |
| 60,22,295 | Provision made during the year. | 79,65,223 | |
| 31,48,153 | Interest received from Investments. | 24,23,136 | |
| (—)19,80,077 | *Less* payments made during the year. | (—)32,96,010 | |
| 37,41,674 | *Add* amount transferred from E.S.I.C. Provident Fund. | — | |
| 9,39,19,784 | | | 10,10,12,133 |
| | 13. Emergency Reserve Fund. | | |
| 34,94,27,240 | As per last Balance Sheet. | 38,91,86,254 | |
| 2,65,03,682 | Provision made during the year. | 1,28,91,140 | |
| 1,32,55,332 | Interest realised on Investments. | — | |
| — | *Gain* in realisation of. | (—)7,480 | |
| 38,91,86,254 | | | 40,20,69,914 |
| 3,59,81,91,853 | Total Carried Over. | | 3,97,31,29,700 |

(C) See Receipt and Payment Account in Statement 'B'
(D) do— 'C'

| Previous year 1979-80 | Assets | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 74,23,20,893 | Total Brought Forward. | | 84,47,36,524 |
| | Amount advanced to State Govt./State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries/Office of the Corporation and Staff Quarters. | | |
| | (a) Offices of the Corporation. | | |
| 28,00,546 | As per last Balance Sheet. | 33,76,345 | |
| 11,17,049 | *Add* payments made during the year. | 10,53,797 | |
| (—)5,41,250 | *Less* cash refunds. | (—)13,49,467 | |
| 33,76,345 | | | 30,80,675 |
| | (b) Hospitals/Dispensaries/Annexes. | | |
| 2,80,17,996 | As per last Balance Sheet. | 3,55,60,187 | |
| 1,11,27,409 | *Add* payments made during the year. | 83,79,234 | |
| (—)35,85,218 | *Less* cash refunds. | (—)81,57,585 | |
| 3,55,60,187 | | | 3,57,81,836 |
| | Miscellaneous Advances. (E) | | |
| 15,49,008 | As per last Balance Sheet. | 22,05,390 | |
| 30,43,537 | *Add* payments made during the year. | 33,89,984 | |
| (—)23,87,155 | *Less* receipts during the year. | (—)31,82,720 | |
| 22,05,390 | | | 24,12,654 |
| | Loans to State Governments. (F) | | |
| 2,48,05,967 | As per last Balance Sheet. | 2,22,88,834 | |
| — | *Add* payments made during the year. | — | |
| (—)25,17,133 | *Less* amount refunded by State Governments | (—)28,22,167 | |
| 2,22,88,834 | | | 1,94,66,667 |
| | Remittances. (G) | | |
| | Cash Remittances. | | |
| (—)22,45,890 | As per last Balance sheet. | (—)5,08,87,464 | |
| 3,40,35,52,264 | *Add* debits during the year. | 3,88,72,99,847 | |
| (—)3,45,21,93,838 | *Less* credits during the year. | (—)3,83,87,62,327 | |
| (—)5,08,87,464 | | | (—)23,49,944 |
| | Other Remittances. | | |
| | Exchange Account. (H) | | |
| (—)60,401 | As per last Balance Sheet. | 1,22,18,655 | |
| 14,96,99,900 | *Add* debits during the year. | 10,25,24,460 | |
| (—)13,74,20,844 | Less credits during the year. | (—)11,31,37,336 | |
| 1,22,18,655 | | | 16,05,779 |
| 76,70,82,840 | Total Carried Over. | | 90,47,34,191 |

(E) See paragraph 2.2 of explanatory notes in Annexure II.

(F) See paragraph 2.3 of explanatory notes in Annexure II.

(G) See paragraph 2.4 of explanatory notes in Annexure II.

(H) See paragraph 2.5 of explanatory notes in Annexure II.

| Previous year 1979-80 | Liabilities | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 3,59,81,91,853 | Total Brought Forward | | 3,97,31,29,700 |
| | 14. Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation. | | |
| 27,768 | As per last Balance Sheet. | 26,302 | |
| 35,000 | Provision made during the year. | 35,000 | |
| 1,013 | Interest received from Investments. | 640 | |
| (—)37,479 | *Less* payments made during the year | (—)36,969 | |
| 26,302 | | | 24,973 |
| | Deposits. | | |
| | Deposit of Securities. | | |
| 5,94,014 | As per last Balance Sheet | 8,97,797 | |
| 6,90,720 | *Add* deposits during the year. | 6,47,581 | |
| (—)3,86,937 | *Less* deposits repaid during the year | (—)5,82,019 | |
| 8,97,797 | | | 9,63,359 |
| | Deduction from bills payable to other parties | | |
| 57,378 | As per last Balance Sheet. | 80,774 | |
| 15,98,313 | *Add* amount credited during the year | 14,27,950 | |
| 15,74,917 | *Less* payments made during the year. | (—)14,52,766 | |
| 80,774 | | | 55,958 |
| | Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund. | | |
| 25,253 | As per last Balance Sheet. | 51,115 | |
| 35,108 | *Add* amount credited during the year. | 33,762 | |
| (—)9,246 | *Less* payments made during the year. | (—)10,279 | |
| 51,115 | | | 74,598 |
| | Deposits from I L.O for Family Planning Project | | |
| — | As per last Balance Sheet | — | |
| 4,25,000 | ADD deposits during the year | — | |
| (—)4,25,000 | LESS payments to the Family Planning Project | — | |
| | Miscellaneous deposits | | |
| 5,85,608 | As per last Balance Sheet | 17,97,342 | |
| 30,92,265 | ADD deposits received during the year | 21,79,184 | |
| (—)18,80,531 | Less deposits repaid/Adjusted during the year | (—)18,59,759 | |
| 17,97,342 | | | 21,16,767 |
| 3,60,10,45,183 | Total Carried Over | | 3,97,63,65,355 |

| Previous year 1979-80 | Assets | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 76,70,82,840 | Total Brought Forward | | 90,47,34,191 |
| | INVESTMENT AT COST | | |
| | 1. Capital Construction Reserve Fund | | |
| 36,42,88,655 | As per last Balance Sheet | 47,26,24,460 | |
| 10,83,35,805 | Add Investments made during the year | 9,15,54,808 | |
| — | Deduct—realisation on maturity or sale of Investments | — | |
| 47,26,24,460 | | | 56,41,79,268 |
| | 2. Permanent (Partial and Total) Disablement Reserve Fund | | |
| 18,62,85,906 | As per last Balance Sheet | 20,05,65,536 | |
| 1,42,79,630 | ADD Investments made during the year | 4,93,65,091 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of Investments | — | |
| 20,05,65,536 | | | 24,99,30,627 |
| | 3. Dependents Benefit Reserve Fund | | |
| 10,51,06,740 | As per last Balance Sheet | 11,48,82,890 | |
| 97,76,150 | ADD Investments made during the year | 3,59,75,953 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of Investments | — | |
| 11,48,82,890 | | | 15,08,58,843 |
| | 4. Employees, State Insurance Corporation Provident Fund | | |
| 4,88,54,926 | As per last Balance Sheet | 5,21,25,066 | |
| 32,70,140 | ADD Investments made during the year | 96,67,365 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 5,21,25,066 | | | 6,18,92,431 |
| | 5. Provident Fund deposit-Linked Insurance Reserve Fund | | |
| 1,08,482 | As per last Balance Sheet | 1,65,923 | |
| 57,441 | ADD investments made during the year | 27,554 | |
| — | Deduct realisation on maturity or sale of investments. | — | |
| 1,65,923 | | | 1,93,477 |
| | 6. Group Insurance Fund | | |
| 75,880 | As per last Balance Sheet | 4,38,687 | |
| 3,62,807 | ADD investments made during the year | 3,27,705 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 4,38,687 | | | 7,66,392 |
| | 7. Depreciation Reserve Fund of buildings for the officers of the Corporation (including Staff Quarters). | | |
| 35,64,911 | As per last Balance Sheet | 40,42,890 | |
| 4,77,979 | ADD investments made during the year | 5,12,274 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 40,42,890 | | | 45,55,164 |
| | 8. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings | | |
| 3,98,78,158 | As per last Balance Sheet | 4,61,79,807 | |
| 63,01,649 | ADD investments made during the year | 58,32,918 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 4,61,79,807 | | | 5,20,12,725 |
| | 9. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars. | | |
| 6,12,202 | As per last Balance Sheet | 6,21,714 | |
| 9,512 | ADD investments made during the year | 16,013 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 6,21,714 | | | 6,37,727 |
| 1,65,87,29,813 | Total Carried Over | | 1,98,97,60,845 |

| Previous year 1979-80 | Liabilities | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 3,60,10,45,183 | Total Brought Forward | | 3,97,63,65,355 |
| 3,60,10,45,183 | Grand Total | | 3,97,63,65,355 |

New Delhi
Dated 30th May, 1981

| Previous year 1979-80 | Assets | Amount | Total |
|---|---|---|---|
| Rs. | | Rs. | Rs. |
| 1,65,87,29,813 | Total Brought Forward | | 1,93,97,60,845 |
| | 10. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Buildings for the offices of the Corporation (including Staff Qrs.) | | |
| 28,12,150 | As per last Balance Sheet | 26,03,336 | |
| .. | ADD investments made during the year | 8,97,422 | |
| (—)2,08,814 | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 26,03,336 | | | 35,00,758 |
| | 11. Repairs and Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings. | | |
| 5,39,63,325 | As per last Balance Sheet | 5,63,03,730 | |
| 23,40,405 | ADD investments made during the year | 92,72,336 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 5,63,03,730 | | | 6,55,76,066 |
| | 12. Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation | | |
| 8,29,87,739 | As per last Balance Sheet | 9,39,19,784 | |
| 1,09,32,045 | ADD investments made during the year | 70,92,349 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | .. | |
| 9,39,19,784 | | | 10,10,12,133 |
| | 13. Emergency Reserve Fund | | |
| 34,94,27,240 | As per last Balance sheet | 38,91,86,254 | |
| 3,97,59,014 | ADD investments made during the year | 1,28,83,660 | |
| .. | Deduct—Realisation on maturity or sale of investments | .. | |
| 38,91,86,254 | | | 40,20,69,914 |
| | 14. Compassionate Reserve Fund. | | |
| 27,768 | As per last Balance Sheet | 26,302 | |
| (—)1,466 | ADD investments made during the year | (—)1,329 | |
| — | LESS realisation on maturity or sale of investments | — | |
| 26,302 | | | 24,973 |
| | General Cash Balance | | |
| 1,19,17,73,449 | Investment as per last Balance Sheet | 1,32,48,09,752 | |
| 76,95,16,003 | ADD investments made during the year | 23,92,91,938 | |
| (—)63,64,79,700 | LESS realisation on maturity or sale of investments | (—)24,34,38,473 | |
| 1,32,48,09,752 | | | 1,32,06,63,217 |
| 48,82,242 | Cash in hand | 53,68,804 | |
| 7,05,83,970 | Cash with Bankers | 8,83,88,645 (I) | |
| 7,54,66,212 | | | 9,37,57,44 |
| 1,40,02,75,964 | Total Cash Balance | | 1,41,44,20,66 |
| 3,60,10,45,183 | Grand Total | | 3,97,63,65,355 |

I.C. SARIN
Financial Adviser and
Chief Accounts Officer,
Employees' State Insurance Corporation

(I) See paragraph 2.6 of explanatory notes in Annexure II.

STATEMENT 'A'

Capital Construction Reserve Fund Account

| Receipts | | | Payments | |
|---|---|---|---|---|
| Balance as on 31-3-80 . | | 92,25,45,790 | Assets created out of Capital Construction Reserve Fund as at 31-3-1981 . | 41,23,37,253 |
| *Add* Contribution during the year 10% of income from Contributions . . . | 17,95,92,187 | | | |
| *Less* 10% Excess contributions made in the previous years on interest on contributions | (—)3,09,058 | | Advances paid to construction Agencies . | 13,75,05,939 |
| | 17,92,83,129 | 17,92,83,129 | Amout available in the Fund as at 31-3-1981 . . | 56,41,79,268 |
| Interest on investment . | 1,21,93,541 | 1,21,93,541 | | |
| TOTAL . . . . | | 1,11,40,22,460 | | 1,11,40,22,460 |
| | | Investment Balance as on 31-3-1981 . | 56,41,79,268 | |
| | | Investments as on 31-3-1980 . | 47,26,24,460 | |
| | | Further investments to be made during the year 1980-81 . | 9,15,54,898 | |

STATEMENT 'B'

Receipt and payment Account of the Repair And Maintenance Reserve Fund of Office Buildings/Annexes etc.

| | Rs. | | | Rs. |
|---|---|---|---|---|
| Opening Balance . . . . . | 59,79,681 | Amount advanced to State Governments/State Public Works Departments towards repairs and maintenance of Office/Bldgs. . | | 55,27,340 (A) |
| Provision made during the year . . | 16,31,768 | | | |
| Interest on Investments . . . . | 67,183 | | | |
| Cash refunds of unutilised advances made by the State Governments/State Public Works Departments . . . . . | 13,49,466 | Amount available in the Fund | | 35,00,758 |
| Total . . . . . | 90,28,098 | | | 90,28,098 |
| | | (a) Amount advanced to State Govts. | | 55,27,340 |
| | | *Less* Cash refunds of unutilised advances | 13,49,466 | |
| | | *Less* Amount Adjusted on receipt of certified statements of expenditure . | 10,97,198 | |
| | | | | 24,46,664 |
| | | Balance as per balance sheet (page xix) . | | 30,80,676 |

STATEMENT 'C'

Receipt and Payment Account of the Repair and Maintenance Reserve Fund of Hospital Building/Dispensaries/Annexes etc.

| | Rs. | | | Rs. |
|---|---|---|---|---|
| Opening Balance . . . . . | 9,18,63,917 | Amount advance to State Govt./State Public Works Department towards repairs and maintenance of Hospitals/ Dispensaries/Annexes . | | 5,44,64,011(A) |
| Provision made during the year . | 1,85,65,960 | | | |
| Interest on investments . . . . | 14,52,615 | | | |
| Cash refunds of unutilised advances made by the State Governments/State Public Works Departments . . . . . | 81,57,585 | Amount available in the Fund . | | 6,55,76,066 |
| TOTAL . . . . . | 12,00,40,077 | | | 12,00,40,077 |
| | | 'A' Amount advance to State Govts. | | 5,44,64,011 |
| | | *Less* Cash refunds of unutilised advances . | 81,57,585 | |
| | | *Less* Amount adjusted on receipt of certified Statements of expenditure . | 1,05,24,590 | |
| | | | 1,86,82,175 | 1,86,82,175 |
| | | Balance as per Balance sheet (page xix) . | | 3,57,81,836 |

STATEMENT—'D'

**Statement showing details at 31st March 1981 of Employees' State Insurance Corporation General Provident Fund and Contributory Provident Fund**

| | General Provident Fund Rs. | Contributory Provident Fund Rs. | Total Rs. |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| (1) Opening Balance | 4,49,08,960.70 | 72,18,635.39 | 5,21,27,595.99 |
| (2) Employees' Subscription | 1,71,39,990.06 | 1,40,749.00 | 1,72,80,739.06 |
| (3) Corporation's Contribution | — | 34,460.00 | 34,460.00 |
| (4) Interest on (Employees' & Corporation's Share). | 45,04,450.51 | 1,07,319.00 | 46,11,759.51 |
| (5) Incentive Bonus | 1,94,411.00 | 3,582.00 | 1,97,993.00 |
| (6) Total | 6,67,47,802.27 | 75,04,745.29 | 7,42,52,547.56 |
| (a) Less payment made during the year | 1,20,35,258.00 | 1,14,982.00 | 1,21,50,240.00 |
| (b) Less amount transferred to :— | | | |
| (i) Pension Reserve Fund | 4,664.00 | 1,69,807.00 | 1,74,471.00 |
| (ii) Unclaimed Deposite | 28,154.15 | 5,490.00 | 33,644.15 |
| (iii) VII. Misc. Receipts | 1,562.00 | — | 1,562.00 |
| **Closing Balance** | 5,46,78,164.12 | 72,14,466.29 | 6,18,92,630.41 |

STATEMENT 'E'

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

**Receipt and Payment Account of Provident Fund for the year, 1980-81**

| Receipts | | Amount Rs. | Payments | Amount Rs. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | 4 |
| (1) Opening Balance Employees' Subscription | | | Payment made to subscriber during the year 1980-81 | |
| (i) GPF Rs. | 4,49,08,960.70 | | (i) GPF Rs. 1,20,35,258.00 | |
| (ii) CPF Rs. | 72,18,635.29 | | (ii) CPF Rs. 1,14,982.00 | |
| | | 5,21,27,595.99 | | 1,21,50,240.00 |
| (2) Receipts during the year Employees' Subscription | | | Closing Balance | |
| (i) GPF Rs. | 1,71,39,990.06 | | (i) GPF Rs. 6,04,10,561.91 | |
| (+) Rs. | 57,32,397.79 | | | |
| (ii) CPF Rs. | 1,40,749.00 | | (ii) CPF Rs. 14,82,068.50 | |
| (—) Rs. | 57,32,397.79 | | | |
| | | 1,72,80,739.06 | | 6,18,92,630.41 |
| (3) Interest | | | | |
| (a) On own share | | | | |
| (i) GPF Rs. | 45,04,440.51 | | | |
| (ii) CPF Rs. | 60,956.00 | 45,65,396.51 | | |
| (b) On Corporation share CPF Rs. | 46,363.00 | 46,363.00 | | |
| (4) Corporation's share of contribution for 1980-81. Rs. | 34,460.00 | 34,460.00 | | |
| (5) Incentive Bonus | | | | |
| (i) GPF Rs. | 1,94,411.00 | | | |
| (ii) CPF Rs. | 3,582.00 | 1,97,993 00 | | |
| (6) Amount Transferred to | | | | |
| (a) Unclaimed Deposits | | | | |
| (i) GPF Rs. | 28,154.15 | | | |
| (ii) CPF Rs. | 5,490.00 | 33,644.15 | | |
| (b) Pension Reserve Fund | | | | |
| (i) GPF Rs. | 4,664.00 | | | |
| (ii) CPF Rs. | 1,69,807.00 | 1,74,471.00 | | |
| (c) Vii Misc. Receipts Rs. | 1,562.00 | 1,562.00 | | |
| GRAND TOTAL | | 7,40,42,870.41 | | 7,40,42,870 41 |
| Closing Balance of Accounts | Rs. | 6,18,92,431.00 | | |
| *Closing Balance of Broad Sheet | Rs. | 6,18,92,631. 00 | | |
| Difference | Rs. | 200.00 | (Excess in Broad Sheet). | |

* The Closing Balance as per Braod Sheet is Rs. 6,18,92,631.00. The difference of Rs. 200.00 has been identified and will be corrected in the accounts for 1981-82.

ANNEXURE-I

Explanatory notes on Income and Expenditure Accounts.

1.1 'A' on page ii.

The amount includes Corporation's share of expenditure on the initial equipment purchased for the hospitals.

The total expenditure on the purchase of equipment from 1967-68 to 1971-72 and from 1973-74 to 1979-80 (information for the year 1972-73 is being collected) is Rs. 1,50,67,801.80. During the year 1980-81, a further sum of Rs. 70,86,370.50 p. was sanctioned for purchase of hospital equipment. The same had not been exhibited in the Balance Sheet as assets. Capitalisation of this expenditure is still under consideration of the Corporation.

1.2 'B' on page ii.

The increase in the expenditure is mainly on account of the following reasons:

(a) Additional coverage.

(b) Increase in the amount of average daily rate of benefit consequent on upward revision of wages.

(c) A trend towards an increase in the average number of benefit days per annum per employee.

1.3 'C' on page ii.

The amount includes the additional amount of Rs. 430.00 lakhs as one time adjustment on account of enhancement of rates of benefits w.e.f 1-4-80 in cases where disablement or death occurred before 1-4-78.

1.4 'D' on page iii.

Prior to 1-7-73, the Employers' special Contribution and Employees' Contribution were booked separately under the sub-head "Employers' Share and Employees' Share only." Consequent on the repeal of Chapter V-A of the Employees' State Insurance Act, 1948 the combined contributions are now being shown under the sub-head "Employers' and Employees' Share". The increase in contribution income is mainly on account of additional coverage and increase in the amount of average rate of contribution consequent on revision of wages.

1.5 'E' on page iii.

Represents recoveries of arrears for the period prior to 1-7-73.

1.6 'F' on page iii.

The decrease in receipts under 'Interest and Dividends' is due to investments being made since Ist October, 1976 in term deposits under 'Re-investment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due is credited to the Corporation's account on maturity of an investment.

This excludes the amount of Rs. 1,307.70 lakhs as interest accrued during the year 1980-81 on investments in re-investment plans as the amount will be payable to Corporation on maturity of the investments.

1.7 'G' on page iii.

The receipts under 'Compensations' represent the amount recovered from the State Governments under the provision of Section 58 (2) of the Employees' State Insurance Act, in case where the incidence of sickness payments to insured persons in any State is found to exceed the All India average.

1.8 'H' on page iii.

This includes receipts on account of licence fee from the employers for use of franking machines by them and also damages levied on the employers for failure to pay dues of the Corporation and non-submission of Contribution Cards in time.

1.9 'I' on page iii.

This includes receipts on account of cost of duplicate identity cards, recoveries of over payments and dis-allowances in audit, recoveries of leave salary and pension contributions, employees' contribution towards Central Government Health Scheme and other receipts.

1.10 'J' on page iv.

This includes miscellaneous expenses including fee paid for postmortem examination of insured persons and charges payable to police authorities for obtaining police reports and other statements for deciding cases of employment injuries etc.

1.11 'K' on page vi.

This includes telegraphic charges on bank transfers and commission charges by the Associate Banks of the State Bank of India for the sale of contribution stamps. The decrease in expenditure is partly due to reduction in the rate of telegraphic transfer of fund from Rs. 7 to Rs. 8 per telegraphic transfer w.e.f. 1-9-1979 and waiver of commission on realisation of contributions in cash.

1.12 'L' on page iv.

This excludes the pensionary liability of the employees of D(M) Delhi which is included under 1-A(ii) Medical Benefit being sharable expenditure with Delhi Administration.

The accumulated pensionary liability in respect of Contributory Provident Fund beneficiaries who opted for coming over to the pension scheme have been provided for in the Pension Reserve Fund during the year 1980-81.

1.13 'M' on page vi.

This expenditure represents payments on account of refunds of lapsed deposits & payment of E.S.I.C. Provident Fund transferred to Miscellaneous receipts.

1.14 'N' on page viii.

As per decision dated 1-2-1974 of the Standing Committee of the Corporation, 10% of the total revenue derived from Employer's & employees contribution is credited to the Capital Construction Reserve Fund for construction of Hospitals/Dispensaries/other medical institution and office building/staff quarters. However, an amount of Rs. 3,09,058/- being the excess amount provided in the earlier years has been written back.

1.15 'O' on page viii.

This represents transfers to Emergency Reserve Fund as per decision of the Corporation in its meeting held on 17th March, 1973. The Corporation has laid down that 20% of the excess of income over expenditure (whole of the amount when excess is less than rupees one crore) should be credited to the Emergency Reserve Fund.

ANNEXURE II

**Explanatory notes on Balance Sheet**

2.1 'B' on page xi.

Includes assets worth Rs. 23,94,10,095 created out of General Cash Balance.

2.2 'E' on page xix.

Include (i) Advances to Controller of Stationery, Calcutta.
(ii) Advances to Public Works Departments.
(iii) Advances to Printing and Stationery Departments of the State Governments.
(iv) Advances to Regional Offices and other offices of the Corporation.
(v) Advances to Municipal Committees, Local Bodies etc.
(vi) Advances for legal charges.
(vii) Advances to Corporation's Departmental Canteens.
(viii) Other Advances which are not classified elsewhere.
(ix) Special Advances.

2.3 'F' on page xxi.

Represents loans granted to the Government of Maharashtra prior to 1977-78 for construction and expansion of Employees' State Insurance Projects in the State.

2.4 'G' on page xxi.

The term 'Cash Remittances' denotes transfer of funds (cash) from one account circle to another and vice versa. The revenue of the Corporation is collected by sale of stamps/cash realisation through the State Bank of India and its Associate Banks. The contribution received are transferred to the accounts of the respective Regional Office Account No. I (Collection Account) and finally transferred Account No. I (Central) of the Headquarters' office. Funds for administrative expenditure & benefit payments to insured persons are provided to Regional Office/Local office from Central Account No. I (Headquarter Office) by making transfers. All such transactions in transferring funds from one office to another are known as 'Cash Remittances'.

The minus balance of Rs. 23,49,944 under the head 'Cash Remittances' represents adjustments of certain credits in accounts of the Corporaton for which per contra debits could not be afforded before 31-3-81 for want of debit advices from the banks

2.5 'H' on page xxi.

The term 'Other Remittances—Exchange Account' denotes book adjustments between one office of the Corporation & the other and vice versa. Transactions originating in one office of the Corporation adjustable in the books of another office of the Corporation transferred through Exchange Account.

The balance of Rs. 16,05,779 under the head 'Other Remittances—Exchange Account' represents adjustment of certain debits in the account of the Corporation for which per contra credits (Responding items) could not be effected before the close of the accounts for 1980-81.

2.6. 'I' on page xxxiii.

Cash with bankers comprises the following:

(i) Balances in Regional Office Account No. I (Collection Accounts which represents the collections made by the Banks on 30th & 31st March, 81).

(ii) Balance in Regional Office/D(M)D Account No. II for meeting Administrative expenses and expenditure on medical care in Delhi.

(iii) Balance in Account No. II of Local Offices for making Cash Benefit payments to Insured Persons.

APPENDIX XXIV

**Administrative cost compared with benefits paid etc.**

| | 1975-76 | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79 | 1979-80 | 1980-81 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | (In Rupees) | | | |
| I. Total Administrative cost | 7,77,62,505 | 8,77,45,918 | 9,55,40,440 | 9,95,00,434 | 11,37,55,420 | 14,10,42,213 |
| II. Contributions. | | | | | | |
| (i) Employers' & Employees' Shares | 73,15,86,339 | 1,23,61,94,824 | 1,31,11,81,105 | 1,45,78,73,675 | 1,58,63,28,298 | 1,78,79,01,620 |
| (ii) Employers' Share Only | 1,78,07,427 | 93,97,151 | 25,97,022 | 17,57,254 | 15,72,055 | 21,78,710 |
| (iii) Employees' Share Only | 1,00,00,537 | 1,07,22,754 | 48,90,539 | 71,05,945 | 77,455 20 | 53,41 539 |
| (iv) Interest | — | 1,78,865 | 5,97,322 | 8,57,102 | 14,57,233 | 17,34,671 |
| Total | 75,94,03,303 | 1,25,64,93,594 | 1,31,92,65,988 | 1,46,75,93,987 | 1,59,76,04,161 | 1,79,76,56,543 |
| III. Total Expenditure on Revenue Account | 75,58,05,845 | 1,01,91,84,702 | 1,17,71,52 032 | 1,37,04,51,588 | 1,59,18,79,538 | 1,88,05,88,382 |
| IV. Total Benefits | 57,23,86,508 | 70,85,36,816 | 87,03,53,722 | 1,05,84,50,926 | 1,27,31,82,259 | 1,52,41,64,452 |
| Percentage relationship of Administrative cost to: | | | | | | |
| Contributions | 10.24 % | 6.98 % | 7.24 % | 6.78 % | 7.12 % | 7.85% |
| Expenditure on Revenue Account | 10.29 % | 8.61 % | 8.12 % | 7.26 % | 7.15 % | 7.50 % |
| Benefit | 13.59 % | 12.38 % | 10.98 % | 9.40 % | 8.93 % | 9.25 % |

Note: IV does not include share of Medical Benefit expenditure borne by the State Governments.

[F.No. Z-16011/1/81-HI]

R.K. Das, Under Secy.

(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1983

**का. आ. 1145.**—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा. का. 2201 दिनांक 1 अगस्त, 1981, का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एम. एस. कैहलों को उन सभी क्षेत्रों में, जिन पर उक्त अधिनियम लागू होता है, दिनांक 1 फरवरी, 1983 से मुख्य खान निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं. ए-32011/11/82-खान-2]

जे. के. जैन, अवर सचिव

(Department of Labour)

New Delhi, the 1st February, 1983

**S.O. 1145.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. No. 2201 dated the 1st August, 1981, the Central Government hereby appoints Shri M. S. Kahlon to be the Chief Inspector of Mines with effect from the 1st February, 1983 for all the territories to which the said Act extends.

[F. No. A-32011/11/82-MI]

J. K. JAIN, Under Secy.

New Delhi, the 1st February, 1983

**S.O. 1146.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the Grindlays Bank Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-1-1983.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

Reference No. 6 of 1979

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, Calcutta.

AND

Their Workmen.

**PRESENT :**

Mr. Justice M. P. Singh—Presiding Officer.

**APPEARANCES :**

On behalf of Employers—Mr. C. Krishnamurthy, Chief Manager, Personnel and Industrial Relations, with

Mr. N. V. Srinivasan, Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen—Mr. P. K. Chatterjee, Advocate.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Banking

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-12012/99/78-D.II.A dated 25 January, 1979 referred a dispute as to "Whether the action by the management of Grindlays Bank Limited, 19, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001 in deducting wages for 4 hours and 15 minutes of 28-3-78 in respect of Shri Swapan Kumar Ghosal of Accounts Department, Calcutta is justified" to this Tribunal for adjudication.

2. When the case was taken up for hearing on 17-1-83 the parties opened their respective case and stated that the matter could be resolved amicably for which they wanted time for the day only. Time was allowed. To day the parties appeared and filed a joint petition stating that the Bank was willing to restore the wage-cut in view of the circumstances stated in paragraph 2 of the petition which runs as follows :

"2. In the meantime, Mr. Swapan Kumar Ghosal has addressed a letter dated 18th January, 1983 to the Bank which is enclosed herewith marked Annexure "A"."

The Annexure "A" reads :

"To

The Manager (O),

Grindlays Bank, P.L.C.,

19 N. S. Road, Calcutta-700001

Dear Sir,

I sincerely regret for the mistake arising out of my misunderstanding with regard to the order transferring me to Contract Section from 11.30 a.m. on 28-3-78. I had no intention to disobey the lawful orders of the Management and I assure you that I will not commit such mistake in future.

Yours faithfully,

Sd/- Swapan Kumar Ghosal

Calcutta,

Dated : January 18, 1983."

Ultimately the parties pray that an appropriate award be passed in the matter.

3. In view of the circumstances stated above, I pass an Award directing the Bank to restore the wage-cut for 4 hours and 15 minutes of 28-3-78 within one month from the date of this Award.

Dated, Calcutta,

The 18th January, 1983.

M. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-12012/99/78-D.II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 31st January, 1983

**S.O. 1147.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Koyala Bhawan, Post Office Koyala Nagar, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th January, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(i)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 46 of 1981

PARTIES :

Employer in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Koyala Bhawan, Post Office Koyala Nagar, Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri K. C. Nandkeolyar Chief Personnel Manager (IR).

For the Workman—Shri R. Prasad, General Secretary, B.C.C.L. Staff Co-ordination.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 17th January, 1983

AWARD

By Order No. L-20012(136)/81-D.III(A), dated, the 1st August, 1981, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the demand of the workman of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Koyala Bhawan, Post Office Koyala Nagar, District Dhanbad, that Shri S. K. Das, Sr. P.A. should be promoted to the post of P.S. from the date on which his juniors have been promoted, is justified? If so, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The parties have filed their written statements and rejoinders. A supplementary rejoinder has also been filed on behalf of Sri S. K. Das.

3. The case of Sri S. K. Das is that he worked as Senior Personal Assistant with effect from 20-3-1974 to the full satisfaction to the authorities under whom he was placed from time to time. A Departmental Promotion cum-Selection Committee was constituted to consider the cases of Senior Personal Assistants for promotion to the post of Private Secretaries, and the Committee interviewed the candidates on 2-9-77 including him. The selected candidates were offered the post of Private Secretaries but he was not given any such offer, and, on enquiry, he was given to understand that his name had been empanelled and when vacancy would occur he would be considered for promotion in due course. Out of the selected candidates, however, Sri Gurudas Mukherjee, could not report for duty as Private Secretary as he was not having his matriculation certificate and another selected candidate, Sri H. K. Banerjee, died sometime after his reporting to duty as Private Secretary and, thus, there were two vacancies in the cadre of Private Secretaries. But instead of filling up one of these two vacancies by promoting him, these posts were filled up by transferring two persons—one from Coal India Ltd., Delhi, and the other from Central Coalfields Ltd., Ranchi, depriving him of his legitimate claim. He represented his case before the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. several times, but, when that proved to be fruitless, a dispute was raised before the Asstt. Labour Commissioner (C). The conciliation proceeding before the Asstt. Labour Commissioner (C), however, also failed leading to the present reference of the dispute to this Tribunal. He has always been found outstanding so far his performance and sincerity is concerned and during his entire service period he has not been issued any adverse remark nor there has been any sort of complaint against his work. In fact when he was transferred to Liaison Office of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Patna (vide Asstt. Personnel Manager, Manpower Planning Division's letter No. BCCL/PA-I/0.0/75/12378 dated 24/25-12-75) he was not released/spared considering his best services and his Controlling Officer was not ready to take any substitute in his place which affirms his outstanding performance. On these grounds his prayer is that he may be promoted to the post of Private Secretary with effect from 15-9-77 with back wages and his seniority should be fixed accordingly.

4. The case of the management, on the other hand, is that the case of Sri S. K. Das, Senior Personal Assistant, was also considered by the Departmental Promotion-cum-Selection Committee for selection for promotion to the post of Private Secretary along with other eligible Senior Personal Assistants on 2-9-77 and the said Committee also interviewed him along with other Senior Personal Assistant, but, having regard to the criteria as specified for selection, the Committee did not select him for promotion to the post of Private Secretary. The Senior Personal Assistants in the Bharat Coking Coal Ltd. are in Technical and Supervisory Grade-A under Coal Industry Wage Structure and the post of a Private Secretary is in E-1 Grade of the Executives (Officers) and the promotion of a Senior Personal Assistant to the post of Private Secretary is purely a management function and no employee can claim the promotion as of right. The management admits that one of the selected candidates, Sri Gurudas Mukherjee, was not promoted for want of matriculation certificate and the other selected candidate, Sri H. K. Banerjee, died and thus two vacancies were caused in the cadre of Private Secretaries but it denies that Sri S. K. Das was deprived of his legitimate claim to be promoted to one of those two posts as he was not at all selected by the Departmental Promotion-cum-Selection Committee for promotion to the said post. The management further asserts that it was no where laid down that all the posts of Private Secretaries would be filled up by promotion from amongst the Senior Personal Assistants of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. only and in terms of the set up of the Coal India Ltd. and its subsidiary companies of which Bharat Coking Coal Ltd. is one, the management was perfectly within its right to fill up the vacancies by transfer of its employees o Bharat Coking Coal Ltd. either from Coal India Ltd. or other subsidiary companies and vice versa. The management admits that Sri S. K. Das was transferred to Liaison Office of Bharat Coking Coal Ltd., Patna, but it denies that his Controlling Officer was not ready to relieve or spare him or take any substitute in his place because of his outstanding performance. On the contrary, the management's case is that his Controlling Officer simply wanted another Senior Personal Assistant as a substitute before relieving him, and, since such an employee was not immediately provided simultaneously, the Controlling Officer expressed his difficulty in relieving him and this does not affirm his outstanding performance as claimed by him. The further case of the management is that his case was, however, again considered by the Departmental Promotion-cum-Selection Committee in 1981 and this time it found him fit for promotion to the post of Private Secretary and when a vacancy became available he was promoted to the post of Private Secretary with effect from 3-8-1981 in E-1 Grade of the Executives (Officers). The contention of the management, therefore, is that Sri S. K. Das has no case or claim for promotion to the post of Private Secretary with effect from 15-9-1977.

5. Two witnesses have been examined on behalf of Sri S. K. Das—one is Sri S. K. Das (WW-1) himself and the other is Sri K. S. Ghosh (WW-2), the then Additional Chief Engineer in Bharat Coking Coal Ltd., under whom Sri S. K. Das worked as Senior Personal Assistant. On behalf of the management only one witness has been examined, namely, Sri D. R. Gupta (MW-1) the then Senior Administrative Officer in Technical Directorate in Bharat Coking Coal Ltd. at Dhanbad. Besides certain documents have also been exhibited on either side.

6 Ext. W-1 is a circular letter dated 20-6-1977 issued by the Bharat Coking Coal Ltd. to all its General Managers and Heads of Departments laying down the promotion policy for ministerial cadre in Bharat Coking Coal Ltd. and Ext. M-1 is the minutes of the Departmental Promotion-cum-Selection Committee in respect of the interview of the Senior Personal Assistants including Sri S. K. Das held by the

Committee on 2-9-77 for selecting candidates for promotion to the posts of Private Secretaries from which it would appear that the Committee had, out of total marks of 100, distributed 20 marks for educational qualifications, 30 marks for experience, 20 marks for performance report (C.R.) 20 marks for interview and 10 marks for extra-curricular activities, and had tabulated the mark list accordingly in order of merit and had recommended that candidates obtaining less than 60 marks in total should not be considered for promotion to the post of Private Secretary. According to the said mark list 26 candidates had secured more than 60 marks and they were considered fit for promotion but a note was made against the name of Sl. No. 22 Gurudas Mukherjee, who had obtained 69 marks that his selection was subject to verification of his matriculation certificate. Sri S. K. Das obtained a total of only 57 marks and two other candidates had also secured a total of only 58 marks each and hence they were not considered fit for promotion to the posts of Private Secretaries. In the circumstance, the case of Sri S. K. Das in his written statement that his name had been empanelled to be considered for promotion in due course when any vacancy occurred is not correct. It is the admitted case of the parties that Sri Gurudas Mukherjee was not finally selected as he was not having his matriculation certificate and another selected candidate, Sri H. K. Banerjee, died sometime after his reporting to duty as Private Secretary and thus two vacancies occurred in the cadre of Private Secretaries which were filled up not by promotion of any Senior Personal Assistant but by transferring two Private Secretaries—one from Coal India Ltd., Delhi and the other from Central Coalfields Ltd., Ranchi. From a perusal of the written statement, rejoinder and supplementary rejoinder of Sri S. K. Das it would appear that his only case and only grievance is against the transfer of these two Private Secretaries—one from Coal India Ltd., Delhi and the other from Central Coalfields Ltd., Ranchi to fill up those two vacancies depriving him of his claim to be promoted to one of those posts, and he has specifically put forward his aforesaid case in para 5 of his written statement. There is no other case made out by him in any other paragraph of the written statement or rejoinder or supplementary rejoinder. It has, however, been admitted before me in the course of arguments by Mr. R. Prasad appearing for Sri S. K. Das and by Sri K. C. Nandkeolyar appearing for the management that Bharat Coking Coal Ltd. and Central Coalfields Ltd. are subsidiaries of Coal India Ltd. and there is no bar to the transfer of personnels from one company to another, and, in fact, Sri Nandkeolyar appearing for the management placed before me a photostat copy of letter No 38011/1/74-CAF dated 27-9-1975 issued by the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal, to the Chairman, Coal Mines Authority Ltd. on the subject of "Setting up of 'Coal India Limited', a Holding Company for the coal industry in the Central public sector which lays down that Coal Mines Authority Ltd. will be converted into a Holding Company called "Coal India Limited" (CIL) which will be responsible for the management of the entire coal mining owned and controlled by the Central Government of which the Bharat Coking Coal Ltd., Central Coalfields Ltd. and certain other companies would be its subsidiaries, and transfer of personnel in the lower scales of pay from one company to another is not envisaged though there should be no bar to such transfer on administrative grounds, and, at higher levels transfer of personnel from one company to another should be freely affected as this would enable the optimum use and development of managerial talent. Thus the management was within its right to fill up the two vacancies in the posts of Private Secretaries—one caused due to non-production of matriculation certificate by Sri Gurudas Mukherjee and the other caused due to the death of Sri H. K. Banerjee by transferring one Private Secretary from Coal India Ltd., Delhi and another Private Secretary from Central Coalfields Ltd., Ranchi ; and it was not bound to fill up those posts by fresh promotion of Senior Personal Assistants Moreover, Sri S. K. Das, who had not secured the qualifying 60 marks, can in no case make a grievance as to why one of those two posts was not filled up by promoting him. Thus, there is no merit in the case of Sri S. K. Das that he should be promoted to the post of Private Secretary with effect from 15-9-77. Since no other case has been made out by Sri S. K. Das in his written statement, rejoinder or supplementary rejoinder, nothing else remains to be considered and the reference can be straightway answered on the aforesaid findings.

7. But at the time of hearing an successful attempt had been made on behalf of Sri S. K. Das to make out an altogether different case, about which there is absolutely no whisper either in his written statement or rejoinder and supplementary rejoinder, that the marking by Departmental Promotion-cum-Selection Committee was not proper and that it was malafide and that he had been victimised. In this connection it has been stated by Sri S. K. Das (WW-1) in his examination-in-chief that when promotion of some of the Senior Personal Assistants to the posts of Private Secretaries was made in the year 1977 by the Departmental Promotion-cum-Selection Committee, about 5 to 6 persons who were juniors to him in the gradation list of Senior Personal Assistants superseeded him and in doing so the Departmental Promotion-cum-Selection Committee, according to him, did not act fairly. It is, however, a well settled principle that a case of dis-honesty malafide, victimisation etc. has got to be specifically pleaded with necessary details in the pleading giving opportunity to the other side to reply to it, and, in the absence of any such pleading, on party can be allowed to abruptly raise it either at the time of trial or in argument.

9. The extent of the powers of the Tribunal to interfere in matters of promotion has been clearly laid down by the Supreme Court in the case of Management of Brooks Bond India (P) Ltd. Vs. Their Workmen (5 SCJ 3502). It has been laid down therein that generally speaking promotion is a management function , but it may be recognised that there may be occasions when a tribunal may have to interefere with promotions made by the management where it is felt that persons superseded have been so superseded on account of mala fides or victimisation. Even so after a finding of mala fides or victimisation, it is not the function of a tribunal to consider the merits of various employees itself and then decide whom to promote or whom not to promote. If any industrial tribunal finds that promotions have been made which are unjustified on the ground of malafides or of victimisation, the proper course for it to take is to set aside the promotions and ask the management to consider the cases of superseded employees and decide for itself whom to promote, except of course the person whose promotion has been set aside by the tribunal. But these points do not arise for consideration in the instant case in the absence of any pleading of malafide or victimisation by Departmental Promotion-cum-Selection Committee in the written statement or rejoinder or supplementary rejoinder of Sri S. K. Das.

10. In order to make out a case that Sri S. K. Das had outstanding record of performance to his credit he has cited one instance in para 10 of his written statement. It has been stated by him in the said para that when he was transferred to Liaison Office of Bharat Coking Coal Ltd., Patna (vide Asstt. Personnel Manager, Manpower Planning Division's letter No. BCCL/PA-I/0.0|75|12375 dated 24|25-12-75), he was not relieved or spared by his Controlling Officer who was not ready to take any substitute in his place which affirms his outstanding performance. In support of his aforesaid case he has also got exhibited his aforesaid transfer order dated 24|25-12-75 (Ext. W-2) and the reply dated 29-12-75 (Ext. W-3) of his Controlling Officer, Sri K. S. Ghosh, Additional Chief Engineer. But the same does not support the aforesaid case of Sri S. K. Das that his Controlling Officer, Sri K. S. Ghosh, did not relieve or spare him as he was not ready to take any substitute in his place, because in his said reply dated 29-12-75 (Ext. W-3) Sri K. S. Ghosh had simply insisted for a replacement of another Senior Personal Assistant before relieving Sri S. K. Das and he had not stated that he was not ready to take any substitute in place of Sri S. K. Das as wrongly stated by Sri S. K. Das in his written statement to boost up his case of himself being of outstanding merit. Sri K. S. Ghosh (WW-2) has also been examined in this case as a witness for Sri S. K. Das and he too has also stated that he simply wanted another Senior Personal Assistant in place of Sri S. K. Das before relieving him for transfer. Sri K. S. Ghosh (WW-2) has also not stated anything in his evidence about any outstanding merit of Sri S. K. Das and all that he has said about him is that he had been working with him and he was doing his work and he had received no complaint against his work. But this is not the same thing as saying that Sri S. K. Das is of outstanding merit as claimed by him.

11. Another matter which Sri S. K Das has introduced in evidence is a photostat copy of a "Strictly Confidential" letter dated 18th/20th August, 1977 (Ext. W-4) written by Sri D. R. Gupta (MW 1), Senior Administrative Officer, to Sri K. S. Ghosh (WW-2), Additional Chief Engineer, who was Controlling Officer of Sri S. K. Das. In the said letter Sri D. R. Gupta had brought to the notice of Sri K. S. Ghosh certain acts of indiscipline and mis-behaviour indulged in by Sri S. K. Das and had submitted that Sri Das was not a responsibile person to be promoted to the Executive cadre of Private Secretary and that he was not a fit person to be retained at the Headquarters and he should be transferred to some other place. It has also been taken on behalf of Sri S. K. Das in the cross-examination of Sri D. R Gupta (MW-1) that there was no quarrel between him and Sri S. K. Das but sometime Sri S. K. Das came and mis-behaved with him. The aforesaid "Strictly Confidential" letter of complaint dated 18th/20th August, 1977 (Ext. W-4) written by Sri D. R. Gupta to Sri K. S. Ghosh, Additional Chief Engineer, who was the Controlling Officer of Sri S. K. Das, does no credit to Sri S. K. Das, but the said letter of complaint has, perhaps, been got exhibited on behalf of Sri S. K. Das to show that Sri D. R. Gupta was instrumental in not getting him promoted to the post of Private Secretary. Sri K. S. Ghosh (WW-2) has, however, stated in his cross-examination that he was the Controlling Officer of Sri S. K. Das and he used to write his C. R. and in course of his official duty he used to receive a large number of letters in the form of complaints against his subordinate staff but he did not take any notice of them while appraising the work of the staff working under him or while making remarks in their C.R. Therefore, it cannot be said that Sri S. K. Das was in any way prejudiced because of the aforesaid "Strictly Confidential" letter of complaint dated 18th/20th August, 1977 (Ext. W-4) written by Sri D. R. Gupta, Senior Administrative Officer to Sri K. S. Ghosh, Additional Chief Engineer, who was the Controlling Officer of Sri S. K. Das.

12. The case of Sri S. K. Das was again considered in the year 1981 and this time he was found fit for promotion to the post of Private Secretary, and, in fact, by letter dated 1-8-1981 (Ext. M-2) he was promoted as Private Secretary with effect from the date he reported for duty and assumed charge of the post of Private Secretary.

13. In view of the aforesaid discussion my answer to the reference is that Sri S. K. Das, Senior Personal Assistant, who has since already been promoted to the post of Private Secretary by letter dated 1-8-1981 (Ext. M-2), is not entitled to be promoted to the post of Private Secretary with effect from 15-9-1977 as claimed by him or from any other date when some other Senior Personal Assistant were promoted to the post of Private Secretaries on the basis of the interview held by the Departmental Promotion-cum-Selection Committee on 2-9-1977, nor is he entitled to any back wages or re-fixation of his seniority vis-a-vis those Senior Personal Assistants who had been promoted to the post of Private Secretaries prior to him, notwithstanding the fact that some of them might be his juniors in the cadre of Senior Personal Assistants. In the result Sri S. K. Das is entitled to no relief. In the circumstances, however, there will be no order as to cost.

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer

[No. L-20012(136)/81-D.III(A)]

**S.O. 1148.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sudamdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Sudamdih, District Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 25th January, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 38 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sudamdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sudamdih, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri T. P Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 21st January, 1983

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012(12)/80-III(A) dated the 27th November, 1980, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :

"Whether the demand of the workmen of Sudamdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sudamdih, District Dhanbad that Shri M. C. Choudhary, Senior Telephone Operator should be placed in one grade higher than Telepone Operators with effect from the 7th April, 1977, is justified ? If so, to what relief is the said workmen entitled ?

2. The dispute has been settled out of court. A memorandum of settlement dated 12-1-1983 was filed in this court on 20-1-1983. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable there is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award

3 Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/-

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, AT DHANBAD

Ref No. 38 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Sudamdih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their workman (Sri M. C. Choudhary, Sr. Telephone Operator)

The above mentioned employers and their workman concerned Sri M. C Choudhary most respectfully beg to submit that a mutual settlement between the two parties has been already held and the dispute under reference has been already resolved and a copy of such memorandum of settlement is enclosed herewith with pray that the Hon'ble Tribunal may be

pleased to give an award in terms of this application and settlement as incorporated therein.

Enclose Copy of memorandum of settlement

M. C. CHOWDHARY
Workman Concerned

General Manager,
Sudamdih Area,

Filed by
S. BOSE
Secretary
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh
DHANBAD

Part of the Award

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

NAME OF PARTIES

Representing Employer

1. Sri R. K Chowdhary,
Personnel Manager,
Sudamdih Area.

Representing the Workman

1. Sri C. R Mitra,
Area Secretary, RCMS.,
Sudamdih.

2. Sri M. C Chowdhary,
Sr. Telephone Operator.
Sudamdih Area Officer.

Short Recital of the Case

Whereas Sri M. C Chowdhary, Sr Telephone Operator of Sudamdih Area Office had raised an Industrial Dispute for his placement to one grade higher than Telephone Operators of Sudamdih Area i.e. to Spl Grade Clerical with effect from 7-4-1977 when such other Telephone Operators had been up-graded (from Clerical Grade II to Grade I) and for payment of due relief

And whereas such dispute had been raised and which was later referred for adjudication to the Government of India, Industrial Tribunal No. 1 at Dhanbad and the case being Ref. 38 of 80 is pending at Industrial Tribunal No. 1.

And whereas the grievance of Sri M C Chowdhary had been discussed by Sri S. P Roy, Jt. General Secretary, RCMS with the General Manager, Sudamdih Area on 19-11-1982 and it had been decided to settle the issue mutually and to withdraw the case from the Tribunal.

Therefore after a prolonged discussions between the two parties, it has been finally decided to settle the dispute on the terms as mentioned below :—

Terms of Settlement

1. The Management agreed to place Sri M. C. Chowdhary, Sr. Telephone Operator in the Spl Grade Clerical with effect from 20-1-83 and he will have notional seniority in that grade from 4-2-1978.

2. The Management further agreed to pay Rs. 2,000 (Rupees two thousand) only in lumpsum against all his claims for relief.

3. Sri M. C Chowdhary Sr Telephone Operator agreed to submit a compromise petition in the dispute which is pending under reference No. 38/80 at the Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad on or before 20-1-1983 without which this settlement will not be effective.

4. All disputes and claims of Sri M. C Chowdhary Sr Telephone Operator will hereby stand fully settled.

5. Both parties agreed that a copy of this settlement will be submitted to Presiding Officer Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, and to the Regional Labour Commissioner (C), Dhanbad and also to other Competent Authorities for information and record.

Signature of the Parties

Representing the Employer
(R. K. Chowduary,
Personnel Manager
Sudhamdih Area

Representing the Workman
(C. R. Mitra)
Area Secretary,
Rashtriya Colliery Mazdor.
Sangh, Sudamdih Area.

Witness :—

1. Illegible
2. Illegible

M. C. CHOWDHARY,
Sr. Telephone Operator,
Bharat Coking Coal Ltd
Sudamdih Area Office.

Endorsed
S. BOSE

[No. L-20012/12/80-D.III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 7th January, 1983

**S.O. 1149.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay in the industrial dispute batween the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Pune, and their workmen, which was received by the Central Government.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-14 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to Life Insurance Corporation of India, Pune.

AND

Their workman

APPEARANCES:

For the employer—Mr. P. Vaidhyanathan, Asstt. Secretary (Legal)

For Insurance Employees' Union—Mr. V. B. Kathuria, Joint Secretary, All India LIC Employees' Federation on behalf of the Insurance Corporation Employees' Union.

STATE : Maharashtra. INDUSTRY : Insurance

Bombay, dated the 30th day of November, 1982

AWARD

The Government, of India, Ministry of Labour, by order No. L-17012/8/81-D.IV(A) dated 31st July 1982 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Pune and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Pune in not allowing Smt. V. V. Joshi, Assistant, to cross the Efficiency

Bar on 1st August, 1979 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The workman concerned viz., Smt. V. V. Joshi was appointed by the Life Insurance Corporation of India (hereinafter referred to as the "Corporation") in the cadre of Assistant on 6-7-1962 on a scale of pay of Rs. 175-10-215-15-290-20-410-EB-25-585. The workman having reached the basic salary of Rs. 410 p.m. had to be considered for being allowed to cross the Efficiency Bar with effect from 1-8-1979. The competent authority however, did not allow her to cross the bar on the ground that she did not have the minimum standard of efficiency expected of her. The workman was accordingly informed by the letter dated 6-8-1979 that she was not found fit to cross the Efficiency Bar at the incremental stage of Rs. 410 per month with effect from 1st August, 1979, and that she will continue to draw the same salary she was drawing until her case was reviewed in August, 1980. The Corporation relied upon the circular No. Personnel/A/3550/ASP/76 dated 20th September, 1976. (Ex E1) while refusing to allow the workman to cross the Efficiency Bar.

3. In the statement of claim filed by the General Secretary, Insurance Employees' Union (hereinafter referred to as the "Union") it is averred that the procedure outlined in the aforesaid Central Office Circular dated 20-9-1976 is in contravention of the rules of natural justice. It was further averred that the workman has been assigned to various jobs under the Corporation and on no occasions either orally or in writing, the immediate superior had informed the workman about the standard of efficiency an its relative increase/decrease in a relevant period of time or on any day. It was alleged that witholding an increment even at the stage of efficiency bar is a measure of punishment. No punishment can be initiated unless the necessary procedure based on the principles of natural justice is adhered to and inefficiency is proved by following the rules of natural justice. It was stated that the increment due on 1-8-1979 was not released and even the subsequent increment due after one year on 1-8-1980 was also not released by the Corporation resulting in a loss of wages to the extent of approximately Rs. 4,577. This loss, it is stated, will be recurring loss for the rest of the period of the service of the workman and which will on calculation go beyond Rs. 40,000 during the balance service of the workman. This according to the Union, is a substantial punishment. The Union, therefore, praved that the action of the Corporation in not allowing the workman to cross the Efficiency Bar be declared as unjustified, illegal and contrary to the principles of natural justice.

4. The Corporation by its written statement filed on 14th October, 1981, pleaded as follows. The Corporation is a body corporate established under Section 3 of the Life Insurance Corporation Act, 1956, and is required vide Section 6 thereof, to carry on life insurance business. Section 49 of the said Act, before its amendment by the Amendment Act, provided that the Corporation may with the previous approval of the Central Government, make regulations not inconsistent with the provisions of the Act and the rules made thereunder, to provide for all matters for which provision is expedient for the purpose of giving effect to the provisions of the Act, and in particular, providing for the terms and conditions of service of the employees of the Corporation. The Corporation has accordingly framed the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960. Section 2 of the Amendment Act provides that such Regulations and other provisions in force immediately before the Amendment Act shall the deemed to be rules made under Section 48 of the said Act and shall have effect accordingly. It was further pleaded that on 24th January, 1974, the Corporation had entered into a settlement with its workmen represented by, among others, the All India Insurance Employees' Association. That settlement provided that except as otherwise provided or modified by the said settlement, the workmen shall continue to be governed by all the terms and conditions of service as set forth and regulated by the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, as also the administrative instructions issued from time to time. The administrative instructions issued by the Corporation do not provide for allowing an employee to cross the Efficiency Bar where his efficiency does not measure upto the standard prescribed therefore. The workman in the present reference is not, therefore, entitled to the relif claimed or any other reliefs. It was pleaded that the decision as to whether an employee who has reached the stage of Efficiency Bar should be allowed to cross the Efficiency Bar or not is dependent upon the subjective satisfaction of the competent authority as to his efficiency as evidenced by the employee's work record. It was also pleaded that such subjective satisfaction is not emenable to a judicial or quasi-judicial review. It was, therefore, pleaded that the present reference is incompetent and this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the same.

5. It was further pleaded that the workman did not have the minimum standard of efficiency expected of her in terms of circular dated 20th September, 1976. It was, therefore, pleaded that the action of the Corporation in not allowing the workman to cross the Efficiency Bar at the incremental stage of Rs. 410 per month with effect from 1-8-1979 was fully justified and the workman is not entitled to any relief.

6. The parties did not adduce any oral evidence. They relied upon documents. I shall first discuss the documents produced on behalf of the Corporation. I shall refer only to the relevant portion therefrom. We have at exhibit E-1 the Staff Regulations, 1960 of the Corporation, in exercise of the powers vested in it under Section 49 of the Life Insurance Corporations' Act, 1956. Regulation 56 deal with increments. It is provided there in the proviso to sub-regulation (3) that if an incremental scale there is efficiency bar, an employee shall not draw increments above that bar until he has been certified fit to do as by the competent authority. The Corporation has produced at exhibit E-3 a memorandum of settlement under Section 18 read with Section 2(p) of the Industrial Disputes Act, 1947, between the Corporation and the workmen represented by various Unions. Term No. 12(4) provides—

> "Except as otherwise provided or modified by this Settlement, the workmen shall continue to be governed by all the terms and conditions of service as set forth and regulated by the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 as also the administrative instructions issued from time to time and they shall, subject to the provisions thereof including any period of operation specified therein be entitled to the benefits thereunder."

The Corporation has produced a circular dated 20th September, 1976 (ex. E-4) regarding increments. It is issued by the Managing Director. Para 2 of this circular captioned as "Efficiency Bar" provides :—

> "(a) Where there is an efficiency bar in the scale of pay, no increment (normal grade/special increment) above that bar should be granted to an employee until he has been certified fit to cross the efficiency bar in accordance with the procedure outlined below.
>
> (b) The principle behind the efficiency bar is that "the general test should be whether the employee's work has fallen below the standard of efficiency normally expected of him at that particular stage of his career when the efficiency at the start has been reinforced by the experience from which he should have been profited". To arrive at an unbiased judgement in the matter, it is necessary to examine the work record of the concerned employee for a reasonable period, say, 3 years immediately preceding the date on which the employee's case falls to be considered. For this purpose, a special confidential report shall be called for in the usual form. This special confidential report shall be in respect of the period from 1st January of the years in which the employee has reached the efficiency bar stage to the due date of the normal grade/special increment at the efficiency bar stage. This special report and the reports for the three years immediately preceding the period of special report shall be placed before the appointing authority for its decision.
>
> (c) The appointing authority after due consideration of the confidential reports and subject to the provisions of the sub-paragraph (f) laid down hereinafter shall take a decision in writing either to allow the employee to cross the efficiency bar or otherwise, normally within one month from the due date of

the normal grade increment or the date of receipt of the application for grant of special increments, as the case may be, at the efficiency bar stage. The decision of the appointing authority either to impose the efficiency bar or allow it to be crossed shall be conveyed to the employee concerned in writing. As withholding an increment at the efficiency bar stage does not amount to a penalty under Regulation 39 of the (Staff) Regulations, 1960, it is necessary to communicate the grounds for not allowing an employee to cross the efficiency bar.

(d) .....

(e) .....

(f) Employees who are not to be allowed to cross efficiency bar : Employees whose efficiency is not upto the expected standard are not to be allowed to cross the efficiency bar. For this purpose, an employee securing, on an average, less than 24 marks out of 40 marks for confidential reports for a pediod of three years immediately preceding the due date of increment at the efficiency bar stage is to be considered as unfit to cross the efficiency bar. For the purpose of assessing marks gained for confidencial reports, the numerical rating method followed for counting marks for work record (confidential reports) in vogue at present for the purpose of promotion, etc., shall be followed until further instructions in this behalf."

How average marks as contemplated by para 2(f) are to be calculated has been laid down in para 2(g) of this circular.

7. Now, coming to the documents produced on behalf of the Union, the document at exhibit U-4 is the order issued by Senior Divisional Manager on 6th August, 1979, informing the workman Smt. Joshi that it was not possible for the Corporation to allow her to cross the efficiency bar. The workman preferred an appeal against thais order to the Zonal Manager on 24-8-1979. It is at exhibit U-5. We have at exhibit U-7 a letter from Senior Divisional Manager to the workman whereunder she was informed that the competent authority has allowed her to cross the efficiency bar in her present scale of pay and that her normal grade increment was released with effect from 1-8-1981. Against this order also the workman preferred an appeal to the Zonal Manager on 2-12-1981 (exhibit U-8). In both these appeals the workman complained that the action of the Corporation in imposing the efficiency bar was arbitrary and against the principles of natural justice, without issuing any show-cause notice and she was, therefore, put to heavy financial loss. With regard to this last appeal dated 2-12-1981 the workman was informed that since the Union has raised an industrial dispute in the matter it is not possible to consider the appeal at that stage.

8. It will appear from para 2 of the circular dated 20th September 1976, produced by the Corporation (exhibit E-4) that while imposing efficiency bar the work record of the concerned workman for a reasonable period, say three years, immediately preceding the date on which the workman's case falls to be considered is taken into consideration. This work record obviously consists of confidential reports. Similarly, para 2 of this circular enjoins that a spacial confidential report be called for in the usual form. This special confidential report shall be in respect of the period from 1st January of the year in which the workman has reached the efficiency bar stage, to the due date of the normal grade increment at the efficiency bar stage. It is thus clear that at the stage of imposing or lifting the efficiency bar the special report as well as the confidential reports for the three years immediately preceding the period of special report have been relied upon by the appointing authority for its decision. Now, in this case it is not disputed that the adverse remarks, if any, in the confidential report of the workman for the three preceding years were not communicated to her. In a similar Reference pending before me, being Reference No. CGIT-8 of 1980 a circular dated 30th December 1975 issued by the Divisional Manager, Nagpur, to all Branch Managers' is placed on record. It, inter alia, states :—

"However, where it is considered necessary to impose the Efficiency Bar the circumstances necessitating the imposition of Bar shall have to be communicated to the employee giving him an opportunity to submit his explanation which shall be duly considered by the Competent Authority before a final decision regarding imposition of the Efficiency Bar is taken."

It is true that the workman in this reference or the Union has not produced a copy of the said circular on the record of this reference. However, this is a circular issued by a senior officer of the Corporation and I confronted the representative of the Corporation with this circular at the time of the hearing of this present reference. This circular I may say, gives a healthy direction to the officers below emphasising upon them the necessity of communicating the circumstances necessitating the imposition of the bar to the workman concerned and giving an opportunity to submit his explanation. Now, in the instant case admittedly no adverse remarks, if any, from the confidential reports for the preceding three years were communicated to the workman in this reference nor any show-cause notice was issued to her before imposing the efficiency Bar.

9. The Supreme Court has in the case of Gurdial Singh v. State of Punjab (1979 Lab. I.C. 1186—AIR 1979 S.C 1622) observed in para 17 of the report :—

"The principle is well settled that in accordance with the rules of natural justice, an adverse report in a confidential roll cannot be acted upon to deny promotional opportunities unless it is communicated to the person concerned so that he has an opportunity to improve his work and conduct or to explain the circumstances leading to the report Such an opportunity is not an empty formality, its object, partially, being to enable the superior authorities to decide on a consideration of the explanation offered by the person concerned, whether the adverse report is justified. Unfortunately, for one reason or another, not arising out of any fault on the part of the appellant, though the adverse report was communicated to him, the Government has not been able to consider his explanation and decide whether the report was justified. In these circumstances, it is difficult to support the non-issuance of the integrity certificate to the appellant."

in the above case the adverse report was communicated to the employee, but the Government had not considered the employee's explanation. That action was depricated by the Supreme Court.

10. It is observed by the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, in the case of M. S. Sharma v. State of Andhra Pradesh (1982 L.L.J. p. 40-July issue) that since the adverse remarks as entered in the confidentials of the appellant in the year 1974 were not communicated to the appellant in violation of principles of natural justice, they have no value. In Maneka Gandhi v. Union of India (AIR 1978 SC 597) his Lordship Mr. Justice Bhagwati observed at page 629 :—

"The audi alteram partem rule is not cast in a rigid mould and judicial decisions establish that it may suffer situational modifications. The core of it must, however, remain, namely, that the person affected must have a reasonable opportunity of being heard and the hearing must be a genuine hearing and not an empty public relations exercise."

It will appear from the law laid down in the above cases that in accordance with the rules of natural justice an adverse report in the confidential role cannot be acted upon to deny promotional opportunities unless it is communicated to the person concerned so that he has an opportunity to improve his work or to explain the circumstances leading to the report. The rules of natural justice also require that a person effected must have reasonable opportunity of being heard. According to the Corporation, imposing of the efficiency bar does not amount to punishment. All the same, imposing the efficiency bar involves financial loss to the workman concerned. Now, in the instant case neither the adverse remarks, if any, in the confidential sheets of the workman were communicated

to her nor she was given any show-cause notice before imposing the efficiency bar. Even in this proceeding before me the Corporation did not think it fit to produce the confidential reports of the workman on the record. The representative of the Corporation, I must say, offered to show the confidential record to me. It does appear that the performance of the workman was recorded below average in respect of a few points in one of such confidential sheets. However, these remarks cannot be used against the workman as he had not given any opportunity to explain the same. It is important to note that the circular dated 20th September, 1976 (Exhibit E-4) in para 2 thereof requires that in addition to the confidential reports for three years immediately proceeding, a special report in despect of the performance of the workman from 1st January of the year to the due date of the normal grade increment has to be placed before the competent authority. It appears that no such special report was produced before the competent authority. Now, the instructions in this circular regarding the imposition of efficiency bar are challenged on behalf of the Union on two grounds. Firstly, it is stated that the circular is issued by the Managing Director. It is submitted that under Regulation 4 of the (Staff) Regulations of the Corporation it is only the Chairman who can issue instructions or directions as may be necessary to carry out the provisions of the Regulations and in order to secure effective control over the staff employed in the Corporation. The circular dated 20th Septemebr, 1976, it is argued, is not issued by the competent authority. Secondly, it is argued that this circular does not direct that the adverse remarks in the confidential sheets, should be communicated to the workman and it does not further enjoins upon the officer concerned to give a show-cause notice to the workman before imposing the efficiency bar. It is, therefore, submitted that the circular is in conflict with the principles of natural justice. It may be mentioned that this circular states in para 2(c) that it is not necessary to communicate the grounds to the workman for not allowing him to cross the efficiency bar. However, no any provision either from the Staff Regulations or this cricular were brought to my notice which lays down that no adverse remarks should be communicated to the workman and that no show-cause notice was required to be given to the workman. Even if these documents would have contained such directions, such directions could have been challenged on the ground that they were not in conformity with the principles of natural justice. Principles of natural justice are not followed at the time of imposing the Efficiency Bar.

11. I, therefore, find that the action of the Corporation in not allowing the workman Smt. Joshi to cross the efficiency bar on 1st August, 1979 was not justified. It was submitted for the Corporation that in case the Corporation's action was found not justified the case should be referred back to the Corporation for taking decision after giving show-cause notice to the workman concerned. Now in the instant case the workman was allowed to cross the efficiency bar in 1981. It is difficult to obtain the special report in respect of the workman now at this distance of time for the work done in the year immediately preceeding the date of imposing the bar such a special report is required to be taken into consideration by the competent authority as required by para 2(c) of the circular dated 20th September, 1976. No useful propose will, therefore, be served by remanding the matter back to the Coporation for fresh consideration. The action of the Corporation in imposing, the efficiency bar on the workman, Smt. Joshi is not justified and she should, in my opinion, be given the relief of crossing the efficiency bar on 1st August, 1979, with all consequential benefits.

12. My award accordingly. No order as to costs

M. D. KAMBLI, Presiding Officer

[No. L 17012/8/81/DIV(A)]

**S.O. 1150.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-12 of 1978

PARTIES

Employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Shoorji Vallabhdas Marg, Bombay—400038.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the employer—Mr. R. K. Shetty, Legal Adviser.

For B. P. T. Employees' Union—Mr. S. K. Shetye, General Secretary.

INDUSARY : Ports & Docks STATE : MAHARASHTRA

Bombay, dated the 12th day of November, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-31011(1)/78-D. IV(A), dated 11th April, 1978, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Shoorji Vallabhadas Marg, Bombay—400038, and their workmen, in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bombay Port Trust in changing the foul weather period from 15th May to 30th November to 15th May to 30th September from 1977 is justified ? If not, to what relief are the workmen working on the various crafts attached to the Dredging Section entitled ?"

2. The employers, Bombay Port Trust, are a statutory corporation as well as a local authority, constituted under the Major Port Trusts Act, 1963, and as such are charged with the responsibility of maintaining the Port of Bombay. The activities of the employers are directed to facilitate the import into and export out of the country of cargo through the Port of Bombay. Weather conditions in Bombay region undergo severe changes during the on set of south-west monsoon. The employers, as a safety measure during the foul weather period in the Bombay Port, were posting additional hands on some of their floating crafts in the Dredging Section for a period of six-and-half months i.e. from the 15th May to 30th November every year prior to 1976. This additional staff consisted of 29 crew members consisting of two posts of Mate Grade II, four posts of Winchman, two posts of Stoker and 21 posts of Lascar. These 29 posts were distributed amongst 17 crafts. All these 29 posts of additional staff were filled in by appointing additional number of candidates on the base line level from the various waiting lists of substitutes.

3. It appears that the employers had undertaken the review of manning scales of various crafts of the Dredging Section. An expert committee comprising the Dredging Superintendent and the Senior Dredging Master found that the continuation of the foul weather period from 15th May to 30 November each year was uniustified and uncalled for. The said committee, therefore, recommended that the duration of the foul whether period should be four months from 15th May to 15th September each year, on the ground that the adverse wheather conditions in the Bombay harbour generally do not continue beyond 15th September. The recommendations of the said committee were implemented in the year 1976.

4. The General Secretary of the B. P. T. Employees' Union (hereinafter referred to as the "Union") filed the statement of claim on 15th October 1978, contending, inter alia, that the unilateral change in the foul weather period from 15th May to 30th November to 15th May to 30th September is illegal, unjust, unfair and contrary to the provisions of Section 9-A of the Industrial Disputes Act. It was alleged that the practice of deploying additional staff of 29 posts in different categories on the floating crafts in the Dredging Section was in vogue for the past several years ; and this long standing practice has assumed the force of valid and binding service condition for the employees of the Dredging Section of the Bombay Port Trust. It was, therefore, asserted that this long standing practice cannot be changed without complying with the requirements of Section 9-A of the Industrial Disputes Act. According to the Union, the unilateral change of curtailing the foul whether period from 15th May to 30th September has deprived the permanent crew of the Dredging Section the usual assistance in manning the various crafts, during the foul wheather period and thus exposed them to greater risk and hardships and inconvenience during the period from 1st October to 30th November. It is alleged that this has wrongfully and illegally reduced the employment opportunities of the workmen engaged on various dredgers and barges, etc, during the foul wheather period. No notice of change was issued in respect of this change. The curtailment in the foul wheather period. was effected without complying with the provisions of Section 9-A of the Industrial Disputes Act, during the period of emergency in the atmosphere of fear and terror. It was stated that the efforts of the Union to settle the issue amicably through negotiations with the Chairman of the employers proved unsuccessful.

5. It was alleged by the Union that the foul weather conditions at the Port of Bombay continue till the end of November and that is why the additional crew was engaged to assist the regular crew during the period from 15th May to 30th November every year for the last over fifty years. This unilateral change has, according to the Union, deprived the permanent crew of various crafts of Dredging Section to additional burden of work and greater risk to their life and also the safety of the vessels. The Union played that this Tribunal be pleased to order that the status quo ante be restored in respect of the foul weather period. It was further prayed that the concerned workmen of Dredging Section be given necessary compensation for shouldering the additional burden and risks during the period when such curtailment in the foul weather period was effected.

6. The employers filed their written statement on 18-1-1979. A reference was made to a notification issued by the Government in the year 1893 under the provisions of Inland Steam Vessels Act, 1917. Relying upon the notification of 1893 (Ex. E2) it was stated that the foul weather period in Bombay harbour lasted from 26th May to 31st August of each year. The employers alleged that during the review of manning scales of various crafts of the Bredging Section, an expert committee found that the continuation of the foul weather period from 15th May to 30th November each year was unjustified and uncalled for. The recommendations of the said committee were implemented in the year 1976. The committee recommended that the duration of the foul weather perod of six-and-half months be reduced to four months from 15th May to 30th September. The employers alleged that the Union unjustifiably demanded reversion to the old practice of operating the foul weather posts of six-and-half months instead of four months, as recommended by the said committee. The employers alleged that the members of the said expert committee viz., the Senior Dredging Master and the Dredging Superintendent were Master Mariners and they had the perfect knowledge and competence to say whether the foul weather period should be six-and-half months or four months only in the Bombay harbour. It was alleged that the said committee come to the conclusion that the continuation of the foul weather period for six-and-a-half months resulted in wasteful expenditure. The emplover, therefore, decided to reduce foul weather period. The employers asserted that the reduction of the foul weather period is a management function and the Union cannot question the discretion of the management in this matter.

7. The employers pleaded that having regard to the terms of reference, the scope of inquiry in this dispute should be confined to find out the foul weather period in the Port of Bombay. The inquiry should be confined to the weather conditions only and not to any other issues such as the question of continuation or otherwise of posts during the foul weather period. According to the employers, the issues in the present reference related to the natural weather conditions in Bombay and not to the consequential issues such as the continuance of otherwise of certain number of posts. The employers pleaded that there was no justification to hold that the foul weather period in the Port of Bombay should be taken as six-and-a-half months in a year i.e. from 15th May to 30th November. With regard to the allegations of the Union based on Section 9-A of the Industrial Disputes Act, the employers averred that by reducing the foul weather period it became unnecessary for the employer to recruit purely temporary employees and also not to promote six employees to the two posts of Mate grade II and four posts of Winchman. The non-recruitment and non-promotion of 23 and six employees respectively do not, according to the employers, attract the provisions of Section 9-A read with the fourth schedule to the Industrial Disputes Act Without prejudice to this submission the employers added that by not giving a notice of change the workmen were not at all prejudiced; that even by giving a notice of change, all that the workmen or the Union could have done was to raise an industrial dispute with the Conciliation Officer and upon the failure of the conciliation, to obtain an order of reference from the Central Government for adjudication of the industrial dispute. It was pleaded that the non-issuance of a notice of change had not taken away the right of the workmen or of the Union to obtain an order of reference. The Union has ultimately got the present reference made. The rights of the workmen are, therefore, not adversely affected.

8. It was then alleged by the employers that they cannot be forced to continue the additional staff numbering 29 as aforesaid when the foul weather period ceases by the 30th of September each year. The employers pleaded that even without this additional staff on the crafts, the crafts were grossly over-staffed. It was alleged that the reduction of the foul weather period has not at all added to the work-load of the normal crew of the crafts concerned. In the result, the employers pleaded that the prayers of the Union for the restoration of the status quo ante and to award compensation to the members of the crew be rejected.

9. Both the parties adduced the documentary as well as oral evidence. The Union examined two witnesses by name L. G. Redkar and P. B. Barve, in support of its submission that the foul weather period in the Port of Bombay continues upto to the end of November every year. The employers examined Captain D. V. Pant, Captain V. K. Gaikwad and Captain V. R. Ketkar to support their contention that the foul weather period does not extend beyond 30th September.

10. The first contention raised on behalf of the Union is that the curtailment in the foul weather period was effected without complying with the provisions in Section 9-A of the Industrial Disputes Act. According to the Union, while changing the period of foul weather it was necessary under Section 9-A read with items 8 and 11 of the Fourth Schedule and Rule 34 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, to give a notice of change to the workmen and failure to give such notice rendered the change illegal. It is submitted that by this unilaterial change bringing about the reduction of the period of foul weather, the permanent crew of various crafts of Greding Section is deprived of the assistance of additional staff that was given to them for many years in the past. It is said that this has exposed them to additional burden of work and greater risk to their life as well as endangering the safety of the vessels. As against this is submitted for the employers that this Tribunal, under the terms of the reference is called upon to decide whether the management of the Bombay Port Trust in changing the foul weather period from 15th May to 30th November to 15th May to 30th September, from 1977 is justified. It is submitted for the employers that this Tribunal is not called upon to give its findings on the justifiability or otherwise regarding the reduction of the staff. It is submitted that the question of reduction of the staff or the question of manning scales of dredgers during the months of October and November is not referred to this Tribunal for a decision. The question of reduction of the staff, it is argued is not an issue before the Tribunal. It was also pointed out that the strength of the additional foul weather staff engaged by the Dredging

Section on various crafts is 29. Six posts out of them are filled by promotion and the remaining 23 by appointing substitutes. This has, according to the employers, not brought about any change in the service conditions of the existing permanent staff and, therefore, Section 9-A of the Industrial Disputes Act was not attracted. Substitutes are employed as and when necessity arises for employment and when need is over the are discharged. It is contention of the employers that the manning staff on the various crafts is already more than the genuine requirements, and, therefore, the existing staff on the various crafts will not be put to over work on account of non-employment of the additional staff during the months of October and November. Having considered the arguments advanced on both the sides I am inclined to hold that all that I am required to decide under the terms of the reference is whether the action of the management in changing the foul weather period is justified. It is true that as a result of reduction of the foul weather period the employers must have discontinued the employment of the additional temporary staff in the months of October and November, but justifiability of such reduction of the additional staff is not an issue before me under the terms of the reference. It would, therefore, not be proper for me to consider the arguments based on Section 9-A of the Industrial Disputes Act.

11. That takes me to the consideration of he question whether the action of the management in reducing the foul weather period from 15th May to 30th November to 15th May to 30th September is justified. Mr. Shetty for the employers, relied upon a notification of 17-3-1893 (Ex. E2) issued by the Government of India, in exercise of the powers conferred by Section 70 of the Inland Steam Vessels Act, 1917 whereby the Central Government declared the limits of tidal waters of the Bombay harbour which were deemed to be inland water for the purposes of the said Act during the period of foul weather season. The foul weather season was declared in this notification as existing from 26th May to 31st August of each year. Mr Shetty therefore, submitted for the employers that the Central Government has in 1950 i.e. the year in which this notification was endorsed to the Ministry of Commerce, taken the foul weather period as being from 26th May to 31st August of each year. This Tribunal, therefore, which is constituted by the Central Government should regard this notification as binding on it and should hold that the foul weather season in the port of Bombay would be from 26th May to 31st August of each year. I think, there is no merit in this argument and it must be rejected. What should be taken as the foul weather period for Port of Bombay has to be decided upon the relevant evidence brought before me by the parties. We do not know under what circumstances and for what purposes the foul weather period was determined in the said notification as being from 26th May to 31st August. No any other documentary evidence has been relied upon for the management which has a bearing on the question of the weather conditions prevalent in the harbour of Bombay. While adducing the evidence before me, Mr. Shetty for the employer wanted to bring on record a letter written by the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, to the Dy. Conservator, Port Department, Bombay Port Trust, dated 23-10-1978. Mr. Shetty wanted to bring this letter on record without examining the Director who wrote the letter. This letter therefore, was not admitted in evidence. In addition to this, a chart of storm warning signals has been placed on record on behalf of the employers.

12. On behalf of the Union, by way of documentary evidence some letters exchanged between the Union and the officers of the Bombay Port Trust have been placed on record. They are at exhibit U-1, U-2 and U-3. Those letters mainly deal with the manning scales of the various crafts and reduction effected therein during the period of emergency. Similarly, one of the letters refers to the restoration of overtime that was discontinued during the period of emergency. The documents produced on behalf of the Union have also no direct bearing on the weather conditions in the Port of Bombay.

13. I shall then proceed to discuss the oral evidence. The Union has examined two witness, L. G. Redkar (UW-1) and P. B. Barve (UW-2). Redkar joined the service in the Bombay Port Trust in December 1958 as a temporary Mazdoor. He is now working as a Laskar (Khalasi) in Dredging Department. He works on Diesel Suction Dredger 'Vikram'. He stated in para 3 of his deposition that in foul weather there are storms, winds and the level of sea water rises. Small crafts which are anchored near the wharf get dritted towards the wharf by force of the winds and rough weather, and ropes are likely to give way. He wants to say that because of this situation additional staff is required in foul weather to man the crafts. He states that in October and November also the period of stormy weather continues and sometime storms occur, the winds of storm come all of a sudden. Generally, they come from Thame or Elephenta side. The winds blow for an hour or two. Therefore, according to him, additional staff is necessary upto the end of November. In his cross-examination he admitted that he did not take any special training in weather conditions in any school or institute. He however, got experience while he was attending to marine survey work in 1963 at Nava-Shiva. He was asked whether there were any accidents to the crafts from 1977 to 1982, during the months of October and November. It may be mentioned that from 1977 the foul weather period was reduced so as to exclude the months of October and November therefrom. He stated :—

> "There were accidents involving the dashing of the crafts towards the wharf due to force of winds. There was damage to the fenders and to the crafts also. There are these accidents of minor nature."

He was asked to tell the names of the crafts which suffered damages in the year 1981 in the months of October and November. He stated that, there was a damage to S. D. Vikram in November 1981. He did not know about the damage, if any, suffered by other crafts. He could not say what particulars about this damage were mentioned in the log book,( maintained on Vikram. He stated that no member of the crew suffered any accident during the years 1977 to 1980, and even in 1982 so far as Vikram was concerned. He stated that there were minor accidents to the crafts during the period from 1-12-1977 to 15-5-1978. He did not know whether there were such minor accidents in the following years during the period from 1st December to 15th May. He could not say whether there were any accidents suffered by the members of the staff on Vikram from 1977 to 1982. He wanted to say that the speed of stormy winds during October and November is sometime 100 kms. per hour. He admitted that signals of the storms are displayed in the Port if the speed of storm winds are more than 60 kms. per hour. He stated that there were storms in the years 1977 to 1981 in October and November. He stated that signals of such storms are given two to four hours before the storms and some time even one hour before the actual storm. When such signals are given they take precautions to ensure safety for the crafts and the crew. He admitted that there are no big waves within the Port area. The four sides of the Port are protected by suitable construction and hence there are no big waves within the Port area. According to him, a wave of ten to fifteen feet height is considered dangerous. He stated that in order to have the height of the wave of ten to fifteen feet, the speed of the storm would be 100 kms. per hour. He denied the suggestion that the waves of ten to fifteen feet occur in outside sea, and not in the Port area. He stated that in November, 1981, there were waves of ten to fifteen feet height in the Port area He did not remember if the waves of such height occur during the period from 1st December to 15th May in any year. He was asked in the cross-examination as to what is the source of his knowledge when he said that there are waves of 10 to 15 feet in height when the speed of the storm is 100 kms. per hour. He stated that he said so from his observations and also from the reports in the newspaper. He further stated that in November 1981 when, according to him, there were waves of ten to fifteen feet height there was no sinking of any craft nor there was any loss of life at that time. He admitted that monsoon comes to an end in Bombay at the end of September. He, however, wanted to assert that there were storms even after close of monsoon. He could not say from which direction the city of Bombay gets breeze during winter season or in monsoon. He wanted to say that there could be waves of 20 feet in height if there was a stor mof 25 kms. per hour. In reply to a question from the Tribunal, the witness Redkar stated that there are no big storms in the months of December and January to April, but sometime there are mild storms.

14. The other witness examined on behalf of the Union is P. B. Barve. He joined the service in the Bombay Port Trust on 17-5-1956 as a Laskar. After some promotions he is now working as a Mate Grade II. He stated that the period of October and November is a period of foul weather and stroms occur in this period. He asserted in the examination-in-chief that there were storms in November 1948, November 1961, November 1976 and November, 1981. According to him, in foul weather period there are big waves in sea, and the craft is tossed up and down. The fenders along the side of the ship give way and more men are required to take precautions. He stated that because of the reduction of the foul weather period the workmen on the crafts complained that they were subjected to over-work. In October and November generally the winds blow from eastern direction. They come from Elephenta side. In October and November, according to his memory there were signals of storms no. 5 and 9. They do not go out for work if the storm signal is of no. 5 or above. He wanted to say that when the storm signals is no. 3 or 4 the height of the wave is 15 to 20 feet. In his cross-examination he stated that he had not taken any special training in the matter of weather conditions. He was asked as to how he remembered that there were storms in 1948, 1961, 1971 and 1976 and that too in the month of November. His answer was that there was lot of damage as a result of these storms and there were signals. He could not definitely say how many storms were there between 15th May to 30th September 1981. He could not remember if there was a storm in any year between 1st December and 15th May. He could not definitely say that there were no storms in any year from 1st December to 15th May. In reply to a further question he stated that when storm of signal no. 3 or 4 occurs the normal working of the craft goes on. He stated that even if the waves are 10 to 15 feet height water will not enter into the craft because the craft tosses up and down along with the waves. Some water may come on the deck. That water, however, goes off along with the movement of the craft. Even when the waves are 10 to 15 feet height he said that their normal work goes on. He also said that when the storm is of signal no. 3 the speed of the wind is 40 to 50 kms. per hour. Accodding to him, when the speed of the wind is between 40 to 50 kms. per hour the height of the wave would be about 10 to 20 feet. He stated that when the waves are of 30 feet height they take shelter near the wharf. He also stated that when a storm is of signal no. 4 the speed of the wind is about 40 to 45 kms. per hour and the waves then may be 20 to 25 feet height. Even then their normal work goes on. Even when the waves are 30 feet height they go on with the normal work. He was asked from what source he learnt the relation between the speed of the wind and the height of the waves. He stated that he learnt about it from his experience on the crafts.

15. Now, the oral evidence adduced by the management consists of the testimony of three witnesses viz., Capt. D. V. Pant (EW-1), Capt. V. K. Gaikwad (EW-2) and Capt. V. R. Ketkar (EW-3) who is the head of the Marine Department of the Bombay Port Trust. Capt. Pant is a Master Mariner. He took training on ship 'Dufferin' from 1949 to 1951. After serving in various companies he joined the Calcutta Port Trust as a Dredging Master in 1962. He served as Dredging Master from 1962 to 1975 on D.S.D. 'Vikram', D.S.D. 'Vishal', and other three crafts. He was promoted as Dredging Superintendent in June, 1975. Since then he is working in that capacity in the head office of the Bombay Port Trust. As Dredging Superintendent he is incharge and overall control of all the dredging vessels in the Port of Bombay.

16. In the affidavit filed in this reference by way of his evidence Captain Pant stated that foul weather season in Bombay begins round about 15 of May and lasts upto 30th of September each year. He added that the sea in the port of Bombay becomes completely calm from 1st October onwards. He wanted to say that having regard to his personal experience all over the world and in the port of Bombay, the Bombay Port Trust dredgers are over-staffed not only during the foul weather period but also during the fair weather period. In his rough estimate the dredgers are over-staffed to the extent of 20 per cent. He claimed to have knowledge of Meteorology. He claimed to have seen almost all the ports in the world and all the seas of the world. He and the other witnesses examined on behalf of the employer claimed that the port of Bombay is one of the safest port in the world because it is sheltered on three sides and there is a narrow opening from the south to enter the harbour. He stated that given the same speed of wind, the height of waves and swell would comparatively be less than that outside the port. The height of the waves and swell within the port of Bombay would be about 45 to 50 per cent less than outside the port. According to him, the disturbed period in the Bombay port limits as far as sea and swell are concerned is from 15th May to 3rd week of September. He stated in para 9 of his examination-in-chief that swell should be more than eight feet and then only it is considered as dangerous, to work in the port. For creating a swell of the height of seven feet the speed of the wind in the sea i.e. outside the port would be 18 to 20 knots. The height of the swell within the port limit then will be four to five feet with the same speed of wind. According to the witness, Capt. Pant, the speed of the normal wind from 1.10 to 30.11 within the port limits would be 8 to 11 miles per hour. The witness explained the difference between sea wave and sea swell by saying that the sea wave is the height of the wave created by the wind blowing at that particular time in that area, whereas swell is due to the wind blowing even upto one thousand miles away and also swell may be due to the fact of the ground topographic of the particular port. When asked in the examination-in-chief as to what are the weather conditions within the Bombay port limit from 15th May to 30th September the witness stated that there is a swell of six to eight feet and the height of the sea (waves) from 15 to 17 feet. The witness asserted that for the last five years there are no significant accidents or damage to the crafts as a result of retrenchment in the foul weather period. The witness also stated that no injuries are suffered by the existing staff as a result of such retrenchment. Minor accidents to the crafts or the members of the staff do take place throughout the year. There is nothing substantial elicited in the cross-examination of this witness to discredit him, so far as the above statements are concerned. The witness asserted that given the same speed of wind within the port limit, the height of swell and sea wave will be 45 to 50 per cent less than the height outside the port area. The witness stated that during his past experience of 20 years in the port of Bombay he has seen maximum swell of nine to ten feet and the maximum height of sea wave of 18 to 20 feet. He saw such maximum height from 1.6 to 31.8. It may be mentioned that the Unions witness, Barve stated in para 7 of his cross-examination that when storm is of signal no. 4 the speed of the wind is about 40 to 45 kms. per hour. The waves then may be 20 to 25 feet height. Witness Barve for the Union stated that even when the waves are 30 feet high they go on with the normal work. As against this, witness Redkan for the Union stated in para 5 of his deposition that a wave of 10 to 15 feet height is considered as dangerous. The witness Redkar admitted that there are no big waves within the port area as the port is protected by suitable constructions.

17. Capt. Pant for the Port Trust stated that during winter months winds blow from North-East to North-West sector. The port operations, however, are not affected by such winds. Such winds come after 30th of September. The winter, according to the witness, begins by middle of October and it ends in the first week of February. The credit of this witness was sought to be challenged on behalf of the Union by asking him some questions as regards his confirmation. The witness is working as a Dredging Superintendent from August, 1975. It was suggested to him that normally officers in the Bombay Port Trust are confirmed within six months to one year. The authorities, however, did not think it fit to confirm this witness in the post of Dredging Superintendent. It appears that Capt. Pant had given evidence in a departmental inquiry held against Capt. Mendonca of the Bombay Port Trust. One Ganesh Rao was appointed as the Inquiry Officer. Capt. Pant was examined as a witness in that inquiry. It was suggested to Capt. Pant that the Inquiry Officer in that inquiry had described the evidence of Capt. Pant as false. Capt. Pant denied that suggestion. But, he stated that Mr. Ganesh Rao has described his evidence as unreliable.

18. Continuing his evidence further, Capt. Pant stated that the height of the waves may vary from six feet to nine feet

when signal no. 3 is on. He further stated that when storm signal no. 4 is hoisted in the harbour the dredgers do not operate. This part of the cross-examination of Capt. Pant was of 7-6-1982. His cross-examination was continued further on 13-7-1982. In that cross-examination Capt. Pant gave certain replies which were to some extent favourable to the case of the Union. Capt. Pant stated :—

> "After monsoon is over strong winds from Elephanta occasionally start blowing. They cause disturbances in the working of the crafts. More strain is caused to the crew working on the crafts. The additional staff posted in the foul weather period is required to look after the safety and the equipment lying thereon. Even after monsoon, storm signals are sometime hoisted indicating signal no. 3, 5 and 9. Storm signal no. 9 indicates that dredgers should take precaution or take shelter. No. 9 signal is considered dangerous to vessels to ply in the harbour. The ground sea swell does cause some distribution to the working of the vessels in October and November."

19. After the cross-examination of Capt. Pant was over, Mr. Shetty for the Bombay Port Trust sought permission for the cross-examination of Capt. Pant on the ground that he had turned hostile. Mr. Shetty submitted that he had made certain statements in the cross-examination which were inconsistent and contrary to the statements made by him in his affidavit and in the examination-in chief. Mr. Shetty pointed out to a statement made by Capt. Pant in para 11 of his examination-in-chief where he had stated that during winter months they get winds from North-East and North-West sector; that the port operations were not affected by such winds. A statement from para 3 of his affidavit was also referred to by Mr. Shetty where the witness had stated that the sea in the port of Bombay becomes completely calm from 1st October onwards. The request of Mr. Shetty to cross examination this witness was, therefore granted. In reply to a question in the cro-s-examination, Capt. Pant stated :—

> "The statement made in para 3 of the affidavit is general statement. Todays statement is in regard to specific question asked to me that when strong winds are blowing from Elephanta side disturbance is caused. My todays answer is in regard to specific period."

When the witness was confronted with the statement made in para 11 of his examination-in-chief referred to above the witness stated :—

> "My today's statement relates to particular period of strong winds in October and November. Earlier I had stated that port operations are not affected by such winds. There are various port operations. Today I stated this as regards the dredgers."

On behalf of the employer, it was suggested to Capt. Pant that he had a quarrel with Capt. Ketkar, who is the head of the Department, over the question of his confirmation during the seven days preceding his cross-examination. The witness denied this suggestion. It was suggested to the witness Capt. Pant that he had made certain statements supporting the case of the Union because he had grievance against the Port Trust authorities in respect of his confirmation in the post of Dredging Superintendent.

20. The next witness examined for the Bombay Port Trust is Capt. V. K. Gaikwad. He joined sea service in 1952. After serving in various capacities on the sea he joined the service of the Bombay Port Trust in the year 1965 and worked on S.D. Vikram and S D. Vishal as Dredging Master. In the year 1975 he was promoted as a Senior Dredging Master and he is holding the said post since then. He claims to have a total sea experience of 27 years out of which he worked in Bombay harbour for a period of 14 years. He stated in his affidavit that seasonal monsoon weather begins in the port of Bombay round about 15th of May and the sea and weather return to normal round about 30th of September every year. The fair weather season starts from 1st October onwards. He also stated in his affidavit that the Bombay Port Trust dredgers are over-staffed not only during the foul weather period, but also during the fair weather period. He stated in his examination-in-chief that the speed of the wind in the Arabian sea of the Bombay region is much more than the speed of the wind in the Bombay harbour as it is a sheltered harbour having the land on three sides. The severity of the wind is 50 to 60 per cent less in Bombay harbour as compared to the Bombay region. Being a sheltered harbour it is safer for all ships and crafts. He said that about six to seven feet of swell in the Bombay port is considered to be within safe limits. In order to create a swell of about seven feet in the sea in general, the speed of wind per hour would be between 25 and 30 knots. A knot is equal to 6000 and some odd feet. The same speed will create less swell in the harbour area. That swell, according to the witness, will be about four to five feet. The witness wanted to say that a height of swell in the port of Bombay between 15th of May and 30th of September is between four feet and seven or seven-and-a-half feet. When asked whether he normally experienced dangerous swell between first October to 30th November the witness replied in the negative. He further added that in some exceptional cases if the weather deteriorates, they get in advance storm signals to get prepared for any eventuality. A question was asked by the tribunal to this witness whether it was possible in all cases to get knowledge of future storm or deterioration in weather condition, in advance. The witness replied in the affirmative. He stated that the cautionary signals about impending bad weather are displayed generally about 24 hours in advance. He further stated that even in respect of sudden squall, intimation could be given about eight hours in advance. According to the witness, eight hours or 24 hours warning in advance was sufficient for the dredging crafts to take precautionary measures for the safety of life and property. He stated that cautionary signal chart is placed on various crafts, including the dredging crafts. The signals are hoisted at the port at various places and they could ba seen from the craft in the harbour. As soon as cautionary signals are hoisted the crew of the crafts have to bring the craft along side the wharf and secure the craft firmly by ropes to avoid damage. He stated that storm signal no. 4 is dangerous to dredging vessels in the port limits. The witness claimed that the signals system in the port of Bombay is effective. Besides satellite system gives pre-indications of weather changes. The witness stated that he has not experienced a swell of more than seven feet in the Bombay port in the months of October and November. The witness stated that North-Easternly winds do not affect in winter the shipping movement within the port limits of Bombay. They do not affect dredging operations in the port of Bombay. By winter, he meant November to January. A question was asked to the witness in the cross-examination that in the past years many storms have hit the port of Bombay in the month of November. The witness answered by saying :—

> "There may have been a few storms. These storms are not a natural phenomenon, but they are due to unsettled weather conditions. These storms are warned well in advance to take precautionary measures".

A question was then asked :—

> "Even in monsoon i.e. from 15th May to 30th September you can give warning of storms well in advance and even then you feel necessity of employing additional staff as foul weather staff ?"

The answer was :—

> "Monsoon is taken as a natural unsettled weather period and hence knowing well that there may be frequent disturbances in weather conditions, additional staff is engaged in anticipation."

The witness admitted that in October and November strong winds start blowing from Elephanta side which is on the Northern side of the harbour. However, those strong winds do not affect dredging operations because they do not create waves or swell in the harbour. The witness admitted that even in the month of October and November storm signals no. 3 & 5 and sometime 9 are displayed.

21. The Port Trust examined as its third witness. Capt. V. R. Ketkar, Deputy Conservator who is the head of Marine Department. He claimed to have experience of 40 years

of sea service. He obtained master certificate in 1951. He joined the Bombay Port Trust as Pilot in 1952. The witness claimed that having regard to his past experience he could say that the foul weather in the port of Bombay starts on or about 26th of May every year and lasts till the end of August every year. In the first and second week of September the weather starts moderating and tapering off and by the end of September weather gets normal and claim. Like other witnesses he also stated that the port of Bombay is one of the safest ports in the world, being sheltered on three sides. The witness stated in his examination-in-chief that besides dredgers crafts there are a number of crafts on which there was no additional staff engaged during the foul weather. He, therefore, stated that there was no need for additional staff on the dredgers also.

22. The evidence of the two witnesses examined by the Union has been sought to be assailed on behalf of the employer on the ground that the witnesses examined by the Union are interested witnesses. They are working on the crafts the staff on which is reduced in the months of October and November on account of reduction in the foul weather period. It is also submitted that these two witnesses have not taken any special training in the matter of weather conditions on sea. Witness Redkar (UW-1) is working as a Khalasi on dredger Vikram. Witness Barve (UW-2) is also working on a dredger. He is a member of the Union for the last 20 years. It may be said that the evidence adduced by the Port Trust consist of their three officers. It can, therefore, be argued that the evidence of those witnesses also is the evidence of interested witnesses. It must, however, be said that all these three officers have received special training in the weather conditions at sea, as deposed to by them in their affidavits and the evidence before the Court Their evidence, therefore, will be the evidence of the persons better qualified to speak about the weather conditions than the evidence of the witnesses examined for the Union.

23. It will be seen from the evidence of the employers' witnesses that the Bombay harbour is one of the safest harbours in the world. It is sheltered on three sides, on West by the island Ireland of Bombay and on North and East by main-land of the State. It, further appears from that evidence that given the same speed of wind the height of waves and swell in the port of Bombay would be about 45 to 50 per cent less than the swell and the height of the waves outside the port. The evidence adduced by the employers further shows that there may be a few storms even in the month of October and November. However, these storms are not a natural phenomenon, but they are due to unsettled weather conditions. There is no dangerous swell, according to the witnesses of the employers, between 1.10 to 30.11 normally. But, in some exceptional cases if the weather deteriorates they get in advance the storms signals to get prepared for any eventuality. The evidence of the witnesses of the employers Port Trust especially the evidence of Capt Gaikwad shows that the monsoon is taken as a natural unsettled weather period and hence there are frequent disturbances in wheather conditions and, therefore, additional staff is required to be engaged for meeting any eventuality. However, even if there happen to be a few storms in October and November these storms are not a natural phenomenon, but they are due to unsettled weather conditions. They are warned well in advance. They are not also frequent. The witnesses for the employers have admitted that strong winds do blow from Elephanta side in October and November. However according to them, they do not affect dredging operations because they do not create waves or swell in the harbour.

24. It will be seen from the evidence of the employers' witnesses which I consider to be more reliable than the evidence of the Union's witnesses that occurence of storms in the months of October and November is not a usual feature. There may be storms, but not frequent as in the months of June to eptember and advance storms signals are obtained to get prepared for any eventuality. Capt. Gaikwad (EW-2) has stated that occasional signals about impending bad weather are displayed generally about 24 hours in advance. He has further stated that even in respect of sudden squall intimation can be had about eight hours in advance, which is the sufficient period for taking necessary precautions. He has stated that signal system in the port of Bombay is effective. According to him, the satellite system give useful information to the Bombay port since the last two years. The Union's witness, Redkar, has admitted in para six of his cross-examination that the signal system in the port of Bombay functions correctly. It has not been established by the evidence adduced by the Union that as a result of storms in the month of October or November there is any serious damage to the crafts or to the life of the crew in the Port of Bombay. UW-1 Redkar in his cross-examination was asked the names of the crafts which suffered demage in the year 1981 in the months of October and November. He stated that S. D. Vikram suffered damage in November, 1981. He could not say whether any damage was suffered by any other crafts. The extent of damage suffered by S. D. Vikram has not been brought on record. UW-1 Redkar admitted that no member of the crew suffered any accident during the year 1977 to 1980. He admitted that even during the period from 1st December to 15th May in the years 1977 to 1982 there were minor accidents to the crafts He stated that there was an accident to S. D. Vikram in the month of November, 1981. UW-2 Barve stated in his deposition that there were storms in the month of November in the years 1948, 1961, 1976 and 1981. His evidence, however, does not give the extent of damage to the crafts in the months of October and November. He could not definitely say that there were no storms in any year from 1st December to 15th May. The employers' witness Gaikwad has stated that there might have been a few storms in the month of November in the port of Bombay. But, warning can be given well in advance to take precautionary measures. He has stated that additional staff is required to be employed on the crafts in the months of June to September because there are frequent disturbances in weather conditions. He has stated that the winds which blow from Elephanta side in October and November do not create waves or swell in the harbour. It is true that Capt. Pant has stated in his cross-examination on behalf of the employers that strong winds which blow from Elephanta side after monsoon cause disturbances in the working of the crafts and more strain is caused to the crew working on the crafts. It appears that Capt. Pant is working as Dreding Superintendent for the last five or six years. He has not been confirmed in the post for a very long time. It is the case of the Port Trust that he has, therefore, a grievance against the management. Mr. Shetty for the employers argued that Capt. Pant being aggrieved at the fact that he has not been confirmed as Dredging Superintendent he has made certain statements in his cross-examination which appear to be favourable to the case of the Union. With the premission of the Tribunal, Capt. Pant was cross-examined by the employers and he was confronted with his statements in his affidavit and in the examination-in-chief to the effect that the sea in the port of Bombay becomes completely claim from 1st October onwards. In his examination-in-chief he had stated that port operations in the port of Bombay are not affected by winds from North-East and North-West sector. When he was confronted with this statement, Capt. Pant stated that there are various port operations and what was stated by him earlier does not apply to the operations of the dredgers. Obviously, Capt. Pant has given certain replies in his cross-examination on behalf of the union which are inconsistant and contradictory to what is stated in his affidavit and the examination-in-chief. Those replies, however do not show that the disturbances in the weather conditions in the months of October and November are as frequent as in the months from 15th May to 30th September. It would appear from the evidence of both the witnesses for the Union and the witnesses for the employers that a few storms may occur even in the months of January to May. The question is whether storms occuring in the months of October and November are frequent and their intensity is the same as in the months of June to September. The employers' witness Ketkar, who is working as Dy. Conservator and who is now the head of Marine Department has stated that the foul weather period was reduced after the dredging section was transferred from Civil Chief Engineer's Department to Marine Section as it was felt that it was not proper to continued to extend the foul weather beyond 31st August. He stated that foul weather season ends on 31st August and tapering of monsoon starts in 1st and 2nd week of September and by the end of September weather becomes quite calm. It has not been brought out in the cross-examination of the witnesses of the employers that as a result of the storms that have taken place in the months of October and November any dredging craft has suffered any substantial damage.

25. It was argued for the Union that the Inquiry Officer, Mr. Ganesh Rao, in his report in the inquiry held in the matter of one Capt. Mendonca observed that Capt. Gaikwad and Capt. Pant have no respect for truth. Now, Mr. Shetty for the employers produced that report for my perusal. What has been observed by the Inquiry Officer with regard to the evidence of Capt. Pant and Capt. Gaikwad given in that proceedings was :—

> "The evidence of Capt. Pant and Capt. Gaikwad is of little value because they were found by me to be unreliable and lacking of objectivity."

It is true that these remarks are made against Capt. Pant and Capt. Gaikwad by the Inquiry Officer Mr Ganesh Rao. However, I do not think that I should totally reject their evidence in this reference on that ground. Their evidence is to be read in the light of some admissions given by the two witnesses for the Union, Redkar and Barve. Redkar admitted in para 9 of his deposition that monsoon comes to an end in the month of September. Redkar has admitted that signal system in the port of Bombay is effective. It is also admitted by the witnesses for the Union that the port of Bombay is protected by three sides and it is, therefore, a safe port. The Union's witness Barve has admitted that even if the waves are 10 to 15 feet height normal work goes on in the port. There is no challenge to the evidence of the employers' witnesses that given the said same speed of wind the height of swell and waves is nearly half the height of swell and waves that would be there in the open sea. In view of these circumstances established by the evidence on record I hold that the evidence of the witnesses for the employers is more reliable on the material points than the evidence of the two witnesses for the Union.

26. It has come in evidence of the Union's witness Redkar that there are no big waves in the port of Bombay and even the witnesses for the employers have stated that the port of Bombay is one of the safest ports. It does appear from the material on record that storms sometime occur in the months of October and November. However, it is not certain that they will occur every year. There are no frequent disturbances in weather conditions as in mansoon period. Having considered the material before me I think that there is no justification for continuing the foul wheather period beyond 30th September. Considering the fact that the storms sometime occur in the months of October and November, it would be for the employers to take sufficient precautions to protect the crafts and crew working thereon. But it is not necessary to continue foul weather period in October and November. I am, therefore, inclined to hold that the action of the management of Bombay Port Trust in changing the foul weather period from 15th May to 30th November, to 15th May to 30th September from 1977 is justified.

27. The grievance of the Union is that as a result of this reduction the services of the additional staff which is employed in the foul weather period are dispensed with. However, the evidence shows that there are 17 crafts in the Dredging Section. The total number of the staff employed on all these crafts comes to 740. The additional staff that is employed in the foul weather is 29. The additional staff thus employed comes to four per cent of the regular staff. The case of the employers is that not only this additional staff is not necessary, but the regular strength of the staff on the various dredgers is 20 per cent in excess of the real requirements. As I have already pointed out I am not called upon to decide in this reference whether the present strength on the various dredgers is adequate or not and whether the reduction of the additional staff employed during the period from 15th May to 30th November is justified. What I have to decide in this reference is whether the management was justified in reducing the foul weather period upto 30th September only. Before concluding may refer to a few lines from the book "West Coast of India Pilot", first edition 1981, published by the Chief Hydrographer to the Government of India. What is observed there under the topic "South West monsoon" on page 28 of the book is :—

> "The SW monsoon or rainy season (June to September). The wind over the sea is between SW and W but mainly W to NW along the coast.
>
> The interim period (October and November), marked by light winds with land and sea breezes. Occasional tropical cyclones occur in Arabian Sea in this period.
>
> On the W coast of India the whole period from the cessation of the SW monsoon to its re-commencement is often referred to as the "fine weather season" and is so described in this volume."

The above observations in the said book are relied upon by the employer in support of the submission that the months of October and November can be called a part of fine weather season. Apart from this, on consideration of the evidence that has been adduced before the I have come to, the conclusion that even though there may be storms sometime occurring in the months of October and November their frequency is not the same as is to be found in the month of May to September.

28. In the result, I answer the reference as above. No order as to costs.

M. D. KAMBLI, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

**Oral Evidenced for Employers**

| Sl. No. | Description of documents | Exhibit No. |
|---|---|---|
| 1. | Deposition of Mr. Dinkar Vishnu Pant, Captain, dated 4-6-82, 5-6-82, 7-6-82 and 13-7-82. | EW-1 |
| 2. | Deposition, of Mr. Vidhadhar K. Gaikwad, Captain, dated 5-6-1982. | EW-2 |
| 3. | Deposition of Mr. Vasudeo R. Ketkar, dated 22-7-82 and 13-9-1982. | EW-3 |

**Oral Evidence for Workmen**

| Sl. No. | Description of documents | Exhibit No. |
|---|---|---|
| 1. | Deposition of Laxman Govind Redkar, dated 3-6-1982. | WW-1 |
| 2. | Deposition of Punjaji B. Barve, dated 4-6-1982. | WW-2 |

ANNEXURE 'B'

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

**Documentary Evidence of the Employers**

| Sl. No. | Description of documents | Exhibit No. |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Notification G.N., MD., No. 36 dated 17th March 1893 issued by the Government of Bombay. | E-1 |
| 2. | Notification No. 6-M(30)/49 dated 27th June 1950 issued by the Government of India, Ministry of Transport. | E-2 |
| 3. | Chief Engineer's, B.P.T. Drawing No. H/ACH/ 128 | E-3 |
| 4. | Statement showing the list of vessels to which the foul weather staff is employed. | E-4 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 5. | Letter No. L/GEE-E(U)/3381 dated 14/17th October 1977 from Shri K.K. Uppal, Deputy Chairman, B.P.T. to the General Secretary BPT Employees' Union. | E-5 |
| 6. | Report No. B. ALC. II/8(56)/77 dated 9th January 1978 from the Asstt. Labour Commissioner (Central), 2, Bombay to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi. | E-6 |
| 7. | Chart of Storm Warning Signals. | E-7 |
| | **Documentary Evidence of the workmen** | |
| 1. | Bombay Port Trust Chairman's letter dated 22-5-1977. | U-1 |
| 2. | Bombay Port Trust Dy. Chairman's Letter dated 26-5-1977. | U-2 |
| 3. | Bombay Port Trust Chairman's ORDER dated 26-7-1978. | U-3 |

[No. L-31011/1/78/D-IV-(A)]

**S.O. 1151.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-8 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to Life Insurance Corporation of India Wardha.

AND

Their Workman

APPEARANCES :

For the employer.—Mr. P. Vaidhyanathan, Asstt. Secretary (Legal).

For Nagpur Division Insurance Workers' Organisation.—Mr. P. R. Kholkute, Organising Secretary.

STATE : Maharashtra INDUSTRY : Insurance

Bombay, the 30th November, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-17012(20)/79-D. IV(A) dated 28th October, 1980, in exercise of the powers conferred by clause (d) of subsection (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Wardha, and their workman in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India in relation to their Nagpur Division in not allowing Shri A. R. Maduskar, Office Assistant, Wardha Branch to cross the Efficiency Bar at the incremental stage of Rs. 410 with effect from August 1, 1978 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The workman in this reference was appointed as a Clerical Assistant in the Life Insurance Corporation of India (hereinafter referred to as the "Corporation") in August, 1964, in the scale of Rs. 175-10-215-15-290-20 410-EB-25-585. He was due for crossing efficiency bar at the incremental stage of Rs. 410 as from 1st August, 1978. The competent authority examined the matter in terms of the provisions of Regulation 56(3) of the Corporation's (Staff) Regulations, 1960, and did not certify the workman fit to cross the efficiency bar. The workman preferred an appeal to the Zonal Manager, Western Zone, Bombay, but the appeal was rejected. The Nagpur Division Insurance Workers' Organisation (hereinafter referred to as the "Organisation") raised an industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (C), Nagpur vide its letter dated 11-5-79. The matter was admitted in conciliation. The conciliation proceedings, however, ended in failure.

3. In the statement of claim filed by the Organisation it is alleged that Regulation 56(3) which deals with the efficiency bar does not unilaterally empower the Corporation to declare workman unfit to cross the efficiency bar without giving him reasonable opportunity to improve his work-record/efficiency; that the workman was never issued a letter in his career as a L.I.C. employee about his efficiency or work record and he was condemned unheard. A reference is made to the circular issued by the Zonal Manager, Nagpur, on 30th December, 1975 (annexure-X to the statement of claim) wherein instructions were issued to the Branch Managers in the following terms :—

> "However, where it is considered necessary to impose the efficiency bar the circumstances necessitating the imposition of bar shall have to be communicated to the employee giving him an opportunity to submit his explanation which shall be duly considered by the Competent Authority before a final decision regarding imposition of the efficiency bar is taken."

As regards the circular ref. 3350/ASP/76 dated 20-9-1976 issued by the Managing Director of the Corporation containing some administrative instructions regarding the imposition of efficiency bar it was stated in the statement of claim that the circular was issued during the emergency and as such was an emergency excess; that this circular was not issued by the Chairman of the Corporation under Regulation 4 of the (Staff) Regulations, 1960 and as such this circular has no force of law; that the instructions in the said circular superseded the earlier instructions in the circular dated 30-12-1975 and this constituted change of service conditions which has been done arbitrarily, unilaterally and without notice to the Organisation or the workman concerned. It was stated in the statement of claim that imposition of efficiency bar involves withholding of increments and, therefore, it was a punishment. The efficiency bar of the workman was lifted on 1-9-1979. Therefore, the workman was deprived of the increment for one year which amounts to withholding the increment for a specified period which results in the pecuniary loss to the workman.

4. It was further alleged in the statement of claim that the provisions with regard to the efficiency bar in Reserve Bank of India and the Life Insurance Corporation are the same. It was pointed out that the interpretation of Regulation 30(F) and the Regulation 66 of the (Staff) Regulations, 1948 (Reserve Bank of India) was made by Hon. T. L. Venkatraman Ayer, a retired Supreme Court Judge in his Award given in the Reserve Bank of India dispute. The learned Judge in his Award directed that before an efficiency bar is applied notice should be given to the workman to show cause why the bar should not be imposed on him and that notice should state the grounds on which the bar is proposed to be imposed on him. It is stated that the Corporation should follow this interpretation and ruling. It is stated that even in commercial banks such a procedure is followed in view of the Award of Shri Justice Desai in June, 1962. It is also stated that the Central Government also, before imposing efficiency bar gives a reasonable opportunity to the

concerned workman. It was, therefore, prayed that the order of the Corporation imposing efficiency bar on the workman, A. R. Maduskar, be quashed.

5. The Corporation by its written statement filed on 8th July, 1981, pleaded as follows. Section 49 of the Life Insurance Corporation Act, 1956, empowers the Corporation to make regulations with the previous approval of the Central Government, providing for the terms and conditions of service of the employees of the Corporation. The Corporation has accordingly framed (Staff) Regulations, 1960. Section 2 of the Amendment Act 1981 provides that the Regulations and other provisions as in force immediately before the aforesaid Amendment Act with respect to the terms and conditions of service of the employees of the Corporation shall be deemed to be rules made under Section 48 of the said Act and shall have effect accordingly. The (Staff) Regulations, therefore, have the force of law. A reference is made to the settlement dated 24-1-1974 entered into by the Corporation with its workmen represented by among others, the National Organisation of Insurance Workers. It was stated that this settlement provides for scale of pay with efficiency bar. It was submitted that clause 12(4) of the said settlement provided that the workman shall continue to be governed by all the terms and conditions of service as set forth and regulated by the (Staff) Regulations, 1960 as also the administrative instructions issued from time to time. The administrative instructions issued by the Corporation, it was stated, do not provide for allowing a workman to cross the efficiency bar where his efficiency does not measure upto the standard prescribed therein. It was, therefore, stated that the workman in the present reference is not entitled to any relief. According to the Corporation, where a scale of pay of a post has an efficiency bar at any stage, the decision as to whether a workman who has reached the aforesaid stage should be allowed to cross the efficiency bar or not is depended upon the subjective satisfaction of the competent authority, as evidenced by the workman's work record and such a satisfaction is not amenable to a judicial or a quasi-judicial review. It was, therefore, submitted that the present reference is incompetent and this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the same.

6. It was further stated that the competent authority, on an appraisal of the efficiency of the workman as revealed by his confidential reports could not allow him to cross the efficiency bar as he did not have the minimum standard of efficiency expected of him in terms of the circular dated 20th September, 1976. It was, therefore, prayed that this reference be dismissed.

7. In a further rejoinder to the statement of claim the Corporation submitted that the workman as also the other workmen of the Corporation were governed not only by the provisions of the (Staff) Regulations but also by administrative instructions issued from time to time by the Corporation. As regards the circular dated 30-12-1975 referred to by the Organisation in the statement of claim it was alleged that the aforesaid circular was not validly issued nor needed to be acted upon by the Corporation. It was stated that there is no obligation on the Corporation either under (Staff) Regulations or practice prevailing in the Corporation to intimate the workmen concerned of the grounds on which it is proposed to stop them at the incremental stage carrying the efficiency bar or to allow them the opportunity to be heard before the imposition of the efficiency bar. According to the Corporation, not allowing the workman to cross the efficiency bar is not a punishment. With regard to the ruling given in the Reserve Bank of India award, the Corporation submitted that it was not relevant to the dispute before this Tribunal. It was, therefore, submitted that the workman was not entitled to any relief in this reference.

8. The parties did not adduce any oral evidence. They relied upon documents. I shall first discuss the documents produced on behalf of the Corporation. I shall refer only to the relevant portions therefrom. We have at exhibit E-1 the (Staff) Regulations, 1960 of the Corporation, made in exercise of the powers vested in it under Section 49 of the Life Insurance Corporations' Act, 1946. Regulation 56 deals with increments. It is provided there in the proviso to sub-regulation (3) that if an incremental scale there is efficiency bar, an employee shall not draw increments above that bar until he has been certified fit to do so by the competent authority. The Corporation has produced at exhibit E-3 a memorandum of settlement under Section 18 read with Section 2(p) of the Industrial Disputes Act, 1947, between the Corporation and the workman represented by various Unions. Term no. 12(4) provides :—

> "Except as otherwise provided or modified by this Settlement, the workmen shall continue to be governed by all the terms and conditions of service as set forth and regulated by the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 as also the administrative instructions issued from time to time and they shall, subject to the provisions thereof including any period of operation specified therein be entitled to the benefits thereunder."

The Corporation has produced a circular dated 20th September, 1976 (ex. E-4) regarding increments. It is issued by the Managing Director. Para 2 of this circular captioned as "Efficiency Bar" provides :—

> "(a) Where there is an efficiency bar in the scale of pay, no increment (normal grade/special increment) above that bar should be granted to an employee until he has been certified fit to cross the efficiency bar in accordance with the procedure outlined below.
>
> (b) The principle behind the efficiency bar is that "the general test should be whether the employee's work has fallen below the standard of efficiency normally expected of him at that particular stage of his career when the efficiency at the start has been reinforced by the experience from which he should have been profited" To arrive at an unbiased judgement in the matter, it is necessary to examine the work record of the concerned employee for a reasonable period, say, 3 years immediately preceeding the date on which the employee's case falls to be considered. For this purpose, a special confidential report shall be called for in the usual form. This special confidential report shall be in respect of the period from 1st January of the year in which the employee has reached the efficiency bar stage to the due date of the normal grade/special increment at the efficiency bar stage. This special report and the reports for the three years immediately preceeding the period of special report shall be placed before the appointing authority for its decision.
>
> (c) The appointing authority after due consideration of the confidential reports and subject to the provisions of the sub-paragraph (f) laid down hereinafter, shall take a decision in writing either to allow the employee to cross the efficiency bar or otherwise, normally within one month from the due date of the normal grade increment or the date of receipt of the application for grant of special increments, as the case may be, at the efficiency bar stage. The decision of the appointing authority either to impose the efficiency bar or allow it to be crossed shall be conveyed to the employee concerned in writing. As withholding an increment at the efficiency bar stage does not amount to a penalty under Regulation 39 of the (Staff) Regulations, 1960, it is not necessary to communicate the grounds for not allowing an employee to cross the efficiency bar.
>
> (d) .....
>
> (e) .....
>
> (f) Employees who are not to be allowed to cross Efficiency bar.—Employees whose efficiency is not upto the expected standard are not to be allowed to cross the efficiency bar. For this purpose, an employee securing, on an average, less than 24—marks out of 40 marks for confidential reports for a period of three years immediately preceeding the due date of increment at the efficiency bar stage is to be considered as unfit to cross the efficiency bar. For the purpose of assessing marks gained for confidential reports, the numerical rating method followed for counting marks for work record (con-

fidential reports) in vogue at present for the purpose of promotion, etc., shall be followed until further instructions in this behalf."

How average marks as contemplated by para 2(f) are to be calculated has been laid down in para 2(g) of this circular.

9. Now, coming to the documents produced on behalf of the Organisation, the document at exhibit U-1 is the copy of the order issued by the Sr. Divisional Manager, Nagpur on 1st September, 1978, informing the workman, Maduskar, that his case was examined and the competent authority has not certified him to be fit to cross the efficiency bar with effect from 1st August, 1978. It appears from the record that the workman had preferred an appeal to the Zonal Manager, Western Zonal Office against this order. However, the appeal was rejected. We have at exhibit U-2 the letter dated 22-1-1979 informing the workman accordingly. The Organisation has produced a letter of the Divisional Manager, Nagpur, to the Asstt. Labour Commissioner (C) (exhibit U-3) who had admitted the dispute in conciliation. This letter, inter alia, states :—

> "Provisions of Regulation 56(3) of the (Staff) Regulations, 1960 and of the administrative instructions do not provide for issuance of a show-cause notice before certifying the employee unfit to cross the Efficiency Bar. Moreover, withholding an increment at the E. B. stage does not amount to a penalty under Regulation 39 of the (Staff) Regulations, 1960 and precisely for this it is not necessary to communicate the grounds for not allowing an employee to cross the Efficiency Bar."

There is another letter of the Divisional Manager to the Asstt. Labour Commissioner (C) dated 2nd July, 1979 (exhibit U-4) in which it has been stated, inter alia :—

> "The Union has alleged that reasonable opportunity has not been given to the employee to put forth his defence in the matter. In this context, we clarify that since not allowing the employee to cross the Efficiency Bar is not a penal action under Regulation 39 of the LIC of India (Staff) Regulations, 1960, it is not necessary that an opportunity to defend himself against such action should be given to the employee concerned."

10. The Organisation has produced at exhibit U-5 a circular dated 30th December, 1975, issued by the Divisional Manager, Nagpur, to all the Branch Managers. This circular, inter alia, states :—

> "However, where it is considered necessary to impose the Efficiency Bar the circumstances necessitating the imposition of the Bar shall have to be communicated to the employee giving him an opportunity to submit his explanation which shall be duly considered by the Competent Authority before a final decision regarding imposition of the Efficiency Bar is taken."

11. It will appear from para 2 of the circular dated 20th September, 1976, produced by the Corporation (exhibit E-4) that while imposing efficiency bar the work record of the concerned workman for a reasonable period, say three years, immediately preceding the date on which the workman's case falls to be considered is taken into consideration. This work record obviously consists of confidential reports Similarly, para 2 of this circular enjoins that a special confidential report be called for in the usual form. This special confidential report shall be in respect of the period from 1st January of the year in which the workman has reached the efficiency bar stage, to the due date of the normal grade increment at the efficiency bar stage. It is thus clear that at the stage of imposing or lifting the efficiency bar the special report as well as the confidential reports for the three years immediately preceding the period of special report have been relied upon by the appointing authority for its decision. Now, in this case it is not disputed that the adverse remarks, if any, in the confidential reports of the workman for the three preceding years were not communicated to him. Admittedly no adverse remarks, if any, from the confidential reports for the preceding three years were communicated to the workman, nor any show-cause notice was issued to him before imposing the efficiency bar.

12. The Supreme Court has in the case of Gurdial Singh v. State of Punjab (1979 Lab. I.C. 1186—AIR 1979 S. C. 1622) observed in para 17 of the report :—

> "The principal is well settled that in accordance with the rules of natural justice, an adverse report in a confidential role cannot be acted upon to deny promotional opportunities unless it is communicated to the person concerned so that he has an opportunity to improve his work and conduct or to explain the circumstances leading to the report. Such an opportunity is not an empty formality, its object, partially, being to enable the superior authorities to decide on a consideration of the explanation offered by the person concerned, whether the adverse report is justified. Unfortunately, for one reason or another, not arising out of any fault on the part of the appellant, though the adverse report was communicated to him, the Government has not been able to consider his explanation and decide whether the report was justified. In these circumstances, it is difficult to support the non-issuance of integrity certificate to the appellant."

In the above case the adverse report was communicated to the employee, but the Government had not considered the employee's explanation. That action was depricated by the Supreme Court.

13. It is observed by the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, in the case of M. S. Sharma v. State of Andhra Pradesh (1982 L.L.J. p. 40—July issue) that since the adverse remarks as entered in the confidentials of the appellant in the year 1974 were not communicated to the appellant in violation of principles of natural justice, they have no value. In Maneka Gandhi v. Union of India (AIR 1978 SC 597) His Lordship Mr. Justice Bhagwati observed at page 629 :—

> "The audi alteram partem rule is not cast in a rigid mould and judicial decisions establish that it may suffer situational modifications. The core of it must, however, remain, namely, that the person affected must have a reasonable opportunity of being heard and the hearing must be a genuine hearing and not an empty public relations exercise."

It will appear from the law laid down in the above cases that in accordance with the rules of natural justice an adverse report in the confidential role cannot be acted upon, to deny promotional opportunities unless it is communicated to the person concerned so that he has an opportunity to improve his work or to explain the circumstances leading to the report. The rules of natural justice also require that a person affected must have reasonable opportunity of being heard. According to the Corporation, imposing of the efficiency bar does not amount to punishment. All the same, imposing the efficiency bar involves financial loss to the workman concerned. Now, in the instant case neither the adverse remarks, if any, in the confidential sheet of the workman were communicated to him nor he was given any show-cause notice before imposing the efficiency bar. Even in this proceeding before me the Corporation did not think it fit to produce the confidential reports of the workman, on the record. The representative of the Corporation, I must say, offered to show the confidential record to me. As the confidential reports are not produced on record so as to give an opportunity to the workman to offer his explanation in respect of the adverse remarks, if any, I cannot use against the workman the adverse remarks, if any, in his confidential reports. However, the special report contemplated by the circular dated 20-9-1976 produced by the Corporation (exhibit E-4) which was the report for the period immediately preceding the imposition of the efficiency bar states that the performance of the workman in respect of the many points was above average. The Asstt. Branch Manager had stated that the workman should be allowed to cross the efficiency bar. The Branch Manager agreed However, the Divisional Manager, Nagpur, disagreeing with the two above Officers made impugned order imposing the efficiency bar According to the Corporation's representative, Mr. Vaidhyanathan, who argued the Corporation's case before me, 24 marks were required for lifting the efficiency bar and this workman has got 23.16. It must be mentioned that neither the (Staff) Regulations, 1960, nor the circular dated 20-9-1976

say that it was not necessary to communicate the adverse remarks, if any, in the confidential reports. They do not also say that no show-cause notice should be issued. All that is stated in the circular dated 20-9-1976 is that it is not necessary to communicate the grounds for not allowing the workman to cross the efficiency bar.

14. Now, the circular dated 30-12-1975 (exhibit U-5) issued by the Divisional Manager specifically states that where it is considered necessary to impose the efficiency bar the circumstances necessitating the imposition of the bar shall have to be communicated to the workman giving him an opportunity to submit his explanation which shall be duly considered by the competent authority. It was submitted on behalf of the Corporation that this circular (exhibit U-5) was issued by the Divisional Manager without any authority. He was not competent to issue the same. However, the circular dated 20-9-1976 (exhibit E-4) issued by the Managing Director is challenged on behalf of the Organisation on two grounds. Firstly, it is stated that the circular is issued by the Managing Director. It is submitted that under Regulation 4 of the (Staff) Regulations of the Corporation it is only the Chairman who can issue instructions or directions as may be necessary to carry out the provisions of the Regulations and in order to secure effective control over the staff employed in the Corporation. The circular dated 20th September, 1976, it is argued, is not issued by the competent authority. Secondly, it is argued that this circular does not direct that the adverse remarks in the confidential sheets should be communicated to the workman and it does not further enjoin upon the officer concerned to give a show-cause notice to the workman before imposing the efficiency bar. It is, therefore, submitted that the circular is in conflict with the principles of natural justice. It may be mentioned that this circular states in para 2(c) that is not necessary to communicate the grounds to the workman for not allowing him to cross the efficiency bar. However, no any provision either from the (Staff) Regulations or this circular were brought to my notice which lays down that no adverse remarks should be communicated to the workman and that no show-cause notice was required to be given to the workman. Even if these documents would have contained such directions, such directions could have been challenged on the ground that they were not in conformity with the principles of natural justice. Principles of natural justice are not followed at the time of imposing the efficiency bar.

15. I, therefore, find that the action of the Corporation in not allowing the workman, Maduskar, to cross the efficiency bar on 1st August, 1978, is not justified. It was submitted for the Corporation that in case the Corporation's action was found not justified the case should be referred back to the Corporation for taking a fresh decision. Now, in the instant case, the workman was allowed to cross the efficiency bar the next year only. As I have pointed out, the special report submitted by the Asstt. Branch Manager, had recommended that the workman should be allowed to cross the efficiency bar. The Branch Manager had agreed. Dis-agreeing with the two Officers the Divisional Manager made the impugned order. In view of the facts and circumstances of the case, I do not think that the matter should be remanded back to the Corporation for fresh consideration. The action of the Corporation in imposing the efficiency bar on the workman on 1-8-1978 is not justified and he should, in my opinion, be given the relief of crossing the efficiency bar on 1st August, 1978, with all consequential benefits.

16. My award accordingly. No order as to costs.

M. D. KAMBLI, Presiding Officer

[No. L-17012/20/79/D. IV (A)]

T. B. SITRAMAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1983

**का० आ० 1152.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गोल्ड फुट प्राईवेट लिमिटेड, बी-62/13, नारायणा इंडस्ट्रियल ऐरिया, फेस-II, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/515/82-पी एफ-II]

New Delhi, the 2nd February, 1983

**S.O. 1152.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gold Foot Private Limited, B-62/13, Narayana Industrial Area, Phase-II, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(515)/82-PF. II]

**का० आ० 1153** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्ट्रकमेक कन्स्ट्रकशन, स्टेशन रोड, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/516/82-पी एफ०-II]

**S.O. 1153.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Strucmac Construction, Station Road, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(516)/82-PF. II]

**का० आ० 1154** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओरोमर्जन, 31, स्ट्रीट रोमेन रोल्लेंड, पाण्डीचेरी-605001, तमिलनाडु नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/517/82-पी एफ०-II]

**S.O. 1154.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aurosarjan, 31, Rue Romain Rolland, Pondicherry, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(517)/82-PF.II]

**का० आ० 1155** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बुडबोर प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं० 79(ए), मैसूर बेलागुला रोड, मेटागल्ली, मैसूर-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/518/82-पीएफ-II]

**S.O. 1155.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Woodbore Private Limited, Plot No. 79(A), Mysore Belagula Road, Metagalli, Mysore-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(518)/82-PF.II]

**का० आ० 1156** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चोलामण्डल मैरीन फाइबर्स, ए-1, इंडस्ट्रियल एस्टेट, मेत्तूपालायम, पाण्डीचेरी-10, तमिलनाडु नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/519/82-पी एफ-II]

**S.O. 1156.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cholamandal Marine Fibres, A-1, Industrial Estate, Mettupalayam, Pondicherry-10, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(519)/82-PF.II]

**का० आ० 1157** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एशियन रिप्रोग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं० 116, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बात्तूर, मद्रास-600098, जिसके अंतर्गत उसकी नं० 53, पोंडी बाजार, मद्रास-17 स्थित पंजीकृत कार्यालय और श्री वैंकटेश्वर मार्किट, दूसरी मंजिल, एवेन्यू रोड, बंगलोर तथा मनी भवन, दूसरी मंजिल, पथाक्वाडी, मुम्बई-2 स्थित उसकी शाखाएं भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/521/82-पी एफ-II]

**S.O. 1157.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Asian Reprographics Private Limited Plot No. 116, Sidco Industrial Estate, Ambattur, Madras-600098, including its Registered Office at No. 53, Pondy Bazzar, Madras-17 and its branches at (1) Sri Venkateswara Market, 2nd Floor, Avenue Road, Bangalore, and (2) Mani Bhawan, 2nd Floor, 9, Pathakwadi, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(521)/82-PF.II]

**का० आ० 1158** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजगंगपुर क्लब रिक्रेशन सैन्टर, डाकघर राजगंगपुर, जिला सुन्दरगढ़, उड़ीसा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/522/82-पी एफ-II]

**S.O. 1158.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajgangpur Club Recreation Centre, Post Office Rajgangpur, District Sundergarh, Orissa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(522)/82-PF.II]

**का० आ० 1159:**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी उड़ीसा स्टेट को-आपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड, बी-26, शहीदनगर, भुवनेश्वर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/523/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1159.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Orissa State Co-operative Milk Producers Federation Limited, B-26, Saheednagar, Bhubaneshwar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(523)/82-PF.II]

**का० आ० 1160:**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कर्नाटक शिपिंग कार्पोरेशन, कर्नाटक बैंक बिल्डिंग, कोडियलबेल, मैंगलौर-575003, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1962 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/530/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1160.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Karnataka Shipping Corporation, Karnataka Bank Building, Kodialbail, Mangalore-575003, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(530)/82-PF.II]

**का० आ० 1161:**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एयर लंका लिमिटेड, कॉन्नेमेरा शिपिंग आर्केड, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/402/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1161.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Air Lanka Limited, Connemara Shopping Arcade, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(402)/82 PF.II]

**का० आ० 1162:**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुप्ता इलैक्ट्रीकल्स, 25-8-269 मैन रोड, विशाखापतनम-530001, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/403/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1162.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gupta Electricals, 25-8-269, Main Road, Visakhapatnam-530001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(403)/82-PF.II]

**का० आ० 1163**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल ड्रीमलैंड, काकीनाडा, ईस्ट गोदावरी, जिला आन्ध्र प्रदेश । नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/404/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1163.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Dreamland, Kakinada, East Godavari District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(404)/82-PF.II]

**का० आ० 1164**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एन्टी इंजीयनरिंग वर्क्स, सी-10, इंडस्ट्रीयल डिवलपमेंट एरिया उप्पल, हैदराबाद-39, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं एस-35019/405/82-पी एफ2]

**S.O. 1164.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Entee Engineering Works, C-10, Industrial Development Area, Uppal, Hyderabad-39, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(405)/82 PF.II]

**का०आ० 1165.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सरस्वती पिक्चर पैलेस डाबागार्डन्स, विशाखापत्तनम, (आन्ध्र प्रदेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/412/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1165.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Sataswathi Picture Palace, Dabagardens, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S 35019(412)/82-PF.II]

**का० आ० 1166**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री लीला महल, दाबागार्डन्स, विशाखापत्तनम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० 35019/413/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1166.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known a Messrs Sree Leela Mahal, Dabagardens, Visakhapatnam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscelaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(413)/82-PF II]

**का० आ० 1167**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पायिनर पेपर प्रोडक्ट्स, 237, अंगप्पा नैकन स्ट्रीट, मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/414/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1167.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pioneer Paper Products,

237, Angappa Naiaken Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(414)/82-PF II]

**का० आ० 1168**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैक इलेक्ट्रोनिक्स, सं०-9, ब्लेकर्स मार्ग, मद्रास-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० 35019/416/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1168.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mak Electronics, No. 9, Blackers Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(416)/82-PF II]

**का० आ० 1169** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० गोविन्दा स्वामी नायडु मेडीकल ट्रस्ट, के०जी० अस्पताल, राजकीय कला महाविद्यालय मार्ग, कोयम्बेटूर-18, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/417/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1169.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs K. Govindaswamy Naidu Medical Trust, K. G. Hopital, Government Art College Road, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(417)/82-PF.II]

**का०आ० 1170.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन कमर्शियल प्रिन्टर्स, 172, तेहवर खां स्ट्रीट, नया बांस, दिल्ली-110006, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/477/2-पी० एफ०-2]

**S.O. 1170.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Commercial Printers, 172, Tehwar Khan Street, Naya Bans, Delhi-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(477)/82-PF.II]

**का० आ० 1171** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री धन लक्ष्मी कैश्यु प्रोडेक्टस कम्पनी, पलासा, जिला श्रीकाकूलम, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/484/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1171.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shri Dhana Lakshmi Cashew Products Company, Palasa, Srikakulam District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(484)/82-PF.II]

**का० आ० 1172**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोसीमा डिवासेज, एफ बी-1, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, अम्बात्तूर मद्रास-600058 उनके 106-सी शान्ति कालोनी, अन्नानगर, मद्रास-40 स्थित कार्यालय सहित, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात

पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/485/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1172.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cosima Devices, F.B.I Industrial Estate, Ambattur, Madras-60058 including it's office at 106-C, Shanti Colony, Anna Nagar, Madras 40, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(485)/82 PF.II]

**का० आ० 1173**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रिंस डिपार्टमेंट स्टोर्स, अपोजिट एडवान्स सिनेमा, भाद्रा, अहमदाबाद-380001, नामक स्थापनसे सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्यनिधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम, के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/486/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1173.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prince Department Stores, opposite Advance Cinema, Bhadra, Ahmedabad-380001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(486)/82-PF II]

**का० आ० 1174** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि एल्लूर को-ओपरेटिव रूरल बैंक लिमिटेड, एल्लूर जिला नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) का उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस-35019/487/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1174.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs The Allur Cooperative Rural Bank Limited, Allur, District Nellore, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(487)/82-PF II]

**का० आ० 1175**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्रेन बेटेल नट पाउडर वर्क्स, गुन्टूर-522004, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/488/82-पी० एफ०-2]

S.O .—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Crane Betel Nut Powder Works, Guntur-522004, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(488)/82-PF.II]

**का० आ० 1176** :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुमार प्रिन्टर्स प्राईवेट लिमिटेड, बी-1/2, ओखला इण्डिस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-20 तथा इसका रजिस्टर्ड आफिस 18-ए/10 डोरीवालान, जी०जी०एस०मार्ग नई दिल्ली-5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/502/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1176.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kumar Printers (Private Limited), B-1/2, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-20 including its Registered Office at 18-A/10, Doriwalan, G.G.S. Marg, Delhi-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(502)/82-PF.II]

**का० आ० 1177**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनिवर्सल ओवरसीज प्राईवेट लिमिटेड, ए-66, नारायणा इन्डिस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-28, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(503)/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1177.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Universal Overseas Private Limited, A-66, Naraina Industrial Area, New Delhi-110028, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(503)/82-PF.II]

**का० आ० 1178**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चिलिका फारमेस्यूटिकलस लेबोरेट्रीस, बी-15, इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, भुवनेशवर-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/511/82-पी० एफ० (2]

**S.O. 1178.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chilika Pharmaceuticals Laboratories, B-19, Industrial Estate, Bhubaneshwar-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(511)/82-PF.II]

**का० आ० 1179**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थालीयील सा मिल्स, फेरोक, कालीकट, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है, कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/512/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1179.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Thaliyil Saw Mills, Feroke, Calicut, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(512)/82-PF.II]

**का० आ० 1180**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मदुरई यूनिवर्सिटी सैंट्रल को-आपरेटिव स्टोर्स, पालकालई नगर, मुदरई-625021 जिसके अन्तर्गत उनकी (1) मीनाक्षी कालेज शाखा, (2) तालाकुलम शाखा और मदुरई कालेज शाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/513/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1180.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Madurai University Central Co-operative Stores, Palkalai Nagar, Madurai-21 including its branches at (i) Meenakshi College and (2) Tallakulam and (3) Madurai College have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(513)/82-PF.II]

**का० आ० 1181**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जे० बी० एसोसिएट्स 22/516, केनन शेड रोड, अरनाकुलम, कोचीन-682011, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/514/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1181.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jaybee Associates, XXII/516, Canon Shed Road, Ernakulam, Cochin-682011, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(514)/82-PF.II]

**का० आ० 1182**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कृष्णा केशियू इंडस्ट्री, पलासा डाकघर, श्रीकाकुलम जिला ( आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/351/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1182.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Krishna Cashew Industry Palasa Post Office, Srikakulam District, (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(351)/82-PF.II]

**का० आ० 1183**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विश्व उद्योग ( प्राइवेट) लिमिटेड, 6/23 जयूटन मट्टनचेरी तालुक, कोचीन, एरनाकुलम जिला, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/352/82- पी० एफ० 2]

**S.O. 1183.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vishwa Udyog (Private) Limited, VI/23, Jewton Mattancherry Taluk, Cochin, Ernakulam District, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(352)/82-PF.II]

**का० आ० 1184**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गेनसन्स इंजीनियरिंग ( प्राइवेट) लिमिटेड, अदयार मद्रास-20 जिसके अंतर्गत (1) 40-ए, माउन्ट रोड, मद्रास-32 और (2) 131, माउन्ट रोड, मद्रास-6 स्थित उसकी शाखाएं भी हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/354/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1184.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gansons Engineering (Private) Limited, Adyar, Madras-20 including its branches at (1) 40-A, Mount Road, Madras-32 and (2) 131, Mount Road, Madras-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(354)/82-PF.II]

का० आ० 1185—केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गार्डन एस्टेट, सिरुमलाई हिल्स, पट्टी वीरनपट्टी डाकघर, डिन्डिगुल तालुक, मदुरै जिला (तमिलनाडु) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/355/82-पी० एफ० 2]

**S.O 1185.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gorden Estate, Sirumalai Hills, Pattiveeranpatti Post, Dindigul Taluk, Madurai District, (Tamil Nadu), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019(355)/82-PF-II]

का० आ० 1186—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेल्टा स्कूल्स सोसाइटी, टावर रोड, कोचीन-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/356/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1186.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Delta Schools Society, Tower Road, Cochin-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds ond Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(356)/82-PF II]

का० आ० 1187—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आलवेदर फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, डी-5 इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वी० टी० आगराहरम, विजियानगरम-531211 (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/358/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1187.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Alweather Footwear Manufacturing Company, D-5, Industrial Estate, V.T. Agraharam, Vizianagaram-531211, (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019(358)/82-PF II]

का० आ० 1188—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जी० रामा मोहना राओ, एम० जी० 11 ए, 143, वी० डब्ल्यू० डी० ए० कालोनी, मलकापुरम पोस्ट आफिस, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/359/82-पी० एफ० 2]

**S.O 1188.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs G. Rama Mohana Rao, M.G. II A, 143, VWDA Colony, Malkapuram Post Office Visakhapatnam, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establisment

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019(359)/82-PF II]

**का० आ० 1189**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हैदराबाद मशीनिंग वर्क्स, 2-3-465 रामगोपालपेट, सिकन्द्राबाद, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/360/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1189.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hyderabad Machining Works, 2-3-465, Ram Gopalpet, Secunderabad, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(360)/82-PF.II]

**का० आ० 1190**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कैलिको रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, सारानगर, पिराना मार्ग, अहमदाबाद-22, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/361/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1190.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Calic Rural Development Foundation, Saranagar, Pirana Road, Ahmedabad-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(361)/82-PF.II]

**का० आ० 1191**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वीरेन कोर्डइंडस्ट्रीज, 460, शम्भु नाथ कम्पाउण्ड, जी० टी० मार्ग, शाहदरा, दिल्ली-32, इसके अन्तर्गत 7, अंसारी मार्ग दरियागंज दिल्ली-2, स्थित इसका कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/362/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1191.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kiren Cord Industries, 460, Sambhu Nath Compound, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32 including its Office at 7, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(362)/82-PF.II]

**का० आ० 1192**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माधुरी डिपार्टमेंटल कैंटीन (समाज कल्याण विभाग, भारत सरकार) विंग, चौथी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/363/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1192.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Madhuri Departmental Canteen (Department of Social Welfare, Government of India) Wing-C, 4th Floor, Shastri Bhavan, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(363)/82-PF.II]

**का० आ० 1193**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गालिब एकेडेमी, बस्ती हजरत, निजामुद्दीन, नई दिल्ली-13, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि

कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/364/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1193**.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ghalib Academy, Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(364)/82-PF.II]

**का० आ० 1194**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साई ड्रग डिस्ट्रिब्यूटर्स, 260, लिंघी चेट्टि स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/365/82-पी० एफ०2]

**S.O. 1194**.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sai Drug Distributors, 260, Linghi Chetty Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(365)/82-PF.II]

**का० आ० 1195**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि टाइपराइटर मार्ट, 54, अर्मेनियन स्ट्रीट मद्रास, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/369/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1195**.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Typewriter Mart, 54, Armenian Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(369)/82-PF.II]

**का० आ० 1196**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओम सनमुगा टाकिज, न्यू, धरपुरम रोड, पलानी, मदुरै, जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/370/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1196**.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Om Shanmuga Talkies, New Dharapuram Road, Palani, Madurai District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(370)/82-PF.II]

**का० आ० 1197**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लस्टर सैम्पियन्स, 156, लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/371/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1197.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lustre Lampions, 156, Linghi Chetty Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(371)/82-PF.II]

**का०आ० 1198**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गांधी भवन ट्रस्ट नम्पल्ली, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है,

[सं० एस-35019/372/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1198.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gandhi Bhavan, Trust, Nampalli, Hyderabad, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(372)/82-PF.II]

**का.आ० 1199**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अनंती रोडवेज, 139डि डिगुल, पालनी, मदुरै जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापनको लागूकरती है।

[सं० एस-35019(386)/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1199.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ananthi Roadways, 139, Dindigul Road, Palani, Madurai District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(386)/82-PF.II]

**का०आ० 1200**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डायग्राम फोर्जिंग्स (प्राइवेट) लिमिटेड, रोड नं० 5 आई०डी०ए०, नाचाराम, हैदराबाद-7 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/388/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1200.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Diagram Forgings (Private) Limited, Road No. 5, I.D.A., Nacharam, Hyderabad-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(388)/82-PF.II]

**का०आ० 1201**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गोल्डेज स्टील एण्ड फरनीचर प्रोडक्ट्स, समीप ओल्ड स्टेट बैंक आफ इंडिया, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/389/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1201.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Goldage Steel and Furniture Products, Near Old State Bank of India, Srikakulam, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(389)/82-PF.II]

**का०आ० 1202**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी टाइपराइटर्स एंड आफिस एपलिएंसिस (इंडिया) कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड, 72, आरमेनियन स्ट्रीट, पोस्ट बाक्स नं० 277 मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक

और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम-35019/40/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1202.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Typewriters and Office Appliances (India) Company (Private) Limited, 72 Armenian Street, Post Box No. 277, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(401)/82-PF II]

**का०आ० 1203.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम०के० बालासुन्दरम, एम०के० सुन्दरसन एण्ड कम्पनी, सिल्क ट्विस्टिंग फैक्टरी, 51-ए, धर्मराज कोविल स्ट्रीट, कोमापलायम आरनी (उत्तरी आरकोट जिला) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम-35019/188/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1203.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. K. Balasundaram, M. K. Sundaresan and Company, Silk Twisting Factory, 51-A, Dharmaraja Kovil Street, Kasapilayam, Arni (North Arcot District), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicale to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby anplies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(188)/82-PF.II]

**का०आ० 1204.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुशील वुड इन्डस्ट्रीज, बन्दर, मंगलौर-575001 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम०-35019/189/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1204.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sushil Wood Industries, Bunder, Mangalore-575001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(189)/82-PF.II]

**का०आ० 1205.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, श्री काकुलम, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/190/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1205.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs District Rural Development Agency, Srikakulam, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(190)/82-PF.II]

**का०आ० 1206.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बुजुरकांचनल्लि एस०एस० संघ लिमिटेड, बुजुरकांचनल्लि हालियाल तालुक, उत्तरी कानारा जिला (कर्नाटक) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/192/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1206.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Buzurkanchanalli S S. Sangh Limited, Buzurkanchanalli Haliyal Taluk, North Kanara District, (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(192)/82-PF II]

**का० आ० 1207.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एसोसिएटेड फास्नर्स, सं० 48/4, श्री जयाचमराजेन्द्र मार्ग, बंगलोर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/193/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1207.**—Whereas it apears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Associated Fasteners, No. 48/A, Sri Jayachamarajendra Road, Bangalore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(193)/82-PF II]

**का०आ० 1208.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैग इलेक्ट्रिकल्स बी-228, फन्कशनल इन्डस्ट्रियल एस्टेट, पीनुआ, बंगलोर-40 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/194/82-पी०एफ०2]

**S.O. 1208.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mag Electricals, B-228, Functional Industrial Estate, Peenya, Bangalore-40, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019(194)/82-PF.II]

**का०आ० 1209.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हलकोटी को-आपरेटिव कैटल फीड प्रोसेसिंग सोसाइटी लिमिटेड हलकोटी, गदाग तालुक, धारवाड जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/203/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1209.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Hulkoti Co-operative Cattle Feed Processing Society Limited, Hulkoti, Gadag Taluk, Dharwar District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(203)/82 PF.II]

**का०आ० 1210.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंटरनेशनल ट्रेवल सर्विस, वेस्ट एंड होटल, रेसकोर्स रोड, बंगलोर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/243/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1210.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs International Travel Service, West End Hotel, Race Course Road, Bangalore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision, Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(243)/82-PF.II]

**का०आ० 1211.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केरल फारेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, मुख्यालय कोट्टायम, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं०एस-35019/263/82-पी०एफ-2]

**S.O. 1211.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kerala Forest Development Corporation Limited, Head Office Kottayam, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(263)/82-PF.II]

**का०आ० 1212.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पावरलाइन्स इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड रजिस्ट्रीकृत कार्यालय वांचियूर, त्रिवेंद्रम कारखाना—औद्योगिक विकास प्लाट—कोचुवेली, त्रिवेंद्रम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/264/82-पी०एफ-2]

**S.O. 1212.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Powerlines Industries (Private) Limited, Registered Office, Vachiyoor, Trivandrum, Factory-Industrial Development Plot Kochuveli, Trivandrum, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(264)/82-PF.II]

**का०आ० 1213.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ड्यूरामेटेलिक इंडिया लिमिटेड, 147, करपक्कम ग्राम, मद्रास-96, इस के अन्तर्गत (1) जितेंद्र इंडस्ट्रीयल एस्टेट, संगम थियेटर के सामने, अंधेरी, किनबा रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई-93 और (2) "एवरेस्ट", नवीं मंजिल, 46-ग चौरंगी मार्ग, कलकत्ता-16 स्थित इसकी शाखाएं भी हैं नामक स्थापन स सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं०एस-35019/265/82-पी०एफ-2]

**S.O. 1213.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Durametallic India Limited, 147, Karapakkam Village, Madras-96 including its branches at (1) Jitendra Industrial Estate, Opposite Sangam Theatre, Andheri-Kinba Road, Andheri East, Bombay-93 and (2) "Everest" 9th Floor, 46-C, Chouranghee Road, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(265)/82-PF.II]

**का०आ० 1214.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आल टूल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, सं० 1, ओन्दिपुदूर रोड, सिंगनेलूर डाकघर, कोयम्बटूर-5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/266/82/पी०एफ-2]

**S.O. 1214.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs All Tools (Private) Limited, No. 1, Ondipudur Road, Singanallur Post Office, Coimbatore-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(266)/82-PF.II]

**का०आ० 1215.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तमिलनाडु थिएटर कारपोरेशन लिमिटेड, इंस्टीट्यूट आफ फिल्म टेक्नोलाजी भवन, अदयार, मद्रास-20, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/267/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1215.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tamil Nadu Theatre Corporation Limited, Institute of Film Technology Buildings, Adyar, Madras-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(267)/82-PF.II]

**का०आ० 1216.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अनंतकृष्ण एण्ड कंपनी, क्लीयरिंग एण्ड फार्वर्डिंग एजेंट्स, सं० 16, नया सं० 30, फर्स्ट लाइन बीच, मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/268/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1216.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Anathakrishna and Company, Clearing and Forwarding Agents, No. 16, New No. 30, First Line Beach, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(268)/82-PF. II]

**का०आ० 1217.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन काफी हाउस, कमर्शियल रोड, उढागामंडलम-643001 (तमिलनाडु), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं०एस-35019/269/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1217.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Coffee House, Commercial Road, Udhagamandalam-643001, (Tamil Nadu), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(269)/82-PF. II]

**का०आ० 1218.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पुरी ग्राम्य बैंक, डाकघर, पिपली, जिला पुरी, उड़ीसा जिसके अंतर्गत (1) डाकघर अस्तरंग, जिला पुरी-752109, (2) डाकघर बादापाडी, टांगी से होकर, जिला पुरी-752023, (3) डाकघर बहादा झोला, जिला पुरी-752102, (4) डाकघर बालाकटी जिला पुरी-752100, (5) डाकघर बालन्गा, जिला पुरी-752105, (6) डाकघर बालीपटना, जिला पुरी-752102, (7) डाकघर बानपुर, जिला पुरी-752031, (8) डाकघर बांगुरी गांव, कक्टपुर से होकर जिला पुरी-752108, (9) डाकघर बेगुनिया, जिला पुरी-752062, (10) बनापजारी, डाकघर तिरिमल, बाजपुर से होकर जिला पुरी-752060, (11) डाकघर भापुर, जिला पुरी-752063, (12) भिगरपुर, डाकघर भाटपटना, बालिन्ता से होकर, जिला पुरी-752101,

(13) भुवनेश्वर, डाकघर भुवनेश्वर यूनिट-4, जिला पुरी-751001, (14) डाकघर भुसंदपुर, जिला पुरी-752021, (15) डाकघर बिस्नुपुर, निमापुर से होकर, जिला पुरी-752106, (16) डाकघर बालगढ़, जिला पुरी-752066, (17) डाकघर ब्राह्मगिरि, जिला पुरी-752011, (18) डाकघर चंदनपुर, जिला पुरी-752012, (19) चेरीछक, डाकघर ब्रह्मकुंडी, जिला पुरी-752113, (20) डाकघर चिल्का-नीयापाड़ा, बालुगांव से होकर, जिला पुरी-752033, (21) डाकघर दधा, बरंग से होकर, जिला पुरी-754005, (22) डाकघर कालापथार, जिला पुरी-754009, (23) डाकघर एराबंग, गोप से होकर, जिला पुरी-752110, (24) डाकघर गनिया, जिला पुरी-752015, (25) डाकघर घोराड़िया, देलन्गा से होकर, जिला पुरी-752015, डाकघर गोपालपुर, जिला पुरी-752015, (27) डाकघर जुनेई, कोणार्क से होकर, जिला पुरी-752111, (28) डाकघर कनास, जिला पुरी-752017, (29) डाकघर खालीसाही से होकर खाड़ापाड़ा गढ़, जिला पुरी-752072, (30) डाकघर खुरदा, जिला पुरी-752055, (31) डाकघर कुहुरी, जिला पुरी-752027, (32) डाकघर कुशल से होकर ओडागांव, जिला पुरी-752081, (33) मेंडहसल से होकर जनला, जिला पुरी-752054, (34) डाकघर नारनगढ़, जिला पुरी-752018 (35) डाकघर नयाहाट, जिला पुरी-752017, (36) डाकघर नयागढ़, जिला पुरी-752069, (37) डाकघर निराकरपुर, जिला पुरी-752099, (38) डाकघर, नयागांव, जिला पुरी-752083, (39) डाकघर पनासापाड़ा से होकर ब्रह्मगिरी, जिला पुरी-752011 (40) डाकघर पिपली, जिला पुरी-752104, (41) डाकघर पुरी (ग्रांड रोड, पुरी), जिला पुरी-752001, (42) डाकघर राजस से होकर पिपली, जिला पुरी-752104, (43) डाकघर राजसुनाखाला, जिला पुरी-752002, (45) रूसीपाड़ा झाउनलिपोखारी, डाकघर महापुर से होकर, पुरी-2 जिला पुरी-752002 (45) डाकघर सखीगोपाल, जिला पुरी-752014, (46) डाकघर साराणकुल, जिला पुरी-752080, (47) डाकघर तामनडो से होकर जनला, जिला पुरी-752054, (48) डाकघर तुलसीपुर से होकर बांकी, जिला पुरी-754008, (49) डाकघर मयरी जिला पुरी और (50) डाकघर जनकिया जिला पुरी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰एस-35019/287/82-पी॰एफ॰ 2]

**S.O. 1218.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Puri Gramya Bank, Post Office Pipli, District Puri, Orissa including its branches at (1) Post Office Astarang, District Puri-752109, (2) Post Office Badapari, Via Tangi, District Puri-752023, (3) Post Office Bahadajhola, District Puri-752102, (4) Post Office Balakati, District Puri 752100, (5) Post Office Balanga, District Puri-752105, (6) Post Office Balipatna, District Puri-752102, (7) Post Office Banpur, District Puri 752031, (8) Post Office Bangurigaon, Via Kaktpur, District Puri-752108, (9) Post Office Begunia, District Puri-752062, (10) Benapanjari, Post Office Tirimal, Via Bajpur, District Puri-752060, (11) Post Office Bhapur, District Puri-752063, (12) Bhingarpur, Post Office Bhatpatna, Via Blianta, District Puri-752101, (13) Bhubaneswar, Post Office Bhubaneswar Unit-IV, District Puri-7521001, (14) Post Office, Bhusandpur, District Puri-752021, (15) Post Office Bisnupur, Via Nimapara, District Puri-752106, (16) Post Office Balgarh, District Puri-752066, (17) Post Office Brahmagiri, District Puri-752011, (18) Post Office Chandanpur, District Puri-752012, (19) Charichhak, Post Office Brahmakundi, District Puri-752113, (20) Post Office Chilka-Nuapada, Via Balugaon, District Puri-752033, (21) Post Office Dadha, Via Barang, District Puri-754005, (22) Dhalapathar, Post Office Kalapathar, District Puri-754009, (23) Post Office Frabang, Via Gop, District Puri-752110, (24) Post Office Gania, District Puri-752085, (25) Post Office Ghoradia, Via Delanga, District Puri-752015, (26) Post Office Gopalpur, District Puri-752025, (27) Post Office Junei, Via Konark, District Puri-752111, (28) Post Office Kanas, District Puri-752017, (29) Post Office Khalisahi, Via Khandapara Garh., District Puri-752077, (30) Post Office Khurda, District Puri-752055, (31) Post Office Kuhuri, District Puri-752027, (32) Post Office Kutal, Via Odagaon, District Puri-752081, (33) Mendhasal, Via Janla, District Puri-752054, (34) Post Office Narangarh, District Puri-752018, (35) Post Office Nayahat, District Puri-752017, (36) Post Office Nayagarh, District Puri-752069, (37) Post Office Nirakarpur, District Puri-752019, (38) Post Office Nuagaon, District Puri-752083, (39) Post Office Panasapada, Via Brahmagiri, District Puri-752011, (40) Post Office Pipli, District Puri-752104, (41) Post Office Puri, (Grand Road, Puri), District Puri-752001, (42) Post Office Rajas, Via Pipli, District Puri-752104 (43) Post Office Rajsunkhala, District Puri-752065, (44) Rusipara, Jhaunlipokhari, Post Office Mahapur, Via Puri-2, District Puri-752002, (45) Post Office Sakhigopal, District Puri-752014, (46) Post Office Sarankul, District Puri-752080, (47) Post Office Tamando, Via Janla, District Puri-752054, (48) Post Office Tulasipur Via Banki District Puri-754008, (49) Post Office Mairi, District Puri and (50) Post Jankia District Puri, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(287)/82-PF II]

**का॰ आ॰ 1219.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सदर्न ट्रांसड्यूसर्स सं॰ 145, नीलंगराय ग्राम, तिरुवान्मियूर डाकघर, मद्रास-41 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/349/82-पी॰ एफ॰ 2]

**S.O. 1219.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Southern Transducers, No. 145, Neelangarai Village, Tiruvanmiyur Post, Madras-41, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscelaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(349)|82-PF. II]

**का० आ० 1220.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्राईवेट डिटेक्टिव सर्विसेज, विशाखापटनम-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/350/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1220.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Private Detective Service, Visakhapatnam-4, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(350)|82-PF. II]

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1983

**का. आ. 1221.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जोती थियेटर, दाबागार्डन्स, विशाखापत्तनम, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं. एस-35019/524/82-पी. एफ.-2]

New Delhi, the 4th February, 1983

**S.O. 1221.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jothee Theatre, Dabagardens, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(524)|82-PF. II]

**का० आ० 1222.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि मैसर्स विनायक टाइल इन्डस्ट्रीज, हट्टीकेरी, तालुक अंकोला, एन० के० जिला, कर्नाटक नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/525/82-पी० एफ० -2]

**S.O. 1222.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinayak Tile Industries, Hattikeri, Ankola Taluk, N.K. District, Karnataka, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(525)|82-PF. II]

**का० आ० 1223.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल अनन्त, एम० जी० रोड, रानेबेन्नूर कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/526/82-पी० एफ० -2]

**S.O. 1223.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Ananta, M.G. Road, Ranebennur, Karnataka, State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(526)|82|PF. II]

**का० आ० 1224.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पॉलीहाइड्रोन, प्लाट नं० बी०/14, खानापुर रोड, उद्यमबाग, बैलगांव, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/527/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1224.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Polyhydron, Plot No. B|14, Khanapur Road, Udyambag, Belgaum, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Government hereby applies the provisions of the said Act Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(527)|82-PF. II]

**का० आ० 1225.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुमारी वीकली, थे बेल्ली, क्वीलोन-9, केरल राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/520/82- पी० एफ० -2]

**S.O. 1225.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kumari Weekly, Thevally, Quilon-9, Kerala State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(520)/82-PF.II]

**का० आ० 1226.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स मोदी स्वीट्स, पी० बी० रोड, दावनगेरे-577-002, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/528/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1226.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mothi Sweets, P.B. Road, Davanagere, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(528)/82-PF.II]

**का० आ० 1227.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रीगल स्पोर्टस कम्पनी, 127, महात्मा गांधी मार्ग सिकन्दराबाद (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस- 35019/415/82-पी० एफ०-2]

**S.O. 1227.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Regal Sports Company, 127, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(415)/82-PF.II]

**का० आ० 1228.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पम्पस एण्ड प्राईममुवरस प्राईवेट लिमिटेड, 4-ई 8, स्वामी रामतीर्थ नगर (झन्डेवालान एक्सटेंशन) नई दिल्ली -110055 तथा इसका ब्रांच आफिस, स्प्रींग हाउस, नई कालोनी, गुड़गांव, हरियाणा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस- 35019/510/81- पी० एफ०-2]

**S.O. 1228.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pumps and Primemovers (Private) Limited, 4-E/8, Swami Ramtirath Nagar (Jhandelwala Extension), New Delhi-110055 including it's branch office at Spring House, New Colony, Gurgaon, Haryana, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S 35019(510)/82-PF.II]

**का० आ० 1229.**—मैसर्स गणेश फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, सब्जी मंडी, दिल्ली-7 को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1951 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है, के लागू होने के ठीक पूर्व, उक्त स्थापन और मैसर्स हिन्दुस्तान ब्रेकफास्ट फूड मैन्युफैक्चरिंग फैक्टरी, 64-65 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली दोनों में नियोजित कर्मचारियों के लिए एक ही भविष्य निधि विद्यमान थी।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध मैसर्स हिन्दुस्तान ब्रेकफास्ट फूड मैन्यूफैक्चरिंग फैक्टरी 64-65, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली को भी लागू होंगे।

[सं० एस- 35019/357/82- पी० एफ०-2]

**S.O. 1229.**—Whereas immediately before the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), hereinafter referred to as the said Act become applicable to Messrs Ganesh Flour Mills Company Limited, Subzi Mandi, Delhi-7, there was in existence a Provident Fund common to the employees employed in the said establishment and Messrs Hindustan Breakfast Food Manufacturing Factory, 64-65, Najafgarh Road, New Delhi.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act shall also apply to M/s. Hindustan Breakfast Food Manufacturing Factory, 64-65, Najafgarh Road, New Delhi.

[No. S. 35019(357)/82-PF III

**का० आ० 1230**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी एण्ड एलाइड सर्विसेज, गिरिनगर एर्नाकुलम, कोचीन-20 एर्नाकुलम ग्राम, कनयन्नूर तालुक, एर्नाकुलम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स०एस-35019/380/82-पी०एफ०-2]

**S.O. 1230.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Industrial Security and Allied Services, Giri Nagar, Ernakulam, Cochin-20, Ernakulam Village, Kanayannur Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(380)/82-PF.II]

**का०आ० 1231**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री सूर्य लक्ष्मी इंजीनियरिंग कम्पनी, 50-94-24 शान्ति पुरम, विशाखापटनम्-16 (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/381/82-पी०एफ 2]

**S.O. 1231.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Surya Lakshmi Engineering Company, 50-94-24 Santipuram, Visakhapatnam-16, (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(381)/82-PF.II]

**का० आ० 1232**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत एग्रो ऐविएशन सर्विस (प्राइवेट) लिमिटेड, 51, हनुमान रोड, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०35019/382/82 पी०एफ०–II]

**S.O. 1232.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Agro Aviation Service (Private) Limited, 51, Hanuman Road, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(382)/82-PF.II]

**का०आ० 1233**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी०बी० भद्र राव, ठेकेदार, मलकापुरम, विशाखापट्टनम-11 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०35019/383/82-पी०एफ० II]

**S.O. 1233.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Veerabhadra Rao, Contrator, Malkapuram, Visakhapatnam-11, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(383)/82-PF.II]

**का०आ० 1234**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साउथ इंडिया शिपिंग सर्विसेज, 17, अंगप्पा नैकन स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०35019/384/82–पी०एफ० II]

**S.O. 1234.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs South India Shipping Services, 17, Angappa Naicken Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(384)/82-PF.II]

**का०आ० 1235**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आजाद अर्बन कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, दुर्गादेवल, हुबली (कर्नाटक) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०36019/385/82–पी०एफ० II]

**S.O. 1235.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Azad Urban Co-operative Bank Limited, Durgadabali, Hubli, (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(385)/82-PF.II]

**का०आ० 1236**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उमातसन ट्रेडिंग कारपोरेशन, 135, अंगप्पा नैकन स्ट्रीट मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं०एस० 35019/390/82–पी०एफ० II]

**S.O. 1236.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Umatson Trading Corporation, 135, Angappa Naicken Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provi-

dent Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(390)/82-PF II]

**का०आ० 1237**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दक्कन आर्गेनिक्स, 123, अंगप्पा नैकन स्ट्रीट, मद्रास-1 इसमें 1-8-156,160, प्लाट सं० 10, प्रेन्ड घाट रोड, सिकन्दराबाद स्थित इसकी शाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०35019/391/82-पी०एफ० II]

**S.O. 1237.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Deccan Organics, 123, Angappa Naicken Street, Madras-1 including its branch at 1-8-156/160, Plot No. 10, Prender Ghat Road, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(391)/82-PF.II]

**का०आ० 1238**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम०पी०पी० इंडस्ट्रीज, 198, लींगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास, जिसमें 14, जयमल स्ट्रीट, मद्रास-18 स्थित इसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०35019/392/82-पी०एफ० II]

**S.O. 1238.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M.P.P. Industries, 198, Linghi Chetty Street, Madras including its branch at No. 14, Jayammal Street, Madras-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(392)/82-PF.II]

**का०आ० 1239**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फिशर कैमिकल्स, बी-5, आई०डी०ए० जीडीमेटला, हैदराबाद-500854 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०35019/397/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1239.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fisher Chemicals, B-5, I.D.A. Jeedimetla, Hyderabad-500854, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(397)/82-PF.II]

**का०आ० 1240**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा फरवरी, 1983 के 6वें दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

"जिला तिरुनेलवेली में अम्बासमुद्रम तालुक में राजस्व ग्राम कल्लीदेकुरिच (उत्तर), कल्लीदेकुरिच-उरकाडु, मेरमादेवी (चेरान्मादेवी), वडाक्कू अरियानयकीपुरम, बेलांगुली तथा वडाक्कू वीरावनाल्लूर और तिरुनेलवेली जिले में तिरुनेलवेली तालुक में मेल-कल्लूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।"

[संख्या एस०38013/1/83-एच० आई०]

**S.O. 1240.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 6th day of February, 1983 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45

which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely —

"The areas comprising the revenue villages Kallidaikurichi (North), Kallidakurichi-Urkadu, Seimadevi (Cheranmadevi), Vadakku Ariyanayakipuram, Vellanguli and Vadakku Veerayanallur in Ambasamudram Taluk in Tirunelveli District and Mel-Kallur in Tirunelveli Taluk in Tirunelveli District"

[No S-38013/1/83-HI]

**का०आ० 1241**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा फरवरी, 1983 के 6वें दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77,78,79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध गुजरात राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

"जिला सुरेन्द्रनगर के वधवान तालुक में सुरेन्द्रनगर, जोरावरनगर और रतनपुर संयुक्त नगरपालिकाओं की नगरपालिका सीमाएं, वधवान शहर की राजस्व व नगरपालिका सीमाएं तथा ग्राम दूधरेज की राजस्व तथा तथा ग्राम पंचायत सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र

[सं० एस० 38013/2/83/एच आई]

**S O 1241.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 6th day of February 1983 as the date on which the provisions of Chapter IV except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Gujarat, namely —

"The areas within the municipal limits of Surendranagar, Jorawarnagar and Ratanpur joint municipalities, revenue and municipal limits of Wadhwan city and the revenue and Gram Panchayat limits of village Dudhrej, Taluka Wadhwan, District Surendranagar."

[No S-38013/2/83-HI]

**का० आ० 1212**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लेड्स (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड (रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और कारखाना), नं० 89, पीनया इंडिस्ट्रियल एरिया 7 वी मेन रोड, फेस III पीनया, बंगलौर-59 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/311/82-पीएफ II]

**S O 1242**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blades (India) (Private) Limited (Registered Office and Factory), No. 89, Peenya Industrial Area, 7th Main Road Phase III, Peenya, Bangalore 58, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019/311/82-PF II]

**का० आ० 1243**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडकेम इलेक्ट्रोनिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 105 डा० राधाकृष्णन सलाई (एडवर्ड एलाइट रोड), माइलापोर मद्रास-4 जिसके अंतर्गत 347, माउन्ट रोड, नन्दनम, मद्रास-35 पर स्थित उनका कारखाना और उसकी : (1) 93, मित्तल चेम्बरस, 9वी मंजिल, नारीमन पाइंट मुम्बई-21, (2) 2, राजेन्द्र प्लेस, रचना बिल्डिंग, नई दिल्ली-8, और, (3) पदमालायम, टी०सी 5/309 (इन्दरा नगर के पास) पेरुरकड़ा त्रिवेन्द्रम-5 पर स्थित उसकी शाखाएं भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम, के उपबंध उक्त स्थापना को लागू करती है।

[सं० एम०-35019/312/82-पीएफ-II]

**S.O. 1243**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indchem Electronics (Private) Limited, 105, Dr Radhakrishnan Salai (Edward Elliots Road), Mylapore, Madras-4, including its factory at 347 Mount Road, Nandanam, Madras 35 and its branches at (1) 93, Mittal Chambers, 9th Floor Nariman Point, Bombay-21, (2) 2, Rajendra Place Rachana Buildings, New Delhi 8, and (3) Padmalayam, TC 5/309 (Near Indra Nagar), Perukada, Trivandrum-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019/312/82-PF II]

## शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1983

**का०आ० 1244** — भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 13 मार्च, 1982 के पृष्ठ 1142 पर भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1106, तारीख 23 फरवरी, 1982 की दूसरी पंक्ति में, "दूसरी मंजिल" शब्दों के स्थान पर "दूसरी गली" शब्द पढ़े।

[सं० एस०-35019/315/81-पी०एफ०-II]

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th February, 1983

**S.O. 1244.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1106 dated the 23rd February, 1982 published at page 1142 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 13th March, 1982 at page 1142, line 4, for '2nd Floor' read '2nd Street'

[No. S-35019(315)/81-PF II]

**का० आ० 1245.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भविष्य निधि इम्पलाईज को-आपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड, सं० टी०-643, पट्टम, त्रिवेन्द्रम-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०35019/323/82-पीएफ II]

**S.O. 1245.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhavishyanidhi Employees' Co-operative Credit Society Limited, No. T 643, Pattom Trivandrum 4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(323)/82-PF.II]

**का० आ० 1246.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओ० ई० यू० लायन्स आई० हास्पिटल, श्री रामनगर (हैदराबाद) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत : केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 3019/340/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1246.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs OEU Lions Eye Hospital, Shreeramnagar, (Hyderabad), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(340)/82-PF II]

**का० आ० 1247.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दुर्गा स्टील प्राडक्टस, डाकघर और जिला श्रीकाकुलम, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 35019/310/82 पी० एफ II]

**S.O. 1247.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Durga Steel Products, Srikakulam Post Office and District, Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(310)/82-PF.II]

**का० आ० 1248.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स कम्प्यूटर मटिनेस सर्विसेज, 201, आर्केडिया, नारीमन प्वांइट, मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35018/84/82-पी०एफ० II]

**S.O. 1248.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Computer

Maintenance Service, 201, Arcadia, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establish-to the said establishment.

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(84)/82-PF. II]

**का०आ० 1249.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री महालक्ष्मी टेंपल चेरीटीज, भुलाभाई देसाई रोड, मुम्बई-26 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35018/85/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1249.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shri Mahalakshmi Temple Charities Bhulabhai Desai Road, Bombay-26, have agreed that the provisions of the Employees' Providant Funds and Miscellaneous Provis ons Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(85)/82-PF. II]

**का०आ० 1250.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्याम प्रापरटीस लिमिटेड, मेकर भवन, 1, सर विठलदास थकर से मार्ग, 1, न्यू मेरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35018/87/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1250.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishmeht kown as Messrs Shyam Properties Limited, Maker Bhavan, 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, 1, New Marine Lines Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(87)/82-PF. II]

**का०आ० 1251.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स स्टार्लिंग हीट-टेरीटेरम, 9-ए, इरान्डवेल, कारवरोड, पूने-41004 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35018/126/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1251.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sterling Heat-Treaters, 9-A, Erandwane, Karve Road, Puna-41004 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(126)/82-PF. II]

**का०आ० 1252.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एपीजे ट्यूब्स (प्राईवेट) लिमिटेड, 47, हाइड रोड, कलकत्ता-27 जिसके अन्तर्गत 15, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16, स्थित उसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/115/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1252.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Apeejay Tubes (Private) Limited, 47, Hide Road, Calcutta-27 including its Registered Office at 15, Part Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(115)/82-PF. II]

**का०आ० 1253.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आरामबाग हेचरीज लिमिटेड, 7, इंडियन मिरर, स्ट्रीट, कलकत्ता-13, जिसके अंतर्गत चन्दूर, आरामबाग, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल स्थित उसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और फार्म भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/135/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1253.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arambagh Hatcheries Limited, 7, Indian Mirror Street, Calcutta-13 including its Registered Office and Farm at Chandur, Arambagh, District Hooghly, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provideht Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(135)/82-PF. II]

**का०आ० 1254.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेम इंजीनियरिंग, आर-124, मस्जिद तलब, गार्डन रीच, कलकत्ता-24 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/137/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1254.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gem Engineering, R-124, Masjid Talab, Garden Reach, Calcutta-24, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(137)/82-PF. II]

**का०आ० 1255.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साइमन इण्डस्ट्रीज, बी-18, बेहाला इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, कलकत्ता, जिसके अंतर्गत । ए०एस०एन० बनर्जी रोड, कलकत्ता-13 स्थित इसका कार्यालय भी है । नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/138/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1255.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to tha establishment known as Messrs Syman Industries, B-18, Behala Industrial Estate, Calcutta-60 including its Office at IA, S. N. Banerjee Road, Calcutta-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(138)/82-PF. II]

**का०आ० 1256.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स विक्रम इन्टरनेशनल, 15, चितरंजन एवेन्यू, पांचवीं मंजिल, कलकत्ता-72 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उक्त अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/168/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1256.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vikram International, 15, Chittaranjan Avenue, 5th Floor, Calcutta-72, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(168)/82-PF. II]

**का०आ० 1257.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एसम्बली आफ गॉड स्कूल आफ नर्सिंग, 125/1, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-17 ; नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम,

1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/170/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1257.**—Whertas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Assembly of God School of Nursing, 125/1, Park Street, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(170)/82-PF. II]

**का० आ० 1258.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० के० चक्रवर्ती एण्ड कम्पनी, 6-बी, आर० एन० मुखर्जी मार्ग, कलकत्ता-1, इसके अंतर्गत 65/1ए, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29 स्थित इसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भी है ; नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारीयों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35017/189/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1258.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment as Messrs S. K. Chakravarti and Company, 6-B, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1 including its Registered Office at 65/1A, Hindusthan Park, Calcutta-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(189)/82-PF. II]

**का०आ० 1259.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कैपसो मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, 4, अहमद मामूजी स्ट्रीट, लिलुआ, हावड़ा-711204 (पं० बंगाल) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017/190/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1259.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment as Messrs Capso Manufacturing Company, 4, Ahmed Mamooji Street, Liluah, Howrah 711204 (West Bengal), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 ( 19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(190)/82-PF. II]

**का०आ० 1260.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स त्रिमूर्ति, 12, जवाहरलाल नेहरू रोड़, कलकत्ता-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017/193/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1260.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Trimurti, 12, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, tha Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(193)/82-PF. II]

**का०आ० 1261.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्राईट बाक्स, मशीन ड्राई क्लीनर्स, 11/2-बी, डा० सुरेश सरकार रोड, कलकत्ता-700014 तथा इसकी दुकान 160, विपीन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता-700014, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017/298/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1261.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bright Box, Machine Dry Cleaners, 11/2-B, Dr. Suresh Sarkar Road, Calcutta-700014 including its shop at 160, Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta-700012, have agreed that the provisioh of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(298)/82-PF. II]

**का०आ० 1262.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि भावसर क्षेत्रिय को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, 63/67, 24वी क्रौस किलारी रोड, बंगलौर-53 जिसके अंतर्गत (1) सी०एम०ई० ट्रस्ट बिल्डिंग, केवलरी रोड, बंगलौर-42 (2) सं०, 131, डी०वी०जी० रोड, बसावनगुडी बंगलौर-4 और (3) सं० 19, पहली मंजिल मालेस्वरम, बंगलौर-3 उसकी शाखाएं भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/201/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1262.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relaion to the establishment known as Messrs The Bhavasara Kshetriya Co-operative Bank Limited, 63/67, 24th Cross Kilari Road, Bangalore-53 including its brahches at (1) C.M.E. Trust Building, Cavelry Road, Bangalore-42 (2) No. 131, D.V.G. Road, Basavangudi, Bangalore-4 and (3) No. 19, 1st Floor, Malleswaram, Bangalore-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(201)/82 PF. II]

**का०आ० 1263.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दोड्डाबाथी फार्मर्स सर्विस को-आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, दोड्डाबाथी-577566, देवनगोर तालुक, चित्रदुर्गा जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/202/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1263.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Doddabathi Farmers Service Co-operative Society Limited, Doddabathi-577566, Davangere Taluk, Chitradurga District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(202)/82-PF. II]

**का०आ० 1264.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि कनोइस्यूर पालथिकल बिल्डिंग, टी०बी० रोड, कोट्टायम, 686001, केरल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/206/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1264.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Connoisseur Palathinkal Building T. B. Road, Kottayam-686001, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(206)/82-PF. II]

**का०आ० 1265.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कृष्णा प्लास्टिक्स, एफ-4, ब्लाक, इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, दोलाइस्वरम्-533124 (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन

से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/207/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1265.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Krishna Plastics, F. 4 Block, Industrial Estates, Dowlaishwaram-533124 (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(207)/82-PF.II]

**का०आ० 1266**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एमवी इलेक्ट्रोनिक्स, 227, पोलचि रोड, कोयम्बतूर-21, जिसके अंतर्गत 3-ए, पलानिसामी नायडू स्ट्रीट, कोयम्बतूर-18 स्थित उसका प्रशासनिक कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/216/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1266.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Eaves Electronics, 227, Pollachi Road, Coimbatore-21 including its Administrative Office, 3-A, Palanisamy Naidu Street, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(216)/82-PF II]

**का०आ० 1267**.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गणेश राइस एण्ड फ्लोर मिल, 119, 120 मेन रोड, छत्रापत्ति, सत्तूर, तमिलनाडू, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/217/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1267.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ganesh Rice and Floor Mill, 119, 120, Main Road, Chatrappatti, Sattur, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(217)/82-PF II]

**का०आ० 1368.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पांडियान ओटो प्रॉडक्टस, इनफिल्ड काम्प्लेक्स, सिगमपुनारी, रामनद जिला नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/218/82-पी०एफ० 2]

**S.O. 1268.**—Whereas it appears to tha Central Government that the employer and the majority of the employees in lation to the establishment known as Messrs Pandiyan, Auto Products, Enfield Complex, Singampunari, Ramnad District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(218)/82-PF II]

**का०आ० 1269.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयन्ती टाकीज, थिरूवनमियूर, मद्रास-41 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम-35019/231/182-पी०एफ०]

**S.O. 1269.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayanthi Talkies Thiruvanmiyur, Madras-41, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisinons Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(231)/82-PF.II]

**का० आ० 1270.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्वालिटी रबड़ प्रोडक्टस, पेरेचारला, गुन्टुर, आंध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/246/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1270.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kwality Rubber Products, Perecharla, Guntur, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(246)/82-PF.II]

**का० आ० 1271.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विसप्रो फाउन्डरी इंजिनियरस् (प्राइवेट) लिमिटेड, सं० 51, वी रामानिवर रोड, कंडाचवाडी, पेरुनगुडी, मद्रास-96 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/253/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1271.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as messrs Vispro Foundary Engineers (Private) Limited, No. 51, Veeramamuniyar Road, Kandanchavadi, Perungudi, Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(253)/82-PF. II]

**का० आ० 1272.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उदय मेटल इंडस्ट्रीज 11-5/8 पी० एम० स्वीमी कालोनी, गणपति पोस्ट आफिस, कोयम्बतूर-641006 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/254/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1272.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrss Udaya Metal Industries, 11-5/8, P. M. Swamy Colony, Ganapathy Post Office, Coimbatore-641006, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(254)/82/PF.II]

**का० आ० 1273.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अशोका एग्रीकल्चरल एण्ड इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, डी-3, और डी-4, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, वारंगल-506007 (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनिम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(255)/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1273.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ashoka Agricultural and Electrical Industries Limited, D-3, D-4, Industrial

Estate, Wadangal-506007 (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S 35019(255)/82-PF.II]

**का० आ० 1274**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स परनधामाईहा एण्ड कम्पनी, 46-18-14 ए, मांडवएरीपेटा, विशाखापत्तनम-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/256/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1274.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Parandamaiah and Company, 46-18-14/A, Mandavaripeta, Visakhapatnam-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(256)/82-PF. II]

**का० आ० 1275**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टेण्डर्ड पैकेजिगस, इंडस्ट्रियल इस्टेट, नल्लौर-4 (आंध्र प्रदेश) जिसके अंतर्गत उसका मुख्य कार्यालय नम्बर-5, सर थ्यागाराया रोड, मद्रास-17 में हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/260/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1275.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Standard Packagings, Industrial Estate, Nellore-4 (Andhra Pradesh) including its Head Office at No. 5 Sir Thyagaraya Road, Madras-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(260)/82-PF.II]

**का० आ० 1276**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल सुनन्दा चिकन्दपल्ली, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/261/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1276.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Sunanda Chikkandapally, Hyderabad (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(261)/82-PF.II]

**का० आ० 1277**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वी० शिवारमन चिल्ड्रन ट्रस्ट, नं० 8, दीवान बहादुर रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर-641002, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करती है।

[सं० एस-35019/270/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1277.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs V. Sivaraman Children Trust, No. 8, Dewan Bahadur Road, R. S. Puram, Coimbatore-461002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), hould be made applicable to the said establishment;,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(270)/82-PF.II]

**का० आ० 1278**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल कोरोनेट नं० 59/60 लेट्टिस ब्रिज रोड, अदयर, मद्रास-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/272/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1278.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Coronet, No. 59/60, Lattice Bridge, Road, Adyad, Madras-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), hould be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/272/82-PF. II]

**का० आ० 1279**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिवराम्स, एसोशिएट्स्, 8, डी० बी० रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/273/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1279.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shivrams Associates, 8-D.B. Road, R.S. Puram, Coimbatore-2, hava agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(273)/82-PF.II]

**का० आ० 1280**:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिव सेल्स, 8 डी० बी० रोड, आर० एस० पुरम; कोयम्बतूर-641002 (तमिलनाडू) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/274/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1280.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shiv Sales, 8-D.B. Road, R.S. Puram, Coimbatore-641002 (Tamil Nadu), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(274)/82-PF.II]

**का० आ० 1281**.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वी० वी० फाइनेन्स, 8, डी० बी० रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/275/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1281.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. V. V. Finance, 8-D.B. Road, R.S. Puram, Coimbatore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(275)/82-PF.II]

**का० आ० 1282**.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मेरडहिल इंजिनियरिंग इन्डस्ट्री, मेट्टपालायम रोड, कोयम्बतूर-641011 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/276/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1282.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sendhil Engineering Industry, Mettupalayam Road, Coimbatore-641011, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(276)/82-PF-II]

**का० आ० 1283.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एच० आर० इन्डस्ट्रीज, नव इंडिया रोड, कृष्णारायापुरम, पोस्ट आफिस, कोयम्बतूर जिसके अंतर्गत उसका प्रशासनिक कार्यालय 7/311, अवनाशी रोड, कोयम्बतूर-18 पर है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/277/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1283.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs H. R. Industries, Nava India Road, Krishnarayapuram, Post Office Coimbatore including its Administration Office at 7/311, Avanashi Road, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(277)/82-PF.II]

**का० आ० 1284.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ईस्ट बेस्ट मैनेजमेंट एण्ड मेनपावर कन्सल्टेन्टस, सी-2, कम्युनिटी सेन्टर, नारायणा विहार, नई दिल्ली-28 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/280/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1284.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs East West Management and Manpower Consultants, C-2, Community Centre, Naraina Vihar, New Delhi-28 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(280)/82-PF.II]

**का० आ० 1285.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आई० ए० एम० आर० डिपार्टमेंटल कैंटीन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/281/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1285.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs IAMR Departmental Canteen, Indraprastha Estate, Ring Road, New Delhi-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(281)/82-PF.II]

**का०आ० 1286.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गालिब इंस्टीट्यूट, ग़ेवाने गालिब मार्ग (माता सुंदरी लेन) नई दिल्ली-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/282/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1286.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ghalib Institute, Aiwan-E-Ghalib Marg, (Mata Sundri Lane), New Delhi-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(282)/82-PF.II]

**का० आ० 1287.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महालक्ष्मी इण्डस्ट्रीज, शैड सं० 22, स्कीम 2, फेज-2, न्यू ओखला इण्डस्ट्रियल इस्टेट, नई दिल्ली-20 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/283/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1287.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mahalakshmi Industries, Shed No. 22, Scheme II, Phase-II, New Okhala Industrial Estate, New Delhi-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(283)/82-PF.II]

**का० आ० 1288.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फैब्रिका इंडिया, बी-1/28, हौज खास, नई दिल्ली-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/284/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1288.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fabrika India, B-1/28, Hauz Khas, New Delhi-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(284)/82-PF.II]

**का० आ० 1289.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिलासपुर—रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, नार्मल स्कूल मार्ग, बिलासपुर (मध्य प्रदेश) इसमें निम्नलिखित शाखाएं भी हैं (1) बिलासपुर (2) जयरामनगर (3) बलोदा (4) बाहमनीडीह (5) फागूराम (6) पेंड्रा (7) केरा (8) राहोद (9) छुरी (10) मारवाही (11) कुंडा (12) पंडातार आई (13) पाली (14) गनियारी (15) सिपत (16) सरगांव (17) जरहागांव (18) नरियारा (19) खामहीं (20) बिर्रा (21) थाथरी (22) सेमरा (23) पासान (24) पथारिया (25) राजिम (26) सिलियारी (27) लावण (28) झालप (29) पांडुका (30) भाटगांव (31) कोमाखण (32) आमाडी (33) तेंदुकोना (34) टुमगांव (35) कासडोल (36) सांदी (37) अर्जुनी (38) सोकारा (39) मनपुर (40) रासानी और (41) छुरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/285/82-पी० एफ० 2]

**S.O. 1289.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Norman School Road, Bilaspur (Madhya Pradesh) including its branches at (1) Bilaspur, (2) Jairamnagar, (3) Baloda, (4) Bahmnidih, (5) Phaguram, (6) Pendre, (7) Kera (8) Rahod (9) Chhuri, (10) Marwahi, (11) Kunda, (12) Pandatarai, (13) Pali, (14) Ganiyari, (15) Sipat, (16) Sargaon (17) Jarhagon (18) Nariyara, (19) Khambin, (20) Birra, (21) Thathari, (22) Semara, (23) Pasan, (24) Pathariya, (25) Rajim, (26) Siliyari, (27) Lawan, (28) Jhhalap, (29) Panduka, (30) Bhatgaon, (31) Komakhan, (32) Aamadi, (33) Tendukona, (34) Tumgaon, (35) Kasdol, (36) Sandi, (37) Arjuni, (38) Sokara, (39) Mainpur, (40) Rasani and (41) Chhura have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(285)/82-PF.II]

**का० आ० 1290.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पल्प एंड पेपर रिसर्च इन्स्टीट्यूट जेपोर, कोरापुट, उड़ीसा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी

भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम०-35019/292/82-पी० एफ० 2]

S.O. 1290.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relations to the establishment known as Messrs Pulp and Paper Research Institute, Jaykaypur, Koraput, Orissa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaenous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said estabilshment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(292)/82-PF.II]

**का० आ० 1291.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बलदेव सोप फैक्टरी, सी 3/3, मायापुरी, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस II, नई दिल्ली-64 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/307/82-पी० एफ० 2]

S.O. 1291.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Baldev Soap Factory, C-3/3, Mayapuri, Industrial Area, Phase II, New Delhi-64 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(307)/82-PF.II]

**का०आ० 1292.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आंध्र प्रदेश बैकवर्ड क्लासेस् को-आपरेटिव फाईनैन्स कारपोरेशन लिमिटेड, हैदराबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम० 35019/308/82-पी०एफ० 2]

S.O. 1292.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation Limited, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(308)/82-PF.II]

**का०आ० 1293.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रोकोन इंस्ट्रूमेंटेशन (प्राईवेट) लिमिटेड, 6, थंडवरया ग्रमानी स्ट्रीट, संथोम, मद्रास-4, जिसमें बी-7/1 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-16 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/309/82-पी०एफ० 2]

S.O. 1293.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Procon Instrumentation (Private) Limited, 6, Thandavaraya Gramani Street, Santhome, Madras-4 including its branch at B-7/1, Safdarjung Enclave, New Delhi-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(309)/82-PF.II]

## शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1983

**का० आ० 1294.**—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंण्ड (ii) तारीख 3 जुलाई, 1982 में पृष्ठ 2556 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2406 तारीख 16 जून, 1982 के हिन्दी पाठ

दूसरी पंक्ति में "इन्द्रा बिस्वास रोड, कलकत्ता" शब्दों के स्थान पर "इन्द्रा बिस्वास मार्ग, बेलगाचिया, कलकत्ता 37" पढ़ें।

[संख्या एस०-35017/19/82-पी० एफ०-II]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th February, 1983

**S.O. 1294.**—In the notification of the Government of India in the Ministdy of Labour No. S.O 2406 dated the 16th June, 1982 published at page 2556 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 3rd July, 1982 in line 4 the words 'India Biswas Road, Calcutta-37' may be read as 'Indra Biswas Road, Belgachia, Calcutta-37.

[No. S-35017(19)/82-PF II]

## शुद्धि-पत्र

**का० आ० 1295.**—भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 2, उपखण्ड (ii) तारीख 3 जुलाई, 1982 में पृष्ठ 2554 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2398 तारीख 16 जून, 1982 के हिन्दी पाठ में, दूसरी पंक्ति में, शब्दों और अंक के स्थान पर "कामर्स हाउस ., गपोश चन्द्र एवेन्यू, पहली मंजिल कलकत्ता 13" शब्द और अंक रखे जायगे।

[सं० एस०-3501/79/82-पी० एफ-2]

CORRIGENDUM

**S.O. 1295.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2398 dated the 16th June, 1982 published at page 2554 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 3rd July, 1982 in lines 4 and 5 the words 2, Ganesh Chandra Avenue, First Floor, Calcutta-13' may be read 'Commerce House'., 2, Ganesh Chandra Avenue, First Floor, Calcutta-13

[No. S. 35017(9)/82-PF.II]

**का० आ० 1296.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रेसीजन इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, बी-4, ई० ई० आई० ई० बालानगर, हैदराबाद-37, आंन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत : केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/27/83 पी०एफ० 2]

**S.O. 1296.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Precision Engineering Corporation, B.4 F.E.I.E., Balanagar, Hyderabad-37 (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(27)/83 PF. II]

**का० आ० 1297.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लेम्बडा इलैक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड, 11/29, डा० वी० एस० आई० कैम्पस, मद्रास-41 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/15/83पी०एफ० 2]

**S.O. 1297.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lambda Electric Private Limited, 11/29, Dr. V.S.I. Campus, Madras-41, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(15)/83-PF. II]

**का० आ० 1298.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फर्टीलाइजर टाउन हाई स्कूल, तलेचार विक्रम पुर (उड़ीसा) नामक स्थापन सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/306/82-पी०एफ० 2]

ए० के० भट्टराई, अवर सचिव ।

**S.O. 1298.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fertilizer Town High School, Talcher Vikrampur (Orissa) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(306)/82-PF.II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1983